वार्षिक रिपोर्ट

2019-2020

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)

वार्षिक
रिपोर्ट
2019-20

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110016

© राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, 2020
(भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित)

संकाय समन्वयक : प्रो. रस्मिता दास स्वैन

कुलसचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, 17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स विबा प्रेस प्रा. लि., ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस–।।, नई दिल्ली–110020, नवंबर 2021 में 150 प्रतियां डिजाईन एवं मुद्रित

विषय-सूची

अध्याय		
1.	विहंगावलोकन	01
2.	अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम	35
3.	अनुसंधान	53
4.	पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं	79
5.	कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं	91
6.	प्रकाशन	99
7.	नीपा में सहायता अनुदान योजना	103
8.	प्रशासन और वित्त	107
अनुलग्नक		
I.	संकाय का अकादमिक योगदान	113
परिशिष्ट		
I.	नीपा परिषद के सदस्य	209
II.	प्रबंधन बोर्ड के सदस्य	211
III.	वित्त समिति के सदस्य	212
IV.	अकादमिक परिषद के सदस्य	213
V.	अध्ययन बोर्ड के सदस्य	215
VI.	संकाय और प्रशासनिक स्टाफ	217
VII.	**वार्षिक लेखा**	221
	लेखापरीक्षा रिपोर्ट	269

1

विहंगावलोकन

विहंगावलोकन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर अपने महत्वपूर्ण और व्यापक शैक्षणिक कार्यकलापों के साथ देश के शिक्षा संस्थानों के नेटवर्क में विशेष स्थान रखता है।

इसकी स्थापना आरंभिक रूप से फरवरी 1962 में यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच हस्ताक्षरित समझौते के अंतर्गत शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र के रूप से हुई थी। इस केंद्र का मुख्य कार्य एशिया के शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये शैक्षिक योजना, प्रशासन संस्थान पर्यवेक्षण से संबंधित समस्याओं पर अनुसंधान तथा अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन तथा सदस्य राज्यों को तकनीकी सहायता प्रदान करना था।

1 अप्रैल 1965 से शैक्षिक योजनाकारों, प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों के लिये एशिया क्षेत्रीय केंद्र का नाम बदलकर एशिया शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान कर दिया गया। यूनेस्को तथा भारत सरकार के बीच दस वर्ष के समझौते के समाप्त होने के बाद, एशिया संस्थान को भारत सरकार द्वारा अधिग्रहित कर लिया गया और तत्पश्चात 1970 में शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिये राष्ट्रीय स्टाफ कालेज की स्थापना की गई। पुनः इस कालेज का पुनर्गठन किया गया और 31 मई 1979 को इसका विस्तार करते हुये इसको राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) के रूप में पुनः पंजीकृत किया गया।

शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन के क्षेत्र में नीपा द्वारा किये गये महत्वपूर्ण कार्यों को देखते हुये संस्थान को वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत इसे 'मानित विश्वविद्यालय' का दर्जा प्राप्त हुआ जिसके अंतर्गत इसे डिग्री प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई और पुनः नाम परिवर्तन के बाद इसे राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) कहा जाने लगा। अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह यह पूर्णतः भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

दिनांक 30.11.2017 की अधिसूचना संख्या फा.सं. न्यूपा/प्रशासनिक/आरओ/परिपत्र/030/2017 के द्वारा **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय (न्यूपा)** का नाम परिवर्तन **राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) (मानित विश्वविद्यालय)** के रूप में कर दिया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिनांक 10 नवंबर 2017 और 29 नवंबर 2017 के संप्रेषित पत्राचार सं. एफ. 5–1/2017(सी.पी.पी.–1/डी.यू.) द्वारा भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में 'विश्वविद्यालय' शब्द के स्थान पर 'संस्थान' शब्द रख दिया गया है।

नीपा का विज़न और मिशन

संस्थान का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत संस्थान शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान का उद्देश्य 'ज्ञान के उन्नयन से एक मानवीय अधिगम समाज का निर्माण करना है'। इस विज़न के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्थान शैक्षिक नीति, उच्च स्तरीय शिक्षण के साथ योजना तथा प्रबंधन, राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संदर्भ में अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्र में उत्कृष्ट केंद्र के रूप में सेवायें प्रदान करने हेतु मिशन के रूप में कार्य कर रहा है। संस्थान के मुख्य कार्यनीतिक उद्देश्य निम्नांकित हैं :

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी नीतियों, योजना तथा कार्यक्रमों के निर्माण और क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रीय तथा संघ क्षेत्रों के स्तर पर सांस्थानिक क्षमता का सुदृढ़ीकरण तथा स्कूल, समुदाय, जिला, राज्य/संघ प्रदेशों तथा राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित, सहभागिता और जवाबदेह शैक्षिक अभिशासन तथा प्रबंधन प्रणाली का सांस्थनीकरण।
- शैक्षिक सुधारों का अनुसमर्थन करने और शिक्षा क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों की प्रभावी योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और अनुश्रवण को बढ़ावा देने के प्रयोजन से अपेक्षित ज्ञान और कौशलों से सुसज्जित शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में युवा पेशेवरों सहित और शिक्षाविदों सहित विशेषीकृत मानव संसाधनों के समूह का विस्तार करना;
- शैक्षिक क्षेत्र में उभरती तथा वर्तमान चुनौतियों का सामना करने हेतु तथ्य आधारित जवाबदेही एवं प्रभावी कार्यक्रम क्रियान्वयन को बढ़ावा देने हेतु शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन एवं संबंधित विषयों के ज्ञान आधार में वृद्धि;
- शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों तथा उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार तथा बेहतर शैक्षिक नीतियों के क्रियान्वयन हेतु शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार, अनुसंधान परिणामों, नवाचारों तथा सर्वोत्तम व्यवहार समेत सूचना तथा ज्ञान की साझेदारी एवं पहुंच में सुधार;
- अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं को प्रोत्साहन देते हुये शैक्षिक नीति निर्माण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन व्यवहार/तकनीक शिक्षा के सभी चरणों तथा व्यवस्था में, तथा रणनीतिक उपागम शैक्षिक योजना प्रक्रियाओं, अभिशासन तथा प्रबंधन में सुधार हेतु तथा अंतरशास्त्रीय जिज्ञासाओं में नेतृत्वकारी भूमिका जो शैक्षिक नीति–निर्माण तथा देश में शैक्षिक योजना तथा प्रशासन व्यवहार का निर्माण करती है।

मुख्य कार्य

अपने मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान निम्नांकित मुख्य कार्यों में संलग्न है :

- शिक्षा के सभी चरणों में शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में नेतृत्वकारी भूमिका प्रदान करना;
- सर्वोत्तम प्रशिक्षित शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के कैडर के गठन हेतु प्री–डाक्टरल, डॉक्टरल तथा पोस्ट डॉक्टरल कार्यक्रमों और व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों सहित अध्यापन के विकसित अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों का विकास तथा आयोजन और साथ में शैक्षिक नीतियों योजना तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, अनुश्रवण हेतु सतत् सांस्थानिक क्षमता का निर्माण करना;
- शैक्षिक लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु अनुसंधान एजेंडा तथा वचनबद्धता को स्वरूप देना, क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिये आवश्यक समर्थन हेतु नये ज्ञान का सृजन तथा तथ्य आधारित नीति निर्माण और बेहतर शैक्षिक योजना और प्रबंधन व्यवहार/तकनीक का प्रयोग करना;
- केंद्रीय तथा राज्य सरकारों को तथा राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय संस्थानों को उनकी शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन से संबंधित क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु तकनीकी समर्थन प्रदान करना और उन्हें शैक्षिक नीतियों, योजनाओं तथा कार्यक्रमों की रूपरेखा, अनुश्रवण तथा मूल्यांकन में सुधार हेतु मदद करना;
- शैक्षिक क्षेत्र के विकास कार्यक्रमों के मूल्यांकन तथा निर्माण हेतु राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों को परामर्श सेवायें प्रदान करना;
- शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान तथा नवीन ज्ञान के सृजन हेतु सूचना तथा विचारों के समाशोधन गृह के रूप में कार्य, शैक्षिक नीतियों, योजना तथा प्रशासन में विशेष रूप से, विचारों/अनुभवों के आदान–प्रदान तथा नीति–निर्माताओं, शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के बीच नीतिगत चर्चा हेतु विचार मंच प्रदान करना, प्रभावी नीतियों तथा शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन तकनीक/व्यवहार को शिक्षा क्षेत्र संबंधी चुनौतियों को सामना करने हेतु चिह्नित करना तथा शिक्षा क्षेत्र संबंधी विकास लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त करना;
- शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में सुधार हेतु संयुक्त प्रयासों/कार्यक्रमों तथा अनुसंधान अध्ययनों को प्रोत्साहन देने के लिए संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था के

अंतर्गत कार्यक्रमों, निधि एवं एजेंसियों समेत राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं संगठनों के साथ नेटवर्किंग तथा सहयोग;

- शैक्षिक क्षेत्र के विकास में उभरती हुई प्रवृत्तियों का मूल्यांकन तथा विश्लेषण, शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में उभरती हुई चुनौतियों की पहचान तथा शैक्षिक क्षेत्र के विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु उपयुक्त नीति निर्माण तथा कार्यक्रम हस्तक्षेप के निर्माण को सुगम बनाने के लिए शैक्षिक क्षेत्र विकास लक्ष्यों और उद्देश्यों की प्रगति का मूल्यांकन।

संस्थान के उपरोक्त कार्य राज्य तथा संघशासित प्रदेश एवं केंद्रीय स्तर पर सरकारों तथा संस्थानों के साथ निकटतम संपर्क तथा सहयोग द्वारा आयोजित किये जाते हैं। उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ संस्थान कार्यक्रम क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन एवं शिक्षा व्यवस्था की योजना तथा प्रबंधन से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है। संस्थान का एक मुख्य पहलू जमीनी स्तर पर संस्थान का संबंध द्वि–रूप कार्य प्रणाली है। संस्थान अपने ज्ञान आधार में वृद्धि वास्तविकता क्षेत्र में अनुसंधान तथा क्षेत्र कार्यकर्ताओं के साथ स्कूल, कालेज, राज्य तथा केंद्रीय सरकार के विभिन्न स्तरों पर विभागों के साथ संपर्क द्वारा करता रहा है। संस्थान के रूप में, संस्थान राज्यों/संघशासित प्रदेशों की शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन संबंधी क्षमता निर्माण को पूर्ण करने हेतु संसाधन व्यक्तियों को प्रशिक्षण, राज्य सरकारों तथा राज्य संस्थानों के साथ निकटवर्ती संपर्क, उनकी शैक्षिक व्यवस्था का समालोचनात्मक अध्ययन, नीतियां तथा कार्यक्रम एवं उन्हें व्यावसायिक परामर्श तथा तकनीकी समर्थन हेतु प्रयासरत है। संस्थान अपने ऐसे कार्यक्रमों की शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन के क्षेत्र में एक थिंक टैंक (प्रसार केन्द्र) बना हुआ है। संस्थान अपने अधिकांश क्षमता निर्माण के कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और अन्तर्दृष्टि जमीनी स्तर के शैक्षिक कार्यकर्त्ताओं को हस्तान्तरित कर रहा है। इस प्रकार से नीपा की इस दोहरी भूमिका ने अपने अध्यापन तथा अनुसंधान के अकादमिक कार्य को व्यापक प्रामाणिकता प्रदान की है।

अकादमिक ढांचा तथा समर्थन सेवाएं

नीपा के अकादमिक ढांचे में विभाग, केंद्र, विशेष पीठ हैं जो शिक्षा के विशिष्ट पक्षों तथा तकनीकी समर्थन एकक/समूह तथा अकादमिक समर्थन प्रणाली अपने संबंधित विषयगत क्षेत्रों से जुड़ी विकास तथा क्रियान्वयनकारी गतिविधियों के प्रति उत्तरदायी हैं। नीपा के संकाय में प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर तथा राष्ट्रीय अध्येता सम्मिलित हैं जो शिक्षा नीति, योजना तथा प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ हैं। प्रत्येक विभाग अंतरशास्त्रीय विषयों के आधार पर संयोजित है और वे ज्ञान, विद्वता तथा अन्य अध्ययन कार्यक्रमों और अनुसंधान क्षेत्रों, सामान्यतः शिक्षा, और विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन में विशेष तौर पर संसाधन प्रदान करते हैं। प्रत्येक विभाग के पास अनुसंधान/परियोजना सहायकों तथा अनुसचिवीय कर्मचारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञ के रूप में संकाय सदस्य हैं। अकादमिक विभाग का अध्यक्ष प्रोफेसर होता है। विभाग विभिन्न प्रशिक्षण तथा अनुसंधान कार्यक्रमों के निष्पादन और विकास तथा उनको प्रदान किये गये क्षेत्रों में परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार होते हैं। समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत, संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का आयोजन आठ अकादमिक विभागों तथा विशेष पीठ स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, परियोजना प्रबंधक एकक, भारत–अफ्रीका शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (आई.ए.आई.ई.पी.ए.) तथा दो केंद्रों द्वारा किया गया जिन्हें अकादमिक तथा प्रशासनिक सेवा एककों द्वारा समर्थन प्रदान किया गया।

अकादमिक संगठन

विभाग

- शैक्षिक योजना
- शैक्षिक प्रशासन
- शैक्षिक वित्त
- शैक्षिक नीति
- विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा
- उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा
- शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
- शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास

केन्द्र

- राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
- उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र
- राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (एनआरसीई)

एकक

- स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
- अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक

समर्थन सेवाएं

- पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र
- कंप्यूटर केन्द्र
- प्रकाशन एकक
- परियोजना प्रबंधन एकक
- डिजीटल अभिलेखागार
- प्रशिक्षण कक्ष/हिंदी कक्ष

पीठ

- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

अकादमिक विभाग

शैक्षिक योजना विभाग

शैक्षिक योजना विभाग (डीईपी), नीपा के मौलिक प्रभागों में से एक है जिसका मुख्य ध्येय भारत में मानव विकास की उन्नति में योगदान के साथ साक्ष्य आधारित शैक्षिक योजनाओं को बढ़ावा देना है। शैक्षिक विकास के परिणामों के प्रबंधन के लिए विकेंद्रीकृत योजनाओं की दिशा में बदलाव के साथ, देश में शैक्षिक योजनाओं को समझने और सुधारने हेतु जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर संस्थागत योजनाओं के आगतों, प्रक्रियाओं, उत्पादों और परिणामों का अध्ययन करता है।

गरीबी को कम करने और स्थायी विकास को बढ़ावा देने के लिए एक साधन के रूप में शिक्षा पर दबाव के साथ न केवल शैक्षिक योजना का दायरा समष्टि स्तर पर रणनीतिक योजना के संस्थानीकरण को कवर करना है बल्कि विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देने और शिक्षा के क्षेत्र में निवेश की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए स्कूल मैपिंग, सूक्ष्म नियोजन और स्कूल सुधार योजना के रूप में स्थानीय स्तर की योजना तकनीकों का प्रयोग करना भी है। स्कूली शिक्षा में रणनीतिक योजना और उच्च शिक्षा में संस्थागत योजना के क्षेत्रव्यापी दृष्टिकोण को बढ़ावा देना शैक्षिक योजना विभाग के अन्य प्रमुख अधिदेश हैं।

शिक्षण, अनुसंधान और प्रशिक्षण, इत्यादि, शैक्षिक योजना विभाग के मुख्य कार्य हैं। शिक्षा में समानता, समावेशन, शिक्षण परिणामों की गुणवत्ता, वित्तपोषण और जवाबदेही से संबंधित मुद्दों के समाधान, शिक्षा में रणनीतिक कार्यक्रम योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए ज्ञान और कौशल का सृजन और प्रसार तथा शिक्षा वितरण में सुधार के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग शैक्षिक योजना विभाग के प्रमुख क्षेत्र हैं।

तदनुसार, विभाग विभिन्न उप–राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निकायों को शैक्षिक योजना से संबंधित कई पाठ्यक्रमों का संचालन के अलावा संस्थान के अनुसंधान और लंबी अवधि की क्षमता विकास कार्यक्रमों में क्षमता विकास कार्यक्रमों का आयोजन, संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान और व्यावसायिक सहायता और परामर्शकारी सहयोग प्रदान करता है।

शैक्षिक प्रशासन विभाग

शैक्षिक प्रशासन विभाग का मुख्य उद्देश्य प्रशासन और प्रबंधन के विविध आयामों अनुसंधान, अध्ययन, प्रशिक्षण तथा परामर्शकारी सेवाओं में सक्रिय रूप से बौद्धिक और अकादमिक संलग्नता है। विभाग का एक मुख्य शैक्षिक क्षेत्र सरोकार एक समृद्ध ज्ञान आधार का विकास करना और शैक्षिक प्रशासन तथा प्रबंधन के विविध आयामों पर शैक्षिक प्रशासकों तथा शोधार्थियों को एक मजबूत पेशेवर अनुसमर्थन का निर्माण करना है। अपने लक्ष्य के अनुसार शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर ठोस डाटा बेस का निर्माण किया है। रिपोर्ट की अवधि के दौरान विभाग ने कई अध्ययन किये और एक बड़े पैमाने पर शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण, शैक्षिक प्रशासन में नवाचार के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना और जिला एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर राज्य स्तरीय सम्मेलन के आयोजन के साथ कई दूरगामी अैर क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये। कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से राज्यों और भारत के केन्द्र शासित प्रदेशों भर में करीब एक हजार और तीन सौ राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर के स्कूली शिक्षा विभाग के अधिकारियों तक विभाग ने अपनी पहुंच बनाई। उच्चतर शिक्षा के संस्थानों में शैक्षिक और अकादमिक प्रशासन से संबंधित कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। जिनके विवरण नीचे दिए गए हैं

इंटर्नशिप प्रोग्राम

विभाग ने रीजनल इन्स्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, भोपाल और जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के शिक्षा के स्नातकोत्तर छात्रों के दो बैचों के लिए क्रमशः एक सप्ताह और दो सप्ताह के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रमों की मेजबानी की।

शैक्षिक वित्त विभाग

इस विभाग का दोहरा उद्देश्य शिक्षा के सभी स्तरों– राष्ट्रीय, प्रादेशिक तथा विश्वस्तर पर आर्थिक तथा वित्तीय पक्ष पर अनुसंधान करना तथा उसे प्रोत्साहित करना है तथा विकासशील देशों और भारत में शिक्षा क्षेत्र की वित्तीय योजना तथा प्रबंधन से जुड़े कर्मियों के क्षमता निर्माण और ज्ञान का सृजन करना है। शैक्षिक नीति योजना तथा प्रशासन के संदर्भ में वित्त एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। विभाग के कार्यक्रम/गतिविधियां– अनुसंधान, अध्यापन, प्रशिक्षण तथा परामर्श हैं जो नीति, योजना तथा विकास, शिक्षा के सार्वजनिक तथा निजी वित्त पोषण, सरकारी तथा निजी संसाधनों की लामबंदी, शिक्षा के सभी स्तरों पर संसाधनों का आवंटन तथा उपयोग, प्राथमिक से उच्च, तथा संसाधन आवश्यकताओं के आकलन से जुड़े मुद्दों के इर्द–गिर्द केंद्रित हैं। अधिकांशतः शोध के क्षेत्र शिक्षा के वित्त पोषण, कार्यक्रम और नीतिगत मुद्दों से संबंधित हैं। परामर्शकारी सेवाएँ नीतिगत मुद्दों पर केंद्रित हैं। अध्यापन के विषय में शिक्षा का अर्थशास्त्र और शैक्षिक वित्त पोषण से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रम के विषय योजना तकनीक और प्रबंधन प्रणाली पर आधारित हैं।

शैक्षिक नीति विभाग

शैक्षिक नीति विभाग शैक्षिक अभिशासन और प्रबंधन में वर्तमान समस्याओं के समाधान के लिए शैक्षिक नीति का अध्ययन, शैक्षिक समस्याओं का मूल्यांकन और विश्लेषण, नीति तथा व्यवहारों का मार्गदर्शन तथा परिणामों को समझने के लिए प्रतिबद्ध है। चूँकि अपने मिशन में यह प्रतिबद्ध है, शैक्षिक क्षेत्र में प्रासंगिता और गुणवत्ता, समता, पहुँच जैसे अवरोधकों के प्रति ज्ञान के वर्धन में इसलिए यह विभाग समय–समय पर विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर हितधारकों, व्यवहारकर्त्ताओं तथा भारत में शैक्षिक व्यवस्था को प्रमाणित करने वाली जननीति मुद्दों पर चर्चाएं आयोजित करता है। उपरोक्त मुद्दों के साथ शैक्षिक अनुसंधान और शैक्षिक नीति के बीच शैक्षिक संस्थानों में अध्ययन अधिगम और प्रदर्शन के बेहतर लिंकेज को स्थापित करने हेतु यह विभाग अनुसंधान पर बल देता है। अनुसंधान का उद्देश्य केवल शैक्षिक प्रतिभास की जटिलताओं को दर्शाना ही नहीं होता। बल्कि कार्रवाई के लिए संस्तुतियों प्रदान करना भी होता है। समाज में वर्तमान परिवर्तनों और शिक्षा पर इसके प्रभाव को देखते हुए, विभाग समय–समय पर हितधारकों द्वारा आवश्यक कार्रवाई के लिए गुंज–यंत्र के रूप में कार्य करता है। विभाग योजनाकारों प्रशासकों, क्रियान्वयनकर्त्ताओं तथा विद्वानों के लिए प्रशिक्षण भी प्रदान करता है जिससे कि वे वर्तमान ढांचे, प्रक्रियाओं और भारत में संगठित शिक्षा के सांस्कृतिक संदर्भ में प्रभावी और नैतिकता से कार्य कर सकें।

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग व्यापक रूप से अधिकार–आधारित और समेकित ढांचे के अंतर्गत समग्र स्कूल शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ साक्षरता से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर विशेष बल देता है। यह विभाग बचपन की देखभाल और प्रारंभिक शिक्षा सहित स्कूली शिक्षा के पूरे क्षेत्र को कवर करना है। इसके अलावा, विभाग के प्रमुख कार्यों में स्कूली शिक्षा, प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक, अध्यापक प्रशिक्षण आदि क्षेत्रों में केन्द्र और राज्य सरकारों, अन्तरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय संस्थाओं के लिए अनुसंधान और विकास, शिक्षण, प्रशिक्षण और परामर्शी सेवाएं प्रदान करना है।

विभाग भारत में शैक्षिक विकास को सुधारात्मक और अनुभवजन्य आधार प्रदान करने के लिए प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षक और शिक्षक प्रशिक्षण तथा स्कूली शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में शोध अध्ययन करता है। राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर के अधिकारियों के लिये कार्यशालाएं और क्षमता विकास के कार्यक्रम आयोजित करता है। यह विभाग स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में सह–क्रियात्मक संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ अनुभव और विशेष क्षमताओं को साझा करता है। इसके अतिरिक्त योजना और नीति निर्माण हेतु यह राज्यों को सलाहकारी सेवाएं और समर्थन प्रदान करता है।

यह विभाग संस्थान का एक मुख्य और सबसे पुराना विभाग होने के नाते, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), कार्यक्रमों का कार्यान्वयन (1992), शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) और सभी के लिए शिक्षा (स.लि.शि.) के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। वर्ष 2007–2011 के दौरान, शैक्षिक पहुंच, पारगमन और समानता पर अनुसंधान के लिए सह–संघ के हिस्से के रूप में विभाग ने (www.create-rpc.org) के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। एक अन्य बड़ी परियोजना जो भारत में अखिल भारतीय शिक्षा पर मध्य–दशक का आकलन जिसमें प्राथमिक बचपन की देखभाल और शिक्षा पर छह ईएफए लक्ष्यों में से प्रत्येक के लिए राज्य–समीक्षा, प्राथमिक शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा और जीवन कौशल, वयस्क साक्षरता और लैंगिक समानता और कई विषयगत अध्ययन पर एक राष्ट्रीय रिपोर्ट तैयार की गई है। यह विभाग, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और केंद्र प्रायोजित शिक्षक शिक्षा (सीएसटीई) के लिए नीतिगत सिफारिशों में भी योगदान दे रहा है।

हाल के वर्षों में, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में, विभाग ने भारत में स्कूली शिक्षा में सुधार के लिए दो राष्ट्रीय कार्यक्रमों 'स्कूल मानक एवं मूल्यांकन (शाला सिद्धि) और स्कूल नेतृत्व कार्यक्रम' को संस्थागत बनाने का समर्थन किया। इसने अवधारणा, सामग्री विकास और दोनों कार्यक्रमों को सही दृष्टिकोण से लागू करने के लिए 'राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र' और 'स्कूल मानक एवं मूल्यांकन इकाई' की स्थापना करने की सुविधा प्रदान की।

शैक्षिक परिणामों के इस युग में, शिक्षा की गुणवत्ता, प्रदर्शन में सुधार और स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर प्रभावशीलता की मांग में वृद्धि और नीतिगत विचार–विमर्श के केंद्र के रूप में जारी है। सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार और नींव के रूप में शिक्षा की गुणवत्ता को स्वीकारते हुए, विभाग का लक्ष्य है कि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता, स्कूल प्रभावशीलता और सुधार को दीर्घकालिक लक्ष्य के सूचकांक में शामिल किया जाए। विभाग ईसीसी पर महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में भी ध्यान केंद्रित करता है और नीतिगत योजनाओं के लिए साक्ष्य–आधारित सूचनाएं प्रदान करता है।

विभाग के प्रमुख फोकल क्षेत्रः

1. ***शिक्षा के लिए अधिकार आधारित और समावेशी दृष्टिकोण***

   भारत सरकार के शिक्षा का अधिकार अधिनियम के केंद्र बिंदु के रूप में, विभाग समावेशी ढांचे के भीतर शिक्षा के पूर्व–विद्यालय और माध्यमिक स्तर तक इसके विस्तार के लिए पेशेवर सहायता प्रदान करने का प्रयास जारी रखे हुए है।

   आरटीई ढांचे के भीतर शिक्षार्थियों की विविधता भी विभाग के कार्यों के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में जारी है। अधिक विशेष रूप से विकलांग, वंचित और शहरी वंचित शिक्षार्थी अनुसंधान, विकास और प्रशिक्षण के लिए फोकस क्षेत्र के रूप में जारी रहेंगे।

2. ***प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा***

   सभी के लिए शिक्षा और सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवधि के रूप में प्रारंभिक बचपन के महत्व को स्वीकार करते हुए, विभाग प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा में योजना/प्रबंधन और गुणवत्ता के मुद्दों की खोज में लगा हुआ है; संज्ञानात्मक विकास और स्कूल की भागीदारी पर विशेष ध्यान देने के साथ पोषण और शिक्षा। चूंकि यह क्षेत्र प्राथमिक शिक्षा की सबसे कमजोर कड़ी में से एक रहा है, इसलिए विभाग ईसीसीई क्षेत्र में कानून, शासन और गुणवत्ता को संबोधित करके और ईसीसीई में नीति और प्रथाओं की समीक्षा करके अनुसंधान के दायरे का विस्तार कर रहा है।

3. ***स्कूल की गुणवत्ता और सुधार***

   शिक्षा के बदलते संदर्भ में इसकी प्रभावशीलता और सुधार के संदर्भ में स्कूल की महत्वपूर्ण भूमिका सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उचित महत्व प्राप्त कर रही है। इस प्रकार, स्कूली शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्ता की पहल के लिए स्कूलों, इसकी गुणवत्ता और सुधार पर ध्यान देने की आवश्यकता है। शिक्षार्थियों के कम प्रदर्शन का प्रमाण स्कूलों को विकासात्मक और सुधार के दृष्टिकोण के रूप में देखने का दबाव बढ़ रहा है। इसलिए, विभाग का केंद्रीय ध्यान स्कूल गुणवत्ता सूचकांक, स्कूल मानकों और मूल्यांकन ढांचे, स्कूल

सुधार दिशानिर्देशों के निर्धारकों की ओर जारी रहेगा। यह स्कूलों की विकासात्मक आवश्यकताओं की कुंजी के रूप में स्कूल की जवाबदेही और पारदर्शिता पर और ध्यान केंद्रित करेगा। चूंकि विभाग एसएसए और आरएमएसए के कार्यान्वयन के लिए लगातार अकादमिक समर्थन और परामर्श प्रदान कर रहा है, नए ज्ञान और अवधारणाओं की पीढ़ी नए दृष्टिकोण के साथ कार्यक्रम का समर्थन करेगी।

4. *शिक्षक प्रबंधन, प्रभावशीलता और विकास*

शिक्षक प्रबंधन और विकास की केंद्रीयता को गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा और स्कूल प्रभावशीलता प्राप्त करने के लिए प्रमुख संकेतकों में से एक माना जाता है। भारत और विश्व स्तर पर हाल के शोध से पता चला है कि शिक्षक प्रभावशीलता छात्र सीखने का सबसे महत्वपूर्ण स्कूल–आधारित भविष्यवक्ता है। शिक्षक की गुणवत्ता को तीन व्यापक प्रारूपों में रखा जा सकता है – आपूर्ति और मांग के मुद्दे शिक्षकों की तैयारी और सबसे बड़ी क्षमता वाले शिक्षकों की पहचान करना और उन्हें बनाए रखना। शिक्षकों की उभरती हुई भूमिकाएँ, उनकी शैक्षणिक समझ, शिक्षण की प्रथाएँ, उनके कार्य संदर्भ और शैक्षिक हितधारकों के साथ संबंध के लिए शिक्षक विकास और प्रबंधन की वास्तविकताओं के बारे में हम जो जानते हैं, उसे सावधानीपूर्वक समझने और जाँचने की आवश्यकता है। योग्य शिक्षकों की आवश्यकता को स्वीकार करते हुए, विभाग प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्तरों पर शिक्षक प्रबंधन के मुद्दों के विभिन्न पहलुओं पर राष्ट्रीय स्तर के प्रवचन और शोध अध्ययन में लगा हुआ है। इन शोध एजेंडा को जारी रखते हुए, अनुसंधान और विकास के दायरे में शिक्षक प्रभावशीलता और सुधार, शिक्षक प्रदर्शन प्रबंधन और मूल्यांकन, शिक्षक जवाबदेही और आचार संहिता और शिक्षकों के सतत व्यावसायिक विकास शामिल होंगे।

5. *शिक्षक शिक्षा का शासन और प्रबंधन*

पिछले एक दशक के दौरान शिक्षक शिक्षा प्रणाली पाठ्यक्रम सुधार और अवधि, मानदंडों और मानकों आदि पर कानूनी सिफारिशों को लागू करने के माध्यम से अपने कार्यक्रम की गुणवत्ता को संबोधित करने और सुधारने के लिए संघर्ष कर रही है। शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए बढ़ती रुचि और चिंताओं के बावजूद और शिक्षक की गुणवत्ता में सुधार, प्रणाली में कई कमियों की विशेषता बनी हुई है।

विभाग शिक्षक शिक्षा एवं विकास की नीति निर्माण एवं नियोजन में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। विभाग ने न केवल शिक्षक शिक्षा की केन्द्र प्रायोजित योजना के मूल्यांकन अध्ययन में योगदान दिया, बल्कि विभिन्न योजना अवधियों में शिक्षक शिक्षा नीति के निर्माण का भी समर्थन किया। शिक्षक शिक्षा पर जे एस वर्मा समिति की रिपोर्ट तैयार करना और शिक्षक और शिक्षण पर राष्ट्रीय मिशन (पंडित मदन मोहन मालवीय योजना) पर रिपोर्ट का विकास विभाग और नीपा द्वारा महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप हैं।

शिक्षक शिक्षा में शासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन अनुसंधान और विकास के लिए उपेक्षित क्षेत्र के रूप में जारी है। इस परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, विभाग शिक्षक शिक्षा को बदलने के लिए सही नीतिगत दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए अनुसंधान, विकास और राष्ट्रीय विचार–विमर्श पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

6. *स्कूल नेतृत्व*

स्कूल की गुणवत्ता में परिवर्तन और परिवर्तन के प्रबंधन और छात्रों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए स्कूल नेतृत्व की भूमिका भारत के नीतिगत विमर्श में गति प्राप्त कर रही है। तदनुसार, विभाग पहले नेतृत्व विकास कार्यक्रम में मौजूदा अंतर को पकड़ने और विभिन्न राज्यों द्वारा संस्थागत किए जाने वाले स्कूल नेतृत्व पर एक रूपरेखा विकसित करने में लगा हुआ था। विभाग ने नेशनल कॉलेज ऑफ स्कूल लीडरशिप, नॉटिंघम के साथ मिलकर यूकेईआरआई द्वारा वित्त पोषित परियोजना में योगदान दिया और नीपा में स्कूल लीडरशिप के लिए एक केंद्र स्थापित करने के लिए समर्थन दिया। केंद्र के लिए परिप्रेक्ष्य

योजना अलग से तैयार की गई है। विभाग, अपने प्रयास को जारी रखते हुए, 'शिक्षक नेतृत्व' को केंद्र स्तर पर लाकर 'शैक्षिक नेतृत्व' पर ध्यान केंद्रित करेगा।

7. *नागरिक संघर्ष क्षेत्रों और सुरक्षित स्कूल में शिक्षा*

स्कूल परिवर्तन के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपकरण के रूप में सुरक्षित स्कूल को ध्यान में रखते हुए, विभाग विभिन्न हितधारकों के बीच नए सिरे से समझ पैदा करने के लिए प्रशिक्षण सामग्री, क्षमता विकास और विचार–विमर्श विकसित करने में लगा हुआ है।

8. *प्रौढ़ शिक्षा और साक्षरता*

विभाग नीति निर्माण और साक्षरता और आजीवन सीखने के कार्यक्रमों की योजना बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

विभाग ने इन फोकल क्षेत्रों को लंबी, मध्यम और अल्पकालिक रणनीतियों के रूप में नीपा के 'परिप्रेक्ष्य योजना' के मसौदे से तैयार किया है। हालांकि विभाग हमेशा ईएफए, एमडीजी और एसडीजी जैसे विभिन्न अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों द्वारा दी गई सिफारिशों का पालन कर रहा है, लेकिन प्रमुख कार्यक्रमों को सरकार की तत्काल आवश्यकता के रूप में प्रस्तावित किया गया है और सभी शिक्षार्थियों के लिए शिक्षा के परिणामों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा में सुधार के लिए उनकी सामाजिक–आर्थिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

यह विभाग वर्षों से मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को लगातार अनुसंधानात्मक अनुसमर्थन और नीतिगत सुझाव प्रदान करता रहा है। विभाग के विश्व व्यापार संगठन कक्ष ने गेट्स के अंतर्गत प्राप्त अनुरोधों के विश्लेषण और भारत की सहमति की पुष्टि करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। विभाग ने उच्चतर शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के विविध आयामों पर अध्ययन किया और उन पर विमर्श हेतु संगोष्ठियां आयोजित की तथा उनके निष्कर्षों का प्रसारण किया। यह विभाग उच्चतर शिक्षा के लिये विभिन्न पंचवर्षीय योजनाओं को अंतिम रूप देने में सहयोग करता रहा है। यह विभाग विशेषज्ञों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संकायाध्यक्षों और कुलसचिवों के सम्मेलन और संगोष्ठियों के आयोजन में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का सहयोग करता रहा है। इस विभाग ने कार्य निष्पादन आधारित उच्चतर शिक्षा पर विश्व सम्मेलन आयोजित करने हेतु यूनेस्को क्षेत्रीय सम्मेलन के आयोजन और भारतीय उच्चतर शिक्षा में कार्य निष्पादन आधारित वित्त पोषण पर योजना आयोग – विश्व बैंक प्रायोजित संगोष्ठियों के आयोजन में भी सहयोग किया है। वार्षिक कार्यक्रमों के अंतर्गत यह विभाग विभिन्न श्रेणियों के कॉलेज प्राचार्यों के लिये नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। विभाग विश्वविद्यालयों तथा कालेजों को उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच के विभिन्न आयामों तथा अकादमिक सुधार पर संगोष्ठियां आयोजित करने में अकादमिक समर्थन प्रदान करता है। यह विभाग संस्थान के शैक्षिक योजना और प्रशासन पर एम.फिल. तथा पी–एच.डी. और डिप्लोमा कार्यक्रमों के लिए शोध कार्यों के निष्पादन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और इसके शोधार्थियों का अतिरिक्त शोधनिर्देशन कर रहा है।

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

विभाग अपने प्रशासकों की क्षमता में सुधार के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित करता है। विशेषतौर से राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति कर रहे शैक्षिक सुधारों के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों और नीतियों को स्पष्ट करने तथा अधिष्ठापन और प्रोन्नत स्तर पर प्रशिक्षुओं की जरूरतों के आधार पर कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इस विभाग द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा कर्मियों के लिए दो डिप्लोमा कार्यक्रम शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और शैक्षिक योजना और प्रशासन में अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) मॉड्यूलर पाठ्यक्रम आयोजित करता है। विभाग प्रतिवर्ष एक महीने के अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम इंटरनेशनल प्रोग्राम फॉर एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेटर (आईपीईए) को विशेष रूप से मध्यम स्तर के शैक्षिक प्रशासकों के लिए

आयोजित करता है। इसके अलावा, केंद्र और राज्य सरकारों के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय अनुरोध/प्रायोजित कार्यक्रमों को विभाग द्वारा अन्य विभागों/व्यक्तिगत संकाय सदस्यों से अकादमिक समर्थन प्राप्त करने के लिए आयोजित किए जाते हैं। विभाग का उद्देश्य विभिन्न क्षमता निर्माण स्तरों पर प्रशिक्षित टीमों का एक महत्वपूर्ण समूह बनाना है, जो शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन में सुधार के लिए आवश्यक सूचनाओं और कौशल तथा क्षमता विकास के हस्तक्षेप के लिए व्यक्तिगत और राज्य/केंद्रशासित प्रदेश/जिला स्तर की टीमों और संस्थानों की क्षमता सहित, एक महत्वपूर्ण घटक का गठन करता है। मंत्रालयों, राज्य/केंद्रशासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों और राष्ट्रीय और राज्य/जिला स्तर के संस्थानों को तकनीकी सहायता और परामर्शी सेवाओं के प्रावधान के माध्यम से क्षमता विकास किया जाता है। विभाग शिक्षा में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की रणनीतियों के अलावा मूल्यांकन अध्ययन करने की आवश्यकता पर अनुसंधान भी करता है।

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग शोध और क्षमता विकास संबंधित कार्य करता है और भारत सहित विश्व के विभिन्न देशों की शिक्षा का आंकड़ा आधार और प्रबंधन सूचना प्रणाली को मजबूत बनाने के लिए तकनीकी परामर्श देता है। यह विभाग भारत में प्रारंभिक शिक्षा की प्रबंधन सूचना प्रणाली (एम आई एस) और आंकड़ा आधार को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। विभाग मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूनीसेफ के सहयोग से जिला शिक्षा सूचना प्रणाली (डाइस) का प्रबंधन करता है। इसके अलावा यह विभाग शैक्षिक सांख्यिकी के मुद्दों और शिक्षा के समकालीन मुद्दों पर सम्मेलन/संगोष्ठियां और शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधियों पर कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है और सांख्यिकी तथा शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली पर परामर्श प्रदान करता है। विभाग के संकाय सदस्य मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली के निर्माण हेतु गठित विशेषज्ञ समिति में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तद्नुसार स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली की दिशा में वर्ष 2012–13 से देशभर में समान आंकड़ा प्रपत्र में पहले कदम के रूप में डाइस और सेमीस का समेकित आंकड़ा संगृहित किया गया है। वर्ष 2015–16 के दौरान स्कूल शिक्षा प्रदान कर रहे 1.5 मिलियन स्कूलों से आंकड़ा एकत्र किए गए।

इस विभाग द्वारा आयोजित कुछ कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं के विषय में एजुसेट द्वारा डाइस पर संवेदनशीलता कार्यक्रम, शैक्षिक शोध में डाइस आंकड़ों का उपयोग और स्कूल शिक्षा सांख्यिकी की एकीकृत प्रणाली आदि शामिल हैं। यह विभाग विकासशील देशों के लिए ईएमआईएस पर सुनियोजित पाठ्यक्रम के साथ–साथ पीजीडेपा के भाग के रूप में शैक्षिक योजना में मात्रात्मक विधि पर पाठ्यक्रम का अध्यापन करता है। विभाग का संकाय ईएमआईएस और स्कूली शिक्षा से संबंधित पक्षों पर भारत सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों को परामर्शकारी सेवाएं प्रदान करता है।

विशेष पीठ

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

यह पीठ स्वतंत्र भारत के शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के पहले मंत्री मौलाना आज़ाद के योगदान को स्मरण करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में स्थापित किया गया है। पीठ का मुख्य अनुसंधान क्षेत्र 1950 के दशक के अंतिम वर्षों के दौरान मौलाना आजाद के योगदान की खोज करते हुए एक ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शिक्षा, विज्ञान और संस्कृति के विकास पर अध्ययन करना है। यह पीठ राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर प्रत्येक वर्ष, मौलाना आजाद स्मारक व्याख्यान का आयोजन करता है। यह पीठ मौलाना आज़ाद के दर्शन और वैश्विक विचारों व अन्य संबंधित मुद्दों पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन भी करता है।

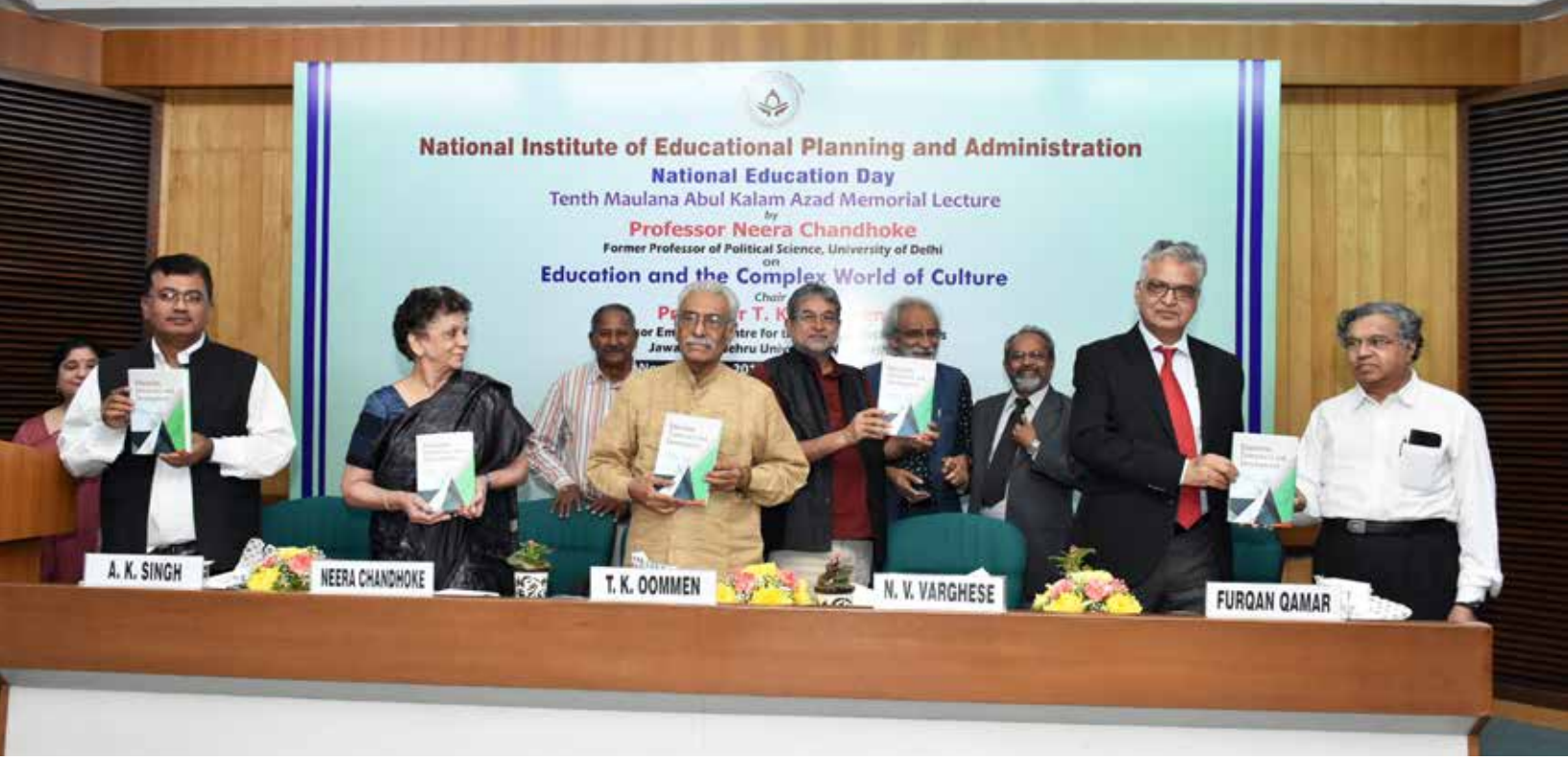

केंद्र

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल) मुख्य रूप से चार अलग–अलग घटकों पर काम करता है। पाठ्यक्रम और सामग्री विकास, क्षमता निर्माण, नेटवर्किंग और संस्थागत निर्माण तथा अनुसंधान और विकास। अपने अस्तित्व के पिछले सात वर्षों में, केंद्र ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रमों को शुरू करने में सक्षम बनाया है।

वर्ष 2019–2020 में, एनसीएसएल स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए विश्व के सबसे बड़े प्रशिक्षण कार्यक्रम ''निष्ठा''– नेशनल इनिशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट– में गहराई से लगा हुआ था। यह मा.सं.वि. मंत्रालय की मेगा पहल जिसका लक्ष्य देश भर में लगभग 42 लाख शिक्षकों और स्कूल प्रमूखों की क्षमता का निर्माण करना है। एनसीएसएल ने स्कूल नेतृत्व पैकेज के विस्तृत सत्र विवरण के अलावा स्कूल प्रमुखों और प्रणाली स्तर के पदाधिकारियों के लिए स्कूल नेतृत्व विकास पर एक मॉड्यूल तैयार किया। एनसीएसएल संकाय ने उन सभी राज्यों का दौरा किया जहां स्कूल प्रमुखों के क्षमता निर्माण हेतु उनके स्कूलों को बदलने के लिए एक मजबूत राज्य संसाधन समूह बनाने के लिए कार्यक्रम लागू किया था। राज्यों में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर लगभग 80 दौर के प्रशिक्षण में एनसीएसएल के शिक्षकों ने अथक रूप से भाग लिया और पाठ्यक्रम का संचालन किया। राज्यों में अपनी उपस्थिति को सुदृढ़ करने के लिए, एनसीएसएल ने 27 राज्यों में स्कूल लीडरशिप अकादमियों (एसएलए) की स्थापना की जिनका मुख्य कार्य केंद्र की विस्तारित शाखा के रूप क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन, दस्तावेज नेतृत्व प्रथाओं का संचालन और विभिन्न संसाधन सामग्री को भी प्रासंगिक बनाना है। एनसीएसएल संकाय द्वारा 2019–2020 में स्कूल नेतृत्व विकास पर नया कार्यक्रम ''किशोर मंच'' का डीटीएच टीवी चैनल#31 स्वयंप्रभा और ''एनसीईआरटी आधिकारिक'' यूट्यूब चैनल पर प्रत्येक शुक्रवार, 16:45–17:15 बजे छियालीस एपिसोडों/सत्रों का सीधा प्रसारण किया गया जिन्हें स्कूल प्रमुखों, शिक्षकों और शैक्षणिक व्यवसाय से जुड़े पेशेवरों ने देखा। इसके अतिरिक्त, इस वर्ष एनसीएसएल ने आईईएस–2018 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए वित्त मंत्रालय, आर्थिक मामलों के विभाग से एक अनुरोध कार्यक्रम आयोजित की और केवीएस, एनवीएस, सीबीएसई, आश्रम स्कूल और केजीबीवी के स्कूल प्रमुखों और प्रणाली स्तर के अधिकारियों के लिए एक राष्ट्रीय सलाहकार बैठक

का आयोजन किया। कार्यान्वयन योजना (2019–2020) के लिए स्कूल नेतृत्व अकादमियों के उन्मुखीकरण और मूल्यांकन ढांचे पर कार्यशाला भी आयोजित की गई।

स्कूलों में गुणवत्ता सुधार पर केंद्र का वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का नीपा के कुलपति प्रो. एन.वी. वर्गीज की अध्यक्षता सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसका उद्घाटन श्री अमित खरे, शिक्षा सचिव, उच्च शिक्षा और स्कूली शिक्षा और साक्षरता, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार ने किया। . इस सम्मेलन में एनसीएसएल संकाय और कर्मचारियों सहित पचास स्कूल प्रमुखों और पंद्रह शैक्षिक पेशेवरों ने भाग लिया।

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई)

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र (सीपीआरएचई) (http://cprhe.niepa.ac.in/) की स्थापना राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) में एक स्वायत्त विशेष शैक्षणिक केंद्र के रूप में की गई थी ताकि अनुभवजन्य विश्लेषण; और भारत में उच्च शिक्षा में नीति और नियोजन का समर्थन और अनुसंधानों को बढ़ावा दिया जा सके। सीपीआरएचई का लक्ष्य एक ज्ञान भंडार के रूप में, जो उच्चतर शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विश्लेषण का अत्याधुनिक केंद्र है; और भारत में उच्च शिक्षा के विकास और प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर विद्वानों की नीति व्याख्यानों को बढ़ावा देने के लिए उच्च शिक्षा पर एक थिंक–टैंक के रूप में सेवा करना है। सीपीआरएचई का व्यापक मिशन भारत में शिक्षा के विकास के लिए तैयार की गई नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों के निर्माण के लिए आवश्यक ज्ञान के सृजन, साझा और अनुप्रयोग में योगदान देना है। केंद्र कई अंतर–संबंधित क्षेत्रों में वर्तमान राष्ट्रीय प्राथमिकताओं पर अपने प्रयासों में, उच्च शिक्षा के प्रावधान का विस्तार और सुधार; इक्विटी और समावेश सुनिश्चित करना; गुणवत्ता और प्रासंगिकता में सुधार; और शासन और प्रबंधन में सुधार को केंद्रित करेगा। साथ ही, भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली को सक्षम बनाने के लिए उच्च शिक्षा के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है।

सीपीआरएचई गतिविधियाँ 2019–20

सीपीआरएचई कार्यक्रम और गतिविधियाँ मुख्य रूप से अनुसंधान विषयों के इर्दगिर्द एकीकृत और केंद्रित हैं जिन्हें केंद्र की परिप्रेक्ष्य योजनाओं में प्राथमिकता दी जाती है। वर्ष 2019–20 के लिए सीपीआरएचई गतिविधियों की योजना जनवरी 2017 में तैयार करके, यूजीसी और एमएचआरडी को सौंपी गई कार्यक्रम रूपरेखा और कार्य योजना के अनुसार निम्न हैं। वर्ष 2019–20 में सीपीआरएचई गतिविधियों मौजूदा अनुसंधान परियोजनाओं को पूरा करने, राष्ट्रीय संश्लेषण रिपोर्ट और राज्य अनुसंधान रिपोर्ट को अंतिम रूप देने, विशेषज्ञ समिति की बैठकों, कार्यप्रणाली कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करने पर केन्द्रित थीं। वर्ष 2019–20 में केंद्र की नियमित

प्रकाशन गतिविधियों में इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट (सेज द्वारा प्रकाशित), सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज, सीपीआरएचई अनुसंधान पर आधारित नीति संक्षेप और सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट प्रकाशित की गई। गतिविधियों का विवरण नीचे वर्णित है:

अनुसंधान

अनुभवजन्य अनुसंधान अपने संकाय सदस्यों द्वारा किए गए सीपीएचआरई की सबसे प्रमुख गतिविधि है। सीपीएचआरई ने अनुभवजन्य अध्ययनों के पहले चक्र को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है जिसमें उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश; भारतीय उच्च शिक्षा में अध्यापन और अधिगम; भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन; भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण: धन प्रवाह और उनका उपयोग; संस्थागत स्तर पर बाहरी और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन और उच्च शिक्षा स्नातकों की रोजगार और रोजगारशीलता का अध्ययन से संबंधित विषयों को शामिल किया गया है। ये बड़े पैमाने पर बहु–संस्थागत अध्ययन भारत के 22 राज्यों में स्थित चुनिंदा संस्थानों में लागू किए गए हैं। करीब 33 शोध रिपोर्ट तैयार की जा चुकी हैं और अंतिम रूप देने के विभिन्न चरणों में हैं।

मा.सं.वि. मंत्रालय/यूजीसी के अनुरोध पर अनुसंधान परियोजनाएं: सीपीएचआरई अनुसंधान अध्ययनों के अलावा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुरोध पर अनुसंधान अध्ययन और मूल्यांकन कर रहा है। जिसमें 4.8 मिलियन उम्मीदवारों के राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) के परिणामों का विश्लेषण; पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के कार्यान्वयन का मूल्यांकन; भारत में विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों के बीच उच्च शिक्षा संस्थानों की अधिपूर्ति और एकाग्रता का अध्ययन; 1949 में (मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर) भारत सरकार द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसरशिप (एनआरपी) योजना का मूल्यांकन और यूजीसी के लिए राष्ट्रीय उच्च शिक्षा योग्यता फ्रेमवर्क (एनएचईक्यूएफ) पर अवधारणा नोट तैयार किया।

वर्ष 2019–20 में, मा.सं.वि. मंत्रालय के अनुरोध पर, सीपीएचआरई ने भारत में निजी मानद् विश्वविद्यालयों में शुल्क नियंत्रण से संबंधित मुद्दों पर अध्ययन पूरा किया। यह परियोजना पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और राजस्थान राज्यों में लागू की गई थी। रिपोर्ट मा.सं.वि. मंत्रालय को सौंप दी गई है और अध्ययन से एक सीपीएचआरई शोध पत्र तैयार किया जा रहा है।

यूजीसी के अनुरोध पर, केंद्र विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एससी/एसटी/ओबीसी अल्पसंख्यकों के लिए कोचिंग योजनाओं का बड़े पैमाने पर मूल्यांकन अध्ययन कर रहा है। यह परियोजना उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, गुजरात, केरल, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, मेघालय, त्रिपुरा राज्यों में कार्यान्वित की जा रही है। रिपोर्ट लेखन जारी है।

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के अनुरोध पर, सीपीआरएचई वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश के आयामों पर मॉड्यूल तैयार कर रहा है। मॉड्यूल मुख्य रूप से सीपीआरएचई शोध अध्ययन पर आधारित हैं, जिसका शीर्षक 'नागरिक अधिगम और लोकतांत्रिक कार्यों के लिए उच्च शिक्षा: उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का अध्ययन' है। मॉड्यूल का उद्देश्य छात्र शिक्षा, शैक्षिक एकीकरण और सामाजिक समावेश से संबंधित मुद्दों पर उच्च शिक्षा में संकाय और प्रशासकों को संवेदनशील बनाना है, जिसमें नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव में उच्च शिक्षा की भूमिका शामिल है। मॉड्यूल निम्नलिखित विषयों पर विकसित किए जा रहे हैं:

मॉड्यूल 1: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश: अवधारणा और दृष्टिकोण

मॉड्यूल 2: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण

मॉड्यूल 3: परिसरों पर अकादमिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए दृष्टिकोण

मॉड्यूल 4: उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप

मॉड्यूल 5: परिसर में सामाजिक समावेश

मॉड्यूल 6: छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र

मॉड्यूल 7: छात्र विविधता, नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक कार्य

मॉड्यूलों की तैयारी कार्य प्रगति पर है।

अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजनाएं: वर्ष 2019–20 में, सीपीआरएचई ने दो अंतरराष्ट्रीय सहयोगी परियोजनाओं पर भी शोध शुरू किया, ये हैं: (अ) उच्च शिक्षा में सुविधाजनक अधिगम मार्गों की योजना बनाना आईआईईपी–यूनेस्को, पेरिस के सहयोग से और (ब) असमानताएं और उच्च शिक्षा: सार्वजनिक नीतियों और निजी क्षेत्र के विकास के मध्य असमानता (ईएसपीआई, पेरिस के सहयोग से वित्त पोषित)।

नये अनुसंधान परियोजनाएं: वर्ष 2019–20 में, सीपीएचआरई संकाय सदस्यों ने अनुसंधान अध्ययन के दूसरे दौर पर अनुसंधान प्रस्ताव विकसित किए जो सीपीएचआरई कार्यक्रम ढांचे और कार्य योजना में चिन्हित क्षेत्रों में हैं। दूसरे दौर के अनुसंधान के लिए सीपीआरएचई अनुसंधान प्रस्तावों को केन्द्र की कार्यकारी समिति (ईसी) के फरवरी 2020 में हुई बैठक में सम्मानित सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। कार्यकारी समिति के सदस्यों से प्राप्त सुझावों के आधार पर, निम्नलिखित विषयों पर नए शोध प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

i) महाविद्यालयों की तैयारी और भारतीय उच्च शिक्षा में छात्र सफलता
ii) भाषा और असमानताएं: भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण माध्यम का अध्ययन
iii) उच्च शिक्षा में नया प्रबंधवाद: भारत में सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के बदलते प्रबंधन
iv) तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा का वित्तपोषण: भारत में सार्वजनिक और निजी उच्च शिक्षा संस्थानों का तुलनात्मक अध्ययन
v) भारतीय उच्च शिक्षा में शिक्षण अधिगम के साथ डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरण
vi) उच्च शिक्षा में शिक्षाविदों का व्यवसायीकरण

प्रकाशन

अनुसंधान के अलावा, वर्ष 2019–2020 में सीपीआरएचई द्वारा चार नियमित गतिविधियाँ की गईं। इनमें सेज द्वारा प्रकाशित इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट (आईएचईआर) तैयार करना और उसे अंतिम रूप देना, रिसर्च पेपर सीरीज का प्रकाशन, सीपीआरएचई नीति संक्षेप तैयार करना और सीपीआरएचई अनुसंधान के विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन शामिल है।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट: सीपीआरएचई भारत में उच्च शिक्षा क्षेत्र के वर्तमान मुद्दों और चुनौतियों पर आधारित आईएचईआर रिपोर्ट के चार अंकों का प्रकाश्न कर चुका है। जिनमें समानता, शिक्षण–अधिगम, गुणवत्ता और उच्च शिक्षा के वित्तपोषण शामिल हैं। वर्ष 2019–20 में, भारत में उच्च शिक्षा के शासन और प्रबंधन पर पांचवें आईएचईआर को अंतिम रूप दिया गया और अब सेज में प्रकाशनाधीन है। इसके अलावा वर्ष 2019–20 में, सीपीआरएचई ने छठी भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2020 की तैयारी शुरू की जो उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारपरकता पर केंद्रित है। रिपोर्ट सेज द्वारा प्रकाशित किए जाने के लिए तैयार है। सीपीआरएचई की योजना 'भारत में निजी उच्च शिक्षा'' विषय पर भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2021 (आईएचईआर 2021) का अगला अंक प्रगति पर है।

सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख श्रृंखला: केंद्र अनुसंधान आलेख श्रृंखला नामक एक नियमित प्रकाशन करता है। जिसके तहत केंद्र पहले बारह आलेख प्रकाशित कर चुका है। 2019–20 में, सीपीआरएचई ने भारत में उच्च शिक्षा में समानता और समावेशन विषय पर बारहवां शोध पत्र प्रकाशित किया। निजी उच्च शिक्षा संस्थानों में शुल्क निर्धारण पर तेरहवां सीपीआरएचई शोध आलेख मुद्रण में है।

नीति संक्षेप: सीपीआरएचई अनुसंधान चक्र में, चयनित शोध विषयों पर नीतिगत संक्षिप्त विवरण तैयार कर संस्थागत परिवर्तन के लिए संस्थागत स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया के साथ अनुसंधान–आधारित जुड़ाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण तंत्र माना जाता है। नीति के संक्षिप्त विवरण मुख्य रूप से केंद्र द्वारा पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों और अन्य संगठनों द्वारा समान अध्ययनों पर आधारित होते हैं। वर्ष 2019–2020 में ''नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव के लिए उच्च शिक्षा: उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव का एक अध्ययन' के निष्कर्षों के आधार पर, सीपीएचआरई नीति संक्षेप 1: भारत में उच्च शिक्षा तक पहुंच को समान करना; सीपीआरएचई नीति संक्षेप 2: भारत में उच्च शिक्षा में अकादमिक एकीकरण हासिल करना; सीपीआरएचई नीति संक्षेप 3: भारत में सामाजिक रूप से समावेशी उच्च शिक्षा परिसरों का विकास; इनका हिंदी में अनुवाद किया गया और यूजीसी की वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया। यूजीसी की वेबसाइट पर अपलोड किए गए पॉलिसी ब्रीफ का लिंक निम्नलिखित है:

https://www.ugc.ac.in/pdfnews/8714294_CPRHE-POLICY-BRIEF-1-Diversity-and-Inclusion-in-HE.pdf

https://www.ugc.ac.in/pdfnews/4755136_CPRHE-POLICY-BRIEF-2-Diversity-and-Inclusion-in-HE.pdf

https://www.ugc.ac.in/pdfnews/0373387_CPRHE-POLICY-BRIEF-3-Diversity-and-Inclusion-in-HE.pdf

अनुसंधान रिपोर्ट: केंद्र द्वारा पूर्ण किए गए शोध अध्ययनों के आधार पर, सीपीएचआरई शोध रिपोर्ट प्रकाशित करता है। सीपीएचआरई द्वारा 33 शोध रिपोर्ट तैयार की गई हैं, जिसमें मा.सं.वि. मंत्रालय और यूजीसी के अनुरोध पर अनुसंधान अध्ययनों के लिए रिपोर्ट, और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं के शोध रिपोर्ट और मोनोग्राफ शामिल हैं। वर्ष 2019–20 में, कुछ राज्य अनुसंधान रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया गया और सीपीआरएचई की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है।

सेमिनार और बैठकें

अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार: केंद्र हर साल विशिष्ट विषयों पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन करता है, जिसका उद्देश्य उच्च स्तर से संबंधित विषयों के साथ–साथ शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों को वैश्विक स्तर पर काम करना है। सीपीआरएचई ने ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से छह अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किए हैं। ''उच्च शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता पर छठा अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 20 और 21 फरवरी 2020 को आयोजित की गई। सीपीएचआरई प्रत्येक संगोष्ठी पर एक विषयगत रिपोर्ट लाता है और चयनित आधार पर एक वास्तविक योजना भी बनाता है। संगोष्ठी में प्रस्तुत शोधपत्र राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में होने वाली चर्चाओं से उभरने वाली कार्यवाही और विषयों पर सात सीपीएचआरई संगोष्ठी रिपोर्ट प्रकाशित की गई हैं। वर्ष 2019–20 में, 2018 में आयोजित ''उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता'' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की सीपीआरएचई संगोष्ठी रिपोर्ट, और 2019 में आयोजित ''उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारपरकता'' शीर्षक से अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की सीपीआरएचई संगोष्ठी रिपोर्ट प्रकाशित की गई।

नॉर्डिक–इंडिया हायर एजुकेशन समिट: भारत में नॉर्डिक सेंटर (एनसीआई) के सहयोग से, केंद्र ने 31 अक्टूबर, 2019 को पहला नॉर्डिक–भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन आयोजित किया। इसके आयोजन से भारत और नॉर्डिक देशों के शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाया गया। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य उच्च शिक्षा के अवसरों के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर नॉर्डिक–भारत संबंधों को प्रोत्साहित करना और बढ़ावा देना था।

अनुसंधान कार्यशालाएं और बैठकें: वर्ष 2019–20 में, केंद्र ने उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता पर आईएचईआर 2020 के लेखकों की दो सहकर्मी समीक्षा बैठकें आयोजित कीं। सीपीआरएचई अनुभवजन्य अनुसंधान परियोजना से संबंधित सहकर्मी–समीक्षा बैठकों के अलावा अन्य बैठकें (जैसे विशेषज्ञ समिति की बैठकें, अनुसंधान उपकरण विकास कार्यशालाएं और अनुसंधान पद्धति बैठकें), भी आयोजित करता है। केंद्र ने राज्य उच्च शिक्षा परिषदों (एसएचईसी) के साथ नियमित परामर्श बैठकें भी आयोजित की हैं। उच्च शिक्षा की राज्य परिषदों की रूसा के क्रियान्वयन और राज्य स्तर पर उच्च शिक्षा के व्यापक विकास में भूमिका के साथ–साथ राज्य स्तर की योजनाएं राज्यों में उच्च शिक्षा के समन्वित विकास के लिए मुख्य है। एसएचईसी बैठकों में आम तौर पर राज्य परिषदों के उपाध्यक्ष, राज्यों में कॉलेजिएट शिक्षा निदेशालय और उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होते हैं। वर्ष 2019–2020 में, 24 और 25 मार्च, 2020 को होने वाली एसएचईसी बैठक को कोविड–19 महामारी की स्थिति के कारण स्थगित करना पड़ा।

नीति समर्थन

सीपीएचआरई नियमित रूप से मा.सं.वि. मंत्रालय, यूजीसी, नीति आयोग और अन्य नीति निर्माताओं और उच्च शिक्षा के नियामकों के अनुरोध पर नीतिगत दस्तावेज तैयार करना, अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन करके नीतिगत समर्थन भी प्रदान करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में, केंद्र ने टीएसआर सुब्रमण्यम समिति (शिक्षा नीति तैयार करने के लिए गठित समिति) के लिए विभिन्न विषयों पर व्यापक रूप से दस्तावेज तैयार किए, और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (कस्तूरीरंगन समिति) के लिए मसौदा समिति की चर्चाओं में भाग लिया और भारत में उच्च शिक्षा के लिए एक रैंकिंग फ्रेमवर्क विकसित करने में मदद की।

अतिथि अध्येता कार्यक्रम

भारत और विदेशों से अंतरराष्ट्रीय संकाय सदस्यों और शोध विद्वानों को आकर्षित करने और उनकी मेजबानी के उद्देश्य से केंद्र ने तय शर्तों के साथ अतिथि अध्येताओं को आमंत्रित करने का प्रावधान किया है। केन्द्र के पहले विजिटिंग प्रोफेसर विलियम जी. टियरनी थे, जो विश्व स्तर पर उच्च शिक्षा के प्रसिद्ध प्रोफेसर हैं और वर्तमान में उच्च शिक्षा के विल्बर–कैफर प्रोफेसर और सह–निदेशक, पुलियास सेंटर फॉर हायर एजुकेशन, रॉसियर स्कूल ऑफ एजुकेशन, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रोफेसर हैं। वर्ष 2019–20 में, सीपीआरएचई ने प्रोफेसर विलियम जी. टियरनी की फिर से एक अतिथि प्रोफेसर के रूप में मेजबानी की। सीपीआरएचई ने संकाय सदस्यों डा. हेंडरसन, इंस्टीट्यूट ऑफ वारविक और रिसर्च फेलो, सुश्री अंजलि थॉमस, इंस्टिट्यूट ऑफ वारविक, यूके, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस्स) से पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस के स्नातक छात्र श्री शशांक एस.आर., और सुश्री अंजलि अनिल की भी मेजबानी की। फरवरी 2020 में, सीपीआरएचई को प्रोफेसर तेबोहो मोहजा की मेजबानी करने का अवसर मिला, जो एक प्रोफेसर और कार्यक्रम निदेशक, उच्च शिक्षा, न्यूयॉर्क संस्थान से हैं।

वर्ष 2019–20 के दौरान सीपीआरएचई प्रकाशनों की सूची

सीपीआरएचई द्वारा निकाले प्रकाशनों की सूची नीचे दी गई है। इस सूची में अकादमिक पत्रिकाओं और पुस्तकों में व्यक्तिगत संकाय सदस्यों द्वारा कई प्रकाशन शामिल नहीं हैं। संकाय सदस्यों का व्यक्तिगत योगदान पृष्ठ संख्या 9 से प्रारंभ होता है।

भारत उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट

1. *भारतीय उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2020: भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता* एन.वी. वर्गीज और मोना खरे द्वारा संपादित (सेज द्वारा प्रकाशन हेतु प्रकाशनाधीन)।
2. *भारतीय उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट (आईएचईआर) 2019: उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन* एन.वी. वर्गीज और गरिमा मलिक द्वारा संपादित (सेज द्वारा प्रकाशन हेतु प्रकाशनाधीन)।
3. *भारत उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट (आइएचईआर) 2018: उच्च शिक्षा का वित्तपोषण,* एन.वी. वर्गीज और जिणुशा पाणिग्रही द्वारा संपादित, सेज, नई दिल्ली, 2019।

सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला

शोध पत्रों की सूची इस प्रकार है:

1. *'निजी उच्च शिक्षा संस्थानों में शुल्क: भारत में मानद् विश्वविद्यालयों का अध्ययन'*, जिणुशा पाणिग्रही, सीपीआरएचई शोध पत्र 13, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/नीपा। (आगामी)।
2. *'भारत में उच्च शिक्षा में समानता और समावेशन',* एन.वी. वर्गीज़, निधि एस. सभरवाल और सी.एम. मलिश, सीपीआरएचई शोध पत्र 12, सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2019।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट श्रृंखला

1. *''उच्च शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* एन.वी. वर्गीज और गरिमा मलिक (ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित), सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली। (प्रकाशनार्थ तैयारी)
2. *''उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* एन.वी. वर्गीज और मोना खरे (ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित), सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2019।
3. *'उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी रिपोर्ट,* एन.वी. वर्गीज और अनुपम पचौरी। (ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से आयोजित), सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली, 2019।

सीपीआरएचई नीति संक्षेप

1. निधि एस. सभरवाल और मलिश सी.एम. (2019). भारत में उच्च शिक्षा की सुलभता में समानता सीपीआरएचई नीति सार 1, प्रथम हिंदी संस्करण, फरवरी, 2019. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।
2. निधि एस. सभरवाल और मलिश सी.एम. (2019). भारत में उच्च शिक्षा का शैक्षणिक समेकन सीपीआरएचई नीति सार 2, प्रथम हिंदी संस्करण, फरवरी, 2019. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।
3. निधि एस. सभरवाल और मलिश सी.एम. (2019). भारत में उच्च शिक्षा के लिए सामाजिक समावेशन

से संपन्न परिसरों का विकास। सीपीआरएचई नीति सार 3, प्रथम हिंदी संस्करण, फरवरी, 2019. सीपीआरएचई/नीपा, नई दिल्ली।

सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट

1. ''भारत में निजी मानद् विश्वविद्यालयों में शुल्क निर्धारण'', डा. जिणुशा पाणिग्रही, सीपीआरएचई/नीपा द्वारा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार को सौंपी गई अनुसंधान रिपोर्ट, नई दिल्ली, 2019।
2. ''भारत में उच्च शिक्षा विकास, संस्थागत रूप और सामाजिक पहुंच की प्रकृति,'' भारत के लिए आगतें डा. निधि एस सभरवाल और प्रोफेसर हेनरी ओडिले, सीपीआरएचई अनुसंधान रिपोर्ट आईआरडी–सीपेड को ईएसपीआई (एनसेगमेंट सुपीरियर प्रिवे एट इनगैलिट्स) इंटरनेशनल रिसर्च प्रोजेक्ट, पेरिस के लिए प्रस्तुत किया गया, 2019।
3. निजी उच्च शिक्षा संस्थानों (आईईएसपी) का मोनोग्राफ मणिपाल संस्थान, कर्नाटक, भारत का केस अध्ययन, डा. जिणुशा पाणिग्रही, सीपीआरएचई/नीपा द्वारा ईएसपीआई अंतर्राष्ट्रीय परियोजना के लिए आईआरडी–सीपेड को प्रस्तुत मोनोग्राफ, 2020।
4. निजी उच्च शिक्षा संस्थानों (आईईएसपी) का मोनोग्राफ मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा, भारत का केस अध्ययन, डा. जिणुशा पाणिग्रही, सीपीआरएचई/नीपा द्वारा। ईएसपीआई अंतर्राष्ट्रीय परियोजना के लिए आईआरडी–सीपेड को मोनोग्राफ प्रस्तुत किया, 2020।
5. निजी उच्च शिक्षा संस्थानों (आईईएसपी) का मोनोग्राफ जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, उत्तर प्रदेश, भारत का केस अध्ययन, डा. जिणुशा पाणिग्रही, सीपीआरएचई/नीपा द्वारा। ईएसपीआई अंतर्राष्ट्रीय परियोजना के लिए आईआरडी–सीपेड को मोनोग्राफ प्रस्तुत किया, 2020

वर्ष 2019–20 में सीपीआरएचई द्वारा प्रायोजित बैठकों और कार्यशालाओं की सूची

1. 20 जून 2019 को उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता पर आइएचईआर 2020 की पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक।
2. 26 सितंबर 2019 को उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता पर आइएचईआर 2020 की दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक।
3. 31 अक्टूबर, 2019 को उच्च शिक्षा में पहुंच, समानता और स्थिरता में सुधार हेतु अंतर्राष्ट्रीयकरण पर नॉर्डिक–भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन।
4. 23 जनवरी 2020 को न्यूयॉर्क संस्थान के 24 छात्रों के समूह के साथ संवादात्मक सत्र।

5. रोजगार और संस्थागत स्वायत्तता और शासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी 20 फरवरी और 21 फरवरी, 2020 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित की गई।
6. 26 फरवरी 2020 सीपीआरएचई कार्यकारी समिति की बैठक।

राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन के तहत राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र (एन.आर.सी.ई.) की स्थापना 16 जनवरी, 2018 को की गई। पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन के तहत विशिष्ट रूप से एक ऐसा केंद्र है, जिसे शिक्षकों के विकास की दृष्टि से एक ऐसे शीर्ष निकाय के रूप में परिकल्पित किया गया है जो प्रतिस्पर्धी ज्ञान की दुनिया में अनुसंधान, नेटवर्किंग और मौजूदा संसाधनों को साझा करते हुए अपनी क्षमता को बढ़ाने और ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं।

एन.आर.सी.ई के उद्देश्य शिक्षकों के उपयोग के लिए सभी संसाधनों का राष्ट्रीय भंडार विकसित करना; ज्ञान संसाधनों के उपयोग के माध्यम से शिक्षकों की कार्यात्मक क्षमताओं का विकास करना; शिक्षकों की उन्नत क्षमताओं के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास को बढ़ाना; और भारत तथा विदेशों में उच्च शिक्षा में शिक्षकों के बीच नेटवर्किंग विकसित करना है। संसाधनों को इकट्ठा और सृजन करने के साथ–साथ अपने दृष्टिकोण में, एनआरसीई चार घटकों में ध्यान केंद्रित करता है– विषयवार संसाधन, शिक्षण अधिगम संसाधन, अनुसंधान संसाधन और छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण। सलाहकारी, कानूनी और साथ ही आई.टी. समितियों द्वारा विधिवत निर्देशित समर्थन के साथ, एन.आर.सी.ई. ने रिपोर्टिंग अवधि में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

केंद्र ने जीवन विज्ञान संसाधनों, अर्थशास्त्र संसाधनों के साथ–साथ शिक्षण–शिक्षण और अनुसंधान संसाधनों के लिए स्तरीय दो और/अंतिम रूप से कार्यशालाओं का आयोजन करने के अलावा, चार संयुक्त सलाहकारों की भर्ती करके टीम को मजबूत करने के अपने लक्ष्य को पूरा किया। एनआरसीई ने उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए क्षेत्रीय समझ बढ़ाने और उनकी क्षमताओं को बढ़ाने और उच्च शिक्षा में शिक्षकों के विकसित नेटवर्क के लिए एक मंच होने के अलावा, हितधारकों के दृष्टिकोण (छात्रों) को भी सामने लाने में एक अनोखे तरीके से योगदान दिया है। केंद्र उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए संसाधनों का सबसे बड़ा भंडार विकसित करने, विषयों में विशेषज्ञों की एक निर्देशिका विकसित करने और एनईपी, 2020 के साथ अपने उद्देश्यों को संरेखित करने की दिशा में काम करके अपनी पहुंच का विस्तार करना चाहता है।

एकक

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

बदलती हुई शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में उनकी प्रभाविता और सुधार के संदर्भ में विद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका का महत्व सभी बालकों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने में बढ़ रहा है। अधिगम हेतु एक संस्थागत स्थल के रूप में अब विद्यालयों की मान्यता परिणाम में सुधार लाने के लिए एक महत्वपूर्ण एजेंसी के रूप में होने के साथ–साथ शैक्षणिक उद्देश्यों की प्राप्ति के रूप में भी है। अन्तरराष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालयों की तरफ शनैः शनैः ध्यान अंतरित किया जा रहा है ताकि वे विद्यालयी प्रक्रियाओं और पद्धति में शामिल हों। अतः उच्च गुणवत्तापरक शिक्षा की माँग को पूरा करने के लिए विद्यालय सुधार पर पहल के मुख्य कार्य के रूप में बृहद और सर्वांगीण विद्यालय मूल्यांकन प्रणाली पर निरंतर बल दिया जा रहा है। विद्यालय मूल्यांकन के प्रयोजन को विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के गुरूत्तर लक्ष्य में इसकी भूमिका और योगदान के संदर्भ में समझे जाने की आवश्यकता है।

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम (शाला सिद्धि) कार्यक्रम भारत में व्यापक विद्यालय कार्यनिष्पादन मूल्यांकन को संस्थागत स्वरूप देने के लिए एक राष्ट्रीय पहल है। इसमें ''विद्यालय मूल्यांकन' की परिकल्पना एक साधन के रूप में और 'विद्यालय सुधार' की परिकल्पना लक्ष्य के रूप में की गई है। शाला सिद्धि कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य एक अनुबंधित मानक और प्रक्रम समुच्य की स्थापना करना है। जिसकी प्राप्ति के लिए सभी विद्यालयों को सतत प्रयत्न करना होगा। इस कार्यक्रम में प्रत्येक विद्यालय के लिए स्पष्ट मार्गनिर्देश दिए गए है। जिसमें स्वयं के तथा जवाबदेही के साथ विद्यालय सुधार की दिशा में बाह्य मूल्यांकन का उपबंध किया गया है।

अतएव विद्यालय का मूल्यांकन किसी विद्यालय विशेष और सर्वांगीण रूप से इसके कार्यनिष्पादन से संबंधित है। इसमें उनकी क्षमता को समझना सुधार के अवसर, कार्य की प्राथमिकता, निर्णय लिया जाना और साक्ष्य आधारित सहयोग का निर्माण करने में विद्यालयों को सुविधा प्रदान करना है।

माननीय पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा शाला सिद्धि कार्यक्रम के शुभारंभ के बाद सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों ने एक सु–अभिकल्पित कार्यनीतिक योजना का पालन करते हुए इस कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू किया है। इसके कार्यान्वयन के चार वर्षों में इस कार्यक्रम को बहुत अधिक गति मिली है जिसके फलस्वरूप विद्यालयों के कार्यनिष्पादन में सुधार होने के साथ–साथ अधिगम परिणाम में भी सुधार हुआ है।

शाला सिद्धि कार्यक्रम बनाने के प्रमुख उद्देश्य हैं:

- विद्यालय मानक और मूल्यांकन प्रक्रियाओं के एक संग्रह को संदर्भित और स्थापित करना;
- भारतीय विद्यालयों की विविधता के अनुरूप तकनीकी रूप से सुदृढ़ वैचारिक ढांचा, कार्यप्रणाली, उपकरण और स्कूल मूल्यांकन की प्रक्रिया विकसित करना;
- स्कूल मूल्यांकन के प्रभावी कार्यान्वयन और संस्थागतकरण के लिए वांछित तैयारी हेतु एक रणनीतिक योजना विकसित करना;
- सतत सुधार के लिए सामूहिक व्यावसायिक निर्णय और कार्रवाई हेतु स्कूल मूल्यांकन की क्षमता का निर्माण करना;
- सही तरीके से स्व और बाह्य मूल्यांकन हेतु स्कूलों और प्रणाली को सशक्त बनाना;
- स्कूल सुधार की दिशा में कार्रवाई हेतु स्व एवं बाह्य मूल्यांकन रिपोर्ट को जोड़ने के लिए स्कूल और प्रणाली स्तर पर सुविधा प्रदान करना;
- उचित नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से स्कूल की विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायित्व हेतु प्रणाली स्तर पर सुविधा प्रदान करना;
- पारदर्शी और जवाबदेह स्कूल शिक्षा प्रणाली के निर्माण के लिए साक्ष्य आधारित निर्णय लेने और नीति निर्माण को सक्षम बनाना

शाला सिद्धि कार्यक्रम के विकास की प्रक्रिया में बहुत व्यवस्थित उपागम का अनुसरण किया गया है। यह साक्ष्य आधारित राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्री शोध के अवलंब पर आधारित है। यह कार्यक्रम इस दृष्टिकोण पर आधारित है कि ''सभी बच्चे सीख सकते हैं'' और ''सभी विद्यालयों में सुधार किया जा सकता है।'' इसके अलावा इस कार्यक्रम में वैविध्य भारतीय विद्यालयों के 1.53 मिलियन बालक–बालिकाओं के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करने

तथा सुधार के निमित्त उन्हें कार्रवाई करने को सुगम बनाने हेतु पद्धति पर बल दिया गया है। प्रमुख चरणों में जिन कार्यक्रमों को संस्थागत स्वरूप देने का कार्य किया गया, वे इस प्रकार हैः तैयारी, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा विद्यालय मूल्यांकन कार्यान्वयन, गुणवत्ता में सुधार के लिए विद्यालय मूल्यांकन प्रतिवेदनों की प्रभाविता और उनकी उपयोगिता।

चरण–I: सुधार हेतु स्कूल मूल्यांकनः शाला सिद्धि कार्यक्रम की तैयारी

1. स्कूल मूल्यांकन के लिए अवधारणा, उपकरण, कार्यप्रणाली और सामग्री का विकास (शाला सिद्धि)

i. **स्कूल मानक और मूल्यांकन ढांचा (एसएसईएफ)** – स्कूल मानक और मूल्यांकन ढांचा स्कूल मूल्यांकन के लिए एक व्यापक उपकरण के रूप में विकसित किया गया है। यह स्कूलों को एक केंद्रित और रणनीतिक तरीके से परिभाषित मानदंडों के प्रतिकूल अपने महत्वपूर्ण प्रदर्शन क्षेत्रों का मूल्यांकन करने में सक्षम बनाता है। फ्रेमवर्क 7 डोमेन को 'प्रमुख प्रदर्शन क्षेत्रों' के रूप में और '46 कोर मानकों' को मूल्यांकन और सुधार के लिए कार्रवाई के संदर्भ बिंदुओं के रूप में पहचानता है।

ii. **स्कूल मूल्यांकन डैशबोर्ड**–स्कूल सुधार के लिए कार्रवाई के साथ–साथ स्कूल की व्यापक मूल्यांकन रिपोर्ट।

iii. **स्कूल स्व–मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश**– दिशानिर्देश का उद्देश्य क्रमिक और निर्देशित तरीके से स्कूल स्व–मूल्यांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाना है। सटीक व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए स्कूलों को दिशानिर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।

iv. **स्कूल बाह्य–मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश**– दिशानिर्देश क्रमिक और निर्देशित तरीके से प्रभावी बाह्य मूल्यांकन के संचालन के लिए स्पष्ट मार्ग प्रदान करता है।

v. **साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देश**– साक्ष्य आधारित स्कूल मूल्यांकन स्कूल में सुधारात्मक कार्यों से जोड़ने के लिए स्कूलों का सहयोग करते हैं। यह स्कूलों को प्रगतिशील और प्राथमिकता के माध्यम से प्रमुख डोमेन में कार्रवाई उन्मुख गतिविधियों को शुरू करने की सुविधा प्रदान करता है।

इन दस्तावेजों का 16 भाषाओं में अनुवाद किया गया है और राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के माध्यम स सभी स्कूलों में वितरित किया गया है। वेब पोर्टल पर सॉफ्ट कॉपी भी उपलब्ध हैं।

2. शाला सिद्धि कार्यक्रम के लिए आईटी समर्थित सहायता (www.shaalasiddhi.niepa.ac.in)

शाला सिद्धि को एक समर्पित और अन्योन्य क्रियात्मक वेब पोर्टल है। वेब पोर्टल में कार्यक्रम संबंधी सभी दस्तावेज हैं जिन्हें सभी उपयोगकर्ता डाउनलोड कर सकते हैं। वेब पोर्टल में प्रत्येक स्कूल अपनी स्व–मूल्यांकन एवं बाह्य–मूल्यांकन डैशबोर्ड को अपलोड करने का प्रावधान है। समेकित स्कूल मूल्यांकन रिपोर्ट ऑनलाइन तैयार की जाती है जिसमें स्व एवं बाह्य स्कूल मूल्यांकन प्रतिवेदन दोनों शामिल हैं। प्रैक्टिसनर, नीति–निर्माता अन्य सभी हितधारक सूचना प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार गुणवत्तापरक विद्यालय शिक्षा की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

3. क्षमता निर्माण कार्यक्रम

शाला सिद्धि कार्यक्रम को सही मायने में लागू करने की तैयारी के लिए राष्ट्रीय, राज्य, जिला ब्लॉक और क्लस्टर स्तर पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाती है। पिछले 3 वर्षों में लगभग 10 लाख शिक्षक–प्रशिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों, प्राचार्यों और शिक्षकों को शाला सिद्धि कार्यक्रम की तैयारी, कार्यनीतिक योजना निर्माण और कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

4. संस्थागत और संरचनापरक प्रबंध

शाला सिद्धि कार्यक्रम का आशय भारत के सभी स्कूलों में जाकर उन्हें विद्यालय स्व–मूल्यांकन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए तैयार करने के साथ–साथ विद्यालय में सुधार लाने के लिए मूल्यांकन रिपोर्ट का उपयोग करवाना भी है। कार्यान्वयन के लिए कार्यनीतिक योजना निर्माण के आधार पर राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों ने निर्माण किया हैः

- **हस्त–धारिता उपागमः** राज्य, जिला, प्रखंड और गुच्छ स्तर पर 'कोर समूह' का निर्माण किया जाता

है। ये समूह प्रत्येक विद्यालय में शाला सिद्धि के संलयन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एक–दूसरे को हस्त–धारिता देती है। उपागम के तौर पर प्रत्येक राज और संघ राज्य क्षेत्र में अभिहित 'शाला सिद्धि' नोडल अधिकारीगण' हैं जिनके उपर राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय घटकों के मध्य संपर्क स्थापित करने का दायित्वच है। ये नोडल अधिकारी प्रभावी कार्यान्वयन और प्रगति की निगरानी के लिए भी समान रूप से उत्तरदायी हैं

- **ब्लॉक श्रृंखला दृष्टिकोणः** व्हाट्सएप ग्रुप, स्थानीय भाषाओं में वीडियो बनाकर और अन्य सॉफ्टवेयर तथा कनेक्टिविटी का उपयोग करके स्कूलों के साथ इंटरकनेक्टिविटी बनाई गई।

चरण–II: विद्यालय मूल्यांकन का कार्यान्वयन

1. शाला सिद्धिः स्व एवं बाह्य मूल्यांकन

विद्यालय का स्व–मूल्यांकन एक वार्षिक गतिविधि है और सभी राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा इनका तीन आनुक्रमिक वर्ष (2016–18, 2018–19, 2019–20) तक निरंतर कार्यान्वयन किया गया है। एक वर्ष की समयावधि में प्रत्येक राज्य तथा संघ क्षेत्रों में 33 प्रतिशत विद्यालयों का बाह्य मूल्यांकन पूरा हो जाएगा।

वर्ष 2019–20 के दौरान 459583 विद्यालयों ने स्व–मूल्यांकन का कार्य पूरा कर लिया है जहाँ 420607 स्कूलों ने स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड अपलोड किये हैं। सभी राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों ने वर्ष 2018–19 में बाह्य मूल्यांकन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। 50618 विद्यालयों का बाह्य मूल्यांकन का कार्य पूरा हो गया है जबकि 49018 विद्यालयों ने स्कूल का बाह्य–मूल्यांकन डैशबोर्ड अपलोड कर दिया है। राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के आग्रह पर स्व–मूल्यांकन (2019–20) तथा बाह्य–मूल्यांकन (2018–19) कराए जाने तथा उन्हें अपलोड करने की समय–सीमा निर्धारित की गई है।

2. क्षमता निर्माण कार्यक्रम

सच्चे अर्थ में शाला सिद्धि कार्यक्रम तैयार करने तथा इसके कार्यान्वयन के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए कई क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए गए। लगभग 11 लाख शिक्षक–प्रशिक्षक, शिक्षा अधिकारी/कर्मी, प्राचार्य और शिक्षकों को पिछले 4 वर्षों में शाला सिद्धि कार्यक्रम की तैयारी, कार्यनीतिक योजना निर्माण और कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

3. वेब–पोर्टल प्रबंध

शाला सिद्धि को एक समर्पित और अन्योन्य क्रियात्मक वेब पोर्टल (www.shaalasiddhi.niepa.ac.in) का अवलंब है। वेब पोर्टल में कार्यक्रम से संबंधित सभी दस्तावेज़ उपलब्ध हैं जिन्हें सभी प्रयोक्ता डाउनलोड कर सकते हैं। वेब पोर्टल पर स्कूल स्व एवं बाह्य मूल्यांकन डैशबोर्ड को अपलोड करने का प्रावधान है। एक समेकित विद्यालय मूल्यांकन ऑनलाइन उत्पन्न किया जाता है जिसमें स्व एवं बाह्य विद्यालयी मूल्यांकन प्रतिवेदन दोनों शामिल हैं।

प्रैक्टिसनर, नीति–निर्माता अन्य सभी हितधारक सूचना प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार गुणवत्तापरक विद्यालय शिक्षा की पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होती है।

चरण–III: विद्यालय मूल्यांकन से परे : साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार

1. साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार

शाला सिद्धि कार्यक्रम में विद्यालय मूल्यांकन की परिकल्पना सतत् रूप से विद्यालय सुधार प्रक्रिया को सुगम बनाने के साधन के रूप में की गई है। निद्यालय मूल्यांकन प्रक्रिया (स्व एवं बाह्य) के फलस्वरूप, विद्यालय 46 प्रमुख मानकों पर अपने कार्यनिष्पादन स्तर के आधार पर सुधार कार्य को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बारे में, ''साक्ष्य आधारित विद्यालय सुधार हेतु दिशानिर्देश'' पहले ही विद्यालयों को दिए गए हैं ताकि वे अपने कार्यनिष्पादन स्तर में सुधार ला सकें।

2. सुधार के लिए विद्यालयों को सहयोग करनाः विद्यालय में सुधार के लिए कार्यनीतिक योजना निर्माण

विद्यालय स्वयं मूल्यांकन प्रतिवेदन प्रणाली तथा बहु–हितधारकों का प्रभावी ढंग से उपयोग करते हैं। विद्यालय स्व–मूल्यांकन सुधार के लिए विद्यालय की शक्ति और सुधार के अवसर की पहचान करने के लिए विद्यालय मूल्यांन की प्रक्रिया का अभिकेन्द्रक है। इस प्रक्रिया के फलस्वरूप विद्यालयों को बेहतर निर्णय लेने, सुधार की योजना तैयार करने और उत्तरोत्तर जवाबदेही सुनिश्चित करने की सुविधा मिलती है। स्व एवं बाह्य मूल्यांकन समेत संकलित मूल्यांकन प्रतिवेदन से विद्यालयों, खण्डों, जिले एवं राज्यों को विद्यालय विशिष्ट सहायता व संसाधन प्रबंधन में सहायता मिलती है। इस प्रक्रिया के फलस्वरूप विद्यालयों को स्व–मूल्यांकन के लिए शक्ति प्राप्त होती

है और वह पारदर्शिता के साथ व्यावसायिक निर्णय की संस्कृति का निर्माण कर पाता है।

3. विद्यालय मूल्यांकन डैशबोर्ड के उपयोग

विद्यालय मूल्यांकन डैशबोर्ड में मूलभूत जानकारी जनांकिकीय प्रोफाइल, उपस्थिति की दर, अधिगम परिणाम, महत्वपूर्ण विषयों में कार्य निष्पादन, अध्यापक की प्रोफाइल और उपस्थिति), विद्यालय मूल्यांकन सम्मिश्र आव्यूह (सात प्रमुख डोमेन और 46 करोड़ मानक) तथा सतत विद्यालय सुधार के लिए कार्रवाई से संबंधित विद्यालय की व्यापक जानकारी दी गई है। सर्वप्रथम, दैनंदिक कार्यकलापों तथा विद्यालय की प्रक्रिया में सुधार लाने के लिए स्व–मूल्यांकन प्रतिवेदन का उपयोग करने वाला पहला प्रयोक्ता विद्यालय होता है। इसके अलावा, विद्यालय साक्ष्य–आधारित विद्यालय सुधार का कार्य भी निरंतर और उत्तरोत्तर कर रहा है। बाह्य मूल्यांकनकर्ता विद्यालय स्तर के कार्य–निष्पादन को समग्र कार्यनिष्पादन से संबद्ध करते हैं और उचित ढंग से विद्यालय में सुधार हेतु कार्रवाई के लिए सहयोग प्रदान करते हैं।

4. विद्यालय का कार्यनिष्पादन विश्लेषण कथानक और विद्यालयों की आवाज

विद्यालय स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड के आधार पर तीन स्तरों पर विद्यालय कार्यनिष्पादन विश्लेषण तैयार किया जाता है।

1. विद्यालय के स्व–मूल्यांकन प्रतिवेदन का क्रोड मानक–वार विश्लेषण (लेवल 1–2–3)
2. विद्यालयों का क्षेत्रक विशिष्ट कार्य–निष्पादन (प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्रक के तहत समेकित क्रोड मानक)
3. 46 क्रोड मानकों (7 प्रमुख क्षेत्रक) पर राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालयों का समाकलित प्राप्तांक

इसी प्रकार, विद्यालयों के कथानक और उनकी आवाज के आधार पर गुणवत्तापरक विश्लेषण तैयार किया जाता है। 500 से अधिक विद्यालयों ने राज्यों तथा राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान के साथ अपने दृष्टिकोण व सुझाव को साझा किया है। सभी प्रतिवेदन राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किए गए हैं।

5. शाला सिद्धि कार्यक्रम की मापनीयता और संधारणीयता

1.53 मिलियन विद्यालयों तक पहुँचने और शाला सिद्धि को वार्षिक कार्यकलाप बनाने के लिए शाला सिद्धि कार्यक्रम में अभिवृद्धि और प्रोन्नयन की नितांत आवश्यकता है। शाला सिद्धि कार्यक्रम की मापनीयता एवं संधारणीयता के लिए वित्तीय संसाधन, राज्य स्वामित्व, मानव संसाधन की तैयारी और इन सबसे अधिक महत्वपूर्ण ''शाला सिद्धि की आवधारणा–स्कूल कार्यनिष्पादन मूल्यांकन'' की सूझ–बूझ विद्यालय की गुणवत्ता और सुधार के लिए महत्वपूर्ण है।

परियोजना प्रबंधन एकक

संस्थान में परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) की स्थापना गृह स्तर एवं प्रायोजित अनुसंधान के समर्थन और प्रबंधन के उद्देश्य से की गई थी। यह एकक शिक्षा नीति और शैक्षिक योजना एवं प्रशासन (व्यक्तिगत शोध) के क्षेत्र में अध्ययन के लिए नीपा सहायता योजना के कार्यान्वयन हेतु नीपा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और अध्ययन सेमिनार, मूल्यांकन आदि के लिये अनुदान सहायता योजना विभाग के सभी बाह्य वित्त–पोषित और आंतरिक अनुसंधान परियोजनाओं के उचित समन्वय के लिये प्रशासन की एक केन्द्रीकृत प्रणाली के रूप में कार्य करता है।

यह एकक सामान्य रूप से, परियोजना अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिये परियोजना कार्यान्वयन में प्रगति की निगरानी और संबंधित समर्थन सेवाएँ प्रदान करने सहित नीपा में किए गए विभिन्न परियोजनाओं के प्रबंधन के लिये प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह सभी मामलों में धन और घरेलू व्यय के लेखा सहित नीपा – परियोजना भर्ती और नियुक्तियों से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।

पीएमयू विभिन्न परियोजनाओं के लेखांकन, परियोजना स्टाफ की भर्ती, बजट के अलावा संस्थान में चल रहे और पूर्ण अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित सभी कार्य की देखभाल करता है।

पीएमयू एकक में अध्यक्ष, कुलपति द्वारा चयनित किया जाता है। इसके अलावा पांच अन्य अकादमिक तथा समर्थन स्टाफ भी चयनित किये जाते हैं। समर्थन स्टाफ में परियोजना परामर्शदाता, परियोजना प्रबंधक तथा कनिष्ठ परामर्शदाता सम्मिलित हैं।

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक

भारत की व्यापक उच्चतर शिक्षा प्रणाली और लगभग 1,000 विश्वविद्यालयों एवं 40,000 महाविद्यालयों में प्रतिवर्ष 36 मिलियन से भी अधिक विद्यार्थियों के प्रवेश के साथ नवयुवकों की बढ़ती हुई भीड़ को देखते हुए देश गुणवत्तापरक उच्चतर शिक्षा की आवश्यकता को समझते हुए अपने स्नातक योग्यताधारियों की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान करने की भूमिका को आत्मसात् करता है। वस्तुतः अन्तरराष्ट्रीय स्वरूप दिया जाना अर्थात् अन्तरराष्ट्रीयकरण सदैव भारत में उच्चतर शिक्षा विकास का एक महत्वपूर्ण पहलू रहा है क्योंकि यह देश सबसे अधिक अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को भेजने वालों की श्रेणी में दूसरे स्थान पर है। तथापि, भारत में मात्र 46,000 विद्यार्थी ही आते है जिनमें से अधिकांश दक्षिण एशियाई क्षेत्र से हैं। उच्चतर शिक्षा की वैश्विक रैंकिंग में भी भारत पीछे चल रहा है। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए, अन्तरराष्ट्रीयकरण का मुद्दा भारत में उच्चतर शिक्षा पर होने वाले विमर्श में पुनः मुख्य विषय के रूप में उभर रहा है।

भारत की योजना स्वयं को अन्तरराष्ट्रीय विद्यार्थियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य स्थल बनाना और अंत में इसे अन्तरराष्ट्रीय शिक्षा के निमित्त महत्वपूर्ण शैक्षणिक केन्द्र के रूप में विकसित करने की है। देश अपने शोध पारिस्थितिकी में भी सुधार लाने के लिए प्रयत्नशील है और बहुत सी महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यक्रमों अर्थात् स्टडी इन इंडिया प्रोग्राम, स्कीम फॉर प्रोमोशन ऑफ एकेडमिक एण्ड रिसर्च कोलाबोरेशन (स्पार्क) तथा ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क (ग्यान) का शुभारम्भ किया है। पुराने कार्यक्रम कोलंबो प्लान और आईटीईसी ने ठोस आधारशिला रखी है जिस पर वर्तमान समय में प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में पहले से ही बड़े अन्तरराष्ट्रीय संगठनों, बहुपक्षीय निकायों और द्विपक्षीय एजेंसियों के साथ शैक्षणिक सहयोग संबंधी क्रियाकलाप जारी हैं। उन नेटवर्क विश्वविद्यालयों में भी यह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जो या तो पहले से स्थापित हैं या जिन्हें स्थापित करने की प्रक्रिया चल रही है।

नीपा में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी) का सिंहावलोकन

अन्तरराष्ट्रीय शिक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत मे नेतृत्व की क्षमता को तभी यथार्थ में परिणत किया जा सकता है जब यह वैश्विक पहल की आयोजना के साथ–साथ इसके वित्तपोषण में भी अपने सक्रिय भागीदारी दर्शाए। अन्तरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने

के उद्देश्य की प्राप्ति हेतु विशिष्ट सहयोग प्रबंध व्यवस्था, अनुभव साक्ष्य की उत्पत्ति, दस्तावेज तैयार करने तथा शिक्षा मंत्रालय को नियमित तौर पर प्रतिपुष्टि देने के संदर्भ के विश्लेषण हेतु तंत्र की आवश्यकता पड़ती है। इसे सुलभ बनाने के लिए संस्थानिक व्यवस्था की आवश्यकता पड़ती है और इससे नीपा में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक बनाने के संदर्भ का निर्माण होता है।

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक के प्रमुख कार्य

इस एकक का समग्र दायित्व अपने शोध और प्रलेखन, सलाहकारी और निगरानी की भूमिका के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग से संबंधित विषयों पर शिक्षा मंत्रालय और निर्णय लेने वाले अन्य निकायों को सहयोग प्रदान करना है। इस एकक के विशिष्ट कार्य निम्नानुसार हैं:

कार्य

1. शिक्षा के क्षेत्र में भारत एवं अन्य देशों तथा द्वि पक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के बीच अन्तरराष्ट्रीय सहयोग में रूझान और पद्धतियों का विश्लेषण करना और उनका प्रलेखन।
2. शिक्षा के क्षेत्र में अन्तरराष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में बैठकों में शासकीय भागीदारी के लिए पृष्ठाधार दस्तावेज और सार–संक्षेप तैयार करने में सहायता करना।
3. शिक्षा में सहयोग के लिए अन्तःसरकारी, द्विपक्षीय और बहुपक्षीय एजेंसियों के साथ भारत के नेटवर्क कार्यकलापों का समन्वय और उनका सुदृढ़ीकरण।
4. शिक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार सहयोग के कार्यक्रमों का अभिकल्प तैयार करना, उनका कार्यान्वयन और अनुवीक्षण।
5. प्रत्येक वर्ष शिक्षा मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित अन्तरराष्ट्रीय सहयोग संबंधी गतिविधियों के बारे में प्रतिवेदन तैयार करना:

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक में एक सलाहकार, पाँच उप–सलाहकार, एक कनिष्ठ परियोजना परामर्शदाता और एक कम्प्यूटर सहायक पद स्थापित हैं। सलाहकार इस एकक का प्रभारी है और इसके कार्यकलाप का समन्वय करता है। प्रो. के. रामचन्द्रन अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक के वरिष्ठ सलाहकार हैं और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के कुलपति इस एकक के प्रधान हैं।

शिक्षा मंत्रालय के अन्तरराष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ (आईसीसी) के विविध कार्यकलाप के आधार पर सलाहकार और उप–सलाहकारों को निम्नांकित प्रकार्यात्मक दायित्व समनुष्टि किए गए हैं

क्र. सं.	वर्टिकल का नाम	मुख्य दायित्व
1.	द अमेरिकाज (उत्तरी अमेरिका और लैटिन अमरीका और कैरिबियन)	जी–20, ई–9 और अमेरिका के भीतर के देशों के साथ द्विपक्षीय करार/समझौता ज्ञापन से संबंधित अनुषंगी कार्य/मामले
2.	यूरोप	यूरोपीय संघ, ओईसीडी तथा अनुषंगी कार्य/द्विपक्षीय करारों से संबंधित मामले/यूरोपीय देशों के साथ समझौता ज्ञापन
3.	एशिया पैसिफिक (पूर्वी एशिया, दक्षिण पूर्व एशिया और प्रशांत महासागरीय क्षेत्र)	एसीडी, ब्रिक्स, आसियान, आईबीएसए और सहायक कार्य/द्विपक्षीय करारों से संबंधित मामले/एशिया पैसिफिक के भीतर के देशों और एसीडी, ब्रिक्स, आसियान एवं आईबीएसए के सदस्य देशों के साथ समझौता ज्ञापन।
4.	अन्य एशियाई क्षेत्र (दक्षिणी एशिया, कौकेसस, मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया)	राष्ट्रमंडल, एससीओ, बिमस्टेक, सार्क और सहायक कार्य/ द्विपक्षीय करारों से संबंधित मामले/एससीओ, बिमस्टेक और दक्षेस के सदस्य देशों के साथ समझौता ज्ञापन
5.	अफ्रीका (उप–सहारा क्षेत्र अफ्रीका, उत्तरी अफ्रीका	अफ्रीका यूनियन, द्विपक्षीय करारों से संबंधित कार्य/ अफ्रीकी देशों के साथ समझौता ज्ञापन
6.	यूनेस्को	यूनेस्को, एएसईएम

अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एकक

पुस्तकालय और प्रलेखन केन्द्र और डिजिटल अभिलेखागार

संस्थान में एक अत्याधुनिक पुस्तकालय है जिसमें शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन और अन्य सहायक विषयों से संबंधित पुस्तकों और अन्य सामग्री का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र अपने पाठकों को विभिन्न सेवाएं जैसे–सीएएस, एसडीआई, संदर्भ सेवाएं वेब ओपैक, प्रसारण और फोटोकापी की सुविधाएं प्रदान करता है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तरों पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेलनेट का सदस्य भी है। वर्तमान में पुस्तकालय में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, जैसे–यूएनओ, यूएनडीपी, यूनेस्को, आईएलओ, यूनीसेफ, विश्व बैंक, ओईसीडी आदि द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों की रिपोर्टों के अलावा 59,208 से अधिक पुस्तकों/दस्तावेज़ों तथा 7,616 जर्नलों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय में शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन तथा अन्य सहायक क्षेत्रों से संबंधित 250 जर्नल मंगाए जाते हैं। इसके अलावा पुस्तकालय पाठकों के लिए ऑन लाइन जर्नल डाटाबेस, जैसे–जेएसटीओआर, एलसेवियर और सेज भी मंगाता है। नीपा के प्रलेखन केंद्र में अधिकारिक रिपोर्टों, केंद्र तथा राज्य सरकारों के प्रकाशनों, शैक्षिक सर्वेक्षणों, पंचवर्षीय योजनाओं और जनगणना रिपोर्टों आदि सहित लगभग 17,993 दस्तावेज हैं। प्रलेखन केंद्र के पास महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टें और शैक्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट हैं जो शैक्षिक शोध अैर नीति निर्माण के लिए जरूरी हैं। संस्थान में एक डिजीटल अभिलेखागार बनाया गया है। भारत में शिक्षा के सभी क्षेत्रों, स्तरों और पक्षों पर शोध और संदर्भ के स्रोत के रूप में एक स्थान पर सभी दस्तावेजों की साफ्टकापी सुलभ करवाई जा सके। इसका मुख्य उद्देश्य प्रयोक्ता समुदाय का निर्माण करना है जो कि संस्थान के कार्यों का एक विस्तार है। नवीनतम सूचना संप्रेषण प्रौद्योगिकी के रूप में उच्च स्तरीय स्वचालित डिजीटल स्कैन का उपयोग डिजाइन, संग्रह और डिजीटल दस्तावेजों की पुनः प्राप्ति के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। इस डिजीटल अभिलेखागार में प्रयोक्ता सुलभ बहुखोजी विकल्पों के साथ अंतर्निहित उपयोगों सहित साफ्टवेयर उपलब्ध है।

वर्ष 2013 में शैक्षिक प्रलेखों का एक **डिजीटल अभिलेखागार** स्थापित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य सभी शैक्षिक प्रलेखों को एक स्थान पर डिजीटल रूप में संग्रहित करना है। डिजीटल अभिलेखागार में 11,000 से अधिक अभिलेख संग्रहित हैं और सतत् इनकी संख्या में वृद्धि की जा रही है। प्रलेखों को मुख्यतः 18 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है और इसी क्रम में आगे भी केंद्र, राज्य, जिला, ब्लॉक स्तर पर उप वर्ग बनाए गये हैं। डिजीटल अभिलेखागार में आज़ादी के बाद से शिक्षा प्रणाली के सभी स्तरों तथा क्षेत्रों से संबंधित नीतिगत तथा अन्य अभिलेख सुलभ करवाए जाते हैं ताकि नीति विश्लेषकों, योजनाकारों, शोधार्थियों एवं अभिरुचि रखने वाले अन्य विद्वानों को एक स्थान पर आवश्यक सामग्री सुलभ करवाई जा सके और उन्हें संदर्भ सामग्री और आंकड़ों के लिए कहीं और नही जाना पड़े। डिजीटल अभिलेखागार नीपा का विस्तारित कार्य है जो प्रयोक्ता समुदाय को समर्पित है।

कंप्यूटर केंद्र

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी जरुरतें पूरा करता है। यह केंद्र संस्थान के सभी प्रशिक्षणार्थियों और स्टाफ सदस्यों

को कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधाएं प्रदान करता है। नेटवर्क संसाधन को पहुंचाने के लिए सभी संकाय और स्टाफ को नेटवर्क प्वांइट सुलभ किए गए हैं। नीपा डोमेन से सभी संकाय और स्टाफ सदस्यों के व्यक्तिगत ई–मेल खाता खोले गए हैं। सभी संकाय सदस्यों को 1 जीबीपीएस की इंटरनेट कनेक्टिविटी दी गई है। सभी स्टाफ सदस्यों को डेस्कटॉप और संकाय सदस्यों को लैपटाप आवंटित किए गए हैं। नीपा में समुचित नेटवर्क सुरक्षा का रखरखाव किया जा रहा है। केंद्र में आधुनिकतम सुविधाएं हैं, जैसे–आईबीएम–ई सिरीज सर्वर जो तीव्र अर्थनेट से जुड़ा है। वर्तमान में निम्नलिखित आधारभूत सुविधाएं हैं–उन्नत कैट–6 केबल, केंद्रीकृत कंप्यूटिंग सुविधा, जिसमें उच्च कार्यनिष्पादन वाले सर्वर्स, क्लाइंट पी सी, इंटरनेट से अपलिंक और अन्य सेवाएं और अति सक्षम बहुकल्पिक यू पी एस के जरिए पर्याप्त रूप में अनवरत पावर आपूर्ति उपलब्ध है।

प्रकाशन एकक

नीपा में शिक्षा के शोध और विकास के प्रसार–प्रचार हेतु प्रकाशन कार्यक्रम है। नीपा प्रकाशन एकक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा अन्य संबंधित सामग्री रिपोर्टों, पुस्तकों, जर्नलों, न्यूज़लेटर, अनुसंधान आलेखों, तथा अन्य प्रकाशनों के माध्यम से शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रशासन से संबंधित क्षेत्रों में अनुसंधान तथा विकास की सूचनाओं के प्रचार–प्रसार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। संस्थान द्वारा प्रकाशित कुछ पत्रिकाओं में 'जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन', 'परिप्रेक्ष्य' हिन्दी जर्नल तथा एंट्रीप न्यूज़लेटर इत्यादि हैं। संस्थान का प्रकाशन एकक मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट आवश्यकताओं को भी पूर्ण करता है।

हिंदी कक्ष

यह कक्ष शैक्षिक योजना तथा प्रबंधन में व्यावसायिक प्रकाशनों के अनुवाद के माध्यम से अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रसार में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहयोग देता है।

अभिशासन और प्रबंधन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अंतर्गत घोषित एक मानित विश्वविद्यालय है जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत पंजीकृत है। इस संस्थान के प्राधिकारियों में शामिल हैं : अध्यक्ष, कुलाधिपति, कुलपति, परिषद, प्रबंधन बोर्ड, अकादमिक परिषद, वित्त समिति और अध्ययन बोर्ड तथा संस्थान के प्रबंधन बोर्ड द्वारा घोषित ऐसे अन्य प्राधिकरण। संस्थान के कुलपति प्रधान शैक्षणिक और कार्यकारी अधिकारी हैं।

नीपा परिषदः नीपा परिषद संस्थान का सर्वोच्च निकाय है जिसका प्रमुख अध्यक्ष होता है। परिषद का मुख्य कार्य कार्यालय ज्ञापन में निर्धारित संस्थान के लक्ष्यों को कार्यान्वित करना है। नीपा परिषद संस्थान के सभी मामलों के सामान्य पर्यवेक्षण का उत्तरदायी है। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार नीपा परिषद के अध्यक्ष हैं। संस्थान के कुलपति इसके उपाध्यक्ष हैं। परिषद के पदेन सदस्य हैं : सचिव, भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सचिव, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, और वित्त सलाहकार, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार। परिषद के अन्य सदस्य हैं– अध्यक्ष द्वारा नामित तीन विख्यात शिक्षाविद्, अध्यक्ष द्वारा नामित राज्य/संघ क्षेत्र प्रतिनिधि (5 प्रभागों में से प्रत्येक प्रभाग से एक–एक प्रतिनिधि) और अध्यक्ष द्वारा नामित नीपा संकाय का एक सदस्य। संस्थान के कुलसचिव परिषद के सचिव हैं। दिनांक 31 मार्च 2020 के अनुसार नीपा परिषद के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–I में प्रस्तुत है।

उच्च शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के (पीएन I अनुभाग) ने अपने पत्र संख्या 2–7/2016–पीएन–I दिनांक 16 जनवरी, 2020 के माध्यम से यूजीसी विनियमए 2019 के अनुसार नीपा के संशोधित ज्ञापन और नियमों को भेजा है। जिसमें कहा गया है कि संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय अब प्रबंधन बोर्ड होगा।

प्रबंधन बोर्डः प्रबंधन बोर्ड संस्थान का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। संस्थान के कुलपति प्रबंध बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। अन्य सदस्य हैं : संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन सदस्य मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती, वि.अ.आ. के अध्यक्ष का एक नामिती, संस्थान के संकाय डीन, संस्थान के दो संकाय सदस्य (एक प्रोफेसर और एक सह–प्रोफेसर/सहायक प्रोफेसर), कुलसचिव, नीपा, प्रबंधन बोर्ड का सचिव होता है। 31 मार्च, 2020 के अनुसार प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–II में दी गई है।

संगठनात्मक ढांचा

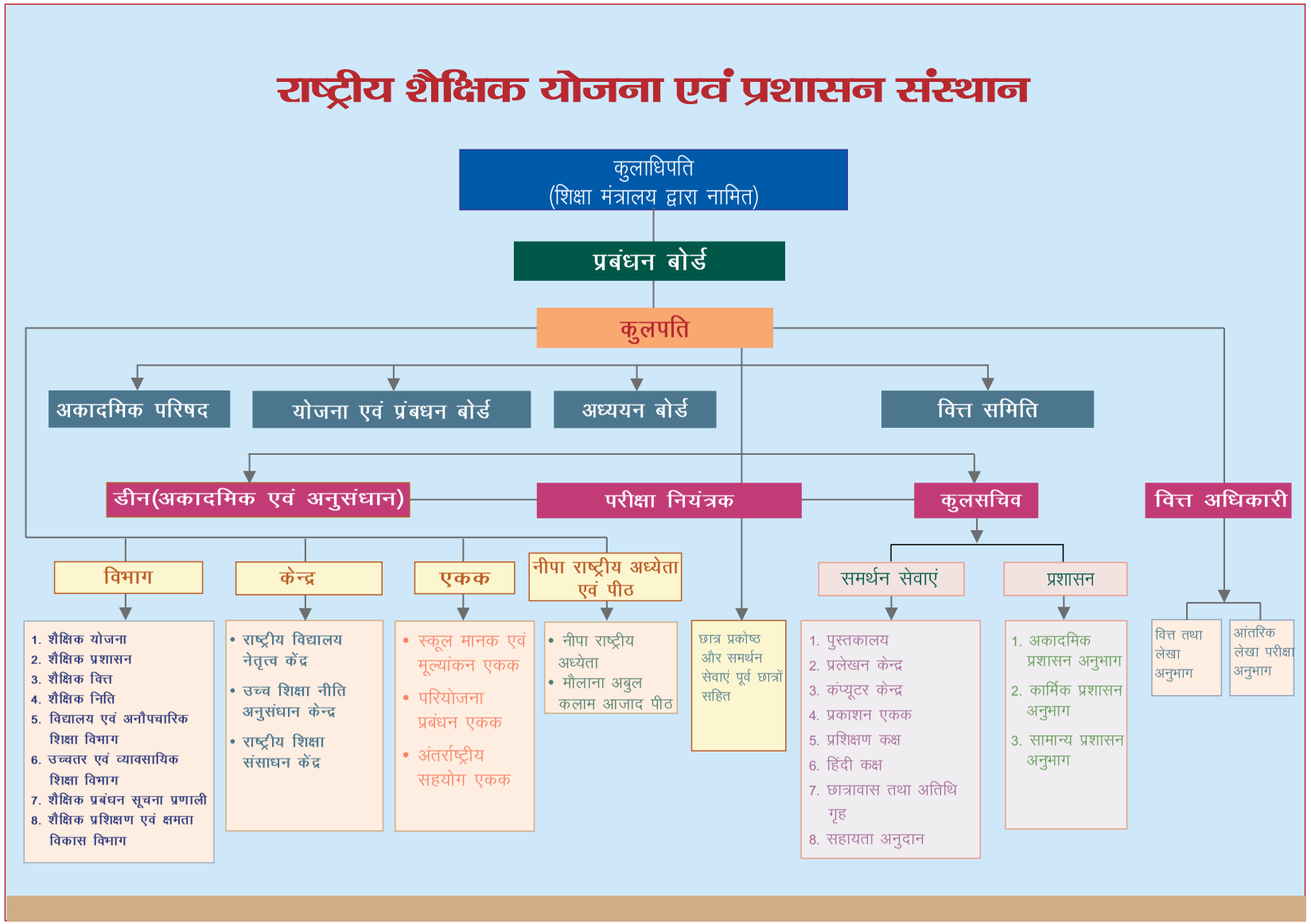
राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान
कुलाधिपति
(शिक्षा मंत्रालय द्वारा नामित)
प्रबंधन बोर्ड
कुलपति
अकादमिक परिषद
योजना एवं प्रबंधन बोर्ड
अध्ययन बोर्ड
वित्त समिति
डीन(अकादमिक एवं अनुसंधान)
परीक्षा नियंत्रक
कुलसचिव
वित्त अधिकारी
विभाग
केन्द्र
एकक
नीपा राष्ट्रीय अध्येता एवं पीठ
समर्थन सेवाएं
प्रशासन
1. शैक्षिक योजना
2. शैक्षिक प्रशासन
3. शैक्षिक वित्त
4. शैक्षिक निति
5. विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग
6. उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
7. शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली
8. शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग
• राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र
• उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र
• राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र
• स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
• परियोजना प्रबंधन एकक
• अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एकक
• नीपा राष्ट्रीय अध्येता
• मौलाना अबुल कलाम आजाद पीठ
छात्र प्रकोष्ठ और समर्थन सेवाएं पूर्व छात्रों सहित
1. पुस्तकालय
2. प्रलेखन केन्द्र
3. कंप्यूटर केन्द्र
4. प्रकाशन एकक
5. प्रशिक्षण कक्ष
6. हिंदी कक्ष
7. छात्रावास तथा अतिथि गृह
8. सहायता अनुदान
1. अकादमिक प्रशासन अनुभाग
2. कार्मिक प्रशासन अनुभाग
3. सामान्य प्रशासन अनुभाग
वित्त तथा लेखा अनुभाग
आंतरिक लेखा परीक्षा अनुभाग

वित्त समिति : वित्त समिति की मुख्य भूमिका संस्थान की लेखा की जांच करना और व्यय के प्रस्तावों की समीक्षा करना है। संस्थान की वार्षिक लेखा और वित्तीय आकलनों को वित्त समिति के सम्मुख रखा जाता है और समिति की टिप्पणियों के साथ इसे अनुमोदन के लिए प्रबंधन बोर्ड को प्रस्तुत किया जाता है। वित्त समिति संस्थान की आय और संसाधनों के आधार पर वार्षिक आवर्ती और गैर आवर्ती व्यय की सीमाऐं तय करती है। संस्थान के कुलपति वित्त समिति के पदेन अध्यक्ष हैं; इसके अतिरिक्त नीपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा नामित दो व्यक्ति, कुलपति द्वारा नामित एक व्यक्ति, वित्तीय सलाहकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का एक प्रतिनिधि होता है। वित्त अधिकारी, वित्त समिति के सचिव का कार्य करता है। 31 मार्च 2020 के अनुसार वित्त समिति के सदस्यों की सूची परिशिष्ट–III में दी गई है।

अकादमिक परिषद : नीपा अकादमिक परिषद संस्थान का शीर्षस्थ अकादमिक निकाय है। अकादमिक परिषद शिक्षा, प्रशिक्षण, शोध और परामर्श के स्तर पर सतत सुधार और अंतर–विभागीय सहयोग, परीक्षा और परीक्षण आदि के प्रति उत्तरदायी होता है। इसका पदेन अध्यक्ष कुलपति होता है। अकादमिक परिषद में शामिल हैं : संस्थान के संकाय डीन, अकादमिक विभागों के अध्यक्ष, और अध्यक्ष द्वारा मनोनीत तीन शिक्षाशास्त्री जो नीपा की गतिविधियों से जुड़े हुए क्षेत्रों से संबंधित हों और संस्थान की सेवा में न हों, कुलपति द्वारा चक्रानुसार नामित एक सहायक प्रोफेसर और तीन सहयोजित सदस्य जो शैक्षणिक स्टाफ के सदस्य न हों और अकादमिक परिषद द्वारा विषय विशेषज्ञ के आधार पर सहयोजित किए गए हों। नीपा का कुलसचिव परिषद का सचिव होता है। 31 मार्च 2020 के अनुसार सदस्यों की सूची–IV में दी गई है।

अध्ययन बोर्ड : नीपा के कुलपति अध्ययन बोर्ड के पदेन अध्यक्ष हैं। इसके सदस्य हैं: संकाय–डीन, विभागाध्यक्ष, कुलपति द्वारा नामित एक सह–प्रोफेसर, और एक सहायक प्रोफेसर और कुलपति द्वारा सहयोजित अधिकतम दो विषय विशेषज्ञ। अध्ययन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31 मार्च, 2020 के अनुसार परिशिष्ट–V में दी गई है।

कार्यबल और समितियां : कुलपति द्वारा विशिष्ट कार्यक्रमों के लिए समय–समय पर विशेष कार्यबलों और समितियों का गठन किया जाता है। विभिन्न परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञों को शामिल करके परियोजना सलाहकार समितियां गठित की जाती हैं। विशेषज्ञों से गठित परियोजना सलाहकार समिति विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के निरीक्षण और सलाह देने के लिए कार्य करती है। कुलपति की अध्यक्षता में शोध अध्ययन सलाहकार बोर्ड गठित किया गया है। इसमें अन्य विशेषज्ञों के साथ–साथ सभी विभागाध्यक्ष इसके सदस्य होते हैं। कुलसिचव इस समिति के सदस्य सचिव हैं जो सहायता योजना के अंतर्गत शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करती है।

प्रशासन और वित्त

संस्थान के प्रशासनिक ढांचे में तीन अनुभाग–अकादमिक प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, सामान्य प्रशासन और दो कक्ष–प्रशिक्षण कक्ष और एम.फिल., पीएचडी कक्ष हैं। कुलसचिव सभी अनुभागों के प्रभारी हैं। कुलसचिव नीपा परिषद, प्रबंधन बोर्ड और अकादमिक परिषद के सचिव भी हैं। कुलसचिव को प्रशासनिक कामकाज में प्रशासनिक अधिकारी, प्रशिक्षण अधिकारी और अनेक अनुभाग अधिकारी अनुसमर्थन प्रदान करते हैं।

कुलसचिव अकादमिक अनुसमर्थन सेवा एककों, जैसे–पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र, कंप्यूटर केंद्र, एवं डिजीटल अभिलेखागार, प्रकाशन एकक और हिंदी कक्ष के कार्यकलापों के प्रति उत्तरदायी हैं। वित्त अधिकारी वित्त और लेखा अनुभाग के प्रभारी है। अनुभाग अधिकारी (लेखा) वित्त अधिकारी का अनुसमर्थन करता है।

स्टाफ की संख्या (2019–20)

31 मार्च, 2020 के अनुसार नीपा की कुल कर्मचारियों संख्या 167 थी।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष 2019–20 के दौरान संस्थान को कुल 4559.46 लाख रुपये का अनुदान मिला (आवर्ती और गैर–आवर्ती मद)। वर्ष के आरंभ में संस्थान के पास आवर्ती मद में 0.39 लाख रुपये शेष थे। वर्ष के दौरान आंतरिक कार्यालय और छात्रावास से 39.88 लाख रुपए की राशि प्राप्ति हुई। योजना और गैर–योजना मदों में वर्ष के दौरान व्यय 4314.43 लाख रुपये था।

संस्थान के पास 1054.92 लाख रुपये शेष था और दूसरे संगठनों द्वारा प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों की मद में इस वर्ष 2019–20 के दौरान 952.38 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि प्राप्ति हुई। प्रायोजित कार्यक्रमों/अध्ययनों पर वर्ष के दौरान कुल 704.41 लाख रुपये खर्च किए गए। (परिशिष्ट–VII)

परिसर और भवन
आधारभूत सुविधा

संस्थान के पास एक चार–मंजिला कार्यालय, सुसज्जित स्नानघरयुक्त 60 कमरों वाला एक सात मंजिला छात्रावास और एक आवास–क्षेत्र है। इस आवास क्षेत्र में टाइप–I के 16, टाइप–II से V तक के 8–8 क्वार्टर और एक कुलपति आवास हैं। संस्थान के पास बिंदापुर, द्वारका में टाइप–III के 25 क्वार्टर हैं।

संस्थान परिसर में सुसज्जित प्रशिक्षण कक्ष, कंप्यूटर केंद्र, अंतरराष्ट्रीय डायनिंग हाल, जिम और क्लास रूम हैं।

संस्थान ने हाल ही में परिसर में अर्जित 2100 वर्ग मीटर के भूखंड में नया अकादमिक भवन के निर्माण के लिये अपेक्षित कदम उठाए हैं। इसके लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण ने लीज डीड जारी कर दिया है।

2

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

SONAM TSHERING
KIRAN LUXHI PANDAY

अध्यापन और व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

एम.फिल. और पी–एच.डी.

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल और पी.एच. डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है।

शैक्षिक प्रशासन के लिए विद्वान तैयार करना

संस्थान एक प्रदायक संस्था है जो प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तरों पर शैक्षिक प्रशासन से संबंधित लघु और व्यापक स्तर की जरुरत के अनुसार शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन में विशेषज्ञता से युक्त मानव संसाधनों का विकास करता है ऐसे विशेषज्ञ जो अंतरशास्त्रीय कार्यक्रमों/एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियों के पाठ्यक्रमों या प्रशिक्षण कार्यक्रमों के द्वारा तैयार किये जाते हैं। वे व्यापक एवं गतिशील संदर्भों में समुचित योजनाओं और कार्यनीतियों के दिशा–निर्देशों के निर्माण या सांस्थानिक प्रबंधन की सीमित भूमिकाओं से जुड़े मामलों के समाधान करने में पूर्णतः कुशल एवं सक्षम होते हैं।

वस्तुतः संस्थान की एम.फिल. और पी–एच.डी. उपाधियाँ विशेष रूप से शैक्षिक नीति, योजना और प्रशासन पर केंद्रित हैं। इसके द्वारा संस्थान युवा शोधकर्त्ताओं को सशक्त और सक्षम बनाता है और शैक्षिक योजना और प्रशासन के क्षेत्र में उनकी आजीविका तैयार करता है। नीपा इसके माध्यम से शैक्षिक नीतियों, योजनाओं और कार्यक्रमों की रूपरेखा, कार्यान्वयन और अनुश्रवण का अनुसमर्थन करने हेतु विशेषज्ञ और सक्षम मानव संसाधन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है। पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रमों का महत्व इसमें अंतर्निहित गतिशील और लचीले उपागम के द्वारा यह शिक्षा और सामाजिक विकास के अन्य सहायक क्षेत्रों से जुड़कर नवाचारी बहुशास्त्रीय पाठ्यक्रमों का विस्तार करता है।

संस्थान द्वारा संचालित पूर्व डाक्टोरल और डाक्टोरल कार्यक्रम में शामिल हैं: (i) पूर्णकालिक एकीकृत एम.फिल., पी–एच.डी. कार्यक्रम (ii) पूर्णकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम और (iii) अंशकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम। ये कार्यक्रम वर्ष 2007–08 में आरंभ किए गए थे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रम विभिन्न पृष्ठभूमि के शोधकर्मियों की शोध क्षमता के निर्माण के लिए डिजाइन किए गए हैं जो शैक्षिक नीति, योजना प्रशासन तथा वित्त के संबंधित

क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और कौशल प्रदान करते हैं। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत पूरे किए गए शोध अध्ययनों से अपेक्षा की जाती है कि ये नीति निर्माण, शिक्षा सुधार कार्यक्रमों तथा क्षमता विकास संबंधी गतिविधियों में महत्वपूर्ण योगदान देने के साथ–साथ ज्ञान आधार को समृद्ध करने में भारी योगदान करेंगे। एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अंतर्गत शोध के व्यापक क्षेत्रों में शैक्षिक नीति, शैक्षिक योजना, शैक्षिक प्रशासन, शैक्षिक वित्त, शैक्षिक प्रबंधन, सूचना प्रणाली, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, शिक्षा में समता और समावेशन, शिक्षा में लैंगिक मुद्दे, अल्पसंख्यक शिक्षा, तुलनात्मक शिक्षा और शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण शामिल हैं।

प्रस्तुत दो वर्षीय एम.फिल. डिग्री कार्यक्रम के अंतर्गत एक वर्ष का पाठ्यक्रम कार्य (16 क्रेडिट) होते हैं। इसके बाद एक छह सप्ताह की अवधि के लिए इंटर्नशिप (4 क्रेडिट) और एक वर्ष शोध प्रबंध (16 क्रेडिट) होते हैं। सभी विद्वान जो सफलतापूर्वक पूर्वक एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा और निर्धारित कार्यक्रम के मानदंडों को पूरा करते हैं। (वर्तमान में एफ.जी.पी.ए. 5 या उससे अधिक 10 अंक) का ग्रेड पाने वाले शोधार्थी पी–एच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश और पंजीकरण प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। पी–एच.डी. कार्यक्रम में दाखिला लेने की तिथि के दो वर्ष बाद ही शोधार्थी अपने शोध प्रबंध जमा करा सकते हैं।

पूर्णकालिक पी–एच.डी. कार्यक्रम में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को दाखिला की पुष्टि हेतु एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। इसके बाद वे दो वर्ष के शोध कार्य के उपरांत ही वे उपाधि हेतु अपने शोध प्रबंध जमा कर सकते हैं।

अंशकालिक पी–एच.डी. में सीधे दाखिला लेने वाले शोधार्थियों को पी–एच.डी. में दाखिला की पुष्टि से पहले एक वर्ष का प्रारंभिक पाठ्यक्रम पूरा करना पड़ता है। अंशकालिक पी–एच.डी. के शोधार्थी दाखिला की पुष्टि के कम से कम चार वर्ष बाद अपना शोध प्रबंध जमा कर सकते हैं।

	एम.फिल.	पी–एच.डी. पूर्णकालिक	पी–एच.डी. अंशकालिक	योग
वर्ष 2019–20 में नामांकन	21	11	01	33
अकादमिक सत्र 2019–20 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रम कर रहे विद्यार्थियों की कुल संख्या	36 (वर्ष 2019–20 में नामांकित विद्यार्थियों सहित)	49 (वर्ष 2007–08 से 2019–20 तक नामांकित विद्यार्थियों सहित)	16 (वर्ष 2007–08 से 2019–20 तक नामांकित विद्यार्थी)	101
वर्ष 2019–20 के दौरान छात्रवृत्ति स्नातक विद्वानों की कुल संख्या	17	02	01	20

डिप्लोमा कार्यक्रम

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के छः घटक हैं: (i) पाठ्यक्रम तैयारी कार्य (ii) आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य (iii) परियोजना कार्य (iv) परियोजना कार्य का मूल्यांकन और अंतरिम प्रमाण पत्र विवरण और (v) उन्नत पाठ्यक्रम कार्य और (vi) अंतिम मूल्यांकन और पीजी डिप्लोमा प्रमाण–पत्र वितरण।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

संस्थान शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में डिप्लोमा (डेपा) कार्यक्रम आयोजित कर रहा था। वर्ष 1982–83 के आरंभ से ही यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए विशेष रूप से संरचित डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। आरम्भ में यह कार्यक्रम पूर्व–प्रवेश पाठ्यक्रम के रूप में संरचित किया गया था। यद्यपि वर्ष 2014–15 से इस कार्यक्रम में पाठ्यक्रम को संवर्धित करके इसमें परिवर्तन किया गया है और इसके डेपा मूलभूत से पीजीडेपा (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एजुकेशनल प्लानिंग एण्ड एडमिनिस्ट्रेशन)– शैक्षिक योजना और प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा) में बदल दिया गया है। प्रतिभागियों के कार्य और भूमिकाओं तथा उनकी संस्थाओं जैसे एससीईआरटी/सीमेट/डाइट/डीईओ/बीईओ और राज्य सरकारों के शिक्षा निदेशालयों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस कार्यक्रम को संबर्धित किया गया है।

एक वर्षीय पीजीडेपा कार्यक्रम को मौजूदा डेपा में व्यापक रूपांतरण के बाद निर्मित किया गया है जो एक सघन दीर्घकालिक कार्यक्रम है जो कि देश में पेशेवर रूप से शैक्षिक प्रशासकों का संवर्ग का विकास सुनिश्चित करेगा। इसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं:

(i) शैक्षिक योजना और प्रबंधन की मूलभूत अवधारणाओं से प्रतिभागियों को अवगत कराना।

(ii) शैक्षिक प्रशासन के क्षेत्र में बेहतर निर्णय कार्य के लिए प्रतिभागियों में योजना और प्रबंधन कौशल के विकास हेतु सक्षम बनाना।

(iii) प्रतिभागियों में शैक्षिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं के पर्यवेक्षण और मूल्यांकन योग्यता का विकास करना।

तालिका 2.1:

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) राज्यवार भागीदारी			
राज्य/अन्य क्षेत्र	पाचवां पी.जी.– डेपा	छठा पी. जी.– डेपा	योग
असम	3	3	6
छत्तीसगढ़	3	1	4
हरियाणा	3	3	6
हिमाचल प्रदेश	2	2	4
कर्नाटक	1	2	3
मध्य प्रदेश	1	1	2
महाराष्ट्र	3	2	5
मणिपुर	4	1	5
मिजोरम	2	-	2
नागालैण्ड	1	-	1
त्रिपुरा	1	-	1
तमिलनाडु	-	2	2
उत्तराखंड	3	3	6
उत्तर प्रदेश	-	1	1
पश्चिम बंगाल	1	-	1
भारतीय एयर फोर्स	2	2	4
योग	**30**	**23**	**53**

पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम का निरूपण करते समय मूलतः इस बात का ध्यान दिया गया था कि प्रतिभागी को इस पाठ्यक्रम के लिए नीपा में तीन माह से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े और वह अपने कार्य स्थल पर पाठ्यक्रम का अध्ययन कर सके। इसके अनुसार इसे 12 महीने के स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम में रूपातंरित किया गया है। अनेक शिक्षा विभाग इस पाठ्यक्रम हेतु अपने अधिकारियों को लंबी अवधि के लिए प्रतिनियुक्त नहीं कर सकते हैं इसलिए इस तरह से योजना बनाई गई है कि आमने–सामने और आवासीय पाठ्यक्रम कार्य हेतु प्रतिभागियों को एक खंड में 3 महीने से अधिक अवधि के लिए प्रवास न करना पड़े। इसमें प्रतिभगियों के कार्यस्थल पर एक प्रारम्भिक चरण, नीपा में आमने–सामने पाठ्यक्रम कार्य, कार्यस्थल पर परियोजना कार्य, मुक्त और दूरवर्ती अधिगम प्रणाली के माध्यम से उन्नत पाठ्यक्रम का संचालन और संगोष्ठी सहित कार्यशाला शामिल है। नीपा में अंतिम मूल्यांकन और पीजीडेपा प्रमाणपत्र हेतु संगोष्ठी–सह–कार्यशाला कार्य का प्रस्तुतिकरण सम्मिलित है।

पाचवां स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम सितंबर 2018 से जुलाई 2019 के दौरान आयोजित किया गया। जिसमें 14 राज्यों/संघ प्रदेशों/संगठनों के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस डिप्लोमा कार्यक्रम का आयोजन एवं समन्वय शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता विकास विभाग द्वारा किया गया।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

संस्थान 1985 से विकासशील देशों के पेशेवरों के लिए शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में 6 माह का अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। शैक्षिक योजना एवं प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम के विद्यार्थी एशिया, अफ्रीका, मध्य एशियाई गणराज्यों, दक्षिणी अमरीका और कैरिबियाई क्षेत्रों के देशों से आते हैं। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं– (i) सघन पाठ्यचर्चा कार्यक्रम; (ii) अनुप्रयुक्त कार्य और (iii) लघु शोध प्रबंधन। आईडेपा की अवधि छः माह है और यह दो चरणों में पूरा किया जाता है। पहले चरण में तीन माह का सघन पाठ्यचर्या है जो नीपा, नई दिल्ली में आयोजित की जाती है। यह चरण आवासीय है और प्रतिभागियों से

अपेक्षा की जाती है कि वे इस चरण के दौरान परिसर में निवास करें। दूसरे चरण में प्रतिभागी को स्वदेश में ही संस्थान के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में क्षेत्र आधारित शोध परियोजना अध्ययन करना होता है।

आईडेपा कार्यक्रम में सिद्धान्त और व्यवहार के बीच संतुलन बनाने की कोशिश के साथ गहन पाठ्यचर्या शामिल है। एजेंडा के व्यापक रूप में व्याख्यान और समूह कार्य, व्यावहारिक अभ्यास, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र के दौरे और शैक्षिक विकास नीति, नियोजन, प्रबंधन, प्रशासन, पर्यवेक्षण और नेतृत्व के एक चुने हुए पहलू पर एक शोध परियोजना शामिल है जिसमें क्षेत्र को अपनाना शामिल है। और अंतर–अनुशासनिक दृष्टिकोण सिद्धान्त और व्यवहार को जोड़ने के लिए लागू किए गए काम में (i) देश और विषयगत संगोष्ठी पेपर प्रस्तुतियाँ (ii) क्षेत्रों का दौरा कार्यक्रम शामिल है, जिसमें भारत में विभिन्न शैक्षिक नवाचारों की योजना और उनका प्रबंधन किया जा रहा है और (iii) एक क्षेत्र अनुसंधान परियोजना के लिए अनुसंधान की रूपरेखा तैयार करना।

कार्यक्रम का दूसरा चरण प्रतिभागियों के स्वदेश में ही आयोजित होता है। इसमें प्रत्येक प्रतिभागी को प्रथम चरण के दौरान निर्धारित क्षेत्र कार्य आधारित शोध परियोजना पर कार्य करना पड़ता है। शोध परियोजना कार्य (तीन माह की अवधि) में पूरा करने के बाद प्रतिभागी को अपना लघुशोध प्रबंध राष्ट्रीय संस्थान को प्रस्तुत करना पड़ता है। लघु शोध प्रबंध की प्राप्ति और तदुपरांत राष्ट्रीय संस्थान के संकाय द्वारा उसके मूल्यांकन के बाद प्रतिभागी को डिप्लोमा की उपाधि प्रदान की जाती है।

वर्ष 2019–20 के दौरान संस्थान ने 35वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा का दूसरा चरण पूरा किया जिसका प्रथम चरण 1 फरवरी से 30 अप्रैल 2019 को आयोजित किया गया था। उसमें 23 देशों के 31 प्रतिभागी शामिल हुए। 35वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2019 के दौरान आयोजित किया गया।

बाद में 36वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का प्रथम चरण 1 फरवरी 2020 को शुरु हुआ और कार्यक्रम के प्रथम घटक/चरण में शिक्षण–अधिगम गतिविधियां 30 अप्रैल 2020 तक पूर्ण कर ली गईं। 36वें अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम में 14 देशों से कुल 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का दूसरा चरण 1 मई से 31 जुलाई 2020 के दौरान प्रतिभागियों के स्वदेश में किया गया जो परियोजना कार्य पर आधारित था।

अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम का संयोजन शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग द्वारा आयोजित और समन्वित किया जाता है।

तालिका 2.2:

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी

35वां आईडेपा 2019		
क्र. सं.	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
1.	भूटान	2
2.	बोत्सवाना	4
3.	कम्बोडिया	1
4.	केमेरून	1
5.	चिली	1
6.	इथोपिया	1
7.	आइवरी कोस्ट	1
8.	केन्या	1
9.	लेबनॉन	1
10.	मेडागास्कर	2
11.	मालावी	1
12.	माली	1
13.	मॉरीशस	2
14.	नामीबिया	1
15.	नेपाल	1
16.	नाइजीरिया	1
17.	फिलिस्तीन	1
18.	पेरू	1
19.	फिलीपीन्स	1
20.	दक्षिण सूडान	1
21.	तंजानिया	2
22.	यूगांडा	1
23.	जाम्बिया	2
	योग	**31**

36वां आईडेपा 2020		
क्र. सं.	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
1.	अफगानिस्तान	2
2.	भूटान	2
3.	कांगो	1
4.	क्यूबा	1
5.	इथोपिया	1
6.	फिजी	1
7.	किरगिस्तान	1
8.	मालदीव	2
9.	मंगोलिया	1
10.	नाइजीरिया	4
11.	दक्षिण सूडान	1
12.	तंजानिया	5
13.	जाम्बिया	4
14.	जिम्बाम्बवे	1
योग		**27**

तालिका 2.3

सभी कार्यक्रमों में देशवार भागीदारी 2019–20

क्र. सं.	देश का नाम	भागीदारों की संख्या
1.	अफगानिस्तान	6
2.	भूटान	6
3.	कांगो	1
4.	क्यूबा	1
5.	इथोपिया	2
6.	फ्रांस	1
7.	फिजी	2
8.	जर्मनी	1
9.	किरगिस्तान	1
10.	मालदीव	2
11.	मंगोलिया	1
12.	मॉरीशस	1
13.	म्यांमार	23
14.	नाइजीरिया	8
15.	सेनेगल	1
16.	दक्षिण अफ्रीका	1
17.	दक्षिण सूडान	3
18.	श्रीलंका	3
19.	तंजानिया	5
20.	यूगांडा	2
21.	उजबेकिस्तान	2
22.	यूनाइटेड किंगडम	2
23.	संयुक्त राज्य अमरीका	1
24.	जाम्बिया	4
25.	जिम्बाम्बवे	3
	योग	**83**

तालिका 2.4

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों में राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार भागीदारी 2019–20

क्र. सं.	राज्य/संघीय क्षेत्र	भागीदारों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	144
2.	अरुणाचल प्रदेश	24
3.	असम	164
4.	बिहार	158
5.	छत्तीसगढ़	67
6.	गोवा	16
7.	गुजरात	165
8.	हरियाणा	246
9.	हिमाचल प्रदेश	98
10.	जम्मू और कश्मीर	52
11.	झारखण्ड	41
12.	कर्नाटक	204
13.	केरल	33
14.	मध्य प्रदेश	259
15.	महाराष्ट्र	308
16.	मणिपुर	48
17.	मेघालय	36
18.	मिजोरम	29
19.	नागालैण्ड	52
20.	ओडिशा	112
21.	पंजाब	121
22.	राजस्थान	276
23.	सिक्किम	76
24.	तेलंगाना	71
25.	तमिलनाडु	119
26.	त्रिपुरा	27
27.	उत्तराखंड	58
28.	उत्तर प्रदेश	279
29.	पश्चिम बंगाल	33
30.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1
31.	चंडीगढ़	19
32.	दिल्ली	279
33.	पुडुचेरी	6
	योग	**3621**

व्यावसायिक विकास कार्यक्रम

शैक्षिक योजना और प्रशासन में सुधार हेतु सांस्थानिक क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न वर्गों के शिक्षा कर्मियों के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रम संस्थान (नीपा) के प्रमुख कार्यकलाप के रूप में सतत जारी है। वर्ष 2019–20 के दौरान संस्थान ने शिक्षा के विभिन्न विकास क्षेत्रों से संबंधित मुद्दों और शिक्षा नीति योजनाओं, प्रशासन के विविध पक्षों से जुड़े 86 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और बैठकों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों के मुख्य विषय थे : स्कूलों की योजना और प्रबंधन, उच्च शिक्षा की योजना और प्रबंधन, माध्यमिक स्तर पर स्कूल प्रावधानों का आकलन, शैक्षिक वित्त की योजना और प्रबंधन, और स्कूल नेतृत्व आदि। इन कार्यक्रमों के प्रतिभागी थे जिला और राज्य स्तर के शिक्षाकर्मी, शिक्षा निदेशक और राज्य स्तर के अन्य अधिकारी, केंद्र, राज्य और जिला स्तर के शैक्षिक संस्थानों के प्रमुख, विश्वविद्यालयों के कुलपति, कुलसचिव और अन्य प्राधिकारी, कालेज प्राचार्य और कालेजों तथा उच्च शिक्षा के वरिष्ठ प्रशासक, विश्वविद्यालय तथा समाजविज्ञान शोध संस्थानों के नवनियुक्त प्राध्यापक आदि। ये कार्यक्रम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। वर्ष 2019–20 के दौरान संस्थान के विभिन्न विभागों द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम, संगोष्ठियां, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की गईं :

शैक्षिक योजना विभाग

- सीमैट की भूमिकाओं और कार्यों पर अध्ययन के लिए सलाहकार बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 06–08 जून, 2019

- स्कूल शिक्षा क्षेत्र निदान के विश्लेषणात्मक ढांचे और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 15–19 जुलाई, 2019
- ओडिशा में समग्र शिक्षा के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना के विकास के लिए स्कूली शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पद्धति, भुवनेश्वर, ओडिशा, 29 जुलाई – 02 अगस्त, 2019
- स्कूल शिक्षा क्षेत्र निदान के विश्लेषणात्मक ढांचे और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, गुवाहाटी, असम, 19–23 अगस्त, 2019
- बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण पर अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रमः आंकड़ा विश्लेषण और उपकरण, नीपा, नई दिल्ली, 26 अगस्त – 06 सितंबर, 2019
- स्कूल शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पद्धतिः असम में सर्व शिक्षा अभियान के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना के विकास के लिए निहितार्थ, गुवाहाटी, असम, 16–20 सितंबर, 2019

शैक्षिक प्रशासन विभाग

- शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों और अच्छी प्रथाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना का कार्यान्वयन (भाग–ए), नीपा, नई दिल्ली, अप्रैल 2019–मार्च 2020
- गैर–शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों की भागीदारी और शिक्षा पर इसका प्रभाव, नीपा, नई दिल्ली, 08–10 मई 2019

- तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण रिपोर्ट की समीक्षा, नीपा, नई दिल्ली, 13–14 मई, 2019
- केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यप्रणाली पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 22–23 जुलाई, 2019
- विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अकादमिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 24–26 जुलाई, 2019
- उच्च शिक्षा के संस्थागत प्रशासन में नवाचारों और अच्छे व्यवहार पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 19–21 अगस्त, 2019
- उच्च शिक्षा में कौशल विकास प्रबंधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 9–13 दिसंबर, 2019

- एम.एड. छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम – आरआईई, भोपाल, मध्य प्रदेश, नीपा, नई दिल्ली, 25–29 नवंबर, 2019
- एम.एड. छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम – जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली, नीपा, नई दिल्ली, 01–15 जनवरी, 2020

शैक्षिक वित्त विभाग

- शिक्षा में लैंगिक बजट पर राष्ट्रीय कार्यशाला, हैदराबाद, तेलंगाना, 4–6 मार्च, 2020
- शिक्षा में वित्तीय योजना और प्रबंधन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 19–23 अगस्त, 2019

- महाविद्यालय वित्त योजना और प्रबंधन पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 06–10 जनवरी, 2020

शैक्षिक नीति विभाग

- बचपन में हिंसा पर वैश्विक रिपोर्टः प्रसार कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 04 अप्रैल, 2019
- आरटीई के तहत वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों की शिक्षा पर अभिविन्यास कार्यशालाः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप, नीपा, नई दिल्ली, 29 अप्रैल–03 मई, 2019
- शिक्षा में राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण संस्थानों के महत्वपूर्ण मूल्यांकन पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 24–28 जून, 2019
- शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियों और नीति विश्लेषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 01–12 जुलाई, 2019

- शिक्षा में सार्वजनिक नीति निर्माण पर अभिविन्यास कार्यक्रमः समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना, नीपा, नई दिल्ली, 13–17 अगस्त, 2019
- गांधीवादी शैक्षिक विचारों की शिक्षा प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय चर्चा बैठकः नीतियों और व्यवहारों के लिए निहितार्थ, नीपा, नई दिल्ली, 4–5 अक्टूबर, 2019
- परियोजना के लिए कार्यशाला – शिक्षा में राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण संस्थानों का एक महत्वपूर्ण आकलन, नीपा, नई दिल्ली, 2–3 दिसंबर, 2019
- पूर्वोत्तर राज्यों में प्रारंभिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरण और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज पर उन्मुखीकरण कार्यशाला, आइजोल, मिजोरम, 25–29 नवंबर, 2019

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

- भारत में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 27–31 मई, 2019
- भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के प्रबंधन के लिए प्रणालीगत सुधार पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 06–08 जनवरी, 2019

- शिक्षक शिक्षा में बदलाव पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठकः स्कूली शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका, केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईएचसी, नई दिल्ली, 20–21 जनवरी, 2020

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

- भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं पर अनुसंधान परियोजना के लिए उपकरण विकसित करने और छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव पर परामर्शी बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 27–28 जून, 2019
- उच्च शिक्षा में अभिशासन और संकाय प्रबंधन और विकास पर मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 26–30 अगस्त, 2019

- उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा, के अकादमिक संकाय के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली 02–06 मार्च, 2020
- अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीप के तहत), डेलनेट, नई दिल्ली, 13–22 मार्च, 2020

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

- स्कूली शिक्षा की योजना और निगरानी में संकेतकों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, पुडुचेरी, 10–14 जून, 2019
- स्कूली शिक्षा की योजना और निगरानी में संकेतकों के उपयोग पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 16–20 दिसंबर, 2019

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

- शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) (प्रथम चरण), नीपा, नई दिल्ली, 2 फरवरी – 30 अप्रैल, 2019

- 5वां पीजीडेपा (चरण–IV और V), नीपा, नई दिल्ली, 22–26 अप्रैल, 2019 और 29 अप्रैल – 3 मई, 2019
- 5वां पीजीडेपा (चरण–VI), नीपा, नई दिल्ली, 08–12 जुलाई, 2019
- शैक्षिक प्रशासकों के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 15 जुलाई – 09 अगस्त 2019
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में छठा स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा–द्वितीय चरण), नीपा, नई दिल्ली, 01 सितंबर – 30 नवंबर, 2019
- म्यांमार से शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (द्वितीय आईपीईएम), नीपा, नई दिल्ली, 01–23 नवंबर, 2019
- शैक्षिक योजना और प्रशासन में 36वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) (प्रथम चरण), नीपा, नई दिल्ली, 1 फरवरी – 30 अप्रैल, 2020

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

- केंद्रीय विद्यालय संगठन–आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवोदय विद्यालय, कस्तूरबा गांधी बाल विद्यालय, सीबीएसई उत्कृष्टता स्कूलों, के सहयोग के लिए परामर्श कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 11–13 दिसंबर, 2019

- स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए कार्यान्वयन योजना (2019–20) और आकलन ढांचे पर अभिविन्यास कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 09–11 सितंबर, 2019
- क्षेत्रीय समीक्षा और योजना कार्यशाला 1, नीपा, नई दिल्ली, 30–31 जुलाई, 2019
- स्कूली शिक्षा में नेतृत्व और प्रबंधनः आईईएस परिवीक्षाधीनों के लिए अनुरोध कार्यक्रम – 2018 बैच, 19–23 अगस्त, 2019, नीपा, नई दिल्ली
- स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएचसी, नई दिल्ली, 27–28 फरवरी, 2020
- राष्ट्रीय सलाहकार समिति की एक दिवसीय बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 04 मार्च, 2020

राज्य के घटक

- नागालैंड में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 06 जून – 06 जुलाई, 2019
- मणिपुर में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 15 जुलाई – 08 अगस्त, 2019
- उत्तराखंड में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 01–30 जून, 2019
- सिक्किम में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 27 जून – 24 जुलाई, 2019

- आंध्र प्रदेश में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 01–30 मई, 2019 और 16 जुलाई – 14 अगस्त, 2019 (2 चरणों में)
- राजस्थान में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (प्रथम बैच), 28 दिसंबर, 2018 – 11 जनवरी, 2019
- राजस्थान में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (द्वितीय बैच), 10–24 जुलाई, 2019
- हरियाणा में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 16–21 सितंबर, 2019 और 4–20 नवंबर, 2019 (2 चरणों में)
- चंडीगढ़ में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 16 दिसंबर, 2019 – 31 जनवरी, 2020 (2 चरणों में)
- उत्तराखंड में स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर एक महीने का सर्टिफिकेट कोर्स, 02–31 जनवरी, 2020

संबंधित राज्यों के राज्य एडब्ल्यूपीबी 2019–2020 में समीक्षा और प्रतिक्रिया कार्यशालाएं

- कर्नाटक राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, फरवरी 2019
- छत्तीसगढ़ राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, 28–29 जून, 2019
- हिमाचल प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, जून 2019
- अरुणाचल प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, 17–18 जून, 2019
- उत्तराखंड राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, 13–14 अगस्त, 2019
- आंध्र प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, (प्रथम बैच), 21–22 अगस्त, 2019
- आंध्र प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, (द्वितीय बैच), 27–28 अगस्त, 2019
- आंध्र प्रदेश राज्य में स्कूल नेतृत्व विकास पर फीडबैक कार्यशाला की समीक्षा, (तृतीय बैच), 29–30 अगस्त, 2019

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

- आईएचईआर 2020: रोजगार पर पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 20 जून, 2019
- आईएचईआर 2020: रोजगार पर दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक, नीपा, नई दिल्ली, 26 सितंबर, 2019

- उच्च शिक्षा में पहुंच, समानता और स्थिरता में सुधार के लिए अंतर्राष्ट्रीयकरण (नॉर्डिक–नीपा सहयोग कार्यक्रम), नीपा, नई दिल्ली, 31 अक्टूबर, 2019
- संस्थागत स्वायत्तता और शासन पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नीपा, नई दिल्ली, फरवरी 20–21, 2020

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

- शाला सिद्धि, के स्कूल प्रदर्शन विश्लेषण पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 13 अगस्त, 2019
- शाला सिद्धि, के स्कूल प्रदर्शन विश्लेषण पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 27 सितंबर, 2019

- ''गुणवत्ता सुधार के लिए स्कूल आकलन'' पर मॉड्यूल के विकास के लिए कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 25–26 नवंबर, 2019
- शाला सिद्धि पर उत्तर–पूर्वी क्षेत्रीय कार्यशालाएं, नीपा, नई दिल्ली, 4–5 दिसंबर, 2019
- शाला सिद्धि–द्वितीय, पर राष्ट्रीय सलाहकार बैठकें, नीपा, नई दिल्ली, 24–25 फरवरी, 2020
- एसएसए समग्र शिक्षा, दिल्ली, में स्कूल बाह्य मूल्यांकन–शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 21–23 नवंबर, 2019
- राजस्थान में स्कूल बाह्य मूल्यांकन–शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 18 अक्टूबर, 2019
- बिहार में स्कूल बाह्य मूल्यांकन–शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 28–29 नवंबर, 2019
- आन्ध्र प्रदेश में स्कूल बाह्य मूल्यांकन–शाला सिद्धि पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 03–04 फरवरी, 2020

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

- स्वयम प्लेटफॉर्म, के माध्यम से मूक पाठ्यक्रमों को डिजाइन, विकसित और वितरित करने के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 01–06 जुलाई, 2019
- स्वयम प्लेटफॉर्म, के माध्यम से मूक पाठ्यक्रमों को डिजाइन, विकसित और वितरित करने के लिए संकाय विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 05–10 अगस्त, 2019
- शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर संकाय विकास कार्यक्रम, नीपा, नई दिल्ली, 25–30 नवंबर, 2019

राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र (एनआरसीई)

- उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए अर्थशास्त्र संसाधनों पर द्वितीय चरण कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 13–14 जनवरी, 2020
- उच्च शिक्षा में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के लिए शिक्षण अधिगम संसाधनों पर द्वतीय चरण कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 15–16 जनवरी, 2020
- उच्च शिक्षा में जीवन–विज्ञान संसाधन शिक्षकों पर कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 16–17 जनवरी, 2020
- उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए अनुसंधान पद्धति संसाधनों पर दो दिवसीय कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली, 30–31 जनवरी, 2020

वर्ष 2019–20 के दौरान, डिप्लोमा कार्यक्रमों के अलावा, नीपा ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर 86 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, संगोष्ठी, सम्मेलन और बैठकें आयोजित की।

कुल 3704 प्रतिभागियों में से 3621 (तालिका 2.4) भारतीय प्रतिभागी थे तथा शेष 83 प्रतिभागी अन्य देशों और अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से थे (तालिका 2.3)।

संस्थान के स्थापना दिवस

संस्थान प्रतिवर्ष 11 अगस्त को अपना स्थापना दिवस मनाता है। प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान 2007 में प्रो. प्रभात पटनायक उपाध्यक्ष, केरल राज्य योजना बोर्ड ने 'आल्टरनेटिव पर्सपेक्टिव्स ऑन हायर एजुकेशन इन द कांटेक्स्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन' पर दिया गया। दूसरा व्याख्यान 2008 में 'डिजाईनिंग आर्किटेक्चर फार ए लर्निंग रिवाल्यूशन बेसड आन ए लाईफ साइकिल अप्रोच' पर प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन, संसद सदस्य (राज्य सभा), यूनेस्को इकोटेक्नोलॉजी पीठ, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउन्डेशन ने दिया, तीसरा व्याख्यान 2009 में प्रो. आंदेबेतिल, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रोफेसर तथा प्रोफेसर ऐमिरेटस, समाजशास्त्र, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'यूनिवर्सीटीज़ ने 'एजुकेशन, ऑटोनॉमी एंड अकाउन्टेबिलटी' विषय पर दिया। 2010 में चौथा व्याख्यान प्रो. मृणाल मिरी, अध्यक्ष, सेंटर फार द स्टडी आफ डवलपिंग सोसायटीज़ ने 'एजुकेशन, ऑटोनॉमी एंड अकाउन्टेबिलिटी' विषय पर दिया। सातवां स्थापना दिवस व्याख्यान प्रो. कृष्ण कुमार, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय ने 'एजुकेशन एंड मोर्डनटी इन रूरल इंडिया' विषय पर दिया। आठवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2014 में इमेजनिंग नॉलेजः ड्रीमिंग डेमोक्रेसी' पर प्रो. शिव विश्वनाथन, प्रोफेसर, स्कूल आफ गवर्नमेन्ट एंड पब्लिक पॉलिसी, ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनीवर्सीटी ने दिया। नौवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2015 में एजुकेशन एज एन इस्ट्रयूमेन्ट आफ सोशन ट्रांसफारमेशनः द रोल आफ मदरटंग विषय पर टी.के. ओमेन प्रो. एमिरेटस, जेएनयू नई दिल्ली ने दिया। दसवां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2016 में टी.एन. मदान, माननीय प्रो. इंस्टीट्यूट ऑफ इकानॉमिक ग्रोथ, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने ''एम.आई.एन. एजूकेटेड पर्सन? रिफ्लेक्टिंग ऑन बिकमिंग एंड बीईंग'' पर दिया। 11वां स्थापना दिवस व्याख्यान अगस्त 2017 में प्रो. कुलदीप माथुर, भूतपूर्व निदेशक, नीपा तथा प्रोफेसर विधि और अभिशासन, जे.एन.यू., नई दिल्ली द्वारा ''चेंजिंग पर्सपैक्टिव्सः नियो लिबरल पॉलिसी रिफॉर्म्स एंड एजुकेशन इन इंडिया'' विषय पर दिया गया। 2018 में बारहवां स्थापना दिवस व्याख्यान प्रो. मनोरंजन मोहंती, राजनीति विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय (सेवानिवृत्त), माननीय प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान परिषद, नई दिल्ली द्वारा ''द पूअर बी.ए. स्टूडेन्टः क्राईसिस ऑफ अन्डरग्रेजुएट एजुकेशन इन इंडिया'' विषय पर दिया गया। अगस्त 2019 में समीक्षाधीन वर्ष के अंतर्गत 13वां स्थापना दिवस व्याख्यान प्रो. पंकज चन्द्रा, कुलपति, अहमदाबाद विश्वविद्यालय, अहमदाबाद ने 'गर्वनिंग अकाडेमिकः विद् इन एंड विद्ाऊट विषय पर दिया।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

वर्ष के प्रत्येक 11 नवंबर को मौलना अबुल कलाम आज़ाद की वर्षगांठ पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया जाता है। मौलाना अबुल कलाम आज़ाद 15 अगस्त 1947 से 2 फरवरी 1958 तक भारत के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री रहे थे। इस पावन अवसर पर नीपा प्रत्येक वर्ष मौलाना अबुल कलाम आज़ाद स्मृति व्याख्यान का आयोजन करता है। इस स्मृति श्रृंखला में प्रतिष्ठित शिक्षाविद् जैसे प्रोफेसर के.एन. पाणिकर, मुशीरूल हसन, अमिया बागची, पीटर डीसुजा, जोया हसन, कपिला वात्सायन, अपर्णा बासु, फुरकान कमर और फैज़ान मुस्तफा ने व्याख्यान दिया।

दसवां मौलाना आज़ाद व्याख्यान दिनांक 11 नवंबर 2019 को भारतीय पुनर्वास केन्द्र में प्रो. नीरा चंडोक, भूतपूर्व राजनीति विज्ञान प्रोफेसर, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली ने दिया। व्याख्यान का विषय था 'एजुकेशन एंड द काम्पलेक्स वर्ल्ड ऑफ कल्चर', व्याख्यान की अध्यक्षता प्रो. टी.के. ओमेन, प्रो. एमिरटस, सेंटर फार द स्टडी ऑफ सोशल सिस्टमस, स्कूल आफ सोशल साईन्स, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय ने की। इस समारोह में नीपा के छात्र, संकाय सदस्य तथा आमंत्रित अतिथियों के अलावा दिल्ली के अन्य संस्थानों के शिक्षाविद् और छात्रों ने भाग लिया।

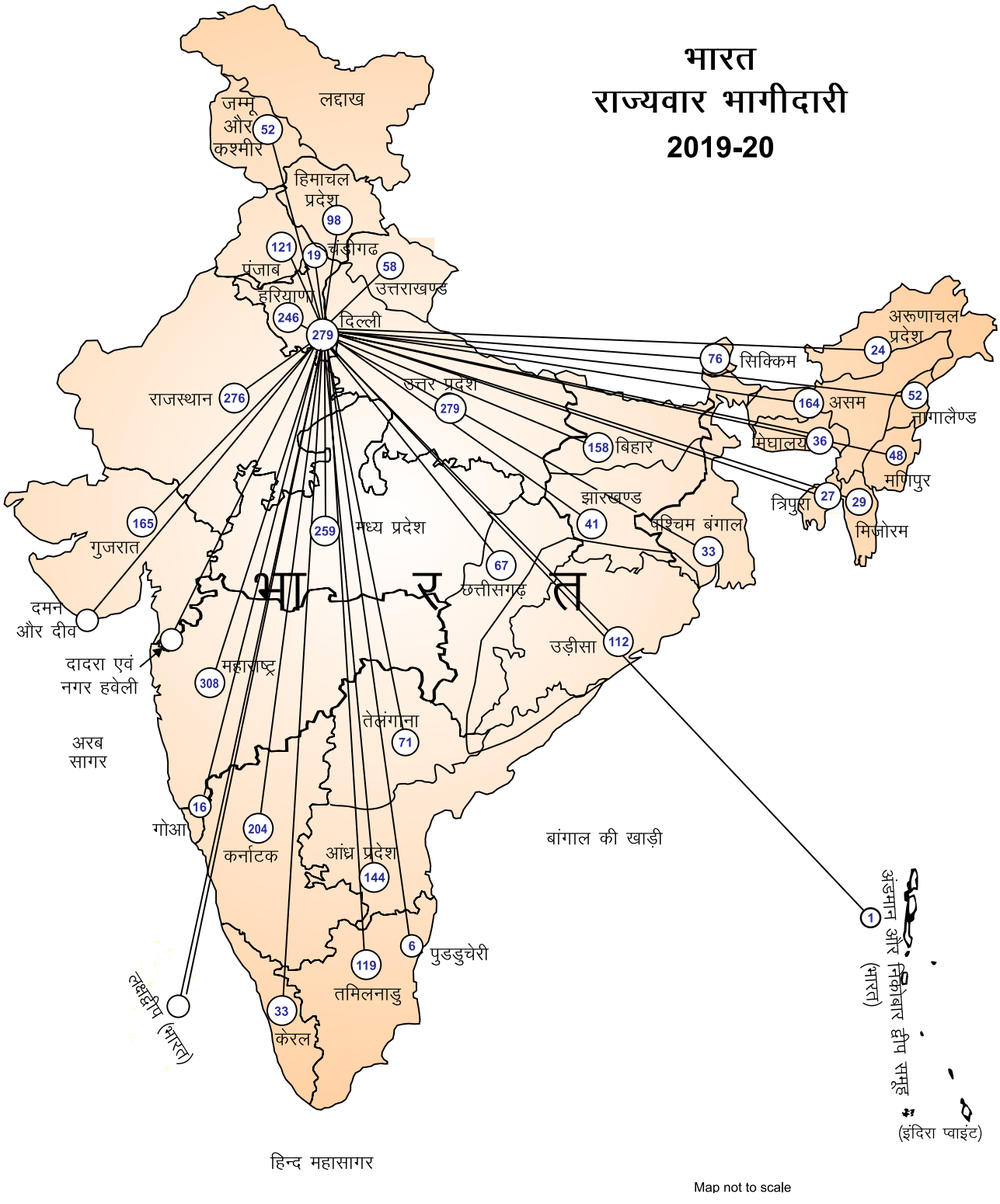
भारत
राज्यवार भागीदारी
2019-20
लद्दाख
जम्मू और कश्मीर
52
हिमाचल प्रदेश
98
121
19
चंडीगढ
पंजाब
58
उत्तराखण्ड
हरियाणा
246
दिल्ली
279
राजस्थान
276
उत्तर प्रदेश
279
76
सिक्किम
अरूणाचल प्रदेश
24
164
असम
52
नागालैण्ड
158
बिहार
मेघालय
36
48
मणिपुर
झारखण्ड
त्रिपुरा
27
29
मिजोरम
165
गुजरात
259
मध्य प्रदेश
41
पश्चिम बंगाल
33
67
छत्तीसगढ़
दमन और दीव
दादरा एवं नगर हवेली
308
महाराष्ट्र
उड़ीसा
112
अरब सागर
तेलंगाना
71
16
गोआ
204
कर्नाटक
आंध्र प्रदेश
144
बांगाल की खाड़ी
1
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (भारत)
6
पुडुचेरी
119
तमिलनाडु
लक्षद्वीप (भारत)
33
केरल
(इंदिरा प्वाइंट)
हिन्द महासागर
Map not to scale

3

अनुसंधान

NARESH KUMAR

अनुसंधान

संस्थान, शिक्षा क्षेत्र में विकासात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने हेतु साक्ष्य आधारित विकल्पों और रणनीतियों को तैयार के लिए नवीन ज्ञान जुटाने हेतु, शैक्षिक नीति, योजना तथा प्रबंधन को विशेषकर ध्यान में रखते हुए, विभिन्न विषयों में पारस्परिक शोध और अध्ययनों को बढ़ावा और सहायता प्रदान करता आ रहा है। संस्थान भारत के विभिन्न राज्यों और अन्य देशों में भी गुणात्मक तथा गणनात्मक दोनों प्रकार के शोध, वर्तमान नीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का पुनरीक्षण और मूल्यांकन की तकनीकों तथा प्रशासनिक ढ़ांचों एवं प्रविधियों में तुलनात्मक अध्ययन करता है। अध्ययनों सहित ऐसे कार्य–शोध पर जोर दिया जाता है, जो शैक्षिक नीति,

योजना और प्रबंधन में सुधार के लिए मुख्य क्षेत्रों में नवीन ज्ञान को सृजित कर सकता है।

एम.फिल. और पी–एच.डी. कार्यक्रमों के अतिरिक्त, राष्ट्रीय संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले शोध अध्ययनों, अन्य ऐजेंसियों द्वारा प्रायोजित शोध अन्तरर्राष्ट्रीय सहयोग प्राप्त अध्ययनों कार्यक्रम मूल्यांकन अध्ययनों और आंकड़ा प्रबंधन अध्ययनों जैसे शोध कार्यक्रम को भी सहायता प्रदान करता है। शिक्षा प्रणाली में उठने वाले संभावित प्राथमिकता के मुद्दों अथवा भारतीय शिक्षा प्रणाली वास्तव में जिन मुद्दों से जूझ रही है, उनसे संबंधित शोध अध्ययन होते हैं। समीसाधीन वर्ष के दौरान, 13 शोध अध्ययन पूर्ण किए गए, जबकि 30 अध्य्यन प्रगति पर हैं।

पूर्ण शोध अध्ययन

(31 मार्च, 2020 तक)

1. निजी मानद् विश्वविद्यालयों में फीस का निर्धारण

अन्वेषकः डा. जिणुशा पाणिग्राही

जून, 2019 में परियोजना पूर्ण हुई

2. बिहार में उच्च शिक्षा का अभिशासन

अन्वेषकः प्रो. सुधांशु भूषण

अध्ययन पूरा हुआ और मसौदा रिपोर्ट कुलपति को प्रस्तुत की गई तथा बाद में मसौदे की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक आयोजित की गई और उनके सुझावों को शामिल किया गया है।

3. सार्वजनिक नीतियों और निजी क्षेत्र के विकास के बीच असमानता और उच्च शिक्षा (सीईपीईडी–एएफडी–पेरिस डेसकार्टेस यूनिवर्सिटी के सहयोग से ईएसपीआई अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना)

अन्वेषकः डा. जिणुशा पाणिग्राही और डा. निधि एस. सभरवाल

फरवरी 2020, में परियोजना पूर्ण हुई

4. स्कूलों में 'विशिष्ट अधिगम दिव्यांगता' वाले बच्चों को शामिल करने के लिए नीति और व्यवहार पर एक अध्ययन

अन्वेषकः डा. वीरा गुप्ता

अध्ययन पूर्ण हुआ।

5. भारत में प्राथमिक स्तर पर बच्चों की स्कूली भागीदारी में सुधार के लिए सहभागी कार्रवाई अनुसंधान

अन्वेषकः डा. मधुमिता बंद्योपाध्याय

अध्ययन पूर्ण हुआ।

6. दिल्ली में प्री–स्कूल शिक्षा प्रदान करने वाली निजी फ्रेंचाइजी का एक अध्ययन

अन्वेषकः डा. सविता कौशल

अध्ययन पूर्ण हुआ।

7. प्राथमिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों के बीच गैर–नामांकन और ड्रॉपआउट के कारणः आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डा. वेटुकुरी पी.एस. राजू

अध्ययन पूर्ण हुआ।

8. भारतीय निजी विश्वविद्यालय अधिनियमों और शुल्क का विनियमन का अध्ययन

अन्वेषकः डा. संगीता अंगोम

अध्ययन पूर्ण हुआ।

अनुसंधान अध्ययन (जारी)

(31 मार्च, 2020 तक)

1. शैक्षिक प्रशासन और विषयगत अध्ययन का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

शैक्षिक प्रशासन विभाग ने दिसंबर 2014 में शुरू किए गए सर्वेक्षण कार्य का तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण का संचालन करने का प्रस्ताव किया। सभी राज्यों से अनुरोध किया गया था कि वे राज्यों में शैक्षिक प्रशासन का कार्य सुनिश्चित करने के लिए नोडल अधिकारियों को नामित करें। उन्हें रिपोर्ट तैयार करने के लिए जानकारी और डेटा एकत्र करने के साथ–साथ प्रारूप और सामग्री के लिए उपकरण भी प्रदान किए गए थे। अधिकांश राज्यों ने सर्वेक्षण कार्य पूरा कर लिया और अपने–अपने राज्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी थी।

हालांकि, छह राज्यों (झारखंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, राजस्थान, त्रिपुरा, मेघालय) में सर्वेक्षण कार्य बहुत प्रगति नहीं कर सका। इन राज्यों को एक बार फिर सर्वेक्षण कार्य के लिए राजी किया गया।

दिल्ली, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा में शैक्षिक प्रशासन का सर्वेक्षण अप्रैल में नीपा में नोडल अधिकारियों की कार्यशाला के साथ शुरू किया गया था। 12–13 अप्रैल 2018 को नए नोडल अधिकारियों और उनकी टीम के सदस्यों के लिए सर्वेक्षण की प्रक्रिया और विधि के साथ राज्य रिपोर्ट तैयार करने और नोडल अधिकारियों को परिचित करने के लिए अभिविन्यास कार्यशाला का आयोजन किया गया था। इन राज्यों के 17 अधिकारियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया। नोडल अधिकारी और टीम के सदस्य रिपोर्ट की तैयारी के लिए सर्वेक्षण कवरेज, कार्यप्रणाली, सामग्री और प्रारूप के बारे में उन्मुख थे। इस तरह इन छह राज्यों में

9. शिक्षा में राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण संस्थानों का समलोचनात्मक मूल्यांकन

अन्वेषकः प्रो. नजमा अख्तर और डा. सविता कौशल

अध्ययन पूर्ण हुआ।

10. शैक्षिक प्रशासन में महिलाएँः भारत के चुनिंदा राज्यों में उनकी स्थिति, मुद्दे और चुनौतियों का अध्ययन

अन्वेषकः डा. मंजू नरूला

अध्ययन पूर्ण हुआ।

11. उच्च शैक्षिक बहि–प्रवास के कारणों और परिणामों पर स्थानिक परिप्रेक्ष्यः हिमाचल प्रदेश का केस अध्ययन

अन्वेषकः डा. सुमन नेगी

अध्ययन पूर्ण हुआ।

12. अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (ज्ञान) योजना का मूल्यांकन

अन्वेषकः डा. सुमन नेगी

परियोजना 'ज्ञान योजना का मूल्यांकन' पूर्ण हो गया है।

13. भारत में चुनिंदा राज्यों में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर कार्य अनुसंधान परियोजना

अन्वेषकः प्रो. के. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती

अध्ययन पूर्ण हुआ।

सर्वेक्षण के दूसरे चरण के औपचारिक शुभारंभ का मार्ग प्रशस्त हुआ।

छह राज्यों (दिल्ली, झारखंड, जम्मू और कश्मीर, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा) में सर्वेक्षण की दिशा में प्रगति हुई।

सभी छह राज्यों में सर्वेक्षण का काम शुरू हो गया है। राज्यों में सर्वेक्षण करने की पद्धति के एक भाग के रूप में, झारखंड, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा में राज्य स्तरीय कार्यशालाएं पूरी हो चुकी हैं। सर्वेक्षण कार्य पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के अधिकारियों की नीपा में बैठक हुई। सर्वेक्षण के अनुसार, शैक्षिक प्रशासन के सचिवालय, निदेशालय, क्षेत्रीय, जिला, ब्लॉक और संस्थागत स्तरों पर शिक्षा विभाग के संगठनात्मक सेट–अप, भूमिकाओं, कार्यों और गतिविधियों को कवर करते हुए राज्य, क्षेत्रीय, जिला ब्लॉक और संस्थागत स्तरों से आंकड़े और जानकारी एकत्र की जानी है। यह माध्यमिक और प्राथमिक डेटा और सूचना दोनों को कवर करता है। प्राथमिक डेटा वर्ष 2017–2018 से संबंधित होगा। सर्वेक्षण के नमूने में तीन जिले शामिल हैं– एक शैक्षिक रूप से उन्नत; एक मध्यम रैंकिंग और एक पिछड़ा; नमूने के प्रत्येक जिले से तीन ब्लॉक; और 24 स्कूल हैं। प्रत्येक जिले से आठ स्कूल जिनमें 2 प्राथमिक, 2 उच्च प्राथमिक, 2 माध्यमिक और 2 वरिष्ठ माध्यमिक शामिल हैं। सर्वेक्षण का काम पांच राज्यों में शुरू हुआ है।

चार राज्यों– झारखंड, मेघालय, राजस्थान और त्रिपुरा में राज्य स्तरीय कार्यशालाओं और बैठकों में सर्वेक्षण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मेघालय, झारखंड, राजस्थान और त्रिपुरा जैसे चार राज्यों ने राज्य रिपोर्टों का पहला मसौदा पूरा कर लिया है। दिल्ली ने विभाग को रिपोर्ट तैयार करने के लिए सभी संबंधित दस्तावेज और सामग्री प्रदान की है। डेटा दर्ज किया गया है। रिपोर्ट तैयार की जा रही है। शिक्षा विभाग, रा.रा. क्षेत्र दिल्ली के इनपुट के आधार पर दिल्ली रिपोर्ट तैयार की जा रही है। रिपोर्ट पर चर्चा और अंतिम रूप देने के लिए 13–14 मई 2019 को नीपा में आयोजित एक समीक्षा बैठक में नोडल समन्वयकों और सर्वेक्षण दल के कुछ सदस्यों ने भाग लिया। मेघालय और राजस्थान से अंतिम मसौदा प्राप्त हुआ। अन्य राज्यों से रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है।

2. शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों का अध्ययन (शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण के भाग के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश, डा. मंजू नरूला और डा. विनीता सिरोही

अध्ययन का उद्देश्य शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्य के पहलू पर संसाधन डाटा अंतराल को पूरा करना है। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन की संरचना और कार्यों पर शायद ही जानकारी उपलब्ध है। शिक्षा विभाग की वेबसाइटों में संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के शैक्षिक प्रशासन की संरचना की बुनियादी जानकारी शामिल है, लेकिन ये मुख्य रूप से सचिवालय और निदेशालय स्तरों तक सीमित हैं। अधिकांश मामलों में निदेशालय स्तर से नीचे शैक्षिक प्रशासनिक ढांचे की जानकारी बहुत कम है।

यह उल्लेख करने की आवश्यकता नहीं है कि जिले में और जिला स्तर के नीचे के अधिकारियों के पदनाम, स्थिति और भूमिका में काफी भिन्नताएं हैं। क्षेत्र स्तर के शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यात्मक जिम्मेदारियों का शैक्षिक सेवाओं के कुशल और प्रभावी वितरण पर महत्वपूर्ण असर पड़ता है। जिले और निचले स्तर पर शैक्षिक प्रशासन नीतियों और शैक्षिक विकास के कार्यक्रमों को लागू करना जिम्मेदारियों से भरा हुआ है। इसके अलावा, हाल के वर्षों में शैक्षिक विकास के लिए नीतिगत पहल, क्षेत्र स्तर पर शैक्षिक प्रशासन की स्थिति, भूमिका और कार्यों में मानकीकरण कुछ हद तक आवश्यक है। वास्तव में, संरचनाओं और कार्यों में कोई समानता नहीं है। शैक्षिक प्रशासन से संबंधित कई समस्याएं और मुद्दे हैं। तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन की राज्य रिपोर्टें इन्हें इंगित करती हैं। शैक्षिक प्रशासन की नई चुनौतियाँ किस हद तक प्रशासनिक संरचना नई मांगों और चुनौतियों के लिए पर्याप्त रूप से जवाबदेह है, इसके अन्वेषण की आवश्यकता है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कई राज्यों ने विभिन्न स्तरों पर, विशेष रूप से जिला और ब्लॉक स्तरों पर अपने प्रशासनिक ढांचे में सुधार किए हैं। बिहार कई अन्य राज्यों के साथ इस संबंध में उदाहरण है। कुछ राज्यों में शुरू किए गए सुधार के उपाय दूसरों के लिए शिक्षाप्रद हो सकते हैं। कई बार प्रशासनिक संरचना में किए गए

सुधार और राज्य में इसकी कार्यात्मक जिम्मेदारियां अन्य राज्यों के लिए सीखने की संभावनाओं को खोलती हैं। सार्वजनिक डोमेन में सटीक जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण, पारस्परिक रूप से सीखने की संभावना नहीं है। विभिन्न स्तरों शैक्षिक प्रशासन की संरचना पर जानकारी की अनुपलब्धता के अलावा; राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन के हर स्तर से जुड़ी कार्यात्मक जिम्मेदारी पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। इस संदर्भ में वर्तमान अध्ययन किया गया है। वर्तमान अध्ययन ने तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण में शेष अंतरालों को भरने और साथ ही साथ सूचना की आलोचनात्मकता शैक्षिक प्रशासन के चार महत्वपूर्ण स्तरों पर किए हैं; संघ स्तर पर शैक्षिक प्रशासन, केंद्र शासित प्रदेशों में शैक्षिक प्रशासन, राज्यों में शैक्षिक प्रशासन; और रा.रा.क्षे. दिल्ली में शैक्षिक प्रशासन।

एकत्रित आंकड़ों के माध्यमिक स्रोतों को शैक्षिक प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर एकत्र किया गया है। सूचना का प्रारंभिक संकलन प्रगति पर है। प्रारंभिक लेखन को तीन स्तरों– संघ, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को नीपा में आयोजित होने वाली तीन कार्यशालाओं में साझा और चर्चा की गई है। 22–23 जुलाई, 2019 को केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्य प्रगति पर है।

3. शैक्षिक प्रशासन में जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों की स्थिति, भूमिका और जिम्मेदारियां (तृतीय अखिल भारतीय सर्वेक्षण प्रशासन का हिस्सा के रूप में विषयगत अध्ययन)

अन्वेषकः प्रोफेसर कुमार सुरेश, डा. मंजू नरूला और डा. वी. सुचरिता

जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारी क्षेत्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण शैक्षिक अधिकारी होते हैं। वे स्कूलों के प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिला और ब्लॉक स्तर पर शैक्षिक प्रशासन उनकी निगरानी और समर्थन के मामले में स्कूलों से निकटता से जुड़े होते है; वे स्कूलों और उच्च स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। स्कूल स्तर पर सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों का कार्यान्वयन इन अधिकारियों की महत्वपूर्ण कार्यकारी जिम्मेदारियों को दर्शाता है। भूमिका और जिम्मेदारियों के विस्तार के संपूर्ण पहुंच को समझना महत्वपूर्ण है कि कैसे ये अधिकारी क्षेत्र स्तर पर उन्हें सौंपी गई जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। इस अध्ययन के आंकड़े प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों पर आधारित है।

अध्ययन मुख्य रूप से तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण शैक्षिक प्रशासन के साथ जिला शिक्षा अधिकारियों और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के राज्य स्तरीय सम्मेलनों के साथ–साथ जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों से संबंधित क्षेत्र–आधारित आंकड़ा संग्रह पर उपलब्ध डेटाबेस पर आधारित होगा। शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की राज्य रिपोर्ट में विवरणात्मक प्रारूप के अनुसार जिला और ब्लॉक स्तर के शैक्षिक प्रशासन के बारे में कुछ बुनियादी जानकारियों के अलावा, जिसमें वर्णनात्मक प्रारूप के अनुसार स्थिति, भूमिका और कार्यकारी जिम्मेदारियां शामिल हैं। हालांकि, विश्लेषणात्मक आयाम शामिल नहीं हैं। वर्णनात्मक आंकड़ों का विश्लेषण एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य से किया जाएगा। वर्तमान अध्ययन मुख्य रूप से क्षेत्र अध्ययन के माध्यम से एकत्र किए गए आंकड़ों और जानकारी के अलावा आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित होगा। विश्लेषणात्मक दृढ़ता के संदर्भ में वर्णनात्मक आंकड़ों के महत्व को जोड़ने के लिए, गुणात्मक आयामों को भारत के विभिन्न क्षेत्रों और राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले छह जिलों और छह ब्लॉकों को जोड़ा जा रहा है। उपलब्ध आंकड़ों और क्षेत्र आधारित आंकड़ों की स्थिति, जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों की भूमिका, जिम्मेदारियों और चुनौतियों दोनों के विश्लेषण के आधार पर अध्ययन किया जाना है।

एकत्रित आंकड़ों के माध्यमिक स्रोत एकत्र कर लिये हैं और प्राथमिक आंकड़ा एकत्र किया जाना बाकी है। दर्ज करने के लिए अनुसंधान उपकरणों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। रिपोर्ट आंकड़ों के प्राथमिक और माध्यमिक दोनों स्रोतों को इकट्ठा करने और उनके मिलान के बाद तैयार की जाएगी। अध्ययन पूर्ण होने में कुछ समय लग सकता है।

4. भारत के शैक्षिक शासन में संघवाद और संघ–राज्य संबंध

अन्वेषकः प्रो. कुमार सुरेश

संघीय प्रणालियों में शैक्षिक प्रशासन संवैधानिक रूप से अनिवार्य न्यायिक विनिर्देश और सरकार के गठन के

बाद से दो स्तरों– सरकारी और घटक इकाइयों के बीच जिम्मेदारियों को सौंपने पर आधारित है। कुछ मामलों में शिक्षा के संचालन की जिम्मेदारी विशेष रूप से घटक इकाइयों की होती है। संघीय इकाइयों के लिए नीति और वित्तीय स्वायत्तता स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारियों के वितरण के आधार पर होती हैं। अतः शिक्षा के शासन में संघीय सरकारों और घटक इकाइयों के बीच संबंधों की प्रकृति को निर्धारित करता है।

भारत में शैक्षिक प्रशासन की अपनी गतिशीलता संघीय विविधता के तर्क और संदर्भ में गहराई से निहित है। संघ और राज्यों के संवैधानिक रूप से परिभाषित जिम्मेदारियों और यथोचित सीमांत क्षेत्राधिकार सरकार के दो स्तरों के रूप में भारत में शिक्षा के संघीय शासन का औपचारिक मॉडल है। यह एक स्तर पर संघीय इकाइयों की स्वायत्तता के अंतर्निहित आधार पर आधारित है और दूसरे स्तर पर बड़े संघीय आदेश के साथ जैविक कड़ी है। संघीय सरकार से राज्यों के शैक्षिक प्रयासों में सक्षम भूमिका निभाने और साथ ही संघीय विविधता के साथ राष्ट्रीय (संघीय) प्राथमिकताओं को सामंजस्य बनाने में भी उम्मीद की जाती है।

भारत में शिक्षा का प्रशासन संघ और राज्यों के बीच एक साझा जिम्मेदारी है। साझा जिम्मेदारी का संदर्भ संविधान के 42वें संशोधन द्वारा प्रभावित धाराओं के तर्क का विस्तार है। शासन के इस पहलू को संघ और राज्यों के बीच कुछ हद तक सहयोग की आवश्यकता है। संघ और राज्यों के बीच सहकारी साझेदारी की भाषा अक्सर भारत में शिक्षा के संघीय शासन के मॉडल का वर्णन करने के लिए उपयोग की जाती है। सहकारिता साझेदारी (सहकारी संघवाद) का यह उपयोग प्रशासन की समन्वय संरचना के समरूप संबंधों में कितनी सक्षमता के साथ आ सका है, यह एक ऐसा प्रश्न है जिसके अन्वेषण की आवश्यकता है। निस्संदेह, संवैधानिक व्यवस्था के मूल स्कीमा ने शिक्षा के प्रशासन में राज्यों के लिए एक अपेक्षाकृत स्वायत्त डोमेन की परिकल्पना की थी। हालांकि, शिक्षा में सुधार के लिए संघीय सरकार द्वारा संवैधानिक संशोधनों, अधीनस्थ विधानों और नीतिगत पहलों के रूप में संवैधानिक विकास ने संघ–राज्य संबंधों और शासी शिक्षा में राज्यों की क्षमता को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से 1980 के दशक के बाद पिछले कई दशकों के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई नीतिगत सुधार किए गए हैं। केंद्र सरकार की दिशानिर्देशों में कई केंद्र प्रायोजित योजनाओं और एजेंसियों के प्रसार, इस अवधि के महत्वपूर्ण घटनाक्रम हैं। ये संघीय सरकार के विस्तार की भूमिका और राज्य सरकारों की सिकुड़ती क्षमता के साधन के रूप में हैं। इसी संदर्भ में अध्ययन आयोजित किया जा रहा है।

अध्ययन प्राथमिक और माध्यमिक आंकड़ों के आधार पर डेस्क और क्षेत्र आधारित अनुसंधान दोनों का संयोजन है। इसके तीन घटक हैं। पहले संघ–राज्य संबंधों को प्रभावित करने वाले संवैधानिक और उत्तर संवैधानिक विकास का अध्ययन है। इसका प्रमुख उद्देश्य अधिनियम, अधीनस्थ विधान एवं नीतिगत पहल और केंद्र प्रायोजित योजनाओं में सुधार करना। दूसरा मुख्य रूप से स्कूली शिक्षा पर केंद्रित होगा और तीसरा उच्च शिक्षा पर केंद्रित होगा। अनुभवजन्य अध्ययन के लिए कुछ राज्यों को जानकारी के रूप में लिया जाएगा। परियोजना सलाहकार समिति के विशेषज्ञों और सदस्यों के परामर्श से अध्ययन में शामिल किए जाने वाले आयामों के विवरण पर काम किया जाएगा।

इस अध्ययन की जनवरी 2019 से शुरू हो गया है। माध्यमिक साहित्य और सामग्री एकत्र की गई है। परियोजना की प्रस्तावित अवधि जनवरी 2019 से शुरू होने में दो साल है? इस दौरान परियोजना के विभिन्न चरणों में आंकड़ों और विश्लेषणों का प्रसार किया जाएगा।

5. भारत में तुलनात्मक शैक्षिक लाभ की स्थानिक गतिशीलता

अन्वेषकः प्रो. मोना खरे

परियोजना मुख्य विशेषताएंः भारत में शैक्षिक विकास में अंतर राज्यीय भिन्नता के निर्धारकों की पहचान करने के लिए माध्यमिक आंकड़ा आधारित अनुसंधान अध्ययन; शैक्षिक विकास के संकेतकों की पहचान के बाद शैक्षिक विकास के बहुभिन्नरूपी सूचकांक का विकास करना।

गतिविधियों का प्रदर्शनः स्कूल शिक्षा विकास के लिए सारणीकरण और डाटा विश्लेषण पूर्ण हो चुका है और पहले तीन मसौदा अध्याय तैयार है। उच्च शिक्षा विकास के संकेतक की पहचान की गई है और माध्यमिक

स्रोतों से डाटा संकलन प्रगति पर है। पहचान किए गए स्थानिक विकास और डाटा संकलन के समग्र सूचकांक के निर्माण के लिए संकेतक प्रगति पर हैं। जिला स्तर पर डाटा की उपलब्धता का पता लगाने के लिए, राज्य के चुनिंदा अधिकारियों से संपर्क किया जा रहा है। सेमिनार में प्रस्तुत शोध अध्ययन से प्रकाशित तीन पत्र, प्रकाशन के लिए स्वीकार किए गए हैं, कुछ महीनों में प्रकाशित होने की उम्मीद है।

राज्य स्तरीय विश्लेषण पूरा हो गया है।

जिला स्तर पर आंकड़े एकत्र किये गये हैं; संकलित एवं संपादित तालिकाएँ तैयार कर ली गई हैं। तीन राज्यों के शिक्षा और सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए जिलेवार समग्र सूचकांक पूरे हो चुके हैं। अब जिला स्तरीय बहुभिन्नरूपी सूचकांकों का विश्लेषण किया जा रहा है।

6. मॉड्यूलः उच्च शिक्षा संस्थानों में विविधता और भेदभाव

अन्वेषकः डा. निधि एस. सभरवाल और डा. सी. एम. मलिश

इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च द्वारा वित्त पोषित इस परियोजना का उद्देश्य छात्र विविधता, भेदभाव और नागरिक शिक्षा पर मॉड्यूल तैयार करना है। मॉड्यूल छात्रों की विविधता और नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक जुड़ाव में उच्च शिक्षा की भूमिका के मुद्दों पर उच्च शिक्षा में संकाय और प्रशासकों को संवेदनशील बनाना होगा।

मॉड्यूल की रूपरेखा के साथ एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया गया। आइसीएसएसआर, मा.सं.वि. मंत्रालय और नीति आयोग के शिक्षाविदों और प्रतिनिधियों के साथ एक विशेषज्ञ समूह का गठन किया गया। मॉड्यूलों की मसौदा रूपरेखा तैयार करने के बाद, विशेषज्ञ समूह की पहली बैठक 7 जनवरी 2017 को आयोजित की गई जिसमें प्रत्येक मॉड्यूल को समिति के सामने प्रस्तुत किया गया।

मॉड्यूल के समग्र दृष्टिकोण और सामग्री की सामूहिक समझ विकसित करने में मदद के लिए मॉड्यूल के लेखकों की पहली बैठक 16 मार्च, 2017 को आयोजित की गई थी।

मॉड्यूल के लिए पहचाने गये क्षेत्रों में शामिल हैः

मॉड्यूल 1: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और सामाजिक समावेशः अवधारणा और दृष्टिकोण

मॉड्यूल का प्रमुख उद्देश्य उच्च शिक्षा में छात्र विविधता, समानता और सामाजिक समावेश की अवधारणाओं पर चर्चा; और इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृष्टिकोणों पर चर्चा; उच्चतर शिक्षा और कार्रवाई/हस्तक्षेप के क्षेत्रों में छात्र विविधता, समानता और सामाजिक समावेश को व्याख्यित करने के लिए मौजूदा कार्यक्रमों पर चर्चा करना है।

मॉड्यूल 2: उच्च शिक्षा में छात्र विविधता का वर्गीकरण

मॉड्यूल उच्च शिक्षा में छात्र विविधता के चरणों पर चर्चा करेगा और उच्च शिक्षा संस्थानों में छात्र विविधता का आकलन करने की विधियों के बारे में परिचय देगा

मॉड्यूल 3: परिसरों में अकादमिक एकीकरण प्राप्त करने के लिए दृष्टिकोण

मॉड्यूल का उद्देश्य छात्र सामाजिक विशेषताओं और पूर्व–महाविद्यालय शैक्षणिक पृष्ठभूमि में विविधता पर विकास और समझ; सामाजिक और पूर्व–महाविद्यालय की शैक्षणिक पृष्ठभूमि, उच्च शिक्षा के लिए अनुशासन और पारगमन के विकल्प के बीच संपर्क पर एक स्पष्ट समझ विकसित करना; और उच्च शिक्षा के लिए शैक्षिक एकीकरण और सफल पारगमन के प्रति दृष्टिकोण पर चर्चा करना है।

मॉड्यूल 4: उच्च शिक्षा में भेदभाव के रूप

मॉड्यूल का उद्देश्य परिसर में भेदभाव और प्रतीकात्मक हिंसा की अवधारणा पर एक समझ विकसित करना है; उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव के रूपों तथा शैक्षणिक और सामाजिक एकीकरण पर भेदभाव के परिणामों को समझना है।

मॉड्यूल 5: परिसर में सामाजिक समावेश

इसका प्रमुख उद्देश्य उच्च शिक्षा परिसरों में सामाजिक समावेश की व्यापक समझ विकसित करना; छात्रों को विविध पृष्ठभूमि द्वारा सामना किए गए सामाजिक समावेश की चुनौतियों पर चर्चा तथा सामाजिक समावेशी परिसर की विशेषताओं को जानना है।

मॉड्यूल 6: छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए संस्थागत तंत्र

इस मॉड्यूल का उद्देश्य यह समझना है कि एक सामूहिक प्रणाली में छात्र विविधता को संस्थागत रूप से प्रबंधित करना महत्वपूर्ण क्यों है; छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए मौजूदा संस्थागत तंत्र और संरचनाओं को जानना; छात्र विविधता के प्रबंधन के लिए सामाजिक समावेश और रणनीतियों के लिए विकसित और संस्थागत संस्कृति के दृष्टिकोण का परिचय देना।

मॉड्यूल 7: छात्र विविधता, नागरिक शिक्षा और लोकतांत्रिक भागीदारी

इसका उद्देश्य उच्च शिक्षा में नागरिक शिक्षा की अवधारणा को पेश करना है; नागरिक विविधता के बीच नागरिक शिक्षा के लिए एक संसाधन के रूप में स्पष्ट समझ विकसित करना; नागरिक शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विविध प्रकार की पहलों के लिए दृष्टिकोणों और प्रकारों को जानना।

इन मॉड्यूलों के मसौदा संस्करण को पूरा किया जा रहा है।

7. भारत में उच्चतर शिक्षा का शासन और प्रबंधन

अन्वेषक: डा. गरिमा मलिक

अनुसंधान परियोजना का उद्देश्य सर्वप्रथम राष्ट्रीय, राज्य और संस्थागत स्तरों पर शासन संरचना और प्रक्रियाओं के विकास का पता लगाना और विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शासी निकायों की भूमिका और कार्यप्रणाली की जांच करना है। अध्ययन उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, राजस्थान और महाराष्ट्र में स्थित संस्थानों में कार्यान्वित किया जा रहा है।

वर्तमान शोध अध्ययन में केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों और उनके संबद्ध महाविद्यालयों में शासन संरचनाओं और प्रक्रियाओं की जांच की है। अध्ययन द्वारा ढांचे का विकास और रूपरेखा का विश्लेषण करना था: (अ) सरकार–विश्वविद्यालय संबंध; (ब) विश्वविद्यालय–विश्वविद्यालय संबंध और (स) विश्वविद्यालय–महाविद्यालय संबंध। अध्ययन शिक्षकों और छात्रों, संस्थागत प्रमुखों, प्रशासकों और प्रश्नावली आधारित जानकारी से साक्षात्कार पर निर्भर करता है।

अध्ययन से पता चलता है कि संस्थानों के प्राधिकारों के हस्तांतरण और दूरस्थ संचालन की निगरानी और प्रत्यक्ष नियंत्रण से सरकार और विश्वविद्यालय के संबंध समय के साथ–साथ विकसित हुए हैं। जबकि केंद्रीय विश्वविद्यालय अपेक्षाकृत अधिक स्वायत्तत हैं और उन्हें दी जाने वाली धनराशि उच्च स्तर पर है। राज्य विश्वविद्यालय अधिक नियंत्रण के अधीन होने के साथ ही कम स्वायत्त हैं क्योंकि राज्य सरकार से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए वित्त पोषण की हिस्सेदारी है। इसलिए राज्य विश्वविद्यालयों को केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तुलना में अधिक संसाधन संकट का सामना करना पड़ता है।

आगे अध्ययन में पाया गया है कि विश्वविद्यालय, सामान्य रूप से– केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालय – अकादमिक मामलों में अधिक स्वायत्तत हैं जबकि प्रशासनिक और वित्तीय स्वायत्तता कम है। इस प्रकार अकादमिक कार्यक्रमों और पाठ्यक्रमों की रूपरेखा विश्वविद्यालयों द्वारा किया जाता है और उनके अध्ययन बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

इसके अतिरिक्त राज्य विश्वविद्यालयों के शासी निकाय में सरकारी अधिकारी और विधान सभा और विधान परिषद के प्रतिनिधि होते हैं। उदाहरण के लिए, राजस्थान विश्वविद्यालय, भारथिअर विश्वविद्यालय और सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में इन प्रवृत्तियों का पता चलता है। हालांकि केंद्रीय विश्वविद्यालयों में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं हैं। जिस तरह विश्वविद्यालय पर इन कार्यकारियों द्वारा नियंत्रण किया जाता है प्रतिनिधित्व के इस प्रतिरूप के महत्वपूर्ण निहितार्थ हैं।

विकेंद्रीकरण के लिए विश्वविद्यालय में निर्णय लेने का संस्थागत स्वायत्तता एक आवश्यक शर्त है लेकिन पर्याप्त स्थिति नहीं। यह देखा गया है कि केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपतियों के कार्यालयों के स्तर पर शक्ति और निर्णय लेने का केंद्रीयकरण होता है। यह दर्शाता है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त स्वायत्तता को आवश्यक रूप से विकेंद्रीकृत और भागीदारीपूर्ण निर्णय लेने की प्रक्रिया में अनुवादित आवश्यक नहीं है।

यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि प्रोफेसरों की सौदेबाजी में गिरावट है। नई शासन व्यवस्था ने संस्थानों में निर्णय लेने पर शिक्षाविदों के सामूहिक प्रभाव को स्पष्ट रूप से कम कर दिया है।

यह देखा गया है कि विशुद्ध रूप से इनपुट–आधारित उपायों से परिणाम आधारित उपायों को मजबूत करने की आवश्यकता है। आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठों को प्रभावी ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। इस प्रकार शैक्षणिक प्रदर्शन सूचकांक (एपीआई) जैसे मात्रात्मक मीट्रिक का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है, हालांकि कई शिक्षकों ने मीट्रिक के प्रति असंतोष व्यक्त किया। शासन संरचनाओं में सुधार की आवश्यकता है और एक भावना है कि प्रबंधतंत्र का एक रूप अध्ययन के तहत संस्थानों को जकड़ रहा है। कुछ मामलों में कई वर्षों से शिक्षकों की भर्ती लंबित हैं, इसलिए तदर्थ और अतिथि शिक्षकों पर अत्यधिक निर्भरता है।

अध्ययन से यह भी पता चलता है कि राज्य विश्वविद्यालयों में बड़ी संख्या में संबद्ध महाविद्यालयों के कारण विश्वविद्यालय महाविद्यालयों को अकादमिक नेतृत्व प्रदान करने की स्थिति में नहीं हैं।

क्षेत्र आधारित आंकड़ा संग्रह और आंकड़ा विश्लेषण पूरा हो गया है और मसौदा रिपोर्टों को अंतिम रूप दिया गया है। तीसरी अनुसंधान पद्धति कार्यशाला 11–12 सितंबर, 2017 को आयोजित की गई थी जहां टिप्पणियों के लिए मसौदा राज्य रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी।

संश्लेषण रिपोर्ट और राज्य रिपोर्ट विशेषज्ञ समिति को सौंपी गई और रिपोर्ट पर परिचर्चा के लिए तीसरी विशेषज्ञ समिति की बैठक जुलाई 2018 में आयोजित की गई। नीतिगत संक्षिप्ति और संवाद तैयार करके संश्लेषण रिपोर्ट को अंतिम रूप से प्रस्तुत करने के लिए संशोधित किया जा रहा है। और राज्य रिपोर्ट को अपलोड करने के लिए तैयार किया जा रहा है।

''भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का शासन और प्रबंधन'' शीर्षक से शोध पत्र, फरवरी 2017 में सीपीआरएचई रिसर्च पेपर सीरीज 5 के रूप में प्रकाशित हुई है।

परियोना आउटपुटः (अ) 4 स्टेट रिपोर्ट, (ब) 1 सिंथेसिस रिपोर्ट, (स) सीपीआरएचई शोध पत्र

मलिक, गरिमा ''भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों का शासन और प्रबंधन'', सीपीआरएचई शोध पत्र श्रृंखला 5, फरवरी 2017।

8 भारत में उच्चतर शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगार–परकता

अन्वेषकः प्रोफेसर मोना खरे

भारत की गणना विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा प्रणालियों में सक एक के रूप में की जाती है, शिक्षित स्नातकों की रोजगार क्षमता को अक्सर देश के समक्ष आने वाली सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक के रूप में बताया जाता है। भारत विकास की गाथा इस अर्थ में अनुपम है कि यहाँ आर्थिक विकास के व्यापक स्वीकृत मॉडल अर्थात् कृषि से उद्योग और फिर सेवा के क्षेत्र में अंतरण को झूठला दिया है। स्वतंत्रता के आरंभिक वर्षों में विनिर्माण जगत से कोने वाली वृद्धि शीघ्र ही तृतीयक क्षेत्र की प्राधान्यता से प्रतिस्थापित हो गया। साथ ही , 1960 के दशक से 1980 के दशक तक की कम रोजगार वृद्धि और इस अवधि में शिक्षित बेरोजगारों की बढ़ती हुई संख्या की उदारीकरण युग अर्थात् 1990 के दशक में पुनरावृत्ति हुई। वस्तुतः 1990 के दशक में रोजगार विहीन विकास हुआ। जबकि भारतीय अर्थव्यवस्था ने औद्योगिक क्षेत्र में अग्रेसित हुआ जिसका भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 3/4 हिस्सा योगदान है। रोजगार के मामले में यह बात सही नहीं बैठती। जहाँ एक बड़ी आवादी कृषि और कृषि से सम्बद्ध कार्यकलाप में रत है। जिसमें से एक बड़ा हिस्सा जीवन निर्वाह का स्तर पारंपरिक कृषि ही है। तथापि, भावी अनुमान से पता चलता है कि रोजगार के मामले में 60 प्रतिशत नौकरियों की बढ़ोतरी सेवा क्षेत्र में होगी। स्नातकों की रोजगारपरकता की समस्या में पूर्ति और मांग दोों पक्ष सम्मिलित हैं। इतना ही नहीं रोजगार परकता और कौशल ह्रास को भी रोजगार, बेरोजगारी और श्रम बाजार की परिस्थितियों से पूर्णतः अलग नहीं किया जा सकता है। वर्तमान अध्ययन में बाह्य और आन्तरिक कारकों के साथ–साथ मांग और पूर्ति संबंधी कारक जिनका स्नातक रोजगार परकता पर प्रभाव पड़ता है, के प्रभाव को संयुक्त रूप से दर्शाने का प्रयत्न किया गया है। इस अध्ययन में तीन अन्तःसंबद्ध जगत अर्थात् सूक्ष्म, संस्थानिक और व्यक्तिगत स्तरों पर भारत में स्नातक रोजगार परकता और उच्चतर शिक्षा के विषय को समझने का प्रस्ताव है जो इस प्रकार हैंः– शिक्षित रोजगार/बेरोजगारी के रूझान के सूक्ष्म आर्थिक आयाम; उद्योग की बढ़ती हुई

माँग और विश्वविद्यालय/उच्चतर शिक्षा के आयाम; व्यष्टिक हितधारकों का उच्चतर शिक्षा में भागीदारी के बारे में बदलते हुए अवबोध और प्रत्याशा तथा रोजगार की तैयारी के सन्दर्भ में प्रावधान। इस अध्ययन का उद्देश्य शोध संबंधी निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर देना है: (क) उच्चतर शिक्षा स्नातकों की रोजगारपरक कौशल क्या है; (ख) उनके कार्य स्थल अपेक्षाओं की तुलना में विश्वविद्यालय की शिक्षा के दौरान रोजगार की तैयारी के बारे में नए कर्मचारियों के क्या अनुभव हैं; (ग) रोजगार परकता के लिए कौशल विकसित करने के बारे में विद्यार्थियों की उच्चतर शिक्षा संस्थानों से क्या उम्मीदें हैं; (घ) उद्योग के लिए तैयार स्नातकों को तैयार करने में उच्चतर शिक्षा क्षेत्र की भूमिका में विश्वविद्यालय के शिक्षक और प्रशासकों की क्या अनुक्रिया है? (ङ) क्या स्नातक रोजगार परकता कौशल नीति समय की माँग है? प्रमुख हितधारकों के संदर्श यथा नियोक्ता और नए कर्मचारी, विद्यार्थी और शिक्षकगण का पता लगाया जाता है जो शोध संबंधी प्रश्नों के उत्तर दे सकें। यह देश में बहु–स्तरीय, बहु–राज्यीय अध्ययन है जिसमें देश के कई शहरों को शामिल किया गया है। चिन्हित छह शहरों में स्तर–I के चार शहर– मुम्बई, दिल्ली, बेंगलुरू, हैदराबाद हैं। स्तर–II के शहरों में लखनऊ प्रमुख रोजगार प्रदाता है; स्तर–III श्रेणी के शहरों में उदयपुर रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्रथम तीन शहरों में से एक है।

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य स्नातक रोजगार परकता को सभी हितधारकों के अवबोध का विश्लेषण करना; नियोक्ता–कर्मचारी समुदाय और शैक्षणिक समुदाय (विद्यार्थी और शिक्षकों) में स्नातमक रोजगार परकता कौशल के बारे में प्रसरण व विभिन्नता को समझना, महिला और पुरुष, सामाजिक समूहों और क्षेत्रों के बीच कौशल अंतरक विभेद की रोजगार परकता का परिमाप, भारतीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में विद्यमान ऑन–कैम्पस/ऑफ कैम्पस रोजगार परकता सहयोग का अध्ययन करना और उच्चतर शिक्षा स्नातकों को लाभप्रद रोजगार प्राप्त करने में आनेवाली संस्थानिक अड़चनों को चिन्हित करना है।

विश्लेषण फ्रेमवर्क कार्यशाला 18 और 19 जनवरी, 2018 को आयोजित की गयी। 5 राज्यों (महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना की उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता के संबंध में सीपीआरएचई अध्ययन की समीक्षा की जा रही है। (चार की समीक्षा की गई, दो अंतिम संस्करण प्राप्त हुए हैं)। उच्चतर शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगार परकता के संबंध में सीपीआरएचई का संलिष्ट प्रतिवेदन तैयार किया जाना है (शीघ्र ही पूरी होने वाली है)।

9. भारत में उच्चतर शिक्षा की गुणवत्ता: संस्थागत स्तर पर बाह्य और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन का एक अध्ययन

अन्वेषक: डा. अनुपम पचौरी

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (NAAC) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (IQAs) द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों की गुणवत्ता में कोई बदलाव आया या नहीं, ऐसे बहुत कम अनुभवजन्य साक्ष्य हैं। इस शोध अध्ययन का व्यापक उद्देश्य यह समझना है कि संस्थागत स्तर पर बाहरी गुणवत्ता आश्वासन (EQA) और आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन (IQA) गुणवत्ता को कैसे बढ़ाये जाए; और कैसे EQA एजेंसियां उच्च शिक्षा संस्थानों और कार्यक्रमों को प्रभावित करे और कैसे संस्थागत स्तर पर IQA की संरचना और कार्य का विश्लेषण करती हैं। एनएएसी मान्यता के दूसरे या आगामी चक्र में पांच विश्वविद्यालयों और प्रत्येक चयनित विश्वविद्यालयों में से संबद्ध एक–एक मान्यता प्राप्त महाविद्यालय को कर्नाटक, मध्य प्रदेश, मेघालय, राजस्थान और तेलंगाना के पांच राज्यों से चुना गया है।

प्रमुख अन्वेषक ने परियोजना की प्रगति कार्यान्वयन का बारीकी से पालन किया और राज्य टीमों को मसौदा रिपोर्ट तैयार करने में मदद की। जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक आंकड़ों के कोडिंग और विश्लेषण में मदद करना और राज्य रिपोर्ट का पहला मसौदा लिखना शामिल था। अध्ययन के लिए चयनित संस्थानों से पांच संस्थागत टीमों द्वारा राज्य स्तर की रिपोर्ट का पहला मसौदा तैयार किया गया। प्रत्येक टीम को प्रत्येक अध्याय के मसौदा पर विस्तृत प्रतिक्रिया लिखने की रिपोर्ट की प्रक्रिया के दौरान प्रदान किया गया था। इसके बाद रिपोर्ट के अंतिम प्रस्तुतिकरण से पहले संशोधन के लिए टीमों को भेजे गए प्रत्येक रिपोर्ट का संपादन और समीक्षा की गई। अनुसंधान पद्धति कार्यशाला सामग्री दस संस्थानों (चार राज्य विश्वविद्यालयों और इनमें से प्रत्येक के साथ संबद्ध एक महाविद्यालय और एक केंद्रीय विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध एक महाविद्यालय) को अनुसंधान परियोजना के लिए शामिल किया गया था।

सामग्री में पांच संस्थागत टीमों द्वारा प्रस्तुत मसौदा रिपोर्टों पर टिप्पणियों सहित विस्तृत समीक्षा पुस्तिकाएं शामिल थीं। पुस्तिका में संबंधित टीमों के लिए शोध रिपोर्ट में सुधार करने के लिए सुझाव भी थे ताकि बाहरी गुणवत्ता आश्वासन और आंतरिक सुरक्षा आश्वासन के कारण संस्थानों में परिवर्तन को उजागर और विश्लेषण कर सकें। तृतीय अनुसंधान पद्धति कार्यशाला में टिप्पणियों के लिए मसौदा राज्य रिपोर्ट और संश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। प्रत्येक प्रस्तुति के उपरान्त समीक्षा और टिप्पणियों को सहकर्मी दल के प्रमुख ने अनुसंधान रिपोर्ट की समीक्षा के लिए कार्य सौंपा। इसके बाद टीम के अन्य सभी सदस्यों की टिप्पणियों का पालन किया गया। अंत में, परियोजना समन्वयक और अनुसंधान परियोजना के प्रधान अन्वेषक डा. अनुपम पचौरी द्वारा विस्तृत समीक्षा की गई। शोध पद्धति कार्यशाला में टिप्पणियों और चर्चाओं के मद्देनजर समीक्षा टिप्पणी पुस्तिका को और संशोधित करके सभी टीमों के साथ साझा किया गया ताकि दल की राज्य रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा सके। संस्थागत टीमों की प्रतिक्रियाओं को प्राप्त करने के लिए परियोजना अनुसंधान पद्धति की प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार की गई।

वर्तमान में, वेब अपलोड के लिए प्रधान अन्वेषक/परियोजना समन्वयक द्वारा राज्य टीम की रिपोर्ट संपादित और संश्लेषण कर अंतिम रूप दिया जा रहा है। आईक्यूए और ईक्यूए विषय पर एक शोध पत्र और नीति संक्षिप्त विकसित की जाएगी।

प्रोजेक्ट आउटपुटः (अ) 5 राज्य रिपोर्ट, (ब) 1 संश्लेषण रिपोर्ट (स) 1 अनुसंधान पत्र (द) 2 नीति संक्षेप

10. उच्च शिक्षा की सफलता और सामाजिक गतिशीलताः विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. और अल्पसंख्यकों के कोचिंग योजनाओं पर अध्ययन

अन्वेषकः डा. सी.एम. मलिश और डा. निधि एस. सभरवाल

यू.जी.सी. के अनुरोध पर सीपीआरएचई/नीपा ने यू.जी.सी. द्वारा प्रायोजित कोचिंग योजनाओं की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन शुरू किया। ये योजनाएँ निम्नलिखित हैंः 1. अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व. और अल्पसंख्यकों के लिए सुधारात्मक कोचिंग; 2. एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. और अल्पसंख्यकों के लिए नेट/सेट की कोचिंग; और 3. एस.सी./एस.टी./ओ.बी.सी. और अल्पसंख्यकों के लिए सेवाओं में प्रवेश के लिए कोचिंग। योजना के प्रमुख उद्देश्य वंचित समूहों के लिए विशेष कोचिंग कक्षाओं के रूप में अतिरिक्त शिक्षण इनपुट प्रदान करना ताकि शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और व्यवसाय की गतिशीलता को सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके और आजीविका की गतिशीलता को सुगम बनाया जा सके। सीपीएचआरई दल द्वारा यूजीसी कोचिंग योजनाओं के समन्वयकों और दिल्ली के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में वंचित समूहों के अकादमिक सशक्तिकरण से जुड़े संकाय सदस्यों के परामर्श से अनुसंधान उपकरण विकसित किए थे। इस योजना के लिए अनुदान प्राप्त करने वाले चयनित उच्च शिक्षा संस्थानों का अध्ययन किया और आंकड़ों/सूचनाओं के संग्रहण और विश्लेषण के लिए गुणात्मक और मात्रात्मक दोनों तरीकों को अपनाया गया। जिसमें माध्यममिक आंकड़ा भी शामिल है, वर्तमान में कोचिंग कक्षाओं में भाग लेने वाले छात्रों के बीच प्रश्नावली प्रबंधन और छात्रों के साथ समूह चर्चा, संकाय समन्वयक संकाय सदस्यों/कोचिंग कक्षाओं के प्रशिक्षकों और संस्थागत प्रमुखों के साथ साक्षात्कार आदि शामिल हैं।

अनुसंधान उपकरण और कार्यान्वयन प्रक्रिया पर एक साझा समझ विकसित करने के लिए 02–03 मई, 2017 को शोध अध्ययन संस्थानों के अनुसंधान समन्वयकों के साथ पहली अनुसंधान कार्यप्रणाली कार्यशाला आयोजित की गई। सीपीआरएचई अनुसंधान समन्वयकों द्वारा क्षेत्र का दौरा पूरा किया गया है। अर्थात् पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र, गवर्नमेंट कॉलेज त्रिपुरा, नॉर्थ ईस्टर्न हिल यूनवर्सिटी, मेघालय, एसबीएमपीजी कॉलेज, फाजिलनगर, कुशीनगर, यूपी, महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा, गुजरात, गया कॉलेज, गया, बिहार, दोआब कॉलेज, जालंधर, पंजाब और चौधरी देवी लाल सिरसा विश्वविद्यालय, हरियाणा शामिल हैं। अनुसंधान समन्वयकों ने आंकड़ा संग्रह की निगरानी की तथा प्रधान जांचकर्ताओं और परियोजना कर्मचारियों के साथ आंकड़ा संग्रह में भाग लिया।

आंकड़ा विश्लेषण पूर्ण हो गया है और दो मुख्य प्रायोगिक अध्यायों के प्रारूप को अंतिम रूप दिया जा रहा है। साहित्य की समीक्षा समेत तीन आरंभिक अध्याय जुलाई

2020 के अंत तक तैयार हो जाऐंगे। प्रारूप प्रतिवेदन के बारे में टिप्पणी और सुझाव प्राप्त करने के लिए केस अध्ययन समन्वयकों के लिए शोध पद्धति कार्यशाला (वर्च्युअल) आयोजित की जाएगी। रिपोर्ट कार्यशाला के तुरन्त बाद संशोधित की जाएगी और इसे अंतिम रूप दिया जाएगा तथा इसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रस्तुत किया जाएगा।

11. भारत में माध्यमिक शिक्षा में सार्वजनिक–निजी मिश्रणः आकार और स्कूल सुविधाएं तथा प्रवेश रूपरेखा

अन्वेषकः डा. एन.के. मोहंती और प्रो. एस.एम. आई.ए. जैदी

सामान्य रूप से शिक्षा में निजी क्षेत्र की भूमिका और विशेष रूप से शिक्षा सेवा के वितरण में सार्वजनिक–निजी मिश्रण को ध्यान में रखते हुए, इस अध्ययन का उद्देश्य भारत के प्रबंधन और क्षेत्र द्वारा माध्यमिक विद्यालय नेटवर्क की संरचना और आकार, सुविधाओं के संदर्भ में उनकी विशेषताओं कर्मचारियों तथा सामाजिक पृष्ठभूमि के संदर्भ में छात्र प्रोफाइल को देखना है। पहले चरण में, अध्ययन ने सेमिस/यूडाईस, एनएएसओ, 8वीं एआईएसईएस योजना दस्तावेजों और प्रमुख राज्यों के अन्य आधिकारिक रिकॉर्डों से एकत्र किए गए माध्यमिक आंकड़ों का उपयोग किया। आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि माध्यमिक स्तर पर स्कूलों में शैक्षिक सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं जोकि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने में प्रमुख बाधक है। अध्ययन में यह बात सामने आई कि स्कूल भवन, चाहरदीवारी, खेल का मैदान, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, कंप्यूटर और संबंधित सुविधाएं जैसे बिजली सुविधा, जेनरेटर सेट, इंटरनेट और कंप्यूटर प्रयोगशाला, सैनिटरी सुविधाएं विशेष रूप से लड़कों और लड़कियों के लिए अलग–अलग पेशाबघर और शौचालय की सुविधा, जिनमें महिला शिक्षक भी शामिल हैं, जो सीधे शिक्षाशास्त्र में शामिल महिला शिक्षकों सहित शिक्षकों की योग्यता और प्रशिक्षण की स्थिति, राज्यों और राज्यों के भीतर प्रबंधन प्रकार के बीच व्यापक रूप से भिन्न हैं। यह भी पता चला कि भारत में क्षेत्रों और राज्यों में माध्यमिक स्तर पर शैक्षणिक सुविधाओं की उपलब्धता और छात्रों की शैक्षणिक प्राप्ति के बीच बहुत घनिष्ठ संबंध है। इसलिए, आरएमएसए और अन्य केंद्र प्रायोजित योजनाओं जैसे सुधार कार्यक्रमों के अन्तर्गत मौजूदा माध्यमिक विद्यालयों/वर्गों में कर्मचारियों को बुनियादी सुविधाओं प्रदान करने में अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए ताकि उन्हें मानदंडों और मानकों की पुष्टि हो सके। यह प्रयास निश्चित रूप से माध्यमिक शिक्षा को बेहतर बनाने और सुदृढ़ीकरण के साथ–साथ भारत में माध्यमिक विद्यालय स्तर पर छात्रों और संस्थानों के समग्र प्रदर्शन में सुधार करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

यह अध्ययन दो चरणों में लागू की जा रही है। पहले चरण में; इसमें बड़े राज्यों में माध्यमिक विद्यालयों के नेटवर्क की रूपरेखा (प्रोफाइल) तैयार कर राज्यों में माध्यमिक शिक्षा प्रदान किए जाने के विभिन्न मॉडल में योगदान देने वाले संस्थान एवं अन्य कारकों का पता लगाने का प्रयास यिका गया। दूसरे चरण में, अध्ययन में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और गैर–अनुदानित निजी क्षेत्र के माध्यमिक स्तर के संस्थानां में विद्यार्थियों की संख्या, विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाएं, भागीदारी की दरें और क्लाइंटेल ग्रुप की सामाजिक, आर्थिक विशेषताओं के संदर्भ में उनका प्रोफाइल तैयार करने का प्रयास किया जाएगा। इससे राज्यों में माध्यमिक शिक्षा प्रदान किए जाने की प्रणाली और साम्यता एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए अनके प्रभाव के बारे में अन्तःदृष्टि और सूझबूझ प्राप्त होगी।

अध्ययन का चरण–I पूरा हो गया है और शोध परियोजना के पहले चरण की रिपोर्ट आवश्यक कार्यवाही हेतु इसके साथ प्रस्तुत की गई है। नीति–निर्माण के लिए चरण–I के अध्ययन के नतीजे और इसके प्रभाव संबंधी तथ्यों को उजागर करते हुए प्रतिवेदन में उन क्षेत्रों की भी पहचान की गई है जिन पर अध्ययन के चरण–II में आगे अन्वेषण किये जाने की आवश्यकता है।

चूँकि अध्ययन का चरण–II मुख्यतः प्राथमिक आंकड़े और जानकारी पर आधारित होगा और चूंकि प्रो. एस.एम. आई.ए. जैदी सेवानिवृत्त हो गए हैं और अब दिल्ली से बाहर रह रहे हैं, मैं कोविड–19 की स्थिति नियंत्रण मे होने और वहाँ जाने में सक्षम होने के बाद प्रतिदर्श राज्य (जिनका चयन किया जाना है) से आंकड़ा संकलन का कार्य आरम्भ करूंगा।

12. लैंगिक पर शैक्षिक एटलस : एक जिला–स्तरीय प्रस्तुति

अन्वेषक : डा. सुमन नेगी और प्रो. मोना खरे

अनुसंधान परियोजना– लिंग पर शिक्षा एटलस मार्च 2015 में एक जिला स्तरीय प्रतिनिधित्व शुरू किया गया था। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य शैक्षिक आंकड़ों के प्रसार का समर्थन करना है जो नीपा स्कूलों के लिए एकत्र करता है। इसलिए एटलस के रूप में मानचित्र आधारित सूचना प्रसार, एक पृष्ठभूमि के रूप में लैंगिक शिक्षा के मानचित्रण के प्रयास के साथ एक प्रभावी माध्यम के रूप में सोचा गया। जानकारी को डेटा सेट के माध्यम से दर्शाया जाएगा, जिसका उद्देश्य लैंगिक रेखाओं के भीतर शैक्षिक असमानता और विकास की बारीकियों को पकड़ना है। यह पहल शैक्षिक योजना से संबंधित लोगों के लिए भी है, वे लैंगिक परिप्रेक्ष्य से सुविधा प्राप्त कर सकते हैं क्योंकि उपलब्ध संसाधनों की कमी के कारण यह दस्तावेज मौजूदा क्षेत्रीय विविधताओं और विषमताओं को दूर करने में मदद करेगा। अध्ययन का विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैंः (i) लैंगिक संबंधित संकेतों का प्रस्तुतीकरण करने के लिए डाईस और यूडाईस आंकड़ों का प्रयोग करना; (ii) राष्ट्रीय स्तर पर कुछ लौकिक प्रवृत्तियाँ को निरूपित करना; (iii) मौजूद क्षेत्रीय असमानताओं का तुलनात्मक चित्रण।

आंकड़े एकत्र और व्यवस्थित किये गये और मानचित्र भी बनाए गए हैं। अध्याय तैयार किए जा रहे हैं और परियोजना प्रस्तुत मार्च, 2020 तक करने की उम्मीद है।

13. ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन

अन्वेषकः डा. एस.के. मलिक

अध्ययन के उद्देश्यः

1. माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का पता लगाना;
2. स्कूल पूर्ण होने पर अनुसूचित जाति के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति योजना की प्रभावशीलता और शिक्षा के उच्च स्तर पर उनकी गतिशीलता की जांच करना;
3. छात्रों को उनके अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति का लाभ उठाने और उपयोग करने में आने वाली समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना;
4. योजनाओं के कार्यान्वयन में सरकार और स्कूल प्रशासन के अधिकारियों द्वारा समस्याओं और बाधाओं का पता लगाना और
5. छात्रवृत्ति योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उपयुक्त उपायों का पता लगाना।

वर्तमान में उड़ीसा राज्य का अध्ययन किया जा रहा है। वहाँ तीस जिले हैं। अध्ययन के प्रयोजनार्थ, जिले का चयन साक्षरता दर के आधार पर किया जाएगा। तीस जिलों में से अध्ययन के प्रयोजनार्थ सर्वाधिक साक्षरता दर वाले अनुसूचित जाति के आवादी वाले दो जिले का चयन किया गया। (जगतसिंहपुर और खोर्दा) दो चयनित जिलों में से प्रत्येक जिले के दो प्रखण्डों का चयन माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के अधिक प्रयास के आधार पर किया गया। प्रत्येक प्रखंड से माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों के सर्वाधिक नामांकन वाले 5 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों का चयन किया गया। अध्ययन के प्रत्यर्थियों में प्रधानाध्यापक, विद्यार्थी, पूर्व विद्यार्थीगण, प्रशासकगण और माता–पिता थे। लिखित सामग्री की समीक्षा का कार्य पूरा किया गया। रिपोर्ट लेखन का कार्य जारी है और अंतिम रिपोर्ट सितम्बर, 2020 तक प्रस्तुत की जाएगी।

14. चयनित राज्यों में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत निजी स्कूलों में कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों के लिए 25 प्रतिशत सीटों के प्रावधान के कार्यान्वयन का अध्ययनः नीति और व्यवहार

अन्वेषकः प्रो. अविनाश कुमार सिंह

निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा (आरटीई) अधिनियम के कार्यान्वयन के साथ, अधिनियम की धारा 12(1)(सी) के तहत राज्यों ने कमजोर वर्गों और वंचित समूहों (ईडब्ल्यूएस) से संबंधित बच्चों के लिए निजी और गैर प्राथमिक स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें निःशुल्क प्रदान करना शुरू कर दिया है। हालांकि, अधिनियम कार्यान्वयन के अपने चौथे वर्ष में है,संबंधित प्राधिकारियों

के बीच बहुत स्पष्टता नहीं है कि प्रावधान से संबंधित नियमों और विनियमों को कैसे लागू किये जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, बच्चों की पहचान और चयन के लिए पात्रता मानदंडों का पालन कैसे किया जा रहा है? निजी स्कूल विभिन्न राज्यों में संवैधानिक प्रतिबद्धताओं और प्रावधानों को पूरा करने में नियमों और विनियमों का पालन कैसे कर रहे हैं? इन अधिकारों को हासिल करने में माता–पिता और बच्चों को किन समस्याओं और बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है? आरटीई प्रावधान के कार्यान्वयन में अंतर और अंतर–राज्यीय दोनों प्रकार के बदलाव बताए गए हैं। इस संदर्भ में, देश के 5 अलग–अलग क्षेत्रों में फैले चयनित 10 राज्यों में शिक्षा के अधिकार अधिनियम –2009 के तहत वंचित बच्चों की शिक्षा की नीति और प्रथाओं की समझ विकसित करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन किया जा रहा है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य हैं: क. नीति और प्रथाओं के संदर्भ में विभिन्न राज्यों में आरटीई अधिनियम के तहत आरक्षण प्रावधान के कार्यान्वयन की प्रकृति और सीमा का आकलन करना; ख. वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की श्रेणियों से संबंधित बच्चों और अभिभावकों के बीच आरक्षण के प्रावधानों के बारे में जागरूकता स्तर का पता लगाना; ग. स्कूल और कक्षा में विभिन्न सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि से बच्चों के समायोजन से संबंधित मुद्दों की जांच करना; घ. विभिन्न राज्यों के स्कूलों में आरक्षण प्रावधानों के कार्यान्वयन के बारे में नवीन प्रथाओं की पहचान करना; ङ. विभिन्न हितधारकों, अभिभावकों, बच्चों, शिक्षकों और शिक्षा अधिकारियों द्वारा आरटीई प्रावधानों के कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और बाधाओं की पहचान करनसा; तथा च. निजी स्कूलों में आरक्षण के आरटीई प्रावधान की योजना और कार्यान्वयन को प्रभावी बनाने के लिए उपयुक्त उपाय सुझाना।

उपरोक्त अनुसंधान परियोजना कार्यान्वयन के प्रारंभिक चरण में है, जिसमें विषय के अनुसंधान और विकास से संबंधित साहित्य की समीक्षा और अनुसंधान उपकरणों का विकास शामिल है। साहित्य समीक्षा के तहत, चयनित राज्यों के प्रोफाइल और राज्यों में आरटीई मानदंडों का अनुपालन, माध्यमिक आधिकारिक आंकड़ों के आधार पर तैयार किया जा रहा है। अध्ययन के तहत निर्धारित मानदंडों पर चुने गए 10 राज्य शामिल हैं: केरल, कर्नाटक, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात महाराष्ट्र, झारखंड, विहार और असम। इसके अलावा, आंकड़ा संग्रह के उपकरण के प्रारूप तैयारी के तहत हैं। निम्नलिखित उपकरणों की रूपरेखा तैयार किये हैं:–

- घरेलू सूचना अनुसूचियां
- स्कूल सूचना अनुसूची
- माता–पिता साक्षात्कार अनुसूचियां
- मुख्य अध्यापक और अन्य अध्यापकों के लिए अनुसूचियां
- वंचित समूह और कमजोर वर्गों के बच्चों के लिए अनुसूचीसूची
- उन बच्चों के माता–पिता और अन्य सामुदायिक सदस्यों के लिए अनुसूचियां
- स्कूल संचालन समितियों के सदस्यों के लिए अनुसूची
- विभिन्न स्तरों (क्लस्टर, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर) पर शिक्षा कर्मियों के लिए जांच सूची

दिल्ली और झारखंड स्थित विद्यालयों में प्रायोगिक क्षेत्रीय दौरे किए गए हैं जिसके दौरान, प्रारूप युक्तियों के अभ्यास के अलावा आरंभिक आंकड़ा संकलन के कार्य भी किए गए हैं। चयनित राज्यों के परामर्श से राज्य विशिष्ट क्षेत्रकार्य की योजनाएं तैयार की जा रही हैं। शोध परियोजना ऐसे चरण में है जब आगामी माह में शोध परियोजना स्टाफ की तैनाती कर गहन आंकड़ा संकलन का कार्य आरम्भ किया जाएगा।

15. भारत में उच्च शिक्षा सुधार की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः सुधार के सिद्धान्तों, नीतियों और संस्थानों पर तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य (1991–2012)

अन्वेषकः डा. मनीषा प्रियम

रिपोर्टः कनिष्ठ परियोजना सलाहकार की नियुक्ति के बाद, इस परियोजना को औपचारिक रूप से 20 जून, 2018 को शुरू किया गया। प्रस्तुत शोध में मैसूर विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय का उपयोग उच्च शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का अध्ययन हेतु तुलनात्मक पद्धति का उपयोग किया गया है। मैसूर विश्वविद्यालय और पटना विश्वविद्यालय, संदर्भ से परिचित होने के लिए, व्यक्तियों की एक सूची तैयार करना, प्रमुख साक्षात्कार कार्यक्रम तैयार करना, और प्रासंगिक माध्यमिक साहित्य और नीति दस्तावेजों की एक ग्रंथ सूची तैयार करने के

लिए मेरे (पी.आई.) द्वारा दोनों क्षेत्रों का दौरा किया गया।

मैंने निम्नलिखित के साथ साक्षात्कार पूरा कर लिया हैः

मैसूर विश्वविद्यालय :

मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा कॉलेज के प्रमुख पदाधिकारी जो विश्वविद्यालय की संस्थापना के लिए केन्द्रक संस्थान थे।

मैसूर विश्वविद्यालय और महाराजा कालेज के पूर्व शिक्षक और पूर्व छात्र।

मैंने मैसूर विश्वविद्यालय के आधिकारिक दस्तावेजों और मैसूर विश्वविद्यालय के इतिहास और कार्यप्रणाली पर कुछ प्रकाशन भी एकत्र किए हैं।

मैंने महाराजा कॉलेज में सामाजिक जाति श्रेणी नामांकन पर आंकड़े एकत्र किये हैं। इन आंकड़ों का विश्लेषण नामांकन की प्रकृति, यदि कोई हो, राज्य नीतिगत योजनाएं जो छात्र के अभिगम में समानता के मुद्दों का समर्थन करती हैं, को देखने के लिए किया जा रहा है।

साक्षात्कारों ने मुझे ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ जोड़ने में मदद की है जिसमें विश्वविद्यालय को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने में मैसूर राज्य के प्रयासों के एक हिस्से के रूप में स्थापित किया था, और एक ही समय में उपनिवेशवाद का मुकाबला किया। इसने मुझे कॉलेज में नींव, संकाय विशेषताओं, पूर्व छात्रों की विविधता और गतिविधियों के क्षण में प्रदान किए गए ज्ञान की प्रकृति को समझने में मदद की है।

प्रारंभिक क्षेत्र के काम से निम्नलिखित महत्वपूर्ण प्रतिबिंब सामने आएः

मैसूर विश्वविद्यालय पारंपरिक रूप से उदार कला और मानविकी का केंद्र रहा है, जबकि बैंगलोर विश्वविद्यालय विज्ञान में प्रवीण है।

विश्वविद्यालय की स्थापना में मैसूर के महाराजा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। यह महाराजा मुक्त विद्यालय के रूप में शुरू हुआ था, फिर महाराजा कॉलेज बन गया, और अब मैसूर विश्वविद्यालय का मानसा गंगोत्री परिसर है।

दर्शन, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, कन्नड़ साहित्य और ओरिएंटल लर्निंग (संस्कृत) केंद्र के विश्वविद्यालय संकायों को राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण ख्याति मिली है।

विश्वविद्यालय आज कन्नड़ माध्यम में विद्वानों के सीखने का केंद्र है।

विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों में पद्म पुरस्कार विजेता और ज्ञान पीठ पुरस्कार विजेता शामिल हैं।

मैंने प्रोफेसर शेख अली द्वारा लिखित और प्रसारंगा–विश्वविद्यालय प्रेस द्वारा प्रकाशित हिस्ट्री ऑफ द युनिवर्सिटी ऑफ मैसूर तथा प्रो. जानकी नायर द्वारा लिखित मैसूर मॉडर्न का अध्ययन किया है। इन पठनों के आधार पर और मैसूर के इतिहासकार पत्रकार इचनूर कुमार के साथ सूचनापरक साक्षात्कार के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर मैंने पुरातन सामग्री की संदर्भ ग्रंथ सूची का संकलन किया है।

मैसूर और बेंगलुरू मे ंक्या किया जाता है शेष है?

मैसूर विश्वविद्यालय में शासन और नीतिगत सुधार के बारे में नीति–निर्माताओं के साथ साक्षात्कार।

लैंकिग और सामाजिक जाति विविधता के आधार पर नामांकन, शिक्षक की नियुक्तियाँ और पदरिक्तियों के आंकड़े विश्वविद्यालय की वित्त व्यवस्था और मैसूर विश्वविद्यालय का संस्थानिक विविधीकरण संबंधी आंकड़ों का संकलन।

राजकीय पुरातत्व विभाग, बैंगलुरू से पुरातात्विक सामग्री का संकलन।

बैंगलुरू में मैसूर/कर्नाटक सरकार की पिछड़ा वर्ग आयोग के प्रतिवेदनों का अवलोकन।

विद्यार्थियों के साथ फोकस ग्रुप विमर्श, हॉस्टल सुविधाओं का निरीक्षण।

विश्वविद्यालय के नेतृत्व, कुलपति की भूमिका के साथ–साथ विश्वविद्यालय की मुख्य चुनौतियां तथा राज्यपाल की भूमिका के बारे में मुख्य सूचनादाता के साक्षात्कार।

पटना विश्वविद्यालय :

पटना के दो दौरे किए गए हैं। निर्वाचनों ने शिक्षकों की अन्तर्ग्रस्तता और उनके प्रशिक्षण और निर्वाचन के कारण कैम्पस बन्द होने के कारण 'संकाय स्टाफ' और सरकारी अधिकारियों के उपलब्ध नहीं रहने के कारण यहाँ पर्याप्त प्रगति करना कठिन हो गया। शहर में बाढ़ के कारण क्षेत्रकार्य में और अधिक देरी हो गई है। नवंबर, 2019 के आरम्भ में दीपावली और छठ पूजा के समापन के पश्चात दौरे किए जाएंगे।

फोकस ग्रुप चर्चा पटना कॉलेज और पटना विश्वविद्यालय के छात्रों/छात्राओं के साथ की गई है। इन्हें लिपिबद्ध किए जाने की आवश्यकता है।

मुख्य सूचनादाताओं आदि के साथ आगे की सभी साक्षात्कार के लिए साक्षात्कार कार्यक्रम की सूची तैयार कर ली गई है।

कार्य की रूपरेखाः– उच्चतर शिक्षा सुधार की राजनैतिक अर्थव्यवस्था संबंधी शोध परियोजना के लिए अनुसंधान सहायक।

अनुसंधान सहायक के लिए प्रस्तावित सहायता की प्रकृति निम्नवत है।

ग्रंथ सूची और पुरातात्विक/अभिलेखागार अनुसंधान सहायता– अनुसंधान सहायक नवंबर में क्षेत्र में भेजा जाएगा।

प्रमुख अधिकारियों के साक्षात्कार को लिपिबद्ध किया जाना प्रक्रियाधीन है।

फोकस ग्रुप चर्चा, लिपिबद्ध करना और आंकड़ों को कूटबद्ध करना है।

16. आर.टी.ई. के अंतर्गत समता का पुनर्मूल्यांकन : नीतिगत दृष्टिकाण और लोकप्रिय धारणाएं

अन्वेषकः डा. नरेश कुमार

यह अध्ययन दौरा किए गए स्कूलों/क्षेत्रों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करता है। अध्ययन में समुदाय के साथ मिलकर स्कूलों की कार्य प्रणाली के बारे में भी विस्तार से बताया गया है। अध्ययन बताता है कि सरकारी स्कूलों की विफलता का प्रमुख कारण 'सामाजिक भरोसे की कमी' है। निजी स्कूल प्रणाली, मुख्य रूप से एलबीएस ने यह महसूस किया है – और इसलिए वे इसका लाभ उठाने के लिए उपयोग कर रहे हैं। अध्ययन में निजी स्कूल प्रणाली को देखने का आग्रह किया गया है। अब तक, हम निजी स्कूल प्रणाली (विशेष रूप से एलबीएस) के खिलाफ बहस करते रहे हैं लेकिन हमने कभी इस प्रणाली को समझने की कोशिश नहीं की। यदि क्षेत्र में 10 एलबीएस हैं, तो क्षेत्र की अंतर्दृष्टि सूचित करती है – प्रत्येक स्कूल अलग–अलग गुणवत्ता का प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। प्रतियोगिता के कारण, प्रत्येक स्कूल बने रहने के मोड में चलता है, इसलिए, कुछ क्षेत्रों में विशेषज्ञता की कोशिश से माता–पिता को प्रभावित किया जाता है। अध्ययन से पता चलता है कि, बहुत हद तक, निजी स्कूल सरकारी स्कूलों की तुलना में माता–पिता के साथ एक करीबी संबंध स्थापित करने में सक्षम हैं। इस तरह, एलबीएस भारतीय इतिहास में अधिलक्षण के रूप में सामने आया है, जो एक जीवंत 'सार्वजनिक क्षेत्र' बना सकता है जहां विविध पृष्ठभूमि के बच्चे भाग लेते हैं। परियोजना की कार्यप्रणाली को कई क्षेत्रों की यात्राओं की आवश्यकता थी जो मैंने कठोर कार्यव्यस्तता के बाद पूरी की है। आंकड़ों में अंतराल को भरने के लिए हाल ही में अंतिम क्षेत्र का दौरा किया गया था। परियोजना का मसौदा रिपोर्ट तैयार है। रिपोर्ट मार्च के महीने में सौंपी जाएगी।

17. भारतीय उच्च शिक्षा संस्थाओं में स्वायत्तता

अन्वेषकः डा. नीरू स्नेही

- भारत में उच्चतर शिक्षा प्रणाली में सुधार लाने के लिए उच्चतर शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता एजेंडा का महत्वपूर्ण भाग बन गया है। स्वायत्तता देने का तात्पर्य ऐसा प्रतीत होता है जैसे कि स्वायत्तता हमारे समक्ष उत्पन्न होने वाली बहुत सी समस्याओं के लिए रामबाण हो। इस अध्ययन का उद्देश्य इसका पता लगाना था कि सामान्यतया भारत के उच्चतर शिक्षा संस्थानों में और विशेष रूप से अधि–स्नातक महाविद्यालयों में किस हद तक स्वायत्तता है; अधि–स्नातक स्तर की संस्थाओं को स्वायत्तता प्रदान करने में हितधारको की क्या भूमिका है और साथ ही संबद्धता प्राप्त महाविद्यालयों की तुलना स्वायत्तता प्राप्त संबद्ध महाविद्यालयों के कार्यकरण से करना भी इसका उद्देश्य है।
- इन उद्देश्यों के संदर्भ में पांच क्षेत्रों के दो विश्वविद्यालयों से संबद्ध चार/पांच महाविद्यालयों का सैम्पल चुना गया और वहाँ का दौरा किया गया। साक्षात्कार फोकस समूह चर्चा और राज्य के निश्वविद्यालयों से संबद्ध नमूना महाविद्यालयों से आंकड़ा संकलन का कार्य पूरा हो गया है। आंकड़ों की प्रविष्टि की जा रही है। शोध प्रश्नों और आंकड़ों के आधार पर रिपोर्ट को पाँच अध्ययनों में विभक्त किया गया है। इन अध्ययनों में सैद्धान्तिक ढ़ांच, विश्वविद्यालय अधिनियमों के

माध्यम से महाविद्यालयों को स्वायत्तता दिए जाने, स्वायत्तता और स्वायत्त महाविद्यालयों पर इसका प्रभाव और अन्य सांविधिक निकायों द्वारा स्वायत्तता विनियम और नियंत्रण का तुलनात्मक अध्ययन और एक अंतिम अध्याय। वर्तमान में, प्रारूप रिपोर्ट लेखन ओर प्रारूप प्रतिवेदन विश्लेषण को अंतिम रूप दिए जाने का कार्य जारी है। इस प्रतिवेदन को मार्च, 2020 तक अंतिम रूप दिए जाने की प्रत्याशा है।

18. स्कूल शिक्षा के भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का प्रायोगिक अध्ययन

अन्वेषकः श्री एनुगुला एन. रेड्डी

स्कूली शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली विकसित करने के प्रायोगिक परियोजना के दो उद्देश्य हैं। पहला– भू–स्थानिक सूचना प्रणाली स्कूल शिक्षा के विकास में विभिन्न राज्य सरकारों के अनुभवों की समीक्षा करना, स्कूलों के भू–स्थानिक आंकड़ों के संग्रह में और शैक्षिक योजना और निगरानी में उनका उपयोग करना। दूसरा उद्देश्य ब्लॉक स्तर पर स्कूली शिक्षा के लिए भू–स्थानिक सूचना प्रणाली का एक प्रोटोटाइप विकसित करना और स्थानीय स्तर पर शैक्षिक योजना में भू–स्थानिक आंकड़ों की पद्धति और अनुप्रयोगों का प्रदर्शन करना है। भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) वेबसाइटों पर जाकर और वेबसाइटों की सामग्री की जांच, और वेबसाइट पर विभिन्न उपकरणों की उपलब्धता की समीक्षा करके राज्य के अनुभवों की समीक्षा की जा रही है, जिनका उपयोग स्कूल स्थान और निगरानी के नियोजन में किया जा सकता है। इसके बाद शिक्षा के लिए जीआईएस विकसित करने और योजना और निगरानी के लिए उसी का उपयोग करने के लिए अपनाई जाने वाली परिपाटियों पर गहन चर्चा के लिए राज्यों का दौरा किया जाएगा। एक प्रोटोटाइप भौगोलिक सूचना प्रणाली विकसित करने के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

- भू–स्थानिक सूचना प्रणाली वेबसाइटें और वेबसाइटों की सामग्री की जांच, और वेबसाइट पर उपलब्धता और कार्यक्षमता के लिए विभिन्न उपकरण जो स्कूल स्थान की योजना बनाने और निगरानी में उपयोग किए जा सकते हैं। मसौदा समीक्षा रिपोर्ट तैयार की जाती है।
- भू–स्थानिक सूचना प्रणाली डेटा का उपयोग करके शिक्षक स्थानांतरण (हरियाणा) पर एल्गोरिथ्म पर एक पेपर तैयार किया गया है और यह विश्व विकास (एल्सेवियर) के सक्रिय विचार के तहत है।
- स्कूल और स्कूल स्थानों में अलगाव पर दो अध्याय प्रगति पर हैं।
- वर्ष 2019–20 की कोई प्रगति रिपोर्ट अन्वेषक द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई है।

19. प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए शैक्षिक प्रशासकों के वर्तमान की तुलना में भविष्यपरक कार्यों एवं भूमिकाओं की समलोचनात्मक जाँच करने हेतु गहन अध्ययन

अन्वेषकः प्रोफेसर बी.के. पांडा और डा. मोना सेदवाल

पृष्ठभूमि और समीक्षा

सभी स्तरों पर मानक संसाधन प्रबंध में सार्थक परिवर्तन आया है। संगठन अपने लोगों को प्रबंध और विकास को बहुत अधिक महत्व दे रहे हैं। ऐसा भी महसूस किया गया है कि न केवल शिक्षकों को तैयार करने की आवश्यकता है प्रत्युत निरंतर उन शैक्षणिक प्रशासकों का भी क्षमता निर्माण किए जाने की आवश्यकता है जिन पर शैक्षणिक संस्थानां को कुशल और सफल प्रबंधन का दायित्व है। देश के विभिन्न राज्यों में अनेक प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किए गए हैं। तथापि, उनमें से अधिकांश संस्थाओं में या तो सेवा–पूर्व या सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण पर बल दिया जाता है। इसके अलावा, व्यावसायिक विकास के लिए कोई ऐसे विशिष्ट कार्यक्रम नहीं हैं जिसे उन शैक्षणिक प्रशासकों के लाभार्थ बनाया गया हो जो कि जिला और अनुमंडल स्तर पर कार्य कर रहे हैं या सेवारत हैं। शैक्षणिक प्रशासकों के ये संवर्ग ज्यादातर मामलों में उपेक्षित रहते हैं और उन्हें चुनौतीपूर्ण नई नीति, सरकारी कार्यक्रम और परियोजनाओं की सम्हलाई के लिए अपने सर्वांगीण व्यावसायिक कौशल और अभिक्षमताओं के कोटि उन्नयन का अवसर नहीं प्राप्त हो पाता है। समुचित व्यावसायिक विकास कार्यक्रम उपलब्ध नहीं होने के परिणामस्वरूप शैक्षणिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कार्यक्रमों का कार्यान्वयन प्रभावित हुआ है।

शैक्षणिक प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण मॉडल पर बल

प्रशिक्षण संस्थानों में शैक्षणिक प्रशासकों को प्रशिक्षित करने की गुंजाइश नगण्य होने की वर्तमान स्थिति को देखते हुए राज्य, जिला और प्रखंड स्तर पर कार्यरत शैक्षणिक प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण फ्रेमवर्क बनाए जाने की आवश्यकता है ताकि उन्हें शिक्षा संबंधी विद्यमान नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में समय–समय पर जानकारी दी जा सके। यह फ्रेमवर्क सतत रूप से शैक्षणिक प्रशासकों क आवश्यकता को पूरा करने में समर्थ हो सकता है जिसमें संबंधित राज्यों में स्थापित मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थाओं के माध्यम से सम्यक् प्रभावी व्यावसायिक विकास कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। इनमें सेवा मे प्रवेश के समय और सेवावधि के मध्य में गुणवत्तापरक प्रशिक्षण कार्यक्रम उपलब्ध कराने के साथ साथ इसे व्यापक बनाने के लिए कतिपय मार्गदर्शी सिद्धान्तों को अपनाया जा सकता है।

इस संदर्भ में, शैक्षणिक प्रशासकों के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण फ्रेमवर्क बनाकर शैक्षणिक प्रशासकों की क्षमता विकसित करने का प्रस्ताव है। इस फ्रेमवर्क का अभिकल्प कतिपय मुद्दों को शामिल करने के लिए तैयार किया गया है। यथाः (अ) इन शैक्षणिक प्रशासकों के लिए किस प्रकार के प्रशिक्षण संस्थान बनाए जाने की आवश्यकता है। (ख) जिन शैक्षणिक प्रशासकों के संवर्ग को प्रशिक्षित किए जाने की आवश्यकता है उनकी पहचान करना। (ग) इन शैक्षणिक प्रशासकों के मध्य किस प्राकर की व्यावसायिक क्षमता और कौशल निर्माण किए जाने की आवश्यकता है, उनका अभिनिश्चय करना। (घ) विद्यमान प्रशिक्षण संस्थाओं की राष्ट्रीय स्तर एवं राज्य स्तर तक कोटि उन्नयन करना और उनके विकास हेतु योजना निर्माण।

अध्ययन का उद्देश्य

- शैक्षिक प्रशासकों को प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण के भविष्य के आयामों की पहचान करना;
- शैक्षिक प्रशासकों की क्षमता के निर्माण के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना;
- मौजूदा प्रशिक्षण सुविधाओं और ऐसे संस्थानों की क्षमताओं को समझना जो शैक्षिक प्रशासकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं;
- शैक्षिक और प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों के संदर्भ में शैक्षिक प्रशासकों के व्यावसायिक विकास के लिए एक मॉडल प्रशिक्षण ढांचा विकसित करना; तथा
- एक मॉडल कार्यक्रम विकसित करना जो संसाधनों की दृष्टि से प्रशिक्षण के कार्यान्वयन में स्थायी हो और लागत प्रभावी को बनाने और ई–लर्निंग विधियों के उपयोग की पहुँच व्यवहार्य हो।

प्रारंभिक भूमिका का निर्वाह करते हुए हमने शैक्षणिक प्रशासकों के तीन स्तर (व्यष्टि, मध्य और कनिष्ठ स्तर) पर भारत के राज्यों से प्रदत्त सूचना के आधार पर कार्य किया है ताकि यह समझा जा सके कि प्रत्येक श्रेणी से क्या प्रत्याशित है और इसके साथ–साथ शैक्षणिक प्रशासन की अभिप्राय और अर्थ संदर्भ के अधिगम के संदर्भ में एक दूसरी कोटि को समझना। इसके अलावा, साहित्य की समीक्षा भी की गई और पुनर्विलोकन से प्राप्त परिणाम पर विचार किया गया है। विमर्श को संयोजित कर और समीक्षा को आधार मानकर रिपोर्ट का प्रारंभिक प्रथम भाग तैयार किया गया है। इससे मुख्य रिपोर्ट की नींव बनेगी जिसे शीघ्र ही ऑन–लाइन साक्षात्कार और विमर्श में शामिल किया जाएगा। शैक्षणिक प्रशासकों के पसंद के क्षेत्र को भी समझने का प्रयास किया जाएगा। प्रशिक्षण की प्रकारता, प्रशिक्षण की प्रक्रिया, प्रशिक्षण प्रदाता और संधारणीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में भी समुपयुक्त रूप से विचार–विमर्श किया जाएगा। प्राथमिक प्रतिवेदन अगस्त, 2020 से पूर्व प्रस्तुति के लिए तैयार है।

20. राजस्थान के शैक्षिक रूप से और गैर–शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक में सामाजिक गतिशीलता और स्कूल प्रबंधन का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डा. मोना सेदवाल

शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई), 2009 ने राष्ट्र भर के स्कूलों में बच्चों को लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजस्थान में भी, आरटीई ने स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और जमीनी स्तर पर काम कर रहे अन्य शैक्षणिक संस्थानों पर प्रमुख जिम्मेदारियों को बढ़ावा देकर इसे एक वास्तविकता बना दिया है। इसी तर्ज पर, भारत सरकार ने शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक (ईबीबी) की पहचान की है जहाँ सभी के लिए शिक्षा को वास्तविकता बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं।

उपर्युक्त चर्चा से को ध्यान में रखते हुए, वर्तमान अध्ययन में स्कूल प्रबंधन में जाति की गतिशीलता के प्रकाश में एसएमसी की संरचना के प्रभाव की जांच करने का प्रस्ताव

है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 के अनुसार, राजस्थान में राज्य में अनुसूचित जाति की 59 श्रेणियां हैं। राजस्थान राज्य में 17 प्रतिशत अनुसूचित जाति और 13 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति शामिल हैं। 2011 की जनगणना के अनुसार, साक्षरता 53 प्रतिशत है।

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैंः–

- शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक और गैर–शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉक के गांवों में स्कूल प्रबंधन पर इसके सामाजिक संरचना, इसके संबंध और प्रभाव का आकलन करने के लिए।
- स्कूल प्रबंधन के कामकाज और स्कूल प्रबंधन के सदस्यों के रवैये और ईबीबी और गैर–ईबीबी में अनुसूचित जातियों के समुदायों से आने वाले बच्चों के प्रति मुख्याध्यापक के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
- ईबीबी और गैर ईबीबी में बीईओ, डीईओ, डायट और एसआईईआरटी द्वारा प्रदान किए गए शैक्षिक इनपुटों की मदद से एसडीपी को विकसित करने और इसे लागू करने में स्कूल प्रबंधन की भागीदारी का अध्ययन करना।
- यह अध्ययन करने के लिए कि ईबीबी और गैर–ईबीबी में एससी जनसंख्या के लिए गाँव स्तर पर स्कूल प्रबंधन की कार्यप्रणाली कितनी समावेशी है।
- सामग्री और कार्यप्रणाली के साथ–साथ एसएमसी के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रभाव का मूल्यांकन करने और ईबीबी और गैर–ईबीबी गांवों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अ.जा. सदस्यों की भागीदारी दर का आकलन करना।
- वार्षिक आईडेपा कार्यक्रम और कोविड महामारी के कारण अनुसंधान के लिए क्षेत्र का दौरा न होने से विलंबित है।
- अध्ययन की वर्तमान स्थितिः परिचय अध्याय के साथ–साथ अध्ययन के प्रारूप की रूपरेखा तैयार की गई है। शोध कार्य के लिए द्वितीयक आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।
- आंकड़ा संग्रहः क्षेत्र निष्पादन हेतु प्रश्नावली के रूप में अनुसंधान के लिए उपकरण विकसित किए गए हैं। एफजीडी और व्यक्तिगत साक्षात्कारों के आधार पर विशिष्ट प्रारूप में आंकड़े अभी तक एकत्र नहीं किये गये हैं।

21. भारत के शहरी मलिन बस्तियों के बच्चों की शैक्षिक भागीदारी का समालोचनात्मक मूल्यांकन

अन्वेषकः डा. सुनीता चुघ

- दस नमूना शहरों (दिल्ली, भुवनेश्वर, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, लुधियाना, रायपुर, लखनऊ, कानपुर और लुधियाना) की सभी छियालीस मलिन बस्तियों से आंकड़े एकत्र किये गये हैं।
- तीन प्रकार की प्रश्नावली के माध्यम से एकत्र की गई जानकारी के आंकड़ों की प्रविष्टि– झुग्गी बस्तियों की रूपरेखा से संबंधित प्रश्नावली–1 (10 शहरों से 50 मलीन बास्तिया), एकत्र की गई; बुनियादी जानकारी से संबंधित प्रश्नावली–2 (15 संकेतकों के साथ 26,630 प्रश्नावली), विस्तृत सामाजिक से संबंधित प्रश्नावली–3 जिसमें 6–14 वर्ष की आयु के बच्चों वाले परिवारों की आर्थिक, शैक्षिक विशेषताएं (232 संकेतकों के साथ 8849 प्रश्नावली); जिसमें स्कूल जाने वाले बच्चों की प्रोफाइल और ड्रॉप आउट बच्चों की प्रोफाइल शामिल है।
- घरों से एकत्रित सभी आंकड़ों की प्रविष्टि और डेटा क्लीनिंग फरवरी 2020 तक पूरी कर ली गई थी।
- माध्यमिक स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण पर आधारित रिपोर्ट जिसमें शहरों की जनसांख्यिकीय रूपरेखा, धार्मिक और सामाजिक संकेतकों पर जनसंख्या की संरचना शामिल है, 2001 और 2011 की जनगणना के आधार पर बच्चों की भागीदारी सम्मिलित की गई। मार्च 2020 तक तीन शहरों (कानपुर, लखनऊ और कोलकाता) के घरों से एकत्रित प्राथमिक आंकड़ों विश्लेषण पूरा किया गया है।
- सात शहरों (भोपाल, दिल्ली, लुधियाना, हैदराबाद, भुवनेश्वर, रायपुर, मुंबई) की अप्रैल से जून की रिपोर्ट के माध्यमिक और प्राथमिक आंकड़ों का विश्लेषण करके अंतिम रूप दिया गया और पूरा किया गया। प्रस्तुत करने के लिए रिपोर्ट की प्रतिलिपि संपादन प्रगति पर है।

22. भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव

अन्वेषकः डा. संगीता अंगोम

पुस्तकालय शिक्षकों, शोधकर्ताओं, छात्रों के साथ–साथ जनता के लिए सीखने का बहुत महत्वपूर्ण स्रोत है। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अधिकांश पुस्तकालय छात्रों और शिक्षकों के लिए हैं, लेकिन कुछ विश्वविद्यालयों के पुस्तकालय जनता के लिए भी खुले हैं। दुनिया के उन्नत देशों की तुलना में भारत में महाविद्यालयों, कॉलेज पुस्तकालयों और कॉलेज पुस्तकालयाध्यक्षों की स्थिति खराब है। अधिकांश कॉलेजों में पुस्तकालय की उचित सुविधाएँ नहीं हैं और जहाँ भी पुस्तकालय उपलब्ध हैं, वहाँ ठीक से प्रशिक्षित जनशक्ति द्वारा प्रबंधित पुस्तकालय नहीं है। इस समस्या के कई कारण हैं जिनमें बजट, स्थान, संसाधन, जनशक्ति, राष्ट्रीय नीतियों की कमी और मानक शामिल हैं। कॉलेज के पुस्तकालय छात्रों के समग्र विकास में उन्हें सुविज्ञ व्यक्ति में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कॉलेज पुस्तकालय उनके पढ़ने के कौशल, जानकारियां प्राप्त करना और संसाधनों के बारे में ज्ञान में सुधार में मददगार है। हालांकि, कॉलेज पुस्तकालयों की स्थितियों के बारे में थोड़ा अनुभवजन्य आंकड़ा है कि इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल संसाधनों को अंडरग्रेजुएट्स द्वारा ध्यान में रखते हुए उपयोग किया जा रहा है और भारत के अधिकांश कॉलेजों ने अपने पुस्तकालय संसाधनों का पूर्ण रूप से डिजिटलीकरण नहीं किया है।

साहित्य समीक्षा से स्पष्ट होता है कि महाविद्यालयों के पुस्तकालय में अकादमिक पुस्तकालयों या इनके सुविधाओं के उपयोग पर काफी अध्ययन किए गए हैं। लेकिन अधिकांश अध्ययन एक विशेष राज्य तक ही सीमित थे और उच्च शिक्षा संस्थानों विशेषकर स्नातक महाविद्यालयों के पुस्तकालय सुविधाओं पर राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई अध्ययन किया गया हो। वर्तमान अध्ययन दो विशिष्ट उद्देश्यों के साथ प्रस्तावित हैः i) पुस्तकालय सुविधाओं से संबंधित एनएएसी मापदंडों को ध्यान में रखते हुए भारतीय महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करना; पप) उपयोगकर्ता (छात्र) के शैक्षणिक प्रदर्शन पर कॉलेज पुस्तकालय के प्रभाव का आकलन करना।

अध्ययन के उद्देश्य

- पुस्तकालय निर्माण, कुल संग्रह और अन्य सुविधाओं के संदर्भ में महाविद्यालयों द्वारा उपलब्ध कराई गई पुस्तककालय सुविधाओं की जांच करना।
- कॉलेज पुस्तकालय पर वित्त आवंटन का पता लगाना
- पुस्तकालयाध्यक्ष की योग्यता और काम करने की स्थिति (जैसे शिक्षा और प्रशिक्षण, काम करने का माहौल, अधिकार, अवकाश, वेतन आदि) का पता लगाना
- महाविद्यालयों में पुस्तकालय संसाधनों के उपयोग की सीमा की जांच करना
- यह पता लगाना कि शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए एनएएसी मापदंडों के अनुसार कॉलेज पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं के लिए अपनी सेवाओं का प्रबंधन या विस्तार कर रहे हैं या नहीं
- पुस्तकालयों की स्थिति और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव का पता लगाना
- पुस्तकालय में उनकी व्यस्तताओं के संबंध में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का पता लगाना
- महाविद्यालयों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का पता लगाना, उपयोगकर्ताओं की सुविधाओं, वित्त आपूर्ति और सेवाओं के प्रबंधन और सुधार के उपायों की पेशकश करना।

शोध पद्धतिः

यह अध्ययन एक सर्वेक्षण शोध होगा। जिसका उपागम विश्लेषणात्मक होगा। अध्ययन में भारत के सभी अधि–स्नातक जनरल डिग्री कॉलेज शामिल होंगे। वर्तमान अध्ययन में देश के पाँच प्रदेश– पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और उत्तर–पूर्व क्षेत्र के 20 राज्यों को शामिल किया जाएगा। प्रत्येक नमूना राज्यों से 10 कॉलेज का चयन नमूना राज्यों से यादृच्छिक रूप से किया जाएगा। सरकारी और निजी दोनों महाविद्यालयों का चयन किया जाएगा। इस अध्ययन के लिए द्वितीयक और प्राथमिक दोनों आंकड़ों का उपयोग किया जाएगाः (1) निर्मित साधन यथा प्रश्नावली और महाविद्यालय प्रशासकों, पुस्तकालयाध्यक्षों/पुस्तकालय प्रभारी, अध्यापकों और विद्यार्थियों से साक्षात्कार कार्यक्रम आदि के माध्यम से प्राथमिक आंकड़े संकलित किए जाएंगे। और (2) द्वितीयक आंकड़े महाविद्यालय के दस्तावेजों से संकलित किए जाएंगे।

अब तक फरवरी और मार्च, 2020 के दौरान प्रायोगिक अध्ययन किया गया। प्रायोगिक अध्ययन के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध चार महाविद्यालयों का चयन

नमूना महाविद्यालय के रूप में किया गया। केवल तीन महाविद्यालयों के कुछेक विद्यार्थियों और शिक्षकों से ही चर्चा और बैठक संभव हो पाया था। प्रायोगिक अध्ययन के दौरान निर्मित साधन (विद्यार्थी, शिक्षक, पुस्तकालयाध्यक्ष और प्राचार्य) का परीक्षण किया गया और तदनुसार मौलिक साधनों की समीक्षा की जा रही है। नमूना महाविद्यालयों से आंकड़े संकलित करने के लिए फील्ड सर्वे (क्षेत्र–सर्वेक्षण) मार्च के अंत से मई, 2020 तक किया जाना निर्धारित था। तथापि, वर्तमान महामारी के कारण स्थिति में सुधार होने तक इसे स्थगित कर दिया गया है।

वर्तमान में, प्रायोगिक अध्ययन के दौरान संकलित आंकड़े का एसपीएसएस का प्रयोग कर विश्लेषण किया जा रहा है। सर्वाधिक महाविद्यालय के प्राचार्यों और पुस्तकालयाध्यक्षों से प्रश्नावली प्राप्त करने के लिए नमूना महाविद्यालयों को ईमेल भेजने की भी योजना है।

23. भारत में शिक्षक शिक्षा का अभिशासन, अधिनियम और गुणवत्ता आश्वासन

अन्वेषकः प्रो. प्रणति पांडा

गुणवत्तापूर्ण अध्यापकों और गुणवत्तापरक शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों को सुनिश्चित करना दशकों से मूलभूत राष्ट्रीय चिंताओं के रूप में जारी है। सामान्य रूप से शिक्षक शिक्षा क्षेत्र में कार्यक्रम/पाठ्यक्रमों की अवधि, पाठ्यक्रम संरचना, निजी प्रदाताओं के प्रभुत्व, आदि के संदर्भ में परिवर्तन देखा जा रहा है, जबकि उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षक शिक्षा को प्रभावी और सक्षम शिक्षक तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, यह शिक्षक को एक पेशेवर के रूप में विकसित करने के लिए नींव है।

उच्च–गुणवत्ता वाले शिक्षकों की मांग को उच्च–गुणवत्ता वाले शिक्षक शिक्षा के बिना पूरा नहीं किया जा सकता है। पढ़ाने के लिए अपर्याप्त तैयारी, शिक्षण प्रभावशीलता, शिक्षक की उपस्थिति दर और स्कूल कॉलेजिएट का छात्र की उपलब्धि के परिणामों पर प्रभाव पड़ता है।

शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन की आवश्यकता भारतीय शिक्षक शिक्षा के क्षेत्र में सबसे कमजोर क्षेत्र के रूप में बनी हुई है। प्रमुख चुनौती यह है कि 'शिक्षक शिक्षा की गुणवत्ता को कैसे सुनिश्चित किया जा सके। जिससे गुणवत्तापूर्ण संस्कृति और प्रत्येक संस्थान के बेहतर प्रदर्शन को बढ़ावा मिले?' वर्ष 2019–20 के दौरान कोई प्रगति रिपोर्ट अन्वेषक द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई है।

24. हरियाणा राज्य के गुड़गांव जिले में जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) कार्यालय में निर्णय लेने की प्रक्रियाः एक प्रायोगिक अध्ययन

अन्वेषकः प्रो. विनीता सिरोही

परियोजना सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के बाद 31 अप्रैल, 2019 से 31 जुलाई, 2020 की अवधि के लिए अस्थायी रूप से निलंबित रही। परियोजना को दिनांक 01 अगस्त, 2020 से पुनः आरंभ कर दिया गया है।

25. भारत की उच्चतर शिक्षा में अनियत अधिगम मार्ग की योजना

प्रधान अन्वेषकः डा. गरिमा मलिक

यूनेस्को के इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर एजुकेशनल प्लानिंग (आईआईईपी) में उच्चतर शिक्षा में लचीला अधिगम मार्ग (एफएलपी) के बारे में एक शोध परियोजना आरम्भ किया है। यह विषय वर्ष 2030 के शिक्षा एजेंडा में संधारणीय विकास लक्ष्य (एसडीजी) 4 का आवश्यक संघटक है। यह परियोजना आईआईईपी, पेरिस द्वारा शुरू की गई है।

चूँकि उच्चतर शिक्षा प्रणालियाँ तेजी से पल्लवित हो रही है और संस्थाओं, प्रदायगी के प्रकार और विद्यार्थियों की पृष्ठभूमि के मामले में इनका और अधिक विविधीकरण हो रहा है। संधारणीय विकास लक्ष्य–4 में लचीला अधिगम मार्ग पर अधिक बल दिया गया है जिसमें विद्यार्थियों को वैकल्पिक प्रवेश प्रणालियों के माध्यम से प्रवेश पाने की अनुमति के साथ–साथ उपबंध के प्रकारों को अंतरित करने तथा क्रेडिट संकलित करने का भी प्रावधान है।

इस नए आईआईईपी शोध परियोजना का सर्वोत्तम लक्ष्य भावी सुधार के रूप में लचीला अधिगम मार्ग को सुदृढ़ करना था। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु इस शोध परियोजना में मुख्यतः दो कार्य किए गएः– (1) विद्यमान नीतिगत फ्रेमवर्क और साधनों के बारे में साक्ष्य संकलन के लिए यूनेस्को के सभी सदस्य देशों में उच्चतर शिक्षा मंत्रियों को संबोधित अन्तरराष्ट्रीय सर्वेक्षण किया गया और (2) उच्चर शिक्षा के क्षेत्र में लचीला अधिगम मार्ग विकसित करने की प्रक्रिया अपनाने वाले देशों से गहन केस अध्ययन किया गया। लचीला अधिगम मार्ग के सहायक साधन होंगेः राष्ट्रीय अर्हता फ्रेमवर्क, गुणवत्ता आश्वासन, प्रायिक अधिगम की मान्यता/विधिमान्यकरण,

क्रेडिट संग्रहण और अंतरण प्रणालियाँ तथा सूचना और मार्गदर्शन सेवा/देश के केस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य इस बात का विश्लेषण करना था कि नीतियों और संसाधनों, व युक्तियों का उच्चतर शिक्षा संस्थानों के यथार्थस्वरूप पर किस प्रकार प्रभाव पड़ता है:

पहला शोध पद्धति सेमिनार 17–19 जून, 2019 को आईआईईपी पेरिस में आयोजित किया गया और 7 देशों (भारत सहित) के 13 प्रतिनिधियों ने सेमिनार में भाग लिया। इस परियोजना के लिए दूसरा शोध पद्धति सेमिनार प्रारूप प्रतिवेदनों पर विमर्श करने के लिए समकक्षीय–समीक्षा बैठक के लिए 4–5 जून 2020 को होना निर्धारित था किन्तु कोविड.–19 महामारी के कारण इसे तब जून, 2020 में ऑन–लाइन आयोजित किया गया था। राष्ट्रीय स्तर के लिए आंकड़ा संकलन का कार्य पूरा हो गया है और केस अध्ययन वाली संस्थाएँ– आईआईटी दिल्ली और भरथियार यूनिवर्सिटी के भी आंकड़ संकलित हो चुके हैं। आईआईईपी द्वारा सभी 8 देशों के दल सहित 8 वेबिनार की सीरीज जून 2020 में आयोजित की गई और सभी शोध दल कर्मियों ने इसमें हिस्सा लिया। 19 जून को इंडिया केस स्टडी की प्रस्तुति हुई जिसके बाद यू.के. की रिसर्च टीम ने समकक्षीय समीक्षात्मक टिप्पणियां की। भारत के यू.के. की रिपोर्ट की समकक्षीय समीक्षा की और 23 जून के वेबिनार में टिप्पणियाँ प्रस्तुत की गई। अंतिम रिपोर्ट 31 जुलाई को आईआईईपीको सौपा जाना है।

26. छोटे विद्यालयों के लिए नेतृत्व संरचना, पद्धति और मॉडलः चुनौतियां और क्रमिक विकास

अन्वेषकः डा. कश्यपी अवस्थी

इस परियोजना को आई.यू.सी.टी.ई. शिक्षा विभाग, महाराजा सायाजीराव गायकवाड यूनिवर्सिटी, बड़ौदा द्वारा निधि पोषित किया गया है।

शोध प्रश्न हैं:

- छोटे विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों की क्या संदर्भगत आवश्यकताएं हैं और उनके समक्ष किस प्रकार की चुनौतियां हैं?
- छोटे विद्यालयों के लिए नेतृत्व संरचना, सहभागिता की प्रक्रिया और पद्धति क्या है?
- क्षेत्र से नेतृत्व के कौन से नए सिद्धांत या मॉडल उभरकर सामने आते हैं।

परियोजना में प्रत्यक्षवादी और निर्वचनात्मक उपागम अपनाया जाता है जिनमें छोटे विद्यालयों में नेतृत्व की आवश्यकता और चुनौतियों को समझने तथा नेतृत्व संरचनाओं, प्रक्रिया और पद्धति, यदि कोई हो के अध्ययन हेतु चरण–1 में सर्वेक्षण अभिकल्प का प्रयोग किया जाता है। चरण–2 का डिजाइन नेतृत्व प्रक्रियाओं और भागीदारी की पद्धति तथा स्कूल–रूप परिवर्तन में इनकी प्रभाविता के बारे में बेहतर सूझबूझ प्राप्त करने के लिए मामला अध्ययन विधि का प्रयोग किया गया। गुजरात को प्रतिदर्श राज्य के रूप में चुना गया और यू–डाईस से आंकड़ों का प्रयोग करते हुए दो जिले अर्थात् छोटा–उदयपुर और कच्छ को प्रतिदर्श जिले के रूप में चुना गया और आगे जिला प्राधिकारियों के परामर्श से प्रत्येक जिले के दो प्रखंडों छाटा उदयपुर से सनखेड़ा और नसवाड़ी तथा कच्छ से भुज और लखपत प्रखंडों को चुना गया। चूँकि, तीसरा शोध प्रश्न छोटे विद्यालयों के लिए शोध मॉडल के उद्र विकास से संबंधित है, छोटे विद्यालयों के चयन में वांछित संकेतक था। गुणोत्सव में शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक कार्य निष्पादन पर भी विचार करते हुए प्राथमिक, उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यालयों का चयन किया गया और माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के विद्यालयों के चयन में बोर्ड में उत्तीर्ण होने के प्रतिशत पर विचार किया गया।

दोनों जिले से आंकड़े संकलन का कार्य पूरा हो गया है और विश्लेषण हेतु परिमाणात्मक सूचना एक्सेल में संकलित की जाती है जबकि विद्यालय के प्रमुखों के साथ साक्षात्कार के रिकार्ड विषयवस्तु विश्लेषण के लिए लिपिबद्ध किए जाते हैं। शोध की समस्या, संबंधित साहित्य और शोध पद्धति की समीक्षा की संकल्पना संबंधी अध्याय का पहला प्रारूप तैयार कर लिया गया है। आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है और रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में और दो महीने का समय लगेगा। रिपोर्ट सितम्बर, 2020 तक प्रस्तुत हो जाएगी।

27. स्कूल प्रबंध समितियांः भारत में शिक्षा के क्षेत्र में मुक्त सरकार की दिशा में बढ़ने का प्रयास

प्रधान अन्वेषकः डा. सुनीता चुघ

निम्नांकित खण्ड पूरे हो गए हैंः

- वर्तमान अध्ययन के लिए फ्रेमवर्क
- वर्तमान अध्ययन के लिए अपनाई गई विधि
- शिक्षा के शोध में सामुदायिक भागीदारीः मुक्त शिक्षा की दिशा में प्रक्षेपण पथ

भारतीय शिक्षा में मुक्त सरकार की पहल में समुदाय और इसकी सहभागिता का आरम्भ शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 का विकेन्द्रीकरण और स्कूल प्रबंध समितियाँः भारत में मुक्त शिक्षा।

28. गैर–शैक्षणिक कार्यकलाप में अध्यापकों की अंतर्ग्रस्तता और शिक्षा पर इसका प्रभावः निर्वाचन और निर्वाचन से संबद्ध–कर्त्तव्य के निर्वहन में अध्यापकों द्वारा व्यतीत किए गए समय का एक अखिल भारतीय अध्ययन

अन्वेषकः डा. संगीता अंगोम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नीपा से आग्रह किया कि सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से अध्यापकों द्वारा निर्वाचन और निर्वाचन से संबद्ध ड्यूटी के निर्वहन मे व्यतीत समय के यथार्थ आंकड़े प्राप्त करने के लिए एक अध्ययन कराया जाए। इसलिए मा.सं.वि. मंत्रालय को प्रारूप प्रस्ताव भेजा गया और परवर्तीकाल में मा.सं.वि. मंत्रालय से प्राप्त टिप्पणियों के अनुसार इसमें संशोधन किया गया। 12 अप्रैल, 2019 को नीपा के बजट सहित संशोधित प्रस्ताव के अनुमोदन संबंधी मा.सं.वि. मंत्रालय से एक पत्र प्राप्त हुआ।

नीपा ने प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से 2 जिलों का चयन कर यह अध्ययन आरंभ किया। इस प्रकार नमूना 69 जिलों में चयनित सरकारी विद्यालयों में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर शिक्षण कार्य कर रहे सभी शिक्षक शामिल हैं। यू–डाईस आंकड़ों का प्रयोग करते हुए प्रत्येक जिले से प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर से 10 विद्यालयों का चयन किया गया। शिक्षणेतर कार्यकलाप/गतिविधियों पर अध्यापकों द्वारा व्यतीत समय से संबंधित जानकारी एकत्र करने के लिए विशेषज्ञों के परामर्श से अध्यापकों, प्रधानाध्यापकों और जिला शिक्षा अधिकारियों के लिए एक पृथक प्रश्नावली तैयार की गई। क्षेत्रीय दौरों के क्रम शिक्षकों और प्रशासकों से बातचीत व संवाद के लिए भी प्रश्न तैयार किए गए।

राज्यों से अनुरोध किया गया है कि अध्ययन और परिबोधन कार्यशाला में भाग लेने के लिए वे चयनित जिले से जिला शिक्षा अधिकारियों को मनोनीत करें। परिबोधान कार्यशालाओं का आयोजन वर्ष 2019 में 08 और 10 मई को किया गया जिसमें 30 जिला शिक्षा अधिकारियों ने भाग लिया। उन्हें संबंधित गतिविधियों के बारे में बताया गया। प्रश्नावली पर भी विस्तार से चर्चा हुई और कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को प्रश्नावली का एक सेट सौंपा गया।

संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों को मिलाकर एक शोध सलाहकार समिति बनाई गई और शोध सलाहकार समिति की बैठक 23 मई, 2019 को हुई। बैठक का कार्यवाही सारांश मा.सं.वि. मंत्रालय को भेजा गया।

शिक्षणेत्तर गतिविधियों में अध्यापकों की अंतग्रस्तता के बारे में शिक्षकों और प्रशासकों के अवबोध का अध्ययन करने के लिए उनसे संवाद हेतु उत्तराखण्ड और तमिलनाडु राज्यों के क्षेत्रीय दौरे भी किए गए। इस अध्ययन का एक अधिदेश अध्यापकों के शिक्षणेतर कार्यकलाप/गतिविधियों में शामिल होने के परिणामस्वरूप विद्यालयों में शिक्षण अधिगम पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में भी जानकारी प्राप्त करना था। संस्थागतय स्तर और जिला स्तर पर शिक्षकों और शैक्षणिक प्रशासकों से बातचीत व संवाद से पता चला कि शिक्षणेतर कार्यकलाप विशेषरूप से मतदान केन्द्र स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) की ड्यूटी में अध्यापकों को शामिल किए जाने का शिक्षण अधिगम पर दुष्प्रभाव पड़ता है। विभिन्न प्रकार की ड्यूटी समस्याओं ओर चुनौतियों का सामना करने के बाद विद्यालय के शिक्षक इस प्रकार की ड्यूटी करने के पक्ष में नहीं हैं क्योंकि इससे बहुत अधिक शिक्षण समय नष्ट होता है और वे अपने मुख्य कार्य जिसके लिए उनकी नियुक्ति हुई है, उस पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते हैं। इसप्रकार की ड्यूटी में उनके शामिल किए जाने के परिणामस्वरूप उन्हें अपने पाठ की योजना बनाने और इसे तैयार करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाता है क्योंकि विद्यालय के कार्यघंटों के बाद कार्य करने से उन्हें थकान महसूस होता है और वे शिक्षणकार्य पर ध्यान केन्द्रित नहीं कर पाते हैं

जिसके परिणामस्वरूप शिक्षण अधिगम अनुभव की गुणवत्ता अच्छी नहीं हो पी है। इस तरह की परिस्थिति में विद्यार्थियों के शैक्षणिक कार्य निष्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

29. हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और मध्य प्रदेश में बालिकाओं की शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन

अन्वेषकः डा. मधुमिता बंध्योपाध्याय

परियोजना का शुभारम्भ हो गया है और प्राथमिक आंकड़े संकलन के लिए तैयार किए जा रहे हैं। इस समय परियोजना से संबंधित लिखित साहित्य की समीक्षा का कार्य चल रहा है। साथ ही, विभिन्न रिपोर्टों से द्वितीयक आंकड़े भी संकलित किए जा रहे हैं।

द्वितीयक आंकड़ों के आधार पर ''महिलाओं की शिक्षा और विकास'' के बारे में संयुक्त रूप से एक पत्र तैयार किया गया है और इसे पुस्तक के अध्याय के रूप में प्रकाशनार्थ भेजा जा रहा है। 28 जून, 2020 को एक वेबिनार का आयोजन किया गया ताकि क्षेत्रीय स्तर के अधिकारियों, चयनित विद्यालय के प्रधानाध्यापकगण और अध्यापकों से परामर्श कर इस बात को समझा जाए कि वे विभिन्न राज्यों में बालिओं समेत बच्चों की अधिगम संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं। इस वेबिनार में सभी परियोजना कर्मचारीगण के साथ–साथ परियोजना प्रभारी शामिल थे। इस वेबिनार से संचालित परियोजना से संबंद्ध जानकारी प्राप्त करने में भी सहायता मिली। वेबिनार में हुई चर्चा के आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की जा रही है।

30. भारत में उच्चतर शिक्षा का अनुदेशात्मक अभिकल्पः प्रस्थिति, समीक्षा, चुनौतियाँ और सिफारिश

अन्वेषकः प्रो. के. श्रीनिवास

किसी भी रूप में (सरल से जटिल) आईसीटी के अनुप्रयोग का प्रभाव शिक्षा प्रदायगी के तीनों प्रकारों– औपचारिक अथवा अति संरचनाबद्ध पारम्परिक विधि, अनौपचारिक अथवा मुक्त संरचनाबद्ध और लचीली पद्धति एवं अनौपचारिक जो पूर्णतः बिना किसी संरचना के हैं, पर पड़ता है। नए युग का अधिगमकर्त्ता जिसके पास इंटरनेट प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर जैसी युक्तियां व संसाधन उपलब्ध हैं, वह शिक्षण के किसी एक माध्यम पर निर्भर नहीं रहता है। फ्लिप्ड कक्षाएँ और अधिगम के अन्य प्लेटफॉर्म यथा खान एकेडमी, मूक, ओईआर इत्यादि की उपलब्धता होने के कारण अधिगमकर्त्ता एक पद्धथ्त से दूसरी पद्धति में अन्तरित हो जाते हैं या पद्धति से परे चले जाते हैं। औद्योगिक समाज से डिजीटल समाज का रूपान्तरण और शिक्षा का बढ़ता हुआ अंतरराष्ट्रीयकरण, अधिगमकर्त्ताओं का वैश्वीकरण और उनका संचालन कही भी किसी भी समय अधिगम और कार्यकरण की आवश्यकता को जन्म दिया है। डिजीटल सोसायटी का शिक्षा शास्त्र सहयोगात्मक और रचनात्मक स्वरूप का है जिसमें मूलतः अधिगमकत्ताओं को ज्ञान के सृजन के रूप में रूपांतरित करने पर बल दिया गया है।

किसी प्रभावी अधिगम अभिकल्प में संज्ञानात्मक और भावात्मक दोनों अधिगम परिणामों पर विचार करने के साथ–साथ अधिगम में शामिल होने पर अधिगमकर्त्ता के भावात्मक अवस्था पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। कोर्स डिजाइन करने के निर्णय में सहयोगी व व्यष्टिगत अधिगम परिवेश बनाकर सामाजिक अधिगम अभिकल्प के विभिन्न उपागमों को भी शामिल किया जाना चाहिए।

यह मुख्यतः एक सर्वेक्षण अभिकल्प उपागम अध्ययन होगा। सर्वेक्षण शोध एक परिणामात्मक और गुणात्मक पद्धति है जिसकी दो प्रमुख विशेषताएं हैं पहला स्व–प्रतिवेदन के माध्यम से अभिरूचि के परिवर्त्य का मापन होता है। सार रूप में, सर्वेक्षण शोध में अपने प्रतिभागियों से अपने विचार, भावनाएँ और व्यवहार को प्रत्यक्षरूप से प्रस्तुत करने के लिए कहा जाता है। (सर्वेक्षण शोध में प्रतिभागियों को प्रायः प्रत्यर्थी कहा जाता है। दूसरा प्रतिदर्श निर्माण के मुद्दे पर पर्याप्त ध्यान दिया जाता है। विशेषरूप से सर्वेक्षण शोध कर्त्ता गुरूतर यादृच्छिक प्रतिदर्श को अधिक प्राथमिकता देते हैं क्योंकि इनसे जनसंख की यथार्थ स्थिति के संबंध में सर्वाधिक सटीक आकलन हो पाता है।

उच्चतर शिक्षा प्रणाली और अनुदेशनात्मक अभिकल्प के बारे में साहित्य सामग्री की समीक्षा का कार्य पूरा हो गया है और सर्वेक्षण के साधन और इसकी विश्वसनीयता/ विधिमान्यता का अभिकल्प तैयार करने का भी कार्य सम्पन्न हो चुका है।

कोविड–19 की समस्या के कारण, ऑनलाइन सर्वेक्षण मंच बनाया गया है और आंकड़ा संकलन के निमित्त इसे उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ साझा किया गया है।

4

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

VOCATIONAL EDUCATION
VOCATIONAL EDUCATION
VOCATIONAL EDUCATION
MORAL EDUCATION

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

ज्ञान और सूचना की साझेदारी

संस्थान ने शैक्षिक नीतियों, योजना और प्रबंधन से संबंधित मौजूदा और नवीनतम ज्ञान को सुलभ बनाने के लिए श्रृंखलाबद्ध कार्य आरंभ किए हैं। संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन के क्षेत्र में ज्ञान और सूचना प्रलेखन और प्रसारण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता रहा है। पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र द्वारा वर्ष 2019–20 में की गई प्रमुख गतिविधियां निम्नलिखित हैं :

पुस्तकालय और प्रलेखन सेवाएं

संस्थान का पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र संस्थान के संकाय और स्टाफ सदस्यों, देश–विदेश के शोधकर्ताओं, विश्वविद्यालय के एम.फिल. तथा पी.एच.डी. के विद्यार्थियों, नीपा द्वारा आयोजित विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रतिभागियों और अतिथि संकाय सदस्यों तथा पाठकों की सूचना संबंधी जरुरतों को पूरा करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन एवं अधिगम केंद्र के रूप में कार्य करता रहा है। पुस्तकालय, संस्थान के अध्यापन, अधिगम और शोध में सहयोग के लिए आधुनिक अध्यापन– अधिगम सामग्री, कंप्यूटर तथा इलेक्ट्रानिक सुविधाएं जैसे– वाई–फाई से सुसज्जित है।

पिछले छह–सात वर्षों के अन्तर्गत पुस्तकालय ने अपनी संग्रह नीति में व्यापक परिवर्तन किया है। पुस्तकालय लगभग 80 प्रतिशत जर्नल मुद्रित और ऑनलाईन स्वरूप में मंगाता है। हालांकि, पुस्तकों को मुद्रित रूप में ही प्राथमिकता दी जाती है।

पाठकों की सुविधा के लिए पुस्तकों तथा अन्य सामग्री के संपूर्ण संग्रह को चार प्रमुख अनुभागों– सामान्य, संदर्भ, श्रृंखला, और क्षेत्र अध्ययन संग्रह में वर्गीकृत किया गया है। समीक्षित काल में पुस्तकालय में 205 नई पुस्तकों/दस्तावेजों का संग्रह किया गया। वर्तमान वर्ष में पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र के पास संयुक्त राष्ट्र, युनेस्को, ओ.ई.सी.डी, आई.एल.ओ., यूनिसेफ, विश्व बैक आदि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों और सम्मेलनों की रिपोर्टों इत्यादि के अलावा 62,890 पुस्तकों और दस्तावेजों का संग्रह है। समीक्षाधीन वर्ष 2019–20 में पुस्तकालय ने शैक्षिक योजना, प्रशासन, प्रबंधन तथा इससे संबंधित विषयों पर 216 राष्ट्रीय तथा अतंर्राष्ट्रीय जर्नल एवम् 16 पत्रिकाएं मंगाईं। इन पत्र–पत्रिकाओं से 2,792 प्रमुख आलेखों का सूचीकरण किया गया। नीपा ने चार आनलाईन जर्नल डाटाबेस एलसेवियर सेज, एमेराल्ड, डाटाबेस तथा जे.स्टोर खरीदे। इसके अतिरिक्त ई.पी.डब्ल्यू.आर.एफ. से एक सांख्यिकी आंकड़ा आधार ई.पी.डब्ल्यू.आर.एफ. भारत समय श्रृंखला खरीदी। पुस्तकालय के पास 523 सेज शिक्षा सामग्री ई–बुक का संग्रह है। नीपा पुस्तकालय में मल्टीमीडिया केंद्र है। वीडियो कैसेट, ऑडियो कैसेट, फिल्म, माइक्रोफिल्म, माइक्रोचिप्स और सी.डी. के रूप में गैर–मुद्रित सामग्री उपलब्ध है।

नीपा पुस्तकालय ने नई आनलाइन सूचना सेवाएँ जैसे कि– ''न्यूज फ्लैश'', 'नीपा इन द प्रेस', एस.डी.आई. (नीपा संकाय के अकादमिक कार्य का प्रसार) तथा 'न्यू अराईवल' प्रारम्भ किया है। पुस्तकालय ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की ग्रन्थ सूची तैयार की है। उपभोक्ताओं को संदर्भ सामग्री, आलेखों, रिपोर्टों इत्यादि के लिये फोटोग्राफी सेवाएँ प्रदान की गई हैं।

नीपा पुस्तकालय में सभी गतिविधियाँ, जैसे सूची बनाना, प्राप्तियाँ, प्रसार तथा श्रेणी नियंत्रण पूर्णरूप से कम्प्यूटरीकृत है। इसके लिये लिबसिस 7 साफ्टवेयर पैकेज का नवीनतम वर्ज़न का प्रयोग किया जा रहा है। नीपा में लैन से इंटरनेट या फिर इंटरानेट के माध्यम से सीधे या यू.आर.एल. के माध्यम से नीपा की वेबसाईट पर वेब ओपेक का प्रयोग करके ओपेक का उपयोग किया जा सकता है। इसके माध्यम से नीपा पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों, जर्नलों और लेखों का डाटाबेस देख सकते हैं।

राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों की साझेदारी को बढ़ावा देने हेतु नीपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र डेलनेट का सदस्य हैं, इससे नीपा पुस्तकालय तथा प्रलेखन केन्द्र में उपलब्ध शैक्षिक योजना और प्रशासन पर वृहद रूप से उपलब्ध अमूल्य अधिकारिक दस्तावेज़ों के पहचान की सुविधा उपलब्ध हुई है। आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करते हुये सभी दस्तावेज़ों तथा रिकार्ड का डिजीटलीकरण हेतु परियोजना चलाई जा रही है। यह अपेक्षा की जा रही है कि इससे देश में शिक्षा पर वृहद ऑनलाईन अभिलेखीय सूचना उपलब्ध हो पायेगी।

नीपा प्रलेखन केंद्र

नीपा प्रलेखन केन्द्र में शैक्षिक योजना, प्रबंधन और प्रशासन पर 20,000 से अधिक का वृहद और समृद्ध संग्रह है। इसके संग्रह में केन्द्र –राज्य सरकारों तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रकाशन जैसे राज्य तथा जिला गणना, राज्य तथा जिला गैजेटियर केन्द्र तथा राज्य विश्वविद्यालय के नियम और संविधि, जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (डी. पी.ई.पी.) तथा सर्व शिक्षा अभियान, राज्यों की सांख्यिकी पुस्तकें, अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण, आर्थिक सर्वेक्षण आयोग तथा समिति की रिपोर्ट, राज्य आर्थिक सर्वेक्षण, राज्य शैक्षिक योजनाएं, राज्य मानव संसाधन विकास रिपोर्टें तथा पंचवर्षीय योजनाएं सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान के विभिन्न प्रकाशनों जैसे अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, संस्थान की वार्षिक रिपोर्टें (1962–2019), प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्टें, विभिन्न मंत्रालयों की रिपोर्टें, अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान (आईआईईपी), पेरिस के प्रकाशन की शामिल हैं। केन्द्र में नीपा एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम और अन्य विश्वविद्यालय के थीसिस का एक वृहद संग्रह है तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन पर क्रमशः स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) और अन्तरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) पर शोध संग्रह उपलब्ध है। केन्द्र अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, (आई.आई.ई.पी.) पेरिस के प्रकाशनों का संग्रह–केन्द्र है। इसके पास गैर–पुस्तक पाठ्य सामग्री जैसे इंडैक्सिंग डाटाबेस, भारत की जनगणना, राज्य मानव संसाधन विकास रिपोर्ट तथा शिक्षा और इससे संबंधित क्षेत्रों पर अन्य प्रकाशनों पर संग्रह है।

गतिविधियाँ एवं प्रमुख क्षेत्र

प्रलेखन केंद्र प्रो. आईसीटी के सहयोग से प्रतिवर्ष सभी विषयों के संकाय के लिए अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर एक संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित करता है। 2019–20 के दौरान, इसने 25 नवंबर से 30 नवंबर 2019 तक शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 6 दिनों की संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित की। प्रलेखन केन्द्र ने अपने सभी कार्यकलापों का कंप्यूटरीकरण कर लिबसेस 7.0 (रिलीज 1.0) सॉफ्टवेयर के प्रयोग द्वारा कर दिया है। इसके अतिरिक्त उपयोगकर्त्ता को डेस्कटॉप पर ऑनलाईन पब्लिक एक्सेस कैटालॉग (ओपेक) तथा सूचना संसाधन तथा सेवाओं की विस्तृत जानकारी के साथ इलैक्ट्रानिक डाटाबेस की पहुंच, प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, इसके समृद्ध संग्रह, विस्तृत सरणी और विविध सेवाएं तथा सुविधाएं भारत तथा विदेशों से उपयोगकर्ताओं को इसकी सूचना संसाधन और सेवाओं का प्रयोग करने के लिये आकर्षित करती है। उपयोगकर्त्ताओं को पठन हेतु प्रलेखन केन्द्र में सुविधाजनक शान्तिपूर्ण और अनुकूल परिवेश उपलब्ध है तथा उपयोगकर्त्ताओं के लिए वातानुकूलन, पर्याप्त रोशनी और जनरेटर बैक–अप की सुविधा उपलब्ध है। प्रलेखन केन्द्र की पठन सुविधाओं का लाभ संकाय, संस्थान के अनुसंधानविद् परियोजना स्टाफ, भारत तथा विदेश के अनुसंधानविद्, पीजीडेपा एवं आईडेपा के भागीदार तथा आगन्तुक संकाय द्वारा उठाया जाता है। डेलनेट (विकासशील पुस्तकालय नेटवर्क) के सदस्य के रूप में, केंद्र ने अंतःपुस्तकालय संसाधनों को साझा करने की गतिविधियाँ सुदृढ़ की है। प्रलेखन केन्द्र पूरे वर्ष सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः नौ बजे से सायं 5.30 बजे तक खुला रहता है।

डिज़ीटल संसाधनों और सेवाओं तक पहुंच

इसके अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय तथा अनुसंधानविद्ों के बीच विभिन्न प्रकार की सूचना की साझेदारी, संपर्कता, सहभाजन के लिए इंटरनेट गतिविधियों को सुदृढ़ तथा विकसित किया गया है। यह सूचना तथा ज्ञान का संग्रह, सृजन, हस्तांतरण तथा एकीकरण करता है। इसके डिज़ीटल संसाधन जैसे पुस्तकें, आलेख, अनुसंधान अध्ययन, समसामयिक आलेख श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, सम्मेलन संगोष्ठी के कार्यकलाप, विख्यात शिक्षाविद् व्याख्यान श्रृंखला, दृश्य–श्रव्य व्याख्यान, समिति तथा समिति रिपोर्टें, इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। डिजीटल अभिलेखागार शिक्षा तथा इससे संबंधित क्षेत्रों के 11,500 नीतिगत दस्तावेज़ों के डिजीटल अभिलेख उपलब्ध कराता है। यह दस्तावेज़ इंटरनेट या इंटरानेट के माध्यम से [http://www.niepa.ac.in/darch.aspx or http://14.139.60.153/]. पर देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त नई प्राप्तियों की सूची, नए जर्नलों की सूची, पाक्षिकों के वर्तमान घटक; जे.स्टोर तथा ऑनलाईन जर्नल डाटाबेस का सम्पूर्ण टेक्स्ट एक्सेस; संदर्भ ग्रंथ सूची – मांग पर साहित्य की खोज तथा इलैक्ट्रानिक दस्तावेज़ वितरण प्रणाली (ई.डी.डी.एस.) के लिये इंटरनेट के माध्यम से चौबीस घंटे ऑनलाईन सूचना संसाधन तथा प्रलेखन सेवाएं पाठकों को प्रदान की गई है। यह 300 मुद्रित जर्नलों (राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय) और ऑनलाईन डाटा बेस जैसे सेज ज्ञान, सेज शिक्षा संग्रह ऑनलाईन, एलसेवियर तथा जे. स्टोर की पहुंच प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त पाठकों को भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (56,053,815 संसाधन), मुक्त शैक्षिक संसाधन हेतु पहुंच (डीओएजे) जैसे 15,633 पूर्ण लिखित जर्नल के संदर्भ में मुक्त पहुंच जर्नल डायरेक्टरी, 123 देशों से 54,72,114 आलेख, 408 प्रकाशकों से 33843 अकादमिक सहकर्मी समीक्षा पुस्तकों की डायरेक्टरी, 16 दिसंबर, 2020 तक इलैक्ट्रानिक शोध और अनुसंधान हेतु 5 मिलियन ई.टी.डी. (59,78,731 ई.टी.डी.) तथा शोधगंगा (2,80,000 ई.टी.डी.) एवं अन्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण–पठन डाटाबेस, इंडेक्सिंग डाटाबेस, पाक्षिकों की वर्तमान सामग्री और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण पठन–सामग्री उपलब्ध कराया है। इससे अंतः पुस्तकालय ऋण तथा डेलनेट के माध्यम से पुस्तकों, दस्तावेजों, आलेखों इत्यादि के लिए प्रयोगकर्त्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ण करने में सुदृढ़ीकरण हुआ है। प्रलेखन केन्द्र की सेवाओं का लाभ संकाय, नीपा के अनुसंधानकर्त्ताओं, परियोजना स्टाफ, पीजीडेपा तथा आईडेपा, आई.पी.ई.ए., प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भारत और अन्य देशों के विश्वविद्यालयों अनुसंधानकर्त्ताओं द्वारा उठाया जाता है।

व्यक्तिगत योगदान (डा. डी.एस. ठाकुर का अकादमिक योगदान – 2019–20)

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रस्तुत शोध पत्र/आलेख

i). ठाकुर, डी.एस. (2019). इंटेग्रेटिंग मूक्स इन ब्लैंडेड लर्निंग फॉर न्यू जनरेशन ऑफ लर्नर्स, पी. के. भटनागर (संपा.) डिजिटल लैंडस्केप 2019 (आईसीडीएल 2019): डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन फॉर एन एजायल एनवायरमेंट पर 6–8 नवंबर, 2019 के दौरान द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई), नई दिल्ली में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन। टेरी, पीपी. 759–767. आईएसबीएनः 978–81–7993–698–6,

https://www-teriin-org/events/icdl/pdf/ICDL_Confrence_Paper_Full-pdf पर उपलब्ध है

ii). ठाकुर, डी.एस. (2019), 'वर्चुअल लर्निंग एनवायरनमेंट इन एकेडमिक एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस' दिसंबर 9–11, 2019 के दौरान जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा

आयोजित शिक्षा में बहिष्करण, समावेश और समानता पर तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई) का 10वां वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। पीपी. 277–279।

iii). श्रीनिवास, के. और ठाकुर, डी.एस. (2020)। अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर संकाय विकास कार्यक्रमः एक रिपोर्ट (25 नवंबर – 30 नवंबर 2019), राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली, 47पी. (अप्रकाशित)

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं / प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

i). दिसंबर 9–11, 2019 के दौरान जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज द्वारा आयोजित शिक्षा में बहिष्करण, समावेश और समानता पर कम्परेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया (सेसी) के 10वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''वर्चुअल लर्निंग एनवायरनमेंट इन एकेडमिक एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशंस'' पर एक आलेख प्रस्तुत किया। सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, पीपी. 277–279।

कार्यशालाओं / सम्मेलनों / संकाय विकास कार्यक्रम / प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

i). 19–21 अगस्त, 2019 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी के तहत दिल्ली पब्लिक स्कूलों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर मिश्रित मोड में 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के दिल्ली पब्लिक स्कूलों के छत्तीस (36) पुस्तकालयाध्यक्षों ने भाग लिया। इस आईसीटी आधारित कार्यक्रम में मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम डा. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल के माध्यम से प्रतिभागियों द्वारा लेख, वीडियो, चर्चा मंच, कार्य योजना सहित सीखने के संसाधन एक्सेस किए गए।

ii). 25–30 नवम्बर, 2019 के दौरान प्रो. आईसीटी के सहयोग से प्रलेखन केंद्र ने वित्तीय वर्ष 2019–20 के लिए नीपा, नई दिल्ली में मिश्रित मोड में अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय संस्थानों और अन्य शोध संगठनों के सभी विषयों के चौंतीस (34) संकाय सदस्यों ने भाग लिया। यह एक आईसीटी आधारित कार्यक्रम था इस आईसीटी आधारित कार्यक्रम में मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम डा. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल के माध्यम से प्रतिभागियों द्वारा लेख, वीडियो, चर्चा मंच, कार्य योजना सहित सीखने के संसाधन एक्सेस किए गए।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित / संचालित

i). 25–30 नवंबर 2019 के दौरान नीपा नई दिल्ली में अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर संकाय विकास कार्यक्रम की एक सूचना गाइड तैयार की। 34पी.।

i1). 25–30 नवंबर, 2019 तक अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 6 दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा, विकसित, वितरण और संपादन किया गया – मूडल अधिगम प्रबंधन व्यवस्था पर आधारित और प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान और बाद में विभिन्न प्रश्नों और मुद्दों को हल करने के लिए चर्चा मंच का उपयोग किया गया।

iii). प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के व्हाट्सएप ग्रुप (नीपा एआरएल वर्कशॉप) का गठन किया गया और दो, तीन और चौथे सप्ताह के ऑनलाइन कार्यक्रम को डिजाइन और विकसित करने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप (नीपा एआरएल वर्कशॉप), के माध्यम से प्रतिभागियों को 90 दिनों (3 महीने) की तकनीकी सहायता और सूचना एवं ऑनलाइन संसाधनों की जानकारी और लिंक प्रदान की गई थी। सभी संसाधन (पूर्ण–पाठ लेख, पीपीटी, वीडियो और अन्य ओईआर) डा. डी.एस. ठाकुर लर्निंग पोर्टल [https://dsthakur-

moodlecloud-com/] के माध्यम से प्रतिभागियों द्वारा एक्सेस किए गए।

iv). 19–21 अगस्त, 2019 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूलों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 19 अगस्त, 2019 को स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'डिजिटल युग में स्कूल लाइब्रेरियन की भूमिका' पर व्याख्यान दिया। दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड, नई दिल्ली।

v). 19–21 अगस्त, 2019 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड, नई दिल्ली में दिल्ली पब्लिक स्कूलों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 19 अगस्त, 2019 को स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

vi). 19–21 अगस्त, 2019 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली पब्लिक स्कूलों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 19 अगस्त, 2019 को स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'संसाधनों के प्रबंधन में इंट्रानेट की भूमिका' पर व्याख्यान दिया।

vii). 19–21 अगस्त, 2019 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली पब्लिक स्कूलों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 19 अगस्त, 2019 को स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''शिक्षण और प्रशिक्षण संस्थानों के लिए आभासी अधिगम के माहौल'' पर व्याख्यान दिया।

viii). 19–21 अगस्त, 2019 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली पब्लिक स्कूलों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 21 अगस्त, 2019 को स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में ''सूचना साक्षरता और मुक्त शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच'' पर व्याख्यान दिया।

ix). 19–21 अगस्त, 2019 के दौरान दिल्ली पब्लिक स्कूल सोसाइटी द्वारा दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा रोड, नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली पब्लिक स्कूलों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 21 अगस्त, 2019 को स्कूल पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोगों पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर भाषण दिया।

x). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 25 नवंबर, 2019 को ''वर्चुअल लर्निंग एनवायरनमेंट फॉर टीचिंग, ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूशन इन इंडियाः फोकस ऑन स्वयम क्वाड्रन्ट–1' पर व्याख्यान दिया।

xi). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 25 नवंबर, 2019 को ''शिक्षार्थियों की नई पीढ़ी के लिए शिक्षा और अनुसंधान में मूक्स, स्वयम एक अभिनव शिक्षण अधिगम उपकरण'' पर एक व्याख्यान दिया।

xii). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में एमओओसी और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 25 नवंबर, 2019 को ''सूचना साक्षरताः सतत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए अनिवार्य उपकरण'' विषय पर व्याख्यान दिया।

xiii). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 26 नवंबर, 2019 को ''डिजिटल युग में अकादमिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में पुस्तकालयाध्यक्षों की

भूमिकाः स्वयम चतुर्थांश–2 पर ध्यान केन्द्रित'' पर व्याख्यान दिया।

xiv). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 27 नवंबर, 2019 को ''संसाधनों के प्रबंधन के लिए इंट्रानेट की भूमिका'' पर व्याख्यान दिया।

xv). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 27 नवंबर, 2019 को ''संसाधनों के प्रबंधन के लिए इंट्रानेट की भूमिकाः एचटीएमएल 5 (अभ्यास पर)'' पर व्याख्यान दिया।

xvi). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 28 नवंबर, 2019 को ''साहित्यिक चोरीः गुणवत्तापूर्ण मूक्स सामग्री विकसित करने के लिए वास्तविक अधिगम में बाधा'' पर एक व्याख्यान दिया।

xvii). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 29 नवंबर, 2019 को ''मूक्स के डिजाइन, विकास, वितरण, निष्पादन, प्रेरणा और जुड़ाव'' पर व्यावहारिक अभ्यास।

xviii). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 30 नवंबर, 2019 को ''वीडियो सामग्री विकास और यूट्यूब पर रचनात्मक सामान्य वीडियो और गूगल पर मुक्त शैक्षिक संसाधनों तक पहुँच'' पर समूह कार्य/अभ्यास

xix). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 30 नवंबर, 2019 को ''समूह कार्य प्रस्तुति और व्यक्तिगत प्रस्तुति''।

xx). 25–30 नवंबर, 2019 के दौरान राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक्स और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 30 नवंबर, 2019 को ''समूह कार्य प्रस्तुति और अवलोकन और प्रतिक्रिया''।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी के लिए सूचना एकत्र की।

i). नीपा की गतिविधियों के बारे में सभी विभागाध्यक्षों और प्रशासन के प्रमुखों, छात्र एकक, प्रशिक्षण प्रकोष्ठ, परियोजना प्रबंधन एकक से एकत्रित जानकारी जैसे– पूर्ण/जारी अनुसंधान अध्ययन, एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में नामांकन, सम्मानित की गई पीएच.डी. डिग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएँ, वर्ष 2019–20 के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट हेतु सूचना एकत्र की।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

विभिन्न प्रशासनिक और अकादमिक समितियों में सदस्य

i). नीपा में डिजिटल पहल के कार्यान्वयन के लिए नीपा डिजिटल अधिगम अनुश्रवण कक्ष के सदस्य।

ii). संस्थान/विश्वविद्यालय में सभी शैक्षणिक पुरस्कारों के लिए सुरक्षित इलेक्ट्रॉनिक भण्डार गृह बनाने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनिवार्य राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) के कार्यान्वयन के लिए मैसर्स सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड (सीवीएल) के साथ समन्वय करने के लिए अधिकृत शैक्षणिक संस्थान अधिकारी।

iii). विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क के इनफ्लिबनेट (सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क) के साथ शोधगंगा से संबंधित गतिविधियों के लिए संस्थान समन्वयक।

iv). नीपा की शासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक बनाने के लिए साहित्यिक चोरी और दुर्व्यवहार की जांच करने के लिए आचार संहिता विकास समिति के सदस्य

v). नीपा की शासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक बनाने के लिए कर्मचारियों के लिए आईसीटी, ई–गवर्नेंस, वित्त प्रबंध आदि के क्षेत्रों में व्यावसायिक विकास कार्यक्रम समिति के सदस्य

vi). नीपा की शासन प्रक्रिया को मजबूत करने और नॉक मूल्यांकन को औपचारिक के लिए ई–गवनेंस और विभिन्न गतिविधियों में आईसीटी उपयोग हेतु समिति के सदस्य।

vii). सदस्य सचिव, नीपा एम.फिल. और पीएच.डी डिग्री के प्रारूप को अंतिम रूप देने और राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) पर अपलोड के लिए समिति।

आईसीटी और अधिगम प्रबंधन व्यवस्था (एलएमएस) कौशलः

अधिगम प्रबंधन : मूडल (मॉड्यूलर ऑब्जेक्ट–ओरिएंटेड डायनामिक लर्निंग सिस्टम एनवायरनमेंट) (एलएमएस) लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम

साहित्यिक चोरी का पता लगाने : यूआरकेयूएनडी पीडीएस

वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस)

वीडियो निर्माण एवं संपादन : स्क्रीनकॉस्टिफाइ, ओबीएस स्टूडिओ, शाटकट एडिटिंग, यूट्यूब सॉफ्टवेयर प्रजेंटेशन स्क्रीन–कॉस्ट–ओ–मेटिक साफ्टवेयर इत्यादि

कम्प्यूटर प्रवीणता : विंडोज 2000, हाइपरटैक्स्ट मार्कअप लैग्वेज़ (एचटीएमएल), फ्रंटपेज 2002

काम का ज्ञान : लिबसिस–4, टैक्लीबप्लस, ज्ञानोदया, विद्या

लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर/पैकेज सीडीएस/आईएसआईएस 3.0

विकसित और अद्यतन इंट्रानेट

नीपा के पुस्तकालय और दस्तावेजीकरण केंद्र की वेबसाइट बनाई और अद्यतन किया गया और पुस्तकालय और प्रलेखन केंद्र में उपलब्ध विभिन्न प्रकार के डिजीटल और ऑनलाइन संसाधनों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए नीपा में एक इंट्रानेट विकसित किया, जैसे कि भारतीय और विदेशी पत्रिकाओं की सदस्यता, गैर–पुस्तक सामग्री मद, समय–समय पर विविध सामग्री, डिजिटल संसाधनों, मुक्त शैक्षिक संसाधन, इलैक्ट्रोनिक थीसिस और शोध प्रबंध (ईटीडी) ऑनलाइन डेटाबेस की सूचना, बड़े पैमोन पर मुक्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम (मूक्स)। इसके अलावा, प्रलेखन केंद्र द्वारा दी जाने वाली प्रलेखन सेवाएं जैसे अनुसंधान अध्ययन की सूची, सामयिक पेपर श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम रिपोर्ट, पीजीडेपा और आईडेपा के शोध प्रबंध, ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओपीएसी) और शोध अध्ययन के अन्य पूर्ण पाठ दस्तावेज, सामयिक पेपर श्रृंखला, प्रशिक्षण कार्यक्रम की रिपोर्ट और नीपा वृत्तचित्र, प्रख्यात विद्वान व्याख्यान श्रृंखला इंट्रानेट पर भी उपलब्ध हैं।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

1. भारतीय पुस्तकालय संघ, दिल्ली (आईएलए),। (आजीवन सदस्य)
2. भारत सरकार पुस्तकाध्यक्ष संघ (जी.आई.एल.ए.), नई दिल्ली। (आजीवन सदस्य)

3. भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति (सीईएसआई), नई दिल्ली (आजीवन सदस्य)

वर्ष 2019–20 के दौरान विभाग की गतिविधियों से संबंधित कोई अन्य जानकारी जो विभागाध्यक्ष जोड़ना चाहते हैं

i). संस्थान समन्वयक, उरकुंड साहित्यिक चोरी डिटेक्शन सॉफ्टवेयर पर शोधार्थियों, संकायों और कर्मचारियों द्वारा तैयार किए गए शोध–प्रबंधों, और अन्य अकादमिक और शोध प्रकाशनों की समानता की जांच करने और थीसिस को शोधगंगा पर अपलोड करने के लिए भेजा।

ii). मा.सं.वि. मंत्रालय और यूजीसी द्वारा अनिवार्य राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (एनएडी) के कार्यान्वयन के लिए मैसर्स सीडीएसएल वेंचर्स लिमिटेड (सीवीएल) के साथ समन्वय करने के लिए अधिकृत शैक्षणिक संस्थान अधिकारी, संस्थान/विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक पुरस्कारों को एनएडी को अपलोड करना।

iii). नीपा द्वारा प्रदान की जाने वाली एम.फिल. और पीएच.डी. डिग्री का प्रारूप तैयार करने हेतु सदस्य सचिव। कार्य को पूरा करने के लिए, विभिन्न बैठकों का आयोजन/व्यवस्थता, समितियों का गठन, 3 केंद्रीय विश्वविद्यालयों का दौरा, पेपर के चयन के लिए 2 फर्मों का दौरा किया, सुरक्षा सुविधाओं की जांच की और कोटेशन प्राप्त किए और अंतिम कार्यवृत्त/रिपोर्ट प्रस्तुत की।

5

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर और सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं

कंप्यूटर केंद्र संस्थान की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता है। नेटवर्क संस्थान की रीढ की हड्डी है तथा इसके सक्रिय संघटकों को कंप्यूटर केंद्र द्वारा संचालित, अनुरक्षित तथा नियंत्रित किया जाता है। कंप्यूटर केंद्र एन.एम. ई.आई.सी.टी परियोजना के अंतर्गत एन.के.एन. /एम.टी.एन.एल. द्वारा प्रदान की गई 1 जी.बी.पी.एस ऑप्टिकल फाइबर इंटरनेट संपर्कता से सुसज्जित है। संस्थान में सतत रूप से हर समय इंटरनेट की संपर्कता 24X7X365 सुनिश्चित करने के लिए कंप्यूटर केंद्र सभी स्टाफ सदस्यों, प्रशिक्षुओं, परियोजना स्टाफ, कार्यक्रम भागीदारों, अनुसंधानविदों को कंप्यूटर सुविधा तथा इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध कराता है।

नेटवर्क संसाधनों का प्रयोग करने हेतु सभी स्टाफ सदस्यों तथा संकाय सदस्यों को उच्च गति वाली इंटरनेट संपर्कता तथा नेटवर्क प्वाइंट प्रदान किये गये हैं। नीपा डोमेन पर सभी स्टाफ तथा संकाय सदस्यों को व्यक्तिगत ई–मेल खाता की सुविधा दी गई है। सभी संकाय सदस्यों को डैस्कटाप/लैपटाप कंप्यूटर उपलब्ध कराए गए हैं तथा सभी स्टाफ सदस्यों को उनके डेस्क पर डैस्कटाप कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया है। कंप्यूटर केंद्र की सुविधाएं बिना किसी व्यावधान के लगातार 12 घंटे उपलब्ध रहती हैं। कंप्यूटर केन्द्र पर तृतीय पक्ष कम्पनी के सहयोग से संस्थान के अपने कंप्यूटरों तथा संबंधित उपकरणों के रखरखाव की जिम्मेदारी है।

कंप्यूटर केन्द्र संस्थान की दैनिक अकादमिक तथा गैर अकादमिक गतिविधियों में सूचना प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने हेतु सुविधाएं प्रदान करता है। कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रकार के नवीनतम डेस्कटॉप कंप्यूटर और लैपटॉप तथा मल्टी–फंक्शन प्रिंटरों से सुसज्जित है।

नीपा भवन से नीपा हास्टल को उच्च गति इंटरनेट संपर्कता उपलब्ध कराई गई है। नीपा छात्रावास के सभी मंजिलों के सभी कमरों में अतिथियों के लिये प्रमाणित तथा सुरक्षित वाई–फाई संपर्कता उपलब्ध–कराई गई है। यह केंद्र अकादमिक विभागों को प्रशिक्षण, अनुसंधान, मात्रात्मक आंकड़ा विश्लेषण और प्रणाली स्तर के प्रबंधन

संबंधी मुद्दे तथा दूसरे कार्यकलापों में सहायता प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त गैर–अकादमिक एककों जैसे– पुस्तकालय, प्रशासन तथा वित्त विभागों को भी सहायता प्रदान की जाती है। संस्थान की डाटा प्रोसेसिंग तथा वर्ड प्रोसेसिंग आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा कंप्यूटर केंद्र विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों/ कार्यक्रमों के लिए अन्य विशिष्ट कंप्यूटर आधारित सेवाएं प्रदान करता है।

लेखा अनुभाग को भी कंप्यूटर अनुप्रयोग के लिए समर्थन दिया जाता है। इसमें शामिल है, वेतन संगणना, आयकर गणना, पेंशन, भविष्य निधि गणना आदि। इसके लिए एस.पी.एस.एस. सांख्यिकी पैकेज (एसपीएसएस) नेटवर्क वर्जन सर्वर के साथ स्थापित किया गया है ताकि प्रयोगकर्त्ता नेटवर्क पर गणना कर सकें। कंप्यूटर केंद्र दैनिक गतिविधियों के लिये ओपन स्रोत साफ्टवेयरों को प्रोत्साहन देता है।

संस्थान की दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु आधुनिक डाटा केन्द्र स्थापित किया गया है। डाटा केन्द्र उच्च गुणवत्तायुक्त डाटा सर्वर तथा वेब सर्वर से जुड़ा है जोकि चौबीसों घंटे 24x7x365 उपभोक्ताओं के लिये ऑन–लाईन उपलब्ध है। डाटा सेंटर समर्पित समानांतर यू.पी.एस. सिस्टम से समर्थ है जो सर्वर को पावर बैक–अप प्रदान करता हैं।

कम्प्यूटर केंद्र भारत सरकार के मुख्य कार्यक्रम, सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) और राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान (आरएमएसए) के फ्लैगशिप कार्यक्रम के अन्तर्गत जाने–माने कार्यक्रम एकीकृत शैक्षिक जिला प्रणाली सूचना (यू–डाईस) के लिये सर्वर का रखरखाव संगणक केंद्र करता है। इसके अलावा संगणक केंद्र का डाटा केंद्र राष्ट्रीय विद्यालय मानक एवं मूल्यांकन – शाला सिद्धि के राष्ट्रीय कार्यक्रम के वेब पोर्टल का रखरखाव भी करता है।

नीपा आंकड़ा केन्द्र नेटवर्क संरचना

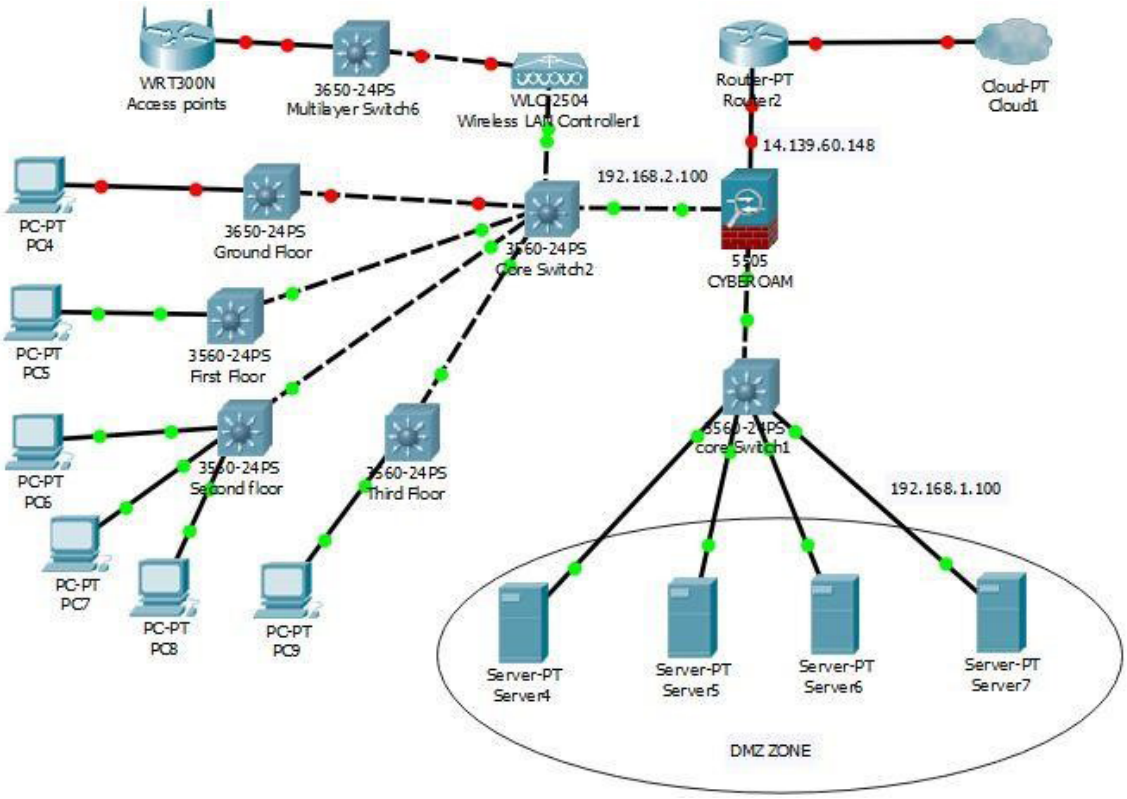

- डेटा सेंटर नेटवर्क आर्किटेक्चर में फायरवॉल, कोर स्विच वायरलेस, वाई–फाई कंट्रोलर और आईएसपी राउटर शामिल हैं।
- 8 आइबीएम सर्वर हैं जो यू–डाईस, शाला सिद्धि, ओरेकल सर्वर, एसडीएमआईएस, डेटा विजुअलाइज़ेशन, niepa.ac.in, छात्र प्रबंधन सूचना प्रणाली, स्कूल निर्देशिका प्रबंधन प्रणाली और स्कूल रिपोर्ट कार्ड जैसे कई वेब अनुप्रयोगों से जुड़े हैं
- दो डेल सर्वर हैं जो डिजिटल अभिलेखागार और डेटाबेस सर्वर से जुड़े हैं।
- एच.पी. सर्वर मूडल पोर्टल, एनसीएसएल पोर्टल, क्विक हील एंडपॉइंट सुरक्षा और प्रिंटिंग सर्वर से जुड़े हैं।
- लिबसिस के लिए आईबीएम टॉवर सर्वर (ओपेक)

नीपा डाटा सेंटर में चल रहे एप्लिकेशन – आंतरिक तकनीकी टीम द्वारा नियंत्रित और प्रबंधित किये जाते हैं।

1. www.niepa.ac.in
2. http://www.nrce.niepa.ac.in/
3. http://cprhe.niepa.ac.in/
4. http://niepa.ac.in/UIC/uic1.html
5. http://niepa.ac.in/darch.aspx
6. www.antriep.net,

एन्ट्रीप एशिया में राष्ट्रीय संस्थानों का एक नेटवर्क है, जो इस क्षेत्र में शैक्षिक योजना और प्रबंधन में कौशल विकास के लिए बढ़ती हुई विविध आवश्यकताओं का जवाब देने और अपनी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए भागीदार संस्थानों के बीच तालमेल बनाने के लिए एक दृष्टिकोण है।

7. www.udise.in

इस वेबसाइट का उपयोग प्रकाशन के रूप में स्कूल के आंकड़ों को प्रसारित करने के लिए किया जाता है।

8. http://ncsl.niepa.ac.in/

नीपा में 2012 में स्थापित राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र (एनसीएसएल) देश में स्कूलों के परिवर्तन के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्य उद्देश्य के रूप में स्कूलों के रूपांतरण के साथ, एनसीएसएल–नीपा देश भर में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, 679 जिलों और 6500 ब्लॉकों में नेतृत्व की आवश्यकता और प्रासंगिक स्कूल के मुद्दों को

संबोधित करने की दिशा में काम कर रहा है। मुख्य रूप से केंद्र की सभी गतिविधियाँ प्रत्येक राज्य के प्रत्येक स्कूल के लिए एक परिवर्तनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर केंद्रित हैं। केंद्र विभेदक और व्यावहारिक नेतृत्व मॉडल विकसित करने की दिशा में भी कार्य कर रहा है।

9. **वेब अनुप्रयोग**

अ. www.school report card.in,

ब. Student.udise.in

स. Sdms.udise.in

द. http://udise.schooleduinfo.in/

य. www.semisonline.net (यू.डाईस के साथ विलय)

11. http://shaalasiddhi.niepa.ac.in/

10. **स्कूल मानक एवं मूल्यांकन पर राष्ट्रीय कार्यक्रम http://shaalasiddhi.niepa.ac.in/**

11. **moodle.niepa.ac.in – मुक्त स्त्रोत अधिगम प्रंधन प्रणाली : मूडल इस उप–डोमेन को विश्वविद्यालयों के स्वयं के डेटा केंद्र पर भी होस्ट किया जाता है।**

आईसीटी विभाग की भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- डाटा सेंटर और सर्वर हार्डवेयर की नियमित रूप से निगरानी की जाती थी।
- नेटवर्क और वाई–फाई से संबंधित मुद्दों को नियमित रूप से प्रबंधित किया जाता है। नेटवर्क विलंबता का निरीक्षण करके संगठन के नेटवर्क प्रदर्शन को नियमित रूप से ट्यून किया गया था।
- संगठन के आंकड़ा केंद्र और नीपा छात्रावास में 24X7 नेटवर्क कनेक्टिविटी सुनिश्चित करना।
- संस्थान का सोशल मीडिया प्रबंधन (ट्विटर और फेसबुक)
- यूट्यूब और फेसबुक घटनाओं का सीधा प्रसारण
- उपलब्ध नीपा डिजिटल बुनियादी ढांचे के साथ लाइव वेबिनार का आयोजन
- बैठक और वेबिनार के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का आयोजन
- साइबर खतरा अनुश्रवण नीपा आंकड़ा केन्द्र और डिजिटल बुनियादी ढांचे पर हमलों की निगरानी
- ऑपरेटिंग सिस्टम लाइसेंस प्रबंधन
- ई–निविदा के लिए ई–विजार्ड की सुविधा और क्रियान्वयन
- जीईएम में तकनीकी बोली का मूल्यांकन
- संगठन की वेबसाइटों की निगरानी और बार–बार अद्यतन करना।
- सर्वर एएमसी का प्रबंधन
- नियमित रूप से पूरे सर्वर के सुरक्षा पैच अपडेट किए जाते हैं।
- नीपा डेटा सेंटर का सर्वर बैकअप नियमित अंतराल पर किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का बैकअप नियमित रूप से किया जाता है।
- ऑनलाइन पाठ्यक्रमों का निर्माण और नीपा एलएमएस में उपयोगकर्ताओं का नामांकन
- एंटी–वायरस पैच को सर्वर से क्लाइंट्स तक पहुंचाना
- ऑनलाइन यूपीएस का रखरखाव और निगरानी बार–बार की जाती है।
- संस्थान की सीसीटीवी निगरानी।
- सभी डोमेन की निगरानी
- niepa.ac.in मेल डोमेन का प्रबंधन
- ऑनलाइन भर्ती की निगरानी और प्रबंधन (स्थायी और अस्थायी)

आईटी का उपयोग करने के लिए पिछले एक वर्ष में की गई नई पहल एक निवारक सतर्कता उपकरण है		
क्र. सं.	**लक्ष्य / उद्देश्य**	**उपलब्धियाँ**
1	हमने एंड पॉइंट सिक्योरिटी के लिए क्लाउड–आधारित एंटी–वायरस सॉल्यूशंस के तहत सभी सिस्टम्स को कवर करने की योजना बनाई है	हां, हमने क्लाउड–आधारित एंटी–वायरस समाधान के तहत सभी प्रणालियों को कवर किया है
2	हमने केंद्रीकृत ई–मार्क्स कार्ड के लिए राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार बनाने की योजना बनाई है	हमने संस्थान के लिए राष्ट्रीय शैक्षणिक भंडार को लागू करने की सुविधा प्रदान की है
3	हमने ई–विजार्ड पोर्टल को लागू करने की योजना बनाई है जो ई–निविदाओं की सुविधा प्रदान करता है	हमने संस्थान के लिए ई–विज़ार्ड पोर्टल को लागू करने की सुविधा प्रदान की
4	हमने ई–निविदाओं के लिए सेंट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल को लागू करने की योजना बनाई है	हमने उच्च मूल्य की निविदाओं के लिए केंद्रीय खरीद पोर्टल को लागू करने की सुविधा प्रदान की
5	हमने पीओई सिस्को स्विच के साथ हॉस्टल में मौजूदा कैट 5 टू कैट 6 केबलिंग को बदलने की योजना बनाई है	हमने पीओई स्विच के साथ हॉस्टल में कैट 5 से कैट 6 केबलिंग को बदल दिया
6	हम पुराने एचपी डीएल 380 सर्वर का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं, ओईएम की मरम्मत के बाद	हमने पुराने सर्वर का उपयोग किया है जिसमें वास्तविक विंडोज 2012 मानक ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ एंटी–वायरस सर्वर है
7	हमने एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली की खरीद की योजना बनाई है	हां, यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए खरीदा और इस्तेमाल किया गया है
8	हमने उपयोगकर्ताओं को गुगल ड्राइव हेतु सिस्टम डेटा को सिंक करने के लिए उपयोग करने की सुविधा देने की योजना बनाई है	हमने गुगल ड्राइव के उपयोग के बारे में शिक्षित किया
9	हमने वित्त अनुभाग के लिए पीएफएमएस को लागू करने की सुविधा देने की योजना बनाई है	हां, हमने वित्त अनुभाग के लिए पीएफएमएस को लागू करने की सुविधा दी है
10	हमने बैठक की सुविधा को ऑनलाइन करने की योजना बनाई है	हां, हमने ऑनलाइन मीटिंग के लिए गुगल बैठक का उपयोग करने की सुविधा प्रदान की है
11	हमने एसपीएसएस सॉफ्टवेयर की खरीद की योजना बनाई है	हां, हमने नेटवर्क मोड में खरीद और इंस्टॉल किया

क्र. सं.	लक्ष्य / उद्देश्य	उपलबिध्याँ
12	42 नए डेस्कटॉप खरीदे गए	सभी डेस्कटॉप में पुराने सिस्टम को परिवर्तित किया और ऑल–इन–वन डेस्कटाप प्रतिस्थापित किया गया
13	4 हैवी ड्यूटी प्रिंटर्स की खरीद की	स्थापित हैवी ड्यूटी प्रिंटर्स फ्लोर वाइज
14	एक सर्वर पर पेरोल एप्लीकेशन परिनियोजन	सर्वर में पेरोल सॉफ्टवेयर स्थापित किया
15	एम.फिल. / पीएच.डी. 2020 परीक्षा ऑनलाइन आयोजित करने की योजना बनाई	हां, हमने ऑनलाइन परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित की है
16	लैपटॉप की खरीद	महामारी के दौरान घर से काम करने के लिए 12 लैपटॉप स्थापित और प्रसदन किए गए
17	महामारी के दौरान बैठकों और वेबिनार को ऑनलाइन आयोजित करने की योजना बनाई	ऑनलाइन मीटिंग और वेबिनार का संचालन किया
18	वेबिनार को सीधा प्रसारण करने की योजना बनाई है	हां हमने इवेंट्स का लाईव स्ट्रीम किया है

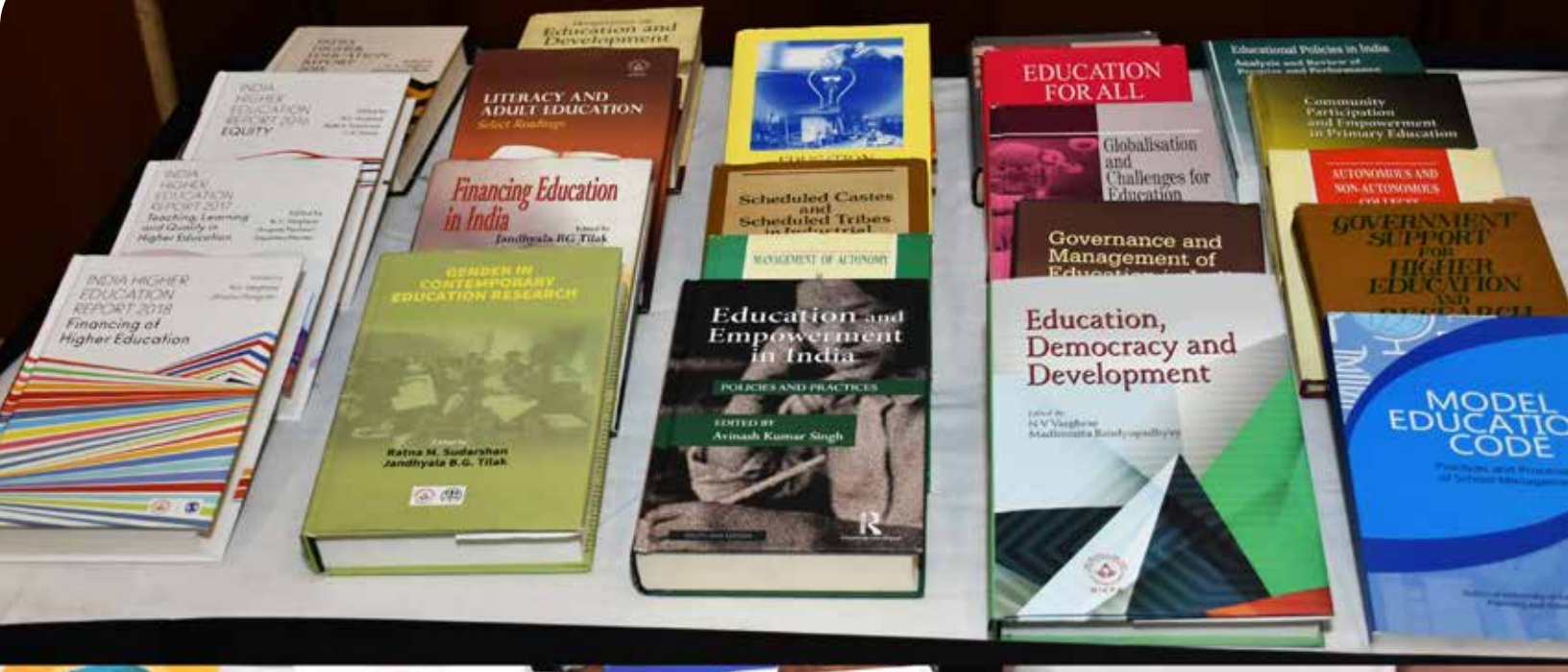
EDUCATION FOR ALL
Globalisation and Challenges for Education
LITERACY AND ADULT EDUCATION
Select Readings
Financing Education in India
Jandhyala BG Tilak
Scheduled Castes and Scheduled Tribes
Governance and Management of
Education and Empowerment in India
POLICIES AND PRACTICES
EDITED BY
Avinash Kumar Singh
Education, Democracy and Development
GOVERNMENT SUPPORT FOR HIGHER EDUCATION
MODEL EDUCATION CODE
INDIA HIGHER EDUCATION REPORT 2018
Financing of Higher Education
GENDER IN CONTEMPORARY EDUCATION RESEARCH
Ratna M. Sudarshan
Jandhyala B.G. Tilak

Schedule for
M. Phil.-Ph. D. Programme
2019-2020
M. PHIL AND PH. D. PROGRAMMES
ANNUAL REPORT
2014-15

6

प्रकाशन

NIEPA Publications
Journal of Educational
Planning and Administration

प्रकाशन

संस्थान का प्रकाशन एकक संस्थान द्वारा की गई शोध और विकास गतिविधियों के निष्कर्षों के प्रकाशन और प्रसारण द्वारा ज्ञान की साझेदारी संबंधी कार्यकलापों का अनुसमर्थन व्यापक स्तर के लिए करता रहा है। संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने के अनुक्रम में प्रकाशन एकक समसामयिक आलेख/जर्नल/पाक्षिक न्यूजलेटर, पुस्तकें, एम.फिल. और पी–एच.डी. की विवरणिका और प्रशिक्षण कार्यक्रम का कैलेण्डर प्रकाशित करता है। यह विभिन्न राज्यों/संघ क्षेत्रों के शैक्षिक प्रशासन सर्वेक्षणों की रिपोर्टों की श्रृंखला भी प्रकाशित करता है। प्रकाशन एकक कंप्यूटरों तथा प्रिंटरों से सुसज्जित है और संस्थान के डीटीपी कार्य भी करता है।

वर्ष 2019–20 के अंतर्गत संस्थान द्वारा कुछ महत्वपूर्ण प्रकाशन निकाले गए – जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन (अंग्रेजी), परिप्रेक्ष्य (हिंदी) जर्नल और सी.पी.आर.एच.ई. अनुसंधान आलेख, एम.फिल तथा पी–एच.डी. कार्यक्रमों की विवरणिका तथा पाठ्यचर्या गाईड। संस्थान ने अनेक शोध और संगोष्ठियों/सम्मेलनों की रिपोर्टें पुस्तक और मोनोग्राफ के रूप में प्रकाशित की। समीक्षाधीन वर्ष 2019–20 के दौरान संस्थान ने निम्नांकित प्रमुख प्रकाशन निकाले :

पत्रिकाएं

- **जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन,** जिल्द XXXII, अंक 2, 2018; जिल्द XXXII, अंक 3, 2018; जिल्द XXXII, अंक 4, 2018; जिल्द XXXIII, अंक 1, 2019 और जिल्द XXXIII, अंक 2, 2019
- **परिप्रेक्ष्य** (शैक्षिक योजना और प्रशासन में सामाजिक–आर्थिक संदर्भ हिन्दी जर्नल) जिल्द XXIV, अंक 3, 2017; जिल्द XXV, अंक 1, 2018; और जिल्द XXV, अंक 2, 2018।

एंट्रीप न्यूज़लेटर

- **एंट्रीप न्यूज़लेटर** (जुलाई–दिसंबर 2018)

सी.पी.आर.एच.ई. शोध आलेखः

- सीपीआरएचई अनुसंधान आलेख 12 : ''**भारत में उच्च शिक्षा में समानता और समावेश''**, **एन.वी. वर्गीज, निधि एस.सभरवाल** और **सी.एम. मलिश,** नई दिल्लीः नीपा 44 पृष्ठ

सःशुल्क प्रकाशन

1. **इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018ः एन.वी. वर्गीज, जिणुशा पाणिग्रही** द्वारा संपादित, **उच्च शिक्षा का वित्त पोषण,** सेज प्रकाशन, ₹ 1595.00 (एच.बी.)
2. **के. सुजाता और आर.एस. त्यागी** द्वारा, **भारत में शिक्षा का प्रशासन और प्रबंधन,** शिप्रा पब्लिकेशन ₹ 800.00 (एच.बी.)
3. **एन.वी. वर्गीज,** और **मधुमिता बंद्योपाध्याय** द्वारा संपादित, **शिक्षा लोकतंत्र और विकास,** शिप्रा पब्लिकेशन, ₹ 1600.00 (एच.बी.)

निःशुल्क प्रकाशन :

1. सीपीआरएचई रिपोर्ट 2018–19
2. एम.फिल. और पी.एच.डी. पाठ्यचर्या गाईड 2019
3. एम.फिल. और पी.एच.डी. कार्यक्रम सारणी 2019–20
4. मा.सं.वि. मंत्रालय/स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, नीपा के प्रकाशन–
   अ) शाला सिद्धिः साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देश (अंग्रेजी संस्करण)
   ब) शाला सिद्धिः साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देश (हिंदी संस्करण)
5. शासी अकादमिकः प्रो पंकज चंद्रा द्वारा ''विदइन एंड विदआउट'' (नीपा 13वां स्थापना दिवस व्याख्यान)
6. ''गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकताः नीतियों और व्यवहारों के लिए निहितार्थ'' सूचना विवरणिका (4–5 अक्टूबर, 2019)
7. नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2015–16 (अंग्रेजी संस्करण)
8. नीपा वार्षिक रिपोर्ट 2015–16 (हिंदी संस्करण)
9. उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी पर रिपोर्ट (22–23 फरवरी, 2018)
10. उच्च शिक्षा स्नातकों में रोजगार और रोजगारपरकता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट (19–20 फरवरी, 2019)
11. नीरा चंदोक द्वारा शिक्षा और संस्कृति की जटिल दुनिया (नीपा 10वां मौलाना आजाद स्मृति व्याख्यान)
12. उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास–कुलपतियों के लिए कार्यशाला की रिपोर्ट (24–25 जनवरी, 2019)
13. लीप कार्यक्रम के लिए सूचना विवरणिका – अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (13–29 फरवरी, 2020)
14. उच्च शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए सूचना विवरणिका (20–21 फरवरी, 2020)

अन्य

इन प्रकाशनों के अतिरिक्त, नीपा ने निम्नांकित प्रकाशन प्रकाशित किये : विवरणिका (एम.फिल. तथा पीएच.डी. कार्यक्रम) 2019–20; एम.फिल. तथा पीएच.डी. समय सारणी 2019–20; ईयर प्लानर 2020; शीट प्लानर 2020; डेस्क कैलेंडर 2020; ग्रीटिंग कार्ड; नवाचार अवार्ड प्रमाण–पत्र; लीप कार्यक्रम प्रमाण–पत्र; विद्यालय नेतृत्व विकासः पाठ्यचर्या की रूपरेखा (कन्नड़ – ई संस्करण); विद्यालय नेतृत्व विकासः हस्तपुस्तिका (कन्नड़ – ई संस्करण); आईडेपा और पीजीडेपा तथा अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए घोषणा पत्र; राईटिंग पैड; डॉकेट फोल्डर; और स्थापना दिवस तथा अन्य दूसरे कार्यक्रमों के लिए पोस्टर आदि।

मिमियोग्राफ प्रकाशनः इसके अलावा समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने विभिन्न अनुसंधान अध्ययनों के मिमियोग्राफ, प्रतिलिपि प्रकाशन, संस्थान द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों/संगोष्ठियों की पठन सामग्री, रिपोर्टें प्रकाशित किए।

नीपा वेबसाइट के लिए सामग्री : प्रकाशन विभाग ने अपने प्रकाशनों से संबंधित नीपा वेबसाइट को नियमित अद्यतन प्रदान किया। अद्यतनों में निजी प्रकाशकों के समूल्य तथा निःशुल्क प्रकाशनों की वृहद सूची; जेपा के वर्तमान तथा भविष्य के अंकों के बारे में सूचना; नीपा 2018–19 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर तथा नीपा–एट ए ग्लान्स; एम.फिल. और पी–एच.डी. विवरणिका; निगम ज्ञापन और नियम (नीपा); चतुर्मासी हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य; नीपा समसामयिक तथा सी.पी.आर. एच.ई. आलेखों को अपलोड करना; नीपा वार्षिक रिपोर्ट (अंग्रेजी तथा हिंदी संस्करण) तथा डाईस प्रकाशनों के वेब वर्ज़न इत्यादि।

7

नीपा में सहायता अनुदान योजना

नीपा में सहायता अनुदान योजना

कार्य योजना के विस्तार के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा नीति और कार्यवाही योजना में उनकी पुनः व्याख्या के विभिन्न मानकों का क्रियान्वयन हेतु उद्देश्यों का वृहद प्रचार आवश्यक है तथा शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत स्वैच्छिक एजेंसियों तथा सामाजिक संगठनों के साथ निकटतम सहयोग आवश्यक है। नीति के क्रियान्वयन में बेहतर समन्वयन हेतु, राष्ट्रीय तथा स्थानीय स्तर पर समर्थन व्यवस्था समेत अंतःशास्त्रीय उपागम आवश्यक है।

इस संदर्भ में ये आवश्यक हैं: (अ) देश में शैक्षिक नीतियों तथा कार्यक्रमों के प्रति वृहद जागरूकता पैदा करना, (ब) नीति उन्मुख अध्ययनों तथा संगोष्ठियों को आरंभ करना ताकि मध्य–पाठ्यक्रम सुधार, संशोधन तथा नीति हस्तक्षेपों के साथ समायोजन किया जा सके (स) अध्यापकों, छात्रों, युवाओं तथा महिलाओं और संचार माध्यमों को प्रायोजित संगोष्ठी के आयोजन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करके साझा मंच प्रदान करना। (द) शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारी तथा अच्छे व्यवहार एवं सफल प्रयोग को बढ़ावा देना (य) राष्ट्रीय शिक्षा नीति तथा कार्य योजना की समीक्षा को सुविधाजनक बनाना।

उपरोक्त प्रयोजन के लिये, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सहायता अनुदान कार्यक्रम कार्यान्वित किया है जिसके अंतर्गत योग्य संस्थानों तथा संगठनों को वित्तीय सहायता शिक्षा नीति के प्रबंधन तथा क्रियान्वयन पक्ष पर सीधे प्रभाव डालने वाली गतिविधियों के आधार पर प्रदान की जायेगी। इसके अंतर्गत सम्मेलनों का आयोजन, प्रभावी तथा मूल्यांकन अध्ययन, सर्वोत्तम विकल्पों पर परामर्शकारी अध्ययन, भारत सरकार को सलाह देने हेतु तथा व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने हेतु मॉडल, विडियो फिल्म इत्यादि का निर्माण सम्मिलित हैं।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने इस विश्वविद्यालय के माध्यम से यह योजना संचालित की है जो सहायता अनुदान समिति के द्वारा इसे संचालित करता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता अनुदान योजना के तहत विभिन्न संस्थानों से प्राप्त प्रस्तावों के मूल्यांकन तथा अनुमोदन के लिए एक समिति का गठन किया गया है। 31 मार्च, 2020 के अनुसार इस समिति के निम्नांकित सदस्य हैं:

प्रोफेसर ए.के. सिंह	–	अध्यक्ष
प्रोफेसर ए.के. शर्मा	–	सदस्य
प्रोफेसर उमा मेदुरी	–	सदस्य
प्रोफेसर एन.आर. भानुमूर्ति	–	सदस्य
प्रोफेसर नीलम सूद	–	सदस्य
प्रोफेसर कुमार सुरेश	–	सदस्य
प्रोफेसर वीरा गुप्ता	–	सदस्य
प्रोफेसर प्रमिला मेनन	–	सदस्य
प्रोफेसर के. बिस्वाल	–	सदस्य
प्रोफेसर कुमार सुरेश	–	सदस्य सचिव

सहायता अनुदान समिति (जीआईएसी) ने इस योजना के अन्तर्गत अनुदान हेतु आवेदन के रिकार्ड और प्रस्तावों पर निगरानी हेतु डाटाबेस विकसित करने का निर्णय लिया। इसके अनुसार डाटाबेस तैयार किया गया और सहायता अनुदान समिति की बैठकों में प्रस्तुत किया गया।

01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 की अवधि के दौरान आयोजित की गई बैठकें

क्र. सं.	संगठन का नाम	सेमिनार/सम्मेलन/अनुसंधान अध्ययन का विषय	बैठक की तिथि	स्वीकृत राशि रू. में
1.	भारतीय महिला एवं ग्रामीण विकास सोसायटी, कुरनूल, आन्ध्र प्रदेश	भारत में माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरणः पहुंच और समानता की समस्याएं	जीआईएसी की 41वीं बैठक 01-07-2019	270000
2.	सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली	उत्तर–पूर्वी भारत में सामाजिक क्षेत्र की विकास समस्याएं, मुद्दे और चुनौतियां		300000
3.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी, इलाहाबाद, उ.प्र.	डिजिटल युग में मानव भविष्य		300000
वर्ष 2019–20 में कुल राशि स्वीकृत				**₹ 8,70,000/-**

8

प्रशासन और वित्त

प्रशासन और वित्त

प्रशासन

संस्थान के पास हाउसकीपींग तथा सुरक्षा सेवाओं के लिये बाह्य सेवा–स्रोतों के अतिरिक्त निम्नांकित स्वीकृत पद हैं।

प्रशासन तथा अकादमिक एंव तकनीकी समर्थन सेवाएं प्रशासन के कार्य के अनुसार स्थापित अनुभागों द्वारा नियंत्रित तथा समन्वित की जाती हैं।

इसके अनुभाग कार्यकलापों के अनुसार स्थापित किये गए हैं जिन्हें संगठनात्मक आरेख में प्रदर्शित किया गया है। संस्थान में स्वीकृत पदों के अलावा विभिन्न अकादमिक और अनुसचिवीय पदों पर 93 परियोजना कर्मचारी और अधिकारी कार्यरत हैं।

बाह्य संवर्ग पद	**संख्या**
कुलपति	01
कुलसचिव	01
संवर्ग पद	
संकाय (प्रोफेसर, सह–प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर)	42
अकादमिक समर्थन स्टाफ़	07
प्रशासन, वित्त, सचिवीय तथा अन्य तकनीकी स्टाफ	79
सहायक स्टाफ (एम.टी.एस.)	37
कुल	167

समीक्षाधीन वर्ष 2019–20 के दौरान, निम्नांकित सेवानिवृत्तियां की गईं।

सेवानिवृत्तियां

समूह 'ए'

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	प्रो. ए.सी. मेहता	प्रोफेसर	31.08.2019
2.	डा. सुभाष सी. शर्मा	हिंदी सम्पादक	31.12.2019
3.	डा. मंजू नरूला	सहायक प्रोफेसर	31.01.2020

समूह 'बी'

क्र.सं.	नाम	पद	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री राजेश	एलडीसी	30.04.2019
2.	श्री परशु राम रावत	पुस्तकालय परिचारक	29.02.2020
3.	श्री विजेन्द्र कुमार	एमटीएस	15.03.2020 (निधन) (31.12.2024 को सेवानिवृत्ति देय थी)

नई नियुक्ति

क्र.सं.	नाम	पद	नियुक्ति की तिथि
1.	श्री राजीव वर्मा	वित्त अधिकारी	24.10.2019

वित्त तथा लेखा विभाग

नीपा में वित्त तथा लेखा सेवाएं लेखा अनुभाग द्वारा संचालित की जाती हैं जिसका अध्यक्ष वित्त अधिकारी होता है जिसके अंतर्गत अनुभाग अधिकारी, लेखाकार और कार्यालय के आठ सदस्य तथा अनुसचीवीय स्टाफ होता है। यह अनुभाग बजट की तैयारी, मासिक वेतन तथा पेंशन बिल, अन्य व्यक्तिगत प्रतिपूर्ति जैसे चिकित्सा, एल.टी.सी. बिल, अग्रिम इत्यादि, वस्तुओं की खरीद के लिये बिल भुगतान प्रक्रिया, कार्य, संविदा इत्यादि, पूर्व लेखा परीक्षा, बाह्य परीक्षा के साथ समन्वयन तथा वित्त तथा लेखा से जुड़े अन्य मसलों के लिये उत्तरदायी होता है। यह सभी वित्तीय मसलों पर समयबद्ध परामर्श देता है तथा वित्तीय भागीदारी, लेखा बयान, उपयोगिता प्रमाण–पत्र इत्यादि हेतु सभी प्रस्तावों के परीक्षण हेतु प्रभावी सहायता प्रदान करता है। वित्त अधिकारी वित्त समिति का सदस्य सचिव होता है जो संस्थान के वित्त, निर्देशन तथा विभिन्न श्रेणियों के लिये व्यय की सीमा तय करता है। पिछले पांच वर्षों में मंत्रालय से प्राप्त अनुदान निम्नांकित है :

प्राप्त अनुदान का ब्यौरा (2015–2020) (रु. लाख में)

क्र. सं.	शीर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
1.	सहायता अनुदान (योजना)	1425.28	1010.87	26.12.95	3184.71	4559.46
	सहायता अनुदान (योजनेतर)	1769.80	1816.11			
	आंतरिक प्राप्तियां	131.70	74.47	59.32	34.69	39.15
	योग	**3326.78**	**2901.45**	**2672.27**	**3219.4**	**4598.61**
2.	व्यय (योजना)	1239.97	1078.42	2956.09	3491.89	4314.43
	व्यय (योजनेतर)	1690.36	1721.81			
	योग	**2930.33**	**2800.23**	**--**		**4314.43**
3.	आंतरिक प्राप्तियां व्यय के प्रतिशत के रूप में	1%	1%	1%	2%	0.91%
4.	सहायता अनुदान व्यय के प्रतिशत के रूप में	100%	96.51%	100%	100%	94.63%

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2015–16 से 2019–20 के दौरान सहायता अनुदान में व्यापक रूप से वृद्धि हुई है और इसी अनुपात में इसका व्यय भी बढ़ा है। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि नीपा अपनी मुख्य गतिविधियों को पर्याप्त महत्व दे रहा है।

राजभाषा कार्यान्वयन/ हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष

हिंदी कक्ष अनुवाद की सुविधा के माध्यम से अनुसंधान प्रशिक्षण और प्रशासन में अकादमिक सहायता प्रदान करता है। यह कक्ष विभिन्न प्रकाशनों के हिंदी संस्करण प्रकाशित करने के साथ–साथ राजभाषा नीति के क्रियान्वयन में भी सहायता प्रदान करता है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान दैनिक कार्य के अलावा नीपा के हिंदी कक्ष ने कई निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य किए गए:

1. शैक्षिक योजना और प्रशासन के सामाजिक–आर्थिक संदर्भ से संबंधित हिंदी जर्नल परिप्रेक्ष्य के तीन अंक प्रकाशित किए गये। यह पत्रिका हिंदी में मूल शोध कार्य के लिए एक मंच प्रदान करती है।

2. हिंदी में निम्नलिखित सामग्री का अनुवाद करके उन्हें प्रकाशन के लिए तैयार किया गया:

(i) संकाय सदस्यों के लिए प्रश्नावली, प्रशिक्षण सामग्री आदि का अनुवाद

(ii) परिपत्र, पत्र, नोटिस, निमंत्रण कार्ड आदि का अनुवाद।

3. हिंदी कार्यान्वयन की गतिविधियों की समीक्षा के लिए संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गई।

4. राजभाषा कार्यान्वयन के संबंध में चार तिमाही रिपोर्ट मंत्रालय को भेजी गईं।

5. हिंदी दिवस समारोह : हिंदी दिवस के उपलक्ष में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

(i) संस्थान के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

(ii) निबंध लेखन प्रतियोगिता, प्रारूपण और टिप्पण प्रतियोगिता, हिंदी टाइपिंग प्रतियोगिता, हिंदी अनुवाद, हिंदी प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 'एमटीएस कर्मचारियों के लिए हिंदी सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

6. हिंदी कक्ष ने योग दिवस और स्वच्छता पखवाड़ा के आयोजन में सहायता प्रदान की।

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

अनुलग्नक

संकाय का अकादमिक योगदान

एन.वी. वर्गीज
कुलपति

प्रकाशन

पुस्तकें

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्टः गर्वनेंस एंड मेंनेजमेंट आफ हायर एजुकेशन (गरिमा मलिक के साथ), सेज, नई दिल्ली, 2020।

गर्वनेंस इन हायर एजुकेशनः हैंडबुक फार वाइस–चासंलर (सह–लेखक), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2019।

एजुकेशन डेमोक्रेसी एंड डवलपमेंट (बंदोपाध्याय के साथ) नीपा के लिए शिप्रा, नई दिल्ली, 2019

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018ः फाइनेंसिंग ऑफ हायर एजुकेशन (जिणुसा पाणिग्राही के साथ) सेज, नई दिल्ली, 2019

आलेख

इंटरनेशनलाइजेशन एंड क्रास बोर्डर मोबिलिटी इन हायर एजुकेशन', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ अफ्रीकन हायर एजुकेशन, वाल्यूम 7, नं. 2, 2020 पीपी.23–39।

'युनिवर्सिटीज, नॉलेज प्रोडक्शन एंड द फ्यूचर ऑफ लर्निंग' इन ऑर्जबयेवा बीः मीरमन, एः मूरॉस, वी.जी.; डीवे एंड पलेवा, सी. द फ्यूचर आफ यूनिवर्सिटीज थॉटबुकः युनिवर्सिटीज ड्यूरिंग टाइम्स ऑफ क्राइसिस, यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री इनोवेशन नेटवर्क (यूआईआईएन), एम्स्टर्डम, 2020, पीपी. 72–73।

''द रोल ऑफ डॉक्टरल एजुकेशन इन डेवलपिंग रिसर्च कैपेसिटीज'', मारिया युडकेविच, फिलिप जी. अल्टबैक और हैंस डी विट, संपादक ट्रेंड्स एंड इश्यूज इन डॉक्टोरल एजुकेशन : ए ग्लोबल पर्सपैक्टिव , लॉस एंजेल्स और नई दिल्ली, सेज। 2020 पीपी. 295–315।

''इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन : ग्लोबल ट्रैंड्स एंड इंडियन इनिशियेटिव्ज'' पंकज मित्तल और सिस्तला रमा देवी पनी संपादक ''रिइमेजिनिंग इंडियन यूनिवर्सिटीज'', एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीजः नई दिल्ली। 2020।

नॉलेज, स्किल एंड ससटेनेबल डवलपमेंट : द रोल ऑफ हायर एजुकेशन, आर. गोविंदा और एम. पूर्णिमा संपादक, इंडियाज सोशियल सैक्टर : प्रॉब्लम्स एंड पर्सपैक्ट्स रूटलेज, लंदन, 2019 पीपी. 97–11।

''एजुकेशन एंड इकॉनोमिक इनैक्वीलिटीज : ह्वट इंडियन एविडेंस टैल्स अस'', शैक्षिक योजना और प्रशासन जर्नल, खंड 33, संख्या 3 2019 पीपी. 175–192।

''टूवार्डस डवलपिंग अ ग्लोबली कम्पटीटिव एंड इंक्लूसिव हायर एजुकेशन इन इंडिया'', अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा, संख्या 100 2019

अटैनमेंट एंड इंक्लूजन इन इंडियन हायर एजुकेशन, इंटरनेशनल ब्रीफ आन हायर एजुकेशन लीडर्स सिरीज, नं. 8, अमेरिकन काउंसिल फॉर एजुकेशन (एसीई) और

सेंटर फॉर इंटरनेशनल हायर एजुकेशन (सीआईएचई), 2019, पीपी. 10–12।

उच्च शिक्षा का वित्तपोषणः एक परिचय (जिनुशा पाणिग्रही के साथ) उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2018ः उच्च शिक्षा का वित्तपोषण संपादक वर्गीज एन.वी. और जिणुशा पाणिग्रही, सेज, नई दिल्ली, 2019 पीपी 1–22।

संगोष्ठियों/बैठकों में भागीदारी

3 अप्रैल 2019 को एआईयू में आवेदनों की जांच पर विशेषज्ञ समूह की बैठक में भागीदारी

यूजीसी में 4 अप्रैल 2019 को दूरस्थ शिक्षा से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक में भागीदारी

11 अप्रैल, 2019 को शास्त्री भवन में रिट्रीट ऑन एजुकेशन क्वालिटी अपग्रेडेशन एंड इंक्लूजन प्रोग्राम (ईक्यूयूआईपी) के विशेषज्ञ समूह की बैठक में भागीदारी

21–24 अप्रैल, 2019 के दौरान मसूरी में एमएचआरडी द्वारा आयोजित रिट्रीट ऑन एजुकेशन क्वालिटी अपग्रेडेशन एंड इंक्लूजन प्रोग्राम (ईक्यूयूआईपी) में भागीदारी

शास्त्री भवन में 26 अप्रैल 2019 को ईक्यूयूआईपी के विशेषज्ञ समूह 9 की बैठक

29 अप्रैल, 2019 को शास्त्री भवन में समग्र शिक्षा, एमएचआरडी, प्री–पीएबी बैठक

7 मई, 2019 को नीति आयोग में वरिष्ठ अधिकारियों (एसओएम) की बैठक में भागीदारी

9 मई, 2019 को विश्व बैंक समूह, ब्राजील के दूतावास द्वारा सह–आयोजित हिंदुस्तान टाइम्स हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, दिल्ली में ''भारत और ब्राजील में उच्च शिक्षाः प्रासंगिक भागीदारी'' पर ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल की बैठक में अध्यक्षता।

बुखारेस्ट, रोमानिया में मई 14–16, 2019 के दौरान निर्धारित दूसरी वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक (SOM2) और 7वीं ASEM शिक्षा मंत्रियों (ASEMME7) की बैठक में भाग लिया।

22 मई 2019 को लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ में पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत एक माह के फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम के उद्घाटन भाषण के लिए विशिष्ट अतिथि

27–29 मई, 2019 के दौरान पेरिस में आईआईईपी, पेरिस द्वारा आयोजित शैक्षिक योजना और प्रबंधन में प्रशिक्षण क्षमता बढ़ाने पर संगोष्ठी में भाग लिया और व्याख्यान दिया।

7 जून, 2019 को तिरुवनंतपुरम में केरल राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित मूल्यांकन और प्रत्यायन पर राज्य स्तरीय परामर्शदात्री बैठक में मुख्य संभाषण

11–13 जून, 2019 के दौरान हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान द्वारा आयोजित शैक्षिक विकास नेटवर्क के लिए अफ्रीका–एशिया विश्वविद्यालय संवाद की पहली आम सभा में भागीदारी, हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान।

17 जून, 2019 को यूजीसी में एक साथ दो डिग्री कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की जांच के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया

तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद द्वारा 24 जून, 2019 को हैदराबाद में आयोजित उच्च शिक्षा और नई शिक्षा नीति पर गोलमेज सम्मेलन में मुख्य अतिथि

26 जून, 2019 को शास्त्री भवन में शिक्षा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए सचिवालय की स्थापना पर मानव संसाधन विकास मंत्रालय की बैठक में भागीदारी

28 जून, 2019 (पूर्वाह्न) को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक में भागीदारी

28 जून, 2019 (दोपहर) को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में आयोजित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की कार्यकारी समिति की बैठक में भागीदारी

02 जुलाई, 2019 को नीपा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग इकाई (यूआईसी) की स्थापना पर एमएचआरडी, शास्त्री भवन में बैठक में भागीदारी

जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा 03 जुलाई, 2019 को आईएचसी में आयोजित 2020 सुधार एजेंडा में विश्व स्तर के विश्वविद्यालयों के निर्माण की भारत की आकांक्षा पर गोलमेज चर्चा में भागीदारी

नीपा में यूआईसी की स्थापना पर एमएचआरडी के साथ 12 जुलाई, 2019 को एमएचआरडी, शास्त्री भवन में बैठक

18 जुलाई 2019 को आईआईसी में आईआईसी योजना समूह की बैठक

24 जुलाई, 2019 को नीपा में एनसीटीई द्वारा आयोजित नई शिक्षा नीति (एनईपी) पर कुलपतियों के गोलमेज सम्मेलन में अध्यक्षता।

अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के लिए उच्च शिक्षा मंच द्वारा 25–27 जुलाई, 2019 को अदीस अबाबा, इथियोपिया में आयोजित विश्व के नए युग (डिस) आदेश में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी और मास्टर क्लास कार्यशालाओं में भाग लिया।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन में 01 अगस्त, 2019 को यूआईसी की स्थापना के तौर–तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए सचिव, उच्च शिक्षा के साथ बैठक

05 अगस्त, 2019 को एमएचआरडी – पीएआइएक्स / शांति परियोजना युवा प्रतियोगिता का पुरस्कार समारोह के लिए यूनेस्को पुरस्कार समिति की बैठक की अध्यक्षता की,

09 अगस्त, 2019 को फिक्की हाउस में तीसरी फिक्की उच्च शिक्षा समिति की बैठक

16 अगस्त, 2019 को हैदराबाद में अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सार्वजनिक नीति शिक्षा पर संगोष्ठी का उद्घाटन किया

21 अगस्त, 2019 को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, जनपथ में एचआरएम द्वारा स्कूल प्रमुखों के लिए एक शिक्षक की समग्र उन्नति के लिए निष्ठा–राष्ट्रीय पहल के शुभारंभ में भाग लिया

जाकिर हुसैन सेंटर फॉर एजुकेशनल स्टडीज, जेएनयू द्वारा 27 अगस्त, 2019 को जेएनयू में आयोजित भारतीय विश्वविद्यालयों / कॉलेजों में अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ाने और सुधारने पर रिपोर्ट पर चर्चा बैठक की अध्यक्षता

02 सितंबर, 2019 को ताज होटल में यूकेआईईआरआई, ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में यूके–इंडिया पॉलिसी डायलॉग – मोबिलिटी, रिसर्च, इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप में अध्यक्षता की

03 सितंबर, 2019 को आईआईटी, दिल्ली में यूकेआईईआरआई, ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में गतिशीलता, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता पर यू.के.–भारत नीति संवाद में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर एक सत्र में व्याख्यान दिया।

04 सितंबर, 2019 को होटल अशोक में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' द्वारा आयोजित शिक्षक 2019 के राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं के साथ बातचीत सह–रात्रिभोज में भागीदारी

06 सितंबर, 2019 को शास्त्री भवन में आयोजन समिति की इंटरमीडिएट वरिष्ठ अधिकारियों (आईएसओएम) की बैठक की सह–अध्यक्षता

07 सितंबर, 2019 को प्रवासी भारतीय केंद्रीय में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस समारोह में भागीदारी और 2030 तक कुल साक्षरता हासिल करने में मुद्दों और चुनौतियों पर एक पैनल चर्चा की अध्यक्षता की।

13 सितंबर, 2019 को गुवाहाटी में जेवियर बोर्ड ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में उच्च शिक्षा में संशोधन – चुनौतियां और रणनीति पर एक महत्वपूर्ण भाषण दिया।

16 सितंबर, 2019 (पूर्वाह्न) को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा लीडरशिप फॉर एकेडेमिशियन प्रोग्राम (लीप) राउंड II 2019–20 के शुभारंभ में भाग लिया।

16 सितंबर 2019 को प्रवासी भारतीय केंद्र में सचिव (उच्च शिक्षा), मा.सं.वि. मंत्रालय की अध्यक्षता में यूआईसी की समीक्षा बैठक में भाग लिया

16 सितंबर, 2019 (दोपहर) को शास्त्री भवन में सचिव (उच्च शिक्षा), मा.सं.वि. मंत्रालय की अध्यक्षता में यूआईसी की समीक्षा बैठक भाग लिया

19 सितंबर, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय युवा छात्रावास, चाणक्यपुरी में पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च द्वारा आयोजित फैलोशिप कार्यक्रम में संसद सदस्यों के विधायी सहायकों (एलएएमपी) उच्च शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान स्थिति और आवश्यक सुधारों पर व्याख्यान दिया गया।

21 सितंबर, 2019 को विज्ञान भवन में केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड (CABE) की एक विशेष बैठक में भाग लिया

फिक्की हाउस में 25 सितंबर, 2019 को फिक्की उच्च शिक्षा समिति की बैठक में भागीदारी

27 सितंबर, 2019 को शेरेटन होटल, साकेत में क्लेरिवेट एनालिटिक्स द्वारा आयोजित अच्छे शैक्षणिक अनुसंधान प्रथाओं पर गोलमेज चर्चा में भागीदारी

ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा 28 सितंबर, 2019 को सोनीपत में आयोजित ''भविष्य के विश्वविद्यालयः वैश्विक आकांक्षाएं और स्थानीय अनिवार्यता'' पर 10वीं वर्षगांठ स्मारक सम्मेलन में अध्यक्षता की

17 अक्टूबर, 2019 को शास्त्री भवन में माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यक्षता में नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) की कार्यकारी समिति की बैठक भागीदारी

श्री वेंकटेश्वर कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 18 अक्टूबर, 2019 को एस पी जैन ऑडिटोरियम साउथ कैंपस, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में गुणवत्ताः वर्तमान प्राथमिकताएं और भविष्य की चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में व्याख्यान दिया।

22 अक्टूबर, 2019 को नीपा में यूनेस्को पुरस्कारों के लिए जाँच समिति की बैठक की अध्यक्षता की

23 अक्टूबर, 2019 को माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा एचआरएम हाउस में आयोजित दिवाली मिलन लंच (दोपहर भोज) में भाग लिया

24 अक्टूबर, 2019 को यूएन हाउस में संयुक्त राष्ट्र दिवस स्वागत समारोह में भाग लिया

12–14 नवंबर, 2019 के दौरान अदीस अबाबा, इथियोपिया में अफ्रीकी संघ आयोग और अफ्रीकी अध्ययन संस्थान, कार्लटन विश्वविद्यालय, कनाडा द्वारा अफ्रीका में उच्च शिक्षा के पुनरोद्धार में अफ्रीकी प्रवासी की भूमिका पर मंच और कार्यशाला में भाग लिया।

15 नवंबर, 2019 को आईएचसी में भारतीय महाविद्यालय मंच और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2019 के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन की रजत जयंती में व्याख्यान दिया

ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग में 21 नवंबर, 2019 को ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग द्वारा आयोजित ऑस्ट्रेलिया और भारत शिक्षा के लिए ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री के साथ समूह चर्चा में गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता की

22 नवंबर, 2019 को अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग द्वारा आयोजित भारत ऑस्ट्रेलिया अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान कार्यशाला 2019 में भाग लिया

27 नवंबर, 2019 को विज्ञान भवन में फिक्की द्वारा आयोजित 15वें फिक्की उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2019 में शिक्षा के लिए सिस्टम थिंकिंग पर व्याख्यान दिया गया।

29 नवंबर, 2019 को शिक्षा प्रमुख, यूनिसेफ के साथ बैठक।

29 नवंबर, 2019 को टाइम्स हायर एजुकेशन के क्षेत्रीय निदेशक (दक्षिण एशिया) और मुख्य डेटा अधिकारी के साथ बैठक

मंगोलिया के उलानबटार में दिसंबर 02–04, 2019 के दौरान यूनेस्को के लिए मंगोलियाई राष्ट्रीय आयोग द्वारा आयोजित शिक्षा नीति समीक्षा बैठक में भाग लिया

05 दिसंबर, 2019 को होटल पार्क, नई दिल्ली में इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स (ICC) द्वारा आयोजित द्वितीय वैश्विक शिक्षा मंच में भाग लिया।

05 दिसंबर, 2019 (दोपहर) को शास्त्री भवन में एमएचआरडी के शिक्षक और शिक्षण योजना पर पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन में पदों के लिए चयन समिति की बैठक में भाग लिया

विशाखापत्तनम में 08–09 दिसंबर, 2019 के दौरान यूनेस्को एमजीआईईपी के संचालक मंडल की बैठक में भाग लिया

11 दिसंबर, 2019 को जेएनयू में सीईएसआई संगोष्ठी के समापन समारोह की अध्यक्षता की

16 दिसंबर, 2019 को शास्त्री भवन में सचिव (उच्च शिक्षा), एमएचआरडी की अध्यक्षता में ब्यूरो प्रमुखों की बैठक में भाग लिया

03 जनवरी, 2020 को शास्त्री भवन में एएसईएम आयोजन समिति की बैठक में भाग लिया

13 जनवरी, 2020 को विश्व बैंक, लोधी एस्टेट में एआईयू और एमएचआरडी और विश्व बैंक द्वारा आयोजित ''अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझानः भारत की भूमिका क्या है (और क्या होनी चाहिए)'' पर पैनल चर्चा में भाग लिया।

17 जनवरी, 2020 को आईआईसी में भारतीय अंतर्राष्ट्रीय केंद्र सलाहकार परिषद की बैठक में भाग लिया

अमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा 17 जनवरी, 2020 (दोपहर) को अमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में आयोजित द इंडिया यूनिवर्सिटी फोरम में उच्च शिक्षा में रैंकिंग पर पैनल चर्चा

24 जनवरी, 2020 को यूनेस्को हाउस में यूनेस्को, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के उत्सव के अवसर पर पैनलिस्ट

27 जनवरी, 2020 को संसद भवन एनेक्सी एक्सटेंशन भवन में मानव संसाधन विकास, एमएचआरडी पर संसद की स्थायी समिति की बैठक

29–30 जनवरी, 2020 को वाशिंगटन में सीएचईए इंटरनेशनल क्वालिटी ग्रुप (CIQG) 2020 की बैठक में भाग लिया।

31 जनवरी, 2020 को वाशिंगटन, डीसी में सीआईक्यूजी सलाहकार परिषद की बैठक में भागीदारी

06 फरवरी, 2020 को अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में यूईएससीओ एमजीआईईपी द्वारा आयोजित ''शिक्षा का भविष्य': सामाजिक और भावनात्मक सीख के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता'' पर संगोष्ठी में भाग लिया।

यूएसआईईएफ भवन में 07 फरवरी, 2020 को यूएसआईईएफ, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 2020–21 फुलब्राइट–नेहरू अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा प्रशासक संगोष्ठी के लिए राष्ट्रीय चयन समिति में भाग लिया

15 फरवरी, 2020 को वि.अ.आ.–मा.सं.वि.केन्द्र जेएनयू में यूआईजीसी–एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा में तीसरे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि

22 फरवरी, 2020 को आईसीएसएसआर में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय (IGNTU), अमरकंटक की वित्त समिति की बैठक

24 फरवरी, 2020 को शास्त्री भवन में इंटरमीडिएट वरिष्ठ अधिकारियों (आईएसओएम) आयोजन समिति की बैठक

26 फरवरी, 2020 को सीआईईटी एनसीईआरटी में शिक्षक शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी द्वारा आयोजित स्कूल नेतृत्व प्रथाओं पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य संभाषण।

फिक्की में 27 फरवरी, 2020 को फिक्की उच्च शिक्षा की बैठक में भागीदारी

आईएएसएसआई द्वारा 29 फरवरी, 2020 को बेंगलुरु में आयोजित नई शिक्षा नीति पर पैनल चर्चा में अध्यक्षता

02 मार्च, 2020 को तिरुवनंतपुरम में सीमैट, केरल द्वारा आयोजित स्कूल नेतृत्व सम्मेलन में महत्वपूर्ण संभाषण

16 मार्च, 2020 को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित शिक्षाविदों के लिए नेतृत्व कार्यक्रम (एलईएपी) में ''उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण'' पर व्याख्यान दिया।

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल

प्रकाशन

पुस्तकें/नियमावली/रिपोर्ट

यू–डाईस डैशबोर्ड (http://udise.schooleduinfo.in.) यू–डाईस आंकड़ा 2017–18 जिसमें स्कूली शिक्षा के प्रमुख प्रदर्शन संकेतक हैं (यूनिसेफ इंडिया कंट्री ऑफिस, नई दिल्ली के अनुसमर्थन से) अद्यतन किया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों और सम्मेलनों में भागीदारी

यूनिसेफ द्वारा 'आउट–ऑफ–स्कूल चिल्ड्रेन' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 02–03 दिसंबर, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में भाग लिया।

जेएनयू, नई दिल्ली में 09–11 दिसंबर, 2019 को आयोजित भारत के तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के वार्षिक सम्मेलन में 'शिक्षा अनुसंधान रूचि समूह का अर्थशास्त्र' में एक पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित/संगठित

6–8 जून, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में ''सीमैट की भूमिका और कार्यों पर अध्ययन'' पर आयोजित परामर्शी बैठक का (डा. एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी के साथ) संचालन।

15–19 जुलाई, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित ''प्रमुख राज्यों के लिए स्कूल शिक्षा क्षेत्र निदान की विश्लेषणात्मक रूपरेखा और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' (डा. एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी के साथ) डिजाइन और संचालित।

29 जुलाई से 02 अगस्त, 2019 तक ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित ''स्कूली शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पद्धतिः ओडिशा में समग्र शिक्षा के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना विकसित करने के लिए निहितार्थ'' (डा. एन.के. मोहंती के साथ) डिजाइन और संचालित।

19–23 अगस्त, 2019 को गुवाहाटी, असम में एसएसए और आरएमएसए के राज्य योजना और ईएमआईएस समन्वयकों के लिए ''उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए स्कूली शिक्षा क्षेत्र निदान के विश्लेषणात्मक ढांचे और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' (डा. एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी के साथ) डिजाइन और संचालित।

16–20 सितंबर, 2019 से गुवाहाटी, असम में ''स्कूली शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पद्धतिः असम में समग्र शिक्षा के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना विकसित करने के लिए निहितार्थ'' (डा. एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी के साथ) डिजाइन और संचालित ।

6–8 नवंबर, 2019 को इम्फाल, मणिपुर में एसपीओ, समग्र शिक्षा, मणिपुर सरकार द्वारा आयोजित मणिपुर राज्य तथा जिला योजना और शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली समन्वयकों के लिए स्कूल शिक्षा क्षेत्र निदान के विश्लेषणात्मक ढांचे और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का संचालन।

22–24 जनवरी, 2020 को एपीएचआरडीआई, बपतला, आंध्र प्रदेश में समग्र शिक्षा, आंध्र प्रदेश, यूनिसेफ के सहयोग से आयोजित राज्य/जिला स्तर के क्षेत्रीय अधिकारियों के लिए ''स्कूल शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पर कार्यशाला'' में संसाधन व्यक्ति।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रमों का विकास और निष्पादित

सहायक संकाय के रूप में एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम, 2019/2020 में अनिवार्य पाठ्यक्रम सं. सीसी–1 (शिक्षा में आर्थिक परिप्रेक्ष्य) पाठ्यक्रम का निष्पादन।

एम.फिल./पीएचडी प्रोग्राम, 2019/2020 में अनिवार्य पाठ्यक्रम सं. सीसी–6 (शिक्षा में उन्नत योजना तकनीक) के समन्वयक के रूप में निष्पादन।

सहायक संकाय के रूप में, पीजीडेपा पाठ्यक्रम संख्या 903: शैक्षिक योजनाः संकल्पना, दृष्टिकोण और प्रकार सितंबर, 2019।

पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में पीजीडेपा (द्वितीय चरण) ऑनलाइन उन्नत पाठ्यक्रम संख्या 907: शैक्षिक योजना में मूडल लर्निंग प्लेटफार्म का उपयोग का आयोजन जुलाई 2019।

आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 204: शैक्षिक योजना फरवरी 2020 सहायक संकाय के रूप में निष्पादित किया।

आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 205: शैक्षिक योजना की कार्यप्रणाली और तकनीक, मार्च 2020 सहायक संकाय के रूप में निष्पादित किया।

एम.फिल./पीएच.डी., डेपा और आईडेपा शोधों का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी (पीईएस) उप शिक्षा अधिकारी, कीर्तिनगर ब्लॉक, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड के पीजीडेपा शोध प्रबंध कार्य ''उत्तराखंड के टिहरी जिले के कीर्तिनगर ब्लॉक में प्राथमिक स्तर पर गुणवत्ता निगरानी तंत्र के कार्यान्वयन का अध्ययन, शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

मोहम्मद हामिद गनी, अफगानिस्तान के आईडेपा शोध प्रबंध कार्य "अफगानिस्तान में सामान्य शिक्षा विकास'' शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

सुश्री निधि रावत के पीएच.डी. शोध प्रबंध कार्य, ''भारत में प्राथमिक शिक्षा में जीआईएस आधारित स्कूल मैपिंग का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

श्री दीपेंद्र कुमार पाठक का पीएच.डी. शोध प्रबंध कार्य, ''पश्चिम बंगाल में स्कूल आधारित प्रबंधन और सामुदायिक भागीदारीः बर्दवान और पुरुलिया जिलों में चुनिंदा माध्यमिक विद्यालयों का एक अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

सुहैल अहमद मीर का पीएच.डी. (अंशकालिक) शोध प्रबंध कार्य, ''भारत में शिक्षा और श्रम बाजार परिणामों में अवसर की असमानता का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

सुश्री आयशा मलिक का पीएच.डी. शोध कार्य ''राजस्थान में स्कूल विलय नीति के परिणामों के आधार पर जीआईएस आधारित विश्लेषण'' शीर्षक का पर्यवेक्षण किया।

सुश्री काव्या चंद्रा के पीएच.डी. शोध प्रबंध कार्य ''शिक्षा सुधार, कार्यान्वयन और जवाबदेहीः दक्षिण दिल्ली के सरकारी स्कूलों में सुधार कार्यान्वयन का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

सुश्री सोनू प्रिया के एम.फिल. शोध कार्य ''भारत में उच्च शिक्षा का संघवाद और शासनः 1977 से केन्द्र सरकार की बदलती भूमिका और कार्य का विश्लेषण'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

मा.सं.वि.मं., वि.अ.आ., राज्य सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों को प्रदान की गईं महत्वपूर्ण परामर्श और सलाहकारी सेवाएं

महाविद्यालय शिक्षकों द्वारा विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए यात्रा अनुदान सहायता प्रस्तावों के मूल्यांकन और निर्धारण के लिए यूजीसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य।

यूजीसी–आईओई सचिवालय के लिए सलाहकार की नियुक्ति के लिए यूजीसी जाँच समिति के सदस्य।

सदस्य, यूजीसी विशेषज्ञ समिति के रूप में यूजीसी (दूरस्थ मुक्त अधिगम) विनियम 2017 के अनुपालन के ऑनसाइट मूल्यांकन के लिए 25–26 जुलाई, 2019 तक अरुणाचल विश्वविद्यालय, अध्ययनशाला, अरुणाचल प्रदेश–792103 का दौरा किया।

सदस्य, यूजीसी विशेषज्ञ समिति के रूप में विनायक मिशन रिसर्च फाउंडेशन (वीएमआरएफ), मानित विश्वविद्यालय, सांकरी मेन रोड, अरनूर, सलेम, तमिलनाडु–636308 के कामकाज की व्यापक समीक्षा के लिए 29 मई से 01 जून, 2019 तक का दौरा किया।

सदस्य, यूजीसी विशेषज्ञ समिति के रूप में आइआइएमटी विश्वविद्यालय (निजी विश्वविद्यालय), "ओ" पॉकेट, गंगा नगर, मवाना रोड, मेरठ, उत्तर प्रदेश के कामकाज की व्यापक समीक्षा के लिए 20–21 दिसंबर, 2019 को दौरा किया।

सदस्य, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार द्वारा गठित शाला कोष संचालन समिति।

सदस्य, एनसीईआरटी, नई दिल्ली के शैक्षिक सर्वेक्षण प्रभाग की विभागीय सलाहकार समिति।

सदस्य, एससीईआरटी, दिल्ली की वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति।

सदस्य, डाईट वार्षिक कार्यक्रम सलाहकार समिति, कड़कड़डूमा, दिल्ली।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना विभाग की वार्षिक कार्य योजना और बजट, 2020–2021 तैयार किया और 18 फरवरी 2020 को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया।

प्रभारी, यू–डाईस परियोजना 4 जनवरी 2017 से नीपा में यू–डाईस परियोजना का प्रबंधन किया।

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम नीपा की स्थायी सलाहकार समिति।

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम नीपा के पर्यवेक्षक आवंटन समिति (सीएएस)।

सदस्य, नीपा अध्ययन बोर्ड।

सदस्य, नीपा अकादमिक परिषद।

सदस्य, शैक्षिक वित्त विभाग की विभागीय सलाहकार समिति, नीपा।

सदस्य, शैक्षिक नीति विभाग की विभागीय सलाहकार समिति, नीपा।

सदस्य, शिक्षा विभाग में प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण विभाग की विभागीय सलाहकार समिति, नीपा

सदस्य, नीपा अध्येतावृत्ति के संवितरण के लिए दिशानिर्देश विकसित करने के लिए समिति

अध्यक्ष, नीपा अनुसंधान और नवाचार नीति पर उप–समिति

सदस्य, नीपा पुस्तक चयन समिति।

सदस्य, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन एकक (आईक्यूएसी), नीपा।

अध्यक्ष, नीपा तकनीकी समिति

सदस्य, नीपा प्रकाशन सलाहकार समिति।

सदस्य, नीपा के एम.फिल/पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा की रूपरेखा तैयार करने वाली समिति।

एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रम 2015/16 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा संचालन में सहायता की।

नीपा एम.फिल/पीएच.डी. कार्यक्रम में प्रवेश के लिए साक्षात्कार बोर्ड के सदस्य

अनुसंधान अध्ययन

तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर चल रही कार्रवाई अनुसंधान परियोजना के चरण I के अध्ययन को पूरा किया गया था और 2014 में रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया था। कार्रवाई अनुसंधान के दूसरे चरण में, तमिलनाडु और ओडिशा में नमूना जिलों की कार्रवाई अनुसंधान दल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) को विकसित किया गया। ये मॉडल योजनाएं और अनुसंधान के प्रमुख खोजों को नीपा, नई दिल्ली में 4–6 जून, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला में प्रस्तुत किया गया। इसके बाद कार्रवाई अनुसंधान दलों को मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) को अंतिम रूप देने में काफी समय लगा और इसे फरवरी 2020 को नीपा में प्रस्तुत किया गया। कार्रवाई अनुसंधान परियोजना के (चरण I और II) को अंतिम रूप दिया जा रहा है और इसे फरवरी 2021 तक नीपा को प्रस्तुत की जायेगी।

पी. गीता रानी

प्रकाशन

पुस्तकें / नियमावली

शीर्षक 'डायवर्सिटी इन प्रोफेशनल हायर एजुकेशन इन इंडिया, इन इन्क्लूडिंग द एक्सक्लूडेड इन साउथ एशिया', (सं.) 2019 एक अध्याय का योगदान, स्प्रिंगर, आईएसबीएन 978–981–32–9758–6।

शीर्षक 'फाइनेंसिंग हायर एजुकेशन इन इंडियाः इज इट स्ट्रक्चरल? इन फ्यूचर आफ हायर एजुकेशन इन इंडिया', (सं.) एक अध्याय का योगदान, स्प्रिंगर, आईएसबीएन 978–981–32–9060–0।

शोध पत्र / आलेख / टिप्पणी

गीता रानी, पी. और मुकेश, पैटर्न आफ इन्रोलमेंट एंड ड्रॉपआउट इन स्कूल एजुकेशन इन इंडियाः पॉसीबल इंफ्रेंसेस ऑन इन्क्लूसिब क्वालिटी एजुकेशन, जेपा जिल्द 33(3) 2019, 219–247. आईएसएसएन 0971–3859

पी. गीता रानी, मेघा श्री और राजेश शुक्ल, रिटर्न टू स्किल इन इंडियाः द रोल ऑफ डिजिटल एक्सैस एंड यूजेज, इंडियन जर्नल ऑफ हूमन डवलपमेंट, 13(3) 254–277, 2019, 2456–480एक्स

पी. गीता रानी, मुकेश और आर. गोपीनाथन, इनरोलमेंट बाइ एकेडमिक डिसिप्लिन इन हायर एजुकेशनः डिफरेंशियल एंड डिटरमिनेंट्स, जर्नल ऑफ एशियन बिजनैस एंड इकोनमिक स्ट्डीज, डीओआइ 10:1108 / जेएबीईएस–12– 2019–0104. आइएसएसएन 1859–1116

एस. चन्द्रशेखर, पी. गीता रानी और सोहम साहू, हाउसहोल्ड एक्सपैंडीचर ऑन हायर एजुकेशन इन इंडियाः ह्वट डू वी नो एंड ह्वट वी रिसेंट डटा हैव टू से? (सह–लेखक) इकोनमिक एंड पॉलिटिकल वीकली, 2019, वॉल्यूम 54 (20), 18 मई, 2019, पीपी. 52–60, 0012–9976

मेघा श्री, पी गीता रानी और राजेश शुक्ल, अंडरस्टेंडिंग द लिंकेज बिटवीन स्किल, एजुकेशन एंड अर्निंग्स, रोजगार समाचार, अप्रैल 20–26, 2019

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

नीपा, नई दिल्ली में 24–26 जुलाई 2019 को विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर आयोजित कार्यशाला में उच्च शिक्षा संस्थानों में वित्तीय प्रबंधन व्यवस्था पर पैनलिस्ट।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास में 13–14 अक्टूबर, 2019 को आयोजित ज्ञान गोष्ठी के 14वें वार्षिक सम्मेलन में "भारत में आईसीटी कौशल, शिक्षा और कार्य पर आधारित कौशल पर वापसी" शीर्षक से एक संयुक्त पत्र प्रस्तुत किया।

7–9 दिसंबर, 2019 में सीडीईआइएस पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला द्वारा आयोजित 61वें वार्षिक आइएसएलई सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए ''केरल में बाल्यावस्था देखभाल सुविधाओं के लिए शिक्षित माताओं और उनकी पहुँच'' शीर्षक से पत्र प्रस्तुत।

8–10 जनवरी, 2020 के दौरान स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै द्वारा आयोजित इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस) के 56वें वार्षिक सम्मेलन में प्रस्तुति के लिए ''भारत में कौशल की वापसीः डिजिटल पहुँच और उपयोग की भूमिका'' शीर्षक से संयुक्त पत्र प्रस्तुत।

8–10 जनवरी, 2020 के दौरान स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै द्वारा आयोजित इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस) के 56वें वार्षिक सम्मेलन में विकास अर्थशास्त्र III पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

कार्यशालाएं / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

26 अगस्त से 06 सितम्बर, 2019 तक 'बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण पर दो सप्ताह की अनुसंधान पद्धतिः आंकड़ा विश्लेषण और उपकरण पर आयोजित कार्यशाला, नीपा, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संपादित

अनुसंधान पद्धति CC5B: मात्रात्मक अनुसंधान विधियां

अर्थशास्त्र और शिक्षा का वित्त पोषण ओसी11

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन के लिए शोध पत्रों के आंतरिक निर्देशिती।

8–10 जनवरी, 2020 के दौरान स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, मदुरै द्वारा आयोजित इंडियन इकोनोमेट्रिक सोसाइटी (टीआईईएस) के 56वें वार्षिक सम्मेलन में अर्थशास्त्र विकास III पर तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

14–15 फरवरी, 2020, अर्थशास्त्र विभाग, गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), डिंडीगुल, तमिलनाडु द्वारा आयोजित 'उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरणः भारत में अनुभव के तीन दशक,' पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में तकनीकी सत्र पर एल.पी.जी. और कृषि क्षेत्र पर पैनल चर्चा में अध्यक्षता

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

आइडेपा 2019 शोध प्रबंध ''कैमरून के पूर्वी क्षेत्र में स्कूल ड्रॉपआउट के कारण'' शीर्षक का निरीक्षण किया और मूल्यांकन।

एम.फिल. शोध प्रबंध ''रोजगार और रोजगारशीलता कौशलः केंद्रीय विश्वविद्यालय, ओडिशा, भारत 2020 का एक अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया

एम.फिल./पीएच.डी. उत्तर पत्रक मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2019–21 में प्रवेश के लिए साक्षात्कार और अन्य संबंधित गतिविधियों के लिए आने वाले संभावित उम्मीदवारों की सूची तैयार करने में सहायता।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2019–21 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन में सहायता।

लॉरेंस हैमिल्टन द्वारा अर्मत्य सेन पर पुस्तक (प्रमुख समकालीन विचारक श्रृंखला) की पुस्तक समीक्षा, जेपा, 2019, जिल्द 33(3), पृ. 259–263 में योगदान दिया गया।

एमएससी अर्थशास्त्र शोध प्रबंधन के लिए बाहरी परीक्षक।

एम.फिल. शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक।

पीएचडी शोध प्रबंध के लिए बाहरी परीक्षक।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारतीय अर्थमिति सोसायटी, 2020 कार्यकारी समिति के सदस्य।

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद, बैंगलोर द्वारा एक प्रोफेसर के रूप में प्रतिष्ठित

एन.के. मोहंती

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों और सम्मेलनों में भागीदारी

11 नवंबर, 2019 को एनसीआर प्लानिंग बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एनसीआर–2041– कल के महानतम पूंजी क्षेत्र के लिए योजना,' सम्मेलन के उद्घाटन में भागीदारी।

03 जनवरी, 2020 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एनसीआर प्लानिंग बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'एनसीआर क्षेत्रीय योजना–2041 की तैयारी के बारे में शिक्षा', कार्यशाला में भागीदारी।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (NILERD) के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों की दौरे को समन्वित किया। फरवरी, 2020, नीपा, नई दिल्ली

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित

6–8 जून, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में ''सीमैट की भूमिकाओं और कार्यों पर अध्ययन'' के परामर्शी बैठक में संसाधन व्यक्ति के रूप में संचालन किया।

15–19 जुलाई, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित ''प्रमुख राज्यों के लिए स्कूल शिक्षा क्षेत्र निदान की विश्लेषणात्मक रूपरेखा और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' (प्रो. के. बिस्वाल और डा. सुमन नेगी के साथ) डिजाइन और संचालित।

29 जुलाई से 02 अगस्त, 2019 तक भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित ''स्कूली शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पद्धतिः ओडिशा में समग्र शिक्षा के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना विकसित करने के लिए निहितार्थ'' (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) डिजाइन और संचालित।

19–23 अगस्त, 2019 को गुवाहाटी, असम में एसएसए और आरएमएसए के राज्य योजना और ईएमआईएस समन्वयकों के लिए ''उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए स्कूली शिक्षा क्षेत्र निदान के विश्लेषणात्मक ढांचे और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' (डा. एन.के. मोहंती और डा. सुमन नेगी के साथ) डिजाइन और संचालित।

6–8 नवंबर, 2019 को इम्फाल, मणिपुर में एसपीओ, समग्र शिक्षा, मणिपुर सरकार द्वारा आयोजित मणिपुर राज्य तथा जिला योजना और शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली समन्वयकों के लिए स्कूल शिक्षा क्षेत्र निदान के विश्लेषणात्मक ढांचे और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम'' का (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) डिजाइन और संचालन।

26 अगस्त से 06 सितम्बर, 2019 तक शैक्षिक योजना विभाग, नीपा, नई दिल्ली में प्रो. पी. गीता रानी द्वारा संचालित ''बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण पर अनुसंधान पद्धतिः आंकड़ा विश्लेषण और उपकरण कार्यशाला'' में संसाधन व्यक्ति के रूप में कार्य।

16–20 सितंबर, 2019 से गुवाहाटी, असम में ''स्कूली शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पद्धतिः असम में समग्र शिक्षा के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना विकसित करने के लिए निहितार्थ'' (प्रो. के. बिस्वाल और डा. सुमन नेगी के साथ) डिजाइन और संचालित।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और संपादित

एम.फिल./पीएच.डी. प्रोग्राम, 2019–20 के लिए अनिवार्य पाठ्यक्रम सं. सीसी–6 (शिक्षा में उन्नत योजना तकनीक) (प्रो. के. बिस्वाल के साथ) निष्पादित।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, आइडेपा पाठ्यक्रम संख्या 204: शैक्षिक योजना का आयोजन किया फरवरी 2020।

आईडेपा पाठ्यक्रम सं. 205: शैक्षिक योजना की पद्धति और तकनीक का निष्पादन, मार्च 2020।

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, पीजीडेपा पाठ्यक्रम संख्या 903: शैक्षिक योजनाः संकल्पना, प्रकार और दृष्टिकोण का आयोजन, सितंबर–नवंबर, 2019।

पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में, पीजीडेपा (चरण II) ऑनलाइन एडवांस कोर्स सं. 907: शैक्षिक योजना, जुलाई, 2019 में मूडल लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग।

क्षेत्र निदान पर सिमुलेशन अभ्यासः पहुँच और भागीदारी के संकेतक, को संशोधित किया अगस्त 2019।

संशोधित (डा. सुमन नेगी के साथ) क्षेत्र निदान पर सिमुलेशन अभ्यासः आंतरिक दक्षता के संकेतक, अगस्त 2019।

मा.सं.वि.मं., यूजीसी, राज्य सरकारों, अंतरराष्ट्रीय संगठनों और राष्ट्रीय संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण परामर्श तथा सलाहकारी सेवाएँ

मा.सं.वि.मं., भारत सरकार द्वारा समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन की सुविधा के लिए राज्य और जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (परिप्रेक्ष्य और वार्षिक कार्य योजना एवं बजट) की तैयारी के लिए विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी सहायता प्रदान की।

एनसीआर योजना बोर्ड के अध्ययन समूह VIII (सामाजिक अवसंरचना) के सदस्य के रूप में, नीपा, नई दिल्ली के प्रो. अविनाश सिंह के साथ शिक्षा पर अध्ययन समूह की रिपोर्ट तैयार की और एनसीआर के लिए क्षेत्रीय योजना 2041 में शामिल करने हेतु एनसीआर योजना बोर्ड को प्रस्तुत किया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

श्री एस.बी. धनंजया, व्याख्याता, डाइट–मांड्या, कर्नाटक के पीजीडेपा 2019 शोध प्रबंध कार्य ''कर्नाटक के मैसूर जिले में सार्वजनिक निजी भागीदारी के माध्यम से अक्षरा दशोहा (मिड–डे मील) योजना के कार्यान्वयन में सर्वश्रेष्ठ प्रथाओं का एक अध्ययन, शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन किया।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में एम.फिल./पीएच.डी.कार्यक्रम 2019–21 में प्रवेश के लिए आवेदनों के प्रसंस्करण और अन्य संबंधित गतिविधियों में सहायता की।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम 2019–21 में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा के संचालन में सहायता की।

अनुसंधान अध्ययन

तमिलनाडु और ओडिशा में आरएमएसए के तहत जिला माध्यमिक शिक्षा योजना के विकास पर जारी कार्रवाई अनुसंधान परियोजना पर अध्ययन के चरण I को पूरा किया गया था और 2014 में रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया गया था। कार्रवाई अनुसंधान के दूसरे चरण में, तमिलनाडु और ओडिशा में नमूना जिलों की कार्रवाई अनुसंधान दल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) को विकसित किया गया। ये मॉडल योजनाएं और अनुसंधान के प्रमुख खोजों को नीपा, नई दिल्ली में 4–6 जून, 2018 को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की साझा कार्यशाला में प्रस्तुत किया। इसके बाद कार्रवाई अनुसंधान दलों को मॉडल जिला माध्यमिक शिक्षा योजनाओं (डीएसईपी) को अंतिम रूप देने में काफी समय लगा और इसे फरवरी 2020 को नीपा में प्रस्तुत किया गया। कार्रवाई अनुसंधान परियोजना के (चरण I और II) को अंतिम रूप दिया जाा रहा है और इसे फरवरी 2021 तक नीपा को प्रस्तुत की जायेगी।

'पब्लिक–प्राइवेट मिक्स इन सेकेंडरी इजुकेशन इन इंडियाः साइज, इन–स्कूल फैसिलिटीज एंड इंटेक प्रोफाइल' परियोजना प्रगति पर है। अब तक, संबंधित साहित्य की समीक्षा कर ली गई है; यू–डाइस और अन्य स्रोतों से माध्यमिक डेटा और जानकारी भी एकत्र कर ली गई है। डेटा विश्लेषण और रिपोर्ट लेखन प्रगति पर है और मार्च 2020 तक पूरा होने की उम्मीद है।

सुमन नेगी

प्रकाशन

प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

शीर्षक ''एजुकेशन डवलपमेंट इन हिमाचल प्रदेश'', इन पापुलेशन डायनामिक्स इन कंटंमपोरेरी साउथ एशियाः हैल्थ, एजुकेशन एंड माइग्रेशन (सं.) एक अध्याय का योगदान पृ. 153–174, स्प्रिंगर, मार्च 2020, आईएसबीएन 978–981–15–1668–9।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों में सहभागिता

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

12 अप्रैल, 2019 को शिक्षा संकाय, जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा (यू.पी.) द्वारा आयोजित ''सतत भविष्य के लिए शिक्षा में उभरते रुझान पर बहुविषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षा और सतत विकास (ईटीईएसएफ–2019) पर पत्र प्रस्तुत।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

दो सप्ताह 2–14 सितंबर, 2019 तक एम.फिल. 'शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग का उपयोग' पर कार्यशाला को समन्वित किया।

6–8 जून, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित सीमैट के भूमिकाओं और कार्य पर अध्ययन के लिए परामर्शी बैठक को (प्रो. के.एस. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती के साथ) डिजाइन और संचालित किया।

15–19 जुलाई, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित स्कूल शिक्षा क्षेत्रक निदान के विश्लेषणात्मक ढांचे और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम (प्रमुख राज्यों के लिए) (प्रो. के.एस. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती के साथ) डिजाइन और संचालित किया।

19–23 अगस्त, 2019 को गुवाहाटी, असम में (प्रो. के. एस. बिस्वाल और डा. एन.के. मोहंती के साथ) उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए स्कूली शिक्षा क्षेत्रक निदान की विश्लेषणात्मक रूपरेखा और तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का डिजाइन और संचालन।

16–20 सितंबर, 2019 को गुवाहाटी, असम में ''स्कूली शिक्षा में परिणाम आधारित योजना पद्धतिः असम में समग्र शिक्षा के तहत जिला स्कूल शिक्षा योजना विकसित करने के लिए निहितार्थ'' (प्रो. के. बिस्वाल और डा. सुमन नेगी के साथ) डिजाइन और संचालित।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रमों का विकास और संचालन

पाठ्यक्रम निष्पादित

एम.फिल. शैक्षिक योजना पर अनिवार्य पाठ्यक्रम, (सीसी–6)

शैक्षिक अनुसंधान में सॉफ्टवेयर अनुप्रयोग के उपयोग पर एम.फिल. कार्यशाला

पीजीडेपा पाठ्यक्रम संख्या 903ः शैक्षिक योजना

शैक्षिक योजना पर उन्नत पीजीडेपा पाठ्यक्रम– ऑनलाइन

आईडेपा पाठ्यक्रम संख्या 205ः शैक्षिक योजना पद्धति और तकनीक

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

1 अप्रैल 2019 को सेंटर फॉर कल्चर, मीडिया एंड गवर्नेंस जामिया मिलिया इस्लामिया के एसपीएसएस कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

9–15 दिसंबर, 2019 तक शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सामाजिक विज्ञान में उन्नत मात्रात्मक अनुसंधान विधियों (एक्यूआरएम) पर राष्ट्रीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति।

28 जनवरी 2020 को आरईसीपी एकक एससीईआरटी हरियाणा, गुरुग्राम द्वारा संचालित अनुसंधान पद्धति पर कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल. शोध प्रबंध– ''तिब्बती शरणार्थी बच्चों की शिक्षाः भारत में उनके अनुभवों पर एक अध्ययन'' तरसिंग लामो, जुलाई 2019 में पूरा हुआ।

आइडेपा परियोजना कार्य– भूटान के त्रशी यांग्त्सी जिले में प्राथमिक स्कूलों में शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए साधन के रूप में पर्यवेक्षण पर अध्ययन – चेन्चो टीशिंग, अगस्त 2019 में पूरा हुआ।

पीजीडीईपीए परियोजना कार्य– हरियाणा के भिवाड़ी जिले में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) का अध्ययन– श्रुति सिंह, मार्च 2020 में पूरा हुआ।

13 अगस्त, 2019 को नीपा द्वारा आयोजित सीडब्ल्युडी मूल्यांकन पर नीतिः डाइस और सीबीएसई से व्यावसायिक नीति निर्माण के लिए आकड़ेः समावेशी शिक्षा का कार्यान्वयन पर अभिविन्यास कार्यक्रम में एक सत्र लिया।

नीपा एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम के प्रवेश और संचालन समिति के सदस्य के रूप में, नीपा एम.फिल. –पीएच.डी. कार्यक्रम विवरणिका 2020 की तैयार करने में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी का निर्वहन।

सदस्य, नीपा एम.फिल.–पीएच.डी. उपाधि विनियम 2020 के मुख्य प्रारूपण।

जुलाई 2019–अप्रैल 2020 तक एम.फिल–पीएचडी के दोनों सेमेस्टरों के लिए कार्यक्रम अनुसूची तैयार की।

एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए संचालन समिति के सदस्य के रूप में योगदान।

सदस्य, स्थायी खरीद समिति।

अनुवीक्षण समिति के भाग के रूप में आवेदन पत्रों की प्रारंभिक जाँच में योगदान दिया।

नीपा आरक्षण रोस्टर की तैयारी के लिए समिति सदस्य

सदस्य नीपा परीक्षा समिति

सदस्य नीपा प्रवेश समिति

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश

प्रकाशन

कुमार सुरेश (सह–लेखक) 2019. लोकल एंड ग्लोबल ''कांग्रीज'' शेपिंग एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेशन इन इंडिया; वेनेसर फर्नांडेज़ एंड फिलिप डब्ल्यू.के., संपा, एशिया पैसिफिक एजुकेशनः लीडरशिप, गर्वनेंस एंड एडमिनिस्ट्रेशन, चार्लोट, एनसीः इन्फोर्मेशन एज पब्लिशन।

संसाधन व्यक्ति के रूप में शैक्षणिक कार्यक्रमों, सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/आमंत्रित व्याख्यानों में भागीदारी

10 दिसंबर, 2019 को जेएनयू द्वारा भारत की तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी), सम्मेलन केन्द्र, जेएनयू में आयोजित भारत के तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे समानांतर सत्र में भागीदारी और अध्यक्षता की।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज द्वारा आयोजित एनएएसी रूपरेखा के तहत उच्च शिक्षा संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ आचरण के मूल्यांकन और प्रत्यायन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में उच्च शिक्षा संस्थानों चुनौतियों और संभावनाओं पर शासन, नेतृत्व और प्रबंधन पर भागीदारी और प्रस्तुति, 5 नवंबर, 2019।

28–29 दिसंबर, 2019 को आईडीसी, चंडीगढ़ में हिरोशिमा विश्वविद्यालय, जापान के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय विकास केंद्र द्वारा आयोजित वैश्विक जीवन और राजनीतिक क्षेत्र के परिवर्तन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला भारत में राजनीतिक विकास और संघीय अंतर का पुनरुत्थान पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

15 नवंबर, 2019 को एसोचैम के सहयोग से इंडियन कॉलेज फोरम द्वारा आयोजित आइसीएफ और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन के 25वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में बहु–विषयक लिबरल आर्ट्स का परिचय विषय पर भाग लिया और सत्र की अध्यक्षता की।

20 फरवरी, 2020 को ब्रिटिश काउंसिल ऑफ इंडिया के सहयोग से सीपीआरएचई द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तता'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया और प्रस्तुती की।

5 मार्च, 2020 को शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उच्च शिक्षा और शिक्षकों की तैयारी के अभिशासन में रुझान विषय पर विशेष व्याख्यान दिया।

2 अगस्त, 2019 को एनएएसी बैंगलोर के सहयोग से श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित

शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में शिक्षण और अधिगम में गुणवत्ता उन्नति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन की पहली पूर्णता पर पैनलिस्ट।

5 अक्टूबर 2019 को प्रो. ए.के. सिंह, नीपा द्वारा आयोजित ''गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकताः नीतियों और प्रथाओं के लिए निहितार्थ'' पर राष्ट्रीय परिचर्चा बैठक में मान्य सत्र की अध्यक्षता।

22 नवंबर, 2019 को यूजीसी और मा.सं.वि.मं. के सहयोग से भारत–ऑस्ट्रेलिया संस्थान द्वारा आयोजित भारत–ऑस्ट्रेलिया अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान कार्यशाला में भाग लिया।

12 अक्टूबर, 2019 को समाजशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित अतिरिक्त भित्ति व्याख्यान दिया।

24 फरवरी, 2020 को ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, यूपी द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विदाई संबोधन के लिए आमंत्रित।

19 नवंबर, 2019 को यूजीसी–एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा और संस्थागत तैयारी में रुझान और चुनौतियों पर 115वें अभिविन्यास कार्यक्रम में व्याख्यान।

5 मार्च 2020 को एचआरडीसी जामिया मिलिया इस्लामिया में व्याख्यान।

कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का आयोजन

22–23 जुलाई, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में भारत के केंद्र शासित प्रदेशों में स्कूल शिक्षा के प्रशासन और प्रबंधन पर कार्यशाला।

24–26 जुलाई, 2019 को नीपा में विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला सह अभिविन्यास कार्यक्रम।

19–21 अगस्त, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा के संस्थागत शासन में नवाचारों और अच्छे आचरण पर कार्यशाला।

13–14 मई, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में नोडल समन्वयकों के शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की समीक्षा बैठक।

01–15 जनवरी, 2020 तक नीपा में जामिया मिलिया इस्लामिया के एम.एड. छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम।

25–29 नवंबर, 2019 तक नीपा में आरईआइ भोपाल के एम.एड. छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम।

01–05 जुलाई, 2019 को नीपा में रिसर्च स्कॉलर्स के लिए लेखन कौशल पर कार्यशाला।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास तथा सम्पादित

पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में मूल पाठ्यक्रम सीसी–07 शैक्षिक प्रशासन और प्रबंधन पर पाठ्यक्रम निष्पादित कर विस्तृत रूपरेखा तैयार की और दूसरों के साथ–साथ पाठ्यक्रम को हस्तांतरित किया।

समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–07 के पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में पाठ्यक्रम का निष्पादन की विस्तृत रूपरेखा तैयार कर 10 सत्रों में निष्पादित किया।

सीसी–01 की पाठ्यक्रम टीम के सदस्य के रूप में शिक्षा में राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर 11 सत्रों का निष्पादन किया।

शैक्षिक प्रशासन, समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा, राजनीतिक परिप्रेक्ष्य और और लेखन कौशल के क्षेत्र में एम.फिल. पाठ्यक्रम के पाठ्यचर्या का संशोधन और विकास।

पीजीडेपा और आइडेपा पाठ्यक्रम का संशोधन और विकास।

शैक्षिक प्रशासन पर पीजीडेपा पाठ्यक्रम समन्वित और हस्तांतरित

पीजीडेपा के उन्नत पाठ्यक्रम में शैक्षिक प्रशासन में 50 प्रतिशत का निष्पादन।

आइडेपा पाठ्यक्रम में शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम निष्पादन

आइईपीए म्यांमार कार्यक्रम में शैक्षिक प्रशासन पर पाठ्यक्रम निष्पादन

एक संसाधन व्यक्ति के रूप में नीपा में शैक्षिक प्रशासन विभाग और अन्य विभागों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों में कई व्याख्यान दिए।

सार्वजनिक निकायों को परामर्शकारी अकादमिक सहायता

रिसर्च एंड रिफ्लैक्शन आन एजुकेशन पत्रिका के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, सेंट जेवियर कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पलामकोट्टई

जामिया जर्नल ऑफ एजुकेशन के संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य

दिल्ली विश्वविद्यालय, जेएनयू, इग्नू, जामिया मिलिया इस्लामिया आदि के एम.फिल./पीएच.डी. शोध प्रबंधों का मूल्यांकन करने के लिए विशेषज्ञ

शैक्षिक अध्ययन विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली के अध्ययन मंडल के सदस्य

समाजशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ के अध्ययन मंडल के सदस्य

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

1 जुलाई 2018 से **रजिस्ट्रार (प्रभारी)**, इस क्षमता में पारदर्शिता, जवाबदेही और शासन की आसानी के सिद्धांत के साथ सुदृढ़ीकरण के लिए कई पहल की गईं। इनमें कुछ निम्नलिखित हैं

संस्था में नियमों/दिशानिर्देशों का निरूपण/संशोधन (सेवा विनियम, भर्ती नियम, मकान आवंटन नियम, शक्तियों का संशोधन, यूजीसी के अनुसार संस्था के ज्ञापन का संशोधन, मानित विश्वविद्यालय के साथ–साथ संस्थागत नीति दिशानिर्देशों को संशोधित करना और विभिन्न समितियों का गठन और प्रक्रियाएं शुरू की।

इस अवधि के दौरान प्रबंधन मंडल, अकादमिक परिषद और अध्ययन बोर्ड की दो बैठकें आयोजित की गईं। एजेंडे के सभी दस्तावेज और अन्य संबंधित दस्तावेज मेरे निविष्ट और समग्र पर्यवेक्षण के तहत तैयार किए गए थे।

शैक्षिक प्रशासन विभाग के प्रमुख के रूप में विभाग की विभिन्न गतिविधियों का नेतृत्व किया जिसमें विभाग सलाहकार समिति की बैठकों का संगठन और विस्तृत एजेंडा टिप्पणी तैयार करना शामिल है। नवाचार योजनाओं के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की सलाहकार समिति की बैठक भी आयोजित की।

मा.सं.वि. मंत्रालय के साथ हस्ताक्षर करने के लिए समझौता ज्ञापन के दस्तावेज तैयार करने के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

एनएएसी प्रक्रिया द्वारा संस्था के मूल्यांकन हेतु एसएसआर तैयार करने के लिए समिति के अध्यक्ष के रूप में, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों की बैठकों की एक श्रृंखला के माध्यम से उन्मुखक किया गया था।

जिला और ब्लॉक स्तर के शिक्षा अधिकारियों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नवाचारों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार योजना कार्यक्रम के निदेशक के रूप में वर्ष भर में योजनाओं के कार्यान्वयन से संबंधित कई जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

परियोजना निदेशक के रूप में शैक्षिक प्रशासन के तीसरे अखिल भारतीय सर्वेक्षण की प्रमुख परियोजना का नेतृत्व किया। इसमें शैक्षणिक इनपुट, मार्गदर्शन और निगरानी से संबंधित कई गतिविधियाँ शामिल थीं

एक संपादक के रूप में योगदान

संपादकः नीपा समसामयिक पेपर श्रृंखला (समीक्षाधीन अवधि के दौरान दो समसामयिक पत्र प्रकाशित किए गए)।

संपादकः नीपा नीति संक्षिप्त

एम.फिल./पीएच.डी. अनुसंधान विद्वानों का पर्यवेक्षण

डॉक्टोरल कर रहे पांच अनुसंधान विद्वान (सुश्री अनुराधा बोस, सुश्री सोनाली चितलकर, सुश्री मोनिका मैनी, सुश्री निदा खान तथा सुश्री प्रतीक्षा त्रिपाठी) और एक एम.फिल. शोध (सुश्री आरुशी कौशिक)।

''भारत में उच्च शिक्षा में अकादमिक सुधारों पर डॉक्टोरल अनुसंधानः दिल्ली विश्वविद्यालय का अध्ययन'' पर सुश्री मानसी थपलियाल नवानी को पीएच.डी. उपाधि से सम्मानित किया गया।

एम.फिल. शोध प्रबंध ''उच्च शिक्षा के संदर्भ में नागरिक व्यस्तताः छात्रों में नागरिक जागरूकता को समझना'' सुश्री प्रतिभा त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत शीर्षक पूरा किया और उपाधि प्रदान की गई।

पीजीडेपा/आईडेपा परियोजनाओं का पर्यवेक्षण

एक पीजीडेपा परियोजना पूर्ण और सम्मानित की गई।

एक आईडेपा परियोजना पूर्ण और सम्मानित की गई।

नीपा के विभिन्न शैक्षणिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान

अकादमिक परिषद और अध्ययन बोर्ड के सदस्य

पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. कार्य की प्रगति की समीक्षा के लिए समिति के सदस्य

आईक्यूएसी के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम की स्थायी सलाहकार समिति के सदस्य

सदस्य, सहायता अनुदान समिति (जीआईएसी)

एम.फिल. प्रवेश साक्षात्कार समिति और मॉडरेशन समिति के सदस्य

सदस्य संगोष्ठी अनुदान के लिए प्रस्ताव की समीक्षा

कार्यक्रमों के संचालन से संबंधित नीपा के विभागों की परामर्शदात्री समिति और विभिन्न कार्य बलों के सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

सार्वजनिक निकायों को अकादमिक सदस्यता

आईसीएसएसआर, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित ''आदिवासी क्षेत्रों में आवासीय विद्यालयों का मानविचत्रणः महाराष्ट्र के चुनिंदा जिलों का अध्ययन'' अनुसंधान कार्यक्रम के लिए सलाह समिति के विशेषज्ञ सदस्य।

27 अगस्त, 2019 को पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ टीचर्स ट्रेनिंग एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम सलाहकार समिति की बैठक के लिए एक सदस्य।

28 अगस्त, 2019 को यूजीसी–एचआरडीसी, जेएनयू द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों की प्रदर्शन/मूल्यांकन रिपोर्ट के समीक्षक।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, अकादमिक परिषद, एनआईओएस

सदस्य, यूजीसी–सीईसी अकादमिक परिषद, नई दिल्ली

सदस्य, अकादमिक परिषद, मा.सं.वि.मं. के सहयोग से पीएमएमएमएनएमटी के तहत **अरपित स्वयं** पाठ्यक्रम, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती, महाराष्ट्र।

आजीवन सदस्य, इंडियन सोशियोलॉजी सोसायटी

आजीवन सदस्य, आईआईपीए, नई दिल्ली

इंटरनेशनल सोशियोलॉजीकल एसोसिएशन

नीपा विभागीय कार्यक्रम

सीमैट/वैकल्पिक संगठनात्मक की वर्तमान स्थिति, भूमिका और कार्यों पर राज्यों द्वारा विषय प्रस्तुतीकरण, सलाहकारी बैठक में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित

6 जनवरी, 2020 को विद्यालय और अनौपचारिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा ''बचपन की देखभाल और शिक्षा की गुणवत्ता (ईसीसीई) के प्रबंधन के लिए प्रणालीगत सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला'' की अध्यक्षता और विदाई अभिभाषण।

विनीता सिरोही

प्रकाशन

आलेख

''स्किल डवलपमेंट एंड वोकेशनल एजूकेशन इन इंडिया–पॉलिसीज एंड प्रैक्टिसेज, वाल्यूम. 25 सं.1 जनवरी–जून 2019, एंट्रीप न्यूजलेटर।

समीक्षाधीन वर्ष में संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सहभागिता

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

11 अप्रैल, 2019 को कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएमसीए) द्वारा आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित ''शैक्षिक कार्यक्रम के साथ कौशल कार्यक्रमों के एकीकरण के लिए दिशानिर्देशों को अंतिम रूप देने के लिए, कॉमनवेल्थ एजुकेशनल मीडिया सेंटर फॉर एशिया (सीईएससीए) थिंक टैंक की द्वितीय बैठक/कार्यशाला में भागीदारी।

भारत में आजीविका मार्गदर्शन के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा विकसित करना (एमएसडीई, यूएनडीपी और फिक्की की संयुक्त पहल) पर 28 अगस्त, 2019 को यूएनडीपी, दिल्ली में फिक्की द्वारा आयोजित कार्यशाला में भागीदारी।

3 सितंबर, 2019 को विश्व बैंक, भारतीय विश्वविद्यालय संघ और एमएचआरडी के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार परियोजना (टीईक्यूआईपी) विश्व बैंक, दिल्ली द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में लोकोपकार'' पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भागीदारी।

3 जनवरी 2020 को आईएचसी, दिल्ली में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड द्वारा आयोजित ''शिक्षा'' 'एनसीआर के लिए क्षेत्रीय योजना–2041 की तैयारी' पर कार्यशाला में भागीदारी।

13 जनवरी, 2020 को भारतीय विश्वविद्यालय संघ और एमएचआरडी के तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार परियोजना (टीईक्यूआईपी) और विश्व बैंक, दिल्ली द्वारा आयोजित ''अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में वैश्विक रुझानः भारत की भूमिका क्या है (और क्या होनी चाहिए?)'' पर कार्यशाला में भागीदारी।

19 फरवरी, 2020 को कोयंबटूर में विस्तार और आजीविका मार्गदर्शन विभाग, भूर्तिहार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर द्वारा आयोजित स्वदेश और विदेश में आजीविका के अवसर (एनसीसीओ–2020) पर राष्ट्रीय सम्मेलन में उद्घाटन अभिभाषण।

20 फरवरी 2020 को यूनेस्को, दिल्ली द्वारा नई दिल्ली में आयोजित भारत के लिए शिक्षा रिपोर्ट 2020: तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण (टीवीईटी) पर राज्य की पहली संपादकीय बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

उच्च शिक्षा में कौशल विकास के प्रबंधन पर अभिविन्यास कार्यक्रम 9–13 दिसंबर, 2019, नीपा

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास/संचालन

एम.फिल./पीएच.डी. मुख्य पाठ्यक्रम सीसी–1– शिक्षा का मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य का संचालन और मूल्यांकन

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम सीसी–7 का संचालन एवं मूल्यांकन

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–2–शिक्षा और कौशल विकास का संचालन, मूल्यांकन और समन्वयक।

आईडेपा पाठ्यक्रम – 202 का संचालन, मूल्यांकन और समन्वयक

पीजीडेपा पाठ्यक्रम – 904 का संचालन और मूल्यांकन।

पीजीडेपा उन्नत पाठ्यक्रम – 908 का समन्वय, संचालन और मूल्यांकन

एम.फिल./पीएच.डी. विद्वानों के अनुसंधान के लिए मार्गदर्शन

पीजीडेपा और आइडेपा भागीदारों को अनुसंधान मार्गदर्शन

सार्वजनिक निकायों को परामर्शकारी तथा अकादमिक सहायता

एससीईआरटी, दिल्ली की पुनर्स्थापना और भर्ती नियम तैयार करने पर अकादमिक सहायता और समय–समय

पर विभिन्न आरआर समितियों की बैठकों में भागीदारी, 06 अप्रैल, 2019।

पीजीडीईएम मौखिक परीक्षा के बाह्य परीक्षक, शैक्षिक अध्ययन विभाग, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, 21 मई, 2019।

कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में एससीईआरटी, दिल्ली के 21 जून और 6 सितंबर, 2019 को बैठकों में भागीदारी।

अतिथि शिक्षक (शैक्षिक प्रशासन) पद हेतु स्थानीय चयन समिति के लिए विषय विशेषज्ञ, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, 31 जुलाई, 2019।

सदस्य, 24 दिसंबर 2019 को डाइट, दिलशाद गार्डन में मिड टर्म पीएसी की बैठक में भागीदारी

सदस्य, पीएसी, क्रमशः 12 और 18 मार्च, 2020 को वार्षिक पीएसी बैठक डाइट दिलशाद गार्डन और डाइट दरियागंज में भागीदारी।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

मा.सं.वि.मं. प्रायोजित शोध ''गैर–शिक्षण गतिविधियों में शिक्षकों का समावेश और शिक्षा पर इसका प्रभावः चुनाव और इससे संबंधित कर्तव्यों पर शिक्षकों द्वारा समय बिताने का अखिल भारतीय अध्ययन''

नीपा में विभागीय और विभाग के बाहर के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में व्याख्यान दिए।

शैक्षिक योजना और प्रशासन की पत्रिका के प्रकाशन के लिए प्रस्तुत शोध आलेखों की समीक्षा और संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में अकादमिक समर्थन।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम की योजना, प्रशासन और प्रबंधन तथा समन्वय में संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय रूप से कार्य किया, और एम.फिल./पीएच.डी. प्रोग्राम के नियमों और विनियमों में संशोधन, एम.फिल./पीएच.डी. प्रोग्राम 2020–2021 में प्रवेश के लिए आवेदन फॉर्म और विवरणिका का पुनरीक्षण, गतिविधियों और अनुसूची का कैलेंडर शामिल है। इसके अलावा संकाय और सहकर्मी समीक्षा, तथा एम.फिल/पीएच.डी. स्कॉलर्स प्री–सबमिशन सेमिनार में समन्वयक/अध्यक्षता की और सदस्य सचिव के रूप में एसएसी और सीएएस बैठकों में समन्वित और भागीदारी।

अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में, नीपा अध्ययन बोर्ड की बैठक में भाग लिया।

अनुसंधान समीक्षा समिति की बैठकों में भाग लिया और योगदान दिया।

जेपा संपादकीय मंडल के बैठकों में भागीदारी

नीपा की आंतरिक शासन नीति के दस्तावेजों के लिए नॉक के दस्तावेजों की पुनरीक्षण में योगदान दिया।

आईएचईआर के लिए ''कौशल निर्माण के अनौपचारिक विधियां'' पर अध्याय प्रस्तुत किया और सहकर्मी समीक्षा बैठक में भागीदारी।

डीएसी 2020 की बैठक में भाग लिया।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, शासकीय परिषद, एससीईआरटी, दिल्ली।

सदस्य, कार्यकारी समिति, एससीईआरटी, दिल्ली।

सदस्य, भर्ती नियम समिति, एससीईआरटी, दिल्ली।

इंडियन जर्नल ऑफ वोकेशनल एजुकेशन, पीएसएससीआईवीई की संपादकीय दल के सदस्य।

एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के आजीवन सदस्य।

इंडियन एसोसिएशन ऑफ अप्लाइड साइकोलॉजी के आजीवन सदस्य।

सदस्य, प्रशिक्षण सलाहकार समिति, सीबीएसई

सदस्य, राज्य संपादकीय बोर्ड, भारत शिक्षा रिपोर्ट 2020: तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा तथा प्रशिक्षण (टीवीईटी), युनेस्को, नई दिल्ली।

नीपा में विभिन्न समीतियों की सदस्यता

एनएएसी–एसएसआर के लिए पाठ्यक्रम पुनर्गठन समीति के सदस्य

नीपा की आंतरिक शासन नीति के दस्तावेजों के लिए नॉक के दस्तावेजों की जाँच समिति के सदस्य।

अध्यक्ष, एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम संचालन समिति

अध्ययन मंडल की बैठक में विशेष आमंत्रित

सदस्य, एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम स्थायी सलाहकार समिति

सदस्य सचिव, एम.फिल.–पीएच.डी. पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति

अध्यक्ष, एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम प्रवेश समिति

सदस्य, विद्वानों के परिणामों की घोषणा से पूर्व अंक–पत्र की पुनःजांच समिति

सदस्य, अनुसंधान के प्रसार के लिए अनुसंधान समीक्षा समिति

अध्यक्ष, समान अवसर एकक

सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति

सदस्य, जेपा संपादकीय बोर्ड

मंजू नरूला

प्रकाशन

मंजू नरूला, (2018) ''वूमन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेटर इन इंडियाः इश्यूज एंड प्रॉब्लम'', सामाजिक विज्ञान और मानविकी पर अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसएसएच–19), डब्ल्यूआरएफ की सम्मेलन कार्यवाही में प्रकाशित, टोकियो, जापान, डब्ल्युआरएफ द्वारा प्रकाशित आइएसबीएनः 978819958026।

मंजू नरूला, (2020) ''वूमन एजुकेशनल एडमिनिस्ट्रेटर इन इंडियाः इश्यूज एंड प्रॉब्लम'', नीपा समसामयिक पत्र श्रृंखला।

सम्मेलन में भागीदारी

21–22 जून, 2019 को क्योटो, जापान में 'सामाजिक विज्ञान और मानविकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में भाग लिया।

कार्यशालाओं का आयोजन

11 जून 2019 को, मध्य प्रदेश के शैक्षिक प्रशासकों के लिए ''शैक्षिक प्रशासन में महिलाएँः भारत के चुनिंदा राज्यों में उनकी स्थिति, मुद्दों और चुनौतियों का अध्ययन'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

04 जून 2019 को कर्नाटक के शैक्षिक प्रशासकों के लिए ''शैक्षिक प्रशासन में महिलाएँः भारत के चुनिंदा राज्यों में उनकी स्थिति, मुद्दों और चुनौतियों का अध्ययन'' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया

अन्य योगदान

कोमल को उनके विषय ''माध्यमिक स्तर के लिए सेवा–पूर्व शिक्षक शिक्षाः हरियाणा में सरकारी और निजी संस्थानों का तुलनात्मक अध्ययन, 2019'' को पर्यवेक्षित और एम.फिल. की उपाधि से सम्मानित किया।

श्री विनोद कुमार, बीईईओ, पीजीडेपा शोध ''गुरुकुल कुरुक्षेत्र, हरियाणा का केस अध्ययन 2018–19'' विषय का पर्यवेक्षण।

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे

अनुसंधान अध्ययनः पूर्ण और जारी अनुसंधान परियोजनाः

चुनिंदा एशियाई देशों में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण यूनेस्को, बैंकॉक और टोक्यो विश्वविद्यालय, जापान परियोजना। (भारत केस अध्ययनः मसौदा रिपोर्ट सौंपी गई)।

भविष्य के उद्योगों के लिए मानव संसाधन विकसित करने की राष्ट्रीय रणनीति पर अध्ययन। एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान (प्रथम मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत)।

भारत में उच्च शिक्षा स्नातकों के रोजगार और रोजगारशीलता पर अध्ययन (सीपीआरएचई, नीपा) गुणात्मक आंकड़ा विश्लेषण को अंतिम रूप दिया जा रहा है। पांच राज्य रिपोर्टों का मसौदा तैयार किया जा चुका है और समीक्षाधीन है। राष्ट्रीय संश्लेषण रिपोर्ट तैयार की जा रही है। रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के लिए अंतिम कार्यप्रणाली कार्यशाला जुलाई में निर्धारित है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान प्रकाशित कार्य

एक्सप्लोरिंग द रिलेशनशिप बिटवीन इकोनोमिक ग्रोथ, इम्प्लायमेंट एंड एजुकेशन इन इंडिया स्टेट गोविंदा आर. और पूर्णिमा एम. सम्पादक 'इंडियाज सोशल सैक्टर एंड एसडीजी', रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस, न्यूयॉर्क (2020)।

जेंडर बजटिंग इन हायर एजूकेशनः ए टूल लच एड्रैस जैंडर इनैक्विलिटीज इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018ः वित्त (वर्गीज एन.वी., जे. पाणिग्रही संम्पादक के साथ) सेज प्रकाशन, नई दिल्ली।

रिपोर्ट ऑन द इंटरनेशनल सेमीनार ऑन इम्प्लायमेंट एंड इम्प्लायबिलिटी ऑफ हायर एजूकेशन ग्रेजुएट (एन. वी. वर्गीज के साथ, नीपा, नई दिल्ली (2019, दिसंबर)।

''इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजूकेशन – ए कन्ट्र केस ऑफ इंडिया. इन हायर एजूकेशन इंटरनेशनलाइजेशन इन स्लैक्ट एशियन कन्ट्रीज – यूनेस्को बैंकॉक और टोक्यो विश्वविद्यालय (अंतिम मसौदा प्रकाशन के तहत प्रस्तुत)।

भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020ः उच्च शिक्षा स्नातकों का रोजगार और रोजगारशीलता। सेज पब्लिशर्स, नई दिल्ली (आगामी)।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय)

5–6 दिसंबर 2019 को एशिया और प्रशांत क्षेत्र में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए संकेतकों पर चौथी स्टेकहोल्डर्स मीटिंग में विशेषज्ञ अध्यक्ष।

यूनेस्को एशिया–प्रशांत क्षेत्रीय ब्यूरो के लिए एशिया–प्रशांत में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के लिए विकासशील संकेतकों पर बैठक तथा अंतर्राष्ट्रीयकरण नीतियां और व्यवहार पर यूनेस्को, बैंकॉक थाईलैंड में समूह नेतृत्व, 6 दिसंबर 2019।

12–14 नवंबर, 2019 तक टोक्यो, जापान में एशियाई उत्पादकता संगठन द्वारा आयोजित भविष्य के उद्योगों के लिए मानव संसाधन विकसित करने हेतु राष्ट्रीय रणनीति पर एपीओ अनुसंधान की समन्वय बैठक में संसाधन व्यक्ति।

22–24 मई, 2019 के दौरान कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान के लिए यूनेस्को अल्माटी क्लस्टर कार्यालय द्वारा आयोजित अल्माटी, कजाकिस्तान में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए मध्य एशिया नेतृत्व मंच के उद्घाटन सत्र में अध्यक्ष एवं वक्ता। यूनेस्को एशिया–प्रशांत क्षेत्रीय शिक्षा ब्यूरो (बैंकॉक, थाईलैंड)।

9 अप्रैल, 2019 को दरबार हॉल, होटल ताज पैलेस, नई दिल्ली में आयोजित 5वें राष्ट्रीय नेतृत्व सम्मेलन ''अभी या कभी नहीं: नए दशक के लिए भारत का मिशन'' में भागीदारी।

1–2 अप्रैल, 2019 को नई दिल्ली में डिजिटल शिक्षाशास्त्र पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

8 जून, 2019 को शंगरी–लास इरोस होटल, नई दिल्ली में 'इंडिया इकोनॉमिक आउटलुक 2019' में प्रतिभागी चर्चाकर्ता।

हैदराबाद, तेलंगाना में 8–9 जुलाई, 2019 को टीएससीएचई, सीसीई और आरयूएसए द्वारा संयुक्त

रूप से आयोजित ''उच्च शिक्षा में प्रत्यायन, गुणवत्ता में सुधार और श्रेणीयन में आगे–आगे की श्रेणी'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ता।

29 जुलाई 2019 को अंतर्राष्ट्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ एनआईएलईआरडी का दौरा।

9–10 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में द लीला एंबिएंस कन्वेंशन होटल, कड़कड़डूमा, पूर्वी दिल्ली में आयोजित 14वें विश्व शिक्षा शिखर सम्मेलन में वक्ता।

एआईएमए का 24वां वार्षिक दीक्षांत समारोह, सोमवार, 19 अगस्त 2019, इंडिया हैबिटेट सेंटर (आईएचसी), नई दिल्ली।

18 सितंबर, 2019 को बैंगलोर में यूनिसेफ के साथ साझेदारी में ''कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान'' पर अनुसंधान परियोजना के तकनीकी सलाहकार समूह की पहली बैठक में तकनीकी विशेषज्ञ।

31 अक्टूबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में नॉर्डिक इंडिया हायर एजुकेशन समिट। ''हम नॉर्डिक केंद्र में'', भारत में नॉर्डिक दूतावासों द्वारा समर्थित, और राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (सीपीआरएचई/नीपा) के उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र के सहयोग से, पहला नॉर्डिक भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन।

आरआईई भोपाल के एम.एड छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम, 25–29 नवंबर, 2019।

10–11 दिसंबर, 2019 को आईपीई, हैदराबाद में ''आर्थिक विकासः रोजगार में उच्च शिक्षा संस्थानों की भूमिका'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति।

8 जनवरी, 2019 को बैंगलोर में राजकोषीय नीति संस्थान और यूनिसेफ द्वारा ''कर्नाटक राज्य में बच्चों के लिए सार्वजनिक वित्त पर क्षमता निर्माण और अनुसंधान'' पर शोध परियोजना के तकनीकी सलाहकार समूह की दूसरी बैठक में तकनीकी विशेषज्ञ।

भारत में उच्च शिक्षा का वित्तपोषण, 23 जनवरी 2020 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा आयोजित न्यूयार्क विश्वविद्यालय के प्रतिनिधियों के साथ संवादात्मक सत्र की अध्यक्षता की।

18 दिसंबर, 2019 को ईएमआईएस विभाग, नीपा, नई दिल्ली के प्रशिक्षण कार्यक्रम पर आयोजित ''शिक्षा में वित्तीय नियोजन के संकेतक'' में संसाधन व्यक्ति।

3 फरवरी, 2020 को (सीआईई) शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''उच्च शिक्षा में परिप्रेक्ष्य, मुद्दे और चुनौतियां'' संगोष्ठी में विशेषज्ञ वक्ता।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी

हैदराबाद में 4–6 मार्च, 2020 को टीएससीएचई, हैदराबाद के साथ संयुक्त रूप से शिक्षा में जेंडर बजटिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

''भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020'' पर दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक 26 सितंबर, 2019।

''भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2020'' पर पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक 20 जून, 2019।

राज्य टीमों के लिए सीपीआरएचई में रोजगारशीलता परियोजना के लिए समीक्षा कार्यशाला, 12 जुलाई 2019, हैदराबाद।

राज्य टीमों के लिए सीपीएचआरई में रोजगारपरकता परियोजना के लिए समीक्षा कार्यशाला, 20 सितंबर, 2019, बंगलौर।

19 सितंबर, 2019 को बंगलौर में ''भारत में तुलनात्मक शिक्षा लाभ की स्थानिक गतिशीलता'' परियोजना पर समीक्षा कार्यशाला।

शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा में जून, 2019 में 15 दिनों के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के एम.एड छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम।

नेशनल ची नान यूनिवर्सिटी, ताइवान के प्रतिनिधिमंडल और भारत में शिक्षा प्रभाग ताइपे आर्थिक और सांस्कृतिक केंद्र, नई दिल्ली के अधिकारियों के साथ साक्षात्कार और चर्चा सत्र, 18 फरवरी, 2020।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में शिक्षण सहलग्नता

पृष्ठभूमि का विकास/पठन सामग्री और संचालन

स्वयमः उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय के लिए शैक्षिक योजना और प्रशासन पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के तहत सर्टिफिकेट कोर्स के लिए शैक्षिक वित्त पर मॉड्यूल, स्वयम पोर्टल, मा.सं.वि.मं. पर मूक के रूप में पेशकश तथा पठन सामग्री/ऑनलाइन संसाधन और वीडियो (मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन प्रश्नपत्र का समन्वयन, संचालन और विकसित की)।

विश्वविद्यालय प्रशासकों के लिए उच्च शिक्षा नेतृत्व विकास कार्यक्रम की पृष्ठभूमि सामग्री का विकास।

शिक्षा कार्यशाला में जेंडर बजटिंग।

एम.फिल./पीएच.डी. –– सीसी3, अनुसंधान पद्धति–1 का समन्वयन, संचालन और मूल्यांकन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)

शैक्षिक योजना और प्रशासन में राष्ट्रीय डिप्लोमा (डेपा और पीजीडेपा)

एम.फिल./पीएच.डी./पीजीडेपा अनुसंधानों को मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. – रिसर्च स्कॉलर सुमित कुमार के ''ज्ञान आधारित उद्योगों के स्थानिक वितरण और भारत में उच्च शिक्षा के लिए प्रवासन के बीच अंतर–संबंध'' विषय का अंतिम संपादन।

पीएच.डी. प्रतिभागी – संध्या दुबे के ''उच्च शिक्षा के वित्तपोषण में पहुंच और गुणवत्ता की गतिशीलता'' विषय का विश्लेषण और प्रगति के तहत रिपोर्ट लेखन।

पीएच.डी. प्रतिभागी – सोनम अरोड़ा के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया और प्रगति के तहत कार्य किया गया।

पीएच.डी. प्रतिभागी – पारुल शर्मा के प्रस्ताव विकास प्रगति पर है

पीजीडेपा प्रतिभागी – श्री नरेश शर्मा, व्याख्याता, डाइट, और मंडी के शोध विषयः हिमाचल प्रदेश के जिला मंडी के सदर ब्लॉक में आरएमएसए के तहत निधि प्रवाह और उपयोग प्रतिमान का अध्ययन। (पुरस्कृत)।

पीजीडेपा प्रतिभागी – श्री पंकज उप्रेती, उपशिक्षा अधिकारी, पीईएस, उत्तराखंड के शोध विषय ''राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय, तपोवन ब्लॉक–नरेंद्र नगर जिला–टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड के कामकाज और प्रदर्शन पर एक अध्ययन'' के प्रस्ताव और अनुसंधान उपकरण को अंतिम रूप दिया गया और क्षेत्र का कार्य प्रगति पर है।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

सदस्यः 15वें वित्त आयोग की अवधि यानी 2020–21 से 2024–25 तक, के लिए निधि की आवश्यकता का अनुमान तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति (शिक्षा क्षेत्र), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार 2018

सदस्यः उप–समिति, शिक्षा क्षेत्र में सेवा उत्पादन के सूचकांक पर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, केंद्रीय सांख्यिकी संगठन, भारत सरकार।

राष्ट्रीय विशेषज्ञ और समन्वयक (भारत): भविष्य के लिए मानव संसाधन विकास पर परियोजना ''भारत में भविष्य के उद्योग के लिए मानव संसाधन विकसित करने हेतु राष्ट्रीय रणनीति'' एशिया उत्पादकता संगठन, टोक्यो, जापान (मसौदा पत्र प्रस्तुत)।

राष्ट्रीय विशेषज्ञ और समन्वयक (भारत): ''उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण – भारत का अध्ययन'' चयनित एशियाई देशों में उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर यूनेस्को, बैंकॉक–टोक्यो विश्वविद्यालय परियोजना का अंतिम मसौदा प्रस्तुत किया।

सदस्य, बाल बजट विकास के लिए तकनीकी विशेषज्ञ, वित्तीय नीति संस्थान, कर्नाटक सरकार।

आमंत्रित सदस्य आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, एनएलआईयू, गुजरात, भारत।

शिक्षा की ऑक्सफोर्ड समीक्षा जून, 2019 के लिए पांडुलिपि आईडी कोर–2019–0063 का पुनर्विलोकन।

सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन, ''पूर्व–विद्यालय के दीर्घकालिक प्रभावः सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन के लिए एनएलएसवाई से साक्ष्य'' पांडुलिपि की समीक्षा, सेज प्रकाशन,

मध्यप्रदेश सरकार और विश्व बैंकः मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (एमपीएचईक्यूआईपी): प्रस्तावित उत्कृष्टता केंद्र, राज्य परियोजना निदेशालय, रूसा, उच्च शिक्षा विभाग के परियोजना मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञ सदस्य।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदानः

सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जेपा, नीपा, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित

सदस्य सचिव, एम.फिल./पीएच.डी. प्रगति समीक्षा समिति

सदस्य, एम. फिल./पीएच.डी. प्रवेश समिति (साक्षात्कार बोर्ड)

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा के लिए प्रश्नपत्र निर्माण समिति।

विभागीय सलाहकार समिति, उच्च शिक्षा विभाग

विभागीय सलाहकार समिति, शैक्षिक वित्त विभाग

सदस्य, एम.फिल. पाठ्यचर्या संशोधन और पुनर्गठन समिति।

सूक्ष्मअर्थशास्त्र में अध्ययन के लिए समीक्षक, सेज प्रकाशन

लाइफ साइंस ग्लोबल, कनाडा के विशेष अंक के अतिथि संपादक

प्रबंधन और अर्थशास्त्र अनुसंधान पत्रिका के लिए समीक्षक

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, अनुसंधान सलाहकार समिति (आरएसी), राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (नोएडा) की स्थायी उप समिति।

सदस्य, विभागीय सलाहकार बोर्ड (डीएबी) योजना और निगरानी प्रभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली

यूजीसी– दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो जयपुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, जयपुर के डीई कार्यक्रम के लिए एसएलएम के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ सदस्य

स्प्रिंगर्स, सिंगापुर के लिए पुस्तक प्रस्ताव के समीक्षक।

संपादकीय सलाहकार बोर्डः हिमगिरी एजुकेशन रिव्यू" आईएसएसएन 2321–6336

पीएच.डी. मूल्यांकन हेतु विभिन्न भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक

विभिन्न विश्वविद्यालयों और अन्य सरकारी निकायों के लिए चयन समिति सदस्य।

वेटुकुरी पी.एस. राजू

अनुसंधान अध्ययनः पूर्ण और जारी अनुसंधान परियोजनाः

''प्राथमिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों में गैर नामांकन और स्कूल छोड़ने के कारणः आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश का एक तुलनात्मक अध्ययन'' (मसौदा तैयार है)।

केंद्र प्रायोजित ''राष्ट्रीय साधन–सह–योग्यता छात्रवृत्ति योजना'' का मूल्यांकन अध्ययन (परियोजना प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत)।

केंद्र प्रायोजित योजना ''माध्यमिक शिक्षा के लिए लड़कियों को प्रोत्साहन की राष्ट्रीय योजना'' का मूल्यांकन अध्ययन (परियोजना प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार को प्रस्तुत)।

प्रकाशन

शोध पत्र / लेख

उच्च शिक्षा में स्कूल आधारित वित्तीय सहायता प्रणाली में केंद्र प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में चुनौतियां, ''उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और अनुसंधान'' कल्पाज प्रकाशन, दिल्ली 2020, पृष्ठ 305–323, संदर्भित, 978–93–5328–230–5.

उच्च शिक्षा का वित्त पोषणः जम्मू और कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधान मंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना का अध्ययन (विचाराधीन)।

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता के लिए छात्र सहायता प्रणाली (विचाराधीन)।

उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों में गैर नामांकन और स्कूल छोड़ने के कारण (विचाराधीन)।

संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

राष्ट्रीयः

11–12 फरवरी, 2020 को पीएसएस केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (एनसीईआरटी की एक घटक इकाई), भोपाल द्वारा आयोजित ''बदलती दुनिया के लिए तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की पुर्नकल्पनाः परिप्रेक्ष्य और प्रक्रिया'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

1–2 जुलाई, 2019 को आंध्र प्रदेश सरकार के शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा आयोजित भवानीपुरम, विजयवाड़ा में ''शाला सिद्धि के तहत साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार'' पर दो दिवसीय कार्यशाला में भागीदारी।

4–5 अक्टूबर, 2019 को नीपा और गांधी स्मृति और दर्शन समिति, राजघाट द्वारा आयोजित ''गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकताः नीतियों और प्रथाओं के लिए निहितार्थ'' पर राष्ट्रीय चर्चा बैठक में भागीदारी।

2 अप्रैल, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित एम.फिल अर्धवार्षिक समीक्षा संगोष्ठी में भागीदारी।

15 से 16 नवंबर, 2019 तक इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एसईईडी और इंडियन कॉलेज फोरम (आईसीएफ) द्वारा आयोजित ''भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए उच्च शिक्षा में बदलाव'' भारतीय कॉलेज फोरम और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, 2019 के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी और प्रतिवेदक।

4 अप्रैल, 2019 को नीपा में आयोजित संकाय और कर्मचारियों के लिए आईसीटी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी।

25–30 नवंबर, 2019 के दौरान नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित शैक्षणिक और अनुसंधान पुस्तकालयों में मूक और आईसीटी के अनुप्रयोगों पर संकाय विकास कार्यक्रम में भागीदारी।

8 दिसंबर 2019 को सीईएसआई–2019 द्वारा कन्वेंशन सेंटर, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित अकादमिक लेखन कार्यशाला में भागीदारी।

विश्व बैंक, नई दिल्ली द्वारा उच्च शिक्षा पर एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

अंतरराष्ट्रीय

9–11 दिसंबर 2019 को भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी) द्वारा जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित ''शिक्षा में बहिष्करण, समावेश और समानता'' पर 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''बालिका शिक्षा के वित्तपोषण के वैकल्पिक तरीकेः माध्यमिक शिक्षा के लिए लड़कियों के लिए प्रोत्साहन की राष्ट्रीय योजना'' पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

21–23 जनवरी, 2020 को इंटर–यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन (आईयूसीटीई), शिक्षा विभाग, शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, वडोदरा, गुजरात द्वारा आयोजित ''समावेशी शिक्षाः वर्तमान परिप्रेक्ष्य और भविष्य की संभावनाएं'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों का नामांकन और ड्रॉपआउट'' पर एक आलेख प्रस्तुत किया।

20–21 फरवरी, 2020 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (सीपीआरएचई/नीपा) और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'उच्चतर शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

19–23 अगस्त 2019 के दौरान नीपा, नई दिल्ली में 'शिक्षा में वित्तीय योजना और प्रबंधन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन।

6–10 जनवरी, 2020 को नीपा, नई दिल्ली में 'महाविद्यालय वित्त योजना और प्रबंधन' पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम।

नीपा, नई दिल्ली में 'शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा' के लिए शिक्षा में वित्तीय योजना और प्रबंधन के समन्वयक (पाठ्यक्रम 207)।

नीपा, नई दिल्ली में 'शैक्षणिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' के लिए शैक्षिक योजना पाठ्यक्रम (905) के समन्वयक।

शिक्षा में लैंगिक बजटिंग पर राष्ट्रीय कार्यशाला 4–6 मार्च, 2020, हैदराबाद (प्रो. मोना खरे के साथ)

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित एवं संचालित

नीपा, नई दिल्ली में राज्यों में शिक्षा के वित्तीय नियोजन और शिक्षा के प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रशिक्षण सामग्री का विकास और संचालन।

नीपा, नई दिल्ली में महाविद्यालय वित्त की योजना और प्रबंधन में अभिविन्यास कार्यक्रम में प्रशिक्षण सामग्री का विकास और संचालन।

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (XXXVI - IDEPA) में पाठ्यक्रम संख्या 207 'वित्तीय योजना और शिक्षा में प्रबंधन' प्रशिक्षण सामग्री विकसित और संचालित।

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में पाठ्यक्रम संख्या 903 'शैक्षिक योजना' प्रशिक्षण सामग्री विकसित और संचालित।

नीपा, नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) में पाठ्यक्रम संख्या 905 'परियोजना कार्य और लेखन' प्रशिक्षण सामग्री विकसित और संचालित।

प्रौढ़ शिक्षा पर एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम विकास, नीपा, नई दिल्ली।

सार्वजनिक निकायों को परामर्शी और अकादमिक सहायता

1–2 जुलाई, 2019 को राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा भवानीपुरम, विजयवाड़ा में ''शाला सिद्धि के तहत साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार'' पर दो दिवसीय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।

11–12 फरवरी, 2020 को पीएसएस केन्द्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान (एनसीईआरटी की एक घटक इकाई), भोपाल द्वारा ''बदलती दुनिया के लिए तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की पुर्नकल्पनाः परिप्रेक्ष्य और प्रक्रिया'' पर आयोजित 'व्यावसायिक शिक्षा को उच्च शिक्षा से जोड़ना' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति।

7 से 21 फरवरी, 2020 तक आईक्यूएसी एकक, राजकीय महाविद्यालय, रेनॉक, सिक्किम द्वारा आयोजित ''अनुसंधान और ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने में राष्ट्रीय स्तर के संगठनों की भूमिका'' और ''केंद्र प्रायोजित छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन योजनाओं के मध्यावधि मूल्यांकन के शोध निष्कर्षों को साझा करना'' विषय पर 17 फरवरी, 2020 को ''संकायों और अनुसंधान विद्वानों के लिए अनुसंधान पद्वति पर दो सप्ताह की राष्ट्रीय स्तर की कार्यशाला'' के लिए संसाधन अध्यक्ष।

8 फरवरी 2020 को केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित साहित्यिक चोरी विरोधी और अकादमिक अनुसंधान लेखन पर 10–सप्ताह

के राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम–सह–सेमिनार के लिए 'शोध पत्र प्रस्तुती तकनीक' विषय के साथ दो सत्रों के लिए संसाधन व्यक्ति।

09 से 15 दिसंबर, 2019 तक शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा (आईएएसई फंड, एमएचआरडी के तत्वावधान में) आयोजित सामाजिक विज्ञान के लिए उन्नत मात्रात्मक अनुसंधान विधियों (एक्यूआरएम) पर एक सप्ताह के दौरान राष्ट्रीय कार्यशाला में 12 दिसंबर, 2019 को 'आंकड़ों का ग्राफिकल निरूपण'' विषय के साथ एक सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति।

9 दिसंबर 2019 को कन्वेंशन सेंटर, जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित सेसी–2019 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता।

11 दिसंबर 2019 को जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित शैक्षिक नीति, योजना और प्रबंधन पर सेसी–2019 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में अनुसंधान रुचि समूह में संयोजक और पैनलिस्ट।

15 से 16 नवंबर, 2019 तक इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में एसईईडी और भारतीय महाविद्यालय मंच (आईसीएफ) द्वारा ''उच्च शिक्षा में बदलाव के लिए भविष्य की चुनौतियों का सामना'' पर आयोजित भारतीय महाविद्यालय मंच और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, 2019 के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिवेदक।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

''आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्तर पर मुस्लिम बच्चों के नामांकन और स्कूल छोड़ने के कारणः एक तुलनात्मक अध्ययन'' पर आयोजित शोध अध्ययन।

एम.फिल. प्रतिभागी श्री मोहम्मद इलियास के शोध प्रबंध ''सशस्त्र संघर्ष और माध्यमिक शिक्षाः जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले का एक केस अध्ययन'' विषय का पर्यवेक्षण, (पुरस्कृत)।

पीजीडेपा प्रतिभागी सुश्री रत्नामाला पी. खड़के के शोध प्रबंध सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) की भूमिका – प्राथमिक विद्यालयों शिक्षार्थियों के बीच सीखने की प्रक्रियाः महाराष्ट्र के वर्धा जिले का एक अध्ययन विषय का पर्यवेक्षण, (पुरस्कृत)।

आईडेपा प्रतिभागी श्री टेबोगो डोमिनिक नक्वाने, बोत्सवाना द्वारा ''बोत्सवाना में बुनियादी शिक्षा मंत्रालय के लिए शैक्षिक योजना और अनुसंधान सेवा विभाग द्वारा डेटा उत्पादन करने वाले कारकों'' पर शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण (जारी)।

पीजीडेपा प्रतिभागी श्रीमती मंदाकिनी डेका को ''असम के गोलाघाट जिले में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सामुदायिक भागीदारी की भूमिका'' विषय पर पर्यवेक्षणः और शोध प्रबंध को अंतिम रूप देने के लिए प्रदान किया। (31 मार्च को नीपा में प्रस्तुत)।

36वें आईडेपा प्रतिभागी श्री रामधनी के परियोजना कार्य ''सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालयों के अकादमिक प्रदर्शन पर सामुदायिक भागीदारी का प्रभावः मितिंबवानी माध्यमिक विद्यालय, तांगा–तंजानिया का एक केस अध्ययन'' का पर्यवेक्षण एवं अनुसंधान मार्गदर्शन (परियोजना जारी है)।

पीजीडेपा प्रतिभागी का मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा।

शैक्षिक वित्त विभाग के लिए परिप्रेक्ष्य योजना तैयार करना।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए पाठ्यचर्या विकास समिति।

नॉक दस्तावेजों के लिए विभागीय रिपोर्ट तैयार करना।

विभाग के लिए विभागीय सलाहकार समिति की बैठक का एजेंडा तैयार करना।

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा आयोजन समिति के सदस्य।

नॉक समितियों के सदस्य (दो समितियां)।

नीपा डिजिटल अधिगम निगरानी एकक के सदस्य।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

संयुक्त सचिव और आजीवन सदस्य, कम्पेरेटिव एजुकेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

शैक्षिक योजना अंतर्राष्ट्रीय संस्थान (आईआईईपी/यूनेस्को), पेरिस, फ्रांस के पूर्व छात्र सदस्य।

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश कुमार सिंह

प्रकाशन

सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली द्वारा 22–24 अक्टूबर, 2019 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली, में आयोजित शिक्षा के साथ गांधी के प्रयोग – सामाजिक परिवर्तन की शिक्षाशास्त्र पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'गांधी 150 सत्याग्रह इन 21 सेंचुरीः सोशल, एथिक्स एंड स्प्रीचुअल डायमेंशंस आफ ट्रुथ'' शीर्षक पर पत्र प्रस्तुत किया।

22–26 मार्च, 2020 तक मियामी, फ्लोरिडा (यूएसए) में आयोजित सीआइईएस वार्षिक सम्मेलन में शिक्षा से परे मानव 'भारत में जनजातीय समूहों के बीच स्वदेशी ज्ञान प्रणाली' शीर्षक पर पत्र (प्रस्तुति के लिए स्वीकृत)

पूर्ण और जारी अनुसंधान

जारी

चयनित राज्यों में निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 के तहत निजी स्कूलों में कमजोर वर्गों और वंचित समूहों के बच्चों को 25 प्रतिशत सीटों के प्रावधान के कार्यान्वयन का अध्ययन

प्रतिवेदनाधीन वर्ष में संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

01–12 जुलाई, 2019 तक नीपा, नई दिल्ली में 'शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियाँ' पर आयोजित उन्मुखीकरण कार्यशाला' में 'नीतिशास्त्र' पर वार्ता

12–16 अगस्त, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित 'शिक्षा में सार्वजनिक नीति निर्माण' पर अभिविन्यास कार्यशाला में वार्ता।

29 अप्रैल से 3 मई, 2019 तक नीपा, नई दिल्ली में 'आरटीई के तहत वंचित और कमजोर वर्गों की शिक्षा में नीतिगत मुद्दे और हस्तक्षेप' पर उन्मुखीकरण कार्यशाला में 'नीति और अनुसंधान सहलग्नता' पर व्याख्यान।

12 अप्रैल, 2019 को नई दिल्ली में इंडस एक्शन द्वारा आयोजित 'शिक्षा में समावेश' पर एक दिवसीय सम्मेलन में भागीदारी।

26 जून, 2019 को कॉन्स्टीट्यूशन क्लब, नई दिल्ली, में नई शिक्षा नीति–2020 पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में भागीदारी।

9 जून, 2019 को सरस्वती बाल मंदिर, नारायण विहार, नई दिल्ली में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' पर आयोजित परामर्शी बैठक में भागीदारी।

21 जून, 2019 को सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली में आयोजित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' पर परामर्शी बैठक में भाग लिया।

2 सितंबर, 2019 को सामाजिक विकास परिषद, नई दिल्ली में 'भारत में शिक्षा के संदृश्य' पर आयोजित पैनल चर्चा में भाग लिया।

29 जुलाई, 2019 को असम विश्वविद्यालय, सिलचर में आयोजित ''स्कूल और उच्च शिक्षाः नई शिक्षा नीति मसौदा पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेष व्याख्यान दिया।

25–26 नवंबर, 2019 को आइजौल, मिजोरम में 'संविधान की छठी अनुसूची के तहत उत्तर पूर्वी राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय प्राधिकारियों और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज' पर आयोजित अभिविन्यास कार्यशाला में व्याख्यान।

27 फरवरी, 2020 को यूनाइटेड वे ऑफ हैदराबाद द्वारा आयोजित ''समुदाय आधारित स्कूल परिवर्तन –सामुदायिक भागीदारी को सक्षम करने में सरकार की भूमिका'' कॉन्क्लेव ऑन कनेक्ट 2020 में पैनल चर्चा पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी, हैदराबाद।

3 मार्च, 2020 को जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में प्रायोगिक शिक्षाः नवाचार और रुझान पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'अधिगम के लिए प्रयोगात्मक दृष्टिकोणः गांधीवादी परिप्रेक्ष्य' पर उद्घाटन संभाषण।

16 मार्च, 2020 को आइएआरआई पूसा रोड, नई दिल्ली में आयोजित 'ग्लोबल यूनिवर्सिटी के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आइएआरआइ) के मजबूतीकरण के लिए समिति की बैठक में सदस्य के रूप में भागीदारी।

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

आरटीई के तहत वंचित और कमजोर वर्गों की शिक्षा पर नीति मुद्दे और हस्तक्षेप' पर अभिविन्यास कार्यशाला, (नीपा, नई दिल्ली 29 अप्रैल – 3 मई, 2019)।

'गांधीवादी शैक्षिक विचारों और प्रयोगों की प्रासंगिकताः नीति और व्यवहार के लिए निहितार्थ' (महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में) नीपा, नई दिल्ली, 4 से 5 अक्टूबर, 2019।

25–29 नवंबर, 2019 को आइजौल, मिजोरम में 'संविधान की छठी अनुसूची के तहत उत्तर पूर्वी राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में स्थानीय प्राधिकारियों और स्वायत्त जिला परिषदों के कामकाज' पर आयोजित अभिविन्यास कार्यशाला।

11 नवंबर, 2019 को इंडिया हैविटेट सेंटर, नई दिल्ली में (राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के उपलक्ष्य में) प्रोफेसर नीरा चंदोके द्वारा ''शिक्षा और संस्कृति की जटिल वैश्विक स्थिति' पर 10वीं मौलाना आजाद मेमोरियल व्याख्यान का आयोजन किया गया।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एम.फिल. तथा डिप्लोमा पाठ्यक्रम में शिक्षण

एम.फिल. अनिवार्य पाठ्यक्रम सीसी–1: शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य

वैकल्पिक पाठ्यक्रम ओसी–7: 'समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा'

अनिवार्य पाठ्यक्रम 902: 'भारतीय शिक्षाः एक परिप्रेक्ष्य' के तहत शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा)

अनिवार्य पाठ्यक्रम 203: विकासशील देशों में शिक्षा के महत्वपूर्ण क्षेत्र के तहत शैक्षिक योजना और प्रशासन में अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम (आईडेपा)

पीएच.डी. विद्वानों को मार्गदर्शन

नीपा में *'स्टडी ऑफ द डायनामिक्स ऑफ एक्सक्लूजन इन स्कूल एंड कम्युनिटी'* विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी (अंशकालिक) अजय कुमार चौबे को मार्गदर्शन।

'सोशल जस्टिस एंड लोकल गर्वनेंस इन एलीमेंट्री एजुकेशन विथ रेफेरेंस टू द पार्टीशिपेशन ऑफ दिस एडवांटेज ग्रुप्स' शीर्षक पर पीएच.डी. शोधार्थी (अंशकालिक) लबोनी दास को मार्गदर्शन।

'एजुकेशन, कल्चर एंड लाइबेलिहुडः ए स्टडी ऑफ द नोमाइडिक पस्टोरलिस्ट बकरवल्स इन जम्मू एंड कश्मीर' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी सज्जाद अहमद को मार्गदर्शन।

'इक्वालिटी आफ एजूकेशनल अर्पच्युनिटी एंड स्कूल प्रोग्रेसन अमंग्स्ट द सोशियली डिस्एडवेंटेज ग्रुप्सः एन इथनोग्राफिक स्टडी आफ शिड्यूल कास्ट चिल्ड्रन' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी सुश्री खुशबू सिंह को मार्गदर्शन।

'ट्राइबल एजेंसी एंड हायर एजुकेशनल गर्वनेंस इन फिफ्थ शेड्यूल एरिया इन झारखंड, इंडिया' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी सुश्री निलंजना मोइत्रा को मार्गदर्शन।

'आईडेंटिटी एंड पार्टीसीपेशन इन हायर एजुकेशन" ए स्टडि ऑफ नॉर्थईस्ट इथनिक माइनॉरिटि स्टूडेंट्स इन सिलैक्टेड एजुकेशनल इंस्टिट्युशन इन दिल्ली' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी डालसी गंगमी को मार्गदर्शन।

'आइडेंटिटि डिस्कोर्स इन हायर एजुकेशनः अ स्टडी ऑफ दलित–बहुजन स्टूडेंट आग्रेनाइजेशन' विषय पर पीएच.डी. शोधार्थी बगेश कुमार को मार्गदर्शन।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अध्यक्ष, सहायता अनुदान योजना, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, 2015 से 5 वर्षों के लिए।

सदस्य, कंपरेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया (सेसी)

सदस्य, जर्नल आफ आदिवासी एंड इंडिजेनस स्टडी (जेएआईएस) संपादकीय सलाहकार बोर्ड

सदस्य, वैश्विक विश्वविद्यालय के रूप में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आइएआरआइ) के सुदृढ़ीकरण के लिए समिति।

अन्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियाँ

अध्यक्ष, अनुसंधान एवं प्रकाशन समीक्षा समिति, नीपा

अध्यक्ष, परीक्षा समिति, नीपा

सदस्य, अध्ययन बोर्ड, नीपा

सदस्य, अकादमिक परिषद, नीपा

सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, नीपा

वीरा गुप्ता

प्रकाशन

समीक्षाधीन वर्ष में प्रकाशित पुस्तकें

''इन्क्लूडिंग चिल्ड्रेन विद औटिज्म इन प्राइमरी स्कूल्सः टीचर्स हैंडबुक'' प्रकाशक एनसीईआरटी

'इन सर्विस ट्रेनिंग मॉड्यूल फॉर टीचर्स फॉर इन्क्लूसिव एजुकेशन', प्रकाशक भारतीय पुनर्वास परिषद और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग।

शोध पत्र/आलेख प्रकाशित

''एवाल्यूशन ऑफ एजुकेशनल पॉलिसीज इन इंडिया फॉर इन्क्लूसिव एजुकेशन सिस्टम'' *जर्नल आफ ऑल इंडिया एसोशिएन फार एजुकेशनल रिसर्च*, वाल्यूम 29, सं. 2, दिसंबर 2017 आईएसएसएन 0970–9827, पीपी 34–49 जून 2020 में प्रकाशित।

रिपोर्ट अवधि में सेमीनार/सम्मेलनों और कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

18–19 फरवरी, 2020 को आईसीएफएआई विश्वविद्यालय त्रिपुरा में अखिल भारतीय एसोसिएशन फॉर एजुकेशनल रिसर्च (एआइएईआर) के सहयोग से आयोजित ''21वीं शताब्दी में शिक्षण–अधिगम में नवाचार'' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुति।

15 फरवरी 2020 को डीएवी स्कूल, बल्लभगढ़ द्वारा आयोजित स्कूल नेतृत्व विकास पर वार्ता।

21 फरवरी, 2020 को सीपीआरएचई, नीपा, नई दिल्ली में आयोजित ''उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तता'' अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी।

24–28 फरवरी, 2020 को एनसीईआरटी में पुस्तक का शीर्षक ''इन्क्लूडिंग चिल्ड्रेन विद औटिज्म इन प्राइमरी स्कूल्सः टीचर्स हैंडबुक'' का हिन्दी संस्करण विकसित किया। ईमेल दि. 7 फरवरी।

27 फरवरी, 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया में राजनीति विज्ञान विभाग, द्वारा 'भारत में लोकतंत्र और सार्वजनिक नीतिः विकल्प और परिणाम' पर आयोजित ''शैक्षिक नीति पर विशेष ध्यान केंद्रित'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र VI के सह–अध्यक्ष, ईमेल दि. 24 फरवरी

''उच्च शिक्षा में नीति निर्माण'' मानव संसाधन विकास केंद्र और स्कूली शिक्षा (पीएमएमएमएनएमटीटी, मा.सं.वि.मं., भारत सरकार) द्वारा आयोजित, ईमेल दिनांक 24 फरवरी; 27 फरवरी, 2020, 1.30 बजे से 3.00 बजे अपराहन और 3.00 बजे 4.30 बजे अपराहन, जामिया मिलिया इस्लामिया।

17–21 जनवरी, 2020 को अखिल भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत में एससीईआरटी का अध्ययन ''शिक्षा में क्षमता निर्माण संगठनों'' पर आलेख प्रस्तुति।

20–21 जनवरी, 2020 नीपा, नई दिल्ली में ''शिक्षक शिक्षा को बदलने में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका'' पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक।

2–3 दिसंबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में क्षमता निर्माण परियोजना रिपोर्ट पर राष्ट्रीय कार्यशाला।

27 सितंबर, 2019 को श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली में "मान्यता और श्रेणीः उत्कृष्टता के लिए एक मार्ग'' शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में सम्मानित अतिथि।

3 अगस्त, 2019 श्याम लाल कॉलेज द्वारा आयोजित पूर्ण सत्र के अध्यक्ष

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

01–23 नवंबर, 2019 को नीपा में म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के निदेशक

नीपा में पीएच.डी. छात्रों के लिए वार्षिक संगोष्ठी; एफ. 11–22/वार्षिक संगोष्ठी/2019–20 दिनांक. 9 सितम्बर

एनआइएलइआरडी से नीपा क्षेत्र दौरा 12 सितंबर, 2019 ईमेल दि. 11 सितंबर, नीपा

13–17 अगस्त, 2019 को नीपा में 'व्यावसायिक नीति निर्माणः समावेशी शिक्षा के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रण' पर अभिविन्यास कार्यक्रम

8–12 जुलाई, 2019 को नीपा में पीजीडेपा का निर्देशन और निगरानी।

अप्रैल से जून 2019 तक एम.फिल. छात्रों के लिए समावेशी शिक्षा पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम 13 का निष्पादन।

24–28 जून, 2019 को नीपा में क्षमता निर्माण परियोजना के लिए कार्यशाला आयोजन।

29 अप्रैल से 3 मई, 2019 तक नीपा में पीजीडेपा 2018–19 के उन्नत पाठ्यक्रम चरण IV का निष्पादन; ईमेल दि. 10/1 2019।

29 अप्रैल से 3 मई 2019 तक नीपा, नई दिल्ली में 'आरटीई के तहत वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों की शिक्षाः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप' पर अभिविन्यास कार्यक्रम

पीजीडेपा 2018–19 के चरण IV यानी परियोजना कार्य का आकलन, 22–26 अप्रैल, 2019 को आयोजित किया और इसके बाद चरण V(A) 'उन्नत पाठ्यक्रम' 29 अप्रैल–3 मई 2019 को नीपा में आयोजित किया; ईमेल दि. 10/1 2019।

फरवरी 2019 से अगस्त 2019 तक 35वें और फरवरी 2020 से अगस्त 2020 तक 36वें आईडेपा का संगठन।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

व्यावसायिक नीति निर्माण पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

समावेशी शिक्षा पर उन्मुखीकरण कार्यक्रम

नीति निर्माण पर पीजीडेपा उन्नत पाठ्यक्रम

समावेशी शिक्षा पर एम.फिल. में वैकल्पिक पाठ्यक्रम

रिपोर्ट अवधि में सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहयोग

दिनांकः 31.12.2019; केस नंबर 824/1014/2019/04/9072–84; स्कूलों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए नीति पर अदालती आदेश के लिए विशेषज्ञ सलाहकार; 1 जनवरी 2020 को' राज्य आयुक्त, दिव्यांग जन, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली।

3 जनवरी 2020 को नीपा में जामिया मिलिया इस्लामिया के एम.एड. छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम; ईमेल दि. 2/1/2020।

मूल्यांकन पांडुलिपि टीआइईडी–2019–0310 – ''पाठ्यक्रम में व्यक्तिगत अंतरः ईरानी शिक्षक परिप्रेक्ष्य की तलाश'' समावेशी शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका ईमेल दि. 30 दिसंबर 2019; 3 जनवरी 2020।

11 जनवरी 2020 को डीईआइ, दयाल बाग में आयोजित बैठक में अध्ययन बोर्ड के सदस्य; ईमेल दि. 29 दिसंबर।

27–28 जनवरी 2020 को भारत के पुनर्वास परिषद द्वारा आयोजित शिक्षा में आरसीआई पाठ्यक्रमों के अभिसरण

पर विशेषज्ञ समिति की बैठक; 7–91/2017/आरसीआइ दि. 17 जनवरी 2020।

30 जनवरी 2020 को भारत के पुनर्वास परिषद द्वारा आयोजित सेवा शिक्षकों की 5 दिनों के प्रशिक्षण मॉड्यूल को विकसित करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक; 7–91/2017/आरसीआइ दि. 21 जनवरी 2020।

31 जनवरी 2020 को बाल मार्गदर्शन केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया में विशेष विद्यालय के शासी बोर्ड की बैठक; ईमेल दि. 28 जनवरी 2020;

अनुसंधान उपाधि समिति के सदस्य; दयाल बाग मानित यूनिवर्सिटी, 5 दिसंबर 2019।

10 दिसंबर 2019 को पत्रों का अनुशोधन, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया।

स्थानीय चयन समिति के लिए विषय विशेषज्ञ; समाजशास्त्र विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, 23 दिसंबर 2019; पत्र दि. 9 दिसंबर, 2020।

30 दिसंबर 2019 को सूचना का अधिकार अधिनियम के लिए बैठक, केंद्रीय सूचना आयोग, सीआइसी/टीए/एमएचआरडी/डीओएसईएल/2018/ 657–657;

समावेशी शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के लिए पांडुलिपि आईडी टीआइईडी–2019–0310 की समीक्षा; ईमेल दि. 31/12; 31 दिसंबर 2019।

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा 4–5 मार्च 2020 तक ''शिक्षक शिक्षा के बदलते परिदृश्य'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की समन्वय समिति के सदस्य; ईमेल दि. 1 नवंबर 2019।

बच्चों में विकलांगता की प्रारंभिक पहचान और जांच के लिए व्यवहार्य शासन तंत्र की खोज तथा जैसे–जैसे वे बड़े होते हैं उनके व्यक्तिगत संरक्षण के लिए स्कूलों, अभिभावकों और सरकार को सक्षम बनाने के लिए गोलमेज बैठक; बाल अधिकार संरक्षण आयोग, दिल्ली (डीसीपीसीआर), रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार; 7 नवंबर 2019; ईमेल दि. 1 नवंबर

01 अक्टूबर 2019 को दयाल बाग मानित विश्वविद्यालय आगरा द्वारा सहायक प्रोफेसर और एसआरएफ के लिए चयन समिति के सदस्य

दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएच.डी. शोध प्रबंध का मूल्यांकन; परीक्षा IV/Ph.D./S3587/1 दि. 16 सितंबर 2019।

शीर्षक ''सांस्कृतिक प्रजनन और प्रतिरोधः दिल्ली में निजी गैर–मान्यता प्राप्त स्कूलों में ईडब्ल्यूएस छात्रों के स्कूल के विस्तार की जांच'' डा. अलका बिहारी के मार्गदर्शन में आशु कपूर के पीएच.डी. शोध प्रबंध का मूल्यांकन; संदर्भ सं. एग्जाम IV/Ph.D./S3452/2 दि. 12 अक्टूबर 2019 दिल्ली विश्वविद्यालय।

6 सितंबर 2019 को शिक्षक शिक्षा और गैर औपचारिक शिक्षा विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया में सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिए सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति हेतु चयन समिति के लिए विषय विशेषज्ञ; फा.सं. चयन/आरपीएस/आरओ/जेएमआई/2019 दि. 3 सितंबर, 2019 जामिया मिलिया इस्लामिया।

20 सितंबर, 2019 को समावेशी शिक्षा के शिक्षकों के लिए सेवा प्रशिक्षण मॉड्यूल में कार्य दल के सदस्य; फा.सं. 7–14/7–14/संवेदीकरण/आरसीआई/2015; आरसीआई और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग; MSJE OM No. 05-13/ 2019-DD-III दि. 30 अगस्त 2019

बनारस हिन्दू युनिवर्सिटी में पीआरटी, टीजीटी और पीजीटी की भर्ती के लिए प्रश्नपत्र की निर्माण ईमेल दि. 18 सितंबर, 2019

3 जुलाई 2019 को विकलांग बच्चों के लिए शिक्षा रिपोर्ट भारत 2019 की स्थिति, यूनेस्को की रिपोर्ट के प्रमोचन में योगदानकर्ता, ईमेल दि. 24 जून

3–4 जुलाई 2019 को भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा दोहरी उद्देश्य विशेषज्ञ बैठकः कुछ आरसीआई पाठ्यक्रमों के अभिसरण, और नए–नए विकास पर मंथन और शिक्षकों के अल्पावधि प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की संरचना, सामग्री और मानदंड विकसित करना, उपरोक्त दोनों आरपीडब्ल्यूडी एसी 2016 के परिप्रेक्ष्य में हैं।

22–23 जुलाई 2019 को पीएसएससीआइवीई भोपाल द्वारा व्यावसायिक छात्रों के लिए क्षेत्र प्रशिक्षण, नौकरी प्रशिक्षण और शिक्षुता के लिए दिशानिर्देश तैयार करने पर कार्यदल के सदस्य

29 जुलाई से 1 अगस्त 2019 को एनसीईआरटी में किशोरावस्था स्वास्थ्य पर शिक्षण अधिगम सामग्री के लिए वीडियो की जांच और अंतिम रूप देने पर कार्यशाला; ईमेल दिनांक 10 जुलाई को

15 मई 2019 को गुरु गोविन्दसिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में भारतीय विद्याभवन लीलावती मुन्शी कॉलेज ऑफ एजुकेशन दिल्ली के लिए जीजीआइपीयू और उच्च शिक्षा विभाग दिल्ली की संयुक्त मूल्यांकन समिति; ईमेल दि. 14 मई, 2019

प्रारंभिक बचपन विकास और अनुसंधान केंद्र, जामिया मिलिया इस्लामिया के प्रबंधन मंडल के सदस्य; पत्र दि. 16 मई 2019 ईमेल 20 मई, जामिया मिलिया इस्लामिया।

मा.सं.वि.मं. द्वारा स्कूल पाठ्यक्रम/पाठ्य पुस्तकों में पहुंच पर अध्याय का समोवश हेतु बैठक; डीओ नं. 13–14/2019–आइएस–11 दि. 24 मई।

नं. 3338 III; 9 अप्रैल को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भेजा गया ''नाटक के माध्यम से प्रायोगिक शिक्षाः सामाजिक मुद्दों पर बच्चों के प्रतिबिंब का अध्ययन'', प्रो. टी. गीता और डा. अलका बिहारी द्वारा पर्यवेक्षित; अनु नारंग के शोध प्रबंध का मूल्यांकन।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

''अध्यापक शिक्षा के बदलते परिदृश्य'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''शिक्षक शिक्षा में नीतिगत परिप्रेक्ष्य–I'' सत्र के अध्यक्ष, जामिया मिलिया इस्लामिया

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ की पत्रिका के लिए लिपियों की समीक्षा

एआइएईआर शासी बोर्ड के सदस्य

विद्यालय नेतृत्व विकास की शिक्षा पर पुस्तक के प्रकाशन का प्रस्ताव रूटलेज द्वारा स्वीकार किया गया।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के लिए आरटीआई पर तैयार अनुसंधान प्रस्ताव।

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

4–5 मार्च 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''शिक्षक शिक्षा के बदलते परिदृश्य'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की समन्वय समिति के सदस्य।

जामिया मिलिया इस्लामिया आंतरिक शिकायत समिति के बाहरी सदस्य, फाइल सं. gen 311/JMI/RO/estt/2020]

18 फरवरी 2020 को डा. जाकिर हुसैन मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी, की शासी बोर्ड की बैठक, जामिया मिलिया इस्लामिया, पत्र दि. 5 फरवरी, 2020।

27 जून 2019 से तीन वर्ष के लिए दिल्ली एजुकेशन सोसाइटी के सदस्य; पत्र दि. 27/6/2019 को 27/6/2019–26/6/2022 दिल्ली एजुकेशन सोसायटी

20 जुलाई 2019 को अमर ज्योति शासी निकाय के सदस्य, ईमेल 20 जून 2019

मनीषा प्रियम

प्रकाशन

पुस्तक में अध्याय

2019: ''ग्लोबल वार, नेशनल लेगासीज, एंड स्टेट कंट्रोल्सः द डिलेमास ऑफ पब्लिक यूनिवर्सिटीज'', सुधांशु भूषण द्वारा सम्पादित पुस्तक द फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया, में अध्याय, स्प्रिंगर, 2019

समाचार पत्र

2 फरवरी, 2019: इंटरपर्टेनिंग द बजट 2019: पालिटिक्स हैज ओवरलिम्ड द रेशनलिटी आफ इकोनोमिक्स'', डेलीओ (ऑनलाइन) https://www.dailyo.in/politics/budget-2019-politics-economics-farmers-narendra-modi/story/1/29250.html

2020: ''इन एएपीएस विक्टरी, ए लैशन इन ट्रांसफोर्मेटिव पॉलिटिक्स'', द हिन्दुस्तान टाइम्स, फरवरी 11, 2020 (https://www.hindustantimes.com/analysis/in-aap-s-victory-a-lesson-in-transformative-politics/story-V6qFcYFF4nQLC2Bo30HpzI.html)

2020: ''दिल्ली इलैक्शनः हाउ विल द कम्पटीशन प्ले आउट'', द हिन्दुस्तान टाइम्स, जनवरी 13, (https://www.hindustantimes.com/analysis/delhi-elections-how-will-the-competition-play-out/story-FOt3xzgpsg1EOIpiNp0OnJ.html)

2019: ''झारखण्ड इज अ मेंडेट आफ द पुअर फार देअर राइट्स'', द हिन्दुस्तान टाइम्स, दिसंबर 23।

रिपोर्ट अवधि के दौरान सेमीनार/सम्मेलनों में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

5 अप्रैल, 2019: ''प्रासंगिकता से पहले कठोरता? गरीबी और विकास के अध्ययन में बहु–विषयक दृष्टिकोण पर अध्ययन ''नंगे पांव शोधकर्ता'', अनुसंधान पद्धति कार्यशाला, के.टी.एच.एम. महाविद्यालय नाशिक–सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय।

1 अगस्त, 2019: जादवपुर विश्वविद्यालय में रवींद्र भारती विश्वविद्यालय, प्रतिकी और गोल्डस्मिथ कॉलेज, लंदन विश्वविद्यालय के सहयोग से ''काम, पानी और मर्यादाः अनधिकृत कॉलोनी में महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी'', पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''अपना घरः अनुभव और गरीब महिलाओं की बातचीत''।

2 अगस्त, 2019: ''पहचान, रुचि और जानकारीः राष्ट्रीय जनादेश 2019, के निर्माण में विभिन्न आघात'', अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बैंगलोर।

28 सितंबर, 2019: ''भविष्य के विश्वविद्यालयः वैश्विक आकांक्षाएँ तथा स्थानीय अनिवार्यताएँ'', पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''उच्चतर शिक्षा स्थान का विनियमनः तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य'', ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी।

15 अक्टूबर, 2019: ''अधिगम के लिए क्षेत्रीय रास्तेः केरल में मुस्लिम शिक्षा में मातृभाषा और मुद्रण नर सार्वजनिक कार्रवाई की भूमिका, स्थिरता और विकास सम्मेलन, में डा. सजीता बशीर की प्रस्तुति, मिशिगन विश्वविद्यालय एन–आर्बर, अमेरीका।

19 नवंबर, 2019: समाजशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय में ''बचपन में क्रूरता को जानना'', पर पैनल चर्चा।

28 नवंबर, 2019: ''राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 (प्रारूप) पर विचार, भारतीय स्कूल प्रमाणपत्र के लिए स्कूल संघ के 62वें वार्षिक सम्मेलन में मुख्य संभाषण, 27–29 नवंबर, चेन्नई

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

अनुसंधान क्रियाविधि

मानव अधिकार, लोकतंत्र और शिक्षा

एस.के. मलिक

अनुसंधान पूर्ण और जारी

जारी

ओडिशा में माध्यमिक स्तर पर अनुसूचित जाति के बच्चों की छात्रवृत्ति योजना और शैक्षिक गतिशीलता का अध्ययन।

रिपोर्ट अवधि के दौरान सेमीनार/सम्मेलनों में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

4 से 5 अक्टूबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली ''गांधीवादी शैक्षिक विचारों और प्रयोगों की प्रासंगिकताः नीति और व्यवहार के निहितार्थ'' पर राष्ट्रीय परिचर्चा बैठक में भाग लिया।

20–21 जनवरी, 2020 को इंडिया हैबिटेंट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित शिक्षक शिक्षा को बदलने में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की भूमिका पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में भागीदारी।

20 फरवरी, 2020 को इंडिया हैबिटेंट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तता पर राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

24–25 फरवरी, 2020 को रेजीडेंसी रिजॉर्ट यूएसआई परिसर, नई दिल्ली में सुधार के लिए शाला सिद्धि मूल्यांकन पर आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार बैठक में भागीदारी।

कार्यशाला/सम्मेलन/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

'पूर्वोत्तर राज्यों में प्राथमिक शिक्षा के प्रबंधन में संविधान की छठी अनुसूची के तहत स्थानीय प्राधिकरणों और स्वायत्त परिषदों के कार्य' पर अभिविन्यास कार्यशाला (आइजवालः 25–29 नवंबर, 2019)।

'आरटीई के तहत वंचित और कमजोर वर्गों की शिक्षाः नीतिगत मुद्दे और कार्यक्रम हस्तक्षेप' पर उन्मुखीकरण कार्यशाला, नीपा, नई दिल्लीः 29 अप्रैल से 3 मई, 2019

रिपोर्ट अवधि में प्रशिक्षण सामग्री का विकास

परियोजना कार्य के लिए ग्रंथ सूची/संदर्भ कैसे तैयार करें?

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

शैक्षिक योजना और प्रशासन पत्रिका (नीपा जर्नल) में संपादकीय सहायता

एम.फिल. मार्गदर्शन

सुश्री काव्या चंद्राः कम्यूनिटी पार्टीसीपेशन एंड सोशल एकौंट्बिलिटीः ए केस ऑफ स्कूल मैनेजमेंट कमेटी इन स्कूल ऑफ न्यू दिल्ली, शोध विषय पर मार्गदर्शन

पाठ्यक्रम प्रभारीः संगोष्ठी प्रतिभागी

पीजीडेपा

आईडेपा

निर्देशित आईडेपा प्रतिभागी –1

निर्देशित पीजीडेपा प्रतिभागी –1

एम.फिल./पीएच.डी. वैकल्पिक पाठ्यक्रम संख्या 05 (शिक्षा में सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय शासन) का अध्यापन।

प्रशिक्षण कार्यक्रम और अनुसंधान समूह के सदस्य।

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम के सदस्य

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश संवीक्षा समिति के सदस्य

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, शैक्षिक योजना और प्रशासन संघ

नरेश कुमार

प्रकाशन

कुमार, नरेश, 2020. 'रीथिंकिंग पॉलिसी डिजाइन एंड रिफॉर्म्स फॉर ट्राइबल एजुकेशन इन इंडिया', आर. आर. पाटिल (संपादक): ट्राइबल डवलपमेंट इन इंडियाः चैलेंजेज एंड प्रौसपैक्ट्स इन ट्राइबल एजुकेशन (पृ. 225–238), नई दिल्लीः सेज प्रकाशन।

पूर्ण और जारी अनुसंधान

जारी

समानता का पुनरीक्षणः नीति परिप्रेक्ष्य और सामाजिक धारणाएं (डा. नरेश कुमार)

प्रतिवेदनाधीन अवधि में संगोष्ठियों/सम्मेलनों में सहभागिता

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

''शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान के तरीके और नीति विश्लेषण'' 01–12 जुलाई, 2019।

रिपोर्ट अवधि में प्रशिक्षण सामग्री का विकास

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम, अनुसंधान पद्धति (गुणात्मक धारा) का निष्पादन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

कम्परेटिव एजुकेशन सोसायटी ऑफ इंडिया

इंडियन सोशियोलॉजीकल सोसायटी

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पांडा

प्रकाशन

पुस्तक/अध्याय

इंटरनेशनल पर्सपैक्टिव्स ऑन स्टैन्र्डड्स एंड बैंचमार्किंग इन टीचर एजुकेशन, (2019), ऑक्सफोर्ड रिसर्च इंसाइक्लोपीडिया ऑफ एजुकेशन, इंडिया।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

अंतरराष्ट्रीय

मार्च 4–5, 2020 को शैक्षिक अध्ययन विभाग, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया (जेएमआई), सेंट्रल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा ''शिक्षक शिक्षाः चुनौतियाँ, अवसर और रणनीतियाँ'' पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शिक्षक शिक्षा के बदलते परिदृश्य' विषय पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

11–12 जनवरी, 2019 को अमिटी शिक्षा संस्थान, अमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित ई–गवर्नेंस एंड एजुकेशनः ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स फॉर ई–लिविंग', अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण सत्र की अध्यक्षता की।

शिक्षा में अनुसंधान विषय पर 9–11 दिसंबर 2019 का जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति की दसवीं वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र की अध्यक्षता की।

विश्व शिक्षक दिवस समारोह, यूनेस्को, अक्टूबर 7, 2020, नई दिल्ली, भारत, ''युवा शिक्षकों को आकर्षित करना तथा स्थायित्व प्रदान करना–सतत् व्यावसयिक विकास की भूमिका'' विषय पर पैनालिस्ट के रूप में भागीदारी।

राष्ट्रीय

14–15 मार्च, 2019 को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टिस्स), मुंबई, महाराष्ट्र में शिक्षकों और शिक्षक शिक्षा के विनियमन, पर आयोजित गोलमेज सम्मेलन में भागीदारी।

स्कूलों में मुख्य जोखिम आपदा न्यूनीकरण पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्कूल पाठ्यक्रम और आपदा जोखिम न्यूनीकरण, पहल और चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान दिया, 16–18 सितंबर, 2019 नई दिल्ली।

19 सितंबर, 2019, को सेना शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली द्वारा "भारत में शिक्षक शिक्षाः नई शिक्षा–नई चुनौतियां" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में भागीदारी।

2 अगस्त 2019 को नीपा, नई दिल्ली में स्कूल प्रदर्शन, प्रबंधन का मूल्यांकनः अंतर्राष्ट्रीय व्यवहार पर चिंतन' विषय पर व्याख्यान दिया।

9–10 दिसंबर, 2019 को तुलनात्मक शिक्षा समिति (सेसी) और जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र (जेडएचसीईएस) द्वारा आयोजित कन्वेंशन सेंटर जेएनयू, नई दिल्ली में 'शिक्षा में बहिष्करण, समावेशन और समानता' विषय पर व्याख्यान दिया।

अनुसंधान अध्ययन और परियोजनाएं

भारत में शिक्षक शिक्षा के अभिशासन, विनियमन और गुणवत्ता आश्वासन के अध्ययन पर परियोजना का समन्वय और प्रबंधन

राष्ट्रीय संगोष्ठी और परामर्शकारी बैठकों का आयोजन

समन्वय और आयोजन, शिक्षक शिक्षा के रूपांतरण में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका, नीपा, जनवरी 20–21, 2020 भारतीय पुनर्वास केंन्द्र (तमारिन्ड हाल), नई दिल्ली

स्कूल सुधार के लिए स्कूल मूल्यांकन पर राष्ट्रीय परामर्शकारी बैठक, आयोजन और समन्वयन, 14–15 फरवरी 2019, रेजिडेन्सी रिसोर्ट, राव तुला मार्ग, यू.एस. आई. परिसर, नई दिल्ली

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालन

एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम के लिए ''भारत में शिक्षा'' पर एक आधार पाठ्यक्रम (कोर कोर्स– 2) विकसित किया।

भारत में अध्यापक शिक्षा के बदलाव में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत चर्चा दस्तावेज का विकास

एम.फिल./पीएच.डी./आईडेपा अध्येताओं को मार्गदर्शन

आईवरी कोस्ट से आईडेपा प्रतिभागी श्री कोउको फर्मिन मादरी को उनके शोध 'आईवरी कोस्ट में निजी स्कूल और गुणवत्ता शिक्षाः निजी स्कूल का एक केस अध्ययन' विषय पर मार्गदर्शन

श्री मोलेन चिंगोबे चेलो, जाम्बिया से आइडेपा प्रतिभागी, 'जाम्बिया के मजबुका जिले में खेती कंपनियों द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की वृद्धि' विषय पर मार्गदर्शन

माध्यमिक शिक्षक शिक्षा का शासनः कई क्षेत्रों और स्थानों में संस्थागत प्रदर्शन और परिणाम', विषय पर सुश्री ट्विंकल पांडा, एम.फिल. अध्येता को मार्गदर्शन।

अन्तरराष्ट्रीय शिक्षा के लिए संदर्भ का मानचित्रणः अन्तरराष्ट्रीय स्कूलों का तुलनात्मक अध्ययन' शीर्षक विषय में सुश्री टीना ठाकुर, एम.फिल. अध्येता को मार्गदर्शन।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

शिक्षक विशरदों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (एम.एड. स्तर) 'शिक्षक शिक्षा विशरद हेतु पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए दिशानिर्देश और रा.शि.शि.प. को विस्तारित शैक्षणिक समर्थन (एनसीटीई और यूजीसी)।

शिक्षक शिक्षा में सुधार के लिए ओडिशा सरकार और एससीईआरटी, ओडिशा को विस्तारित शैक्षणिक सहायता।

10 मार्च, 2018 को पटना विश्वविद्यालय में बाहरी विशेषज्ञ के रूप में, शिक्षा में चयन समिति की बैठक में भागीदारी।

दिल्ली विश्वविद्यालय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, उत्कल विश्वविद्यालय, उस्मानिया विश्वविद्यालय आदि के छह पीएच.डी. और एक एम.फिल. शोध प्रबंध के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक।

शिक्षक शिक्षा पर केंद्र प्रायोजित योजना के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड के सदस्य के रूप में शिक्षक शिक्षा पर विभिन्न राज्यों को विस्तारित शैक्षणिक समर्थन।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

सदस्य, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा समिति

सदस्य, जर्नल सलाहकार समिति, एनसीटीई

सदस्य, कार्यक्रम सलाहकारी बोर्ड, एम.सी.ई.आर.टी, नई दिल्ली

सदस्य, शिक्षक शिक्षा अनुमोदन बोर्ड, एमएचआरडी, नई दिल्ली

कार्यकारी बोर्ड के सदस्य, आरएमएसए (टीसीए)

कार्यकारी बोर्ड सदस्य, शिक्षक शिक्षा में सुधार यूनिसेफ़ और एससीईआरटी, पुणे

सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय संपादक बोर्ड, केडी जर्नल आफ एजुकेशलन पालिसी

सदस्य, स्कूल प्रभाविक्ता और सुधार पर अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस

सदस्य, भारतीय शिक्षक प्रशिक्षणकर्त्ता संघ

संस्थापक सदस्य, शिक्षा में अनुंसधान हेतु अंतर्राष्ट्रीय मंच

सदस्य, पूर्व छात्र संघ, केंद्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ

मधुमिता बंद्योपाध्याय

प्रकाशन

पुस्तक/अध्यायः

'एजुकेशन, डेमोक्रेसी एंड डवलपमेंट, नीपा एवं शिप्रा पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2019 (एन.वी. वर्गीज के साथ सह–संपादक) आईएसबीएनः 978–93–88691–37–6

पुस्तक में अध्यायः

'एजुकेशन, डेमोक्रेसी एंड डवलपमेंट, में 'परिचय' नीपा एवं शिप्रा पब्लिकेशंस, नई दिल्ली, 2019 (एन. वी. वर्गीज के साथ सह–संपादक) आईएसबीएनः 978–93–88691–37–6, पृ. 1–11।

इंटरनेशनल स्टडीज ऑन एनेक्टमेंट ऑफ चिल्ड्रेन्स राइट इन एजुकेशन पुस्तक में अन्डरस्टेंडिंग द लिंकेजेज ऑफ जेंटर एंड पावर्टी इन अड्रैसिंग चिल्ड्रेन्स राइट टू एजुकेशन इन इंडिया अध्याय। विकेनबर्ग, पेर, रासमुसन, बोडिल एंड लियो द्वारा संपादित, उल्फ, मीडिया–ट्राइकलंड यूनिवर्सिटी, स्वीडन, 2019 पृ. 41–70, आइएसबीन ट्राइकः 978–91–7267–419–6 पीडीएफः 978–91–7267–420–2 आईएसएसएन 1404–1030।

'एक्सक्लूजन एंड इनैक्वलिटी इन इंडियन एजुकेशन' टी. हक और डी. नरसिम्हा रेड्डी द्वारा संपादित पुस्तक में 'सोशल डवलपमेंट रिपोर्ट 2018ः राइजिंग इनैक्वलिटीज इन इंडिया' अध्याय। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2019, आईएसबीएनः 9780199494361 पृ. 216–218 (आर. गोविंदा के साथ सह–लेखन)

'जेंडर इक्वालिटी इन स्कूल एजुकेशन इन इंडियाः ह्वेअर डू वी स्टेंड? जयंत मेटे, रिमजिम बोरा और राकेश मन्ना द्वारा संपादित पुस्तक में 'वूमन इम्पावरमेंट फॉर गर्ल एजुकेशन इन 21 सेंचुरी'' अध्याय। वॉल्यूम II सेट.2, नई दिल्ली पब्लिशर्स, नई दिल्ली, 2019 आईएसबीएन नं.ः 9789385503894

प्रकाशित शोध पत्र/आलेख

'चेजिंग सिनारियो ऑफ हायर एजुकेशन एंड इट्स एम्पैक्ट आन सोशल डवलपमेंट इन इंडिया' यूनिवर्सिटी न्यूज, नई दिल्ली वॉल्यूम 57, इश्यू 6, पृ. 160–166।

संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में सहभागिता

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय

9–11 दिसंबर 2019 के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में भारत तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी), के 10वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में *''शिक्षा में अपवर्जन, समावेश और समानता'' और शैक्षिक पहुँच तथा स्कूलों में जाति, वर्ग और लैंगिक भागीदारी पर भारत में छह राज्यों से अनुभवजन्य साक्ष्य* विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

26–27 फरवरी 2020 को राजनीति विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा यूजीसी–एसएपी–डीआरएस I

कार्यक्रम के तहत आयोजित "भारत में लोकतंत्र और सार्वजनिक नीतिः विकल्प और परिणाम" पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत में प्राथमिक शिक्षा के विकेंद्रीकरण की नीति और व्यवहार पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

20–21 फरवरी, 2020 के दौरान इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में सीपीआरएचई, नीपा द्वारा संचालित उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

20–21 जनवरी, 2020 के दौरान इंडिया हैबिटेट सेंटर (इमली हॉल), नई दिल्ली में स्कूल और अनौपचारिक शिक्षा, नीपा द्वारा ''शिक्षक शिक्षा के परिवर्तन में केंद्रीय विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका'' पर आयोजित राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में भाग लिया।

24 और 25 फरवरी, 2020 को रेजीडेंसी रिजॉर्ट, राव तुला राम मार्ग, यूएसआई परिसर, नई दिल्ली में आयोजित 'स्कूल आधारित मूल्यांकन के साथ साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार' पर राष्ट्रीय परामर्शी बैठक में सत्र की अध्यक्षता की।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

छह राज्यों के प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला, 27–31 मई, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालन

27–31 मई, 2019, नीपा, नई दिल्ली में छह राज्यों के प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार'' पर कार्यशाला के लिए पीपीटी के रूप में प्रशिक्षण सामग्री विकसित की।

27 मई, 2019 को सहभागी कार्यवाही अनुसंधान परियोजनाः चल रहे अनुसंधान का अवलोकन पर प्रस्तुति।

गुणात्मक अनुसंधान विधि पर एम.फिल. मुख्य पाठ्यक्रम नं. 5 में संशोधन

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

एन्ट्रीप के लिए नीपा के केन्द्र बिन्दु और एन्ट्रीप न्यूजलेटर के संपादक।

पाठ्यक्रम (अनुसंधान पद्धति) पर एम.फिल. कक्षाओं में अध्यापन।

'भारत में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार के लिए सहभागी कार्रवाई अनुसंधान' पर शोध परियोजना पूर्ण हुई और कुलसचिव, नीपा को शोध रिपोर्ट प्रस्तुत की।

'हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश में लड़कियों की शिक्षा पर तुलनात्मक अध्ययन' जारी एक अनुसंधान परियोजना।

पीएच.डी. विषय पर मार्गदर्शनः

ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा और अधिकारिताः पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले का अध्ययन

स्कूली शिक्षा में सामाजिक असमानताएँः दिल्ली में चयनित स्कूलों का अध्ययन

एम.फिल. विषय पर मार्गदर्शनः

एम.फिल. का विषयः ''प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश और भागीदारी में लैंगिक समानताः ग्वालियर, मध्य प्रदेश का अध्ययन''

नीपा से बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारत तुलनात्मक शिक्षा समिति (सेसी)

दिल्ली के गैर–सरकारी संगठन ASPIRE भारत, की सदस्यता

भारतीय शैक्षिक अनुसंधान पत्रिका के सलाहकार बोर्ड के सदस्य, कलकत्ता विश्वविद्यालय

रस्मिता दास स्वैन

प्रकाशन

सेमीनार / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

नवंबर 1–2, 2019 को मनोविज्ञान विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब, में औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान सोसायटी, वाराणसी, भारत के सहयोग से आयोजित, तृतीय भारतीय औद्योगिक और संगठनात्मक मनोविज्ञान कांग्रेस, (तृतीय आइसीआइओपी, 2019), में प्रतिभा प्रदर्शनः अग्रणी कम्पनियों में रणनीति प्रेरित विकास के लिए नेतृत्व क्षमता पर पत्र प्रस्तुत किया ।

9–11 दिसंबर, 2019 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, में 'शिक्षा में बहिष्करण, समावेशन और समानता' पर भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसाइटी (सेसी) के 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'भारत में अंतर्वेशन पर स्कूल का प्रदर्शनः नीति और व्यवहार के निहितार्थ' विषय पर पत्र प्रस्तुत किया।

20–22 दिसंबर, 2019 को अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग, पुडूचेरी में राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी (एनएओपी), भारत के 29वें वार्षिक सम्मेलन, समाज के लिए मनोविज्ञान को उपयोगी बनाना पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, में 'प्रतिभा विकास हेतु नेतृत्व क्षमताः महारत्न कम्पनी से नेतृत्व–अधीनस्थ परिप्रेक्ष्य' पर पेपर प्रस्तुत।

20–21 फरवरी, 2020 को उच्च शिक्षा में अभिशासन और प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, नीपा, नई दिल्ली।

फरवरी 24–25, 2020 को एनसीएसएल, नीपा द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित 'स्कूल में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन।

11 अप्रैल, 2019 को नीपा में अयोजित 'आपातिक तकनीक पर ऑनलाइन शिक्षण और पाठ्यक्रम रूपरेखा के लिए आयोजित कार्यशाला में भागीदारी।

भारत में प्राथमिक स्कूलों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता, 27–31 मई, 2019, नीपा।

शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियों और नीति विश्लेषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 1–12 जुलाई, 2019, नीपा।

विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में शैक्षणिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रशासन में नेतृत्व पर कार्यशाला सह–अभिविन्यास कार्यक्रम, 24–26 जुलाई 2019, नीपा, नई दिल्ली।

व्यावसायिक सार्वजनिक नीति निर्माणः समावेशी शिक्षा नीतियों के लिए साक्ष्य का उपयोग, 13–17 अगस्त, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

19–21 अगस्त 2019 तक संस्थागत शासन में नवाचारों और अच्छे आचरण पर तीन दिवसीय कार्यशाला।

26 अगस्त से 6 सितंबर, 2019 तक नीपा में आयोजित अनुसंधान पद्धति में बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण, आंकड़ा विश्लेषण और उपकरण, पर एक सत्र की अध्यक्षता।

4–5 अक्टूबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित नीतियों और व्यवहारों के लिए गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता पर राष्ट्रीय परिचर्चा बैठक।

उच्चतर शिक्षा पर अभिशासन और स्वायत्तता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, नीपा, नई दिल्ली, 27–28 फरवरी 2020

04 मार्च, 2020 को एनसीएसएल – डीएसी में भागीदारी

29 जून, 2019 को एमएचआरडी के गुरू अंगददेव शिक्षण और अध्ययन केन्द्र, खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, में शिक्षण और अधिगम के माहौल में तनाव प्रबंधन और भावनात्मक आसूचना पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला।

30 अगस्त, 2019 को एमएचआरडी, गुरू अंगददेव शिक्षण और अध्ययन केन्द्र, खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, में उन्नत एक्सेल के माध्यम से आंकड़ा प्रबंधन और विश्लेषण पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला।

मूक (स्वयम) और एपीआरपीआइटी और एआइसीटीई पर ई–सामग्री राष्ट्रीय संगोष्ठी सह–कार्यशाला। एमएचआरडी, गुरू अंगददेव शिक्षण और अध्ययन केन्द्र, खालसा कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, 31 अगस्त, 2019

सम्मेलन / कार्यशाला / कार्यक्रम आयोजित

भारत में गुणवत्तापूर्ण प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के प्रबंधन के लिए प्रणालीगत सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 6–8 जनवरी, 2020, नीपा।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और निष्पादित

प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए पठन और प्रशिक्षण सामग्री

ईसीसीई के शासन और प्रबंधन पर दृष्टि के लिए उपकरण

ईसीसीई कार्यशाला की कार्यवाही रिपोर्ट

संसाधन व्यक्ति के रूप में शैक्षणिक कार्यक्रमों में आमंत्रित व्याख्यान

15 मार्च, 2020, को नीपा में शैक्षणिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीप के तहत) उच्च शिक्षा में प्रतिभा प्रबंधनः शैक्षणिक नेतृत्व के निहितार्थ, पर व्याख्यान दिया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्शकारी और अकादमिक सहायता

मानव संसाधन विकास मंत्रालय।

राज्य और संघ क्षेत्रों के लिए नीति कार्यान्वयन।

विश्व बैंक

यूनिसेफ

योजना अनुमोदन बोर्ड बैठकें (पीएबी)

आईसीएसएसआर

यूजीसी

मनोविज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के महाविद्यालय

जम्मू विश्वविद्यालय, राजस्थान विश्वविद्यालय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय

अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय प्रकाशकों के मनोविज्ञान की पाठ्य पुस्तकों की समीक्षा

विभिन्न विश्वविद्यालयों का दूरस्थ शिक्षा केंद्र

एन.जी.ओ.

जम्मू और कश्मीर पुलिस अकादमी के लिए विशेषज्ञ

प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय

मनोवैज्ञानिक परीक्षण और मूल्यांकन सेवा केंद्र

नीपा के बाहर शैक्षणिक व्यावसायिक निकायों में सदस्यता

राष्ट्रीय मनोविज्ञान अकादमी, नई दिल्ली

भारतीय अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान संघ, चेन्नई

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी), नई दिल्ली

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (एआईएईआर), भुवनेश्वर, ओडिशा

भारतीय स्कूल मनोविज्ञान संघ

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संघ, कलकत्ता

भारतीय सकारात्मक मनोविज्ञान संघ, नई दिल्ली

प्राची एसोसिएशन ऑफ क्रॉस–कल्चरल साइकोलॉजी, मेरठ

नेशनल एचआरडी नेटवर्क, हैदराबाद

इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट, नई दिल्ली

स्पोर्ट्स साइकोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, पटियाला

एम.फिल. / पीएच.डी. पाठ्यक्रम की समीक्षा में योगदान। (फरवरी 2018)

आजीवन सदस्य– एनएओपी, आईएएपी, सेसी, एआईएईआर

अन्य शैक्षणिक योगदान

एम.फिल. और पीएच.डी. अनुसंधान के पर्यवेक्षण

1 एम.फिल. और 2 पीएच.डी. शोधकर्त्ता

एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम में अध्यापन।

शिक्षा पर परिप्रेक्ष्य (सीसी–1) मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य

अनुसंधान पद्धति–I (सीसी–3)

अनुसंधान पद्धति–II (सीसी–5)

पीजीडेपा/आईडेपा परियोजना कार्य– 1+1 का पर्यवेक्षण

पीजीडेपा/आईडेपा पाठ्यक्रम में अध्यापन

शैक्षिक प्रशासन पाठ्यक्रम

अन्य शैक्षणिक योगदान

नीपा में आरआईई, भोपाल और जामिया मिलिया इस्लामिया से शिक्षा के स्नातकोत्तर छात्रों के इंटर्नशिप कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

25 जून 2019 को मानव संसाधन विकास केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

जुलाई 10, 2019 को स्कूली शिक्षा, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम में दो व्याख्यान दिये।

24 जुलाई, 2019 को शारदा विश्वविद्यालय, मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल, ग्रेटर नोएडा, द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

9 अगस्त, 2019 को मानव संसाधन विकास केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।

19–20 सितम्बर, 2019 को स्कूली शिक्षा, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्याख्यान दिये।

नीपा के विभिन्न शैक्षणिक निकायों के सदस्य के रूप में योगदान

संचालन समिति के सदस्य

छात्र परामर्श के सदस्य

वार्षिक विशेषता के रूप में नीपा की वार्षिक रिपोर्ट का संपादन

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा और मूल्यांकन समिति के सदस्य

परियोजना कनिष्ठ सलाहकार अनुवीक्षण समिति 17 जून 2019

सदस्य, चयन समिति, परियोजना कनिष्ठ सलाहकार का साक्षात्कार, सितंबर, 2019

चयन समिति, परियोजना कनिष्ठ सलाहकार का साक्षात्कार 18 जुलाई 2019

परियोजना सलाहकार अनुवीक्षण समिति, 4 जुलाई, 2019

24 जुलाई, 2019 को नीपा में आईएएस परिवीक्षाधीन अधिकारियों की एक अभिविन्यास का आयोजन किया

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण

प्रकाशन

अनुसंधान परियोजना/आलेख/अध्याय

''क्वालिटी एंड एक्सलेंस इन हायर एजुकेशन एंड मेटामोरफोसिसः चेंजिंग नेशन्स इन एजुकेशनल डिस्कोर्सेज इन इंडिया'' पर आलेख प्रकाशित, फ्यूचर जर्नल, वॉल्यूम 6, अंक 1, 2019।

''रिसर्च एंड पॉलिसी कनैक्ट इन सोशियल साइंस रिसर्च इन द निओ–लिबरल एज'' पर आलेख प्रकाशित, अर्थ बीक्शन, वॉल्यूम 28, अंक 1, जून 2019

''डिथरिंग हायर एजुकेशन पॉलिसी'' पर एक आलेख प्रकाशित, ईपीडब्ल्यू, वॉल्यूम 54, अंक 24, 15 जून, 2019

''स्टूडेंट सैटिसफैक्शन सर्वे'' की एक शोध रिपोर्ट, 2019, नीपा, नई दिल्ली को प्रस्तुत की।

''द पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ गवर्नेंस इन हायर एजूकेशनः टैम्पोरेरी टीचर्स फेनोमेनन'' वर्गीस, एन.वी. और गरिमा मलिक, सं. की पुस्तक में ''उच्च शिक्षा में अभिशासन की राजनीतिक अर्थव्यवस्थाः अस्थायी शिक्षक घटना'' पर एक अध्याय का योगदान दिया। सेजः नई दिल्ली, 2020

''टीचिंग एंड लर्निंग इन हायर एजूकेशन इन इंडिया एंड आस्ट्रेलिया'' नामक पुस्तक प्रकाशित, रूटलेज इंडिया (आईएसबीएनः 978–036–744293–4) द्वारा 26 जुलाई, 2019 को

''फ्यूचर ऑफ हायर एजूकेशन इन इंडिया'' नामक पुस्तक का प्रकाशन, स्प्रिंगर, इंडिया (आईएसबीएन 978–981–329061–7)

व्याख्यान दिये

मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 – विचार बनाम वास्तविकता, अप्रैल–सितंबर, 2019 में स्पीड पोस्ट।

8 दिसंबर, 2019 को ''मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 और भारत में उच्च शिक्षा'' पर व्याख्यान दिया।

30 मई, 2019 को ''रणनीतिक योजना और प्रबंधन'' पर मिजोरम विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिया।

23 अप्रैल, 2019 को शिक्षा विभाग, पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''चौराहे पर भारतीय उच्च शिक्षा'' पर व्याख्यान दिया।

17–21 जनवरी, 2020 के दौरान बेंगलुरु सेंट्रल यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु में ''उच्च शिक्षा नीति'' पर व्याख्यान दिया।

31 अगस्त 2019 को पटना विश्वविद्यालय, पटना में ''नई शिक्षा नीति'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्य वक्ता।

11 जून, 2019 को तेजपुर विश्वविद्यालय में ''शिक्षण अधिगम अध्यापन शास्त'' पर व्याख्यान दिया।

10 जुलाई, 2019 को केरल राज्य उच्च शिक्षा परिषद में ''मसौदा – राष्ट्रीय शिक्षा नीति'' पर व्याख्यान दिया।

सोमवार, 29 जुलाई, 2019 को जेएनयू में'' नई शिक्षा नीति'' पर व्याख्यान दिया।

13–14 सितंबर, 2019 को सीआरआरआईडी, चंडीगढ़ में 'नई शिक्षा नीति के मसौदे' पर मुख्य भाषण।

18 अक्टूबर, 2019 को शिक्षा विभाग, बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय में 'अनुसंधान पद्धति' पर व्याख्यान दिया

समितियों के सदस्य

29 मार्च 2019 को स्कूल ऑफ एजुकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ बिहार, गया में पीएमएमएमएनएमटीटी योजना के तहत अनुसंधान परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ।

अध्यक्ष, एनआरसीई, पीएमएमएमएनएमटीटी योजना

सामाजिक विज्ञान और विकास नीति के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन, एमएचआरडी की योजना की निगरानी समिति के सदस्य

अन्य

अखिल भारतीय छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण के लिए शुरू किए गए ऑनलाइन सर्वेक्षण के केन्द्र बिन्दु पर समूह चर्चा

शिक्षाविदों के लिए कार्यक्रम नेतृत्व (लीप) का आयोजन।

कुलपतियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व पर कार्यशला का आयोजन

21 मई, 2019 को विशेषज्ञ समिति की बैठक में बिहार में उच्च शिक्षा अभिशासन पर मसौदा शोध रिपोर्ट की समीक्षा।

आरती श्रीवास्तव

प्रकाशन

पुस्तक प्रकाशित

''टीचिंग एंड लर्निंग इन हायर एजूकेशन इन इंडियन एंड आस्ट्रेलिया', सह–संपादित पुस्तक, जेम्स अरवनितकिस, सुधांशु भूषण, नयनतारा पोथेन और आरती श्रीवास्तव संपादक, 2019, रूटलेज, आईएसबीएनः 9780367275228।

श्रीवास्तव, आरती और जोन एम. लिंड (2019)। ''वूमन इन हायर एजूकेशन रिसर्च''; जेम्स अरवनितकिस, सुधांशु भूषण, नयनतारा पोथेन और आरती श्रीवास्तव के संपादन में 'टीचिंग एंड लर्निंग इन हायर एजूकेशन इन इंडियन एंड आस्ट्रेलिया', रूटलेज, आईएसबीएनः 9780367275228।

पुस्तक समीक्षाः मर्जर्स इन हायर एजूकेशनः प्रैक्टिसेस एंड पॉलिसीज,, लियोन क्रेमोनिनी, सईद पैवंडी, के.एम. जोशी द्वारा; (जेपा); वॉल्यूम. 32 (4); अक्टूबर, 2018 आईएसएसएनः 09713859

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान सेमिनारों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भागीदारी

23 अप्रैल –17 मई, 2019 के दौरान आईआईईपी स्पेशलाइज्ड कोर्स, में भागीदारी, पेरिस, फ्रांस

7 जून, 2019 को एफडीपी, मिजोरम विश्वविद्यालय में संसाधन व्यक्ति।

एमएसयू बड़ौदा अधिष्ठापन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति, 20–21 जून, 2019

पुस्तकालयों पर उपकरण विकास कार्यशाला, नीपा में संसाधन व्यक्ति, 27–28 जून, 2019

1–12 जुलाई, 2019 के दौरान 'शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान विधियों और नीति विश्लेषण पर राष्ट्रीय कार्यशाला में 8 जुलाई, 2019 को सत्र की अध्यक्षता की।

18 जुलाई, 2019 को परिवर्तन के लिए नैतिकता और मूल्यों पर सत्र लिया, और एफडीपी में संसाधन व्यक्ति, शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा।

24 जुलाई, 2019 आईआईसी, नई दिल्ली में नई शिक्षा नीति मसौदा पर एआईयू गोलमेज सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति।

17–18 अगस्त, 2019 को नई दिल्ली में आयोजित 'शिक्षक शिक्षा की यात्रा : स्थानीय से वैश्विक तक' एनसीटीई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागीः

14 अगस्त, 2019 को नेहू कोर्ट की बैठक में भागीदारी।

26–30 अगस्त, 2019 के दौरान नीपा में उच्च और व्यावसायिक शिक्षा विभाग द्वारा 'अभिशासन और संकाय विकास पर मॉड्यूल को अंतिम रूप देने पर आयोजित कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति।

27 अगस्त, 2019 को खालसा कॉलेज में आयोजित नेतृत्व कार्यशाला में भागीदारी।

3 सितंबर, 2019 को विश्व बैंक–एआईयू–टीईक्यूआईपी, विश्व बैंक द्वारा आयोजित 'परोपकार और उच्च शिक्षा में जुड़ाव' पर कार्यशाला में भागीदारी।

29 अगस्त, 2019 को श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में अकादमिक लेखापरीक्षा में भागीदारी।

17 सितंबर, 2019 को एएसईएम द्वारा आयोजित ''हिंसक उग्रवाद की रोकथाम में मानवाधिकार शिक्षा की भूमिका'' पर पैनल चर्चा में भागीदारी।

18 सितंबर, 2019 को शास्त्री भवन, नई दिल्ली में केवीएस सलाहकार समिति की बैठक में सक्रिय भागीदारी।

16 सितंबर, 2019 को प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित लीप राउंड टू, के शुभारंभ में भागीदारी।

19–20 सितंबर, 2019 को बीएचयू, वाराणसी, में अधिष्ठापन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी।

1 अक्टूबर, 2019 को विश्व बैंक के सहयोग से भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ (एआईयू), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई), और टीईक्यूआईपी–III परियोजना की राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन इकाई और विश्व बैंक द्वारा ''दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय संदर्भ में भारतः उच्च शिक्षा और अनुसंधान सहयोग में प्रमुख मुद्दे

और रुझान'' शीर्षक पर आयोजित कार्यक्रम के विशेष सत्र में भागीदारी।

4 अक्टूबर, 2019 को नीपा में आयोजित गांधी जयंती कार्यक्रम में भागीदारी।

अक्टूबर 2019 को मानव संसाधन विकास केन्द्र, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के अभिविन्यास कार्यक्रम में मुख्य वक्ता।

गुरुवार, 21 नवंबर 2019, को ऑस्ट्रेलिया और भारत–राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से द्विपक्षीय जुड़ाव बढ़ाना, गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया और ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग, नई दिल्ली के मूरे हैरिस रूम में ''शिक्षक शिक्षा में कौशल'' पर गोलमेज सम्मेलन का नेतृत्व किया।

शुक्रवार 22 नवंबर को नई दिल्ली में डॉ अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित भारत–ऑस्ट्रेलिया अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान कार्यशाला में भागीदारी।

15 जनवरी, 2020 को प्रवासी भारतीय केंद्र में भारत प्रवासन केन्द्र, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'छात्र गतिशीलताः चुनौतियां, अवसर और संभावनाएं' पर पैनल चर्चा में पैनलिस्ट।

5 फरवरी, 2020, पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में यूजीसी द्वारा प्रायोजित 'गुणवत्ता शिक्षा के लिए एसडीजी–4 संरेखित उद्योग और नीति पारिस्थितिकी तंत्र' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भागीदारी।

15 फरवरी, 2020 को दयालबाग शैक्षिक संस्थान, आगरा की संकाय बोर्ड (एफबी) की बैठक में बाहरी विशेषज्ञ।

लुबना इरफान द्वारा भेजी गई रूटलेज पुस्तक के लिए पुस्तक प्रस्ताव ''भारत में अनुसंधान विश्वविद्यालयों का निर्माण'' शीर्षक के समीक्षक।

यूजीसी–एचआरडीसी, जेएनयू में 26 फरवरी, 2020 को ''भारत में उच्च शिक्षा में अनुसंधान'' पर सुबह 11.30 बजे से दोपहर 01.00 बजे तक सामाजिक विज्ञान और मानविकी में पीएचडी/पोस्ट–डॉक्टरेट विद्वानों के लिए चौथे राष्ट्रीय संवाद कार्यक्रम में उद्घाटन अध्यक्ष।

मंगलवार, 27 फरवरी 2020 को राजनीति विज्ञान विभाग, संकाय में सामाजिक विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय ''एनडीए सरकार की शिक्षा नीति'', यूजीसी सीएएस में – एसएपी राष्ट्रीय संगोष्ठी ''भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की नीतियों का मूल्यांकन'', विषय पर अध्यक्ष।

'बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था की शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में चुनौतियां और अवसर' पर आयोजित 28 फरवरी, 2020 को दिल्ली विश्वविद्यालय के मैत्रेयी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के वार्षिक अर्थशास्त्र महोत्सव ''इकोनोमिस्का'' में सत्र में पैनलिस्ट

2–3 मार्च, 2020 को काठमांडू में अभिनव शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति।

पत्र/लेख प्रस्तुतियाँ

19 अगस्त, 2019 को नीपा में शिक्षकों की स्वायत्तता और जवाबदेही पर पैनल चर्चा।

11 नवंबर, 2019 को नीपा में झेजियांग विश्वविद्यालय (कॉलेज ऑफ एजुकेशन) से चीनी प्रतिनिधिमंडल के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर प्रस्तुति।

15 नवंबर, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर आयोजित भारतीय महाविद्यालय मंच और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, 2019, के 25वें राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुति।

20 नवंबर, 2019 को नीपा में अयोजित म्यांमार के प्रतिभागियों के लिए उच्च शिक्षा में नेतृत्व विकास पर प्रस्तुति।

15 जनवरी, 2020 को प्रवासी भारतीय केंद्र में भारत प्रवासन केन्द्र, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'छात्र गतिशीलताः चुनौतियां, अवसर और संभावनाएं' पर पैनल चर्चा में पैनलि

22 फरवरी, 2020 को सीपीआरएचई–ब्रिटिश काउंसिल, उच्च शिक्षा में अभिशासन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'उच्च शिक्षा में नेतृत्वः संस्थागत परिवर्तन के मार्ग' विषय पर पत्र प्रस्तुति।

विभागीय/रा.शि.सं.केन्द्र कार्यक्रम आयोजित

12 सितंबर, 2019, नाइलर्ड (अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी) का दौरा नीपा के समन्वयक

28 नवंबर, 2019 को नीपा में पीएमएमएमएनएमटीटी घटकों के तीसरे पक्ष के मूल्यांकन क समन्वय किया।

13–14 जनवरी, 2020 को अर्थशास्त्र संसाधनों पर एनआरसीई द्वितीय स्तर की कार्यशाला।

15–16 जनवरी, 2020 को उच्च शिक्षा में विज्ञान और सामाजिक विज्ञान शिक्षकों के लिए शिक्षण–अधिगम संसाधनों पर एनआरसीई द्वितीय स्तरीय कार्यशाला।

16–17 जनवरी, 2020 को उच्च शिक्षा में शिक्षकों के लिए जीवन विज्ञान संसाधनों को अंतिम रूप देने के लिए एनआरसीई कार्यशाला।

30–31 जनवरी, 2020 को अनुसंधान पद्धति संसाधनों पर एनआरसीई द्वितीय स्तरीय कार्यशाला।

13–29 मार्च, 2020, को अकादमिक नेतृत्व विकास कार्यक्रम (लीप के तहत) द्वितीय दौर, डेलनेट, नई दिल्ली और हार्वर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ एजुकेशन, यूएसए।

2019–20 के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/सम्पादित

एम.फिल./पी.एच.डी. के लिए किए गए पाठ्यक्रम

अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी– 2): भारत में शिक्षा

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–1): उच्च शिक्षा: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी 11): शिक्षा का अर्थशास्त्र

वैकल्पिक पाठ्यक्रम (ओसी–12): वैश्वीकरण और शिक्षा

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और शैक्षणिक सहायता

राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केंद्र, नीपा के समन्वयक

एम.फिल./पीएच.डी. के लिए प्रवेश परीक्षा समिति। (नीपा)

एम.फिल./पीएच.डी. परीक्षा के लिए मूल्यांकन समिति (नीपा)

नीपा, विभागीय पदोन्नति समिति के सदस्य

एनएएसी की नीपा कोर समिति के सदस्य

यूजीसी दौरे के लिए नीपा कोर कमेटी के सदस्य (6–7 सितंबर 2018)

एनआरसीई समन्वयक (पीएमएमएमएनएमटीटी)

कुलपति बैठक समन्वयक (सीएएलईएम–पीएमएमएमएनएमटीटी)

लीप समन्वयक, (पीएमएमएमएनएमटीटी)

सामाजिक चिंतन के पुस्तक समीक्षा संपादक

संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य: तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रम में लैंगिक मुद्दे; वीवी गिरी राष्ट्रीय श्रम संस्थान। (ईमेल संदर्भ: डा. शशि बाला, एनएलआई)

आशुलिपिक (ग्रेड 3) विभाग समिति की बैठक के सदस्य

नीपा खरीद समिति के सहयोजित सदस्य

25 अगस्त, 2018 से जेआरएनआर विद्यापीठ, उदयपुर में अतिथि प्रोफेसर

नेहू कोर्ट सदस्य

केन्द्रीय विद्यालय संगठन सलाहकार परिषद सदस्य, जून 2019

नीपा में संचार और आउटरीच के लिए मा.सं.वि.मं. की प्रभावी प्रचार टीम के अध्यक्ष, 21 जून, 2019

एनसीटीई अतिथि दल के सदस्य के रूप में नियुक्त, 14 जुलाई, 2019

जुलाई–अगस्त, 2019 से शारदा विश्वविद्यालय से प्रशिक्षुओं के समन्वयक

अकादमिक लेखापरीक्षा, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, 29 अगस्त, 2019।

स्ट्राइड के समीक्षक

स्पार्क के समीक्षक।

नीपा पूर्व छात्र समिति के संयोजक

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

निम्नलिखित निकायों के आजीवन सदस्य

प्रौढ़ शिक्षा संघ, आईटीओ, नई दिल्ली (1999)

भारतीय ज्ञानपीठ परिवार, नई दिल्ली (1999)

भारतीय आर्थिक संघ (2004)

भारतीय श्रम अर्थशास्त्र समाज (1998)

नेशनल बुक ट्रस्ट (1998)

यूपी भारत स्काउट एंड गाइड्स (2003)

थियोसोफिकल सोसायटी, वाराणसी (2004)

सीईएसआई, नई दिल्ली (2010)

अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (2009)

भारतीय शिक्षक शिक्षा संघ (2015)

भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी (2016)

अन्य सूचना

पीएच.डी. पर्यवेक्षण

पीएच.डी. – अनुनीता मित्रा (पुरस्कृत)

पीएच.डी. – अपराजिता गंतायेत

एम.फिल. पर्यवेक्षण

अर्चना कुमारी

अंतर्राष्ट्रीय पीजी डिप्लोमा पर्यवेक्षणः अमीनाथ साध

नीरू स्नेही

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तक

'ए वर्चुअल हायर एजुकेशन कैंपस इन ए ग्लोबल वर्ल्डः द रोल ऑफ एकेडमिक कैंपस इन ए एरा ऑफ टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस', नोवा साइंस पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, यूएसए। संपादकः नित्जा डेविडोविच, यूरी रिबाकोव, अन्ना स्लोबोडियानियुक, नीरू स्नेही, संगीता अंगोम, अगस्त 2019।

शोध पत्र/आलेख/टिप्पणियां

'ए वर्चुअल हायर एजुकेशन कैंपस इन ए ग्लोबल वर्ल्डः द रोल ऑफ एकेडमिक कैंपस इन ए एरा ऑफ टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस' पुस्तक में ''टेक्नोलॉजी इन टीचिंग लर्निंग एट इंडियन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस–प्रॉस्पेक्ट्स एंड चौलेंजेस' पर अध्याय, नोवा साइंस पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, यूएसए

'द फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया' पुस्तक में, 'हायर एजुकेशन इन इंडियाः रिफोकसिंग फैकल्टी डवलपमेंट', पर अध्याय, स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर, संपादकः सुधांशु भूषण, 2019

'पब्लिक पॉलिसी इन इंडिया' पुस्तक में, 'च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम इन यूनिवर्सिटीज एंड कालेजेसः एन अनालिसिस' पर अध्याय, एड्रोइट प्रकाशन, नई दिल्ली, काठमांडू, संपादकः डॉ फुरकान अहमद, 2020

'आउटकम्स बेस्ड एजुकेशन–चैलेंजेज एंड प्रौसपैक्टस इन इंडियन कॉन्टैक्स्ट', पर लेख, विश्वविद्यालय समाचार, सितंबर 2019

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

उच्च शिक्षा में अभिशासन और संकाय प्रबंधन तथा विकास पर मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला, 26–30 अगस्त, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी

प्रस्तुति/व्याख्यान – राष्ट्रीय

2 अप्रैल, 2019 को एसपीएम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में भारत में उच्च शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''उच्च शिक्षा में रोजगार और समकालीन रुझान'' पर व्याख्यान।

7 जून 2019, आईक्यूएसी, सीनेट हाउस कैंपस, पलायम, तिरुवनंतपुरम, केरल में ''परिणाम आधारित शिक्षा–पाठ्यक्रम की रूपरेखा'' पर एक दिवसीय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति।

12–13 अगस्त, 2019 को स्कूल शिक्षा विभाग, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में आयोजित ''शिक्षा पर पुर्नविचारः समावेश और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की संस्कृति का विकास'' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'परिणाम–आधारित शिक्षा– भारतीय संदर्भ में चुनौतियां और संभावनाएं' पर पत्र प्रस्तुत।

म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईएम) के दौरान 'उच्च शिक्षा में संकाय विकास दृष्टिकोण' पर व्याख्यान, 8 नवंबर, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

15 नवंबर, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोदी रोड, नई दिल्ली में आईसीएफ और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, 2019 के 25वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्वायत्त महाविद्यालयों को टाइप–3 विश्वविद्यालयों और संबद्ध महाविद्यालयों को उच्च शिक्षा के डिग्री देने वाले संस्थानों के रूप में परिवर्तित' विषय पर पत्र प्रस्तुत।

9–11 दिसंबर, 2019 को जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र (भ्बै), जेएनयू, नई दिल्ली में आयोजित 'वि.अ.आ. श्रेणीकरण स्वायत्तता विनियम (2017)– बहिष्करण के लिए साधन? भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के सम्मेलन में 'शिक्षा में बहिष्करण, समावेश और समानता' पर पत्र प्रस्तुत।

17–21 जनवरी, 2020 भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी और बेंगलुरु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कर्नाटक द्वारा बेंगलुरु केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में आयोजित 'महाविद्यालयों में स्वायत्तताः बदलते प्रक्षेपवक्र के निहितार्थ', 43वीं इंडियन सोशल साइंस कांग्रेस, पर एक पेपर प्रस्तुत और सक्रिय भागीदारी। .

26–27 फरवरी, 2020 को जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में आयोजित भारत में लोकतंत्र और सार्वजनिक नीति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टमः एक विश्लेषण' राजनीति विज्ञान विभाग के विकल्प और परिणाम पर पत्र प्रस्तुत।

2–6 मार्च, 2020 को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा नीपा में आयोजित प्रमुखों और डीन की भूमिकाओं पर साझा नेतृत्व कार्यक्रम, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम में सत्र चर्चा और वीडियो प्रस्तुति के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी।

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यशालाओं/सेमिनारों में भागीदारी

03 अप्रैल, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित पी. एच.डी. 2018 बैच के स्कॉलर्स की सहकर्मी एवं संकाय समीक्षा संगोष्ठी।

27–31 मई, 2019, के दौरान नीपा में आयोजित भारत में प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की भागीदारी में सुधार पर कार्यशाला में 30 मई, 2019 को 'हरियाणा के स्कूलों की राज्य प्रस्तुति' पर भाग लिया और सत्र की अध्यक्षता की।

4 जून 2019 को नीपा, नई दिल्ली में राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019 (एनईपी 2019) के प्रारूप संस्करण पर बैठक में भागीदारी।

27–28 जून, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में 'भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं पर अनुसंधान परियोजना के लिए उपकरण विकसित करना और छात्र के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव' पर परामर्शदात्री बैठक में भागीदारी।

08 अगस्त, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में प्रोफेसर पंकज चंद्रा, कुलपति, अहमदाबाद विश्वविद्यालय द्वारा नीपा के 13वें स्थापना दिवस व्याख्यान में भागीदारी।

24–25 सितंबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित पीएच.डी. स्कॉलर्स की सहकर्मी एवं संकाय समीक्षा संगोष्ठी में भागीदारी।

31 अक्टूबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में नॉर्डिक सेंटर और उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र (सीपीआरएचई/नीपा) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्रथम नॉर्डिक भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में भागीदारी।

11 नवंबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 10वें मौलाना अबुल कलाम आजाद स्मृति व्याख्यान में भागीदारी।

15–16 नवंबर, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर लोदी रोड, नई दिल्ली में आईसीएफ और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, 2019 के 25वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में उच्च शिक्षा परिवर्तन के लिए शिक्षकों और शैक्षिक प्रमुखों की भर्ती, प्रतिधारण, आजीविका और व्यावसायिक विकास पर भागीदारी और सत्र की तैयार रिपोर्ट करी।

सोमवार, 25 नवंबर 2019 को एनआईईपीए, नई दिल्ली में सुबह 11:30 बजे डॉ. लियोनार्ड एंगेल और डॉ. लौरा ई. रंबली के साथ एक संवादात्मक सत्र में भाग लिया।

12 दिसंबर, 2019 आईडेपा कार्यदल की बैठक में भाग लिया।

13 दिसंबर 2019 को नीपा, नई दिल्ली में पूर्व छात्रों की बैठक में भागीदारी।

15 जनवरी, 2020 को प्रवासी भारतीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित 'छात्रों की गतिशीलताः चुनौतियां, अवसर और संभावनाएं' पर पैनल चर्चा में भागीदारी और योगदान दिया।

20–21 फरवरी 2020 को सीपीआरएचई/नीपा द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित ''उच्च शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता'' पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी।

उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, ओडिशा के संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी और अनुसमर्थन।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

पीएच.डी. मार्गदर्शन

सुश्री हर्षिता शर्माः के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया

एम.फिल शोध प्रबंध पर्यवेक्षित

श्री मोहम्मद रौफ भट– जम्मू–कश्मीर में उच्च शिक्षा में मुस्लिम महिलाओं की समस्याएं और संभावनाएंः कुलगाम जिले का एक अध्ययन (2018–2020)

पीजीडेपा शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन

सुश्री मनीषा विट्ठल ताठे, महाराष्ट्र राज्य के स्कूलों में उच्च प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण में दीक्षा ऐप का अध्ययन, 2019–20

पर्यवेक्षित आईडेपा शोध प्रबंध

श्री अमोस ओलुकुनले एडियो (नाइजीरिया): नाइजीरियाई माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक प्रबंधन की चुनौतियांः शिक्षा जिला IV, लागोस राज्य का एक केस अध्ययन

मिस्टर फ्रीजर अलेमु बाली (इथियोपिया): प्राथमिक विद्यालयों के प्रदर्शन में नेतृत्व की भूमिकाः गेडियो क्षेत्र वोनागो जिला का अध्ययनः इथियोपिया

पाठ्यक्रम समन्वय

आइडेपा पाठ्यक्रम 211: अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी, के संयोजक और संचालन, फरवरी 2019

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा में परिप्रेक्ष्य का संयोजन और संचालन, सितंबर 2018

शिक्षण

आईडेपा पाठ्यक्रम 212: अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी के समन्वयन में सहभागिता।

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा– एक परिप्रेक्ष्य के समन्वयन में सहभागिता

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905: अनुसंधान के तरीके और सांख्यिकी में समन्वयन और सहभागिता

अन्य गतिविधियां

सदस्य, नीपा एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम 2019–20 की लिखित परीक्षा आयोजन जाँच समिति।

नीपा एम.फिल. और पीएच.डी. प्रवेश के लिए लिखित परीक्षा आयोजन की 'पर्यवेक्षण समिति' के सदस्य, जून 2019–20।

परियोजना कनिष्ठ सलाहकार के पद हेतु अभ्यर्थियों के साक्षात्कार हेतु चयन समिति के सदस्य, 07 अगस्त 2019 को,

संसद प्रश्नों के उत्तर तैयार की, दिनांक 12 दिसम्बर, 2019

छात्र मामलों के घटक के लिए नॉक समिति के सदस्य

आईडेपा पाठ्यक्रम 211: अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी का संशोधन।

'शिक्षा/उच्च शिक्षा अनुसंधान समिति' के संयोजक, 43वीं भारतीय सामाजिक विज्ञान कांग्रेस, आईएसएसए, 17–21 जनवरी, 2019, केंद्रीय बेंगलुरु विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक

सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सीईएसआई)

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीईआईएस)

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी

संगीता अंगोम

प्रकाशन

पुस्तक प्रकाशित

'ए वर्चुअल हायर एजुकेशन कैंपस इन ए ग्लोबल वर्ल्डः द रोल ऑफ एकेडमिक कैंपस इन ए एरा ऑफ टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस', संपादकः नित्जा डेविडोविच, यूरी रिबाकोव, अन्ना स्लोबोडियानियुक, नीरू स्नेही, संगीता अंगोम, अलक्जेंडर गरकेरोव, सितंबर 2019, नोवा साइंस पब्लिशर्स, न्यूयॉर्क, यूएसए।

शोध पत्र/लेख/पुस्तकों में अध्याय

संपादित वाल्यूम/पुस्तक में पत्र

'द फ्यूचर ऑफ हायर एजूकेशन' पुस्तक में ''आइडिया ऑफ ए यूनिवर्सिटीः री–थिकिंग द इंडियन प्राइवेट यूनिवर्सिटीज कॉन्टैक्टस्ट'', सुधांशु भूषण द्वारा संपादित, स्प्रिंगर सितंबर, 2019

'ए वर्चुअल हायर एजुकेशन कैंपस इन ए ग्लोबल वर्ल्ड पुस्तक में 'रोल ऑफ टैक्नोलॉजी इन इंडियन यूनिवर्सिटीजः टीचर्स' परसैप्शन' लेख नीत्जा डेविडोविच, यूरी रिबाकोव, अन्ना स्लोबोडियानियुक, नीरू स्नेही, संगीता एंगोम, एलेक्जेंड्रा गेरकेरोवा द्वारा संपादित, नोवा प्रकाशन न्यूयॉर्क, यूएसए, सितंबर 2019

''फाइनेंसिंग ऑफ प्राइवेट हायर एजूकेशन इंस्टीट्यूशन इन इंडिया'' इन इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018, एन.वी. वर्गीस और जिनुशा पाणिग्रही द्वारा संपादित। सेजः नई दिल्ली। 2019

कार्यशाला/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारतीय स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय सुविधाओं पर अनुसंधान परियोजना के लिए उपकरण विकसित करने और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसके प्रभाव पर दो दिवसीय परामर्शी बैठक, 27–28 जून, 2019, नीपा, नई दिल्ली।

संगोष्ठियों और सम्मेलनों में प्रस्तुत पत्र

9–11 दिसंबर, 2019 को जेएनयू में सेसी के 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''निजी उच्च शिक्षा पर पुनर्विचारः समावेश और समानता की चिंता'', शीर्षक से लेख प्रस्तुत किया और सक्रिय भागीदारी।

2–5 दिसंबर, 2019 को सीआईई, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''भारतीय उच्च शिक्षा में अकादमिक अनुसंधान और नवाचारः शिक्षक धारणा'', और ''दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षाः चुनौतियां और संभावनाएं पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन'' के के दौरान दो सत्रों की अध्यक्षता की और लेख किया।

27–28 अप्रैल, 2019 को हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय में ''अनुशासनों की सीमाओं को पार करनाः संस्कृति, साहित्य और समाज'' पर दो दिवसीय वार्षिक अंतःविषय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''भारतीय निजी विश्वविद्यालय में पेश किए अनुशासन पर पुनर्विचारः लापता अंतःविषय कड़ियां'' शीर्षक से लेख प्रस्तुत किया और सक्रिय भागीदारी।

17–19 फरवरी, 2020 को बैंगलोर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बैंगलोर में आयोजित 43वें आईआईएससी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान ''भारत में निजी विश्वविद्यालय शिक्षा का विकासः वादा और चुनौती'' शीर्षक से भाग लिया और पत्र प्रस्तुत किया।

12–13 अगस्त, 2019 को जीएनडीयू, अमृतसर में आयोजित 'पुनर्विचार शिक्षाः समावेश और समान गुणवत्ता' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान ''पूर्वोत्तर भारत में उच्च शिक्षाः पहुंच, समानता और गुणवत्ता'' शीर्षक से भागीदारी और लेख प्रस्तुत किया।

संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, सम्मेलनों और बैठकों में भागीदारी

26–30 अगस्त, 2019, को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में अभिशासन और संकाय प्रबंधन तथा विकास पर मॉड्यूल को अंतिम रूप देने के लिए पांच दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदारी।

2–6 मार्च, 2020 नीपा द्वारा आयोजित उत्कल विश्वविद्यालय के लिए संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पांच दिवसीय कार्यशाला में ''साझा नेतृत्व तथा प्रमुखों और डीन की भूमिकाओं पर वीडियो प्रस्तुति'' सत्र के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भागीदरी।

अप्रैल 2019 के दौरान नीपा द्वारा आयोजित म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईएम) के दौरान ''भारत में निजी उच्च शिक्षा में वित्तपोषण'' पर एक सत्र प्रस्तुत किया।

20– और 21 फरवरी 2020 को ''उच्च शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र में भागीदारी और रिपोर्ट प्रस्तुत की।

15–16 नवंबर, 2019 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित आईसीएफ और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2019 के 25वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान दो सत्रों में भागीदार और रिपोर्ट प्रस्तुति।

4–5 अक्टूबर, 2019 के दौरान नीपा द्वारा आयोजित ''गांधीवादी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता–नीतियों और प्रथाओं के लिए निहितार्थ'' पर राष्ट्रीय परिचर्चा बैठक में एक सत्र में भागीदारी और रिपोर्ट प्रस्तुति।

20 फरवरी, 2020 को शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ''शिक्षा में गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला सह–समीक्षा बैठक'' में विशेषज्ञों की बैठक में भागीदारी।

27 जनवरी, 2020 को उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा परियोजना के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के तहत ''छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण' शोध अध्ययन की समीक्षा समिति के सदस्यों की बैठक में भागीदारी।

8–10 जुलाई, 2019 को डीटीई, एनआईई, एनसीईआरटी में आयोजित पीएसी अनुमोदित कार्यक्रम, ''माध्यमिक स्तर पर सेवा पूर्व शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम में छात्र इंटर्नशिप प्रोग्राम का महत्वपूर्ण विश्लेषण'' के संबंध में अनुसंधान

उपकरणों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के लिए तीन दिवसीय विशेषज्ञ समूह कार्यशाला के दौरान संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

21 मई 2019 को नीपा में उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा द्वारा आयोजित ''बिहार में उच्च शिक्षा अभिशासन'' शीर्षक के अध्ययन पर विशेषज्ञ बैठक में भागीदारी।

15 जनवरी, 2020 को नीपा, नई दिल्ली में नीपा द्वारा आयोजित ''एंडोमेट्रियोसिस'' पर व्याख्यान में भागीदारी।

25 नवंबर 2019 को नीपा में लियोनार्ड एंगेल और लौरा ई. रंबली के साथ परिसंवाद सत्र में भागीदारी।

16 अप्रैल 2019 को नीपा नई दिल्ली में प्रोफेसर मैथ्यू क्लार्क, डीकिन विश्वविद्यालय के साथ संवादात्मक बैठक में भाग लिया।

11 नवंबर 2019 को नीपा द्वारा आयोजित ''शिक्षा और संस्कृति की जटिल दुनिया'' विषय पर 10वें मौलाना अबुल कलाम आजाद स्मृति व्याख्यान में भाग लिया।

31 अक्टूबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में आयोजित पहले नॉर्डिक भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियां

शोध अध्ययन

एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित शोध अध्ययन शीर्षक ''भारतीय निजी विश्वविद्यालय अधिनियमों और शुल्क के विनियमों पर अध्ययन'' जुलाई 2018 में शुरू हुआ– दिसंबर 2019 में पूर्ण होने के बाद मसौदा रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

शोध अध्ययन शीर्षक, ''भारतीय स्नातक कॉलेजों में पुस्तकालय सुविधाएं और छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर इसका प्रभाव'', नवंबर 2018 में शुरू हुआ – जारी है

एम.फिल. छात्र का पर्यवेक्षण

सुश्री फातिमा जराह (2018–20 बैच) के एम.फिल. शोध प्रबंध शीर्षक ''लद्दाख के युवाओं के बीच उच्च शिक्षा के लिए अंतर–क्षेत्रीय प्रवास'', का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन 2020

नीपा प्रशिक्षुओं का पर्यवेक्षण

पीजीडेपा प्रतिभागी सुश्री ईश्तर अनल के शोध प्रबंध ''मणिपुर में सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए शैक्षिक प्रावधान पर अध्ययनः विशेषतः चंदेल जिले के संदर्भ में'' शीर्षक का पर्यवेक्षण और मूल्यांकन।

34वें आईडीईपीए प्रतिभागी श्री हेलेलु गेलनेट के शोध प्रबंध ''शिक्षण और अधिगम में आईसीटी के प्रभावः अदीस अबाबा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी का केस अध्ययन शीर्षक का मूल्यांकन।

आइडेपा–37 प्रतिभागी डा. इंग एंड्री विनजेरा जमोरा के शोध प्रबंध कार्य ''क्यूबा उच्च शिक्षा में केपीआई'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

आईडेपा–37 प्रतिभागी एडसन मपुंडा के शोध प्रबंध कार्य ''माध्यमिक विद्यालय के प्रमुखों पर प्रेरण प्रशिक्षण का प्रभावः डूमडोमा सिटी का अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

पाठ्यक्रम समन्वयक

आईडेपा पाठ्यक्रम 201: विषयगत संगोष्ठी के समन्वयक

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905: अनुसंधान पद्धति, परियोजना कार्य और लेखन के समन्वयक

पाठ्यक्रमों के संचालन में सहभागिता

आईडीईपीए कार्यक्रम

आईडेपा कोर्स 212–अनुसंधान पद्धति और सांख्यिकी

पीजीडेपा कार्यक्रम

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 906: प्रतिभागियों की संगोष्ठी

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 905: अनुसंधान पद्धति परियोजना कार्य और लेखन

पीजीडेपा पाठ्यक्रम 902: भारतीय शिक्षा: एक परिप्रेक्ष्य

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास

उच्च शिक्षा में अनुसंधान, नवाचार और प्रौद्योगिकी पर मॉड्यूल (प्रगति में)

नीपा समिति के सदस्य

सदस्य परीक्षा समिति, नीपा

सदस्य, संस्थागत मूल्यों और सर्वोत्तम प्रथाओं के विकास के लिए एनएएसी एसएसआर विकास दल।

सदस्य, कनिष्क परियोजना अध्येता, के लिए अनुवीक्षण समिति, नीपा

सदस्य, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन केंद्र के लिए सलाहकार की नियुक्ति हेतु अनुवीक्षण समिति

सदस्य, एलडीसी, पदोन्नति के लिए अनुवीक्षण समिति, नीपा

सदस्य, अध्ययन बोर्ड

सदस्य, अकादमिक परिषद

सदस्य, विभागीय सलाहकार समिति

सदस्य, विश्वविद्यालयके नियमों और उपनियमों की पुस्तिका समिति

नीपा के बाहर प्रतिष्ठित निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, नॉर्थ ईस्ट इंडिया एजुकेशन सोसाइटी, शिलांग (एनईआईईएस)

आजीवन सदस्य, कम्परेटिव एजुकेशन सेसाइटी ऑफ इंडिया (सीईएसआई)।

आजीवन सदस्य, कम्पेरेटिव एंड इंटरनेशनल एजुकेशनल सोसाइटी (सीआईईएस)।

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

बी.के. पांडा

कार्यशालाएं/संगोष्ठी/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में फरवरी–अप्रैल, 2019 को शैक्षिक योजना और प्रशासन (आईडेपा) में पैतीसवीं अन्तरराष्ट्रीय डिप्लोमा के लिए कार्यक्रम निदेशक।

1–30 अप्रैल, 2018 से राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में पहले अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम निदेशक।

1 सितंबर से 30 नवंबर 2019 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडेपा) में 5वीं पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम निदेशक।

1 दिसंबर, 2018 से 28 फरवरी, 2019 तक शैक्षिक योजना और प्रशासन में 5वीं पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडेपा) चरण–III, के लिए कार्यक्रम निदेशक, (कार्य स्थल पर)।

8–12 अप्रैल, 2019 तक शैक्षिक योजना और प्रशासन में 5वीं पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडेपा) चरण–IV, के लिए कार्यक्रम निदेशक।

23–27, जनवरी, 2019 तक महाराष्ट्र में एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों और अंग्रेजी माध्यम आवासीय स्कूलों में सेवारत प्रधानाचार्यों के लिए विद्यालय विकास योजना पर प्रशिक्षण कार्यशाला।

7–11 मार्च, 2019 तक आंध्र प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में स्थित आश्रम स्कूलों के प्रमुखों के लिए स्कूल विकास योजना पर प्रशिक्षण कार्यशाला।

चालू अनुसंधान परियोजना

प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान के लिए शैक्षिक प्रशासकों की भावी भूमिका और कार्यकरण की तुलना में गंभीर रूप से वर्तमान की जाँच के लिए गहन अध्ययन – जारी

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षिक योजना संस्थान के पूर्व छात्र (आइआइईपी– यूनेस्को), पेरिस, फ्रांस।

आजीवन सदस्य, इंडो–फ्रेंच तकनीकी संघ (आइएफटीए), फ्रांस के आयुक्त, नरीमन पॉइंट, मुंबई।

आजीवन सदस्य, भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी)।

आजीवन सदस्य, भारतीय मानव विज्ञान संघ (आइएए)।

आजीवन सदस्य, इंडियन सोशियोलॉजीकल सोसायटी (आईएसएस)।

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (आइएईआर)

आजीवन सदस्य, भारतीय सामाजिक विज्ञान संघ (आइएसएसए)।

आजीवन सदस्य, भारतीय शिक्षक विशरद संघ (आइएटीई)

आजीवन सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ, (इस्कॉन)

अनुसंधान और परियोजना कार्य के पर्यवेक्षक

अ) डाक्टोरल छात्रों को मार्गदर्शन

पीएच.डी. छात्रा ज्योत्सना सोनल कृत ''उत्तराखंड में प्राथमिक शिक्षा में जनजातीय बच्चों की भागीदारी में अंतरजनजातीय विविधता'' शीर्षक के शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. छात्र बागेस कुमार के ''उच्चतर शिक्षा में विमर्श की पहचान– दलित बहुजन छात्र संगठन पर एक अध्ययन'' शीर्षक के शोध कार्य का पर्यवेक्षण।

सत्य गरदा के पीएच.डी. शोध कार्य ''ओडिशा के कोरापुट जिले के स्कूलों में आदिवासी बच्चों की समस्याएं'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

पूनम चौधरी के पीएच.डी. शोध कार्य ''दिल्ली प्रशासन द्वारा प्रबंधित स्कूलों के स्कूल प्रिंसिपलों की भूमिका पर एक अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

ब) परियोजना कार्य पर्यवेक्षक

पीएच.डी. छात्रा ज्योत्सना सोनल कृत ''उत्तराखंड में प्राथमिक शिक्षा में जनजातीय बच्चों की भागीदारी में अंतरजनजातीय विविधता'' शीर्षक के शोध प्रबंध का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. छात्र बागेस कुमार के शोध कार्य ''उच्चतर शिक्षा में विमर्श की पहचान– दलित बहुजन छात्र संगठन पर अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

सत्य गरदा के पीएच.डी. शोध कार्य ''ओडिशा के कोरापुट जिले के स्कूलों में आदिवासी बच्चों की समस्याएं'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

पूनम चौधरी के पीएच.डी. शोध कार्य ''दिल्ली प्रशासन द्वारा प्रबंधित स्कूलों के स्कूल प्रधानाचार्यों की भूमिका पर एक अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

किरिबती से सुश्री अमीरिया एटौरे की, आइडेपा परियोजना कार्य "किरिबती में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ स्कूलों में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों की क्षमता निर्माण स्तर की जांच", शीर्षक का पर्यवेक्षण, 2018।

बोत्सवाना से श्री लेफिकाओलेफिले के आइडेपा परियोजना कार्य "इथोपिया में गंभीर बौद्धिक विकलांगता वाले शिक्षार्थियों के माता–पिता के सम्मुख चुनौतियाँः विशेष रूप से प्रारंभिक स्कूल का केस अध्ययन, शीर्षक का पर्यवेक्षण, 2019।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वीं अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) प्रतिभागी सुश्री पामेला वालदिविसो माटा को पेरू से उसके परियोजना कार्य के शीर्षक ''पेरू के स्कूलों में समावेशी शिक्षा को लागू करने में स्कूल प्रमुखों की भूमिका'' का पर्यवेक्षण।

चिली से श्री क्रिस्चियन रेवको के आइडेपा परियोजना कार्य ''शिक्षा प्रक्रिया में माता–पिता की भागीदारी,'' शीर्षक का पर्यवेक्षण, 2019।

मॉरीशस से श्री हैरिस रेडोय के आइडेपा परियोजना कार्य "मॉरीशस में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के कामकाज पर नेतृत्व प्रथाओं का प्रभाव,'' शीर्षक का पर्यवेक्षण, 2019।

कर्नाटक से स्क्वा.ली. श्री सौविक भट्टाचार्य के पीजीडेपा परियोजना कार्य ''सैनिक स्कूल, घोड़ाखाल, उत्तराखंड के कार्यप्रणाली पर अध्ययन'' शीर्षक का पर्यवेक्षण, 2018–19।

2019–20 के दौरान विभाग की अन्य गतिविधियाँ

ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रमुख कार्यक्रम ''द पीजीडेपा'' का सफलतापूर्वक आयोजन।

मोना सेदवाल

प्रकाशन

द फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन इन इंडिया पुस्तक में ''द इमरजेंस एंड एक्सपेंशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज बिफोर इन्डिपेंडेंन्सः अ हिस्टोरिकल पर्सपैक्टिव'' अध्याय, सुधांशु भूषण द्वारा संपादित, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 2019 में प्रकाशित। पृ. 23–40, मुद्रित आइएसबीएनः 978–981–32–9060–0; ऑनलाइन आइएसबीनएनः 978–981–32–9661–7

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

2–5 दिसंबर 2019 तक शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा सम्मेलन कक्ष (प्रथम तल) में दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षाः चुनौतियाँ और संभावनाएँ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 2 दिसंबर 2019 को 1:30–4:00 बजे तक एक सत्र की अध्यक्षता।

4–5 अप्रैल 2019 को सीआईआई, नई दिल्ली में भारत 5.0ः भारत @ 75 और परे शीर्षक पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के द्वितीय वार्षिक सत्र 2019 के लिए प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित।

यूएनडीपी, नई दिल्ली में 28 अगस्त 2019 को आयोजित भारत में आजीविका मार्गदर्शन के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा पर कार्यशाला के लिए प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित। कार्यशाला का केन्द्रण चार क्षेत्रों अर्थात् स्कूली छात्रों, उच्च शिक्षा (स्नातक और मास्टर), व्यावसायिक शिक्षा और कामकाजी और गैर–कार्यशील पेशेवरों पर था। आजीविका मार्गदर्शन पर राष्ट्रीय नीति का मसौदा तैयार करने में उच्च शिक्षा समूह की भागीदारी थी।

2–5 दिसंबर 2019 तक कॉन्फ्रेंस रूम (पहली मंजिल) में शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में स्वस्तिवाचनिक सत्र के लिए अतिथि अध्यक्ष। यह सत्र 5 दिसंबर 2019 को दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य से उच्च शिक्षा में समानता की चिंता शीर्षक पर आयोजित था।

6–7 फरवरी 2020 तक शिक्षा विभाग (सीआइई), दिल्ली विश्वविद्यालय, आइएएसई, एमएचआरडी के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के मसौदे पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में विचार–विमर्श का शीर्षकः मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2019ः निहितार्थ और कार्यान्वयन चुनौतियां था। 6 फरवरी, 2020 को आयोजित मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षक शिक्षा की संभावनाओं पर चिंतन पर सत्र में पैनलिस्ट।

फ्रेंच माध्यमिक विद्यालय और उसके फ्लैगशिप डिप्लोमा को सुधारने पर शिक्षा 2019 में बाधाओं को दूर करने पर रणनीतिक बहस, 14 मई 2019 को (सीईएसटी) आइआइईपी–यूनेस्को ऑडिटोरियम, पेरिस, फ्रांस में आयोजित। (ऑनलाइन)

अधिगम पोर्टल पर बेहतर अधिगम परिणामों के लिए नियोजन शिक्षा (अधिगम के आकलन में आंकड़ों का

उपयोगः हमने इतने दूर क्या किया?) पर 10 जुलाई 2019 को (सीईएसटी)। संयुक्त यूनेस्को (यूनेस्को–आइआइईपी, डकार यूनेस्को कार्यालय डकार और यूनेस्को शिक्षा अनुसंधान और दूरदर्शिता) और टैलेंट वेबिनार (ऑनलाइन) का आयोजन।

15 जुलाई 2019 को सामाजिक विकास और भारतीय अन्तरराष्ट्रीय केन्द्र परिषद द्वारा सीडी देशमुख ऑडिटोरियम, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (मेन कॉम्प्लेक्स), नई दिल्ली में '2019 दुर्गाबाई दशमुख स्मृति व्याख्यान, जिसका शीर्षक लोकतंत्र की विरासत और संभावनाएं' प्रो. हिरेन गोहेन, पूर्व प्रोफेसर, अंग्रजी, गुवाहाटी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया।

27 अगस्त 2019 को समिति कक्ष, एस.एस.एस.–I सामाजिक विज्ञान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में उन्नत अध्ययन केंद्र (यूजीसी), जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित भारतीय विश्वविद्यालयों/ महाविद्यालयों में अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ावा देने और बेहतर बनाने पर रिपोर्ट पर चर्चा

17 सितंबर 2019 को एलोफ्ट नई दिल्ली एयरोसिटी में 'हिंसात्मक अतिवाद की रोकथाम (पीवीई) में मानवाधिकार शिक्षा की भूमिका' विषय पर आयोजित अठारहवीं अनौपचारिक एशिया–यूरोप बैठक (एएसईएम) मानवाधिकार श्रृंखला पर संगोष्ठी। यह एशिया यूरोप फाउंडेशन (एएसईएफ), एसोचायजियोन इटालियाना डी कूपरजिऑन यूरोपा मोंडो (एआईसीईएम) और इंटरनेशनल कोएलिशन ऑफ पीसबिल्डर्स (आईसीपी) द्वारा आयोजित पैनल चर्चा के साथ प्रकाशन का प्रमोचन था।

15 अक्टूबर 2019 को ग्लोबल पार्टनरशिप फॉर एजुकेशन द्वारा आयोजित 'शिक्षा क्षेत्र की योजनाओं में प्रारंभिक बचपन शिक्षा की मुख्यधारा पर एक नया ऑनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करने पर वेबिनार।

शिक्षा के अधिकार पर गंभीरता को लेते हुए शिक्षा 2019 की बाधाओं को दूर करने पर रणनीतिक बहस, सिल्वेन ऑब्री द्वारा 'शिक्षा के अधिकार से आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार के लिए वैश्विक पहल और डेल्फीन डोर्सी की शिक्षा पहल, 24 अक्टूबर, 2019 को (सीईएसटी) आइआइईपी–यूनेस्को ऑडिटोरियम, पेरिस, फ्रांस में आयोजित। (ऑनलाइन)

15–16 नवंबर, 2019 से इंडिया हैबिटेट सेंटर, इमली सम्मेलन कक्ष, लोधी रोड, में 'भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए उच्च शिक्षा में बदलाव पर आयोजित भारतीय महाविद्यालय फोरम और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2019 की बीसवीं रजत जयन्ती समारोह का राष्ट्रीय सम्मेलन।

9–11 दिसंबर, 2019 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली के कमेटी हॉल में भारत के अकादमिक लेखन तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी) के दसवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मेलन पूर्व कार्यशाला)। इसका आयोजन 8 दिसंबर 2019 प्रो. गैरी मैककुलोच द्वारा यूजीसी–सीएस कार्यक्रम हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान स्कूल, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के तत्वावधान में किया गया था।

10 दिसंबर 2019 को नई दिल्ली के वसंत कुंज के होटल ग्रांड में 'रोजगार के लिए कौशल अभियान संमिलन' विषय पर आयोजित कौशल विकास और आजीविका 2019 पर सीआईआई राष्ट्रीय सम्मेलन।

रबींद्रनाथ टैगोर स्मृति व्याख्यान (आरटीएमएल), भारत के माननीय उपराष्ट्रपति, श्री एम. वेंकैया नायडू द्वारा 'न्यू इंडिया के लिए विजन' का आयोजन 17 दिसंबर 2019 इंडियन इंस्टीट्यूट एडवांस्ड स्टडीज (आइआइएएस), शिमला और इंदिरा गांधी नेशनल सेंटर फॉर आर्ट्स (आइजीएनसीए), नई दिल्ली द्वारा आइजीएनसीए सभागार, सीवी मैस, जनपथ, नई दिल्ली में आयोजित।

कार्यशालाओं/सम्मेलनों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में फरवरी से अप्रैल, 2019 तक शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा) कार्यक्रम के समन्वयक। नई दिल्ली में इस डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए 23 देशों से 31 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

15 जुलाई से 9 अगस्त, 2019 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में शैक्षिक प्रशासकों के लिए चतुर्थ अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईए) के कार्यक्रम समन्वयक। इस कार्यक्रम में 9 देशों के 19 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

01 से 23 नवंबर 2019 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन (आइपीईएम) में दूसरे अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए कार्यक्रम समन्वयक। इस कार्यक्रम में म्यांमार के शिक्षा मंत्रालय और उच्च शिक्षा संस्थानों के तेईस वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासकों और प्रबंधकों ने भाग लिया।

सितंबर 2019 से जुलाई 2020 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली में शैक्षिक योजना और प्रशासन में छठे स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) – चरण–2 के लिए कार्यक्रम समन्वयक। इस डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए नई दिल्ली में बारह राज्यों के चौबीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।

फरवरी–अप्रैल, 2020 तक राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), नई दिल्ली, में शैक्षिक योजना और प्रशासन में 36वां अंतरराष्ट्रीय डिप्लोमा कार्यक्रम (आईडेपा) के समन्वयक। नई दिल्ली में इस डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए 14 देशों के 27 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी), भारत,

आजीवन सदस्य, अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ (AIAER),

आजीवन सदस्य, भारतीय समाजशास्त्रीय सोसायटी (आईएसएस), नई दिल्ली।

अन्य अकादमिक/व्यावसायिक योगदान

समकालीन शिक्षा संवाद (सीईडी), जर्नल के लिए (वंचितों के स्कूल–तैयारीः उपेक्षित आयाम) शीर्षक आलेख की समीक्षा, मई 2019, सेज पब्लिकेशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।

2019–2020 से तुलनात्मक शिक्षा समिति (सेसी), भारत, की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चयन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडेपा) की प्रतिभागी सुश्री पूनम चौहान को उनके परियोजना कार्य 'राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय कपकोट, जिला बागेश्वर, उत्तराखंड के मुद्दे 2019 परियोजना कार्य में मार्गदर्शन।

एम.फिल. छात्रा सुश्री पारुल शर्मा ने अपने शोध प्रबंध के लिए विषय 'उच्चतर शिक्षा में प्रवेश पर अध्ययनः हरियाणा में महिला छात्राओं के चुनौती और संभावनाएं, 2019' की घोषणा की।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) प्रतिभागी भूटान से श्री कर्मा रिंझिन को उनके परियोजना कार्य 'भूटान में माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षक भागीदारी और आजीविका प्रगति के मुद्दे, 2019' में मार्गदर्शन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) प्रतिभागी बोत्सवाना से सुश्री फो.एम. मोडिसन को उनके परियोजना कार्य 'प्रशिक्षण कार्मिक, 2019 के लिए क्षमता विकास कार्यक्रमों की रूपरेखा मुद्दे और चुनौतियों' में मार्गदर्शन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) प्रतिभागी बोत्सवाना से श्री लेफिकाओलेफिले को उनके परियोजना कार्य 'बोत्सवाना में बागतला स्पेशल स्कूल में गंभीर विकलांग बच्चों के माता–पिता के सम्मुख आने वाली चुनौतियां' विषय पर मार्गदर्शन। (प्रो. बी.के. पांडा के साथ)

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) प्रतिभागी बोत्सवाना से श्री क्रिस्टियन रेवेको एस. को उनके परियोजना कार्य 'चिली में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर एक नीति परिप्रेक्ष्य' विषय पर मार्गदर्शन। (प्रो. बी.के. पांडा के साथ)।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) के प्रतिभागी श्री हैरिस रेडॉय को उनके परियोजना कार्य 'मॉरीशस में राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के कार्यकरण पर वितरित नेतृत्व का प्रभाव' विषय पर मार्गदर्शन। (प्रो. बी.के. पांडा के साथ)।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) के प्रतिभागी पेरू से सुश्री पामेला वालदिविसो माटा को उनके परियोजना कार्य 'पेरू के स्कूलों में समावेशी शिक्षा को लागू करने में स्कूल प्रमुखों की भूमिका, 2019' पर मार्गदर्शन। (प्रो. बी.के. पांडा के साथ)।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में 35वां अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) के प्रतिभागी फिलीपीन्स से सुश्री रिआ एम. दलंपनैस को उनके परियोजना कार्य 'फिलीपींस में तकनीकी व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) के संचालन में क्षेत्रीय तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास समितियों (आरटीईएसडीसी) की भूमिका, 2019' विषय पर मार्गदर्शन।

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान

राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर सभी एनसीएसएल गतिविधियों, का समग्र मार्गदर्शन और प्रबंधन

उच्च शिक्षा विभाग, मा.सं.वि.मं. और पीएबी बैठक में अनुमोदित स्कूल प्रबंधन और नेतृत्व में ऑनलाइन कार्यक्रम और आमने–सामने के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मं. के साथ समन्वय स्थापित किया।

राष्ट्रीय फ्लैगशिप कार्यक्रम ''निष्ठा'' के रूपरेखा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) कार्यक्रम कोलागू करने के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मं. द्वारा आयोजित बैठकें और एनसीईआरटी द्वारा आयोजित कई बैठकों में भाग लिया।

एम.फिल.–पीएच.डी. कार्यक्रम

अध्यक्ष, संचालन समिति

सदस्य, स्थायी सलाहकार समिति, नीपा

पर्यवेक्षकों के आवंटन के लिए समिति (सीएएस) में सदस्य सचिव।

अध्यक्ष, आवेदनों की जाँच समिति

सदस्य, सलाहकार एवं वरिष्ठ सलाहकारों के साक्षात्कार हेतु आयोजित साक्षात्कार बोर्ड।

सदस्य, एकीकृत डॉक्टोरल कार्यक्रमों के लिए मौजूदा नियम और कानूनों की समीक्षा और संशोधन समिति।

नीपा की अन्य गतिविधियों में योगदान

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद संबंधी गतिविधियाँ: साहित्यिक चोरी और दुर्व्यवहार की जांच के लिए आचार संहिता का विकास (समन्वित और रिपोर्ट प्रस्तुत की गई)

सदस्य, एम.फिल./पीएच.डी. पाठ्यक्रम से संबंधित नियमों और उपनियमों की हस्तपुस्तिका।

एनएएसी स्व अध्ययन रिपोर्ट विकसित करने के लिए विस्तारित दलों के भाग के रूप मानदण्डवार शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन दल का नेतृत्व।

शैक्षणिक योगदान

परिवर्तन को बनाए रखने के लिए नेतृत्व उत्तराधिकार: स्कूल प्रबंधन और नेतृत्व पर मध्यवर्ती ऑनलाइन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में नया परिप्रेक्ष्य मसौदा मॉड्यूल की तैयारी।

12 जुलाई 2019 को सीआइईटी, एनसीईआरटी में नेतृत्व बदलाव और स्कूल सुधार पर सीधे प्रसारण,

एनसीईआरटी के आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर स्कूल नेतृत्व विकास पर किशोर मंच, डीटीएच टीवी चैनल रु31 स्वयंप्रभा के माध्यम से प्रसारित

2019–2020 (लिपि और संचालन – निष्ठा) संपूर्ण एनसीएसएल टीम 2019

एम.फिल./पीएच.डी.

विज्ञापन, आवेदनों के लिए सूचना, जाँच, परीक्षा और साक्षात्कार के संचालन, एम.फिल./पीएच.डी. के छात्रों के परिणाम की घोषणा जैसी गतिविधियों में सहयोग।

स्कूली शिक्षा पर शिक्षाविदों द्वारा प्रख्यात व्याख्यान श्रृंखला की अध्यक्षता,

कक्षाओं का पर्यवेक्षण,

प्रवेश, अध्येतावृत्ति, चिकित्सा, छात्रावास आदि पर छात्रों से संबंधित हर दिन के मुद्दों पर संकाय प्रभारी, सहयोगी संकाय के साथ समन्वय।

पूर्व प्रस्तुत सेमिनार के संचालन से संबंधित समन्वित गतिविधियाँ

पर्यवेक्षक

'भारत में उच्च शिक्षा में प्रवेश के निर्धारक' विषय पर रशिम वाधवा, पीएच.डी. शोधार्थी को सम्मानित।

परमिन्दर कौर, पीएचडी शोधार्थी के 'आरआइई में एकीकृत पाठ्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों की व्यावसायिक तैयारी पर एक अध्ययन' विषय का पर्यवेक्षण।

शिवानी बख्शी – पीएच.डी. शोधार्थी – विद्यालय सुधार के नेतृत्व मार्गः केरल के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्यों पर एक अध्ययन' विषय का पर्यवेक्षण।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के लिए मार्गदर्शन

स्क्वा.ली. सिजोमन के.वी. के 'एयर फोर्स स्कूल, कोयम्बटूर, तमिलनाडु में प्रशासन, प्रबंधन और नेतृत्व अध्ययन' विषय पर पर्यवेक्षण (अप्रैल 2019 में प्रस्तुत)।

अन्य गतिविधियाँ

13 मई 2019 को पीसा 2021 के लिए क्षमता की आवश्यकता विश्लेषण (सीएनए) पर मा.सं.वि. मंत्रालय द्वारा उन्मुखीकरण कार्यशाला में भाग लेने के लिए आमंत्रित।

नीपा में परियोजना सलाहकार और वरिष्ठ परियोजना सलाहकार की सूची के लिए जाँच समिति के अध्यक्ष।

सुनीता चुघ

प्रकाशन

राष्ट्रीय और राज्य स्तरों पर सभी एनसीएसएल गतिविधियों, का समग्र मार्गदर्शन और प्रबंधन (14 अगस्त, 2019 से 31 मार्च, 2020 तक)

पीएबी बैठक में अनुमोदित उच्च शिक्षा विभाग, मा.सं.वि.मं. और एनसीईआरटी के साथ समन्वित सीएएलईएम के तहत विद्यालय नेतृत्व और प्रबंधन में ऑनलाइन कार्यक्रम 'निष्ठा' भारत सरकार की मेगा पहल और आमने–सामने के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, मा.सं.वि.मं., तथा एनसीईआरटी के साथ समन्वय स्थापित किया।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में सहभागिता

जुलाई 31–अगस्त 1, 2019 को सहयोगात्मक नेतृत्व और भागीदारी पर आयोजित 'अग्रणी स्कूल, अग्रणी शिक्षा' पर राज्य सम्मेलन।

7 अगस्त, 2019 को 'भारत में शहरी मलिन बस्तियों में बच्चों की शिक्षा में भागीदारी पर मूल्यांकन' पर अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक।

9–11 दिसंबर 2019 को जेएनयू, नई दिल्ली में तुलनात्मक शैक्षिक सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित, शिक्षा में बहिष्करण, समावेश और समानता' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''बहिष्कृत और सीमांत बच्चों की शैक्षिक स्थितिः चयनित शहरों के मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों का केस अध्ययन'' पर पत्र प्रस्तुत।

27–28 फरवरी 2020 को स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन, में मुख्य विशेषताएं, सत्र की अध्यक्षता और समापन टिप्पणियां।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

9–11 सितंबर 2019 को स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए कार्यान्वयन 2019–2020 और मूल्यांकन तंत्र के विकास के लिए उन्मुखीकरण कार्यशाला में अकादमिक और प्रशासनिक सहायता।

18–22 सितंबर 2019 तक निष्ठा लीडरशिप पैकेज का हिन्दी में अनुवाद और संपादन पर कार्यशाला के लिए अकादमिक और प्रशासनिक सहायता।

27–28 फरवरी 2020 को स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन का सम्मेलन निदेशक।

4 मार्च, 2020 को 2018–19 की गतिविधियों और प्रस्तावित कार्य योजना 2019–20 पर आयोजित राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक को समन्वित किया।

2019–20 के लिए एनसीएसएल की कार्ययोजना और प्रस्तावित गतिविधियों की तैयारी की और 12 मार्च, 2020 को नीपा की समग्र शिक्षा की पीएबी बैठक में भाग लिया।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय पहलः स्कूल नेतृत्व पैकेज, 2019। मा.सं.वि.मं., एनसीईआरटी, नई दिल्ली (योगदानकर्ताओं में से एक)

निष्ठा (समग्र विकास के लिए स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों पर राष्ट्रीय पहल) मा.सं.वि.मं. द्वारा शुरू किया गया एक राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम जिसमें एनसीईआरटी, नीपा, प्राथमिक स्कूलों में काम करने वाले शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों के लिए मुख्य सहयोगी हैं। राष्ट्रीय संसाधन समूह के सदस्य के रूप में (स्कूल प्रमुखों की क्षमता निर्माण हेतु निष्ठा के लिए चयनित 120 व्यक्तियों में से) और सभी राज्यों के स्कूल नेतृत्व कार्यक्रमों के समन्वयन, निष्पादन। जिनमें से विवरण निम्नलिखित है।

दिल्ली–संसाधन व्यक्ति	7 सितंबर 2019
हरियाणा–संसाधन व्यक्ति	8 सितंबर 2019
झारखंड–संसाधन व्यक्ति	16 सितंबर 2019
तमिलनाडु–संसाधन व्यक्ति	21–23 सितंबर 2019
बिहार–संसाधन व्यक्ति	24–25 सितंबर 2019
उदयपुर, राजस्थान (दूसरा बैच)	11–13 अक्टूबर 2019
देहरादून, उत्तराखंड (प्रथम बैच)	29 अक्टूबर, 2019
पंजाब (प्रथम बैच)	21–22 नवंबर 2019
राजस्थान (पाचवां बैच)	23–24 नवंबर 2019
लखनऊ, उत्तर प्रदेश (तृतीय बैच)	13–14 दिसंबर 2019
महाराष्ट्र (तृतीय बैच)	22–23 दिसंबर 2019
मेरठ, उत्तर प्रदेश (पाचवां बैच)	12–13 जनवरी 2020
आगरा, उत्तर प्रदेश (सातवां बैच)	19–20 जनवरी 2020
बिहार (चतुर्थ बैच)	24–25 जनवरी 2020

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

स्कूल नेतृत्व और प्रबंधन पर पाठ्यक्रम के संयोजक और आइडेपा कार्यक्रम की सामग्री को संशोधित किया और सत्र लिया।

निष्ठा शीर्षक के लिए स्कूल नेतृत्वः अवधारणायें और अनुप्रयोग पर एनसीएसएल के अन्य संकाय सदस्यों के साथ एक वीडियो ट्यूटोरियल विकसितः https://www.youtube.com/watch?v=I4dQoiWdjZ8&list=PLT9HV01usxA7CCdr85_jXeyndzetomPj-&index=14&t=1132s

निष्ठा पर वीडियो में भागीदारी। जिसका उद्देश्य मा.सं.वि. मंत्रालय के अधिकारियों के साथ नेतृत्व पर ध्यान केंद्रित करना है।

समग्र शिक्षा के कार्यान्वयन की स्थिति की समीक्षा के लिए मा.सं.वि.मं. की बैठकों में भागीदारी।

मा.सं.वि.मं. और एनसीईआरटी में निष्ठा की बैठकों में एनसीएसएल–नीपा का प्रतिनिधित्व किया।

24 राज्यों में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना पर राज्यों के साथ समन्वय और पत्राचार।

एनसीएसएल की गतिविधियों की प्रगति पर मा.सं.वि.मं. को तिमाही रिपोर्ट प्रस्तुत किया।

पीएमएमएमएनएमटीटी की योजना के तृतीय पक्ष के मूल्यांकन पर दस्तावेजों की तैयारी और प्रस्तुति।

वर्ष 2020–21 के लिए पीएमएमएमएनएमटीटी की गतिविधियों पर कार्य योजना तैयार की।

स्कूल नेतृत्व विकास पर 'स्वयंप्रभा', डीटीएच चैनल #31 पर और 'एनसीईआरटी अधिकारिक' यू ट्यूब चैनल के माध्यम से प्रसारित लाइव स्ट्रीमिंग शो के विशेषज्ञ।

विशेष आमंत्रिति सदस्य के रूप में अकादमिक परिषद में भागीदारी।

अध्ययन बोर्ड की बैठक में भागीदारी।

विभागाध्यक्षों की बैठक और संकाय बैठकों में भागीदारी।

आइआइईपी द्वारा किए गए अंतरराष्ट्रीय परियोजना पर अनुसंधान अध्ययन के लिए आइआइईपी आधिकारिक के साथ बैठक।

'स्वयंप्रभा' पर एनसीईआरटी के डीटीएच चैनल के माध्यम से स्कूल नेतृत्व पर आयोजित वार्ता का सीधा प्रसारण

क्र.सं.	दिनांक	विषय	संसाधन व्यक्ति
1.	27 सितंबर, 2019	स्कूल नेतृत्व के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के प्रारूप	प्रो. के. रामचंद्रन, नीपा और डा. सुनीता चुघ, एनसीएसएल, नीपा
2.	4 अक्टूबर, 2019	अग्रणी स्कूल सामुदायिक भागीदारी	डा. सुनीता चुग एनसीएसएल, नीपा और डा. चारु स्मिता मलिक एनसीएसएल, नीपा
3.	3 जनवरी, 2020	प्रणाली स्तर पर नेतृत्व परिवर्तन की पहल	प्रो. कुमार सुरेश कुल सचिव, प्रभारी, नीपा और डा. सुनीता चुघ एनसीएसएल, नीपा
4.	24 जनवरी, 2020	स्कूल सुधार और छात्र अधिगम के लिए नेतृत्व	प्रो. एन.वी. वर्गीज, कुलपति, नीपा और डा. सुनीता चुघ एनसीएसएल, नीपा

अन्य अकादमिक गतिविधियां

सीबीएसई पर शैक्षणिक नेतृत्व ढांचे को विकसित करने के लिए शैक्षणिक परामर्श हेतु आयोजित बैठकों में सीबीएसई अधिकारियों के साथ भागीदारी।

जामिया मिलिया इस्लामिया के दो सप्ताह इंटर्नशिप कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं के साथ वार्ता।

एम.फिल./पीएच.डी. कार्यक्रम

एम.फिल. वैकल्पिक पाठ्यक्रम 8 के सह पाठ्यक्रम संयोजक और लोकतंत्र, मानवाधिकार और शिक्षा पर सत्र में अध्यापन।

एम.फिल. और पीएच.डी. की प्रवेश परीक्षा की उत्तर लिपियों का मूल्यांकन।

परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में परिणाम की तैयारी और एम.फिल. और पीएच.डी. उम्मीदवारों की मौखिक परीक्षा में भाग लिया।

एम.फिल. पर्यवेक्षक

एम.फिल. छात्र शादाब अनीस के 'शहरी सीमान्तता और शैक्षिक स्थितिः पटना के मलिन बस्तियों में रहने वाले बच्चों का अध्ययन' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. पर्यवेक्षक

पीएच.डी. प्रतिभागी देपिंदर कौर के 'पंजाब में स्कूल शिक्षक भर्ती का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन' शीर्षक का पर्यवेक्षण।

पीएच.डी. प्रतिभागी मृण्मयी मंडल के 'स्कूल के शिक्षकों और प्रशासकों के बीच लैंगिक न्याय की अवधारणा, समझ और अभ्यासः दिल्ली के सरकारी स्कूल का अध्ययन' शोध का पर्यवेक्षण।

पीजीडेपा और आइडेपा पर्यवेक्षक

पीजीडेपा प्रतिभागी रोशनी के 'मध्यप्रदेश के देवास और इंदौरा जिले में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को दी जाने वाले सुविधाओं के आकलन' शीर्षक का पर्यवेक्षण

अफगानिस्तान से आईडेपा प्रतिभागी अता मोहम्मद पोयेंडा का 'अफगानिस्तान में हाईस्कूल हबीबी में ग्रीट 8 में अंग्रेजी शिक्षण में सुधार' शीर्षक का पर्यवेक्षण

अन्य गतिविधियाँ

केंद्रीय सतर्कता समिति के अध्यक्ष– नीपा

परियोजना सलाहकार और वरिष्ठ परियोजना सलाहकार के लिए जाँच समिति के सदस्य

कनिष्ठ सलाहकार के लिए चयन समिति के सदस्य

सदस्य, परीक्षा समिति, आवासीय आवंटन समिति, हिंदी समिति, हिंदी पत्रिका की संपादकीय समिति।

आजीवन सदस्य

भारतीय तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के आजीवन सदस्य।

अखिल भारतीय शिक्षक विशरद संघ (एआइएटीई) के आजीवन सदस्य।

कश्यपी अवस्थी

प्रकाशन

अनुसंधान आलेख

इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड रिसर्च में 'पैडेलिंग फ्रॉम पेडागॉगी टू एंड्रागोगीः एगेंजिंग लनर्स इन द प्रोसेस ऑफ लर्निंग' आलेख वाल्यूम. 8(10), अक्टूबर, 2019।

जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन में 'लीडिंग स्कूल्सः मूविंग फ्रॉम इश्यूज एंड चैलेंजेज टू पोटेंशियल सॉल्यूशंस इन स्कूल एजुकेशन' आलेख (नवंबर, 2019 अंक के लिए मुद्रण हेतु स्वीकृत लेकिन मुद्रण अभी नहीं हुआ)।

वर्ष के दौरान संगोष्ठी/सम्मेलनों में भागीदारी

राष्ट्रीय

20–22 फरवरी, 2020 को एनसीएसएल, नीपा, नई दिल्ली में विद्यालयों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''विकासशील स्कूलों को शिक्षण संगठनों के रूप में प्रस्तुति'' पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

अंतर्राष्ट्रीय

21–23 जनवरी, 2020 तक आईयूसीटीई, शिक्षा विभाग, एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा द्वारा ''समावेशी शिक्षाः वर्तमान परिप्रेक्ष्य और भविष्य की संभावनाएं'' विषय पर आयोजित अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''बहिष्करण और प्रबलित असमानताएंः छोटे विद्यालयों की मौजूदा स्थिति, चिंताएं और आगे के मार्ग'' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहयोग

सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित स्कूल संरक्षा और

सुरक्षा पर दिशानिर्देशों के विकास के लिए समिति के सदस्य। अंतिम रिलीज से पहले समीक्षा के लिए मा.सं. वि.मं. के साथ मसौदा दिशानिर्देशों को मा.सं.वि.मं. की वेबसाइट पर साझा किया।

सचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित कोविड महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य और छात्रों के कल्याण में सुधार के लिए कार्यदल के सदस्य।

आइयूसीटीई के सलाहकार समूह के सदस्य, शिक्षा विभाग, एम.एस. यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, गुजरात।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम, 'निष्ठा' के नेतृत्व मॉड्यूल के लिए मॉड्यूल विकास में योगदान दिया।

स्कूल नेतृत्व और विकास पर मध्यवर्ती ऑनलाइन पाठ्यक्रम के लिए ''सकारात्मक स्कूल संस्कृति का विकास'' स्कूल नेतृत्व के परिप्रेक्ष्य पर पाठ्यक्रम के तहत विकसित मॉड्यूल

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एनसीईआरटी के अधिकारी यू ट्यूब चैनल पर स्कूल नेतृत्व विकास पर एनसीईआरटी के सहयोग से संकल्पित किशोर मंच पर, डीटीएच टीवी चैनल #31 स्वयंप्रभा के माध्यम से एनसीएसएल के सभी सहयोगियों के योगदान से सीधा प्रसारण का शुरूआत किया गया। मैंने अकादमिक वर्ष में 9 लाइव सत्र दिए।

विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 17 चक्रों के लिए राज्य संसाधन समूह के सदस्यों की क्षमता निर्माण हेतु निष्ठा कार्यक्रम में स्कूल नेतृत्व और विकास पर आधारित सत्र।

11–13 दिसंबर, 2019 से केवीएस, एनवीएस, सीबीएसई, आश्रम स्कूलों और पांच राज्यों के केजीबीवी के स्कूल प्रमुखों और सिस्टम स्तर के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय परामर्शी बैठक का आयोजन।

19–23 अगस्त, 2019 से आइईएस–2018 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन।

26 अप्रैल, 2019 को विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए संकाय प्रेरण कार्यक्रम में उच्चतर शिक्षा में अकादमिक नेतृत्व पर 2 सत्र।

23–24 नवंबर, 2019 को विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए संकाय प्रेरण कार्यक्रम में शिक्षण संगठनों के रूप में विकासशील संस्थानों पर 2 सत्र।

24–25 फरवरी, 2020 को डाईट, राजेंद्रनगर में एमसीडी स्कूलों के स्कूल प्रमुखों के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर 4 सत्र।

आइयूसीटीई के तहत वित्तपोषित अनुसंधान परियोजना ''छोटे विद्यालयों के लिए नेतृत्व संरचना, अभ्यास और मॉडलः चुनौतियां और विकास'' शिक्षा विभाग, एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय, बड़ौदा।

शिक्षण

पीजीडेपा पाठ्यक्रम दल के सदस्य और स्कूल नेतृत्व विकास पर प्रत्येक इकाई में 4 सत्रों में शिक्षण।

आइडेपा पाठ्यक्रम दल के सदस्य और स्कूल नेतृत्व विकास पर प्रत्येक इकाई में 4 सत्रों में शिक्षण।

एम.फिल. छात्रों के लिए विद्यालय नेतृत्व पर वैकल्पिक पाठ्यक्रम 15 के लिए पाठ्यक्रम दल के सदस्य और प्रो. रश्मि दिवान के साथ पूरे पाठ्यक्रम को ऑनलाइन सहयोग।

अनुसंधान मार्गदर्शन

एम.फिल. कार्यक्रम

कुमारी पल्लवी को ''शिक्षक शिक्षा में डिजिटल प्रौद्योगिकी का एकीकरणः नीति और व्यवहार का अध्ययन'' विषय पर मार्गदर्शन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में डिप्लोमा (पीजीडेपा) प्रतिभागी सुश्री एस भारती को ''डिस्लेक्सिक बच्चों के

लिए मुद्दे, चुनौतियां और शैक्षिक प्रावधान'' पर शोध अध्ययन में मार्गदर्शन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) प्रतिभागी द्वा गेलसेन को ''सरपंग डोंगकोंग में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अग्रणी शिक्षक उपस्थिति के कारकों का अध्ययन'' विषय पर मार्गदर्शन।

शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आइडेपा) प्रतिभागी मुटिंटा चोंय्या को ''जाम्बिया के काबवे जिले के स्कूलों में महिला प्रधान शिक्षकों की चुनौतियों का आकलन'' का अध्ययन विषय पर मार्गदर्शन।

एन. मैथिली

प्रकाशन

पुस्तक

''विद्यालय नेतृत्व में महिलाएं'' सेज पब्लिशर्स प्रा.लि., इंडिया, जून 2019 आईएसबीएनः 978–93–532–8378–0। इस पुस्तक को वर्ष 2020 के लिए चुनी गई 100 पुस्तकों में सेज नॉलेज नामक डिजिटल लाइब्रेरी प्लेटफॉर्म के लिए चुना गया है।

शोध पत्र/आलेख

''स्कूली शिक्षा में उच्च गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए अभिशासन और नेतृत्वः सिक्किम का अध्ययन'' इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, अप्रैल–जून 2019, वाल्यूम 65(2), पीपी. 298–324, आइएसएसएनः 00195561 तथा ई आइएसबीएनः 24570222

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय)

27–28 फरवरी 2020 को विद्यालय नेतृत्व केन्द्र, नीपा द्वारा आयोजित ''स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व'' शीर्षक पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में अग्रणी नवाचारों पर सत्र की सह–अध्यक्षता की।

9–11 दिसंबर 2019 को जेएनयू, नई दिल्ली में भारतीय तुलनात्मक शैक्षिक सोसाइटी द्वारा 'शिक्षा में समानता, समावेश और बहिष्करण'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शिक्षक क्षमता निर्माण, व्यावसायिक विकास और समावेश' शीर्षक पर सत्र की अध्यक्षता की।

कार्यशालाएँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

9–11 सितंबर 2019 तक कार्यान्वयन योजना (2019–2020) के लिए स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए अभिविन्यास और मूल्यांकन रूपरेखा पर कार्यशाला का आयोजन किया। मूल्यांकन उपकरण ''स्कूल नेतृत्व विकास कार्यक्रमः स्कूलों में सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन के लिए हस्तपुस्तिका'' को कहा जाता है।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकास/निष्पादित

पाठ्यक्रम/प्रशिक्षण और संपादन के लिए मॉड्यूल विकास

मैथिली, एन. (2019), स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय पहलः स्कूल नेतृत्व पैकेज, 2019। मा.सं.वि.मं.: एनसीईआरटी, नई दिल्ली (योगदानकर्ताओं में से एक)।

मैथिली, एन. (2020), सीबीएसई स्कूलों में कार्यरत प्रधानाचार्यों के लिए शैक्षणिक नेतृत्व पर एक हस्तपुस्तिका, नीपा, नई दिल्ली

'निष्ठा' भारत में चल रहे राष्ट्रव्यापी प्रणालीगत सुधारों में भागीदारी

निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों के समग्र विकास के लिए राष्ट्रीय पहल) मा.सं.वि. मंत्रालय का एक राष्ट्रव्यापी प्रणालीगत सुधार कार्यक्रम है जिसमें प्राथमिक स्तर पर काम करने वाले शिक्षकों और स्कूली प्रशिक्षण के लिए एनसीईआरटी, नीपा, केवीएस और एनवीएस मुख्य सहयोगी हैं। स्कूल प्रमुखों की क्षमता निर्माण हेतु निष्ठा के लिए चयनित 120 व्यक्तियों में से राष्ट्रीय संसाधन समूह के सदस्य तथा सभी उत्तर पूर्वी राज्यों और तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र में समन्वयक और विद्यालय नेतृत्व प्रभारी के रूप कार्य। इन सभी राज्यों में नेतृत्व के लिए राज्य संसाधन व्यक्तियों (एसआरपीएल) को प्रशिक्षण भी दिया। अधिक जानकारी नीचे दी गई है

स्कूल नेतृत्व मॉड्यूल पर निष्ठा के तहत निम्न राज्यों को सम्मिलित किया गया और प्रशिक्षण दिया।			
क्र. सं.	राज्य / स्थान	प्रशिक्षण के आयोजन तारीख	प्रशिक्षित एसआरपीएस की संख्या
राज्यों के लिए राष्ट्रीय संसाधन समूह के सदस्य और समन्वयक			
1.	तमिलनाडु (प्रथम बैच)	19–24 सितंबर 2019	50
2.	मणिपुर (केवल प्रथम बैच)	24–28 सितंबर, 2019	50
3.	मिजोरम और सिक्किम (गुवाहाटी, असम में आयोजित)	03–06 अक्टूबर 2019	50
4.	गुवाहाटी, असम (प्रथम बैच)	12–15 अक्टूबर, 2019	51
5.	गुवाहाटी, असम (द्वितीय बैच)	19–22 अक्टूबर, 2019	51
6.	मेघालय (केवल प्रथम बैच)	01–02 नवंबर 2019	32
7.	तेलंगाना (द्वितीय बैच)	29–30 नवंबर 2019	26
8.	महाराष्ट्र (प्रथम बैच)	07–08 दिसंबर 2019	50
9.	त्रिपुरा (प्रथम बैच)	14–15 दिसंबर 2019	45
10.	महाराष्ट्र (चतुर्थ बैच)	22–23 दिसंबर 2019	50
11.	अरुणाचल प्रदेश (प्रथम बैच)	09–10 जनवरी 2020	20
12.	कर्नाटक (द्वितीय बैच)	12–13 जनवरी 2020	50
13.	कर्नाटक (तृतीय बैच)	20–21 जनवरी 2020	50
14.	कर्नाटक (चतुर्थ बैच)	06–07 फरवरी 2020	45
15.	कर्नाटक (पाचवां बैच)	14–15 फरवरी 2020	45

ऑनलाइन मॉड्यूल का विकास

सभी 4 चतुर्थांशों के लिए मध्यावधि पाठ्यक्रम हेतु ऑनलाइन मॉड्यूल विकसित किया।

मैथिली, एन. (2019), स्कूल प्रमुखः नवाचारों के लिए प्रमुख चालन गति। इसके प्रमुख क्षेत्र ''अग्रणी नवाचार'' पर तीन इकाइयाँ हैं (मैं इस पाठ्यक्रम के समन्वयक और लेखिका हूँ।)

अगस्त–सितंबर 2019 में निष्ठा के लिए तैयार किए गए वीडियो को संपादित और अंतिम रूप दिया। जिसका शीर्षक ''स्कूल नेतृत्वः अवधारणाएँ और अनुप्रयोग'' है। https://itpd.ncert.gov.in/course/view.php?id= 951&section=3

स्कूल नेतृत्व पर विभिन्न विषयों के बारे में व्याख्यान, स्वयमप्रभा डीटीएच चैनल #31 पर सीधा प्रसारण।

7 जून, 2019 को ''नवाचारों के बारे में अधिक जानकारी'' पर व्याख्यान।
URL: https://www.youtube.com/watch?v=-VdNE3z13Ws

'नवप्रवर्तन की संस्कृति का निर्माण' 14 जून 2019 को व्याख्यान दिया
URL: https://www.youtube.com/watch?v=OkErFdFO7JU

23 अगस्त 2019 को 'स्कूलों पर महत्वपूर्ण बदलाव को जानना पर व्याख्यान।
URL: https://www.youtube.com/ watch?v=QAEWWAjIIps

''छात्र अधिगम पर स्कूल नेतृत्व का प्रभाव'' 11 अक्टूबर 2019
URL: https://www.youtube.com/watch?v=mqzg64U5Fhw

''विद्यालय नेतृत्व में महिलाएं'' 25 अक्टूबर 2019
URL: https://www.youtube.com/watch?v=8qCNe0MrVow

''शैक्षणिक नेतृत्व के रूप में स्कूल प्रमुख'' पर व्याख्यान। 15 नवंबर 2019
URL: https://www.youtube.com/watch?v=NZ8NOLIz_EU

अभिशासन नेतृत्व और गुणवत्ता शिक्षा की भूमिका'' 31 जनवरी 2020।
URL: http://www.youtube.com/watch?v=OB-eJzCJ2EM

''महिलाओं के स्कूल नेतृत्व की वैधता'' 13 मार्च 2020 को दिया गया।
URL: https://www.youtube.com/watch?v=YMMnMFDzaHw

''तमिलनाडु और बिहार में स्कूल नेतृत्व की अच्छी प्रथाएं'' 20 मार्च 2020 को डा. पूर्णिमा के सहयोग से दिया गया।
URL: https://www.youtube.com/watch?v=T8Et7UxEW0o

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

सचिव, एसपीडी और सीमैट के निदेशक और अन्य समग्र शिक्षा सलाहकारों और अधिकारियों के साथ उचित परामर्श से स्कूल नेतृत्व अकादमी (एसएलए) के रूप में सीमैट की पहचान करके केरल में स्कूल लीडरशिप अकादमी की स्थापना की।

राज्य में एसएलडीपी गतिविधियों को चलाने के लिए स्कूल नेतृत्व अकादमी के रूप में एससीईआरटी को मान्यता देकर इस वर्ष आंध्र प्रदेश में स्कूल नेतृत्व अकादमी की स्थापना की गई। नये भर्ती किए गए स्कूल प्रमुखों को संबंधित विद्यालय में स्कूल नेतृत्व की जिम्मेदारियों के लिए प्रेरण के भाग के रूप में दो एक महीने के प्रमाणपत्र कार्यक्रम आयोजित किए।

सीबीएसई के लिए शैक्षणिक नेतृत्व और अकादमिक सलाह दी जा रही है ताकि अकादमिक नेतृत्व ढांचा, प्रशिक्षण प्राचार्यों के लिए मॉड्यूल और सीबीएसई स्कूलों में कार्यरत स्कूल प्राचार्यों के लिए शैक्षणिक नेतृत्व विकास के लिए वार्षिक शैक्षणिक योजना का प्रारूप तैयार किया जा सके।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एसएलडीपी की प्रक्रिया परिवर्तन का आकलन करने के लिए उपकरण विकसित

स्कूल नेतृत्व विकास की प्रक्रिया के अध्ययन के लिए एक उपकरण विकसित किया और इसे 9–11 सितंबर, 2019 को आयोजित कार्यशाला में प्रस्तुत किया। यह उपकरण राज्यों के उपयोग के लिए मैनुअल के रूप में है। इसे ''ए हैंड बुक ऑन द कैप्चरिंग मोस्ट सिग्निफिकेंट चेंज (एमएससी): स्कूल लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम'' कहा जाता है।

अनुसंधान प्रस्ताव विकसित और अकादमिक परिषद के लिए प्रस्तुत

5 मार्च 2020 को अकादमिक परिषद में अनुमोदन के लिए ''छात्र अधिगम पर स्कूल नेतृत्व का प्रभाव'' शीर्षक से एक शोध प्रस्ताव विकसित और प्रस्तुत किया। इसे अकादमिक परिषद, नीपा को प्रस्तुत करने से पहले 4 मार्च 2020 को एनसीएसएल की राष्ट्रीय सलाहकार समूह की बैठक में डा. सुनीता चुग के नेतृत्व और समर्थन में प्रस्तुत किया गया।

एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम

एम.फिल. और पीएच.डी. की प्रवेश परीक्षा की उत्तर लिपियों का मूल्यांकन।

वार्ता और व्याख्यान के लिए निमंत्रण

जनवरी 2020 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा एचआरडीसी, जेएनयू, नई दिल्ली में ''स्कूल नेतृत्वः अवधारणाओं और अनुप्रयोगों पर आयोजित शिक्षक विशरदों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला।

दिल्ली कर्नाटक संघ, आर.के. पुरम, नई दिल्ली में 21 फरवरी 2020 को मातृभाषा दिवस के अवसर पर वार्ता अभिभाषण।

सेज के ब्लॉग पर प्रकाशित आलेख

मैथिली, एन. (2019), राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2019 के अवसर पर महिला स्कूल नेतृत्व के संदर्भ में सेज प्रकाशन के ब्लॉग पर प्रकाशित आलेख। https://blog.sagepub.in/2019/11/national-education-day-and-women-school.html

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

भारत तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी के आजीवन सदस्य।

सुभीथा जी.वी.

प्रकाशन

प्रकाशित अध्यायः सतत व्यावसायिक विकास (सीपीडी) और भारत और दक्षिण एशियाई देशों में शिक्षक परिवर्तनः साहित्य और नीति दस्तावेजों का विश्लेषण। शिक्षण और शिक्षक शिक्षा में दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य। सेट्टी, आर., आयंगर, आर., विटनस्टीन, एम., बेकर, ई.जे., किदवई, एच. (संपादक) 2019। पालग्रेव मैकमिलन।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी

(राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय)

27–28 फरवरी, 2020 को स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'स्कूल परिवर्तन के लिए शिक्षकों का सतत व्यावसायिक विकास' पर एक सत्र की प्रस्तुति।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

27–28 फरवरी, 2020 को स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन का समन्वयन और आयोजन। स्कूल प्रमुखों के नामांकन के लिए राज्य स्तर के अधिकारियों के साथ समन्वय करना, स्कूल नेतृत्व में विशेषज्ञों के साथ समन्वय, सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व प्रथाओं पर अध्ययन को सूचीबद्ध करना, सम्मेलन के लिए विवरणिका तैयार करना, और संबंधित प्रशासन और तर्क इत्यादि भूमिकाओं में समन्वय शामिल है।

देश भर में एनसीईआरटी और नीपा द्वारा आयोजित निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रमः

निष्ठा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए विद्यालय नेतृत्व विकास के क्षेत्र में सत्र आयोजित किए। जिनका विवरण नीचे दिया गया हैः

क्र. सं.	राज्य	दिनांक
1.	हरियाणा	28–29, सितंबर 2019
2.	भुवनेश्वर, ओडिशा	4 –5 नवंबर 2019
3.	गुवाहाटी, असम,	14–15 नवंबर 2019
4.	हैदराबाद, तेलंगाना	20–22 नवंबर 2019
5.	भुवनेश्वर, ओडिशा	1–2 दिसंबर 2019
6.	हैदराबाद, तेलंगाना	5–6 दिसंबर 2019
7.	हैदराबाद, तेलंगाना	11–12 दिसंबर 2019
8.	मैसूर, कर्नाटक	20–21 दिसंबर, 2019
9.	पुणे, महाराष्ट्र	6–7 जनवरी, 2020
10.	रांची, झारखंड	12–13 जनवरी, 2020
11.	भोपाल, मध्य प्रदेश	24–25 जनवरी, 2020
12.	भुवनेश्वर, ओडिशा	31 जनवरी – 01 फरवरी, 2020
13.	इलाहाबाद, उ.प्र.	13–15 फरवरी, 2020

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/संचालित

स्कूल नेतृत्व और विकास में 'शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं में बदलाव' विषय पर मध्यावधि पाठ्यक्रम के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम सामग्री विकसित की है ।

पाठ्यक्रम निष्पादित

पीजीडेपा प्रतिभागियों के लिए निम्न विषयों में पाठ्यक्रम लियाः

- स्कूल में प्रभावी शिक्षण अधिगम वातावरण का निर्माण
- कोचिंग और सलाह
- शिक्षण समुदायों का निर्माण

आइडेपा प्रतिभागियों के लिए निम्न विषयों में पाठ्यक्रम लिया:

– शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाने में सीपीडी और इसकी भूमिका।

– व्यावसायिक शिक्षण समुदायों का विकास करना।

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

एनसीईआरटी–सीआइईटी चैनल पर सीधा प्रसारण स्कूल नेतृत्व पर सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में योगदान दिया। प्रस्तुति के विषय इस प्रकार हैं:

स्कूल और शिक्षा का उद्देश्य।

अवलोकन, प्रतिक्रिया और पर्यवेक्षण।

स्कूलों में प्रभावी शिक्षक नेतृत्व का विकास करना।

शिक्षक चिंतनशील व्यवसायी के रूप में।

शिक्षक निरंतर व्यावसायिक विकास करते हैं।

स्कूल के संदर्भ में शिक्षक अधिगम के दृष्टिकोण।

चारु स्मिता मलिक

सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भागीदारी

27–28 फरवरी 2020 को एनसीएसएल, नीपा द्वारा आयोजित स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन में स्कूल नेतृत्व के लिए स्वयं को विकसित करना के महत्व पर पत्र प्रस्तुत।

कार्यशालाएँ / सम्मेलन / प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

30–31 जुलाई 2019 को निष्ठा के लिए संगठित समीक्षा और योजना कार्यशाला

9 –11 सितंबर 2019 को कार्यान्वयन 2019–2020 और मूल्यांकन ढांचे के विकास हेतु स्कूल नेतृत्व अकादमियों के लिए अभिविन्यास कार्यशाला का डा. एन. मैथिली के साथ सह–संचालन।

18–22 सितंबर 2019 तक निष्ठा लीडरशिप पैकेज के हिंदी में अनुवाद और संपादन पर कार्यशाला का आयोजन।

27–28 फरवरी 2020 को एनसीएसएल, नीपा द्वारा आयोजित स्कूलों में गुणवत्ता सुधार के लिए नेतृत्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रबंधन दल के रूप में कार्य।

वर्ष के दौरान प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित / संचालित

निष्ठा के स्कूल नेतृत्व विकास पर पैकेज के सह–लेखक के रूप में कार्य।

निष्ठा कार्यक्रमों में स्कूल नेतृत्व के संचालन के लिए राष्ट्रीय संसाधन समूह के सदस्य, जिसका विवरण निम्नानुसार है:

1.	झारखंड (प्रथम बैच)	14–17 सितंबर 2019
2.	हरियाणा (प्रथम बैच)	08–09 सितंबर, 2019
3.	बिहार (प्रथम बैच)	23–26 सितंबर 2019
4.	गुजरात (द्वितीय बैच)	26–29 सितंबर, 2019
5.	उदयपुर, राजस्थान (चर्तुथ बैच)	05–06 नवंबर, 2019
6.	हरियाणा (तृतीय बैच)	02–03 नवंबर 2019
7.	जम्मू और कश्मीर (प्रथम बैच)	17–18 नवंबर, 2019
8.	मेरठ, उत्तर प्रदेश (प्रथम बैच)	22–23 नवंबर, 2019
9.	पटना, बिहार (द्वितीय बैच)	01–02 दिसंबर, 2019
10.	वाराणसी, उत्तर प्रदेश (चर्तुथ बैच)	13–14 दिसंबर, 2019
11.	महाराष्ट्र (तृतीय बैच)	22–23 दिसंबर, 2019
12.	महाराष्ट्र (पाचवां बैच)	22–23 दिसंबर, 2019
13.	छत्तीसगढ़ (प्रथम बैच)	07–08 जनवरी, 2020
14.	छत्तीसगढ़ (द्वितीय बैच)	07–08 जनवरी, 2020
15.	लखनऊ, उत्तर प्रदेश (छठा बैच)	19–20 जनवरी, 2020
16.	वाराणसी, उत्तर प्रदेश (नौवां बैच)	23–24 जनवरी, 2020
17.	मध्य प्रदेश (द्वितीय बैच)	31 जनवरी – 01 फरवरी, 2020

अन्य शैक्षणिक और व्यावसायिक योगदान

निष्ठा के लिए 'स्कूल नेतृत्वः अवधारणाओं विषय पर एनसीएसएल के अन्य संकाय सदस्यों के साथ एक वीडियो ट्यूटोरियल एप्लीकेशन विकसित किया।
https://www.youtube.com/watch?v=I4dQoiWdjZ8&list=PLT9HV01usxA7CCdr85_jXeyndzetomPj-&index=14&t=1132s

स्वयंप्रभा डीटीएच चैनल #31 पर और 'एनसीईआरटी ऑफिशियल' यू ट्यूब चैनल पर स्कूल नेतृत्व विकास पर सीधा प्रसारण शो में विशेषज्ञ के रूप में योगदान।

सीधा प्रसारण			वेबसाइट
एक व्यक्तिगत विशेषज्ञ के रूप में			
1.	26/4/2019	स्कूल नेतृत्व के लिए स्वयं को विकसित करने का महत्व	https://www.youtube.com/watch?v=23KWfQY3TCE&list=PLUgLcpnv1YidWTfKv5Z4E9zaskiV2ZCJf&index=23
2.	10/5/2019	स्कूल नेतृत्व के लिए स्वयं को विकसित करने की तकनीक	https://www.youtube.com/watch?v=GiwaYUirH5o&t=10s
3.	31/5/2019	स्कूल प्रमुखों के लिए व्यावसायिक विकास योजना	https://www.youtube.com/watch?v=QEhOFl6d_qU&list=PLUgLcpnv1YidWTfKv5Z4E9zaskiV2ZCJf&index=18
4.	29/11/2019	अग्रणी निर्माण दल भाग 1	https://www.youtube.com/watch?v=BBglB4ey54g
5.	27/12/2019	अग्रणी निर्माण दल भाग 2	https://www.youtube.com/watch?v=orpIxcpEhzo&t=106s
अन्य विशेषज्ञों के साथ			
6.	16/8/2019	उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में नेतृत्व आचरणः बच्चे को पहले रखना। *मयंक शर्मा, प्रधानाचार्य, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, उत्तर प्रदेश*	https://www.youtube.com/watch?v=pFbBn IMt68E&t=1077s
7.	20/9/2019	भागीदारी के माध्यम से अग्रणी समावेश डा. अमीता मुल्ला वट्टल, प्रधानाचार्य, स्प्रिंगडेल्स, नई दिल्ली	https://www.youtube.com/watch?v=3FXLA umJjzA&t=1565s
8.	4/10/2019	अग्रणी स्कूल सामुदायिक भागीदारी डा. सुनीता चुघ एनसीएसएल, नीपा	https://www.youtube.com/watch?v=JuE5jcRueKw&t=1511s
9.	18/10/2019	स्कूल नेतृत्वः कई भूमिकाएं और जिम्मेदारियों का निष्पादन डा. कल्पना शर्मा प्रधानाचार्य, गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, राजस्थान	https://www.youtube.com/watch?v=tgnPXc3LVpg&fbclid=IwAR3UBYSK-7DEWjcohCPVTfbR0Kloi4q0RwbBplNEtFaMj1sP719wcYKJlxU
10.	8/11/2019	अग्रणी स्कूल प्रशासनः शारीरिक और मानव संसाधन जुटाना श्री अवनींद्र सिंह प्रधानाचार्य, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, झारखंड	https://www.youtube.com/watch?v=2gmL3drsqv8&t=976s
11.	10/1/2020	स्कूल प्रमुखों के बीच साझा सहकर्मी कार्यक्रमः सहयोगात्मक रूप से स्कूल में बदलाव रंजन कुमार और धनंजय कुमार, स्कूल प्रमुख, राजकीय स्कूल, बिहार	https://www.youtube.com/watch?v=omphyJiWnXE&t=9s

12.	17 / 1 / 2020	विशिष्ट सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ में नेतृत्व संबोधन *डा. जितेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्य, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, हरियाणा और* सुनील कुमारी, प्रधानाचार्य, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल, हरियाणा	https://www.youtube.com/watch?v=tgnPXc3LVpg&fbclid=IwAR3UBYSK-7DEWjcohCPVTfbR0Kloi4q0RwbBplNEtFaMj1sP719wcYKJlxU
13.	21 / 2 / 2020	पहाड़ों की पृष्ठभूमि में स्कूल नेतृत्व में सुधार के लिए नेतृत्व के प्रयास उत्तम सिंह राणा प्रधानाचार्य, राजकीय प्राथमिक स्कूल, उत्तराखंड और सुभाष जोशी, प्रधानाचार्य, राजकीय प्राथमिक स्कूल, उत्तराखंड	https://www.youtube.com/watch?v=2gmL3drsqv8&t=976s
14.	06 / 03 / 2020	डाइट और प्राथमिक स्कूलः उ.प्र. में एक सहक्रियाशील संबंध सुश्री शिवानी यादव, पूर्व डाइट संकाय, बरेली और सुश्री नीता जोशी, स्कूल प्रमुख, राजकीय प्राथमिक विद्यालय, बरेली, उ.प्र.	https://www.youtube.com/watch?v=omphy JiWnXE&t=9s

उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

निधि एस. सभरवाल

प्रकाशन

पुस्तक

थोराट, एस. और सभरवाल, एन.एस. (2019), दलित सशक्तिकरणः सामजिक और आर्थिक दृष्टिकोण (हिंदी संस्करण), नई दिल्ली, सेज।

थोराट, एस. और सभरवाल, एन.एस. (2019), दलितंच शशक्तिकरनः आर्थिक आनि समाजिक दारी सन्ध्याचे आवहान (मराठी संस्करण), नई दिल्ली, सेज।

आलेख / पुस्तक में अध्याय

सभरवाल, एन.एस., हेंडरसन, ई.एफ,, और जोसेफ, आर. एस. (2020), भारतीय शिक्षा में छिपा सामाजिक बहिष्कारः लिंग, जाति और सम्मेलन की भागीदारी। जेंडर एंड एजुकेशन, 32 (1), 27–42।

सभरवाल, एन.एस. (2020), शैक्षणिक स्थानों और सामाजिक संबंधों तक पहुंच में असमानताः भारत में उच्च शिक्षा में सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के छात्रों के अनुभव। सच्चिदानंद सिन्हा (सं.), *ज्योग्राफी एंड यू*: समकालीन भारत में जाति और वर्ग पर 100वां विशेष अंक। आईआरआईएस प्रकाशन।

टियरनी डब्ल्यू.जी., सभरवाल एन.एस. और सी.एम. मलिश (2019), 'उच्च शिक्षा में जाति और वर्ग की असमान संरचनाएं' *क्वालिटेटिव इनेक्वालिटी, 25 (5),* पीपी. 471–481।

वर्गीज एन.वी., सभरवाल एन.एस. और मलिश सी.एम. (2019), भारतीय उच्चतर शिक्षा में समानता और समावेश। सीपीआरएचई शोध पत्र 12. नई दिल्लीः सीपीआरएचई, नीपा।

सभरवाल एन.एस., हेंडरसन, ई.एफ., और जोसेफ, आर. एस. (2020), समान शिक्षा सम्मेलन में समान भागीदारी

के लिए छिपे हुए अवरोध। *युनिवर्सिटी वर्ल्ड न्यूज,* 29 फरवरी, 2020।

सभरवाल, एन.एस. (2018), (पत्रिका के पिछले अंक 2019 में प्रकाशित) भारत में शिक्षा और सशक्तिकरण पुस्तक की समीक्षाः अविनाश कुमार (सं.), *जर्नल ऑफ एजुकेशनल प्लानिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन,* 32(3), पृ. 224–245।

अनुसंधान रिपोर्ट

भारत में उच्चतर शिक्षा विकास, संस्थागत रूप और सामाजिक पहुंच की प्रकृति (2019), इंडिया कंट्री रिपोर्ट, ईएसपीआई अनुसंधान परियोजना, पेरिस। सीपीआरएचई, नीपा, (प्रोफेसर हेनरी ओडिले के साथ)

प्रस्तुत शोध पत्र

27–28 मार्च, 2020 को जॉन्स हॉकिंस विश्वविद्यालय बाल्टीमोर में आयोजित सत्य, शक्ति और समाजः चुनौतीपूर्ण समय में उच्च शिक्षा का वादा, शीर्षक से सम्मेलन में 'छात्र विविधता और समावेशः भारत में उच्च शिक्षा में उभरती चुनौतियाँ' पर प्रस्तुति।

1–2 फरवरी, 2020 को समाइलिंग तिब्बती सेटलमेंट ऑफिस, मजनू का टीला और तिब्बत हाउस, परम पावन सांस्कृतिक केंद्र दलाई लामा, नई दिल्ली में 21वीं शताब्दी के लिए सार्वभौमिक नैतिकताः एक सामान्य समझ की ओर' पर आयोजित सम्मेलन में 'छात्र विविधता और सार्वभौमिक नैतिकता' पर प्रस्तुति।

23 जनवरी 2020 को सीपीआरएचई, नीपा द्वारा द न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी (एनवाईयू) के उच्च शिक्षा के छात्रों का अध्ययन भ्रमण पर आयोजित कार्यक्रम में 'भारतीय उच्च शिक्षा में पहुंच और समानता पर प्रस्तुति।

11–13 दिसंबर 2019 तक आयोजित संगोष्ठी में 'भारतीय उच्च शिक्षा में असमानताएं', ''छात्रों की विविधता और समावेश की चुनौतियाँः भारत में उच्च शिक्षा परिसरों में सामाजिक रूप से बहिष्कृत समूहों के छात्रों के अनुभवों को समझना'' शीर्षक पर पत्र प्रस्तुति, वार्षिक अनुसंधान सम्मेलन, उच्च शिक्षा सामाजिक अनुसंधान, न्यूपोर्ट, वेल्स, यू.के.।

11–13 दिसंबर 2019 तक आयोजित संगोष्ठी में 'भारतीय उच्च शिक्षा में असमानताएं', ''भारतीय शिक्षा में छिपे सामाजिक बहिष्कारः लिंग जाति और सम्मेलन की भागीदारी', शीर्षक से पत्र प्रस्तुति, वार्षिक अनुसंधान सम्मेलन, उच्च शिक्षा सामाजिक अनुसंधान, न्यूपोर्ट, वेल्स, यू.के.।

2–5 दिसंबर 2019 को ''दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षाः चुनौतियां और संभावनाएं'' पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'शिक्षा में समानताः एक वैश्विक सतत विकास लक्ष्य', पर प्रस्तुति, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत।

27–28 सितंबर 2019 को ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी की 10वीं वर्षगांठ स्मारक में ''भविष्य के विश्वविद्यालयः वैश्विक आकांक्षाएं और स्थानीय अनिवार्यताएं', पर आयोजित सम्मेलन में ''न्यायसंगत पहुंच को बढ़ावाः विविधता और समावेश संतुलन'' पर सत्र में अध्यक्षता की। ओ.पी. जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, दिल्ली एनसीआर।

संगोष्ठी / कार्यशालाओं / क्षेत्र कार्य का आयोजन

31 अक्टूबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में, प्रथम नॉर्डिक इंडिया हायर एजुकेशन समिट का आयोजन किया।

नीपा द्वारा कार्यान्वित छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण के लिए पंजाब विश्वविद्यालय और पंजाबी विश्वविद्यालय से संबद्ध चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के छह महाविद्यालयों पर अप्रैल 2019 में समूह चर्चा और ऑनलाइन छात्र सर्वेक्षण कार्यशालाओं का आयोजन, और क्षेत्र कार्य की रिपोर्ट तैयार किए।

शिक्षण कार्य / अन्वेषक / मूल्यांकन / समीक्षा

30 अप्रैल, 2019 को नीपा में एम.फिल. पाठ्यक्रम में समानता और बहुसांस्कृतिक शिक्षा पर शिक्षण।

10 जनवरी, 2020 को महिला अध्ययन और विकास केन्द्र, उन्नत अध्ययन, दिल्ली विश्वविद्यालय में 'लैंगिक और विकास' पर पाठ्यक्रम में एक व्याख्यान दिया।

4 जुलाई 2019 को लेखन कौशल कार्यशाला के भाग के रूप में एम.फिल. छात्रों के लिए 'लेखन और प्रकाशन

शोध पत्र' पर सत्र में प्रस्तुति। (1–5 जुलाई 2019), नीपा।

11 नवंबर, 2019 को शैक्षिक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण विभाग, नीपा द्वारा आयोजित 'म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन (आइपीईएम) पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम' में 'छात्र विविधता और सामाजिक समावेश' पर सत्र में प्रस्तुति।

नीपा–एनएएसी स्व–अध्ययन रिपोर्ट समिति के सदस्य के रूप में शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन पर, रिपोर्ट तैयार करने में योगदान दिया।

नीपा आंतरिक समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में संकाय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत अनुसंधान रिपोर्ट की समीक्षा और प्रतिक्रिया प्रदान की।

डॉक्टोरल पर्यवेक्षण और संपादकीय सदस्यता

जेंडर एंड एजुकेशन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और समीक्षक के रूप में कार्य।

डॉक्टोरल कार्य पर मुख्य समूह के सदस्य के रूप में वारविक विश्वविद्यालय, ब्रिटेन द्वारा 'उच्च शिक्षा के लिए लैंगिक मार्ग, विषय पर सुश्री अंजलि थॉमस को उनके पीएच.डी. शोध 'हरियाणा में उच्च शिक्षा और लैंगिक पहुंच,' शीर्षक पर सीपीआरएचई/नीपा में अपनी यात्रा के दौरान उनके पीएच.डी. शोध पर मार्गदर्शन।

टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, हैदराबाद के सार्वजनिक नीति और शासन में स्नातक छात्र श्री शशांक एस.आर., को सीपीआरएचई, नीपा में उनकी एम.ए. इंटर्नशिप के दौरान मार्गदर्शन।

मौखिक परीक्षक

स्वतंत्रता के बाद के भारत में महिलाओं की शिक्षा पर राज्य की नीतियों का अध्ययनः महिलाओं की सामाजिक स्थिति पर प्रभाव। 30 सितंबर 2019 को समाजशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में थीसिस और मौखिक परीक्षक।

भारत में शैक्षिक नीतियां (1947–1964): नेहरूवादी प्रशासन का एक महत्वपूर्ण विश्लेषण। 17 मई, 2019 को सामाजिक विज्ञान स्कूल, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में एम.फिल. थीसिस और मौखिक परीक्षा के परीक्षक।

अनुपम पचौरी

प्रकाशन

आलेख और पुस्तक में अध्याय

पचौरी, ए. (2019). 'द फण्डामेंटल यूनिट ऑफ लाइफ' कक्षा IX में पाठ्यपुस्तक 'विज्ञान' में' रा.शै. अ.प्र.प. (एनसीईआरटी), नई दिल्ली. आईएसबीएन 81–7450–492–3।

पचौरी, ए. (2018). (2019 में पत्रिका के पिछले अंक में प्रकाशित) मैसी, विलियम एफ. की पुस्तक 'री–इंजीनियरिंग द यूनिवर्सिटीः हाउ टू बी मिशन सेंटर्ड, मार्केट स्मार्ट एंड मार्जिन कन्सीयस,' की समीक्षा, जेपा, 32(4), पी. 309–312।

रिपोर्टः सीपीआरएचई प्रकाशन

वर्गीज़, एन.वी. और पचौरी, अनुपम (2019), उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की रिपोर्ट।

पत्र प्रस्तुति

राष्ट्रीय (शोधपत्र प्रस्तुत किये)

03 दिसंबर 2019 को 'दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता' पर डा. डी. परिमाला, सीआइई, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित दक्षिण एशिया में उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

22 जून 2019 को बोध पेरिस, कुकास, जयपुर में 'नई शिक्षा नीति 2019 के परामर्श पर उच्च शिक्षा की चुनौतियां; पर दूसरा दशक; आईडीएस और संधान; बोध द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सिविल सोसायटी संगठनों के परामर्श कार्यशाला में पत्र प्रस्तुति।

21 जून 2019 को आरटीई फोरम, सामाजिक विकास परिषद, लोधी रोड, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्कूल शिक्षा का विनियमन और प्रत्यायन, राष्ट्रीय शिक्षा आयोग, और रा.शि.नी. 2019 के मसौदे में वित्त पोषण', मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 पर परामर्श कार्यशाला में पत्र प्रस्तुति।

सेमिनार/कार्यशालाओं में संवक्ता

15–16 नवंबर 2019 को भारतीय महाविद्यालयी मंच और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2019 का 25वां राष्ट्रीय सम्मेलन, उद्योग और समाज से जुड़े बहुअनुशासनिक उदार कलाएं पर 3 और 4 वर्षीय डिग्री कार्यक्रम के (सत्र में संवक्ता के रूप में) इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में इंडियन कोलोराडो फोरम द्वारा आयोजित।

संगोष्ठी/कार्यशालाओं का संगठन

04 से 05 अप्रैल 2019 तक स्कूल ऑफ एजुकेशन, महात्मागांधी अंर्तराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में दो दिवसीय साहित्य समीक्षा कार्यशाला।

29 जून 2019 और 13 जुलाई 2019 को सीआइई पूर्व छात्र संघ, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019 के परामर्श कार्यशालाओं के संयोजक।

कार्यशालाओं में भागीदारी

27 जनवरी 2020 को राष्ट्रीय छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया प्रदान करने के लिए समीक्षा समिति के सदस्यों की बैठक।

सोमवार, 25 नवंबर 2019 को अंतर्राष्ट्रीय सहयोग इकाई (यूआईसी) द्वारा लियोनार्ड एंगेल (यूरोपीय शिक्षा के लिए यूरोपीय संघ के कार्यकारी निदेशक (ईएआईई) और लॉरा ई. रंबली (सहायक निदेशक, ज्ञान विकास और अनुसंधान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा यूरोपीय संघ (ईएआईई)) के साथ परस्पर संवादात्मक सत्र समन्वित।

14 नवंबर 2019 को एनसीएसएल, नीपा, नई दिल्ली में डा. कश्यप अवस्थी द्वारा आयोजित ''छोटे स्कूलों में नेतृत्व'' शीर्षक अनुसंधान परियोजना सलाहकार समूह की बैठक में भागीदारी।

31 अक्टूबर 2019 को नीपा, नई दिल्ली में नॉर्डिक भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन में भागीदारी।

4–5 अक्टूबर, 2019 को नीपा, नई दिल्ली में 'गांधीवादी शैक्षिक विचारों और प्रयोगों की प्रासंगिकताः नीति और व्यवहार के निहितार्थ' पर राष्ट्रीय चर्चा की बैठक।

03 सितंबर 2019 को आईआईटी, दिल्ली में ब्रिटेन के कुलपतियों के साथ ब्रिटिश काउंसिल की बैठक।

26 सितंबर 2019 को 'उच्च शिक्षा स्नातक के रोजगार और रोजगारशीलता' पर आयोजित भारतीय उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट 2020 की दूसरी सहकर्मी समीक्षा बैठक।

20 जून 2019 को 'उच्च शिक्षा स्नातक के रोजगार और रोजगारशीलता' पर आयोजित भारतीय उच्चतर शिक्षा रिपोर्ट 2019 की पहली सहकर्मी समीक्षा बैठक।

14 जून 2020 को शैक्षिक नीति विभाग के दो कार्यक्रमों, i) व्यावसायिक शैक्षिक नीति बनानाः समावेशी शिक्षा के उदाहरण; ii) नीति परिप्रेक्ष्य में गांधी के शैक्षिक विचार पर चर्चा करने के लिए कार्य दल की बैठक।

04 जून 2019 को नई शिक्षा नीति (2019) के मसौदे पर चर्चा करने के लिए संकाय बैठक।

15 अप्रैल 2019 को राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, नीपा, नई दिल्ली के तहत राष्ट्रीय छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण हेतु एफजीडी में प्रश्नों पर चर्चा के लिए बैठक।

08 अप्रैल 2019 को एफजीडी में मध्यस्थता के रूप में संकाय की भागीदारी पर चर्चा और राष्ट्रीय संसाधन केंद्र, नीपा के तहत राष्ट्रीय छात्र संतुष्टि सर्वेक्षण के लिए एफजीडी आयोजित करने की योजना पर विचार करने के लिए बैठक।

शिक्षण कार्य/अन्वीक्षण/मूल्यांकन

शिक्षण

बुधवार, 5 फरवरी, 2020 को यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई

दिल्ली में आयोजित 'उच्च शिक्षा में गुणवत्ताः शिक्षक शिक्षा में तीसरे पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में गुणवत्ता को मापने के लिए क्या मूल्यांकन किया जाता है? पर सत्र लिया।

07 नवंबर 2019 को नीपा में म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन में अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईएम) में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता आश्वासन में अंतर्राष्ट्रीय रुझान पर सत्र लिया। यह 1 से 23 नवंबर 2019 तक चार सप्ताह का कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम में म्यांमार के शिक्षा मंत्रालय और उच्च शिक्षा संस्थानों के पच्चीस वरिष्ठ शैक्षिक प्रशासकों और प्रबंधकों ने भाग लिया।

13 से 17 अगस्त 2019 तक नीपा में आयोजित 'व्यावसायिक नीति निर्माणः समावेशी शिक्षा का कार्यान्वयन' उन्मुखीकरण कार्यक्रम में नीति निर्माण में साक्ष्य का उपयोग पर दो सत्र।

1–5 जुलाई 2019 तक नीपा में आयोजित लेखन कौशल कार्यशाला में 03 जुलाई, 2019 को एम.फिल. छात्रों के लिए अकादमिक लेखन में साहित्य समीक्षा पर दो सत्र।

03 मई 2019 को पीजीडेपा में नीति विश्लेषण के लिए तकनीक पर साक्ष्य में दो सत्र, नीपा।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पर नेशनल रिसोर्स सेंटर, स्कूल ऑफ एजुकेशन, सावित्रीबाई फुले, पुणे विश्वविद्यालय में नवंबर 2019 में स्वयम मंच पर उच्च शिक्षा में शिक्षकों के ऑनलाइन पाठ्यक्रम के भाग के रूप में छह भागों का वीडियो व्याख्यान अभिलिखित किया।

आमंत्रित वार्ताएं

29 अगस्त 2019 को सामाजिक बहस, सेंट स्टीफेंस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019ः भारत में उच्च शिक्षा का भविष्य', शीर्षक पर वार्ता।

मैं क्यों पढ़ रहा हूँ क्या मैं पढ़ रहा हूँ? शीर्षक पर 22 अगस्त 2019 को 'इतिहास संघ, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में व्याख्यान श्रृंखला के शुभारंभ के अवसर पर सामाजिक विज्ञान अकादमी में युवा शोधकर्ता' शीर्षक पर वार्ता।

मौखिक परीक्षा के परीक्षक

19 अगस्त 2019 को स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 'स्कूली शिक्षा में निजी क्षेत्र की भागीदारीः भारत में चुनिंदा साझेदारी का अध्ययन, 2018 की डॉक्टोरल शोध प्रबंध की मौखिक परीक्षा के परीक्षक।

जांच समिति के सदस्य

04 जून 2019 को एम.फिल. और पीएच.डी. कार्यक्रम 2019–20 में प्रवेश के लिए आवेदनों की जाँच समिति के सदस्य।

अन्य गतिविधियां

नीपा में आईक्यूएसी और एनएएसी एसएसआर दल के संस्थागत बैठकों में सदस्य के रूप में सुविधा प्रदान की।

18 दिसंबर, 2019 को एसएसआर का मसौदा तैयार करने के लिए कुलपति और कोर टीम के साथ एसएसआर की प्रगति पर चर्चा के लिए बैठक।

13 दिसंबर, 2019 को प्रोफेसर सुधांशु भूषण के साथ नीपा के पूर्व छात्रों की बैठक का समन्वयन।

21 नवंबर, 2019 को नीपा पूर्व छात्र संघ के गठन पर विचार के लिए नीपा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन एकक की बैठक।

08 नवंबर, 2019 को एसएसआर की प्रगति पर चर्चा करने के लिए कुलपति के साथ एनएएसी एसएसआर दल की बैठक।

09 सितंबर, 2019 को नीपा के नीति दस्तावेजों के वेटिंग समूह की बैठक।

26 अगस्त, 2019 को अनुसंधान एवं परामर्श और नाक संकेतक अनुसंधान तथा नवाचार पर आंतरिक शासन समिति की बैठक।

26 अगस्त 2019 को नीपा के नीति दस्तावेजों के सचेतक समूह की बैठक।

14 अगस्त 2019 को एनएएसी मान्यता के लिए नीपा स्व अध्ययन रिपोर्ट की मसौदा समिति की पहली बैठक।

19 जून 2019 को एनएएसी के शिक्षण अधिगम और मूल्यांकन पहलुओं पर कार्य हेतु प्रोफेसर रश्मि दीवान के नेतृत्व में टीम के साथ बैठक।

14 जून 2019 को प्रोफेसर ए.के. सिंह के नेतृत्व में टीम के साथ पाठ्यचर्या पहलुओं पर एनएएसी रिपोर्ट तैयार करने पर चर्चा।

07 जून 2019 को आईक्यूएसी कार्रवाई योजना को विकसित करने के लिए विचारों पर मंथन के लिए आईक्यूएसी (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन एकक) के आंतरिक सदस्यों की बैठक।

06 जून 2019 को नीपा में एनएएसी मूल्यांकन को औपचारिक रूप देने तथा नीपा एसएसआर दल के कोर ग्रुप सदस्यों और विस्तारित दलों के मुखिया के रूप में शासन प्रक्रियाओं को मजबूत करने के लिए समिति की बैठक आयोजित।

31 मई 2019 को एनएएसी एसएसआर को विकसित करने के लिए सभी एनएएसी मान्यता संकेतक दलों के समन्वयकों की बैठक।

28 मई 2019 को प्रोफेसर कुमार सुरेश के नेतृत्व में शासन और नेतृत्व पर एनएएसी मानदंडों पर कार्यरत समूह की बैठक।

12 अप्रैल 2019 को नीपा आंतरिक शासन को मजबूत करने के लिए गठित विभिन्न समितियों की संयुक्त बैठक।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

आजीवन सदस्य, भारत तुलनात्मक शिक्षा सोसायटी (सेसी), भारत

सदस्य, ब्रिटिश एसोसिएशन फार इंटरनेशनल एंड कंपेरेटिव एजुकेशन (बीएआइसीई), यूके।

गरिमा मलिक

प्रकाशन

पुस्तकें

वर्गीज, एन.वी. और मलिक, जी. (संपादक) भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2019: भारत में उच्च शिक्षा का अभिशासन और प्रबंधन। नई दिल्ली सेज, (इन–प्रेस)

आलेख और पुस्तक में अध्याय

वांग, चांग डी, ली एम एन.एन. और लॉक एच.वाई. (संपा.) एशिया में विश्वविद्यालयों का शासन और प्रबंधनः वैश्विक प्रभाव और स्थानीय प्रतिक्रियाएं पुस्तक में वर्गीज, एन.वी., और मलिक, जी. (2019) संस्थागत भारत में उच्च शिक्षा की संवैधानिक स्वायत्तता और शासन, अध्याय (पृ. 43–55)। लंदनः रूटलेज।

पत्र प्रस्तुत किए

20–21 फरवरी, 2020 को उच्च शिक्षा में अभिशासन और स्वायत्तता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ''भारत में विश्वविद्यालय प्रशासन और प्रबंधन'' पर पत्र प्रस्तुत।

संगोष्ठी/कार्यशालाओं का आयोजन

20–21 फरवरी, 2020 को उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी। (आगामी)

24–25 मार्च, 2020 को नीपा, नई दिल्ली में उच्च शिक्षा की राज्य परिषद की बैठक। (आगामी)

कार्यशाला में भागीदारी

17–19 जून, 2019 को यूनेस्को–आइआइईपी, पेरिस द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा में लचीले अधिगम मार्ग पर परियोजना के लिए अनुसंधान पद्धति संगोष्ठी।

शिक्षण कार्य/अन्वीक्षण/मूल्यांकन

एम.फिल./पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा, 2019 के लिए प्रश्नपत्र का मूल्यांकन।

सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

23 दिसंबर, 2019 को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में शिक्षकों की भूमिका में शिक्षकों और शिक्षण–अधिगम में स्वयम पाठ्यक्रम के लिए व्याख्यान।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

इंडिया हैबिटेट सेंटर (आजीवन सदस्य)

अंतर्राष्ट्रीय केंद्र–गोवा (आजीवन सदस्य)

जिणुशा पाणिग्रही

प्रकाशन

पुस्तक

इंडिया हायर एजुकेशन रिपोर्ट 2018: उच्च शिक्षा का वित्तपोषण, वर्गीज, एन.वी. और पाणिग्रही, जे. (संपा.), नई दिल्ली, सेज, 2019।

आलेख और पुस्तक में अध्याय

इंटरनेशनल हायर एजुकेशन, नं. 99, 2019 के पत्रिका में वर्गीज एन.वी. के साथ भारत में उच्च शिक्षा के विकास में संस्थानों और शहरी पूर्वाग्रह का एकाग्रता पर अनुच्छेद।

09 दिसंबर, 2019 उच्च शिक्षा और वैश्विक रैंकिंग का अंतर्राष्ट्रीयकरण पर विशेष अंक, विश्वविद्यालय समाचार, में चिकित्सा शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण: घरेलू आवश्यकताओं, नीतियों और वैश्विक उद्देश्यों के बीच दुविधा पर अनुच्छेद।

'भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2018' में 'उच्च शिक्षा का वित्तपोषण एक परिचय' पर अध्याय, एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही (संपा.), सेज प्रकाशन इंडिया प्रा.लि., जुलाई 2019।

''भारत उच्च शिक्षा रिपोर्ट 2018'' में ''उच्च शिक्षा में सार्वजनिक वित्त पोषण पर काबू पाने के लिए संस्थागत रणनीतियाँ'' पर अध्याय, एन.वी. वर्गीज और जिनुशा पाणिग्रही (संपा.), सेज पब्लिकेशन इंडिया प्रा.लि., जुलाई 2019।

''अर्थशास्त्र और शिक्षा का वित्तः विकास, प्रवृत्तियों और चुनौतियों की समीक्षा'' पर अध्याय थापा, ए. और हैदर आई.बी. के साथ, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा की वार्षिक समीक्षा में, वाइजमैन, ए.डब्ल्यू. (संपा.) एमराल्ड ग्रुप पब्लिशिंग लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम। (मुद्रणालय में)।

अनुसंधान अध्ययन रिपोर्ट/मोनोग्राफ

मार्च 2019 में ''भारत में निजी मानित विश्वविद्यालयों शुल्क का निर्धारण'' पर अनुसंधान परियोजना की रिपोर्ट को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार, नई दिल्ली में प्रस्तुत की गई।

निजी उच्चतर शिक्षा संस्थानों (आईईएसपी) का मोनोग्राफ विकसित, मनिपाल विश्वविद्यालय, कर्नाटक, भारत का केस अध्ययन। जनवरी 2020 में आइआरपीआइ इंटरनेशनल प्रोजेक्ट के लिए आईआरडी–सेफेड एनसिग्निमेंट सुपरियर प्रिवेट एट इंगेलिट्स) जो यूरोपीय संघ द्वारा वित्त पोषित सेफेड–एएफडी मल्टी–कंट्री रिसर्च प्रोजेक्ट है को मोनोग्राफ प्रस्तुत किया गया था।

निजी उच्चतर शिक्षा संस्थानों (आईईएसपी) मानव रचना अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा, भारत के अध्ययन मोनोग्राफ विकसित किया। ईएसपीआई अन्तरराष्ट्रीय परियोजना– एनसिग्निमेंट सुपरियर प्रिवेट एट इंगेलिट्स) के लिए मोनोग्राफ को जनवरी 2020 में आईआरडी–सेफेड को प्रस्तुत किया गया था, जो कि ईयू द्वारा वित्त पोषित सेफेड–एएफडी बहु–राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना है।

निजी उच्च शिक्षा संस्थानों (आइईएसपी) जेपी सूचना तकनीकी संस्थान, उत्तर प्रदेश, भारत का केस अध्ययन का एक मोनोग्राफ विकसित किया। ईएसपीआई अन्तरराष्ट्रीय परियोजना– एनसिग्निमेंट सुपरियर प्रिवेट एट इंगेलिट्स) के लिए मोनोग्राफ को जनवरी 2020 में आईआरडी–सेफेड को प्रस्तुत किया गया था, जो कि ईयू द्वारा वित्त पोषित सेफेड–एएफडी बहु–राष्ट्रीय अनुसंधान परियोजना है।

निजी उच्च शिक्षा संस्थानों में शुल्कः भारत में मानित विश्वविद्यालयों का अध्ययन। सीपीआरएचई शोध पत्र 13, नई दिल्ली, सीपीआरएचई/नीपा (आगामी)।

प्रस्तुत पत्र/भागीदारी

14–18 अप्रैल 2019 को हयात रीजेंसी, सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में पेन स्टेट यूनिवर्सिटी, पेंसिल्वेनिया के सहयोग से तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी द्वारा आयोजित 63वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्थिरता के लिए शिक्षा' राज्य–बाजार संभाषण और उच्च शिक्षा वित्तपोषणः समानता और स्थिरता शीर्षक पर संबोधन प्रस्तुत किया गया।

सेमीनार/कार्यशाला में संवक्ता

24 जुलाई, 2019 को आईआईसी, नई दिल्ली में भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019, गोलमेज सम्मेलन में उच्च शिक्षा का अभिशासन और स्वायत्तता के मुद्दे पर एक सत्र आयोजित किया।

24 जुलाई, 2019 को भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित आईआईसी, नई दिल्ली में, मसौदा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2019, पर गोलमेज सम्मेलन में शिक्षण–शिक्षण प्रौद्योगिकी और नवाचार पर एक सत्र का आयोजन।

आमंत्रित व्याख्यान

18 नवंबर, 2019, को प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित चार सप्ताह के (01–23 नवंबर) तक शैक्षिक प्रबंधन पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम (आईपीईएम) आइईपीए में ''सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों के वित्तपोषण'' पर व्याख्यान दिया।

26 अगस्त–06 सितंबर, 2019 तक शैक्षिक योजना विभाग नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण में अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनुमानित आंकड़ेः डेटा विश्लेषण और उपकरण विषय पर व्याख्यान दिया।

19–23 अगस्त, 2019 तक शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित वित्तीय नियोजन और प्रबंधन में प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'सार्वजनिक उच्च शिक्षा संस्थानों का वित्तपोषण' पर व्याख्यान दिया।

शिक्षण कार्य/अन्वीक्षण/मूल्यांकन

एम.फिल./पीएच.डी. का बाहरी मूल्यांकन

एम.फिल. डिग्री, 2019 की उपाधि के लिए सुश्री शिल्पा कृष्णन द्वारा सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (सीडीएस), केरल, जेएनयू को प्रस्तुत किये गये शोध प्रबंध ''केरल में नर्सिंग शिक्षा में स्नातक स्तर की पढ़ाई और लागत'' शीर्षक का मूल्यांकन।

परीक्षा अन्वीक्षण

नीपा, नई दिल्ली में वर्ष 2019–20 के लिए नीपा प्रत्यक्ष पी–एच.डी, अंशकालिक पी–एच.डी. और एम.फिल. पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा के अन्वेक्षक।

सेमीनार/कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति

30 सितंबर, 2019 को पंजाबी यूनिवर्सिटी पटियाला, पंजाब से संबद्ध बड़वाल–धूरी में देश भगत कॉलेज, धूरी द्वारा आयोजित, ''भारत में उच्च शिक्षाः वर्तमान परिदृश्य'' पर राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन सत्र के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

संगोष्ठी/कार्यशालाओं का संगठन

23 जनवरी, 2020 को नीपा, नई दिल्ली में 24 छात्रों और न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के संकाय के साथ नीपा का एक परस्पर संवादातमक सत्र आयोजित किया।

अन्य गतिविधियां

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/निष्पादित

नीपा एम.फिल. जून 2019 में मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति पर अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी 3) के लिए पाठ्यक्रम विकास में योगदान।

नीपा एम.फिल. जून 2019 में उन्नत मात्रात्मक अनुसंधान पद्धति पर अनिवार्य पाठ्यक्रम (सीसी 5) के लिए पाठ्यक्रम विकास में योगदान।

नीपा के बाहर प्रख्यात निकायों की सदस्यता

अर्थशास्त्र विशेष शिक्षा समूह (ईएफई–एसआइजी), (2019–2021) के अर्थशास्त्र और वित्त के सह–अध्यक्ष, तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआइईएस), संयुक्त राज्य अमेरिका।

दुनिया की सबसे बड़ी तुलनात्मक और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा सोसायटी (सीआइईएस), संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिष्ठित सदस्य।

मलिश सी.एम.

प्रकाशन

आलेख और पुस्तक में अध्याय

(2019), उच्च शिक्षा में जाति और वर्ग की असमान संरचनाएं, गुणात्मक जांच, 25 (5), पृ. 471–481। (विलियम जी. टियरनी और निधि एस सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)

(2019), समावेशी (?) अंतर्राष्ट्रीयकरणः भारत में आउटबाउंड छात्र गतिशीलता का अध्ययन। शेंडेल, आर., डी. विट., एच. और डेलाकिल, टी. (संपा.)। अभिनव और समावेशी अंतर्राष्ट्रीयकरण पर डब्ल्यूईएस–सीआइएचई समर इंस्टीट्यूट की कार्यवाही। 19–21 जून 2019, बोस्टन कॉलेज। एम.ए., यूएसए।

(2019), भारत में उच्च शिक्षा में समानता और समावेश। सीपीआरएचई शोध पत्र 12. नई दिल्लीः सीपीआरएचई, नीपा (एन.वी. वर्गीज और निधि एस. सभरवाल के साथ संयुक्त रूप से)।

पत्र प्रस्तुत किए

(2020), 09 जनवरी 2020 को डा. जॉन मथाई सेंटर, त्रिशूर, केरल द्वारा 'भारत में दलित और उच्च शिक्षा' पर आयोजित भारत में दलितों के विकास और लचीलापन पर दो दिनों के राष्ट्रीय संगोष्ठी में राज्यों के बीच विविधता और अंतर समझना पर 09 जनवरी 2020 को एक विशेष व्याख्यान।

(2019), 2–5 दिसंबर 2019 तक शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा भारत में उच्च शिक्षा में समानता प्राप्ति के लिए आवश्यक, दक्षिण एशिया की चुनौतियों और संभावनाओं पर उच्चतर शिक्षा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य सत्र को संबोधन।

(2019), भारतीय उच्च शिक्षा में छात्र गतिशीलता और समावेशी अंतर्राष्ट्रीयकरण, 24–25 जून 2019 को कनाडा के टोरंटो विश्वविद्यालय में शिक्षा के लिए ओंटारियो संस्थान द्वारा आयोजित उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण में शेपिंग सस्टेनेबल फ्यूचर्स में प्रस्तुत एक पेपर

(2019), समावेशी अंतर्राष्ट्रीयकरणः भारत में आउटबाउंड छात्र गतिशीलता का अध्ययन। अभिनव और समावेशी अंतर्राष्ट्रीयकरण पर पत्र प्रस्तुत डब्ल्यूईएस–सीआइएचई समर इंस्टीट्यूट, बोस्टन कॉलेज, मैसेच्युसेट्स, यूएसए, 19–21 जून 2019।

(2019), उच्च शिक्षा और विविध कक्षा कक्षः शिक्षण–अधिगम प्रथाओं का पुनरीक्षण, 06 दिसंबर 2019 को शिक्षण अधिगम केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय बठिंडा द्वारा आयोजित एक सप्ताह के राष्ट्रीय अंतःविषय कार्यशाला ''सामाजिक विज्ञान शिक्षण में शैक्षणिक चुनौतियां'' पर एक शिक्षण व्याख्यान।

(2019), भारतीय उच्च शिक्षा में सुधार, केंद्रीय विश्वविद्यालय केरल द्वारा आयोजित पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) 23 सितंबर से 15 अक्टूबर, 2019 तक पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन के तहत कॉलेज/विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए एक महीने के अधिष्ठापन प्रशिक्षण कार्यक्रम में 15 अक्टूबर, 2019 को आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

(2019), भारतीय उच्च शिक्षा में छात्र विविधता और शिक्षण संकट, पर जवाहर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में 28 अगस्त 2019 को एक आमंत्रित व्याख्यान दिया गया।

(2019), 23 नवंबर तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम में छात्र विविधता और सामाजिक समावेश, म्यांमार के शैक्षिक प्रशासकों के लिए शैक्षिक प्रबंधन (आईपीईएम) में 11 नवंबर 2019 को आमंत्रित व्याख्यान,

(2019), 01–12 जुलाई, 2019 तक नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित व्याख्याओं की व्याख्याः शैक्षिक अनुसंधान में गुणात्मक साक्षात्कार। गुणात्मक अनुसंधान विधियों और नीति विश्लेषण, पर पाठ्यक्रम में 10 जुलाई 2019 को एक व्याख्यान दिया।

सेमीनार/कार्यशालाओं में संवक्ता

20–21 फरवरी, 2020 को सीपीआरएचई, नीपा और ब्रिटिश काउंसिल द्वारा आयोजित इंडिया हैबिटेट सेंटर में उच्च शिक्षा में शासन और स्वायत्तता पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक सत्र आयोजित किया।

कार्यशाला में भागीदारी

भविष्य की चुनौतियों को पूरा करने के लिए उच्च शिक्षा में बदलाव, भारतीय महाविद्यालय संघ और उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन 2019 का 25वाँ राष्ट्रीय सम्मेलन, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित/ निष्पादन

पीएमएमएमएमटीटी के तहत सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित उच्च शिक्षा में शिक्षक और शिक्षण", में स्वयम (मा.सं.वि.मं.) ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम "उच्च शिक्षा में छात्र विविधता शिक्षण और अधिगम'' पर तीन घंटे के वीडियो लेक्चर को डिजाइन, विकसित और निष्पादित किया गया।

शिक्षण समनुदेशन/अन्वेषक/मूल्यांकन

नीपा में एम.फिल. पाठ्यक्रम (ओसी 5) गुणात्मक अनुसंधान पद्धति, में दृश्य विधियों, घटना विज्ञान, शोध अध्ययन रूपरेखा और गुणात्मक सामग्री विश्लेषण पर अध्यापन।

कार्य स्थल से ही अन्तर्राष्ट्रीय छात्र, ओलाइड अगाजे, शिक्षा प्रबंधन और नीति अध्ययन विभाग, शिक्षा संकाय, प्रिटोरिया विश्वविद्यालय दक्षिण अफ्रीका के शोध अध्ययन ''नाइजीरिया में अकादमिक और सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तन काल के अनुभव'' शीर्षक शोध अध्ययन का मूल्यांकन किया।

सुश्री अंजलि अनिल, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज हैदराबाद को सीपीआरएचई, नीपा में एम.ए. इंटर्नशिप के लिए मार्गदर्शन।

शैक्षणिक वर्ष 2019–2020 के लिए एम.फिल. और पीएच. डी. आवेदन पत्रों की जाँच।

अन्य गतिविधियाँ

सीपीआरएचई शोध–पत्र श्रृंखला के संपादक के रूप में कार्य।

शैक्षणिक आयोजन और प्रशासन पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य के रूप में कार्य।

उच्चतर शिक्षाः उच्चतर शिक्षा शोध की अन्तरराष्ट्रीय पत्रिका के समीक्षक के रूप में कार्य।

स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक

प्रणति पंडा

रस्मिता दास स्वैन

ए. एन. रेड्डी

प्रकाशन

स्कूल मानक और मूल्यांकन दस्तावेज

साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार (2019), (अंग्रेजी), स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, नीपा, नई दिल्ली के लिए दिशानिर्देश।

साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देश (2019), (हिंदी), स्कूल मानक और मूल्यांकन एकक, नीपा, नई दिल्ली।

शाला सिद्धि कैसे परिवर्तन ला रही है स्कूलों से आवाज, नीपा, नई दिल्ली

विश्लेषणात्मक रिपोर्ट का विकास

स्कूल प्रदर्शन विश्लेषण स्कूल स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड के आधार पर तैयार किए जाते हैं

नेशनल स्कूल परफॉर्मेंस एनालिटिक्स 2018–19, नीपा

राज्यवार प्रदर्शन विश्लेषण 2018–19 (36 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश), नीपा

स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड (2016–18) के आधार पर स्कूल के प्रदर्शन का डेटा विश्लेषण, नीपा

स्व–मूल्यांकन डैशबोर्ड (2019–20) के आधार पर स्कूल के प्रदर्शन का डेटा विश्लेषण, नीपा

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/ सम्मेलन आयोजित

सुधार के लिए मूल्यांकन पर राष्ट्रीय परामर्शदात्री बैठक (शाला सिद्धि), 14–15 फरवरी, 2019।

स्कूल बाहरी–मूल्यांकन पर क्षेत्रीय कार्यशालाः भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र के लिए शाला सिद्धि, दिसंबर 04–05, 2019, इंफाल (मणिपुर)।

राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यशालाएं (नीपा)

साक्ष्य आधारित स्कूल सुधार के लिए दिशानिर्देशों के अंतिम संपादन और हिंदी अनुवाद पर कार्यशाला, 25–26 मार्च, 2019।

सत्रध्मूल्यांकन के रूप में स्कूल के लिए बेंडेडध्ऑनलाइन पाठ्यक्रम पर कार्यशाला, 25–26 नवंबर, 2019।

स्कूल स्व–मूल्यांकन (शाला सिद्धि) पर राज्य विशिष्ट क्षमता निर्माण कार्यक्रमः

78 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि पर कोर ग्रुप मीटिंग और क्षमता निर्माण कार्यक्रम, जनवरी 18–19, 2019, उत्तराखंड।

स्कूल बाहरी मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः 85 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि, 21–23 जनवरी, 2019, छत्तीसगढ़।

स्कूल बाहरी मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः 200 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि, 22–23 जनवरी, 2019, बिहार।

स्कूल बाहरी मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः 110 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि, 18 अक्टूबर, 2019, राजस्थान

स्कूल बाहरी मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः एसएसए समग्र शिक्षा, दिल्ली में 150 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि, 21–23 नवंबर, 2019।

स्कूल बाहरी मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः 110 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि, 28–29 नवंबर, 2019, बिहार।

स्कूल बाहरी मूल्यांकन पर क्षमता निर्माण कार्यक्रमः 70 शिक्षक शिक्षकों, शिक्षा अधिकारियों और स्कूल प्रमुखों के लिए शाला सिद्धि, फरवरी 03–04, 2020, आंध्र प्रदेश।

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग एकक

शेरिंग चोंजोम भूटिया

प्रकाशन

एन.वी. वर्गीज, शेरिंग चोंजोम भूटिया, विनय प्रसाद, ''नॉर्डिक–इंडिया समिट ऑन इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन'', सम्मेलन रिपोर्ट, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, मार्च 2020।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

11 नवंबर 2019 को नीपा में प्रोफेसर यू कॉन, एसोसिएट डीन, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, झेजियांग विश्वविद्यालय और निदेशक, यूनेस्को एपीईआईडी एसोसिएट सेंटर, झेजियांग विश्वविद्यालय के नेतृत्व में चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ परिचर्चा।

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

भारत और विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय और द्विपक्षीय शिक्षा बैठकों के लिए शिक्षा मंत्रालय को जानकारी उपलब्ध करायी

अगस्त 2019 में विदेश मंत्रालय, जवाहरलाल नेहरू भवन, नई दिल्ली में 25 सितंबर 2019 को निर्धारित भारत–ऑस्ट्रेलिया आर्थिक रणनीति पर अंतर–मंत्रालयी बैठक के संबंध में अवधारणा नोट के लिए जानकारियां प्रदान किए गए।

अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया में 8–9 दिसंबर 2019 को ऑस्ट्रेलिया भारत नेतृत्व वार्ता में भाग लेने के लिए सचिव को आमंत्रण के संबंध में जानकारी/टिप्पणियां प्रदान की।

20–22 नवंबर 2019 को ऑस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री की भारत यात्रा के अवसर पर अनेक जानकारियां प्रदान की। इस जानकारियों में भारत–ऑस्ट्रेलिया मध्य हुई द्वि पक्षीय बैठकों की अंकित कार्यसूची, माननीय शिक्षा मंत्री, सचिव, संयुक्त सचिव और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के भाषण सम्मिलित थे। बैठक के समापन के बाद हस्ताक्षर किये जाने वाली संयुक्त विज्ञप्ति का मसौदा तैयार किया गया। दो दिन तक शिक्षा मंत्रालय के परिसर में कार्य–निष्पादन किया गया।

नवंबर 2019 में कोरिया के शिक्षा मंत्री की यात्रा की तैयारी के लिए 25 नवंबर 2019 को दक्षिण कोरियाई दूतावास के अधिकारियों के साथ समझौता ज्ञापन बैठक के लिए जानकारी दी।

भारत में शिक्षा मंत्री की बैठकों में सहभागिता और/अथवा बैठकों का आयोजन तथा बैठक का कार्यवाही सारांश तैयार करना

6 सितंबर 2019 को ब्रिक्स नेटवर्क यूनिवर्सिटी एनयू एनसीसी की बैठक में भागीदारी।

4 नवंबर 2019 को आस्ट्रेलियाई शिक्षा मंत्री की भारत यात्रा के निर्धारित कार्यक्रम के लिए नवंबर, 2019 में शिक्षा मंत्री की आस्ट्रेलियाई दूतावास के अधिकारियों के साथ हुई इस बैठक से पूर्व होने वाली बैठक में उपस्थित हुए।

आस्ट्रेलियाई मंत्री की यात्रा से पहले की तैयारियों का आकलन करने के लिए 19 नवंबर 2019 को संयुक्त सचिव, आईसीसी, निदेशक, आईसीसी और आस्ट्रेलियाई दूतावास के अधिकारियों के साथ हुई बैठक में उपस्थिति।

20–22 नवंबर 2019 को भारत–आस्ट्रेलिया शिक्षा की बैठकों में भाग लिया। विभिन्न बैठकों में वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक, द्विपक्षीय अनुसचिवीय बैठक, भारत आस्ट्रेलिया अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान कार्यशाला 2019 और आस्ट्रेलिया इंडिया एजुकेशन कोऑपरेशन (एआईईसी) की बैठक थीं। इन सभी तीनों बैठकों के निष्कर्ष का सारांश शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया।

4 दिसंबर 2019 को शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आईसीसी) की अध्यक्षता में हुई चीनी भाषा प्रोन्नयन संबंधी बैठक में भाग लिया।

30 जनवरी 2020 को शिक्षा मंत्री और कोरिया के संस्कृति, खेल, पर्यटन मंत्रालय, से आए कोरियाई शिष्टमंडल की कोरिया गणराज्य सरकार और कोरियाई संस्कृति केंद्र, कोरियाई दूतावास में हुई बैठक में उपस्थित हुए। बैठक की रिपोर्ट तैयार किया।

18 फरवरी 2020 को शिक्षा मंत्रालय में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायोग के साथ बैठक में भागीदारी।

विदेशों में आयोजित अंतर सरकारी बैठकों में सहभागिता और रिपोर्ट तैयार करना

15 से 16 अक्टूबर 2019 तक भारत और चीन के बीच बीजिंग में आयोजित प्रथम संयुक्त कार्यकारी समूह

(जेडब्ल्यूजी) की बैठक में भाग लिया। बैठक के लिए अपेक्षित सामग्री उपलब्ध करायी; शिष्टमंडल के प्रमुख के लिए उद्घाटन और समापन टिप्पणी तैयार की, ''भारत के राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली'', ''दोनों देशों के बीच भाषाई सहयोग'', विषय पर पावर–प्वाइंट प्रस्तुति तैयार किया। भारत–चीन विश्वविद्यालय सहयोग पर नोट और दोनों देशों के बीच संयुक्त अकादमिक सहयोग' पर प्रस्तुति तैयार किया। विमर्श के सारांश समेत विस्तृत यात्रा प्रतिवेदन तैयार किया और अनुवर्ती विषयक मुद्दों को शिक्षा मंत्रालय में प्रस्तुत किया।

शिक्षा मंत्रालय के सहयोग कार्यक्रमों के प्रबोधन और उनकी समीक्षा के बाद जानकारी उपलब्ध करायी

सितंबर 2019 में, ब्रिक्स के उद्भव के समय से ही इसके कार्यकलाप की तथा विभिन्न मंत्रालयी, एसओएम और नेटवर्क यूनिवर्सिटी की बैठकों की व्यापक समीक्षा 13–14 नवंबर 2019 को ब्राजील में होने वाले 11वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संदर्भ में की।

वर्ष 2020 के लिए कार्य योजना/प्रस्तावों की प्रस्तुति के संबंध में ब्रिक्स एनयू एनसीसी के साथ अनुवर्ती कार्रवाई के संबंध में समनुदेशनः पांच साप्ताहिक समीक्षा प्रतिवेदन शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किए गए और नौ कार्य योजनाएं प्राप्त हुई और सितंबर 2019 में शिक्षा मंत्रालय को अग्रेषित की गई।

ब्रिक्स एनयू के भारतीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों/कार्य योजनाओं की व्यापक समीक्षा की और 16 मार्च 2020 को शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

मसौदा समझौता ज्ञापनों, प्रस्तावों और संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा के बाद प्रदान की गई जानकारियां

सितंबर 2019 में भारत–चीन राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ समारोह पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

नवंबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया भारत अनुसंधान छात्र अध्येतावृत्ति (एआईआरएसएफ) योजना पर प्रस्ताव की समीक्षा प्रदान की।

दिसंबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया के साथ योग्यता की पारस्परिक मान्यता पर समझौते के फायदे और नुकसान पर जानकारी प्रदान की।

भारत सरकार की ''ऑस्ट्रेलिया आर्थिक रणनीति'' रिपोर्ट (शिक्षा पर क्षेत्रीय अध्याय) के संबंध में प्रदान किए गए 'पथ परिवर्तन' प्रणाली में जानकारी, दिसंबर 2019 में शिक्षा मंत्रालय को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अनुरूप अनुरोध।

दिसंबर 2019 में ब्रिक्स नेटवर्क यूनिवर्सिटी एमओयू की समीक्षा के बाद जानकारी दी गई।

जनवरी 2020 में भारत–चीन राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ समारोह के संबंध में संशोधित जानकारी प्रस्तुत की।

एमओई के लिए अवधारणा नोट्स, रणनीति नोट्स और नीति टिप्पणियों की तैयारी

जनवरी 2020 में ''भारत की नरम शक्ति और सांस्कृतिक कूटनीति'' विषय पर विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति के लिए विस्तृत नीति टिप्पणी तैयार की।

भारत में आयोजित शैक्षणिक सम्मेलनों में भागीदारी और एमओई को प्रस्तुत सारांश रिपोर्ट

31 अक्टूबर 2019 को आयोजित ''उच्च शिक्षा में पहुंच, समानता और स्थिरता में सुधार के लिए अंतर्राष्ट्रीयकरण पर नॉर्डिक–भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन'' के परिणामों की रिपोर्ट को समेकित किया और एमओई को एक सारांश रिपोर्ट प्रस्तुत की।

23 जनवरी 2020 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में ''भारत में चीन के अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए ताजा पहल का आकलन'' पर कार्यशाला में भाग लिया, रिपोर्ट तैयार की और एमओई को प्रस्तुत की।

अन्य अकादमिक एवं व्यावसायिक योगदान

सह–संपादक, इंडिया क्वार्टरली, सेज प्रकाशन।

एल्डो मैथ्यू

प्रकाशन

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेखः

एल्डो मैथ्यूज, (फिलिप जी. अल्टबैक के साथ सह–लेखक), कॉम्पिटिशन फॉर द बेस्ट, द हिंदू डेली, 27 अप्रैल 2019।

एल्डो मैथ्यूज (फिलिप जी. अल्टबैक के साथ सह–लेखक): ''व्हाई इंडिया विल फेल टू अट्रैक्ट ग्लोबल फैकल्टी'', इंटरनेशनल हायर एजुकेशन, नंबर 99: सितंबर, 2019।

एल्डो मैथ्यूज, ''इंटरनेशनलाइजेशन आफ इंडियन हायर एजुकेशन'', इनसाइड हायर एजुकेशन, दिसंबर 2019।

कार्यशालाएं/सम्मेलन/प्रशिक्षण कार्यक्रम

25 नवंबर 2019 को नीपा, नई दिल्ली में' लियोनार्ड एंजेल (कार्यकारी निदेशक, यूरोपियन एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन (ईएआईई) और डा. लौरा ई. रम्बली (एसोसिएट डायरैक्टर, नॉलेज डवलपमेंट एंड रिसर्च, ईआईई) द्वारा ''इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन इन यूरापः की ट्रेण्ड्स एंड इश्यूज'' पर अन्तःक्रियात्मक (परस्पर वार्ता) सत्र और व्याख्यान।

5 फरवरी 2020 को नीपा में सेंटर ऑफ अफ्रीकन स्टडीज एंड प्रोफेसर ऑफ इंटरनेशनल एंड कम्पेरेटिव एजुकेशन, एडिनबर्ग के पूर्व निदेशक प्रो. केनेथ किंग द्वारा ''इंन्डियाज एड टू अफ्रीकाः द केस ऑफ हायर एजुकेशन'' शीर्षक से व्याख्यान।

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में भारत और अंगोला के बीच मसौदा समझौते की समीक्षा की और जानकारी प्रदान की, (26 नवंबर 2019)।

सेवा क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए अफ्रीका के लिए निर्यात रणनीति पर जानकारी प्रदान की, (20 दिसंबर 2019)।

भारत–दक्षिण अफ्रीका संयुक्त मंत्री स्तरीय आयोग के 10वें सत्र के लिए जानकारियां प्रदान की, (23 दिसंबर 2019)।

अफ्रीका में भारत की नरम शक्ति के प्रचार/प्रक्षेपण की दिशा में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शिक्षा मंत्रालय द्वारा किए गए कार्यों पर जानकारी प्रदान करी, (3 जनवरी 2020)।

प्रो. (डा.) अमर अमीन अदली, उच्च शिक्षा और विश्वविद्यालय मामलों के वैज्ञानिक अनुसंधान के उप मंत्री, के नेतृत्व में मिस्र के प्रतिनिधिमंडल के साथ सचिव (एचई) की बैठक में भागीदारी और परिणामों के बारे में जानकारी प्रदान की, (29 नवंबर 2019)

28–29 जनवरी 2020 को सिम्बायोसिस यूनिवर्सिटी, पुणे में आयोजित डेस्टिनेशन इंडिया सम्मेलन में माननीय मंत्री जी का भाषण तैयार करने के लिए जानकारी प्रदान करी। (23 जनवरी 2020)

आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी), शिक्षा मंत्रालय को ''उच्च शिक्षा योग्यता की पारस्परिक मान्यताः आगे का रास्ता'' पर एक नीति टिप्पणी (3900 शब्द) प्रस्तुत की। (11 फरवरी 2020)।

अनामिका

वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

भारत और विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय और द्विपक्षीय शिक्षा बैठकों के लिए शिक्षा मंत्रालय को निविष्ट

अगस्त 2019 में, इस्तांबुल, तुर्की में 12–13 सितंबर 2019 को निर्धारित यूनेस्को कार्यकारी बोर्ड के सदस्य राज्यों के यूनेस्को के लिए राष्ट्रीय आयोगों की सलाहकार बैठक के लिए जानकारी प्रदान की।

अगस्त 2019 में, भारत और मैक्सिको के बीच 3–4 अक्टूबर 2019 को निर्धारित व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग पर 5वीं द्विपक्षीय उच्च स्तरीय वार्ता की बैठक के लिए जानकारियां प्रदान की गयी।

आईएसओएम ने एएसईएम शिक्षा सचिवालय को अधिसूचना तिथि जारी करने के उपरांत – एमएचआरडी के साथ साझा की गई अधिसूचना का मसौदा सितंबर 2019 में एएसईएम शिक्षा सचिवालय को भेजा जाएगा।

सितंबर 2019 में, 9–23 अक्टूबर 2019 तक पेरिस, फ्रांस में यूनेस्को की 207वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक के लिए जानकारी प्रदान की।

अक्टूबर 2019 में भारत और मैक्सिको के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग पर 5वीं द्विपक्षीय उच्च स्तरीय वार्ता (बीएचएलजी) की बैठक पर जानकारी प्रदान की।

आईएसओएम 2020 – एएसईएम सदस्य राज्यों और हितधारकों को जनवरी 2020 की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रण पत्र भेजा गया।

फरवरी 2020 में, नई दिल्ली में 7–10 अप्रैल 2020 को आयोजित आईएसओएम आयोजन समिति की बैठक हेतु एजेंडा में शामिल– मसौदा संकल्पना टिप्पणी और मसौदा कार्यक्रम की स्वीकृति के लिए जानकारियां तैयार की।

फरवरी 2020 में यूनेस्को के कार्यकारी बोर्ड के 209वें सत्र के एजेंडे का उप–आयोग वार वर्गीकरण।

भारत में शि.मं. की बैठकों में भागीदारी और/अथवा उनका आयोजन और बैठक का कार्यवाही सारांश तैयार करना

जनवरी 2020 में, 7–10 अप्रैल 2020 तक नई दिल्ली में आईएसओए 2020 की निर्धारित बैठक के आयोजन के बारे में चर्चा करने के लिए आईएसओएम आयोजन समिति की बैठक का आयोजन किया। बैठक का एजेंडा था– ''अप्रूबल ऑफ ड्राफ्ट इनविटेशन लैटर द अप्रूवल ऑफ ड्राफ्ट प्रोग्राम'', बैठक के लिए कार्यवृत्त तैयार किया एएसईएम के सदस्य राज्यों और हितधारकों को आमंत्रण पत्र भेजा।

30 जनवरी को इंडियन नेशनल कमीशन फॉर कोऑपरेशन विद यूनेस्को (आईएनसीसीयू) की बैठक में भाग लिया और तैयार कार्यवृत्त किया।

7–10 अप्रैल 2020 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाली आईएसओएम की बैठक के आोजन के बारे में चर्चा करने के लिए आईएसओएम आयोजन समिति की बैठक का आयोजन किया। एजेंडा में शामिल था– ''प्रारूप संकल्पना नोट का अनुमोदन और प्रारूप कार्यक्रम का अनुमोदन''। बैठक का कार्यवाही सारांश तैयार किया।

विदेशों में आयोजित अंतःसरकारी बैठकों में भागीदारी और रिपोर्ट तैयार किया जाना

12–13 सितंबर 2019 तक इस्तानबुल, तुर्की में यूनेस्को अधिशासी मंडल के सदस्य राज्यों के यूनेस्को राष्ट्रीय आयोग की परामर्शदात्री बैठक में भाग लिया। इस परामर्शदात्री बैठक के लिए, आधारिक जानकारी के साथ–साथ इस्तानबुल, तुर्की जाने वाले भारतीय प्रतिनिधि मंडल के लिए वक्तव्य तैयार किए गए। परामर्शदात्री बैठक का यात्रा प्रतिवेदन मानव संसाधन विकास मंत्रालय को प्रस्तुत किया।

13–16 नवंबर 2019 को पेरिस, फ्रांस में ''यूनेस्को के 40वें आम सम्मेलन'' में भागीदारी और एजेंडा मदों पर तैयार इनपुट तथा एमओई को प्रस्तुत विस्तृत टूर रिपोर्ट।

4–5 नवंबर 2019 को ल्योन, फ्रांस में आयोजित ''अंतरक्षेत्रीय ऋण हस्तांतरण तंत्र और अधिगम के परिणाम प्रणाली पर एएसईएम विशेषज्ञ समूह की बैठक'' में भागीदारी और एमएचआरडी के साथ दौरे की रिपोर्ट और जानकारी सौंपी।

9–10 दिसंबर, 2019, बर्लिन, जर्मनी में एएसईएम शिक्षा विज़न और रणनीति 2030, पर एएसईएम स्थायी कार्य समूह में भागीदारी और यात्रा रिपोर्ट प्रस्तुत की।

12 दिसंबर 2019, बर्लिन, जर्मनी में आयोजित डिजिटलीकरण पर एएसईएम स्थायी कार्य समूह में भागीदारी।

13 दिसंबर 2019 को बर्लिन, जर्मनी में आयोजित आईएसओएम तैयारी बैठक में भागीदी।

अन्य अकादमिक और व्यावसायिक योगदान

सदस्य, मानवाधिकार शिक्षा समीक्षा के अंतर्राष्ट्रीय संपादकीय बोर्ड।

आलोक रंजन

वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में रूझान और स्वरूप पर शिक्षा मंत्रालय (एमओई) को जानकारी

दिसंबर 2019 में सेवा क्षेत्र पर ध्यान देने के साथ अफ्रीका और पश्चिम एशिया क्षेत्र (वाना क्षेत्र) के लिए निर्यात रणनीति पर विस्तृत जानकारी प्रदान की।

दिसंबर 2019 में मध्य एशियाई अध्ययन के लिए अंतर्राष्ट्रीय संस्थान का सदस्य बनने हेतु उज्बेकिस्तान से भारत के निमंत्रण के संबंध में जानकारी प्रदान की।

जनवरी 2020 में 'दूरस्थ क्षेत्रों के विकास और एकीकरण पर एससीओ प्रश्नावली' पर जानकारियां तैयार।

मार्च 2020 में एससीओ एसोसिएशन ऑफ सेकेंडरी वोकेशनल एजुकेशनल ऑर्गनाइजेशन पर संकल्पना टिप्पणी के लिए तैयार इनपुट।

भारत और विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय और द्विपक्षीय शिक्षा बैठकों के लिए शिक्षा मंत्रालय (एमओई) को इनपुट

अक्टूबर 2019 में मा.सं.मं. (एचआरएम) के लिए ताजिकिस्तान का संक्षिप्त विवरण और बातचीत के मुद्दे तैयार किये गये।

फरवरी 2020 में श्रीलंका के राष्ट्रपति के साथ बैठक हेतु एमओएस, एमओई के लिए बातचीत के मुद्दे तैयार किए।

फरवरी 2020 में एमओएस के लिए भारत–श्रीलंका शैक्षिक सहयोग पर रणनीति टिप्पणियां तैयार की।

मार्च 2020 में आंतरिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत शिक्षा और मंत्रिस्तरीय बैठक पर एससीओ स्थायी कार्य समूह के लिए बातचीत के मुद्दे और भाषण तैयार की। किया गया।

विदेशों में आयोजित अंतःसरकारी बैठकों में भागीदारी और प्रतिवेदन तैयार करना

9–10 अक्टूबर 2019 को माले, मालदीव गणराज्य में शिक्षा मंत्रालय की ओर से आयोजित शिक्षा/उच्चतर शिक्षा के वरिष्ठ अधिकारियों तथा दक्षेस के शिक्षा/उच्चतर शिक्षा मंत्रियों की तीसरी बैठक में भाग लिया। विस्तृत यात्रा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

शि.मं. के लिए अवधारणा, रणनीति और नीतिगत टिप्पणियां तैयार करना

दिसंबर 2019 में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में जेएस (आईसीसी) की बैठक के लिए प्रत्येक दक्षिण एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के लिए देश–विशिष्ट रणनीति पर टिप्पणियां तैयार।

दिसंबर 2019 में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में आयोजित प्रत्येक दक्षिण एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत करने के लिए जेएस (आईसीसी) की बैठक के लिए क्षेत्रीय रणनीति पर टिप्पणियां तैयार।

एससीओ सदस्य देशों के साथ सहयोग के आशाजनक क्षेत्रों पर पृष्ठभूमि टिप्पणियां तैयार की और मार्च 2020 में आंतरिक समीक्षा के लिए प्रस्तुत की।

भारत में आयोजित शैक्षणिक सम्मेलनों में भागीदारी और एमओई को सारांश रिपोर्ट प्रस्तुत की

26–27 अगस्त 2019 को नई दिल्ली में आयोजित भारत अफ्रीका उच्च शिक्षा और कौशल विकास शिखर सम्मेलन में भागीदारी सारांश रिपोर्ट तैयार की।

बिनय प्रसाद

प्रकाशन

रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान प्रकाशित शोध पत्र/आलेखः

एन.वी. वर्गीस, शेरिंग चोंजोम भूटिया, विनय प्रसाद, ''नॉर्डिक–इंडिया समिट ऑन इंटरनेशनलाइजेशन ऑफ हायर एजुकेशन'', सम्मेलन रिपोर्ट, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, मार्च 2020।

वर्ष के दौरान सार्वजनिक निकायों को परामर्श और अकादमिक सहायता

भारत और विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय और द्विपक्षीय शिक्षा बैठकों के लिए शि.मं. को जानकारी

अक्टूबर 2019 में नीपा, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पहले नॉर्डिक भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान सचिव (उच्च शिक्षा) के लिए वार्ता हेतु मुद्दे तैयार किए।

1 नवंबर 2019 को निर्धारित जर्मनी के साथ मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए कार्यसूची प्रदान की।

अक्टूबर 2019 में ल्योन, फ्रांस में आयोजित ज्ञान शिखर सम्मेलन 2019 के (उद्घाटन और समापन वक्तव्य के लिए) भारतीय प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख हेतु वार्ता बिंदु/ इनपुट तैयार किए।

अक्टूबर 2019 में भारत–यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन और भारत–यूरोपीय संघ विज़न दस्तावेज (रोडमैप टू 2025) पर इनपुट के लिए कार्य सूची बिन्दु तैयार की।

अक्टूबर 2019 में नॉर्वे के साथ मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए (शुरुआती टिप्पणियां, वार्ता बिंदु, दस्तावेज फाइल) आदि सामग्री तैयार की।

अक्टूबर 2019 में नॉर्वे के साथ सचिव स्तर की बैठक के लिए सामग्री तैयार की। जिसमें अतिरिक्त वार्ता के मुद्दे, जेएस (आईसीसी) के लिए हस्तक्षेप बिंदु और अतिरिक्त कार्यसूची बिंदुओं पर टिप्पणियां शामिल हैं।

3 फरवरी 2020 को नई दिल्ली में भारत और नॉर्वे के बीच मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए हस्तक्षेप के बिंदुओं और वार्तालाप के मुद्दे तैयार किये।

19 मार्च 2020 को माननीय मंत्री जी के पेरिस दौरे के लिए वार्ता के मुद्दे तैयार किए।

भारत में शिक्षा मंत्रालय की बैठकों के आयोजन में भागीदारी और कार्यवृत्त की तैयार किया

अक्टूबर 2019 में नार्वे के प्रतिनिधिमंडल के साथ सचिव (उच्चतर शिक्षा) की बैठक में भागीदारी और कार्यवृत्त तैयार किया।

अक्टूबर 2019 में नई दिल्ली में जर्मन प्रतिनिधिमंडल के साथ सचिव (उच्चतर शिक्षा) की बैठक में भागीदारी और बैठक का कार्यवृत्त तैयार किया।

अक्टूबर 2019 में यूकेआईईआरआई के साथ सचिव (उच्चतर शिक्षा) की बैठक में भागीदारी और बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया।

नवंबर 2019 में जर्मन प्रतिनिधिमंडल के साथ माननीय शिक्षा मंत्री की मंत्रिस्तरीय बैठक में भागीदारी और बैठक का कार्यवृत्त तैयार किया।

नवंबर 2019 में भारत–डेनमार्क श्रम गतिशीलता भागीदारी समझौते पर तीसरे जेडब्ल्यूजी में भाग लिया।

नवंबर 2019 में लातवियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ शिक्षा मंत्रालय की बैठक में भागीदारी और चर्चा का रिकॉर्ड प्रस्तुत किया।

दिसंबर 2019 में नार्वे के राजदूत के साथ शिक्षा मंत्राल की बैठक में भागीदारी और प्रासंगिक दस्तावेज साझा किए।

3 फरवरी 2020 को नई दिल्ली में भारत और नार्वे के बीच मंत्रिस्तरीय बैठक में भागीदारी। हस्तक्षेप के बिंदुओं, बातचीत के मुद्दों और बैठक पर रिपोर्ट तैयार की।

फरवरी 2020 में शिक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव (आईसीसी) और फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल के बीच बैठक में भागीदारी और बैठक का कार्यवृत्त तैयार किया।

28 फरवरी 2020 को शिक्षा मंत्रालय, यूकेआईईआरआई और एडसिल के बीच बैठक में भाग लिया।

प्रारूप समझौता ज्ञापनों, प्रस्तावों और संबंधित दस्तावेज़ों की समीक्षा के पश्चात आरंभिक आधारिक जानकारी उपलब्ध कराया।

अक्टूबर 2019 में नार्वे के साथ नवीकरण किए जाने वाले प्रस्तावित समझौता ज्ञापन पर नार्वे की ओर से दिए गए सुझावों का परीक्षण किया और टिप्पणियां दी। (अग्रेतर, नवंबर, 2019 में समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन के लिए प्रारूप कार्य योजना को साझा किया।)

अक्टूबर 2019 में भारत यूरोपीय संघ की सामरिक भागीदारी समीक्षा बैठक के लिए इनपुट प्रदान किए।

नवंबर 2019 में फिनलैंड के साथ समझौता ज्ञापन पर

जानकारी प्रदान की।

नवंबर 2019 में फिनिश एक्सपरिमेंट्स विद फेक न्यूज पर जानकारी प्रदान की।

नवंबर 2019 में नॉर्वे के साथ प्रस्तावित समझौता ज्ञापन को नवीनीकृत करने के संबंध में, एमओयू के कार्यान्वयन के लिए एक मसौदा कार्य योजना साझा करी।

दिसंबर 2019 में भारत और बेनेलक्स देशों के बीच हस्ताक्षर किए जाने वाले प्रवासन और गतिशीलता समझौते पर इनपुट प्रदान किए।

जनवरी 2020 में ओईसीडी–भारतीय आर्थिक सर्वेक्षण पर जानकारी तैयार करी।

जनवरी 2020 में भारत–यूके जेडब्ल्यूजी – सेवाओं में व्यापार पर इनपुट तैयार किये।

फरवरी 2020 में भारत–यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 2020 में हस्ताक्षरित भारत–यूरोपीय संघ कनेक्टिविटी साझेदारी पर कार्य दस्तावेज पर जानकारी मुहैया करायी।

भारत में आयोजित अकादमिक सम्मेलनों में भागीदारी और सारांश प्रतिवेदन शिक्षा मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया

31 अक्टूबर, 2019 को आयोजित ''नॉर्डिक–इंडिया हायर एजुकेशन सम्मिट ऑन इंटरनेशनलाइजेशन फॉर इम्प्रूविंग ऐक्सेस, इक्विटी एंड सस्टेनेबिलीटी इन हायर एजुकेशन'' के परिणाम अंतर्विष्ट प्रतिवेदन में अंशदान किया।

गौरव झा

अनुसंधानः प्रलेखन और विश्लेषण

यूआईसी ने मार्च 2020 तक 206 देशों और क्षेत्रों के कंट्री फैक्ट शीट्स को पूरा किया, जिसमें अद्यतन जानकारी थी। प्रति क्षेत्र देशों की संख्या का ब्रेक–अप नीचे दिया गया हैः

अमेरिका – 43 देश

यूरोप – 44 देश

एशिया प्रशांत – 33 देश और 2 क्षेत्र

अन्य एशिया – 30 देश

अफ्रीका – 54 देश

सभी क्षेत्रों (90 से अधिक देशों) की फैक्टशीट का पहला मसौदा – एशिया प्रशांत, अमेरिका, यूरोप, अन्य एशिया और अफ्रीका – आंतरिक समीक्षा के लिए 23 मार्च 2020 को पूरा और प्रस्तुत किया गया।

यूआईसी द्वारा आयोजित सम्मेलन और व्याख्यानः

उच्च शिक्षा में पहुंच, समानता और स्थिरता में सुधार के लिए अंतर्राष्ट्रीयकरण पर पहला नॉर्डिक–भारत उच्च शिक्षा शिखर सम्मेलन, 31 अक्टूबर 2019 भारत में नॉर्डिक सेंटर (NCI) और सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च इन हायर एजुकेशन (CPRHE) के सहयोग से नीपा में 31 अक्टूबर 2019 को नीपा में आयोजित किया गया था। शिखर सम्मेलन नॉर्डिक और भारतीय समकक्षों को एक दूसरे की जरूरतों और ताकत पर चर्चा करने और समझने के लिए एक ही मंच पर लाने की एक पहल है। यह आयोजन भारत और नॉर्डिक देशों के 70 से अधिक शिक्षाविदों और नीति निर्माताओं को एक साथ लाया, जिसमें पांच नॉर्डिक देशों के 33 अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागी शामिल थे।

चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत, 11 नवंबर 2019

11 नवंबर 2019 को नीपा में प्रोफेसर यू कान, एसोसिएट डीन, कॉलेज ऑफ एजुकेशन, झेजियांग विश्वविद्यालय और निदेशक, यूनेस्को एपीईआईडी एसोसिएट सेंटर, झेजियांग विश्वविद्यालय के नेतृत्व में चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत।

यूरोप में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण : प्रमुख रुझान और मुद्दे, 25 नवंबर 2019

''यूरोप में उच्च शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरणः प्रमुख रुझान और मुद्दे'', लियोनार्ड एंगेल (यूरोपियन एसोसिएशन फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन (ईएआईई) के कार्यकारी निदेशक

और डॉ। लौरा ई। रंबली (एसोसिएट डायरेक्टर, नॉलेज डेवलपमेंट एंड रिसर्च, ईएआईईई) द्वारा इंटरएक्टिव सत्र और व्याख्यान।) 25 नवंबर 2019 को नीपा में।

अफ्रीका को भारत की सहायताः उच्च शिक्षा का मामला, 5 फरवरी 2020

''अफ्रीका को भारत की सहायताः उच्च शिक्षा का मामला'', प्रोफेसर केनेथ किंग, अफ्रीकी अध्ययन केंद्र के पूर्व निदेशक और एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय और तुलनात्मक शिक्षा के प्रोफेसर द्वारा 5 फरवरी 2020 को नीपा में व्याख्यान।

यूआईसी प्रकाशन

एन वी वर्गीज, शेरिंग चोंजोम भूटिया, बिनय प्रसाद, ''उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर नॉर्डिक–भारत शिखर सम्मेलन'', सम्मेलन रिपोर्ट, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली, मार्च 2020।

आईसीटी अनुप्रयोग

के. श्रीनिवास

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/सम्मेलन/बैठकों में भागीदारी

24–25 सितंबर, 2019 को तमिलनाडु के मदुरै स्थित रामास्वामी नायडू मेमोरियल कॉलेज द्वारा आयोजित शिक्षण और अधिगम में कृत्रिम बुद्धिमता, मल्टीमीडिया और आईसीटी पर आईसीएसएसआर राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक आमंत्रित अध्यक्ष के रूप में भागीदारी

महत्वपूर्ण परामर्शी एवं सलाहकारी सेवाएं

3 साल के लिए भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT), सोनीपत के सीनेट सदस्य।

सलाहकार (बाह्य), विश्वविद्यालय स्वयम बोर्ड, हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल, उत्तराखंड।

राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र (एनआरसी) के अकादमिक सलाहकार परिषद, यूजीसी–मानव संसाधन विकास केन्द, बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, हरियाणा के शैक्षणिक सलाहकार परिषद के सदस्य (तकनीकी विशेषज्ञ)।

22 अगस्त, 2019 को बाहरी तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में जेएनयू ई–अधिगम कोर कमेटी की बैठक में भागीदारी।

03–04 दिसंबर 2018 को नई दिल्ली में प्रौद्योगिकी–सक्षम अधिगम के लिए सामुदायिक अभ्यास, के कार्यशाला, कॉमनवेल्थ ऑफ लर्निंग (सीओएल) के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

23–24 जनवरी, 2020 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के लिए प्रोजेक्ट लाइटहाउस की पाठ्यचर्या विकास समिति के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

सार्वजनिक निकायों को शैक्षणिक सहायता

3 अप्रैल, 2019 को लेडी डॉक कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडु द्वारा आयोजित अकादमिक परिषद की बैठक में भागीदारी।

12 अप्रैल, 2019 को राष्ट्रीय संसाधन केंद्र – गृह विज्ञान, जम्मू विश्वविद्यालय की अकादमिक सलाहकार परिषद की बैठक में भागीदारी।

15 अप्रैल, 2019 को गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), की परामर्शदात्री समिति की बैठक में भागीदारी।

मई 2012–2019 तक स्कूली शिक्षा (एसओई), गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर की अनुसंधान सलाहकार समिति में भागीदारी।

17 अगस्त, 2019 को हैदराबाद में शिक्षण में वार्षिक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (अरपित) की समीक्षा समिति की बैठक में भागीदारी।

25 जनवरी, 2020 को एसआरएम विश्वविद्यालय, सोनीपत के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के अकादमिक लेखा परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में दिन भर की शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन।

29 फरवरी, 2020 को एनसीईआरटी–मूक हैल्प की चौथी शैक्षणिक सलाहकार परिषद (एएसी) की बैठक में सदस्य के रूप में भागीदारी।

नीपा के बाहर व्याख्यान दिये

1 अप्रैल, 2019 को मूक पाठ्यक्रम पर संकाय अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड, रांची द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा 4–5 अप्रैल, 2019 को मूक पर संकाय सदस्यों को दिशा–निर्देश करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया।

19–21 अप्रैल, 2019 तक तीन दिनों के लिए वि.अ.आ. –मा.सं.वि. केन्द, हैदराबाद विश्वविद्यालय, तेलंगाना द्वारा मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और निष्पादन पर नई भर्ती संकाय अधिष्ठापन कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

26–27 अप्रैल, 2019 को एसआरएम विश्वविद्यालय दिल्ली–एनसीआर, सोनीपत (हरियाणा) में राष्ट्रीय सम्मेलन ''टाइम'' के लिए एक मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित।

29–30 अप्रैल, 2019, को कोयम्बटूर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीआईटी), तमिलनाडु, द्वारा दो दिवसीय मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

02–04 मई, 2019, तक लेडी इरविन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा तीन दिवसीय मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के संचालन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

10–12 मई, 2019 के दौरान आईआईआईटी कुरनूल, आंध्र प्रदेश द्वारा तीन दिवसीय मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय क्षमता निर्माण कार्यक्रम के संचालन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27–29 मई, 2019 के दौरान मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एनआईटीटीआर चेन्नई में आयोजित स्वयम–सीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

3 जून 2019 को विदेशी सेवा संस्थान (एफएसआई), नई दिल्ली द्वारा मूक शिक्षण पर एक दिवसीय कार्यशाला के आयोजन के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

19 जून, 2019 को वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) भोपाल द्वारा मूक पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

29–31 जुलाई, 2019 तक स्ट्राइड द्वारा आयोजित मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय विकास कार्यक्रम में एक संसाधन के रूप में आमंत्रित।

26–27 जून 2019 को केंद्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार, गया द्वारा मूक पाठ्यक्रम के विकास और वितरण पर दो दिवसीय एफडीपी आयोजित करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

12–13 जुलाई, 2019 को शिक्षक शिक्षा अंतर विश्वविद्यालय केन्द्र (आईयूसीटीई), शिक्षा विभाग (सीएएसई, आईएएसई), शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा के अंतर्गत पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक और प्रशिक्षक शिक्षण मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी) के तहत संकाय प्रेरण कार्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

29–30 जुलाई, 2019 को स्ट्राइड, इग्नू द्वारा तीन दिवसीय मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए रिसोर्स पर्सन के रूप में आमंत्रित।

19–20 अगस्त, 2019 को मूक पाठ्यक्रम पर एफडीपी के संचालन के लिए पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर द्वारा संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 अगस्त, 2019 को फ्लिप्ड अधिगम पर शिक्षकों को संबोधन के लिए दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), नई दिल्ली द्वारा एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

26–28 अगस्त, 2019 तक मिजोरम विश्वविद्यालय द्वारा तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर आयोजित कार्यक्रम के संचालन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

29–31 अगस्त, 2019 के दौरान वसंत कॉलेज, वाराणसी द्वारा तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण के संचालन में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

05–06 सितंबर, 2019, करीमगंज कॉलेज, करीमगंज, असम द्वारा दो दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर आयोजित कार्यक्रम के संचालन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

11–13 सितम्बर, 2019 के दौरान मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एनआईटीटीआर चेन्नई में आयोजित स्वयम–सीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

27–29 सितंबर, 2019 तक कीन कॉलेज, शिलांग द्वारा तीन दिवसीय मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय विकास कार्यक्रम के संचालन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

3–5 अक्टूबर, 2019 के दौरान स्ट्राइड, इग्नू द्वारा तीन दिवसीय मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर संकाय विकास कार्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

11 अक्टूबर, 2019 को इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मूक पाठ्यक्रमों पर एक दिवसीय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

04–06 नवंबर, 2019 के दौरान मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एनआईटीटीआर चण्डीगढ़ में आयोजित स्वयम–सीसी प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

02–04 दिसंबर, 2019 तक एमजेएस और आरवीआर कॉलेज, मल्कीपुरम, आंध्र प्रदेश द्वारा तीन दिवसीय के संकाय विकास कार्यक्रम पर मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण के संचालन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

09–11 दिसंबर, 2019 तक पटना विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर द्वारा तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम पर मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण के संचालन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित

13 दिसंबर, 2019 को बनस्थली विद्यापीठ, जयपुर द्वारा आयोजित मूक पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

20 दिसंबर, 2019 को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) द्वारा झारखंड विश्वविद्यालय के केन्द्रीय विश्वविद्यालय में पूर्वी क्षेत्र के कुलपतियों की बैठक को संबोधित करने के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी सक्षम शिक्षण और अधिगमः मुद्दे और चुनौतियाँ तथा उच्च शिक्षा में ई–अभिशासन'' पर 25 दिसंबर 2019 को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार के सहयोग से ''लीडरशिप फॉर एकेडमिशियन प्रोग्राम (लीप)'' पर एएमयू–लीप तीन सप्ताह के कार्यक्रम (भारत में दो सप्ताह और विदेश में एक सप्ताह) में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए चार सत्रों पर व्याख्यान।

02 जनवरी, 2020 को गांधीनगर कॉलेज, जम्मू द्वारा मूक पाठ्यक्रम पर एक दिवसीय कार्यशाला के आयोजन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

03 जनवरी, 2020 को केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू द्वारा मूक पाठ्यक्रमों पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

करने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

09–11 जनवरी, 2020 को गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा आयोजित मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

22 जनवरी, 2020 को आईआईआईटी त्रिचनापल्ली, तमिलनाडु द्वारा संचालित मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर अभिविन्यास कार्यक्रम में भाग लेने वाले संकाय के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन स्काइप अभिभाषण दिया।

27–29 जनवरी, 2020 को गीतम यूनिवर्सिटी, विशाखापत्तनम द्वारा आयोजित मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर तीन दिवसीय संकाय विकास कार्यशाला के संचालन के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

19 फरवरी, 2020 को भारतीय विधि संस्थान (आईएलआई) नई दिल्ली के संकाय सदस्यों के लिए आयोजित पूर्ण दिवस का सत्र लिया।

24–25 फरवरी, 2020 को यूजीसी – मानव संसाधन विकास केंद्र, केरल विश्वविद्यालय, करियावट्टोम में आर नेटवर्क का उपयोग और खोजपूर्ण डेटा विश्लेषण में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

28 फरवरी, 2020 (शुक्रवार) को एम.पी. भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा संदीपनी हॉल, राजभवन, भोपाल में आयोजित नियमित/मुक्त विश्वविद्यालयों के लिए ''ओईआर'' और मूक पाठ्यक्रम के निर्माण/मूक पाठ्यक्रमों की उपयोगिता पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

02–04 मार्च, 2020 के दौरान संजीवनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, कोपरगाँव द्वारा मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर आयोजित तीन दिवसीय कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

9 और 10 मार्च, 2020 को यूजीसी – मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में मूक पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

14–15 मार्च, 2020 को यूजीसी – मानव संसाधन विकास केंद्र, उत्कल यूनिवर्सिटी में आईसीटी पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

30–31 मार्च, 2020 को एम.एस. यूनिवर्सिटी विधि संकाय के लिए ऑनलाइन संकाय उन्मुखीकरण के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/आयोजित/संचालित

08–13 जुलाई, 2019 तक नीपा, नई दिल्ली में स्वयम प्लेटफॉर्म के माध्यम से मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम।

05–11 अगस्त, 2019 तक नीपा, नई दिल्ली में स्वयम प्लेटफॉर्म के माध्यम से मूक पाठ्यक्रम की रूपरेखा, विकास और वितरण पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम।

25–30 नवंबर, 2019 तक नीपा, नई दिल्ली में मूक्स और अकादमिक तथा अनुसंधान पुस्तकालयों में आईसीटी के अनुप्रयोग पर 6 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम।

प्रशिक्षण सामग्री और पाठ्यक्रम विकसित और निष्पादित

चार वृत्तखंडीय दृष्टिकोण में प्रशिक्षण सामग्री तैयार की और प्रोफेसर श्रीनिवास लर्निंग पोर्टल [http://profksrinivas.in] में अपलोड की।

मिश्रित/व्यवस्थित वातावरण में सभी कार्यशालाओं का संचालन किया।

मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के लिए स्क्रीन रिकॉर्डिंग सामग्री विकसित की।

पीएच.डी. मौखिक परीक्षा के परीक्षक

सुश्री बिचित्रा चौधरी, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा ''शिक्षण–अधिगम के बीच माध्यमिक विद्यालय के शिक्षार्थियों पर स्मार्ट कक्षाओं का प्रभाव'' शीर्षक के लिए जून 2019 को पीएच.डी. मौखिक परीक्षा के परीक्षक।

परिशिष्ट

परिशिष्ट-I

नीपा परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2020 के अनुसार)

नीपा परिषद का संघटन

अध्यक्ष

1. केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री — अध्यक्ष
   भारत सरकार

2. प्रो. एन.वी. वर्गीज — उपाध्यक्ष
   कुलपति
   नीपा, नई दिल्ली

पदेन सदस्य

3. सचिव, भारत सरकार — सदस्य
   उच्चतर शिक्षा विभाग,

4. सचिव, भारत सरकार — सदस्य
   स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

5. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग — सदस्य
   नई दिल्ली

6. निदेशक, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान — सदस्य
   और प्रशिक्षण परिषद
   (एनसीईआरटी), नई दिल्ली

7. वित्त सलाहकार — सदस्य
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   भारत सरकार,

तीन प्रख्यात शिक्षाविद्
अध्यक्ष, नीपा परिषद द्वारा नामित

8. प्रो. एच.सी. वर्मा
   भौतिक विभाग
   भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
   कानपुर–208 016

9. प्रो. विनय कुमार पाठक
   कुलपति,
   डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय
   आईईटी कैम्पस, सीतापुर रोड़,
   लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226 021

10. प्रो. मोहम्मद अख्तर सिद्दकी
    प्रोफेसर
    इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज़ इन एजुकेशन
    शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया,
    नई दिल्ली–110 025

नीपा परिषद के अध्यक्ष द्वारा परिक्रमवार राज्य प्रतिनिधि मनोनीत
(पांच क्षेत्रों से एक–एक सदस्य)

11. अपर मुख्य सचिव, (उच्च शिक्षा)
    कर्नाटक सरकार
    रूम नं. 645, छठा तल, एम.एस. भवन,
    बंगलुरू–560 001

12. अपर मुख्य सचिव,
    स्कूली शिक्षा विभाग
    मध्य प्रदेश सरकार
    भोपाल–462 003

13. अपर मुख्य सचिव
    स्कूली शिक्षा विभाग
    हरियाणा सरकार,
    चंडीगढ़

14. मुख्य सचिव,
    शिक्षा विभाग, मेघालय सरकार
    मेघालय सिविल सचिवालय
    माइंतडू भवन, शिलांग–793 001

15. सचिव, (स्कूली शिक्षा)
    झारखण्ड सरकार,
    सचिवालय, रांची
    झारखंड–834 001

नीपा संकाय का एक सदस्य
(अध्यक्ष, नीपा परिषद द्वारा नामित)

16. प्रो. एन.वी. वर्गीज
    अध्यक्ष, सीपीआरएचई, नीपा
    नई दिल्ली–110016

17. कुलसचिव,
    सचिव, नीपा परिषद
    नीपा, 17–बी, श्री अरविंद मार्ग,
    नई दिल्ली–110016

उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के (पीएन I अनुभाग) ने अपने पत्र संख्या 2–7/2016–पीएन–I दिनांक 16 जनवरी, 2020 के माध्यम से यूजीसी विनियम, 2019 के अनुसार नीपा के संशोधित ज्ञापन और नियमों को भेजा है जिसमें कहा गया है कि संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय अब प्रबंधन बोर्ड होगा।

परिशिष्ट-II

प्रबंधन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2020 के अनुसार)

अध्यक्ष

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति, नीपा

2 से 4 अध्यक्ष, नीपा परिषद द्वारा नामित तीन सदस्य

2. प्रो. बी.एल. चौधरी — सदस्य
   पूर्व कुलपति
   मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय,
   उदयपुर

3. प्रो. अमित गर्ग — सदस्य
   प्रोफेसर पब्लिक सिस्टम ग्रुप
   भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद

4. प्रो. रमा मिश्रा — सदस्य
   पूर्व प्रोफेसर
   स्कूल ऑफ एजूकेशन (आईएएसई)
   तक्षशिला कैम्पस, डीएवीवी, इंदौर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक नामिती

5. श्री मदन मोहन — सदस्य
   ए.डी.जी. (आंकड़े) और
   प्रभारी (पी एंड आईसीसी)
   उच्चतर शिक्षा विभाग,
   मानव संसाधन विकास मंत्रालय
   शास्त्री भवन, नई दिल्ली

6. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   विभागाध्यक्ष,
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   विभागाध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

8. डा. आरती श्रीवास्तव — सदस्य
   सह–प्रोफेसर
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

कुलसचिव, नीपा

9. प्रो. कुमार सुरेश — सचिव
   कुलसचिव (प्रभारी)

परिशिष्ट-III

वित्त समिति के सदस्य

(31 मार्च, 2020 के अनुसार)

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज, अध्यक्ष – पदेन
   कुलपति,
   नीपा,
   नई दिल्ली–110 016

अध्यक्ष, नीपा परिषद द्वारा नामित

2. श्री योगेश गौतम
   चार्टर्ड एकाउंटेंट
   जयपुर–302 001

3. श्री महावीर अग्रवाल
   (चार्टर्ड एकाउंटेंट)
   वरिष्ट अध्यक्ष, येस बैंक
   मुंबई–400 101

कुलपति द्वारा नामित एक सदस्य

4. श्री इंद्रपाल सिंह
   आई.ए. एंड ए.एस. (सेवानिवृत्त)
   भारत के नियंत्रक तथा महालेखा
   नियंत्रक तथा महालेखा कार्यालय, नई दिल्ली

मा.सं.वि. मंत्रालय के प्रतिनिधि

4. सुश्री दर्शना एम. डबराल
   वित्तीय सलाहकार
   मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार
   शास्त्री भवन,
   नई दिल्ली–110 001

अन्य सदस्य

5. कुलसचिव, — विशेष आमंत्रिती
   नीपा,
   नई दिल्ली–110 016

6. सुश्री पूजा सिंह — सचिव
   वित्त अधिकारी (प्रभारी)
   नीपा,
   नई दिल्ली–110 016

परिशिष्ट-IV

अकादमिक परिषद के सदस्य

(31 मार्च, 2020 के अनुसार)

1.	प्रो. एन.वी. वर्गीज कुलपति, नीपा, नई दिल्ली	अध्यक्ष	
	2 से 4 ऐसे तीन प्रख्यात शिक्षाविद् जो नीपा के कार्यकलापों से जुड़े हुए हों और संस्थान की सेवा में न हों)	सदस्य	अध्यक्ष द्वारा नामित
2.	प्रो. अरविंद तिवारी डीन, स्कूल ऑफ लॉ, राइट एंड कंस्टीट्यूशनल गर्वनेंस टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशियल साइंस (टिस्स) मुंबई	सदस्य	
3.	प्रो. एच.सी. वर्मा प्रोफेसर, भौतिकी विभाग आईआईटी, कानपुर	सदस्य	
4.	प्रो. कैलाश सोदानी कुलपति, गोविन्द गुरू जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा, राजस्थान	सदस्य	
5.	प्रो. सुधांशु भूषण प्रोफेसर और अध्यक्ष उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	
6.	प्रो. ए.के. सिंह प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक नीति विभाग, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	
7.	प्रो. वीरा गुप्ता प्रोफेसर और कार्यवाहक अध्यक्ष शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण विभाग, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	

8.	प्रो. प्रणति पांडा प्रोफेसर और अध्यक्ष विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, अध्यक्ष, स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	
9.	प्रो. मोना खरे प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक वित्त विभाग, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	
10.	प्रो. के. बिस्वाल प्रोफेसर और अध्यक्ष शैक्षिक योजना विभाग, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	
11.	डा. (श्रीमती) आरती श्रीवास्तव सह–प्रोफेसर उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	कुलपति द्वारा नामित
12.	डा. संगीता अंगोम सहायक प्रोफेसर उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग, नीपा, नई दिल्ली	सदस्य	
13.	प्रो. फुरकॉन कमर महासचिव, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, एआईयू हाउस, 16, कामरेड इन्द्रजीत गुप्ता मार्ग (कोटला मार्ग), नई दिल्ली	आमंत्रिति	(विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित)
14.	प्रो. अतुल सरमा अध्यक्ष, ओकेडीआईएससीडी, गोहाटी 264, रामा अपार्टमेंट, सैक्टर–11, पॉकेट–2, द्वारका, नई दिल्ली	विशेष आमंत्रिति	(विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित)
15.	प्रो. सुदर्शन अय्यंगर प्लाट नं. 3, आर्क कैम्पस, नगरिया, ओजरपाडा रोड, धरमपुर, जिला वलसाड, गुजरात	विशेष आमंत्रिति	(विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित)
16.	प्रो. के. श्रीनिवास अध्यक्ष, आईटी एंड पीएमयू, नीपा, नई दिल्ली	विशेष आमंत्रिति	
17.	डा. सुनीता चुघ सह–प्रोफेसर, एनसीएसएल, नीपा, नई दिल्ली	विशेष आमंत्रिति	
18.	डा. निधि एस. सभरवाल सह–प्रोफेसर, सीपीआरएचई, नीपा, नई दिल्ली	विशेष आमंत्रिति	
19.	डा. शेरिंग चोंजोम भूटिया सलाहकार, अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी), नीपा, नई दिल्ली	विशेष आमंत्रिति	
20.	प्रो. कुमार सुरेश प्रोफेसर एवं अध्यक्ष और कुलसचिव (प्रभारी) नीपा, नई दिल्ली	सदस्य एवं सचिव	

परिशिष्ट-V

अध्ययन बोर्ड के सदस्य

(31 मार्च, 2020 के अनुसार)

1. प्रो. एन.वी. वर्गीज — अध्यक्ष
   कुलपति
   नीपा, नई दिल्ली

2. प्रो. सुधांशु भूषण — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   उच्चतर एवं व्यावसायिक
   शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

3. प्रो. ए.के. सिंह — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक नीति विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

4. प्रो. प्रणति पांडा — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग,
   अध्यक्ष, स्कूल मानक एवं मूल्यांकन एकक
   नीपा, नई दिल्ली

5. प्रो. मोना खरे — सदस्य
   प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
   शैक्षिक वित्त विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

6. प्रो. के. बिस्वाल — सदस्य
   अध्यक्ष
   शैक्षिक योजना विभाग,
   नीपा, नई दिल्ली

7. प्रो. वीरा गुप्ता — सदस्य
   प्रोफेसर एवं कार्यवाहक अध्यक्ष
   शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

8. डा. आरती श्रीवास्वत — सदस्य
   सह–प्रोफेसर
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

9. डा. संगीता अंगोम — सदस्य
   सहायक प्रोफेसर
   उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग
   नीपा, नई दिल्ली

10. प्रो. एच. रामचन्द्रन — सदस्य
    आईसीएसएसआर राष्ट्रीय अध्येता
    सी–1675, पालम विहार, गुड़गांव–122017

11. प्रो. हरजीत कौर भाटिया — सदस्य
अध्यक्ष
शैक्षिक अध्ययन विभाग
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली–110025

12. प्रो. के. श्रीनिवास — विशेष आमंत्रिति
अध्यक्ष, आईटी एवं पीएमयू
नीपा, नई दिल्ली

13. प्रो. विनीता सिरोही — विशेष आमंत्रिति
अध्यक्ष, संचालन समिति
नीपा, नई दिल्ली

14. डा. सुनीता चुघ — विशेष आमंत्रिति
सह–प्रोफेसर, राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केन्द्र
नीपा, नई दिल्ली

15. डा. निधि एस. सभरवाल — विशेष आमंत्रिति
सह–प्रोफेसर
सीपीआरएचई
नीपा, नई दिल्ली

16. डा. शेरिंग चोंजोम भूटिया — विशेष आमंत्रिति
सलाहकार,
अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग एकक (यूआईसी),
नीपा, नई दिल्ली

17. प्रो. कुमार सुरेश — सदस्य
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष और कुलसचिव (प्रभारी)
शैक्षिक प्रशासन विभाग
नीपा, नई दिल्ली

परिशिष्ट-VI

संकाय और प्रशासनिक स्टाफ

(31 मार्च, 2020 के अनुसार)

कुलपति
प्रो. एन.वी. वर्गीज

शैक्षिक योजना विभाग

के. बिस्वाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
पी. गीता रानी, प्रोफेसर
एन.के. मोहंती, सहायक प्रोफेसर
सुमन नेगी, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रशासन विभाग

कुमार सुरेश, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
विनीता सिरोही, प्रोफेसर
मंजू नरूला, सहायक प्रोफेसर
वी. सुचरिता, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक वित्त विभाग

मोना खरे, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वेटुकुरी पी.एस. राजू, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक नीति विभाग

अविनाश के. सिंह, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
मनीषा प्रियम, सह–प्रोफेसर
एस.के. मलिक, सहायक प्रोफेसर
नरेश कुमार, सहायक प्रोफेसर

विद्यालय एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग

प्रणति पांडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रश्मि दिवान, प्रोफेसर
मधुमिता बंद्योपाध्याय, प्रोफेसर
सुनीता चुघ, सह–प्रोफेसर
कश्यपी अवस्थी, सहायक प्रोफेसर

उच्चतर एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग

सुधांशु भूषण, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
अध्यक्ष, राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (एनआरसीई)
आरती श्रीवास्तव, सह–प्रोफेसर
और समन्वयक, राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (एनआरसीई)
नीरू स्नेही, सह–प्रोफेसर
संगीता अंगोम, सहायक प्रोफेसर

शैक्षिक प्रबंधन सूचना प्रणाली विभाग

शैक्षिक प्रशिक्षण एवं क्षमता विकास विभाग

बी.के. पांडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
वीरा गुप्ता, कार्यवाहक अध्यक्ष एवं प्रोफेसर
सविता कौशल, सहायक प्रोफेसर
मोना सेदवाल, सहायक प्रोफेसर

कंप्यूटर केंद्र

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

राष्ट्रीय विद्यालय नेतृत्व केंद्र

रश्मि दीवान, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
सुनीता चुघ, सह–प्रोफेसर
एन. मैथिली, सहायक प्रोफेसर
सुभिथा जी.वी., सहायक प्रोफेसर

राष्ट्रीय उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केंद्र

मोना खरे, प्रोफेसर
निधि सदाना सभरवाल, सह–प्रोफेसर
अनुपम पचौरी, सहायक प्रोफेसर
गरिमा मलिक, सहायक प्रोफेसर
जिणुशा पाणिग्रही, सहायक प्रोफेसर
मलिश सी.एम., सहायक प्रोफेसर
सायंतन मंडल, सहायक प्रोफेसर

स्कूल मानक एवं मूल्याकन एकक

प्रणति पंडा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
रश्मिता दास स्वैन, सह–प्रोफेसर
ए.एन. रेड्डी, सहायक प्रोफेसर

परियोजना प्रबंधन एकक

के. श्रीनिवास, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

मौलाना अबुल कलाम आज़ाद पीठ

प्रशासनिक और अकादमिक सहयोग

कुलसचिव (प्रभारी)
प्रो. कुमार सुरेश

सामान्य और कार्मिक प्रशासन

जी. वीराबाहू, प्रशासनिक अधिकारी (लियन पर)
नरेश कुमार, प्रशासनिक अधिकारी (प्रभारी)
सोनम आनंद सागर, अनुभाग अधिकारी (कार्मिक) (तदर्थ)
कमल कुमार गुप्ता, अनुभाग अधिकारी (सा.प्र.) (तदर्थ) (25.04.2019 तक)
चंद्र प्रकाश, अनुभाग अधिकारी (सा.प्र.) (8.5.2019 से)

अकादमिक प्रशासन

पी.पी. सक्सेना, अनुभाग अधिकारी

वित्त और लेखा

राजीव वर्मा, वित्त अधिकारी (24.10.2019 तक)
पूजा सिंह, वित्त अधिकारी (प्रभारी) (25.10.2019 से)

प्रशिक्षण कक्ष

जय प्रकाश धामी, अनुभाग अधिकारी

प्रकाशन एकक

प्रमोद रावत, उप प्रकाशन अधिकारी

हिंदी कक्ष

सुभाष सी. शर्मा, हिंदी संपादक (31.12.2019 तक)

पुस्तकालय/प्रलेखन केंद्र

पूजा सिंह, पुस्तकालयाध्यक्षा
डी.एस. ठाकुर, प्रलेखन अधिकारी

कंप्यूटर केंद्र

के. श्रीनिवास, अध्यक्ष
चन्द्रा कुमार एम. जे, सिस्टम एनालिस्ट

हॉस्टल

सुभाष सी. शर्मा, सहायक हॉस्टल वार्डन (31.12.2019 तक)
वी.पी.एस. राजू, हॉस्टल वार्डन (20.03.2020 से)
कश्यपी अवस्थी, सहायक हॉस्टल वार्डन

वार्षिक लेखा
2019-20

VII

तुलन पत्र

31 मार्च 2020 तक

(राशि ₹ में)

निधि के स्रोत / देयताएं	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
पूंजीकृत निधि	1	(15,37,32,539)	(13,93,71,066)
मौजूदा देनदारियां एवं प्रावधान	2	62,24,60,551	51,69,43,245
योग		46,87,28,012	37,75,72,179
स्थायी परिसंपत्तियां	3	19,44,72,690	18,39,04,578
अचल संपत्तियां – योजनेतर			
अचल संपत्तियां – गैर योजनेतर			
अचल संपत्तियां – अमूर्त आस्तियाँ			
अचल संपत्तियां – पेटेंट और कॉपीराइट्स			
अचल संपत्तियां – अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं)			
चालू परिसंपत्तियां	4	18,86,41,543	13,34,48,678
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशियां	5	8,56,13,779	6,02,18,923
योग		46,87,28,012	37,75,72,179
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	15		
आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियां	16		

ह./–	ह./–	ह./–
(पूजा सिंह)	**(कुमार सुरेश)**	**(एन.वी. वर्गीज)**
वित्त अधिकारी (प्रभारी)	कुलसचिव (प्रभारी)	कुलपति

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2020 तक

(राशि ₹ में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. आय			
शैक्षणिक प्राप्तियां	6	8,25,760	5,07,240
अनुदान/सब्सिडी	7	38,93,83,450	36,45,02,884
अर्जित ब्याज	8	18,30,212	8,43,411
अन्य आय	9	36,59,277	21,18,348
योग (अ)		39,56,98,699	36,79,71,883
ब. व्यय			
कर्मचारियों को भुगतान और लाभ (स्थापना व्यय)	10	27,81,22,709	24,77,94,142
अकादमिक व्यय	11	7,71,04,082	6,48,26,152
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	12	3,79,48,173	3,26,98,661
परिवहन व्यय	13	9,36,637	10,00,036
मरम्मत एवं रखरखाव	14	1,66,68,157	1,81,83,893
मूल्यह्रास	3	1,40,81,559	1,27,70,302
योग (ब)		**42,48,61,317**	**37,72,73,186**
पूंजी निधि में हो रहे अधिशेष/(घाटा)		**(2,91,62,618)**	**(93,01,303)**

ह./–	ह./–	ह./–
(पूजा सिंह)	**(कुमार सुरेश)**	**(एन.वी. वर्गीज)**
वित्त अधिकारी (प्रभारी)	कुलसचिव (प्रभारी)	कुलपति

अनुसूची 1 से 5
तुलन पत्र के भाग के रूप में
31 मार्च 2020 तक

अनुसूची 1
कोष/पूंजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	(13,93,71,066)	(13,56,12,801)
जमाः राशि/पूंजी निधि में योगदान	1,47,78,209	55,26,638
जमाः उपहार/दान में प्राप्त आस्तियां	22,936	16,400
जमाः प्रयोजित परियोजना निधि से खरीदी गई आस्तियां	-	-
जमाः आय और व्यय खाते से स्थानांतरित व्यय से अधिक आय	-	-
योग	**(12,45,69,921)**	**(13,00,69,763)**
घटायाः आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा	2,91,62,618	93,01,303
वर्ष के अंत में शेष	**(15,37,32,539)**	**(13,93,71,066)**

अनुसूची 2

मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
अ. वर्तमान देनदारियां		
प्रतिभूति सुरक्षा राशि	10,12,413	8,61,397
पत्रिकाओं की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	1,39,020	2,11,876
बकाया देयता	29,48,773	33,02,327
वेतन देय	1,34,01,775	1,01,86,808
मा.सं.वि.मं. को देय ब्याज	-	14,91,772
प्रायोजित परियोजना की प्राप्तियां (कुल व्यय)	13,98,94,084	10,90,13,728
अग्रिम में प्राप्त आय (वर्ष 2017–18 का अप्रयुक्त अनुदान)	1,55,74,002	(3,62,10,839)
योग (अ)	**17,29,70,067**	**8,88,57,069**
ब. प्रावधान		
पेंशन	38,82,48,765	36,97,60,729
उपदान	3,96,40,713	3,77,53,060
अवकाश नकदीकरण	2,16,01,006	2,05,72,387
योग (ब)	**44,94,90,484**	**42,80,86,176**
योग (अ+ब)	**62,24,60,551**	**51,69,43,245**

अनुसूची 2(अ)

प्रायोजित परियोजना 2019–20

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	परियोजना का नाम	प्रारंभिक जमा		वर्ष के दौरान प्राप्तियां/वसूली	कुल	वर्ष के दौरान व्यय	जमा शेष	
		निकासी	जमा				निकासी	जमा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	शैक्षिक योजना और प्रशासन में अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा (आईडेपा)	-	77,78,995	67,02,971	1,44,81,966	49,88,092	-	94,93,874
2	डाईस की स्थापना और संचालन (यूनीसेफ) डा. के. बिस्वाल	-	6,98,946	-	6,98,946		-	6,98,946
3	सर्वशिक्षा अभियान पर परियोजना (मा.सं.वि. मंत्रालय)	-	1,07,294	-	1,07,294	-	-	1,07,294
4	14 राज्यों में सर्व शिक्षा अभियान के संदर्भ में स्कूल प्रबंधन तथा पर्यवेक्षण में ग्रा.शि.स./डी.टी.ए./एस.एम.डी.सी./नगरीय निकायों की भूमिका का अध्ययन, एडसिल (प्रो. ए.के. सिंह)	-	5,63,371	-	5,63,371	-	-	5,63,371
5	माध्यमिक शिक्षा सूचना प्रणाली प्रबंधन (सेमिस) मा.सं.वि. मंत्रालय (प्रो. ए.सी. मेहता)	-	5,03,573		5,03,573		-	5,03,573
6	बुरूण्डी, (दक्षिण अफ्रीका) में भारत अफ्रीका शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान	-	23,51,152	-	23,51,152	-	-	23,51,152
7	प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक (एडसिल) डॉ. के. सुजाता	(13,63,560)	-	-	(13,63,560)	-	(13,63,560)	
8	महात्मा गाँधी शान्ति शिक्षा संस्थान (एम.जी. आई.ई.पी.)	-	21,00,000	-	21,00,000	-	-	21,00,000
9	नेतृत्व कार्यक्रम (मा.सं.वि. मंत्रालय) प्रो. रश्मि दिवान	-	14,80,777	3,94,80,000	4,09,60,777	2,27,46,643	-	1,82,14,134
10	नीति अनुसंधान केन्द्र (यूजीसी) (प्रो. एन.वी. वर्गीज)	(4,25,525)	-	-	(4,25,525)	8,58,829	(12,84,354)	

11	प्रशासनिक उपरिव्यय प्रभार / बचत खाता पर ब्याज	-	2,64,97,215	73,67,952	3,38,65,167	18,35,529	-	3,20,29,638
12	विविधता भेदभाव और असमानता निपटान (डा. निधि सदाना – सीपीआरएचई)	-	20,05,865	-	20,05,865	-	-	20,05,865
13	केन्द्रीय योजना कार्यक्रम विद्यालय मानक और मूल्यांकन शिक्षा (प्रो. प्रणति पांडा)	-	75,55,611	11,07,694	86,63,305	-	-	86,63,305
14	शाला सिद्धि (प्रो. प्रणति पांडा)	-	-	47,00,000	47,00,000	92,42,486	(45,42,486)	
15	श्रीलंका कार्यक्रम	-	7,79,234	-	7,79,234	-	-	7,79,234
16	आरएमएसए के अन्तर्गत विद्यालय मानक	-	4,46,564	-	4,46,564	-	-	4,46,564
17	वरिष्ठ अध्येता – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)	-	47,333	-	47,333	-	-	47,333
18	राज्य का राजनीतिक अध्ययन – डॉ. ए. मैथ्यू (आईसीएसएसआर)	-	4,03,254	-	4,03,254	4,72,000	(68,746)	
19	पंडित मदन मोहन मालवीय	-	2,69,72,017	-	2,69,72,017	33,77,262	-	2,35,94,755
20	आईईपीए (विदेश मंत्रालय)	-	5,89,480	15,44,997	21,34,477	17,32,922	-	4,01,555
21	आईआईईपी – यूनेस्को (के. सुजाता)	-	41,56,240		41,56,240		-	41,56,240
22	राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी)		2,27,92,443	1,00,00,000	3,27,92,443	45,59,740		2,82,32,703
23	आईपीईए – म्यांमार	(14,16,334)	-	-	(14,16,334)	8,71,016	(22,87,350)	
24	स्वयम योजना		11,84,365	5,00,000	16,84,365	6,28,394		10,55,971
25	शिक्षकों की भागीदारी – विनीता सिरोही			28,20,000	28,20,000	21,87,148		6,32,852
26	नीति और व्यवहार – गुजरात और राजस्थान			5,95,200	5,95,200	2,68,548		3,26,652
27	लचीली अधिगम की योजना – गरिमा मलिक			68,934	68,934	1,27,610	(58,676)	
28	शिक्षा प्रशिक्षण में मुक्त सरकार – सुनीता चुघ			69,360	69,360	61,395		7,965.00
29	उच्च शिक्षा में ईएसपीआ. ई असमानता – जिणुशा पाणिग्रही			2,10,720	2,10,720	47,789		1,62,931
30	लीप कार्यक्रम	(3,16,947)	-	2,00,70,682	1,97,53,735	1,64,35,558		33,18,177
	योग	**(35,22,366)**	**10,90,13,729**	**9,52,38,510**	**20,07,29,873**	**7,04,40,961**	**(96,05,172)**	**13,98,94,084**

अनुसूची 2 (ख)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त अनुप्रयुक्त अनुदान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
अ. योजना अनुदान मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	(3,62,10,839)	1,53,52,376
जमा: वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	45,59,46,500	31,84,71,500
योग (अ)	**41,97,35,661**	**33,38,23,876**
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	38,93,83,450	36,45,02,884
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	1,47,78,209	55,31,831
योग (ब)	**40,41,61,659**	**37,00,34,715**
अनप्रयुक्त अग्रानीत (अ–ब)	**1,55,74,002**	**(3,62,10,839)**
ब. अनुदान योजनेतर मानव संसाधन विकास मंत्रालय		
शेष राशि अग्रानीत	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्तियां (अनुदान)	-	-
योग (स)	**-**	**-**
घटाकर: राजस्व व्यय के लिए उपयोग	-	-
घटाकर: पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग	-	
योग (द)	**-**	**-**
अनप्रयुक्त अग्रानीत (स–द)	**-**	**-**
महायोग (अ+ब)	**1,55,74,002**	**(3,62,10,839)**

अनुसूची 3

अचल संपत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	आस्तियां शीर्ष	सकल ब्लॉक					वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के लिए मूल्यह्रास			निवल ब्लॉक
		मूल्यह्रास की दर	अथ शेष	परिवर्धन	कटौती	जमा शेष (4+5+6+7-8)	मूल्यह्रास अथ शेष	परिवर्धन पर वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	कटौती/ समायोजन	कुल मूल्यह्रास (10+11-13)	31.03.20 (9-13)
1	2	3	4	5	8	9	10	11	12	13	14
1	भूमि	-	23,07,892	-	-	23,07,892	-	-	-	-	23,07,892
2	भवन	0.02	11,91,79,993	-	-	11,91,79,993	23,83,600	-	-	23,83,600	11,67,96,393
3	कार्यालय उपकरण	0.08	1,03,27,810	99,253	-	1,04,27,063	7,74,586	7,444	-	7,82,030	96,45,033
4	कंप्यूटर और उपकरण	0.20	49,05,477	2,46,596	-	51,52,073	9,81,095	49,319	-	10,30,415	41,21,658
5	फर्नीचर तथा फिक्चर	0.08	63,61,405	-		63,61,405	4,77,105	-	-	4,77,105	58,84,300
6	वाहन	0.10	15,52,638	-		15,52,638	1,55,264	-	-	1,55,264	13,97,374
7	पुस्तकालय पुस्तकें	0.10	80,96,669	7,87,420		88,84,089	8,09,667	78,742	-	8,88,409	79,95,680
8	जर्नल	0.10	2,48,71,993	1,96,72,454	-	4,45,44,447	24,87,199	19,67,245	-	44,54,445	4,00,90,002
	योग (अ)		**17,76,03,877**	**2,08,05,723**	**-**	**19,84,09,600**	**80,68,516**	**21,02,751**	**-**	**1,01,71,268**	**18,82,38,332**
9	कंप्यूटर साफ्टवेयर	0.40	10,05,676	4,25,000	-	14,30,676	4,02,270	1,70,000	-	5,72,270	8,58,406
10	ई–जर्नल	0.40	47,60,557	34,18,948	-	81,79,505	19,04,223	13,67,579	-	32,71,802	49,07,703
	योग (ब)		**57,66,233**	**38,43,948**	**-**	**96,10,181**	**23,06,493**	**15,37,579**	**-**	**38,44,072**	**57,66,109**
11	कंप्यूटर और उपकरण	0.20	2,09,070	-	-	2,09,070	41,814	-	-	41,814	1,67,256
12	फर्नीचर तथा फिक्सचर	0.08	3,25,398	-	-	3,25,398	24,405	-	-	24,405	3,00,993
	योग (स)		5,34,468	-	-	5,34,468	66,219	-	-	66,219	4,68,249
	महायोग (अ+ब+स)		**18,39,04,578**	**2,46,49,671**	**-**	**20,85,54,249**	**1,04,41,228**	**36,40,330**	**-**	**1,40,81,559**	**19,44,72,690**

अनुसूची 4

चालू परिसम्पत्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
	1. स्टॉक		
1.	हस्तगत प्रकाशन	4,36,633	3,81,199
2.	वस्तुसूची	7,81,272	11,14,138
	2. नकदी एवं बैंक बचत		
1.	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) (चालू खाता)	32,559	33,208
2.	बैंक बचत (बचत खाता)	18,73,69,243	13,18,69,212
3.	हस्तगत डाक टिकट	21,836	50,921
	योग	**18,86,41,543**	**13,34,48,678**

अनुसूची 5

ऋण, अग्रिम और जमा

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
	1. कर्मचारियों को अग्रिम (गैर–ब्याज)		
1.	त्यौहार अग्रिम	-	-
	2. कर्मचारियों को दीर्घावधि के लिए अग्रिम (ब्याज)		
1	मोटर कार	-	-
2	कम्प्यूटर अग्रिम	-	-
3	स्कूटर अग्रिम	-	9,000
	3. अग्रिम और नकद मूल्य या वस्तु के रूप में वसूली योग्य अन्य राशियां		
1	पूंजी खाता पर	7,29,42,930	4,34,46,553
2	संकाय/स्टाफ के लिए विविध अग्रिम	11,43,000	25,30,000
3	चिकित्सा अग्रिम	5,25,640	3,87,000
4	एलटीसी अग्रिम	7,10,421	-
5	संकाय को यात्रा भत्ता अग्रिम	5,85,421	3,20,000
	4. पूर्व भुगतान व्यय		
1.	बीमा	2,897	26,774
2.	अन्य व्यय	-	98,48,526
	5. जमा		
1.	एल.पी. गैस	77,348	77,348
2.	जल मीटर	1,650	1,650
3.	विद्युत	17,500	17,500
4.	अन्य	1,800	1,800
	6. प्रोद्भूत आय		
1.	ऋण एवं अग्रिम	-	30,406
	7. अन्य – यूजीसी/प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्य वर्तमान परिसंपत्तियां		
1.	प्रायोजित परियोजनाएं में शेष ऋण	96,05,172	35,22,366
	योग	**8,56,13,779**	**6,02,18,923**

अनुसूची 6

शैक्षणिक प्राप्तियां

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
	छात्रों से शुल्क		
	शैक्षणिक		
1.	छात्र शुल्क	6,17,914	3,19,285
	योग (अ)	6,17,914	3,19,285
	बिक्री		
1.	प्रकाशन बिक्री	1,85,446	1,29,740
2.	प्रास्पैक्टस की बिक्री	22,400	58,215
	योग (ब)	**2,07,846**	**1,87,955**
	महायोग (अ+ब)	**8,25,760**	**5,07,240**

अनुसूची 7

अनुदान/सब्सिडी (प्राप्त अशोध्य अनुदान)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2019-20)	विगत वर्ष (2018-19)
शेष अग्रानीत	(3,62,10,839)	1,53,52,376
जोड़करः वर्ष के दौरान प्राप्तियां	45,59,46,500	31,84,71,500
जोड़करः वर्ष के दौरान अन्य प्राप्तियां	-	-
योग	**41,97,35,661**	**33,38,23,876**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर व्यय (अ)	1,47,78,209	55,31,831
शेष	**40,49,57,452**	**32,82,92,045**
घटाकरः परिसंपत्तियों के प्रयोग पर मुद्रा व्यय (ब)	38,93,83,450	36,45,02,884
शेष स/एफ (स)	**1,55,74,002**	**(3,62,10,839)**

अनुसूची 8

अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
1.	**अनूसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर**		
	अ) योजनेतर	14,61,366	4,88,290
	ब) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि खाता	2,14,358	3,17,328
	स) छात्रावास खाता	26,131	-
	द) केनरा बैंक	1,02,655	-
	य) एनआर खाता	19,214	-
2.	**ऋणों पर**		
	अ. कर्मचारी / स्टाफ (अग्रिमों पर ब्याज)	6,488	37,793
	योग	**18,30,212**	**8,43,411**

अनुसूची 9

अन्य आय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)
	अ. भूमि एवं भवनों से आय		
1.	छात्रावास किराया	17,77,550	7,85,001
2.	लाईसेंस शुल्क	5,91,707	4,14,855
3.	जल प्रभार की वसूली	37,004	24,616
	योग (अ)	**24,06,261**	**12,24,472**
	ब. अन्य		
1	रॉयल्टी से आय	67,786	21,627
2	विविध प्राप्तियां	91,246	1,94,623
3	स्टाफ कार प्रयोग	-	358
4	विभिन्न परियोजनाओं से प्राप्त संस्थागत प्रभार	1,50,000	-
5	बेकार पड़ी वस्तुओं की बिक्री	30,170	87,743
6	निविदा फार्म की बिक्री	9,000	3,500
7	पेंशनरों के लिये चिकित्सा प्रतिपूर्ति प्रवेश शुल्क	3,55,800	2,60,400
8	किराया दरें और कर	90,864	-
9	चिकित्सा योजना के लिए योगदान	3,13,677	3,25,625
10	अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	1,44,473	-
	योग (ब)	**12,53,016**	**8,93,876**
	महायोग (अ+ब)	**36,59,277**	**21,18,348**

अनुसूची 10

कर्मचारियों को भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019-20)		विगत वर्ष (2018-19)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	वेतन और मजदूरी	8,95,69,110	8,95,69,110	7,41,83,651	7,41,83,651
2	बोनस और भत्ते तथा समयोपरि भत्ता	4,47,06,692	4,47,06,692	8,17,13,544	8,17,13,544
3	नई पेंशन योजना में योगदान	45,13,935	45,13,935	18,58,463	18,58,463
4	कर्मचारी कल्याण व्यय (वर्दी)	-	-	2,26,237	2,26,237
5	अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)	15,64,428	15,64,428	59,85,784	59,85,784
6	चिकित्सा भत्ता प्रतिपूर्ति	1,01,96,717	1,01,96,717	87,55,822	87,55,822
7	बाल शिक्षा भत्ता	4,84,650	4,84,650	10,78,019	10,78,019
8	यात्रा भत्ता	68,553	68,553	1,78,322	1,78,322
9	अन्य (सरकारी अंशदान–सीपीएफ + भुगतान किया गया ब्याज)	42,33,892	42,33,892	5,58,192	5,58,192
10	सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभ		-	-	-
a)	पेंशन	10,69,86,864	10,69,86,864	6,21,02,558	6,21,02,558
b)	ग्रेज्युटी	90,41,927	90,41,927	55,59,635	55,59,635
c)	अवकाश नकदीकरण	67,55,941	67,55,941	55,93,915	55,93,915
	योग	**27,81,22,709**	**27,81,22,709**	**24,77,94,142**	**24,77,94,142**

अनुसूची 10 अ

कर्मचारी सेवानिवृत्ति एवं सेवांत लाभ

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अवकाश नकदीकरण	योग
1	01–04–2019 को अथ शेष राशि (अ)	36,97,60,729	3,77,53,060	2,05,72,387	42,80,86,176
2	**घटाकर:** वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ब)	8,84,98,828	71,54,274	57,27,322	10,13,80,424
3	31–03–2020 को उपलब्ध बचत राशि सी (अ–ब)	28,12,61,901	3,05,98,786	1,48,45,065	32,67,05,752
4	वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31–03–2019 को आवश्यक प्रावधान (द)	38,82,48,765	3,96,40,713	2,16,01,006	44,94,90,484
अ.	**चालू वर्ष में किये जाने वाले प्रावधान (द–स)**	**10,69,86,864**	**90,41,927**	**67,55,941**	**12,27,84,732**

अनुसूची 11

शैक्षणिक व्यय (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019-20)		विगत वर्ष (2018-19)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (संकाय के लिए यात्रा भत्ता)	12,02,938	12,02,938	20,67,693	20,67,693
2	क्षेत्र कार्य/सम्मेलन में भागीदारी (भागीदार के लिए यात्रा भत्ता)	63,36,265	63,36,265	86,22,213	86,22,213
3	संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय (शैक्षणिक कार्यक्रमों में व्यय)	31,37,917	31,37,917	49,89,247	49,89,247
4	संकाय के भ्रमण के लिए भुगतान (संसाधन/व्यक्ति को मानदेय)	9,44,267	9,44,267	10,58,110	10,58,110
5	संस्थान के अनुसंधान अध्ययन	3,78,58,549	3,78,58,549	1,96,34,642	1,96,34,642
6	छात्रों को अध्येतावृत्ति (एम.फिल. और पी–एच.डी.)	1,79,06,687	1,79,06,687	1,53,35,143	1,53,35,143
7	छात्रवृत्ति/पुस्तकें व परियोजना अनुदान	7,32,247	7,32,247	7,21,126	7,21,126
8	प्रकाशन व्यय (मुद्रण से प्राप्त)	13,23,493	12,68,059	13,28,778	13,04,892
	(1) जोड़करः पिछले वर्ष का स्टाक	3,81,199		3,57,313	
	(2) घटाकरः हस्तगत वर्तमान पुस्तकों का भण्डार	(4,36,633)		(3,81,199)	
9	सदस्यता के लिए अंशदान	34,340	34,340	17,700	17,700
10	अन्य (फोटोकॉपी प्रभार)	6,60,311	6,60,311	4,45,914	4,45,914
11	गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान	40,64,398	40,64,398	87,56,627	87,56,627
12	एनईआर (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित)	29,58,104	29,58,104	18,72,845	18,72,845
	योग	**7,71,04,082**	**7,71,04,082**	**6,48,26,152**	**6,48,26,152**

अनुसूची 12

प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019-20)		विगत वर्ष (2018-19)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
अ	**आधारभूत संरचना**				
1	विद्युत प्रभार	95,45,650	95,45,650	1,03,01,447	1,03,01,447
2	जल प्रभार	82,87,797	82,87,797	50,41,649	50,41,649
3	किराया, दरें और कर (संपत्ति कर सहित)	-	-	2,95,010	2,95,010
4	सुरक्षा प्रभार	86,47,504	86,47,504	42,41,775	42,41,775
ब	**संचार**		-		
1	डाक तथा तार	6,86,332	6,86,332	5,28,760	5,28,760
2	टेलीफोन, फैक्स एवं इंटरनेट प्रभार	6,68,364	6,68,364	7,62,382	7,62,382
स	**अन्य**		-		
1	स्टेशनरी	21,98,068	21,98,068	14,49,212	14,49,212
2	पोषाहार व्यय	29,96,974	29,96,974	43,86,113	43,86,113
3	लेखा परीक्षा शुल्क	2,46,400	2,46,400	27,910	27,910
4	मजदूरी प्रभार	1,08,336	1,08,336	29,66,903	29,66,903
5	सहालकारी शुल्क	31,46,500	31,46,500	-	-
6	कानूनी प्रभार	39,400	39,400	-	-
10	विज्ञापन प्रभार	8,38,155	8,38,155	13,01,124	13,01,124
11	अखबार प्रभार	3,19,602	3,19,602	1,63,455	1,63,455
12	अन्य (पाठ्यक्रम शुल्क / प्रशिक्षण)	10,400	10,400	-	-
13	विविध व्यय	2,02,350	2,02,350	6,14,569	6,14,569
14	प्रशासनिक व्यय	-	-	5,97,952	5,97,952
15	प्रभार (अन्य खाते)	6,341	6,341	20,400	20,400
	योग	**3,79,48,173**	**3,79,48,173**	**3,26,98,661**	**3,26,98,661**

अनुसूची 13

परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019-20)		विगत वर्ष (2018-19)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	**स्टाफ कार**				
	क) स्टाफ कार का रखरखाव	1,25,524	1,25,524	2,79,446	2,79,446
	ख) बीमा	67,307	67,307	67,035	67,035
	ग) पेट्रोल तेल एवं स्नेहक	2,33,311	2,33,311	2,98,277	2,98,277
2	वाहन टैक्सी के किराए का खर्च	5,10,495	5,10,495	3,55,278	3,55,278
	योग	**9,36,637**	**9,36,637**	**10,00,036**	**10,00,036**

अनुसूची 14

मरम्मत एवं रखरखाव

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	विवरण	चालू वर्ष (2019-20)		विगत वर्ष (2018-19)	
		आवर्ती	राशि	आवर्ती	राशि
1	भवन का रख–रखाव	8,78,229	29,88,339	72,83,899	72,83,899
2	संपदा रखरखाव इलेक्ट्रिकल (एआरएमओ)	21,10,110		-	
3	फर्नीचर तथा फिक्सचर का रख–रखाव	88,718	88,718	2,02,193	2,02,193
4	कार्यालय उपकरणों का रखरखाव	44,37,227	44,37,227	34,65,882	34,65,882
5	गृह व्यवस्था सेवाएं	91,53,873	91,53,873	72,28,627	72,28,627
6	बागवानी	-	-	3,292	3,292
	योग	**1,66,68,157**	**1,66,68,157**	**1,81,83,893**	**1,81,83,893**

अनुसूची 15

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. लेखा निर्माण के आधार

1.1 जब तक कि विधि का उल्लेख न किया जाए और सामान्यतया आमतौर पर कहा गया है कि लेखे ऐतिहासिक लागत परिपाटी के अंतर्गत लेखांकन के प्रोदभूत विधि पर तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यता

2.1 विद्यार्थियों से शुल्क, निविदा प्रपत्रों की बिक्री, प्रवेश फार्म की बिक्री, बचत बैंक खाते पर रॉयल्टी और ब्याज नकद आधार पर लेखांकन किए जाते हैं।

2.2 छात्रावास किराया से आय नकदी आधार पर लेखांकन किया जाता है।

2.3 हालांकि ब्याज की वास्तविक वसूली मूलधन की पूरी अदायगी के बाद शुरू होता है, गृह निर्माण पेशगी, वाहन और कंप्यूटर की खरीद के लिए कर्मचारियों को ब्याज सहित अग्रिम की वसूली प्रोद्भूत आधार पर की जाती है।

3. अचल परिसंपत्तियां और मूल्यह्रास

3.1 अचल संपत्ति भाड़ा, शुल्कों और करों और अधिग्रहण स्थापना और परिचालन से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च आवक सहित अधिग्रहण की लागत से निर्धारित किया जाता है।

3.2 उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों पर मुद्रित बिक्री मूल्य को मूल्यवान माना जाता है। उपहार में प्राप्त जिन पुस्तकों मे मूल्य पुस्तक में मुद्रित नहीं होते, उनका मूल्यांकन के आधार पर मूल्य निर्धारित किया जाता है। उन्हें पूंजी कोष में जमा करके संस्था की अचल संपत्ति के साथ विलय कर लिया जाता है। मूल्यह्रास संबंधित परिसंपत्तियों की लागू दरों पर निर्धारित किया जाता है।

3.3 अचल परिसंपत्ति का मूल्यांकन मूल्यह्रास में घटाकर निकाला जाता है। अचल परिसंपत्तियों का अवमूल्यन निम्नलिखित दरों के अनुसार सीधे तौर पर किया जाता है।

1	भवन	2%
2	कार्यालय उपकरण	7.5%
3	कंप्यूटर और अन्य सहायक सामग्री	20%
4	फर्नीचर फिक्चर और फिटिंग्स	7.5%
5	वाहन	10%
6	पुस्तकालय में पुस्तकें	10%
7	जर्नल्स	10%
8	ई–जर्नल	40%
9	कंप्यूटर सॉफ़्टवेयर	40%

3.4 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है। समीक्षाधीन वर्ष के अन्तर्गत वर्ष के लिये जमा पर मूल्यह्रास स्वायत संगठनों के लिये पसंदीदा विद्धि है। इसके अतिरिक्त संपत्तियों का संग्रह पूरे वर्ष के लिए रहा, इससे मूल्यह्रास बराबर रहा।

3.5 जहां एक परिसंपत्ति जिसका पूर्णतः मूल्यह्रास हो चुका हो इसे तुलन पत्र में रु. 1 की एक अवशिष्ट मूल्य पर अंकन किया जाएगा और आगे उसका पुनः मूल्यह्रास नहीं किया जाएगा। इसके बाद, मूल्यह्रास के परिवर्धन पर लागू मूल्यह्रास की दर से गणना की गई।

3.6 इलेक्ट्रानिक पत्रिकाओं (ई–जर्नल्स) पर व्यय की अधिकता को देखते हुए लाइब्रेरी में इसे पुस्तकों से अलग किया गया है। पुस्तकालय की पुस्तकों के संबंध में उपलब्ध कराए गए 10 प्रतिशत के अवमूल्यन के सापेक्ष 40 प्रतिशत की एक उच्च दर पर ई–जर्नल्स के संबंध में मूल्यह्रास प्रदान किया गया।

3.7 कंप्यूटर और सहायक सामग्री को अर्जित सॉफ्टवेयर के व्यय से अलग किया गया है क्योंकि यह कोई ठोस वस्तु नहीं होती और इसकी लुप्तशीलता की दर अपेक्षाकृत उच्च होती है। उच्च स्तर के सॉफ्टवेयर का अवमूल्यन दर 40 प्रतिशत है जबकि कंप्यूटर और सहायक सामग्री का अवमूल्यन दर 20 प्रतिशत है।

4. स्टॉक

4.1 31 मार्च को समाप्त वित्तीय वर्ष के आधार पर स्टॉक की मूल्य सूची के अनुसार स्टेशनरी, प्रकाशन और अन्य स्टॉक की खरीद को राजस्व व्यय के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। जबकि सामान्य प्रशासन अनुभाग से प्राप्त जानकारी से वस्तु सूची के अनुसार राजस्व व्यय को कम करके शेष स्टॉक का मूल्य अंकन किया जाता है।

5. सेवानिवृत्त लाभ

5.1 सेवानिवृत्त लाभ यानी, पेंशन, ग्रेच्युटी लाभ और अवकाश नकदीकरण पिछले वर्ष के लेखा खातों के वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। इसलिए इस वर्ष वर्तमान प्रावधान की गणना पिछले वर्ष के मूल्यांकन का 5 प्रतिशत बढ़ाकर की गई।

5.2 संस्थान के जो कर्मचारी अन्य नियोक्ता संस्थानों से आये हैं और जिन्हें संस्थान में समाहित कर लिया गया है, उनके नियोक्ता संस्थानों से प्राप्त पेंशन और ग्रेच्यूटी लाभ पूंजीकृत मूल्य के रूप में पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण का वास्तविक भुगतान संबंधित प्रावधानों के खातों में डेबिट कर रहे हैं। अन्य सेवानिवृत्ति लाभ अर्थात् नई पेंशन योजना, सेवानिवृत्ति पर गृह नगर के लिए यात्रा बिल, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति, (वर्ष के अंत में वास्तविक भुगतान सह बकाया बिल) प्रोद्भूत रूप में लेखांकित किया गया है।

6. सरकारी और यू.जी.सी. अनुदान

6.1 सरकारी अनुदान और यू.जी.सी. अनुदान प्राप्ति के आधार पर लेखांकित किया गया है।

6.2 पूंजीगत व्यय की दिशा में प्रयुक्त सरकारी अनुदान पूंजीगत निधि में स्थानांतरित किया जाता है।

6.3 राजस्व व्यय (वास्तविक आधार पर) को पूरा करने के लिए प्राप्त सरकारी अनुदान को प्रयुक्त मानकर उसे उस वर्ष की आय के रूप में लिया गया है जिसमें वह प्राप्त हुआ है।

6.4 अनुप्रयुक्त अनुदान (इस तरह के अनुदान का भुगतान अग्रिमों सहित) को आगामी वर्ष में लिया गया है और उसे तुलनपत्र में देयताएं के रूप में प्रस्तुत किया गया।

7. पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

7.1 पी–एच.डी. और एम.फिल. के छात्रों को छात्रवृत्ति मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग) द्वारा प्रदान किए गए योजना अनुदान से भुगतान की जा रही हैं और इसे संस्थान के शैक्षणिक खर्च के रूप में लेखांकित किया जाता है।

8. चिकित्सा अंशदान

8.1 चिकित्सा अंशदान नीपा की चिकित्सा योजना के अनुसार योजनेतर खाते में जमा किया जाता है। चिकित्सा प्रतिपूर्ति गैर–योजना खाते से भुगतान किया जाता है।

9. गैर सरकारी संगठनों को अनुदान

9.1 समान उद्देश्य वाले गैर–सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता अनुदान योजना के खाते के अंतर्गत व्यय के रूप में लेखांकित की जा रही है।

10. अनुपयोगी वस्तुओं की बिक्री

10.1 सेवा में प्रयुक्त न होने वाली और पुरानी वस्तुओं की बिक्री से प्राप्त आय को ''अन्य आय'' में दर्शाया जाता है, क्योंकि बेकार वस्तुओं के मूल्य का पहले ही पूर्ण अवमूल्यन हो जाता है।

11. प्रायोजित परियोजनाएं

11.1 पहले से जारी प्रायोजित परियोजनाओं के संदर्भ में, प्रायोजकों से प्राप्त धनराशि ''चल रही परियोजनाओं की मौजूदा देनदारियों और प्रावधान–मौजूदा देनदारियों–अन्य देयताएं–प्राप्तियां'' के रूप में जमा की जाती है और ऐसी परियोजनाओं के भुगतान हेतु व्यय/अग्रिम, या संबंधित परियोजना खाते के लिए आवंटित अतिरिक्त व्यय देनदार खाता से डेबिट किया जाता है।

11.2 वार्षिक लेखा 2018–19 की अनुसूची 2(ए) में कुछ परियोजनाओं की प्राप्तियां और भुगतान और उन पर अर्जित ब्याज गलत अंकित किया गया था। जिन्हें चालू वर्ष के वार्षिक लेखे तैयार करने में संशोधन किया गया है।

12. लेखापरीक्षा टिप्पणियों के अनुसार, अनुसूची 13 को वार्षिक खातों में जोड़ा गया है और अचल संपत्तियों में परिवर्तन अनुसूची 4 को अचल संपत्तियों के उप–विभाजन अमूर्त संपत्ति, लाइसेंस और कॉपीराइट, अन्य (प्रायोजित परियोजनाएं) में वर्गीकृत करने के लिए किया गया है।

अनुसूची 16

आकस्मिक देयताएं और लेखा पर टिप्पणियाँ

1. अचल संपत्तियां

1.1 अचल संपत्तियां केवल योजना अनुदान से खरीदी गई है, अनुसूची 3 में वर्ष के दौरान संबंधित अचल संपत्तियों में योजना निधि (₹2,46,49,671), और लाइब्रेरी में किताबें और संस्थान को तोहफे के मूल्य (₹22,936), की अन्य सपत्तियाँ शामिल की गई हैं। आस्तियां कैपिटल फंड में जमा करके स्थापित की गई हैं।

1.2 31.03.2020 के तुलन–पत्र और पहले के वर्षों के तुलन–पत्र में साफ तौर पर योजना के धन से बनाई गई अचल आस्तियों और योजना निधि तथा अन्य निधि से बनाई गई अचल आस्तियों को अलग–अलग प्रदर्शित नहीं किया गया है। योजना और गैर–योजना निधि से वर्ष 01.04.2019 से 31.03.2020 तक सवंर्धित और उन परिवर्धनों पर संबंधित अवमूल्यन को अलग रूप में प्रदर्शित किया गया है (अनुसूची–3)।

2. मौजूदा देनदारियां और प्रावधान

2.1 व्यय जो 31 मार्च, 2020 को देय थे जिनका भुगतान नहीं किया गया को बकाया देयता और वेतन देय के रूप में प्रदान किया गया है।

2.2 आयकर अधिनियम 1961 के तहत कोई कर योग्य आय न होने की स्थिति में, आयकर के लिए कोई प्रावधान आवश्यक नहीं माना गया है।

2.3 कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभों के प्रावधानों के प्रति देयताएं संचित अवकाश के नकदीकरण के एवज में एकमुश्त भुगतान के प्रति प्रावधान और पिछले साल के अनुमान के आधार पर निर्धारित थे। इस साल, 31.03.2020 की स्थिति के अनुसार वास्तविक मूल्यांकन किया गया था और पहले किए गए प्रावधानों में पिछले सालों को कवर करने के लिए, पूर्व की अवधि 2019–20 के व्यय का भुगतान किया गया था। वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर 31.03.2020 को और 2019–20 में किए गए भुगतान और शुद्ध प्रावधानों को आगे 2019–20 के प्रावधानों के लिए आय भुगतान और व्यय खाता द्वारा वर्ष 2019–20 के खातों में भुगतान किए गए थे।

3. मौजूदा परिसंपत्तियाँ, ऋण, अग्रिम और जमा

3.1 संस्थान की राय में मौजूदा परिसंपत्तियों, ऋण, अग्रिम और जमाओं पर आमतौर पर कम से कम तुलन–पत्र में दिखायी गयी कुल राशि के बराबर मूल्य है।

4. भविष्य निधि खाता

4.1 सरकार से संबंधित निर्देश के अनुसार भविष्य निधि खाते के रूप में संस्थान द्वारा उन निधियों को सदस्यों के स्वामित्व में प्रस्तुत किया गया हैं, संस्थान के खाते से भविष्य निधि खाते को अलग किया जाता है। हालांकि प्राप्ति और भुगतान खाता (उपचय के आधार पर), आय और व्यय खाता और भविष्य निधि खाते का तुलन–पत्र संस्थान के वार्षिक लेखा में संलग्न है।

5. नई पेंशन योजना खाता

5.1 नई पेंशन योजना के तहत सभी कर्मचारियों को पीआरए सं. प्राप्त है। नियोक्ता और कर्मचारी अंशदान नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजटरी लि. (एनएसडीएल) में सेंट्रल रिकॉर्डकीपिंग एजेंसी (सीआरए) द्वारा नियमित रूप से स्थानान्तरण कर रहे हैं। उनमें से संबंधित नियोक्ता और कर्मचारी योगदान की स्थानांतरित होने की कोई राशि बकाया नहीं है।

6. सेवानिवृत्ति लाभ

6.1 सेवानिवृत्ति लाभ यानी पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर प्रदान किया जाता है। संस्थान कर्मचारियों की पिछले नियोक्ता से प्राप्त पेंशन और उपदान के कैपिटल के मूल्य, संबंधित प्रावधान खातों में जमा किया गया है।

7. अनुदान

7.1 पिछले वर्षों में योजना अनुदान को आय के रूप में लिया गया, केवल वे पूंजीगत व्यय के लिये उपयोग किये जाते थे, बैंक शेष के योजना अनुदान खाते और अग्रिम द्वारा जिनका अनुदान कोष और बकाया समायोजन द्वारा भुगतान किया गया। इन्हें वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को तुलन पत्र की परिसंपत्तियों में दर्शाया गया। 31.3.2019 को अनुप्रयुक्त अनुदान को आगे बढ़ाया गया और तुलन पत्र मे देयताओं के रूप में दर्शाया गया।

8. बचत बैंक खातों में शेष के विवरण चालू परिसंपत्तियों की अनुसूची 'अ' में संलग्न हैं।

9. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार फिर से वर्गीकृत किये गए हैं।

10. अंतिम खातों में आंकड़े निकटतम रुपए में अंकित किया गया हैं।

11. अनुसूची 1 से 13 को संलग्न किया गया है और यह 31 मार्च 2020 के तुलन–पत्र और इस तिथि को समाप्त वित्तीय वर्ष के आय और व्यय लेखा हो अभिन्न भाग होता है।

प्राप्तियां और भुगतान लेखा

31 मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां	चालू वर्ष (2019-20)	विगत वर्ष (2018-19)	भुगतान	चालू वर्ष (2019-20)	विगत वर्ष (2018-19)
प्रारंभिक जमा			**व्यय**		
1 **बचत बैंक खाता**	13,19,02,420	18,06,91,668			
2 **हस्तगत डाक**	50,921	41,273	1 स्थापना व्यय	25,35,24,462	22,52,73,844
मा.सं.वि.मं. से प्राप्त अनुदान			2 शैक्षणिक व्यय	6,57,32,807	4,95,14,895
भारत सरकार (मा.सं.वि.मं.) से			3 प्रशासनिक व्यय	3,33,92,975	3,28,03,579
(अ) योजना	45,59,46,500	31,84,71,500	4 मरम्मत और रख–रखाव	1,52,23,571	1,25,60,609
अकादमिक प्राप्तियां	23,40,157.00	5,07,240	**अध्येयतावृत्ति के संबंद्ध में भुगतान**	1,79,06,687	1,53,35,143
प्रायोजित परियाजनाओं / योजनाओं के संबद्ध में प्राप्तियां	9,28,41,295	7,68,62,487	**प्रायोजित परियोजनाओं / योजनाओं के संबंद्ध में भुगतान**	6,80,43,745	9,96,36,366
प्राप्त ब्याज			**सीपीडब्ल्यूडी के लिए अचल सम्पत्ति और अग्रिम पर व्यय**		
1(क) बैंक वचत खाता	14,61,366	4,88,290	1 अचल संपत्तियां	1,47,78,209	55,31,831
(ख) एनआर खाता	19,214				-
(ग) केनरा बैंक	1,02,655		2 सीपीडब्ल्यूडी को अग्रिम	3,10,66,487	75,54,958
(घ) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि	2,14,358	3,17,328	**वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान**		
(ङ) छात्रावास खाता	26,131		प्रभार (अन्य खाते)	6,341	6,14,568
(च) अवकार वेतन पेंशन अंशदान	1,44,473				
2 ब्याज अग्रिमों पर ब्याज	6,488	37,793	**जमा और अग्रिम**	-	1,43,34,350
अन्य आय	18,07,956	21,18,348	**प्रेषण**	5,95,27,130	5,80,66,196
जमा और अग्रिम	4,38,541	1,52,41,728	**शेष समापन**		
प्रेषण	5,91,73,576	5,84,02,025	**बैंक बैंलेस**	18,74,01,802	13,19,02,420
वैधानिक प्राप्तियों सहित विविध प्राप्तियां			**हस्तगत डाक**	21,836	50,921
1 अतिरिक्त प्रशासनिक निधि खाता 1108	1,50,000	-			
योग	**74,66,26,052**	**65,31,79,680**	**योग**	**74,66,26,052**	**65,31,79,680**

ह./–
(पूजा सिंह)
वित्त अधिकारी (प्रभारी)

ह./–
(कुमार सुरेश)
कुलसचिव (प्रभारी)

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

भविष्य निधि तुलन पत्र

31 मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

विगत वर्ष (2018–19)	देयताएं		चालू वर्ष (2019–20)	विगत वर्ष (2018–19)	परिसंपत्तियां		चालू वर्ष (2019–20)
14,86,76,931	**अथशेष**		14,94,70,845	13,53,83,176	जीपीएफ / सीपीएफ निवेश	14,55,99,042.00	
-			-	13,03,318	31 मार्च, 2020 को अर्जित ब्याज	-19,97,933.00	14,36,01,109
1,95,70,450	**जीपीएफ**						
88,58,240	वर्ष में दौरान अंशदान	2,33,66,600					.
-2,79,08,793	ब्याज जमा	96,20,345					
	घटाया: निकासी	(3,04,98,609.00)	24,88,336		**बैंक में नकदी**		
72,000	**सीपीएफ**			1,09,32,920	एसबीआई खाता नं. 10137881013		78,95,557.00
65,444	वर्ष के दौरान अंशदान	2,22,760					
	ब्याज जमा	83,278	3,06,038				
64,573	**संस्थान अंशदान (सीपीएफ)**						
72,000	ब्याज जमा		72,998				
	मार्च 2020 के लिए अंशदान		2,00,520				
	ब्याज रिजर्व				**ब्याज रिजर्व**		-
	व्यय पर आय से अधिक			18,51,431	व्यय पर आय से अधिक		10,42,071
14,94,70,845			**15,25,38,737**	**14,94,70,845**			**15,25,38,737**

ह./–
(पूजा सिंह)
वित्त अधिकारी (प्रभारी)

ह./–
(कुमार सुरेश)
कुलसचिव (प्रभारी)

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

भविष्य निधि लेखा

आय और व्यय लेखा

31 मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

व्यय	चालू वर्ष (2019-20)	विगत वर्ष (2018-19)	आय		चालू वर्ष (2019-20)		विगत वर्ष (2018-19)	
ब्याज जमाः								
जीपीएफ खाते	96,20,345	88,58,240	निवेश/बचत खाते पर अर्जित ब्याज	1,38,87,232		89,09,598		
सीपीएफ खाते	83,278	65,444		-		-		
			जोड़ेंः मार्च 2020 को अर्जित ब्याज	30,42,833		63,44,151		
संस्थान के अंशदान पर ब्याज (सीपीएफ)	72,998	64,573	घटायाः मार्च 2019 के लिए उपार्जित ब्याज	63,44,151	1,05,85,914	81,16,923	71,36,826	
संस्थान अंशदान (सीपीएफ)	2,00,520	72,000	प्राप्त संस्थान अंशदान (सीपीएफ)	2,00,520	2,00,520	72,000	72,000	
व्यय से अधिक आय की अधिकता	8,09,293	-	आय पर व्यय की अधिकता		-		18,51,431	
	1,07,86,434	**90,60,257**			**1,07,86,434**		**90,60,257**	

ह./–	ह./–	ह./–
(पूजा सिंह)	**(कुमार सुरेश)**	**(एन.वी. वर्गीज)**
वित्त अधिकारी (प्रभारी)	कुलसचिव (प्रभारी)	कुलपति

प्राप्ति और भुगतान लेखा

जीपीएफ/सीपीएफ 31 मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

प्राप्तियां			भुगतान		
	चालू वर्ष 2019-20	विगत वर्ष 2018-19		चालू वर्ष 2019-20	विगत वर्ष 2018-19
प्रारंभिक जमा	1,09,32,920.00	42,70,955.00	जीपीएफ अग्रिम/आहरण	3,04,98,609.00	2,79,08,793.00
जीपीएफ अंशदान	2,33,66,600.00	1,95,70,450.00	सीपीएफ अग्रिम/आहरण	-	-
सीपीएफ अंशदान	2,22,760.00	72,000.00	वर्ष के दौरान निवेश	11,41,74,778.00	3,53,64,963.00
सीपीएफ संस्थान अंशदान	2,00,520.00	72,000.00			
ब्याज नकदीकरण	10,39,58,912.00	4,13,11,673.00			
प्राप्त ब्याज	1,38,87,232.00	89,09,598.00	**जमा शेष**	78,95,557.00	1,09,32,920.00
	15,25,68,944.00	**7,42,06,676.00**		**15,25,68,944.00**	**7,42,06,676.00**

ह./–
(पूजा सिंह)
वित्त अधिकारी (प्रभारी)

ह./–
(कुमार सुरेश)
कुलसचिव (प्रभारी)

ह./–
(एन.वी. वर्गीज)
कुलपति

बैंक खातों में शेष राशि

31 मार्च 2020 को समाप्त वित्तीय वर्ष के अनुसार

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	बैंक खाते	चालू वर्ष (2019-20)	विगत वर्ष (2018-19)
1	भारतीय स्टेट बैंक (10137881320) योजनेतर	2,35,361.54	76,485.00
2	सिंडिकेट बैंक (91392010001112) योजना	3,02,89,469.56	38,317.00
3	सिंडिकेट बैंक (91392010001092) परियोजना	13,00,81,763.29	10,54,79,213.00
4	सिंडिकेट बैंक (91392010001108) अतिरिक्त प्रशासनिक निधि	2,62,58,479.52	2,58,94,180.00
5	सिंडिकेट बैंक (91392015365) छात्रावास	3,96,315.81	3,70,185.00
6	सिंडिकेट बैंक खाता 25536	1,07,854.05	10,832.00
7	भारतीय स्टेट बैंक (34778757702) चालू खाता	32,558.50	33,208.00
	योग	**18,74,01,802.00**	**13,19,02,420.00**

गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान की सूची

वर्ष 2019–20 के लिए

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	एनजीओ के नाम	जारी राशि
1	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान	2,50,000
2	ज्योति श्री सेवा समिति	3,00,000
3	अलीगढ़ हिस्टोरियन सोसाइटी	3,00,000
4	कश्मीर पर्यावरण	74,000
5	मानव और ग्रामीण एकता	1,31,300
6	रामेश्वरम मधुबनी	3,00,000
7	बालाज्योति ग्रामीण विकास	3,00,000
8	शास्त्र विश्वविद्यालय	1,42,206
9	अनंत महिला मंडली	1,50,000
10	एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय	2,32,500
11	ग्रामीण शिक्षा सोसायटी	1,35,000
12	ब्रह्मलिंगरेश्वर स्वामी	1,35,000
13	शिक्षा और आर्थिक विकास सोसायटी	2,50,000
14	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी	3,00,000
15	भारतीय महिला और ग्रामीण विकास	1,35,000
16	सामाजिक विकास परिषद	1,50,000
17	निराश्रित वृद्ध युवा संघ	1,25,000
18	सीमेट	73,400
19	उषोदय ग्रामीण विकास	1,50,000
20	केरल विकास	1,97,500
21	चीनी अध्ययन संस्थान	2,33,492
	योग	**40,64,398**

अनुसूची–ग

निवेश का विवरण

01.04.2019 से 31.03.2020 तक की अवधि के लिए

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.04.2019	12.07.2020	98,96,543.00
2	केनरा बैंक	510631	22.06.2019	22.06.2020	74,55,466.00
3	केनरा बैंक	510179	29.07.2019	29.07.2020	66,97,171.00
4	सिंडिकेट बैंक	197821	17.09.2019	31.03.2021	54,84,288.37
5	सिंडिकेट बैंक	197811	20.01.2020	31.03.2021	43,87,430.69
6	सिंडिकेट बैंक	197828	07.02.2020	31.03.2021	76,78,003.72
7	सिंडिकेट बैंक	969781	16.02.2020	31.03.2021	38,38,292.47
8	पंजाब नेशनल बैंक	4151	25.02.2020	25.02.2021	1,01,27,898.00
9	सिंडिकेट बैंक	197860	13.03.2020	30.03.2021	98,69,894.89
10	सिंडिकेट बैंक	197861	13.03.2020	30.03.2021	98,69,894.89
11	सिंडिकेट बैंक	197862	13.03.2020	30.03.2021	98,69,894.89
12	केनरा बैंक	495247	20.12.2018	27.06.2020	70,00,000.00
13	सिंडिकेट बैंक	197895	06.01.2019	20.05.2020	65,00,000.00
14	केनरा बैंक	495248	20.12.2018	27.06.2020	70,00,000.00
15	सिंडिकेट बैंक	197964	14.02.2019	14.08.2021	20,00,000.00
16	सिंडिकेट बैंक	970252	09.03.2019	09.09.2021	75,00,000.00
17	एसबीआई विशेष जमा	812	27.06.1981	-	14,24,264.00
18	सिंडिकेट बैंक	868981	08.11.2019	08.11.2021	45,00,000.00
19	सिंडिकेट बैंक	868982	08.11.2019	08.11.2021	45,00,000.00
20	सिंडिकेट बैंक	869041	20.02.2020	25.02.2021	50,00,000.00
21	सिंडिकेट बैंक	869042	20.02.2020	25.02.2021	50,00,000.00
22	सिंडिकेट बैंक	869043	20.02.2020	25.02.2021	50,00,000.00
23	सिंडिकेट बैंक	869044	20.02.2020	25.02.2021	50,00,000.00
					14,55,99,042.00

नकदीकरण 2019–20

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143/84157/060	12.02.2019	11.01.2020	1,01,88,653.00
2	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/1543	16.02.2019	15.01.2020	1,56,76,310.00
3	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 139900/23143/84175	12.01.2018	12.04.2019	91,30,209.00
4	केनरा बैंक	032137/037230/994560/510631	22.06.2018	22.06.2019	70,00,000.00
5	केनरा बैंक	510179	29.07.2018	29.07.2019	59,63,740.00
6	सिंडिकेट बैंक	197821	17.09.2018	17.09.2019	50,00,000.00
7	सिंडिकेट बैंक	197811	07.09.2018	20.01.2020	40,00,000.00
8	सिंडिकेट बैंक	197828	25.09.2018	07.02.2020	70,00,000.00
9	सिंडिकेट बैंक	969781	04.10.2018	16.02.2020	35,00,000.00
10	पंजाब नेशनल बैंक	CBU022534/ 1066/pu54420/84166	29.03.2019	25.02.2020	95,00,000.00
11	सिंडिकेट बैंक	197860	30.10.2018	13.03.2020	90,00,000.00
12	सिंडिकेट बैंक	197861	30.10.2018	13.03.2020	90,00,000.00
13	सिंडिकेट बैंक	197862	30.10.2018	13.03.2020	90,00,000.00
				TOTAL	**10,39,58,912.00**

वर्ष 2019–20 के दौरान किये गये एफडी (सावधि जमा)

(राशि ₹ में)

क्र. सं.	बैंक का नाम	एफडी सं.	जारी करने की तिथि	परिपक्वता तिथि	कुल राशि
1	सिंडिकेट बैंक	868981	08.11.2019	08.11.2021	45,00,000.00
2	सिंडिकेट बैंक	868982	08.11.2019	08.11.2021	45,00,000.00
3	सिंडिकेट बैंक	869041	20.02.2020	25.02.2021	50,00,000.00
4	सिंडिकेट बैंक	869042	20.02.2021	25.02.2021	50,00,000.00
5	सिंडिकेट बैंक	869043	20.02.2022	25.02.2021	50,00,000.00
6	सिंडिकेट बैंक	869044	20.02.2023	25.02.2021	50,00,000.00
7	पंजाब नेशनल बैंक	84175	12.04.2019	12.07.2020	98,96,543.00
8	केनरा बैंक	510631	22.06.2019	22.06.2020	74,55,466.00
9	केनरा बैंक	510179	29.07.2019	29.07.2020	66,97,171.00
10	सिंडिकेट बैंक	197821	17.09.2019	31.03.2021	54,84,288.37
11	सिंडिकेट बैंक	197811	20.01.2020	31.03.2021	43,87,430.69
12	सिंडिकेट बैंक	197828	07.02.2020	31.03.2021	76,78,003.72
13	सिंडिकेट बैंक	969781	16.02.2020	31.03.2021	38,38,292.47
14	पंजाब नेशनल बैंक	4151	25.02.2020	25.02.2021	1,01,27,898.00
15	सिंडिकेट बैंक	197860	13.03.2020	30.03.2021	98,69,894.89
16	सिंडिकेट बैंक	197861	13.03.2020	30.03.2021	98,69,894.89
17	सिंडिकेट बैंक	197862	13.03.2020	30.03.2021	98,69,894.89
				योग	**11,41,74,778.00**

वर्ष 2019–20 के निवेश विवरण

(राशि ₹ में)

अथ शेष	13,53,83,176.00
वर्ष के दौरान किये गये निवेश	**11,41,74,778.00**
कुल निवेश	24,95,57,954.00
वर्ष के दौरान किये गये नकदीकरण	**10,39,58,912.00**
शुद्ध निवेश (अंत शेष)	**14,55,99,042.00**

शेष परीक्षण

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक

(राशि ₹ में)

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
पूंजीगत लेखा	13,00,69,762.74	93,01,303.00	1,48,01,145.00	12,45,69,920.74
पूंजीगत निधि	13,00,69,762.74	93,01,303.00	1,48,01,145.00	12,45,69,920.74
चालू देयताएं	51,34,20,879.79	34,92,00,274.32	44,86,65,750.82	61,28,86,356.29
राशि लेनदार	15,973.00			15,973.00
राशि लेनदान – सी.पी.एफ.	15,973.00			15,973.00
बिलों से कटौती		13,73,856.00	13,73,856.00	
ठेकेदार से आयकर – परियोजना		76,891.00	76,891.00	
ठेकेदार से आयकर – आवृती		12,96,965.00	12,96,965.00	
वेतन से कटौती	3,53,594.00	5,81,53,274.00	5,77,99,720.00	40.00
वेतन से कटौती – केरल निधि	570.00	570.00		
जी.पी.एफ. अंशदान (पुर्नप्राप्ति)		2,33,49,360.00	2,33,49,360.00	
सामूहिक बीमा योजना	3,183.00	76,503.00	73,360.00	40.00
आयकर (वेतन) – परियोजना		4,86,694.00	4,86,694.00	
आयकर (वेतन) – आवृती		2,77,87,376.00	2,77,87,376.00	
एल.आई.सी.	28,039.00	2,06,626.00	1,78,587.00	
नई पेंशन स्कीम से वसूली	3,21,802.00	37,38,460.00	34,16,658.00	
सोसायटी वसूली		25,07,685.00	25,07,685.00	
विशिष्ट परियोजना	10,54,91,362.38	9,85,79,748.91	12,33,77,298.82	13,02,88,912.29
प्रावधान	42,80,86,176.00		2,14,04,308.00	44,94,90,484.00
प्रावधान – ग्रेच्युटी	3,77,53,060.00		18,87,653.00	3,96,40,713.00
प्रावधान – अवकाश वेतन	2,05,72,387.00		10,28,619.00	2,16,01,006.00
प्रावधान – पेंशन	36,97,60,729.00		1,84,88,036.00	38,82,48,765.00
मा.सं.वि.मं. को देय ब्याज	14,91,772.41	14,91,772.41		
बकाया देनदारियाँ	29,17,796.00		30,977.00	29,48,773.00
भुगतान के बदले में	14,964.00			14,964.00
वेतन देय	1,01,86,808.00	1,01,86,808.00	1,34,01,775.00	1,34,01,775.00
सुरक्षा जमा समायोजित	8,61,397.00	2,02,939.00	3,53,955.00	10,12,413.00

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
जर्नल की सदस्यता शुल्क (अग्रिम)	2,11,876.00	2,11,876.00	1,39,020.00	1,39,020.00
निधि के मध्य हस्तांतरण – आवर्ती		10,40,00,000.00	10,40,00,000.00	
निधि हस्तांतरण – ओवरहैड एडमिन. निधि खाता		2,00,00,000.00	2,00,00,000.00	
निधि के मध्य हस्तांतरण – प्रोजैक्ट खाता		5,50,00,000.00	5,50,00,000.00	
अनुप्रयुक्त अनुदान – योजना	3,62,10,839.00		5,17,84,841.00	1,55,74,002.00
अचल संपत्तियां	18,69,08,234.61	94,72,20,808.78	87,24,43,375.12	26,16,85,668.27
अर्जित ब्याज	30,406.00		30,406.00	
ऋण अग्रिम पर अर्जित ब्याज	30,406.00		30,406.00	
वस्तुसूची	11,14,138.00	7,81,272.00	11,14,138.00	7,81,272.00
वस्तुसूची – स्टेशनरी	11,14,138.00	7,81,272.00	11,14,138.00	7,81,272.00
पूर्वभुगतान खर्चे	98,75,300.00	2,897.00	98,75,300.00	2,897.00
पूर्वभुगतान बीमा	26,774.00	2,897.00	26,774.00	2,897.00
पूर्वभुगतान – अन्य – जर्नल	98,48,526.00		98,48,526.00	
कर्मचारियों से वसूली	9,000.00		9,000.00	
स्कूटर एडवांस	9,000.00		9,000.00	
जमा (सम्पत्ति)	4,34,46,553.00	3,10,66,487.00	15,70,110.00	7,29,42,930.00
सीपीडब्ल्यूडी में जमा–सिविल/इलेक्ट्रिकल	4,34,46,553.00	3,10,66,487.00	15,70,110.00	7,29,42,930.00
विविध देनदार	98,298.00			98,298.00
हस्तगत रोकड़		39,03,418.00	39,03,418.00	
नकद – परियोजना		36,00,878.00	36,00,878.00	
नकद आवर्ती		3,02,540.00	3,02,540.00	
बैंक खाते	13,19,02,419.61	91,10,08,265.78	85,55,08,883.12	18,74,01,802.27
3000 – सिंडीकेट बैंक – 91–1092 – परियोजना	10,54,79,213.38	16,00,59,882.82	13,54,57,332.91	13,00,81,763.29
4000 – चालू खाता – 34778757702	33,207.50		649.00	32,558.50
6000 – हॉस्टल खाता	3,70,185.24	26,130.57		3,96,315.81
8000 – केनरा बैंक	10,832.05	1,02,643.00	5,621.00	1,07,854.05
9000 – प्रशासन निधि खाता 1108	2,58,94,180.07	2,03,64,358.45	2,00,00,059.00	2,62,58,479.52
एस.बी.आई. – 10137881320 – योजनेतर	76,484.56	9,55,08,321.98	9,53,49,445.00	2,35,361.54

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
सिंडीकेट बैंक – 91–1112 – योजना	38,316.81	63,49,46,928.96	60,46,95,776.21	3,02,89,469.56
हस्तगत डाक टिकट	50,921.00	21,836.00	50,921.00	21,836.00
हस्तगत प्रकाशन	3,81,199.00	4,36,633.00	3,81,199.00	4,36,633.00
अप्रत्यक्ष आय		47,00,00,295.11	88,03,86,339.37	41,03,86,044.26
प्राप्तियां – ओवरहैड एडमिन फण्ड खाता 1108			3,64,358.45	3,64,358.45
9001 – ओवरहैड प्राप्तियां 1108			1,50,000.00	1,50,000.00
बचत पर ब्याज – ओवरहैड एडमिन. खाता 1108			2,14,358.45	2,14,358.45
प्राप्तियां – योजनेतर		1,17,76,027.68	1,60,45,902.51	42,69,874.83
पेंशन भोगी चिकित्सा दाखिला फीस		4,500.00	3,60,300.00	3,55,800.00
स्वास्थ्य योजना अंशदान (सीजीएचएस)		13,500.00	3,27,177.00	3,13,677.00
छात्रावास किराया		7,64,000.00	25,41,550.00	17,77,550.00
ब्याज वाली पेशगियों पर ब्याज			6,488.00	6,488.00
बचत खाता पर ब्याज			19,213.98	19,213.98
अवकाश वेतन और पेंशन अंशदान			1,44,473.00	1,44,473.00
विविध प्राप्तियां		1,08,00,000.00	1,08,91,245.97	91,245.97
लाइसेंस शुल्क की वसूली		13,453.00	6,05,160.00	5,91,707.00
जल प्रभार की वसूली			37,004.00	37,004.00
रॉयल्टी			67,785.88	67,785.88
बेकार वस्तुओं की बिक्री			30,170.00	30,170.00
विवरणिका की बिक्री			22,400.00	22,400.00
प्रकाशन की बिक्री		1,70,574.68	3,56,020.68	1,85,446.00
टेण्डर फॉर्म की बिक्री			9,000.00	9,000.00
छात्र शुल्क		10,000.00	6,27,914.00	6,17,914.00
प्राप्तियां – योजना		45,82,24,267.43	86,38,47,292.84	40,56,23,025.41
मा.सं.वि. मंत्रालय से अनुदान – योजना		45,59,46,500.00	86,01,08,159.00	40,41,61,659.00
बचत खाता से ब्याज – योजना		22,77,767.43	37,39,133.84	14,61,366.41
प्राप्तियां – छात्रावास खाता			26,130.57	26,130.57
छात्रावास खाते पर अर्जित ब्याज			26,130.57	26,130.57
बचत खाते पर ब्याज – केनरा बैंक			1,02,655.00	1,02,655.00
अप्रत्यक्ष व्यय	18,71,41,578.00	57,58,34,977.10	14,07,37,954.00	62,22,38,601.10

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
अवमूल्यन		1,40,81,559.00		1,40,81,559.00
अवमूल्यन – भवन		23,83,600.00		23,83,600.00
अवमूल्यन – कंप्यूटर		10,30,415.00		10,30,415.00
अवमूल्यन – कंप्यूटर सॉफ्टवेयर		5,72,270.00		5,72,270.00
अवमूल्यन – ई–जर्नल		32,71,802.00		32,71,802.00
अवमूल्यन – फर्नीचर		4,77,105.00		4,77,105.00
अवमूल्यन – जर्नल		44,54,445.00		44,54,445.00
अवमूल्यन – पुस्तकालय पुस्तकें		8,88,409.00		8,88,409.00
अवमूल्यन – कार्यालय उपकरण		7,82,030.00		7,82,030.00
अवमूल्यन – अन्य (आयोजन)		66,219.00		66,219.00
अवमूल्यन – वाहन		1,55,264.00		1,55,264.00
व्यय – केनरा बैंक		5,633.00		5,633.00
8002 विविध व्यय शुल्क		5,633.00		5,633.00
व्यय – चालू खाता		649.00		649.00
4003 – विविध व्यय		649.00		649.00
प्रशा. पूंजी खाता 1108 में उपरिव्यय		59.00		59.00
9002–व्यय–उपरिव्यय प्रशा. निधि खाता 1108		59.00		59.00
गैर–आवर्ती व्यय		9,53,53,722.00	9,54,93,385.00	1,39,663.00
स्थापना व्यय – गैर–आवर्ती		9,53,53,722.00	9,54,93,385.00	1,39,663.00
1001 – अधिकारियों को वेतन		6,10,60,398.00	6,11,12,283.00	51,885.00
1003 – वेतन – भत्ते		590.00		590.00
1012 – पेंशन		3,42,92,734.00	3,43,81,102.00	88,368.00
आवर्ती व्यय	18,71,41,578.00	46,63,93,355.10	4,52,44,569.00	60,82,90,364.10
4. विश्वविद्यालय अध्ययन/गैर सरकारी संगठन		3,93,33,788.00	14,75,239.00	3,78,58,549.00
सीपीआरएचई		1,35,40,612.00	2,09,162.00	1,33,31,450.00
सीपीआरएचई – विविध अग्रिम		16,92,915.00	2,09,162.00	14,83,753.00
सीपीआरएचई – विविध व्यय		23,94,921.00		23,94,921.00
सीपीआरएचई – संकाय का वेतन		74,35,481.00		74,35,481.00
सीपीआरएचई – कर्मचारियों का वेतन		10,26,187.00		10,26,187.00
सीपीआरएचई – कार्यशाला		9,91,108.00		9,91,108.00

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
यूआईसी		46,50,657.00		46,50,657.00
यूआईसी – व्यय		15,966.00		15,966.00
यूआईसी – वेतन		42,09,247.00		42,09,247.00
यूआईसी – कर्मचारियों का यात्रा भत्ता		4,25,444.00		4,25,444.00
तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण राज्यों को अग्रिम (आर.एस. त्यागी)		2,00,000.00	30,000.00	1,70,000.00
तीसरा अखिल भारतीय सर्वेक्षण (आर. एस. त्यागी)		12,40,261.00		12,40,261.00
भारतीय उच्च शिक्षा की स्वायत्तता		1,41,706.00		1,41,706.00
केन्द्रीय क्षेत्र योजना छात्रवृत्ति		1,70,633.00		1,70,633.00
तुलनात्मक शैक्षिक लाभ मोना खरे		50,355.00		50,355.00
डीईओ और बीईओ के क्षमता निर्माण कार्यक्रम		7,40,000.00		7,40,000.00
बच्चों की शिक्षा का महत्वपूर्ण मूल्यांकन		5,49,292.00	1,50,000.00	3,99,292.00
डीडी सै. एजुकेशन रमसा – डा. जैदी		80,101.00	32,492.00	47,609.00
उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा विभाग		1,15,710.00		1,15,710.00
प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण विभाग		12,896.00		12,896.00
डीईओ में निर्णय लेने की प्रक्रिया संगीता अंगोम		34,000.00		34,000.00
एमआईएस शैक्षिक विभाग– ए.एन. रेड्डी		1,57,105.00		1,57,105.00
डेपा वेतन		10,50,076.00		10,50,076.00
शैक्षिक डिजिटल अभिलेखागार दस्तावेज डा. मैथ्यू		2,44,434.00		2,44,434.00
डाईस योजना		14,80,642.00		14,80,642.00
लड़कियों की शिक्षा हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश		8,20,178.00		8,20,178.00
उच्च शिक्षा का अभिशासन		96,286.00		96,286.00
शासन, विनियमन और आश्वासन की गुणवत्ता		4,50,328.00		4,50,328.00
अध्ययन में सहायता अनुदान		52,89,382.00	13,548.00	52,75,834.00
शिक्षकों की भागीदारी		10,39,489.00	9,31,489.00	1,08,000.00
भारत में स्नातक महाविद्यालयों में पुस्तकालय की सुविधा		3,88,548.00		3,88,548.00

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
मौलाना अबुल कलाम आजाद पीठ		67,735.00		67,735.00
शैक्षिक प्रशासन में राष्ट्रीय नवाचार		5,33,802.00		5,33,802.00
प्राथमिक स्तर पर बाल सहभागी कारवाई		11,66,636.00		11,66,636.00
बच्चों के लिए नीति एवं व्यवहार – वीरा गुप्ता		1,41,413.00	1,08,548.00	32,865.00
उच्च शिक्षा की राजनीति अर्थव्यवस्था – डा. मलिश		4,40,683.00		4,40,683.00
परियोजना प्रबंधन ईकाई –डा. के. बिस्वाल		13,49,732.00		13,49,732.00
गांधी शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता		3,02,916.00		3,02,916.00
आरटीई के तहत न्याय संगत पुर्नलोकन डा. नरेश कुमार		3,82,749.00		3,82,749.00
सेमिस योजना		9,727.00		9,727.00
राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण (महत्वपूर्ण आकलन)		77,000.00		77,000.00
शिक्षा में राज्य स्तरीय क्षमता निर्माण – वीरा गुप्ता		13,24,947.00		13,24,947.00
आईडीएमआई आधारभूत संरचना के मूल्यांकन पर अध्ययन		2,10,000.00		2,10,000.00
शिक्षा का रूझान और वित्त पोषण		3,13,871.00		3,13,871.00
शैक्षिक प्रशासन में महिलाएं		4,69,886.00		4,69,886.00
5. उत्तर पूर्वी क्षेत्र		29,76,540.00	18,436.00	29,58,104.00
उत्तर पूर्व क्षेत्र		29,76,540.00	18,436.00	29,58,104.00
1. ओएच 36 – वेतन	3,87,000.00	18,48,87,039.85	1,65,06,007.00	16,87,68,032.85
भत्ते और मानदेय		4,74,46,301.00	52,29,422.00	4,22,16,879.00
ग्रेच्युटी		90,41,927.00		90,41,927.00
अभिदाताओं को दिए गए पीएफ पर ब्याज		42,33,891.85		42,33,891.85
अवकाश नकदीकरण		67,55,941.00		67,55,941.00
अवकाश यात्रा रियायत		15,64,428.00		15,64,428.00
एलटीसी अग्रिम		18,91,748.00	11,81,327.00	7,10,421.00
चिकित्सा अग्रिम	3,87,000.00	50,13,548.00	48,74,908.00	5,25,640.00
पेंशनरों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति		30,51,291.00	12,837.00	30,38,454.00

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
कर्चचारियों की चिकित्सा प्रतिपूर्ति		71,58,263.00		71,58,263.00
नई पेंशन योजना		49,18,999.00	1,57,328.00	47,61,671.00
समयोपरि भत्ता		14,271.00	1,829.00	12,442.00
स्थापना पर देय		2,89,25,500.00	8,79,840.00	2,80,45,660.00
अधिकारियों का वेतन		6,43,17,728.00	41,68,516.00	6,01,49,212.00
यात्रा भत्ता		68,553.00		68,553.00
ट्यूशन शुल्क		4,84,650.00		4,84,650.00
2. ओएच 35– पूंजीगत सम्पत्ति	18,39,04,578.00	2,46,52,812.00	1,40,84,700.00	19,44,72,690.00
कंप्यूटर और सहायक उपकरण	49,05,477.00	2,46,596.00	10,30,415.00	41,21,658.00
कंप्यूटर साफ्टवेयर	10,05,676.00	4,25,000.00	5,72,270.00	8,58,406.00
अचल सम्पत्ति प्रायोजित	5,34,468.00		66,219.00	4,68,249.00
फर्नीचर एवं फिक्सर	63,61,405.00		4,77,105.00	58,84,300.00
भूमि	23,07,892.00			23,07,892.00
पुस्तकालय पुस्तकें	80,96,669.00	7,89,361.00	8,90,350.00	79,95,680.00
कार्यालय की इमारत	11,91,79,993.00		23,83,600.00	11,67,96,393.00
अन्य कार्यालयी उपकरण	1,03,27,810.00	99,253.00	7,82,030.00	96,45,033.00
ई–जर्नल्स की खरीद	47,60,557.00	34,18,948.00	32,71,802.00	49,07,703.00
पत्रिकाओं की खरीद	2,48,71,993.00	1,96,73,654.00	44,55,645.00	4,00,90,002.00
स्टाफ कार की खरीद	15,52,638.00		1,55,264.00	13,97,374.00
3. ओएच – सामान्य	28,50,000.00	21,45,43,175.25	1,31,60,187.00	20,42,32,988.25
शैक्षणिक कार्यक्रम (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति सहित)		32,07,059.63	69,143.00	31,37,916.63
विज्ञापन		8,38,155.00		8,38,155.00
लेखा शुल्क		2,46,400.00		2,46,400.00
खानपान शुल्क		29,96,974.00		29,96,974.00
परामर्श भुगतान		31,46,500.00		31,46,500.00
पाठ्यक्रम शुल्क/प्रशिक्षण		10,400.00		10,400.00
दैनिक मजदूरी शुल्क		1,08,336.00		1,08,336.00
विद्युत शुल्क – आवर्ती		96,24,060.00	78,410.00	95,45,650.00
एम.फिल./पी.एच.डी. छात्रों को छात्रवृति		1,80,62,735.00	1,56,048.00	1,79,06,687.00
गैर–सरकारी संगठनों को अनुदान		43,24,398.00	2,60,000.00	40,64,398.00

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
संसाधन व्यक्तियों को मानदेय (एससी/एसटी सहित)		10,37,867.00	93,600.00	9,44,267.00
हाउस कीपिंग सर्विसेज		91,53,873.00		91,53,873.00
बीमा		70,204.00	2,897.00	67,307.00
कानूनी विस्तार		39,400.00		39,400.00
स्थानीय वाहन/टैक्सी शुल्क		5,10,495.00		5,10,495.00
भवन का रखरखाव (सिविल और इलेक्ट्रिक)		21,10,110.00		21,10,110.00
भवन/छात्रावास का रखरखाव		8,78,229.00		8,78,229.00
उपकरणों का रखरखाव		44,84,662.00	47,435.00	44,37,227.00
फर्नीचर और फिक्स्चर का रखरखाव		88,718.00		88,718.00
स्टाफ कारों का रखरखाव		2,17,607.00	92,083.00	1,25,524.00
सदस्यता एवं अंशदान शुल्क		34,340.00		34,340.00
विविध अग्रिम	25,30,000.00	55,98,220.00	69,85,220.00	11,43,000.00
समाचार पत्र शुल्क		3,19,602.00		3,19,602.00
अन्य प्रशासनिक व्यय		5,18,898.62	3,16,549.00	2,02,349.62
पेंशन		11,09,41,186.00	1,79,809.00	11,07,61,377.00
पेट्रोल, तेल और स्नेहक प्रभार		2,33,311.00		2,33,311.00
फोटोकॉपी शुल्क		6,60,311.00		6,60,311.00
डाक और टेलीग्राम		7,08,168.00	21,836.00	6,86,332.00
मुद्रण व्यय		17,38,933.00	4,70,874.00	12,68,059.00
दर/किराया और कर		4,84,936.00	5,75,800.00	90,864.00
सुरक्षा शुल्क		86,47,504.00		86,47,504.00
स्टेशनरी / स्टोर आइटम		29,86,319.00	7,88,251.00	21,98,068.00
वजीफा, पुस्तक और परियोजना अनुदान डेपा		7,65,637.00	33,390.00	7,32,247.00
संकाय/कर्मचारियों को दैनिक भत्ता अग्रिम	3,20,000.00	19,11,613.00	16,46,192.00	5,85,421.00
संकाय को दैनिक/यात्रा भत्ते		12,06,852.00	3,914.00	12,02,938.00
प्रतिभागियों को दैनिक/यात्रा भत्ते (एससी/एसटी सहित)		66,96,746.00	3,60,481.00	63,36,265.00
टेलीफोन शुल्क		6,74,646.00	6,282.00	6,68,364.00
आवर्ती जल प्रभार		92,59,770.00	9,71,973.00	82,87,797.00
लाभ और हानि खाता	19,64,42,881.89	1,47,78,209.00	93,01,303.00	20,19,19,787.89
महायोग		**2,36,63,35,867.31**	**2,36,63,35,867.31**	

विशिष्ट परियोजनाएं

समूह सारांश

1 अप्रैल 2019 से 31 मार्च 2020 तक

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
301 – शै.यो. एवं प्रशा. में अन्तर्राष्ट्रीय डिप्लोमा	**7778995.30 Cr**	*5398477.00*	*7113356.00*	**9493874.30 Cr**
3011 – आईडेपा – अनुदान प्राप्ति	29252988.00 Cr		6702971.00	35955959.00 Cr
3012 – आईडेपा – कर्मचारियों का वेतन	1960072.00 Dr	956674.00		2916746.00 Dr
3013 – आईडेपा – विविध व्यय	18297551.00 Dr	4252803.00	201600.00	22348754.00 Dr
3014 – आईडेपा – विविध अग्रिम	1216369.70 Dr	189000.00	208785.00	1196584.70 Dr
302 – डाईस	**698946.00 Cr**			**698946.00 Cr**
3021 – डाईस – अनुदान प्राप्ति	11299782.00 Cr			11299782.00 Cr
3022 – डाईस – कर्मचारियों का वेतन	9839233.00 Dr			9839233.00 Dr
3023 – डाईस – कर्मचारियों का यात्रा भत्ता	1144964.00 Dr			1144964.00 Dr
3024 – डाईस – विविध व्यय	816894.00 Cr			816894.00 Cr
3025 – डाईस – यूनीसेफ से अनुदान वापसी	433533.00 Dr			433533.00 Dr
305 – एडसिल – वी.ई.सी. की भूमिका	**563371.00 Cr**			**563371.00 Cr**
3051 – एडसिल – अनुदान प्राप्ति	861467.00 Cr			861467.00 Cr
3052 – एडसिल – विविध व्यय	298096.00 Dr			298096.00 Dr
307 – भारत अफ्रीका शै.यो.प्रशा. संस्थान	**2351152.00 Cr**			**2351152.00 Cr**
3071 – भारत अफ्रीका – अनुदान प्राप्ति	2354815.00 Cr			2354815.00 Cr
3072 – भारत अफ्रीका – विविध व्यय	3663.00 Dr			3663.00 Dr
308 – एसएसए : (मा.सं.वि.मंत्रालय)	**107294.00 Cr**			**107294.00 Cr**
3081 – एसएसए – अनुदान प्राप्ति	225122.00 Cr			225122.00 Cr
3082 – एसएसए – विविध व्यय	117828.00 Dr			117828.00 Dr
315 – सेमिस : (मा.सं.वि.मंत्रालय)	**503573.00 Cr**			**503573.00 Cr**
3151 – सेमिस – अनुदान प्राप्ति	2568957.00 Cr			2568957.00 Cr
3152 – सेमिस – विविध व्यय	2065384.00 Dr			2065384.00 Dr
316 – ब्याज एवं विविध व्यय	**26497214.93 Cr**	1835528.67	7367951.61	**32029637.87 Cr**
3162 – बैंक ब्याज	26552504.05 Cr	1289503.00	7367933.61	32630934.66 Cr
3163 – परियोजना विविध व्यय	55289.12 Dr	546025.67	18.00	601296.79 Dr
317 – जनजातीय क्षेत्रों में प्राथमिक एवं अपर प्राथमिक शिक्षा (के. सुजाता)	**1363560.00 Dr**			**1363560.00 Dr**
3171 – प्राथ. एवं अपर प्राथ. – एडसिल से अनुदान	593560.00 Dr			593560.00 Dr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
3172 – प्राथमिक एवं अपर प्राथमिक – विविध व्यय	770000.00 Dr			770000.00 Dr
318 – नेतृत्व कार्यक्रम	**1480777.00 Cr**	*43290826.00*	*60024183.00*	**18214134.00 Cr**
3181 – नेतृत्व कार्यक्रम प्राप्ति	55713659.00 Cr		39480000.00	95193659.00 Cr
3182 – नेतृत्व कार्यक्रम व्यय	2263831.00 Dr	391935.00	1450307.00	1205459.00 Dr
3183 – नेतृत्व कार्यक्रम संकाय का वेतन	8440979.00 Dr	2416328.00		10857307.00 Dr
3184 – नेतृत्व कार्यक्रम सदस्यों का यात्रा भत्ता	2416866.00 Dr	833491.00	212171.00	3038186.00 Dr
3185 – नेतृत्व कार्यक्रम कार्यशाला एवं क्षमता निर्माण	26203660.00 Dr	30747405.00	18617687.00	38333378.00 Dr
3186 – नेतृत्व कार्यक्रम वेतन परियोजना	13188506.00 Dr	3496042.00	439.00	16684109.00 Dr
3187 – नेतृत्व अनुसंधान एवं प्रकाशन	920988.00 Dr			920988.00 Dr
3188 – एनसीएसएल वसूली योग्य कर		3948000.00		3948000.00 Dr
3189 – नेतृत्व आई.सी.टी.	798052.00 Dr			798052.00 Dr
3190 – नेतृत्व निष्ठा		1457625.00	263579.00	1194046.00 Dr
319 – महात्मा गांधी शैक्षिक संस्थान	**2100000.00 Cr**			**2100000.00 Cr**
3191 – महात्मा गांधी – प्राप्ति	7017490.00 Cr			7017490.00 Cr
3192 – महात्मा गांधी – व्यय	4917490.00 Dr			4917490.00 Dr
329 – राजीव गांधी स्मृति पीठ शिक्षक				
3291 – राजीव गांधी प्राप्ति	1122227.00 Cr			1122227.00 Cr
3292 – राजीव गांधी व्यय	1122227.00 Dr			1122227.00 Dr
331 – उच्च शिक्षा नीति अनुसंधान केन्द्र	**425525.19 Dr**	948776.00	89947.00	**1284354.19 Dr**
3310 – सीपीआरएचई प्राप्तियां	64917906.00 Cr			64917906.00 Cr
3311 – सीपीआरएचई विविध व्यय	1167726.19 Dr	46900.00	4370.00	1210256.19 Dr
3312 – सीपीआरएचई संकाय का वेतन	35915356.00 Dr	685680.00		36601036.00 Dr
3313 – सीपीआरएचई परियोजना वेतन	4736324.00 Dr	115790.00		4852114.00 Dr
3314 – सीपीआरएचई शोध सर्वेक्षण/अध्ययन	6176000.00 Dr			6176000.00 Dr
3315 – सीपीआरएचई कार्यशाला एवं संगोष्ठी	9086529.00 Dr	100406.00	85577.00	9101358.00 Dr
3316 – सीपीआरएचई दस्तावेजीकरण एवं प्रकाशन	1338352.00 Dr			1338352.00 Dr
3317 – सीपीआरएचई पुस्तक एवं पत्रिकाएं	40625.00 Dr			40625.00 Dr
3318 – सीपीआरएचई अन्तरराष्ट्रीय सेमीनार	2153652.00 Dr			2153652.00 Dr
3319 – सीपीआरएचई गैर–योजना व्यय	4728867.00 Dr			4728867.00 Dr
332 – राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति (आईसीएसएसआर)				
3321 – राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति अनुदान	538000.00 Cr			538000.00 Cr
3322 – राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति व्यय	538000.00 Dr			538000.00 Dr
334 – विविधता, भेदभाव और असमानता से निपटना	**2005865.00 Cr**			**2005865.00 Cr**
3341 – विविधता, भेदभाव, असमानता – प्राप्तियां	4039588.00 Cr			4039588.00 Cr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
3342 – विविधता, भेदभाव, असमानता – व्यय	2033723.00 Dr			2033723.00 Dr
336 – शाला सिद्धि प्रणति पांडा		10687689.00	6145203.00	**4542486.00 Dr**
3361 – शाला सिद्धि प्राप्तियां			4700000.00	4700000.00 Cr
3362 – शाला सिद्धि विविध व्यय		510818.00	22203.00	488615.00 Dr
3363 – शाला सिद्धि सदस्यों का यात्रा भत्ता		262516.00	40000.00	222516.00 Dr
3364 – शाला सिद्धि परियोजना वेतन		3738301.00		3738301.00 Dr
3365 – शाला सिद्धि अनुसंधान एवं प्रकाशन		84547.00		84547.00 Dr
3367 – शाला सिद्धि कार्यशाला एवं क्षमता निर्माण		5135052.00	1383000.00	3752052.00 Dr
3367 – शाला सिद्धि वसूली योग्य कर		470000.00		470000.00 Dr
336 – शाला सिद्धि आई.सी.टी.		486455.00		486455.00 Dr
338 – श्रीलंका कार्यक्रम : एसएमआईए जैदी	**779234.05 Cr**			**779234.05 Cr**
3381 – श्रीलंका प्राप्तियां	8871609.05 Cr			8871609.05 Cr
3382 – श्रीलंका विविध व्यय	8599760.00 Dr			8599760.00 Dr
3383 – श्रीलंका विविध अग्रिम	507385.00 Cr			507385.00 Cr
339 – एनईपी मसौदा समिति – भारत भूषण				
3392 – मसौदा समिति – अग्रिम	313584.00 Cr			313584.00 Cr
3393 – मसौदा समिति – व्यय	313584.00 Dr			313584.00 Dr
340 – रमसा के तहत स्कूल मानक	**446564.00 Cr**			**446564.00 Cr**
3401 – स्कूल मानक रमसा – प्राप्तियां	3283000.00 Cr			3283000.00 Cr
3402 – स्कूल मानक रमसा – व्यय	2836436.00 Dr			2836436.00 Dr
341 – वरिष्ठ अध्येता – डा. ए. मैथ्यू	**47333.00 Cr**			**47333.00 Cr**
3411 – वरिष्ठ अध्येता – प्राप्तियां	956000.00 Cr			956000.00 Cr
3412 – वरिष्ठ अध्येता – व्यय	908667.00 Dr			908667.00 Dr
342 – राज्य राजनीति अध्ययन – डा. ए. मैथ्यू	**403254.00 Cr**	472000.00		**68746.00 Dr**
3421 – राज्य राजनीति अध्ययन – प्राप्तियां	2000000.00 Cr			2000000.00 Cr
3422 – राज्य राजनीति अध्ययन – व्यय	1596746.00 Dr	472000.00		2068746.00 Dr
343 – पंडित मदन मोहन	**26972017.00 Cr**	3793917.00	416655.00	**23594755.00 Cr**
3431 – पंडित मदन मोहन – प्राप्तियां	43791083.00 Cr			43791083.00 Cr
3432 – पंडित मदन मोहन – व्यय	13080007.00 Dr	2725335.00	416655.00	15388687.00 Dr
3433 – पंडित मदन मोहन – अग्रिम	2341025.00 Dr			2341025.00 Dr
3434 – पंडित मदन मोहन – वेतन	1398034.00 Dr	1068582.00		2466616.00 Dr
344 – शिक्षण और अनुसंधान आस्ट्रेलिया– वीरा गुप्ता				
3441 – शिक्षण और अनुसंधान – प्राप्तियां	1489914.00 Cr			1489914.00 Cr
3442 – शिक्षण और अनुसंधान – व्यय	582986.00 Dr			582986.00 Dr
3443 – शिक्षण और अनुसंधान – अग्रिम	847928.00 Dr			847928.00 Dr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
3444 – शिक्षण और अनुसंधान – वेतन	59000.00 Dr			59000.00 Dr
345 – आईपीईए	**589480.00 Cr**	*2571922.00*	2383997.00	**401555.00 Cr**
3451 – आईपीईए अनुदान	3953884.00 Cr		1544997.00	5498881.00 Cr
3452 – आईपीईए व्यय	3236915.00 Dr	2521922.00	789000.00	4969837.00 Dr
3453 – आईपीईए अग्रिम	46379.00 Dr	50000.00	50000.00	46379.00 Dr
3454 – आईपीईए यात्रा भत्ता भुगतान	81110.00 Dr			81110.00 Dr
346 – आईआईईपी के. सुजाता	**4156239.51 Cr**			**4156239.51 Cr**
3461 – आईआईईपी एंट्रीप अनुदान	5532360.51 Cr			5532360.51 Cr
3462 – आईआईईपी एंट्रीप व्यय	1376121.00 Dr			1376121.00 Dr
347 – शिक्षक प्रशिक्षक – ब्रिटिश काउंसिल				
3471 – शिक्षक प्रशिक्षक – अनुदान	45000.00 Cr			45000.00 Cr
3472 – शिक्षक प्रशिक्षक – व्यय	45000.00 Dr			45000.00 Dr
349 – राष्ट्रीय शिक्षा संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी)	**22792443.00 Cr**	*6184043.00*	*11624303.00*	**28232703.00 Cr**
3491 – संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी) – अनुदान	26700000.00 Cr		10000000.00	36700000.00 Cr
3492 – संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी) – व्यय	3907557.00 Dr	6164043.00	1391722.00	8679878.00 Dr
3493 – संसाधन केन्द्र (पीएमएमएमटी) – अग्रिम	20000.00	232581.00	212581.00 Cr	
350 – आईपीईए म्यांमार	**1416334.00 Dr**	*986016.00*	115000.00	**2287350.00 Dr**
3502 – आईपीईए म्यांमार – व्यय	1416334.00 Dr	911016.00		2327350.00 Dr
3503 – आईपीईए म्यांमार – अग्रिम		75000.00	115000.00	40000.00 Cr
351 – स्वयम योजना	**1184365.00 Cr**	*628394.00*	*500000.00*	**1055971.00 Cr**
3511 – स्वयम योजना – प्राप्तियां	1470000.00 Cr		500000.00	1970000.00 Cr
3512 – स्वयम योजना – व्यय	285635.00 Dr	628394.00		914029.00 Dr
352 – लीप कार्यक्रम	**316947.22 Dr**	16466887.98	20102012.47	**3318177.27 Cr**
3521 – लीप – प्राप्तियां	15000000.00 Cr		20070682.00	35070682.00 Cr
3522 – लीप – व्यय	15316947.22 Dr	16436887.98	31330.47	31722504.73 Dr
3523 – लीप – अग्रिम		30000.00		30000.00 Dr
353 – शिक्षकों की भागीदारी		2195345.00	2828197.00	**632852.00 Cr**
3531 – शिक्षकों – प्राप्तियां			2820000.00	2820000.00 Cr
3532 – शिक्षकों – व्यय		1338108.00	8197.00	1329911.00 Dr
3533 – शिक्षकों – वेतन		575237.00		575237.00 Dr
3535 – शिक्षकों – वसूली योग्य कर		282000.00		282000.00 Dr
360 – पॉलिसी एवं प्रैक्टिस – गुजरात एवं राजस्थान		268548.00	595200.00	**326652.00 Cr**
3601 – पॉलिसी एवं प्रैक्टिस – प्राप्तियां			595200.00	595200.00 Cr
3602 – पॉलिसी एवं प्रैक्टिस – व्यय		128548.00		128548.00 Dr
3603 – पॉलिसी एवं प्रैक्टिस – वेतन		140000.00		140000.00 Dr

विवरण	अथशेष	हस्तान्तरण		अंत शेष
		निकासी	जमा	
361 – लचीली अधिगम की योजना गरिमा मलिक		254860.26	196184.24	**58676.02 Dr**
3611 – लचीली अधिगम की योजना – प्राप्तियां			68934.24	68934.24 Cr
3612 – लचीली अधिगम की योजना – व्यय		254860.26	127250.00	127610.26 Dr
362 – दूरस्थ सरकारी शिक्षा सुनीता चुघ		62475.00	70439.89	**7964.89 Cr**
3621 – दूरस्थ सरकारी शिक्षा – प्राप्तियां			69359.89	69359.89 Cr
3622 – दूरस्थ सरकारी शिक्षा – व्यय		62475.00	1080.00	61395.00 Dr
363 – ईएसपीआई उच्च शिक्षा में असमानता जिणुशा		47789.00	210720.61	**162931.61 Cr**
3631 – ईएसपीआई – प्राप्तियां			210720.61	210720.61 Cr
3634 – ईएसपीआई – सदस्यों के यात्रा भत्ता		47789.00		47789.00 Dr
364 – स्कूल मानक शिक्षा ईएफसी	**7555611.00 Cr**	2486255.00	3593949.00	**8663305.00 Cr**
3641 – स्कूल मानक – प्राप्तियां	52178381.00 Cr			52178381.00 Cr
3642 – स्कूल मानक – विविधि व्यय	14711939.00 Dr		38274.00	14673665.00 Dr
3643 – स्कूल मानक – सदस्यों के यात्रा भत्ता	1537361.00 Dr			1537361.00 Dr
3644 – स्कूल मानक – परियोजना वेतन	9277169.00 Dr			9277169.00 Dr
3645 – स्कूल मानक – आई.सी.टी.	1477455.00 Dr			1477455.00 Dr
3646 – स्कूल मानक – एनसीएसएल	17618846.00 Dr	2486255.00	3555675.00	16549426.00 Dr
महायोग	**105491362.38 Cr**	**98579748.91**	**123377298.82**	**130288912.29 Cr**

लेखा परीक्षा रिपोर्ट

लेखापरीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली के लेखे पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा), के 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखाओं, प्राप्ति और भुगतान लेखाओं की नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, अधिकार और सेवा शर्तों) के अधिनियम 1971 की धारा 20(1) के अधीन सलंग्न तुलन–पत्र की लेखापरीक्षा कर ली है। हमें वर्ष 2020–21 तक की लेखा परीक्षा का कार्य सौंपा गया है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी नीपा के प्रबंधन की है। हमारी जिम्मेदारी इन वित्तीय विवरणों पर लेखापरीक्षा के आधार पर अपने विचार व्यक्त करने की है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट में वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण के व्यवहार्य से एकरूपता, लेखाकरण के मानदंडों और पारदर्शिता के मानकों इत्यादि के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियां शामिल हैं। पृथक निरीक्षण रिपोर्टों/नि.म.ले. की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के द्वारा आवश्यकतानुसार विधि, नियमों और विनियमों (स्वामित्व और नियामक) के अनुपालन और वित्तीय संचालन और कार्य निष्पादन सहित कार्यदक्षता संबंधी पक्षों इत्यादि पर लेखा परीक्षा की टिप्पणियां प्रस्तुत की जाती है।

3. हमने आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा के मानदंडों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के अधिक यथार्थ विवरणों से युक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम योजना तथा लेखा परीक्षा का निष्पादन करें। लेखा परीक्षा में, परीक्षण के आधार पर वित्तीय विवरणों की राशि तथा प्रकटीकरण के साक्ष्यों का लेखा परीक्षण होता है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण के सिद्धांतों, महत्वपूर्ण आकलनों की समीक्षा के साथ– साथ प्रस्तुत किए गए संपूर्ण वित्तीय विवरणों का मूल्यांकन शामिल है। हमें विश्वास है कि लेखापरीक्षा हमारे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हम अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर प्रतिवेदन करते हैं कि–

(i) लेखापरीक्षा उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

(ii) तुलन–पत्र और आय एवं व्यय लेखे/प्राप्तियां एवं भुगतान लेखे शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (पूर्व में मा.स.वि. मंत्रालय) के आदेश सं. 29–4/2012 एफ.डी., दिनांक 17 अप्रैल 2015 द्वारा निर्धारित प्रपत्र में रिपोर्ट में अवलोकन के अधीन तैयार किए गए हैं।

(iii) हमारी राय के अनुसार राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान (नीपा) द्वारा समुचित रूप से लेखा पुस्तिकाओं और संबंधित दस्तावेजों का

रखरखाव किया है जो कि ऐसी पुस्तिकाओं की जांच–पड़ताल से पता चलता है।

(iv) हम पुनः प्रतिवेदन करते हैं कि :

अ. तुलन पत्र

अ.1 देयताएं

अ.1.1 वर्तमान स्थिरता और प्रावधान (अनुसूची–2) रु. 62.25 करोड़

उपरोक्त में रु. 1.55 करोड़ का अप्रयुक्त अनुदान शामिल है। जबकि 31 मार्च 2020 तक अप्रयुक्त अनुदान सहायता 6.41 करोड़ था परिणामस्वरूप वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों को कम करके पूंजीगत निधि कोष रु. 4.86 करोड़ अधिक दिखाया गया है।

अ.2. ऋण, अग्रिम और जमा (अनुसूची 5) रू. 8.56 करोड़

उपरोक्त में 1.46 करोड़ रुपये (वर्ष 2014–15 रु. 0.78 लाख, वर्ष 2018–19 रु. 30.17 लाख, वर्ष 2019–20 रु. 114.68 लाख) का टीडीएस शामिल नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप आयकर विभाग से वसूली योग्य ऋण, अग्रिम और पूंजी कोष की जमाराशियां रु. 1.46 करोड़ नहीं दिखाया है।

ब. भविष्य निधि तुलन पत्र

ब.1 देयताएं रु. 15.25 करोड़

निम्नांकित तुलन–पत्र को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा निर्धारित प्रपत्र के अनुसार नहीं दर्शाया गया है। खातों के निर्धारित प्रारूप के अनुसार, वित्तीय वर्ष की पहली तारीख को भविष्य निधि की देनदारियों को अलग से प्रकट किया जाना चाहिए और जीपीएफ सदस्यता, सीपीएफ सदस्यता, सीपीएफ योगदान और ब्याज आरक्षित/घाटा खातों से पता लगाया जाना चाहिए। हालांकि, नीपा के भविष्य निधि खातों के तुलनपत्र से निम्नलिखित कारण सुनिश्चित नहीं किया जा सकते है

(i) तुलन पत्र में रु. 14.94 करोड़ का अथ शेष दिखाया है इसमें अंशदाताओं की देनदारियों का शुरूआती बैलेंस नहीं है। बल्कि 31 मार्च, 2019 तक पिछले वर्षों के स.भ. की देयताएं तथा ब्याज घाटा/जमा सम्मिलित है।

(ii) तुलनपत्र में दर्शायी गयी रु. 24.88 लाख जी.पी.एफ. और रु. 5.79 लाख सी.पी.एफ. देयताएं केवल चालू वर्ष के लिए है और 31 मार्च, 2020 तक का संचयी शेष इसमें सम्मिलित नही हैं।

इस प्रकार, 31 मार्च, 2020 तक उपलब्ध स.भ. निधि तथा अ.भ. निधि की वास्तविक देयताएं तथा ब्याज जमा का संचयी जमा लेखा में वर्णित नहीं है।

(iii) ब्याज रिजर्व को घाटे में 10.42 लाख रुपये के रूप में दिखाया गया है जोकि वर्ष 2018–19 के लिए ब्याज घाटे में 18.51 लाख रुपये का शेष घाटा है और वर्ष 2019–20 के ब्याज अधिशेष 8.09 लाख रुपये है। 10.42 लाख रुपये के इस घाटे की गणना करते समय वर्ष 2017–18 के ब्याज अधिशेष 39.20 लाख रुपये और 2016–17 के 9.38 लाख रुपये के ब्याज अधिशेष/घाटे पर विचार नहीं किया गया है। इस प्रकार, नीपा के पास उपलब्ध ब्याज आरक्षित राशि का संचयी शेष खातों से पता लगाने योग्य नहीं है।

स. सामान्य

नीपा ने 2010–11 से 2019–20 के दौरान सीपीडब्ल्यूडी को रु. 21.28 करोड़ का भुगतान किया है। सीपीडब्ल्यूडी से प्राप्त व्यय विवरण के अनुसार, इस अवधि के दौरान सीपीडब्ल्यूडी द्वारा किया गया वास्तविक व्यय रु. 14.84 करोड़ था जबकि खाता बही के अनुसार यह 13.98 करोड़ रुपये है। इस पर सामंजस्य बिठाने की जरूरत है।

द. सहायता अनुदान

नीपा को 2019–20 के दौरान 45.59 करोड़ रुपये का सहायता अनुदान प्राप्त हुआ, जिसमें से 8.75 करोड़ रुपये मार्च 2020 में प्राप्त हुए। 1 अप्रैल 2019 को इसमें 1.24 करोड़ रुपये का प्रारंभिक

शेष था। 46.83 करोड़ रुपये के कुल कोष में से, इसने 31 मार्च 2020 तक 40.42 करोड़ रुपये का उपयोग किया, जिसमें 6.41 करोड़ रुपये शेष थे।

नीपा ने वर्ष के दौरान शिक्षा मंत्रालय से विशिष्ट परियोजनाओं के लिए 7.87 करोड़ रुपये का अनुदान भी प्राप्त किया और इन परियोजनाओं में 6.28 करोड़ रुपये की शुरुआती शेष राशि थी। वर्ष के दौरान कुल 14.15 करोड़ रुपये में से 5.92 करोड़ रुपये का व्यय नीपा द्वारा किया गया था और 31 मार्च 2020 को 8.23 करोड़ रुपये शेष थे।

य. प्रबंधन पत्र

लेखा से संबंधित जो कमियां लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं की गई हैं, उनमें सुधार करने हेतु पृथक रूप से प्रबंधन पत्र के द्वारा कुलपति, नीपा के संज्ञान में लाया गया है।

(v) पिछले अनुच्छेदों में टिप्पणी के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि इस लेखा रिपोर्ट में तुलन–पत्र तथा आय एवं व्यय/प्राप्तियां तथा भुगतान लेखा के विवरण लेखा पुस्तिका के अनुसार है।

(vi) हमारे विचार से और हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय विवरण जो लेखाकरण की नीतियां और लेखों पर टिप्पणियां के अधीन माने गये हैं, उपर्युक्त महत्वपूर्ण विवरणों तथा इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट में अनुलग्नक भाग–I में प्रस्तुत अन्य दूसरी सामग्री के संदर्भ में आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखाकरण के सिद्धांतों के अनुसार सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं:

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2020 को राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान के तुलन पत्र की स्थिति से संबंधित हैं : तथा

(ब) जहाँ तक यह इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए घाटे के आय तथा व्यय लेखे से संबंधित हैं।

भारत के नियंत्रक तथा महानिदेशक, लेखापरीक्षा की ओर से और कृते

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 22.01.2021

महानिदेशक, लेखापरीक्षा

गृह, शिक्षा और कौशल विकास

नोट : "प्रस्तुत प्रतिवेदन मूलरूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

1. आंतरिक लेखा परीक्षा व्यवस्था की पर्याप्तता

- नीपा में अलग से कोई आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग नहीं है। न ही आंतरिक लेखा परीक्षण मंत्रालय द्वारा किया जाता है। नीपा द्वारा आंतरिक लेखा परीक्षा नहीं की जा रही है।

2. आंतरिक नियंत्रण व्यवस्था की पर्याप्तता

निम्नांकित क्षेत्र में नीपा को आंतरिक नियंत्रण को सुदृढ़ करना होगाः

- 31 मार्च 2020 तक 2000–01 से 2011–12 की अवधि के दौरान 33 बाह्य लेखा परीक्षा पैरा के उत्तर प्राप्त नहीं हुए।
- विशिष्ट परियोजनाओं में 31.95 लाख रुपये की शेष राशि वाली चार परियोजनाएं शामिल थीं, जो परियोजना के पूरा होने के संबंध में मंत्रालय की ओर से कोई सूचना नहीं होने के कारण रुकी हुई थीं। पिछले तीन वर्षों के दौरान उन परियोजनाओं में कोई व्यय नहीं किया गया।
- अचल सम्पत्तियों और सूची का भौतिक सत्यापन न करना।
- आंतरिक लेखापरीक्षा का नहीं किया जाना।

3. अचल संपत्तियों का भौतिक निरीक्षण

- 31.03.2012 तक फर्नीचरों और फिक्सचर तथा कंप्यूटरों इत्यादि का भौतिक सत्यापन किया गया है। जुलाई 2012 तक पुस्तकों और प्रकाशनों का भौतिक निरीक्षण कर लिया गया था। पुस्तकालय सहित अचल संपत्तियों का 2012 से कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।

4. इन्वेन्टरी की भौतिक जांच

- स्टेशनरी, तथा उपभोग वस्तुओं का भौतिक सत्यापन 31 मार्च 2012 तक कर लिया गया है। 2012 से कोई भौतिक सत्यापन नहीं किया गया।

5. सांविधिक भुगतान में नियमितता

- लेखा के अनुसार, दिनांक 31 मार्च 2020 तक पिछले छः महीने से कोई भी सांविधिक देयता का भुगतान बाकी नहीं था।

प्रबंधन पत्र के सन्दर्भ में अनुलग्नक

1. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान (अनुसूची–2) में वर्ष 2019–2020 के दौरान भुगतान न किए गए रु. 27.89 लाख के व्यय के संबंध में देयताएं सम्मिलित नहीं हैं। इससे वर्तमान देयताओं और प्रावधानों का अवमूल्यन हुआ तथा पूंजीगत निधि में रु. 27.89 लाख की अतिरंजना हुई।

2. अचल सम्पत्ति (अनुसूची–3) रु. 19.44 करोड़

   - उपरोक्त में विशिष्ट परियोजना खाते से खरीदे गए 0.80 लाख रुपये के लैपटॉप शामिल नहीं हैं। परिणामस्वरूप अचल सम्पत्ति को कम करके और पूंजी निधि को 0.80 लाख रुपये से कम करके दिखाया गया है।

   - विशिष्ट परियोजनाओं के लिए कोई अलग अचल संपत्ति रजिस्टर नहीं रखा गया इसलिए लेखापरीक्षा रु. 4.68 लाख (अनुसूची 3 (ई) की अचल संपत्तियों की पुष्टि नहीं कर सका।

3. अनुसूची 7 और अनुसूची 2(बी) सहायता अनुदान के प्रारंभिक शेष और अंतिम शेष को क्रमशः (–) रु.3.62 करोड़ और रु.1.55 करोड़ के रूप में दर्शाती है जबकि प्रारंभिक शेष और अंतिम शेष का सही आंकड़ा क्रमशः 1.24 करोड़ रुपये और 6.41 करोड़ रुपये है। खातों की अनुसूची 7 और अनुसूची 2 (बी) को सुधारने की आवश्यकता है।

4. राजस्व व्यय के लिए उपयोग किए गए शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित खातों के प्रारूप के अनुसार (सेवानिवृत्ति लाभों के प्रावधान को छोड़कर और सेवानिवृत्ति लाभों के वास्तविक व्यय सहित) को उपरोक्त अनुसूची में आय के रूप में दिखाया जाना चाहिए। इसलिए, राजस्व व्यय के लिए उपयोग किया गया अनुदान 38,93,75,447 रुपये होना चाहिए, लेकिन इसे उपरोक्त अनुसूची में 38,93,83,450 करोड़ रुपये के रूप में दिखाया गया है, जिसके परिणामस्वरूप पूंजीगत निधि के परिणामी ओवरस्टेटमेंट के साथ अनुदान/सब्सिडी का अधिक विवरण दिया गया है और वर्तमान देनदारियों और प्रावधानों को अप्रयुक्त अनुदान सहायता 8000 रु. कम करके दिखाया गया है –

5. विशिष्ट परियोजनाओं में 2016–17 से 2018–19 की अवधि से संबंधित 32.05 लाख रुपये का डेबिट बैलेंस शामिल है, जिसका विवरण नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	परियोजना का नाम	राशि रुपये में	वर्ष में डेबिट शेष
1.	प्राइमरी और अपर प्राइमरी एडसिल	(-)1363560	2016-17
2.	सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च यूजीसी	(-)425525	2018-19
3.	आई.पी.ई.ए. म्यांमार	(-)1416334	2018-19
	कुल	**(-)3205419**	

इन डेबिट शेष की समीक्षा की जाने की जरूरत है और संदेहास्पद राशि का प्रावधान किया जाना चाहिए।

राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

17–बी, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली–110 016 (भारत)

दूरभाष : 91-011-26544800, 26565600
फैक्स : 91-011-26853041, 26865180
ई.मेल : niepa@niepa.ac.in
वेबसाईट : http://www.niepa.ac.in